



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-06122025-268280
CG-DL-W-06122025-268280

साप्ताहिक/WEEKLY
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 49] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 6—दिसम्बर 12, 2025 (अग्रहायण 15, 1947)
No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 6—DECEMBER 12, 2025 (AGRAHAYANA 15, 1947)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.		पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.....	561	छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.....	*
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1223	भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).....	*
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	7	भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.....	*
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	4809	भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	3505
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.....	*	भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस.....	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.....	*	भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.....	*	भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.....	1
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).....	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.....	6691
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को		भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक.....	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.		Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	561	(other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1223	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	7	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	4809	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	3505
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations.....	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	6691
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India		PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2025

सं. 83-प्रेस/2025—भारत की राष्ट्रपति स्वतंत्रता दिवस, 2025 के अवसर पर पुलिस, अग्निशमन, जेल प्रशासन तथा गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सेवाओं के लिए राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों / केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) / केन्द्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ) तथा अन्य संबंधित संगठनों के निम्नलिखित कार्मिकों को राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक (पीएसएम) सहर्ष प्रदान करती हैं :—

पुलिस सेवा

1. श्री भद्रय्या चेलुपाटि, पुलिस अधीक्षक, आंध्र प्रदेश
2. श्री राजीव कुमार गोपू, उप पुलिस अधीक्षक, आंध्र प्रदेश
3. श्री ताके रिङ्गू, पुलिस महानिरीक्षक, अरुणाचल प्रदेश
4. श्री पार्थ सारथी महन्ता, पुलिस आयुक्त, असम
5. श्री नीलेश कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक, बिहार
6. श्री संजय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक, बिहार
7. श्री हिमांशु गुप्ता, निदेशक, छत्तीसगढ़
8. सुश्री गरिमा भटनागर, विशेष पुलिस आयुक्त, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
9. श्री सागर प्रीत हुड्डा, विशेष पुलिस आयुक्त, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
10. श्री सतेंद्र यादव, उपनिरीक्षक (कार्यकारी), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
11. श्री जुबेर अब्दुल रज़ाक मोमिन, हेड कांस्टेबल, गोवा
12. श्री पीयूष पुरुषोत्तमदास पटेल, निदेशक, गुजरात
13. श्री मुकेश जगदिशचंद्र सोलंकी, पुलिस अधीक्षक, गुजरात
14. श्री शिवास कविराज, पुलिस आयुक्त, हरियाणा
15. श्री कुलदीप सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, हरियाणा
16. श्री कैलाश कुमार श्रेष्ठ, हवलदार, झारखंड
17. श्री एस बद्रीनाथ, पुलिस अधीक्षक, कर्नाटक
18. श्री अजित विजयन, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, केरल
19. श्री योगेश देशमुख, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, मध्य प्रदेश
20. श्री राकेश गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, मध्य प्रदेश
21. श्री देवेन्द्र कुमार कौशल, आरक्षक, मध्य प्रदेश
22. श्री वाल्टर हेनरी एक्का, प्रधान आरक्षक, मध्य प्रदेश

23. श्री अनिल दशरथराव कुंभारे, पुलिस सह आयुक्त, महाराष्ट्र
24. श्री नवीनचंद्र दत्ता रेड्डी, पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
25. श्री राजेंद्रसिंग प्रभुसिंग गौर, सहायक पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
26. श्री लालरिंगडिका, कमांडेंट, मिजोरम
27. श्री रविंद्र कुमार पंडा, अतिरिक्त आरक्षी अधीक्षक, ओडिशा
28. श्री नरेश कुमार पटेल, कमांडेंट, ओडिशा
29. श्री मोहम्मद फैयाज फारुकी, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पंजाब
30. श्री सुरेश कुमार, पुलिस निरीक्षक, पंजाब
31. श्री भंवर सिंह, कम्पनी कमाण्डर, राजस्थान
32. श्री नरेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक पुलिस, राजस्थान
33. श्रीमती भू बालनागदेवी, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, तमिलनाडु
34. श्री ग कार्तिकेयन, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त / पुलिस महानिरीक्षक, तमिलनाडु
35. श्रीमती सु लक्ष्मी, पुलिस महानिरीक्षक, तमिलनाडु
36. श्री म्याथरी सिद्धैया, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, तेलंगाना
37. श्री निदामानुरी हुसैन, हेड कांस्टेबल, तेलंगाना
38. श्री के. सत्यनारायणा, अपर पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश
39. डॉ. संजीव गुप्ता, अपर पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश
40. श्री कुलदीप नारायण, पुलिस उप महानिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
41. श्री राजेश कुमार सिंह, पुलिस उप महानिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
42. श्री अवध नारायण, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
43. श्री तारा चन्द्र, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
44. श्री नारायण सिंह नपलच्याल, पुलिस महानिरीक्षक, उत्तराखंड
45. श्री त्रिपुरारी अथर्व, निदेशक, पश्चिम बंगाल
46. श्री हरगोबिंदर सिंह धालीवाल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
47. डॉ. अजीत कुमार सिंगला, पुलिस महानिरीक्षक, पुडुचेरी
48. श्री शेख जुनैद महमूद, उप महानिरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
49. श्रीमती रशमी वजीर, उप महानिरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
50. श्री विनोद कुमार चित्तलाक्कट, सूबेदार मेजर, असम राइफल्स
51. श्री अशोक यादव, महानिरीक्षक, बीएसएफ
52. श्री दिनेश कुमार बूरा, महानिरीक्षक, बीएसएफ
53. श्री हरबक्स सिंह ढिल्लों, महानिरीक्षक, बीएसएफ
54. श्री अवतार सिंह शाही, उप महानिरीक्षक, बीएसएफ
55. श्री सतीश कुमार शास्त्री, कमांडेंट, बीएसएफ
56. श्रीमती निलिमा रानी सिंह, महानिरीक्षक, सीआईएसएफ
57. श्री संजय मेहता, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ

58. श्रीमती शिप्रा आचार्य, सहायक कमाण्डेंट, सीआईएसएफ
59. डॉ. विपुल कुमार, महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
60. श्री विजय कुमार, महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
61. श्री सुरेश एस, कमाण्डेंट, सीआरपीएफ
62. श्री विशन स्वरूप शर्मा, उप महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
63. श्री अरविन्द कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ
64. श्री शरद प्रताप सिंह, महानिरीक्षक, आईटीबीपी
65. श्री अवनीश, उप महानिरीक्षक, आईटीबीपी
66. श्री सोंकी राम, सहायक सेनानी, आईटीबीपी
67. श्री मोहम्मद जमाल खान, ग्रुप कमांडर, एनएसजी
68. श्री सोमित जोशी, महानिरीक्षक, एसएसबी
69. श्री जगदीश राम, उप कमांडेंट, एसएसबी
70. श्री दीपक झा, संयुक्त उपनिदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
71. श्री चेतन आनंद, संयुक्त उपनिदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
72. श्री मनोहर लाल पँवार, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
73. श्री संदीपन तरफदार, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
74. श्री ए पॉल जयकुमार, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/तकनीकी, गृह मंत्रालय
75. श्री बाबू लाल मीणा, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-I/तकनीकी, गृह मंत्रालय
76. श्री प्रदीप कंडारी, अनुभाग अधिकारी, गृह मंत्रालय
77. श्री सतीश चंद्रा, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
78. श्री विवेक प्रियदर्शी, पुलिस उपमहानिरीक्षक, सीबीआई
79. श्री मछिन्द्र रामचन्द्र कडोले, पुलिस उपमहानिरीक्षक, सीबीआई
80. श्री विशाल, पुलिस उपाधीक्षक, सीबीआई
81. श्री वेंकटा नरेंद्र देव चिलुकुरी, अपर पुलिस अधीक्षक, सीबीआई
82. श्री बंदी पेड्डी राजू, अपर पुलिस अधीक्षक, सीबीआई
83. श्री अभिजित सेन, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
84. श्री विमुक्त रंजन, उप महानिरीक्षक, एसपीजी
85. श्री शेख अब्दुल समद, सब इंस्पेक्टर, एसवीपीएनपीए
86. श्री कुलीश आनन्द, उप कमाण्डेंट, एनडीआरएफ
87. श्री विपिन कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, एनआईए
88. श्री गोल्लमुडि मधुसूदन राव, मंडल सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ
89. श्री कुक्कला राजगोपाला रेड्डी, सहायक सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ अग्निशमन सेवा
90. श्री सुशील कुमार, अग्निशमन अधिकारी, उत्तर प्रदेश

91. श्री वंश बहादुर यादव, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, उत्तराखंड
92. श्री रमेश सिंह, उप कमाण्डेन्ट/अग्निशमन, सीआईएसएफ
93. श्री सुरेन्द्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक/अग्निशमन, सीआईएसएफ
94. श्री प्रशान्त कुमार राउत, सहायक उप निरीक्षक/अग्निशमन, सीआईएसएफ
होम गार्ड और सिविल डिफेंस
95. श्री दोलगोबिंद महापात्र, गृहरक्षी प्लाटून कमांडर, ओडिशा
96. श्री नरेन्द्र सिंह मलिक, उप मुख्य वार्डन, उत्तर प्रदेश
97. श्री सम्पूर्णा नंद मिश्रा, वरिष्ठ सिविल डिफेंस प्रशिक्षक, रेलवे बोर्ड
सुधारात्मक सेवा
98. श्री कामाक्षी प्रसाद पति, जेलर, ओडिशा
99. श्री रमाकान्त शर्मा, जेलर, राजस्थान

2. राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक (पीएसएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 86-प्रेस/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 तथा गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है।

एस. एम. समी
अवर सचिव

सं. 84-प्रेस/2025—भारत की राष्ट्रपति स्वतंत्रता दिवस, 2025 के अवसर पर पुलिस, अग्निशमन, जेल प्रशासन तथा गृह रक्षक व नागरिक सुरक्षा सेवाओं के लिए राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों / केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) / केन्द्रीय पुलिस संगठनों (सीपीओ) तथा अन्य संबंधित संगठनों के निम्नलिखित कार्मिकों को सराहनीय सेवा के लिए पदक (एमएसएम) सहर्ष प्रदान करती हैं :—

पुलिस सेवा

1. श्री रवि कृष्ण आके, महानिरीक्षक पुलिस, आंध्र प्रदेश
2. श्री श्रीनिवास राव वल्लुरी, उप पुलिस अधीक्षक, आंध्र प्रदेश
3. श्री वीरा वेंकट प्रताप कुमार थोटा, उप पुलिस अधीक्षक, आंध्र प्रदेश
4. श्री कोडंडाश्री रामचन्द्रराजू डेंडुकुरी, सहायक कमांडेंट, आंध्र प्रदेश
5. श्री गोविंद राव मामिडी, आरक्षित पुलिस निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
6. श्री राम कृष्ण गंडेम, पुलिस निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
7. श्री श्रीनिवासराम बोड्डु, मुख्य कांस्टेबल, आंध्र प्रदेश
8. श्री सीता राम करिमीकोंडा, उप निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
9. श्री पेदिरेड्डी चंद्रशेखर, सहायक उप निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
10. श्री नाग मल्लेश्वर राव विस्सारापु, सहायक उप निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
11. श्री वेंकट राम शर्मा बुर्रा, सहायक उप निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
12. श्री उस्मान गनी खान नायेब, सहायक उप निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
13. श्री गोपाल करुवा, उप निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
14. श्री कोटेश कोट्टाकोटा, उप निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
15. श्री नागेश्वर राव डोम्मेटी, सहायक उप निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
16. श्री सीतारामअंजनेयुलु पामथ्री, सहायक उप निरीक्षक, आंध्र प्रदेश

17. श्री नागबाबू कोप्पीसेट्टी, सहायक उप निरीक्षक, आंध्र प्रदेश
18. श्री गोपाल कृष्ण गुब्बला, मुख्य कांस्टेबल, आंध्र प्रदेश
19. श्री सुरेश कुमार मुरुगेशन, मुख्य कांस्टेबल, आंध्र प्रदेश
20. श्री दानम गड्डा, मुख्य कांस्टेबल, आंध्र प्रदेश
21. श्री खिकसी यांगफो, पुलिस निरीक्षक, अरुणाचल प्रदेश
22. श्रीमती संजुक्ता पैरासर, पुलिस महानिरीक्षक, असम
23. श्री विवेक राज सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, असम
24. श्रीमती जयश्री खेरसा, कमांडेंट, असम
25. श्री हृदयजीत बर्मन, पुलिस अधीक्षक, असम
26. श्री नुमल महत्ता, पुलिस अधीक्षक, असम
27. श्री देवाशीष बोरा, कमांडेंट, असम
28. श्री तब्बू राम पेगु, कमांडेंट, असम
29. श्री निर्मल चंद्र बिस्वास, पुलिस उपाधीक्षक, असम
30. श्री ललित सैकिया, इंस्पेक्टर एपीआरओ, असम
31. श्री अखिल कुमार दास, उप निरीक्षक, असम
32. श्री ध्रुवा सरकी, इंस्पेक्टर, असम
33. श्री नबीन चंद्र शर्मा, सहायक कमांडेंट, असम
34. श्री रवींद्र सिंह, एबीएसआई, असम
35. श्रीमती गरिमा मलिक, पुलिस महानिरीक्षक, बिहार
36. श्रीमती स्मिता सुमन, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, बिहार
37. श्री राजेश रंजन, पुलिस उपाधीक्षक, बिहार
38. श्री बिमल क्षेत्री, हवलदार, बिहार
39. श्री आशीष रंजन सिंह, सहायक पुलिस अवर निरीक्षक, बिहार
40. श्री सर्वेश कुमार, सिपाही, बिहार
41. श्री ध्रुव गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक, छत्तीसगढ़
42. श्री प्रशांत कुमार ठाकुर, पुलिस अधीक्षक, छत्तीसगढ़
43. श्रीमती श्वेता राजमणि, कमांडेंट, छत्तीसगढ़
44. श्री रवि कुमार कुर्रे, पुलिस अधीक्षक, छत्तीसगढ़
45. श्रीमती कौशिल्या भट्ट, निरीक्षक, छत्तीसगढ़
46. श्री रोहित कुमार झा, सहायक महानिरीक्षक, छत्तीसगढ़
47. श्री कमलेश कुमार मिश्रा, निरीक्षक, छत्तीसगढ़
48. श्री दल सिंह नामदेव, प्लाटून कमांडर, छत्तीसगढ़
49. श्री दिलीप कुमार सिन्हा, कंपनी कमांडर, छत्तीसगढ़
50. श्री सुशील कुमार बरुआ, सहायक उप निरीक्षक, छत्तीसगढ़
51. श्री अन्येश राँय, उपायुक्त पुलिस, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

52. श्री विरेन्द्र सिंह सजवान, सहायक पुलिस आयुक्त, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
53. श्री सूरज भान, सहायक पुलिस आयुक्त, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
54. श्री विजय कुमार बत्स, सहायक पुलिस आयुक्त, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
55. सुश्री सपना गेडाम, सहायक पुलिस आयुक्त, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
56. श्री गुरकीरत सिंह कोहली, सहायक पुलिस आयुक्त, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
57. श्री पवितर सिंह, इन्स्पेक्टर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
58. सुश्री सुनीता, निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
59. श्री रघुनाथ पावूर, उप निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
60. श्री कृष्ण कुमार, उपनिरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
61. सुश्री सुमेला रावत, उपनिरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
62. श्री असिपाल सिंह, सहायक उपनिरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
63. सुश्री संतोष देवी, उपनिरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
64. श्री अनिल कुमार, निरीक्षक, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
65. सुश्री भावना अग्रवाल, प्रधान सिपाही, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
66. श्री गुरुदास नारायण गावड़े, पुलिस अधीक्षक, गोवा
67. श्री गुरुदास आनंद कदम, उप पुलिस अधीक्षक, गोवा
68. श्री शरद जितेन्द्रप्रकाश सिंघल, संयुक्त पुलिस आयुक्त, गुजरात
69. श्री खुमानसिंह नानभाई डामोर, संयुक्त पुलिस आयुक्त, गुजरात
70. श्री राकेश प्रविणकुमार बारोट, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, गुजरात
71. श्री बाबूभाई लीलाभाई देसाई, उप पुलिस अधीक्षक, गुजरात
72. श्री महाविरसिंह हितेंद्रसिंह वाघेला, उप पुलिस अधीक्षक, गुजरात
73. श्री भुपेन्द्रकुमार नटवरलाल दवे, उप पुलिस अधीक्षक, गुजरात
74. श्री कमलेश अरुण पाटील, निहत्थे सहायक उप निरीक्षक, गुजरात
75. श्री मिलिन्द बालकृष्णा सुर्वे, सशस्त्र पुलिस निरीक्षक, गुजरात
76. श्री अनिल कुमार विनजीभाई गामित, निहत्थे सहायक उप निरीक्षक, गुजरात
77. श्री परेशकुमार धिरजलाल पटेल, निहत्थे सहायक उप निरीक्षक, गुजरात
78. श्री ललीतकुमार पुनमचंद जोषी, पुलिस वायरलेस सब इन्स्पेक्टर, गुजरात
79. श्री राकेशसिंह रामवीरसिंह भदोरीया, निहत्थे हेड कांस्टेबल, गुजरात
80. श्री राजेन्द्रसिंह मानसिंह सोलंकी, निहत्थे पुलिस सब इन्स्पेक्टर, गुजरात
81. श्री सहदेवभाई वरवाभाई देसाई, निहत्थे सहायक उप निरीक्षक, गुजरात
82. श्री विनोदकुमार नामदेव वाडले, निहत्थे सहायक उप निरीक्षक, गुजरात
83. श्री विक्रमसिंह नटुभा जाडेजा, सशस्त्र हेड कांस्टेबल, गुजरात
84. श्री विष्णुसिंह कल्याणसिंह राठोड, निहत्थे पुलिस सब इन्स्पेक्टर, गुजरात
85. श्री पंकजसिंह कुबेरसिंह राणा, इन्टेलीजन्स ऑफिसर, गुजरात
86. श्री विरेन्द्रसिंह परबतसिंह चावडा, असिस्टेंट इन्टेलीजन्स ऑफिसर, गुजरात

87. श्री रमेशकुमार हीरदयराम त्रिपाठी, निहत्थे पुलिस कांस्टेबल, गुजरात
88. श्री बकुलकुमार हरजीवनभाई परमार, निहत्थे सहायक उप निरीक्षक, गुजरात
89. श्री ऋषिपाल, निरीक्षक, हरियाणा
90. श्री राजेश कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त, हरियाणा
91. श्री सुरेश कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, हरियाणा
92. श्री धर्मेन्द्र, निरीक्षक, हरियाणा
93. श्री अशोक कुमार, उप निरीक्षक, हरियाणा
94. श्री राजेश कुमार, निरीक्षक, हरियाणा
95. श्री यशपाल सिंह, उप निरीक्षक, हरियाणा
96. श्री हरकेश कुमार, निरीक्षक, हरियाणा
97. श्री महावीर सिंह, निरीक्षक, हरियाणा
98. श्री जोगिन्दर सिंह, निरीक्षक, हरियाणा
99. श्री सोहन लाल, उप निरीक्षक, हरियाणा
100. श्री अनुरंजन किस्पोट्टा, पुलिस उप महानिरीक्षक, झारखंड
101. श्री असीत कुमार मोदी, निरीक्षक, झारखंड
102. श्री मनोज कुमार राय, पुलिस उपाधीक्षक, झारखंड
103. श्री विजय थापा, हवलदार, झारखंड
104. श्री विदेशी मांझी, कांस्टेबल, झारखंड
105. श्री अजय कुमार दूबे, कांस्टेबल, झारखंड
106. श्रीमती रंजिता कुजूर, हवलदार, झारखंड
107. श्री दीपक पुंज, सहायक उप निरीक्षक, झारखंड
108. श्री महेंद्र महतो, सहायक उप निरीक्षक, झारखंड
109. श्रीमती पुष्पा ओडेया, कांस्टेबल, झारखंड
110. श्री दीपक कुमार सिंह, कांस्टेबल, झारखंड
111. डॉ. चंद्रगुप्त, पुलिस महानिरीक्षक, कर्नाटक
112. डॉ. रामकृष्ण मुद्देपाल, कमांडेंट, कर्नाटक
113. श्री कल्लिमने महदेवप्पा शांतराजू, पुलिस अधीक्षक, कर्नाटक
114. सुश्री काला कृष्णास्वामी, पुलिस अधीक्षक, कर्नाटक
115. श्री प्रवीण बाबू गुरुसिद्धैया, पुलिस इन्सपेक्टर, कर्नाटक
116. श्री प्रकाश राठौड़, सहायक पुलिस आयुक्त, कर्नाटक
117. श्री एडविन प्रदीप सेमसन, पुलिस इन्सपेक्टर, कर्नाटक
118. श्री सतीश सदाशिवैया बेट्टाहल्ली, पुलिस इन्सपेक्टर, कर्नाटक
119. श्री शांताराम, पुलिस इन्सपेक्टर, कर्नाटक
120. श्री सुजना शेटी, सहायक उप पुलिस निरीक्षक, कर्नाटक
121. श्रीमती झांसीरानी जानकीरामसिंह, पुलिस सब इन्सपेक्टर, कर्नाटक

122. श्री गुरुराज महादेवप्पा बुदिहाल, सहायक रिजर्व सब इन्स्पेक्टर, कर्नाटक
123. श्री राकेश एम जे, विशेष रिजर्व हेड कांस्टेबल, कर्नाटक
124. श्री शमशुद्दीन, सिविल हेड कांस्टेबल, कर्नाटक
125. श्री शंकर वाई, सिविल हेड कांस्टेबल, कर्नाटक
126. श्री अलंकार राकेश रेवनसिद्धप्पा अलंकार, सिविल हेड कांस्टेबल, कर्नाटक
127. श्री रवि एल, सिविल हेड कांस्टेबल, कर्नाटक
128. श्री वेंकटेश नारायणप्पा, पुलिस अधीक्षक, कर्नाटक
129. श्री श्याम कुमार वासुदेवन पिल्लई, सुपरिटेण्डेंट ऑफ पुलिस, केरल
130. श्री रमेश कुमार परमेश्वरकुरुप नारायणकुरुप, पुलिस अधीक्षक एवं प्राचार्य, केरल
131. श्री पेरायिल बालकृष्णन नायर, अपर पुलिस अधीक्षक, केरल
132. श्री प्रवी ई वी, सहायक कमांडेंट, केरल
133. श्री यू प्रेमन, पुलिस उपाधीक्षक, केरल
134. श्री मोहन कुमार राम कृष्ण पणिक्कर, सब इन्स्पेक्टर, केरल
135. श्री सुरेश बाबू वासुदेवन, डेप्युटी कमांडेंट, केरल
136. श्री रामदास एलायदथ पुथेनवेट्टिल, पुलिस निरीक्षक, केरल
137. श्रीमती सजिषा कं पी, सहायक उप निरीक्षक, केरल
138. श्रीमती शिनीलाल एस एस, सहायक उप निरीक्षक, केरल
139. श्रीमती सीमा अलावा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, मध्य प्रदेश
140. श्री धर्मेन्द्र सिंह भदौरिया, उप पुलिस महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश
141. श्री विजय कुमार खत्री, उप पुलिस महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश
142. श्री आशीष खरे, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश
143. श्री नीरज पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
144. श्री रूपेश कुमार द्विवेदी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
145. श्री राजेश सहाय, पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
146. श्री दिनेश कुमार सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
147. श्री प्रवीण पंवार, निरीक्षक, मध्य प्रदेश
148. श्री कुन्जेश श्रीवास्तव, निरीक्षक, मध्य प्रदेश
149. श्री वीरेन्द्र सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
150. श्री मनोज कुमार दुबे, निरीक्षक, मध्य प्रदेश
151. श्रीमती मनीता राय, निरीक्षक, मध्य प्रदेश
152. श्री एलरिज विनसेन्ट सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, मध्य प्रदेश
153. श्री राजेन्द्र कुमार दुबे, सहायक उप निरीक्षक, मध्य प्रदेश
154. श्री कल्याण सिंह, प्रधान आरक्षक, मध्य प्रदेश
155. श्री अशोक राव सावंत, सहायक उप निरीक्षक, मध्य प्रदेश
156. श्री प्रमोदकुमार परशराम शेवाले, अपर पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र

157. श्री दत्तात्रय शंकर ढोले, सहायक पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
158. श्री संजय सुभाष चांदखेडे, पुलिस उप अधीक्षक, महाराष्ट्र
159. श्री शैलेंद्र रघुनाथ धिवार, सहायक पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
160. श्रीमती ज्योती अरविंद देसाई, सहायक पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
161. श्री राजन आबाजी माने, सहायक पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
162. श्री कैलास मनोहर पुंडकर, सहायक पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
163. श्री नरेंद्र कृष्णराव हिवरे, सहायक पुलिस आयुक्त, महाराष्ट्र
164. श्री दिपककुमार चुडामण वाघमारे, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
165. श्री रविंद्र अंबुजी वाणी, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
166. श्री संदीप शांताराम शिंदे, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
167. श्री संदीप यशवंत मोरे, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
168. श्री काशिनाथ दत्ता राऊळ, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
169. श्री जोसेफ मार्यन डिसिल्वा, वरिष्ठ गुप्तचर अधिकारी, महाराष्ट्र
170. श्री सुनील भाऊराव चौधरी, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
171. श्री सत्यवान आनंद म्हशाळकर, राखीव पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
172. श्री अशोक सोनु जगताप, श्रेणी पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
173. श्री दिपक सुगनसिंग परदेशी, श्रेणी पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
174. श्री बालासाहेब यशवंत भालचिम, उप विभागीय पुलिस अधिकारी, महाराष्ट्र
175. श्री आनंदराव मारुति पवार, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
176. श्री सुरेश दिगांबर कराले, सहायक समादेशक, महाराष्ट्र
177. श्री रमेश बबन वेठेकर, सहायक समादेशक, महाराष्ट्र
178. श्री अनिल कृष्णराव ब्राम्हणकर, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
179. श्री रमेश नथ्युजी ताजणे, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
180. श्री ओहरसिंग द्वारका पटले, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
181. श्री सुभाष मधुकर हांडगे, पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
182. श्री विश्वास रोहिदास पाटील, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
183. श्री अविनाश रामभाऊ नावरे, श्रेणी पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
184. श्री अनंत विष्णुपंत व्यवहारे, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, महाराष्ट्र
185. श्री सतिश भगवान जाधव, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
186. श्री धोंडिबा माधवराव भुत्ते, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
187. श्री हर्षकांत काशिनाथ पवार, श्रेणी पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
188. श्री प्रमोद कारभारी पवार, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
189. श्री राजेंद्र गोपालराव मोरे, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
190. श्री जितेंद्र जगन्नाथ कोंडे, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र
191. श्री संजय दामोदर शिरसाट, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, महाराष्ट्र

192. श्री संजीवकुमार काशि माथुर, पुलिस हवलदार, महाराष्ट्र
193. श्री रमेश खुशालराव कुंभलकर, पुलिस हवलदार, महाराष्ट्र
194. श्री अंचल ईश्वरप्रसाद मुदगल, पुलिस निरीक्षक, महाराष्ट्र
195. श्री देवेन्द्र सिंह हिजाम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, मणिपुर
196. श्री एसएल थांगजापाओ वैफेई, पुलिस उपाधीक्षक, मणिपुर
197. श्री यांगमबम नीलबिर सिंह, जमादार, मणिपुर
198. श्री इरेंगबाम दोरेन्द्रो मीतेई, हवलदार, मणिपुर
199. श्री सेइखोहाओ खोंगसाई, सहायक उप निरीक्षक, मणिपुर
200. श्री मंगते जैकी कॉम, राइफलमैन, मणिपुर
201. श्री बिल्लीगृहम र मारक, कमांडेंट, मेघालय
202. श्री अल्लन एड्डिए मारबानीअंग, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, मेघालय
203. श्री स्टीफन लालरिनवामा, पुलिस अधीक्षक, मिजोरम
204. श्री जोथनसांगा टीसी, निरीक्षक, मिजोरम
205. श्री केविथुतो सोफी, पुलिस आयुक्त, नागालैंड
206. श्रीमती अबोली मेथा, कमांडेंट, नागालैंड
207. श्री महेश्वर सेठी, सहायक आरक्षी महानिरीक्षक, ओडिशा
208. श्री प्रदीप कुमार प्रधान, अतिरिक्त आरक्षी अधीक्षक, ओडिशा
209. श्री देवेन्द्र नारायण दास, अतिरिक्त आरक्षी अधीक्षक, ओडिशा
210. श्री आशिष कुमार राउत, उप आरक्षी अधीक्षक, ओडिशा
211. श्री ए श्रीनिवास दोरा, आरक्षी निरीक्षक, ओडिशा
212. श्रीमती हेमामालिनी नायक, आरक्षी निरीक्षक, ओडिशा
213. श्री सूर्यनारायण मल्लिक, कमांडेंट, ओडिशा
214. श्री संतोष कुमार मिर्धा, आरक्षी निरीक्षक, ओडिशा
215. श्री अरुण कुमार सामंत, सहायक आरक्षी उप निरीक्षक, ओडिशा
216. श्री अरविंद दास, सहायक आरक्षी उप निरीक्षक, ओडिशा
217. श्रीमती चिन्मयी राउत, कांस्टेबल, ओडिशा
218. श्री गुरदियाल सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, पंजाब
219. श्री गुरप्रीत सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, पंजाब
220. श्री जगदीप सिंह, निरीक्षक, पंजाब
221. श्री तेजिंदरपाल सिंह, निरीक्षक, पंजाब
222. श्री अमरीक सिंह, उप निरीक्षक, पंजाब
223. श्री अमृतपाल सिंह, उप निरीक्षक, पंजाब
224. श्री अनिल कुमार, उप निरीक्षक, पंजाब
225. श्री दीपक कुमार, निरीक्षक, पंजाब
226. श्री सतिंदर कुमार, निरीक्षक, पंजाब

227. श्री संजीव कुमार, उप निरीक्षक, पंजाब
228. श्री भूपिंदर सिंह उप निरीक्षक, पंजाब
229. श्री जसविंदरजीत सिंह, सहायिक उप निरीक्षक, पंजाब
230. श्री कुलदीप सिंह, सहायिक उप निरीक्षक, पंजाब
231. श्री कृष्ण कुमार, उप निरीक्षक, पंजाब
232. श्री मनीष अग्रवाल-II, पुलिस उप महानिरीक्षक, राजस्थान
233. श्री धर्मेन्द्र सिंह सागर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, राजस्थान
234. श्री अवनीश कुमार शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, राजस्थान
235. श्री चैन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, राजस्थान
236. श्री कैलाश चंद खटीक, उप अधीक्षक पुलिस, राजस्थान
237. श्री सहीराम, प्लाटून कमाण्डर, राजस्थान
238. श्री जसवन्त राम, उप निरीक्षक पुलिस, राजस्थान
239. श्री सुरेन्द्र सिंह, कांस्टेबल, राजस्थान
240. श्री कानाराम जाखड, हैड कांस्टेबल, राजस्थान
241. श्री सवाई सिंह, पुलिस निरीक्षक, राजस्थान
242. श्री देवकरण, हैड कांस्टेबल, राजस्थान
243. श्री देवी सिंह, उप निरीक्षक पुलिस, राजस्थान
244. श्री गिरधारी लाल, हैड कांस्टेबल, राजस्थान
245. श्री तलसाराम, हैड कांस्टेबल, राजस्थान
246. श्री भोजराज सिंह, सहायक उप निरीक्षक, राजस्थान
247. श्री तेजा राम, कांस्टेबल, राजस्थान
248. श्री रिनजिंग छोडा भूटिया, हेड कांस्टेबल, सिक्किम
249. श्रीमती आ जयलक्ष्मी, पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु
250. श्री रा सक्तिबेल, पुलिस उपायुक्त, तमिलनाडु
251. श्रीमती सु विमला, पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु
252. श्री पो दुरई पांडियन, पुलिस उपाधीक्षक, तमिलनाडु
253. श्री प गोपालचंद्रन, अपर पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु
254. श्री क सुधाकर देवसहायम, अपर पुलिस अधीक्षक, तमिलनाडु
255. श्री चे चंद्रशेखर, पुलिस उपाधीक्षक, तमिलनाडु
256. श्री स्टि क्रिस्टीन जयसिल, सहायक पुलिस आयुक्त, तमिलनाडु
257. श्री सु मुरुगराज, सहायक पुलिस आयुक्त, तमिलनाडु
258. श्री पो पोनराज, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
259. श्री मु वेलमुरुगन, पुलिस उपाधीक्षक, तमिलनाडु
260. श्री जो ऑधिसयराज, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
261. श्री मु रजनीकांत, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु

262. श्री बा रजिनीकांत, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
263. श्रीमती. सा श्रीविद्या, विशेष पुलिस उपनिरीक्षक, तमिलनाडु
264. श्री चि आनंदन, विशेष पुलिस उपनिरीक्षक, तमिलनाडु
265. श्री पे कन्नूसामी, पुलिस उपनिरीक्षक, तमिलनाडु
266. श्री सी पार्थिवन, विशेष पुलिस उपनिरीक्षक, तमिलनाडु
267. श्री पो रामकृष्णन, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
268. श्री ना गणेशन, पुलिस उपनिरीक्षक, तमिलनाडु
269. श्री रा नंदकुमार, पुलिस निरीक्षक, तमिलनाडु
270. श्री नल्लमला रवि, अतिरिक्त डिप्टी पुलिस आयुक्त, तेलंगाना
271. श्री टी करुणाकर, अतिरिक्त डिप्टी पुलिस आयुक्त, तेलंगाना
272. श्री जे एसके शमीर, अतिरिक्त डिप्टी पुलिस आयुक्त, तेलंगाना
273. श्री पुट्टा देवीदास, कमांडेंट, तेलंगाना
274. श्री मेकला अब्रहम, असिस्टेंट रिजर्व सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, तेलंगाना
275. श्री शिंडे प्रकाश, असिस्टेंट रिजर्व सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, तेलंगाना
276. श्री एम दशरथ, असिस्टेंट रिजर्व सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, तेलंगाना
277. श्री रामदुलार सिंह, असिस्टेंट रिजर्व सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, तेलंगाना
278. मोहम्मद मोइजुद्दीन, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, तेलंगाना
279. श्री राजेशुनि श्रीनिवास, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, तेलंगाना
280. श्री रुद्र कृष्ण कुमार, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, तेलंगाना
281. श्री रतिरंजन देबनाथ, पुलिस उप महानिरीक्षक, त्रिपुरा
282. श्री दिलीप कुमार सिन्हा, हवलदार, त्रिपुरा
283. श्री पशु राम देबबर्मा, सूबेदार, त्रिपुरा
284. श्री ध्रुवा कपाली, कांस्टेबल, त्रिपुरा
285. श्री उत्तम देबनाथ, कांस्टेबल, त्रिपुरा
286. श्री हेमेंद्र चन्द्र नाथ, कांस्टेबल, त्रिपुरा
287. डॉ. वृजेश कुमार सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
288. श्री लक्ष्मी निवास मिश्र, पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
289. श्री अनिल कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
290. श्री अनिल कुमार झा, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
291. श्री अजीजुल हक, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
292. श्री नरेन्द्र प्रताप सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
293. श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश
294. श्री अशोक कुमार, उप कमांडेंट, उत्तर प्रदेश
295. श्री आदर्श कुमार दीक्षित, रेडियो उपनिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
296. श्री इनामुल हक, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश

297. श्री शोभ नाथ यादव, सहायक कमांडेंट, उत्तर प्रदेश
298. श्री प्रदीप कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
299. श्री ओम प्रकाश, उपनिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
300. श्री अभय कुमार मौर्य, निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
301. श्री मोहम्मद आरिफ, मुख्य आरक्षी चालक, उत्तर प्रदेश
302. श्री बृजेश कुमार सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
303. श्री राजेन्द्र सिंह, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
304. श्री राजेन्द्र सिंह, मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
305. श्री राम आधार, निरीक्षक परिवहन, उत्तर प्रदेश
306. श्री रामेश्वर राय, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
307. श्री राम प्रकाश सिंह यादव, मुख्य आरक्षी चालक, उत्तर प्रदेश
308. श्री राम प्रकाश यादव, उपनिरीक्षक परिवहन, उत्तर प्रदेश
309. श्री राम विलाश पाण्डेय, निरीक्षक परिवहन, उत्तर प्रदेश
310. श्री राम चन्द्र सैनी, मुख्य आरक्षी चालक, उत्तर प्रदेश
311. श्री रमेश चन्द्र, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
312. श्री ओमकार सिंह, मुख्य आरक्षी चालक, उत्तर प्रदेश
313. श्री अजीत सिंह, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
314. श्री अवलीन्द्र कुमार यादव, मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
315. श्री धीरेन्द्र बहादुर सिंह, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
316. श्री दिनेश चन्द्र, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
317. श्री कबीर अहमद, मुख्य आरक्षी चालक, उत्तर प्रदेश
318. श्री करन सिंह यादव, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
319. श्री कृष्ण कुमार यादव, मुख्य आरक्षी चालक, उत्तर प्रदेश
320. श्री नरेन्द्र सिंह यादव, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
321. श्री आलोक चन्द्र सेन, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
322. श्री मनमोहन लाल, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
323. श्री उदय नारायण तिवारी, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
324. श्री उमापति मिश्र, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
325. श्री दुर्गा शंकर बाजपेयी, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
326. श्री शिवराज सिंह यादव, उपनिरीक्षक, उत्तर प्रदेश
327. श्री विनोद कुमार सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
328. श्री कमला कान्त तिवारी, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
329. श्री महेश प्रसाद सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
330. श्री रविन्द्र कुमार, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
331. श्री रूप कृष्ण त्रिपाठी, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश

332. श्री विनय कुमार, निरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
333. श्री पंकज श्रीवास्तव, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
334. श्री राधे कृष्ण, मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
335. श्री शिव कुमार, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
336. श्री श्रीकान्त पाण्डेय, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
337. श्री रामवीर सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
338. श्री अजय कुमार राय, मुख्य आरक्षी चालक, उत्तर प्रदेश
339. श्री अनिल कुमार, मुख्य आरक्षी चालक, उत्तर प्रदेश
340. श्री अरुण कुमार, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
341. श्री भुवन चन्द्र भट्ट, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
342. श्री नेत्रपाल सिंह, मुख्य आरक्षी चालक, उत्तर प्रदेश
343. श्री सर्वजीत सिंह यादव, मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
344. श्री श्रीपाल सिंह, मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
345. श्री श्याम सिंह, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
346. श्री प्रेमचन्द यादव, गुल्मनायक, उत्तर प्रदेश
347. श्री फखरे आलम अलवी, उपनिरीक्षक सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
348. श्री राकेश कुमार सिंह, मुख्य आरक्षी, उत्तर प्रदेश
349. श्री शैलेन्द्र सिंह यादव, मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिस, उत्तर प्रदेश
350. श्री राम प्रसाद, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
351. श्री विजय शंकर, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
352. श्रीमती उर्मिला सोलंकी, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तर प्रदेश
353. श्री प्रशान्त कुमार पाण्डेय, निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
354. श्री छेदी यादव, मुख्य आरक्षी चालक, उत्तर प्रदेश
355. श्री मुकन्दी सिंह, निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
356. श्री अवधेश कुमार उपाध्याय, उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, उत्तर प्रदेश
357. श्री छोटे सिंह, निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
358. श्री अरुण कुमार श्रीवास्तव, निरीक्षक, उत्तर प्रदेश
359. श्री जगदीश चन्द्र, अपर पुलिस अधीक्षक, उत्तराखंड
360. श्रीमती प्रतिमा भट्ट, सहायक सेनानायक, उत्तराखंड
361. श्री सौहकार सिंह, उप निरीक्षक अभिसूचना, उत्तराखंड
362. श्री नवीन चन्द्र सेमवाल, पुलिस उपाधीक्षक, उत्तराखंड
363. श्री मुजीबुल हसन, आरक्षी तकनीकी, उत्तराखंड
364. श्री प्रवीण कुमार त्रिपाठी, पुलिस आयुक्त, पश्चिम बंगाल
365. श्री अमित पी जवलगी, पुलिस आयुक्त, पश्चिम बंगाल
366. श्री प्रियव्रत बक्सी, पुलिस उपाधीक्षक, पश्चिम बंगाल

367. श्री देवांशु दासगुप्ता, सहायक पुलिस आयुक्त, पश्चिम बंगाल
368. श्री सौम्यजीत रॉय, पुलिस निरीक्षक, पश्चिम बंगाल
369. श्री कोहिनूर रॉय, पुलिस निरीक्षक, पश्चिम बंगाल
370. श्री स्वपन कुमार राय, पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
371. श्री सुब्रत सेन, पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
372. श्री सुभामय मित्र, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
373. श्री आनन्द मंडल, पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
374. श्री स्वरूप कुमार बसाक, सिपाही, पश्चिम बंगाल
375. श्रीमती आशमनआरा बेगम, सहायक पुलिस उप निरीक्षक, पश्चिम बंगाल
376. श्री माणिक बरुआ, सिपाही, पश्चिम बंगाल
377. श्री मोहम्मद अफतार हुसैन, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
378. श्री राजीब दास, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक, पश्चिम बंगाल
379. श्रीमती वी सत्यावती, उप निरीक्षक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
380. श्री महली उरांग, सहायक उप निरीक्षक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
381. श्री राजेंद्र कुमार, उप निरीक्षक, चंडीगढ़
382. श्री विक्रम, हवलदार, चंडीगढ़
383. श्री टाशि वांगयाल, उप निरीक्षक, लद्दाख
384. श्री मोहम्मद इस्माइल, सहायक उप निरीक्षक, लद्दाख
385. श्री स्कालज़ांग दोर्जे, हेड कांस्टेबल, लद्दाख
386. श्री ग सरबनन, पुलिस अधीक्षक, पुडुचेरी
387. श्री र कार्तिकेयन, पुलिस निरीक्षक, पुडुचेरी
388. श्री अशोक कुमार शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
389. श्री कोशल कुमार शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
390. श्री संजय कुमार कोतवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
391. श्री अरुण गुप्ता, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
392. श्रीमती ममता शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
393. श्री अश्विनी कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, जम्मू और कश्मीर
394. श्री विमल कुमार कौल, निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
395. श्रीमती बेनज़ीर इकबाल, निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
396. श्री कृष्ण चंद, प्रधान सिपाही, जम्मू और कश्मीर
397. श्रीमती नीलम शर्मा, निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
398. श्री भरत जी रैना, सहायक उप निरीक्षक, जम्मू और कश्मीर
399. श्री खुर्शीद अहमद माग्ने, प्रधान सिपाही, जम्मू और कश्मीर
400. श्री खुर्शीद अहमद काजी, अनुयायी, जम्मू और कश्मीर
401. श्री सोदागर मल, अनुयायी, जम्मू और कश्मीर

402. श्री गोपाकुमार कौवरूनाकरन, समादेशक, असम राइफल्स
403. श्री संजय कुमार मणि, समादेशक, असम राइफल्स
404. श्री सुनिल कुमार, सेकन्ड-इन-कमान्ड, असम राइफल्स
405. श्री धर्म सिंह, सूबेदार मेजर, असम राइफल्स
406. श्री अरुण कुमार चौधरी, वारंट अफसर, असम राइफल्स
407. श्री रणजीत सिंह, नायब सूबेदार, असम राइफल्स
408. श्री चुंडि गोपाला कृष्णा, नायब सूबेदार, असम राइफल्स
409. श्री जलालुद्दीन खान, नायब सूबेदार, असम राइफल्स
410. श्री सुबीर कुमार दास, हवलदार, असम राइफल्स
411. श्री सुराजीत शर्मा, सूबेदार, असम राइफल्स
412. श्री बाबू राम वर्मा, सूबेदार, असम राइफल्स
413. श्री शाजी लाल एस, नायब सूबेदार, असम राइफल्स
414. श्री भगवती प्रसाद, सूबेदार, असम राइफल्स
415. श्री मनोज कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, बीएसएफ
416. डॉ. राजीव कुमार कोटनाला, महानिरीक्षक, बीएसएफ
417. श्री दिनेश मुर्मू, उप महानिरीक्षक, बीएसएफ
418. श्री जसर्विन्द्र कुमार, उप महानिरीक्षक, बीएसएफ
419. श्री अशोक कुमार यादव, कमांडेंट, बीएसएफ
420. श्री आशुतोष कुमार सिंह, कमांडेंट, बीएसएफ
421. श्री देवेन्द्र सिंह, कमांडेंट, बीएसएफ
422. श्री मोहिंदर लाल, कमांडेंट, बीएसएफ
423. श्री प्रमोद प्रसाद नौटियाल, कमांडेंट, बीएसएफ
424. श्री रमन कुमार श्रीवास्तव, कमांडेंट, बीएसएफ
425. श्री दीपक तिवारी, कमांडेंट, बीएसएफ
426. श्री सुनील कुमार, कमांडेंट, बीएसएफ
427. डॉ. एंजेल बेनेट, उप महानिरीक्षक (मेडिकल)/एम.एस, बीएसएफ
428. श्री राजीव कुमार, विधि अधिकारी ग्रेड-1/कमांडेंट, बीएसएफ
429. डॉ. अम्बेश चंद शाही, सी.एम.ओ, बीएसएफ
430. श्री जितेन्द्र कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, बीएसएफ
431. श्री विपिन शेखावत, उप कमांडेंट, बीएसएफ
432. श्री आनंद सिंह बिष्ट, उप कमांडेंट, बीएसएफ
433. श्री दिगेंद्र सिंह पँवार, उप कमांडेंट, बीएसएफ
434. श्री दिनेश सिंह, सहायक कमांडेंट, बीएसएफ
435. श्री गिरजेश कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट, बीएसएफ
436. श्री सुरेन्द्र सिंह सज्वाण, सहायक कमांडेंट, बीएसएफ

437. श्री वीरेन्द्र ठाकुर, निरीक्षक, बीएसएफ
438. श्री राजीवन कविनिशेरी, सहायक कमांडेंट, बीएसएफ
439. श्री सुखदेव राज, कांस्टेबल, बीएसएफ
440. श्री के मुत्थुराज, उप निरीक्षक, बीएसएफ
441. श्री उत्तम सिंह, उप निरीक्षक, बीएसएफ
442. श्री धर्मपाल, उप निरीक्षक, बीएसएफ
443. श्री हौसिला प्रसाद तिवारी, उप निरीक्षक, बीएसएफ
444. श्री हंस राज, उप निरीक्षक, बीएसएफ
445. श्री राजबीर सिंह, उप कमांडेंट, बीएसएफ
446. श्री अतुल कुमार मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
447. श्री प्रमोद कुमार शर्मा, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
448. श्री नन्द किशोर, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
449. श्री बीरबल राम, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
450. श्री सुरेश कुमार शर्मा, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
451. श्री प्रसाद दास, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
452. श्री परमजीत सिंह, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
453. श्री वीरेंद्र सिंह पंवार, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
454. श्री वेनू कुमार वी, सहायक उप निरीक्षक, बीएसएफ
455. श्री बजरंग सिंह राठौर, सूबेदार मेजर, बीएसएफ
456. श्री दुलाल चंद राय, कांस्टेबल, बीएसएफ
457. श्री धर्म पाल, कांस्टेबल, बीएसएफ
458. श्री राजेश कुमार, हेड कांस्टेबल, बीएसएफ
459. श्री सचिन्द्रा कुमार त्रिपुरा, कांस्टेबल, बीएसएफ
460. श्री गायकवाड आनंता श्रीराम, हेड कांस्टेबल, बीएसएफ
461. श्री चंदनशिवे अमोल चरणदास, वरिष्ठ कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
462. श्री सुनीत शर्मा, वरिष्ठ कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
463. श्री राजेश, वरिष्ठ कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
464. श्री खुरशेद परवेज़ सिद्दीकी, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
465. श्री सुभाष सेन, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
466. श्री सज्जन सिंह खरीटा, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
467. श्री सोल्लू आंजनेया राजू, उप कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
468. श्री सुदेश चन्द्र, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
469. श्री अनिल कुमार, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
470. श्री पूरण सिंह कैरा, निरीक्षक, सीआईएसएफ
471. श्रीमती सुजा एम, उप निरीक्षक, सीआईएसएफ

472. श्री विवेकानंद महाता, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
473. श्री मकान सिंह, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
474. श्री राम दरश यादव, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
475. श्री डी वेंकटाद्री, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
476. श्री मनहरन प्रसाद शर्मा, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
477. श्री नीरज प्रसाद शुक्ला, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
478. श्री डी सेलवम, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
479. श्री आज्ञाद सिंह, उप कमाण्डेन्ट, सीआईएसएफ
480. श्री दीपक बावरी, सहायक उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
481. श्री किशन राम, प्रधान आरक्षक, सीआईएसएफ
482. श्री एस सजी, उप निरीक्षक, सीआईएसएफ
483. श्री तुलसी गोगोई, निरीक्षक, सीआईएसएफ
484. डॉ. गणेश चंद्र पाढी, महानिरीक्षक, सीआरपीएफ
485. श्री एरिक गिलबर्ट जोस, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
486. डॉ. पापिया सेनगुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी / कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
487. डॉ. दीपक कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी / कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
488. श्री राधे श्याम सिंह, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
489. श्री करुणा निधान, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
490. श्री नितिन कुमार, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
491. श्री जितेन्द्र कुमार, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
492. श्रीमती श्यालु एस महाराणा, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
493. श्री धर्मेन्द्र कुमार झा, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
494. श्री जीतेन्द्र कुमार ओझा, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
495. श्री सुशांत कुमार प्रधान, कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
496. श्रीमती एम रामालक्ष्मी, सहायक मैट्रन, सीआरपीएफ
497. श्री समीर कुमार राव, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ
498. श्री नीरज सिंह राठौर, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ
499. श्री अशोक कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ
500. श्री दीपक मणि त्रिपाठी, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ
501. श्री अजित सी बाबू, उप कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
502. श्री रमेन्द्र कुमार, उप कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
503. श्री राजकुमार चौधरी, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
504. श्री जागीर सिंह, सहायक कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
505. श्री हिमकांत दीक्षित, उप कमाण्डेन्ट, सीआरपीएफ
506. श्री सुरेन्द्र सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, सीआरपीएफ

507. श्री राम नरेश तिवारी, निरीक्षक, सीआरपीएफ
508. श्री त्रिलोक चन्द निराला, निरीक्षक, सीआरपीएफ
509. श्री देवेन्द्र कुमार सिंह, निरीक्षक, सीआरपीएफ
510. श्री धर्म सिंह, निरीक्षक, सीआरपीएफ
511. श्री रौशन सिंह रावत, निरीक्षक, सीआरपीएफ
512. श्री एस ए मथियालागन, निरीक्षक, सीआरपीएफ
513. श्री सुरेन्द्रन नायर जे, निरीक्षक, सीआरपीएफ
514. श्री अशोक कुमार, निरीक्षक, सीआरपीएफ
515. श्रीमती रेखा मतुरा, निरीक्षक, सीआरपीएफ
516. श्री होत चन्द, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
517. श्री बुन्गा राजु, निरीक्षक, सीआरपीएफ
518. श्री विरेन्द्र सिंह नेगी, हवलदार, सीआरपीएफ
519. श्री भोला शंकर सिंह यादव, हवलदार, सीआरपीएफ
520. श्री शमशेर लाल, निरीक्षक, सीआरपीएफ
521. श्री सुरेन्द्र कुमार मांझी, निरीक्षक, सीआरपीएफ
522. श्री पी रवी कुमार, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
523. श्री लक्ष्मण सिंह, हवलदार, सीआरपीएफ
524. श्री घनी श्याम, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
525. श्री जयकरण सिंह, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
526. श्री सूर्य प्रसाद, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
527. श्री रेवनाशिध्दप्पा कुम्बार, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
528. श्री सोराज सिंह मीना, निरीक्षक, सीआरपीएफ
529. श्री पूरन सिंह, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
530. श्री जय प्रकाश, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
531. श्री कृष्ण कुमार एम, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
532. श्री एल चुडालाई मुथू, निरीक्षक, सीआरपीएफ
533. श्री योगेन्द्र निषाद, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
534. श्री लक्ष्मन राम, हवलदार, सीआरपीएफ
535. श्री अमर कुमार झा, उप निरीक्षक, सीआरपीएफ
536. श्री प्रभाकर मानिकराव नितिनवारे, सिपाही, सीआरपीएफ
537. श्री जिनाह अंथ, सिपाही, सीआरपीएफ
538. श्री बजरंग लाल, निरीक्षक, सीआरपीएफ
539. श्री ज्ञान प्रकाश पान्डे, हवलदार, सीआरपीएफ
540. श्री उत्तम कुमार धुर्वे, हवलदार, सीआरपीएफ
541. श्री सत्येन्द्र कुमार, उप महानिरीक्षक, आईटीवीपी

542. श्री समर बहादुर सिंह, सेनानी, आईटीबीपी
543. श्री बिन्देश्वर कुमार, द्वितीय कमान, आईटीबीपी
544. श्री राज नाथ सिंह, निरीक्षक, आईटीबीपी
545. श्री बिक्रम सिंह रावत, सहायक सेनानी, आईटीबीपी
546. श्री मातवर सिंह ठाकुर, निरीक्षक, आईटीबीपी
547. श्री गणेश प्रसाद, सहायक उप निरीक्षक, आईटीबीपी
548. श्री बलबिन्दर कुमार, हैड कॉस्टेबल, आईटीबीपी
549. श्री हेम सिंह, निरीक्षक, आईटीबीपी
550. श्री पवन सिंह, सहायक उप निरीक्षक, आईटीबीपी
551. श्रीमती प्रिंसी रानी, महानिरीक्षक, एनएसजी
552. श्री होशियार सिंह, ग्रुप कमांडर, एनएसजी
553. श्री जितेन्द्र सिंह रावत, सहायक कमांडर-I, एनएसजी
554. श्री रामवतार यादव, सहायक कमांडर-I, एनएसजी
555. श्रीमती पारुल कुश जैन, महानिरीक्षक, एसएसबी
556. श्री मनोरंजन कुमार पाण्डेय, कमांडेंट, एसएसबी
557. श्री बलबीर सिंह, अधिशाषी अभियंता, एसएसबी
558. श्री टीएच बिनोद कुमार सिंह, उप कमांडेंट, एसएसबी
559. श्री दुर्गा सिंह रौतेला, उप निरीक्षक, एसएसबी
560. श्री दीना नाथ, निरीक्षक, एसएसबी
561. श्री शाम सिंह, निरीक्षक, एसएसबी
562. श्री योगिन्द्र सिंह, सहायक उप निरीक्षक, एसएसबी
563. श्री धीरज विश्वाकर्मा, सहायक उप निरीक्षक, एसएसबी
564. श्री जाकीसातु अंगामी, लांस नायक, एसएसबी
565. श्री राजेन्द्र कुमार, आरक्षी, एसएसबी
566. श्री पी माधवन उन्नी, अतिरिक्त उपनिदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
567. श्री रवीश कुमार शर्मा, अनुभाग अधिकारी, गृह मंत्रालय
568. सुश्री नवनीत प्रसाद, अनुभाग अधिकारी, गृह मंत्रालय
569. सुश्री सरिता यादव, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
570. मो जावेद एकबाल, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
571. श्री बिनोद टी सी, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
572. श्री ललसंगलियाना, सहायक निदेशक/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
573. श्री हेरांखोजम ओपेन्द्रो सिंह, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
574. श्री मांगबोई चोंगलोई, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
575. सुश्री पी शिरीषा, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
576. श्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय

577. श्री मधु बाबु बडाना, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
578. श्री मधु कुमार र, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
579. श्री अधिकारी विवेक कुमार, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
580. श्री रविंद्र वासुदेवराव धंदर, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
581. श्री श्याम लाल, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
582. श्री अखिल कुमार कुलश्रेष्ठ, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
583. श्री स्कर्मा थारचिन, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
584. श्री अमल दास, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
585. श्री सत्य वीर सिंह, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-II/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
586. श्री दीपक कुमार बोरा, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-II/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
587. श्री ललित मोहन सिंह, कनिष्ठ आसूचना अधिकारी-II/कार्यकारी, गृह मंत्रालय
588. श्री अनिल कुमार, वरिष्ठ सचिवालय सहायक, गृह मंत्रालय
589. श्री अनूप टी मैथ्यू, पुलिस उपमहानिरीक्षक, सीबीआई
590. श्री बलकरन सिंह, उप विधि सलाहकार, सीबीआई
591. श्री सुभाष चंद्र शर्मा, उप विधि सलाहकार, सीबीआई
592. श्री सुनील दत्त, अपर पुलिस अधीक्षक, सीबीआई
593. श्री अशोक कुमार, पुलिस उपाधीक्षक, सीबीआई
594. श्रीमती के. विजया वैष्णवी, पुलिस उपाधीक्षक, सीबीआई
595. श्री अजय सिंह गहलौत, पुलिस उपाधीक्षक, सीबीआई
596. श्री दिलबाग सिंह जसरोटिया, अपराध सहायक, सीबीआई
597. श्री मोहन सिंह जदोन, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
598. श्री अरविंदा गराई, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
599. श्री चिटिमिरेड्डी सूर्यनारायण रेड्डी, प्रधान आरक्षक, सीबीआई
600. श्री सतीश कुमार, आरक्षक, सीबीआई
601. श्री रामबाबू येदिदा, आरक्षक, सीबीआई
602. श्री नवल कुमार दीक्षित, आरक्षक, सीबीआई
603. श्री पवन कुमार भारद्वाज, सहायक उप निरीक्षक, सीबीआई
604. श्री विनोद कुमार यादव, सहायक महानिरीक्षक, एसपीजी
605. श्री सत्येन्द्र कुमार झा, सहायक महानिरीक्षक, एसपीजी
606. श्री सुभाष कुमार शर्मा, सुरक्षा अधिकारी-I, एसपीजी
607. श्री कल्याण रामतेल, सुरक्षा अधिकारी-II, एसपीजी
608. श्री दिलीप कृष्णन जी, कांस्टेबल, एसवीपीएनपीए
609. श्री विश्वनाथ पाराशर, द्वितीय कमान अधिकारी, एनडीआरएफ
610. श्री पंकज कुमार, कमाण्डेंट, एनडीआरएफ
611. श्री अरविन्द कुमार शर्मा, उप निरीक्षक/कनिष्ठ अभियंता, एनडीआरएफ

612. श्री बाबुल मजूमदार, हेड कांस्टेबल, एनईपीए
613. श्री नीलोत्पल मृणाल, अपर निदेशक, एनसीबी
614. श्री जगजीत सिंह, मुख्य आरक्षक, एनसीआरबी
615. श्री गोपाल दत्त जोशी, सहायक, एनएससीएस
616. श्री सुनील कुमार अवस्थी, वरिष्ठ विमानन सुरक्षा अधिकारी, नागर विमानन मंत्रालय
617. श्री सुबोध शर्मा, पुलिस उप अधीक्षक, एनआईए
618. श्री वकील खान, मुख्य आरक्षी, एनआईए
619. श्री देशराज, सहायक उप निरीक्षक, एनआईए
620. श्री भूपेंद्र सिंह, उप कमांडेंट, एनडीएमए
621. श्री राजीव कुमार यादव, महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ
622. श्री शशी कुमार, उप महानिरीक्षक, आरपीएफ
623. श्री अनिल कुमार पाण्डेय, सहायक सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ
624. श्री विजय शंकर सिंह, सहायक समादेशक, आरपीएफ
625. श्री अनिल कुमार, उप निरीक्षक, आरपीएफ
626. श्री श्यामलेंदु भूषण चंदा, सहायक उप निरीक्षक, आरपीएफ
627. श्री कृष्ण कुमार, सहायक उप निरीक्षक, आरपीएफ
628. श्री रामराज सिंह, प्रधान आरक्षक, आरपीएफ
629. श्री एल रमना, उप निरीक्षक, आरपीएफ
630. श्री ऋषि कुमार शुक्ला, उप निरीक्षक, आरपीएफ
631. श्री सुभाष चन्द, निरीक्षक, आरपीएफ
632. श्री एम् के चन्द्र मोहन, उप निरीक्षक, आरपीएफ
633. श्री अमित कुमार मलिक, प्रधान आरक्षक, आरपीएफ
634. श्री राजीव कुमार वशिष्ठ, सहायक उप निरीक्षक, आरपीएफ
635. श्री महेन्द्र कुमार, सहायक उप निरीक्षक, आरपीएफ
- अग्निशमन सेवा
636. श्री अशोक दास, उप आथान अधिकारी, असम
637. श्री खगेन चंद्र कलीता, दलपित, असम
638. श्री तारक चंद्र तालुकदार, उप आथान अधिकारी, असम
639. श्री चिदानन्द पर्वतैया हिरेमथ, लीडिंग फायरमैन, कर्नाटक
640. श्री मल्लिकार्जुन हनमनथगोल्ल, लीडिंग फायरमैन, कर्नाटक
641. श्री मधुसूदन थेनकनहल्ली मोल्लावेंकटा भोवी, लीडिंग फायरमैन, कर्नाटक
642. श्री विसी विश्वनाथ, जिला अग्निशमन अधिकारी, केरल
643. श्री सिद्धकुमार वी, क्षेत्रीय अग्निशमन अधिकारी, केरल
644. श्री बिजुमन एस के, जिला अग्निशमन अधिकारी, केरल
645. श्री सुब्रमण्यन पी एन, सहायक स्टेशन अधिकारी (ग्रेड स्टेशन अधिकारी), केरल

646. श्री सुरेंद्रन नायर एम, वरिष्ठ अग्निशमन एवं बचाव अधिकारी, केरल
647. श्री मदन मोहनन टी के, वरिष्ठ अग्निशमन एवं बचाव अधिकारी, केरल
648. श्री भागवत श्रीराम सोनोणे, अग्निशमन अधिकारी, महाराष्ट्र
649. श्री सुभाष प्रभाकर जाधव, स्टेशन झूटी अधिकारी, महाराष्ट्र
650. श्री छगन ताराचंद मोरे, उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी, महाराष्ट्र
651. श्री भगवंत बबन शिंगडे, लीडिंग फायरमैन, महाराष्ट्र
652. श्री रामचन्द्र तुकाराम गोसावी, अग्निशमन इंजन चालक, महाराष्ट्र
653. श्री राकेश वर्जरी, लीडिंग फायरमैन, मेघालय
654. श्री लालदानजिरा, फायर फाइटर, मिजोरम
655. श्री लल्हमंगइहा कोल्नी, फायर फाइटर, मिजोरम
656. श्री सुधाकर पाणिग्रही, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, ओडिशा
657. श्री दिलीप कुमार नंद, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, ओडिशा
658. श्री भीम बहादुर सिलाल, ए एस एफ ओ, सिक्किम
659. श्री मणिकम महालिंगमूर्ति, जिला अधिकारी, तमिलनाडु
660. श्री बालकृष्णन सरवनबाबू, उप निदेशक, तमिलनाडु
661. श्री खान बहीदुल्ला मोहम्मद, लीडिंग फायरमैन, तेलंगाना
662. श्री थल्ला नागेश, लीडिंग फायरमैन, तेलंगाना
663. श्री सादिक मोहम्मद, लीडिंग फायरमैन, तेलंगाना
664. श्री बीरेडु गोपाल रेड्डी, लीडिंग फायरमैन, तेलंगाना
665. श्री राम कुमार, अग्निशमन अधिकारी, उत्तर प्रदेश
666. श्री शिवराज सिंह, लीडिंग फायरमैन, उत्तर प्रदेश
667. श्री मनवीर सिंह, फायरमैन, उत्तर प्रदेश
668. श्री मानबहादुर सिंह, फायरमैन, उत्तर प्रदेश
669. श्री पवन कुमार, अग्निशमन सेवा चालक, उत्तराखंड
670. श्री तरूण कुमार दत्ता, डिवीजनल अग्निशमन अधिकारी, पश्चिम बंगाल
671. श्री श्याम चंद्र मंडल, उप निदेशक, पश्चिम बंगाल
672. श्री भास्कर नाग, स्टेशन अधिकारी, पश्चिम बंगाल
673. श्री दीवान लेप्चा, डिवीजनल अग्निशमन अधिकारी, पश्चिम बंगाल
674. श्री गोबिंद राँय, स्टेशन अधिकारी, पश्चिम बंगाल
675. श्री अरूप कुमार राँय, लीडर, पश्चिम बंगाल
676. श्री धन बहादुर सुब्बा, फायर ऑपरेटर, पश्चिम बंगाल
677. श्री मनु प्रधान, फायर ऑपरेटर, पश्चिम बंगाल
678. श्री सुमित दास, लीडर, पश्चिम बंगाल
679. श्री तपन कुमार राँय, अग्निशमन इंजन ऑपरेटर सह चालक, पश्चिम बंगाल
680. श्री एस के मुजीबर रहमान, अग्निशमन इंजन ऑपरेटर सह चालक, पश्चिम बंगाल

681. श्री धर्मेन्द्र सिंह, लीडिंग फायर मैन, चंडीगढ़
682. श्री दुष्यंत सिंह, लीडिंग फायरमैन, जम्मू और कश्मीर
683. श्री मोहम्मद जफर, स्टेशन अधिकारी, जम्मू और कश्मीर
684. श्री संजीव कुमार सद्दी, उप कमाण्डेन्ट/अग्निशमन, सीआईएसएफ
685. श्री शंकरन उष्णी नायर, सहायक कमाण्डेन्ट/अग्निशमन, सीआईएसएफ
686. श्री भद्रा कुजुर, सहायक उप निरीक्षक/अग्निशमन, सीआईएसएफ
होम गार्ड और सिविल डिफेंस
687. डॉ. शांतनु रॉय चौधरी, पोस्ट वार्डन, असम
688. श्री रामचन्द्र यशवन्त तुलस्कर, गृह रक्षक स्वयंसेवक, गोवा
689. श्री दिलीपसिंह जशुजी चावडा, प्लाटून कमांडर, गुजरात
690. श्री नितिन चंद्रशंकर त्रिवेदी, उप मुख्य वार्डन, गुजरात
691. श्रीमती रंजीतकौर केवलसिंह सरदार, उप मुख्य वार्डन, गुजरात
692. श्री घनश्यामभाई वल्जीभाई नासित, डिवीजनल वार्डन, गुजरात
693. श्री रजनीश कटोच, प्लाटून कमाण्डर, हिमाचल प्रदेश
694. सुश्री आशा कुमारी, सैक्शन लीडर, हिमाचल प्रदेश
695. श्री वेणुगोपाल सी, होमगार्ड 261, केरल
696. श्री संतोष कुमार शुक्ला, लांस नायक, मध्य प्रदेश
697. श्री सुनील कुमार जैन, सीक्यूएम वालेंटियर, मध्य प्रदेश
698. श्रीमती हेमलता श्रीराम कांबले, कंपनी कमांडर, महाराष्ट्र
699. श्री राजू गणपत सांबर, कंपनी कमांडर, महाराष्ट्र
700. श्री अनिल गणपत गावित, सहायक उप नियंत्रक, महाराष्ट्र
701. श्री राजेंद्र पुंडलिक शेलके, प्लाटून कमांडर, महाराष्ट्र
702. श्रीमती उमा चंद्रकांत कोलावले, प्लाटून कमांडर, महाराष्ट्र
703. श्रीमती बडालिने खारकोंगोर, डिविजनल कमांडेंट होम गार्ड्स, मेघालय
704. श्री पारसिंग सीएच मारक, नायक, मेघालय
705. श्री आर पंचुंगा, कंपनी सार्जेंट मेजर, मिजोरम
706. श्री लालडेंगा जे, कंपनी सार्जेंट मेजर, मिजोरम
707. श्री अश्विनी कुमार दास, गृहरक्षी, ओडिशा
708. श्री जितेंद्र लेंका, गृहरक्षी प्लाटून कमांडर, ओडिशा
709. श्री विश्व रंजन कुअंर, बेसामरिक प्रतिरक्षा स्वेच्छासेवी, ओडिशा
710. श्री ए रवि, कंपनी कमांडर, तमिलनाडु
711. श्री मुथु कृष्णन, डिविजनल कमांडर, तमिलनाडु
712. श्री जोननाडा राजू, होम गार्ड, तेलंगाना
713. श्री पिसारी संगम, होम गार्ड, तेलंगाना
714. श्री संजय कुमार शर्मा, जिला कमांडेंट होम गार्ड्स, उत्तर प्रदेश

715. श्री धीरेन्द्र नाथ सिंह, जिला कमांडेंट, उत्तर प्रदेश
716. श्री सुजीत कुमार प्रसाद, डिविजनल वार्डन, उत्तर प्रदेश
717. श्री सुरेश कुमार गुप्ता, मुख्य वार्डन के स्टाफ अधिकारी (अग्निशमन), उत्तर प्रदेश
718. श्री ध्यान प्रकाश तिवारी, उप डिविजनल वार्डन, उत्तर प्रदेश
719. श्री पीतम सिंह, ब्लॉक आयोजक जिला होम गार्ड कार्यालय, उत्तर प्रदेश
720. श्री रवीन्द्र प्रसाद, वैतनिक निरीक्षक, उत्तराखंड
721. श्रीमती रेखा पाण्डेय, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, उत्तराखंड
722. श्री शिव कुमार, अवैतनिक प्लाटून कमाण्डर, उत्तराखंड
723. श्री बी सी नास्कर, गृह रक्षक नियमित, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
724. श्री राजेश कुमार, उप निरीक्षक (एम), जम्मू और कश्मीर
725. श्री विद्या सागर पांडे, नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षक, रेल मंत्रालय
726. श्री संतोष कुमार, स्टॉफ अधिकारी, रेल मंत्रालय
727. श्री नागराजू चित्तिमाला, वरिष्ठ नागरिक सुरक्षा निरीक्षक, रेल मंत्रालय
सुधारात्मक सेवा
728. डॉ. वाराप्रसाद मामिलपल्ली, उप कारागार महानिरीक्षक, आंध्र प्रदेश
729. श्री रवि कुमार करनम, मुख्य हेड वार्डर, आंध्र प्रदेश
730. श्री वीरा वेंकट सत्यनारायण राव तलपर्थी, हेड वार्डर, आंध्र प्रदेश
731. श्री यूनुज एम बी, उप अधीक्षक, केरल
732. श्री बिजू के बी, सहायक अधीक्षक ग्रेड I, केरल
733. श्री अब्दुल मजीद के के, सहायक अधीक्षक ग्रेड I, केरल
734. श्री आरिफ के एम, सहायक अधीक्षक ग्रेड I, केरल
735. श्री अनिल बोस टी, सहायक अधीक्षक ग्रेड I, केरल
736. श्री प्रभाकरन टी ए, सहायक अधीक्षक ग्रेड I, केरल
737. श्रीमती रामला बीवी ए, अधीक्षक, केरल
738. श्रीमती श्रीकला जी आर, उप अधीक्षक, केरल
739. श्रीमती रानी राजाराम भोंसले, अधीक्षक, महाराष्ट्र
740. श्री राजाराम रावसाहेब भोंसले, अपर अधीक्षक, महाराष्ट्र
741. श्री गजानन काशीनाथ सरोडे, उप अधीक्षक, महाराष्ट्र
742. श्री संजय गंगाराम शिवगन, सूबेदार, महाराष्ट्र
743. श्री सुधाकर ओंकार चव्हाण, हवलदार, महाराष्ट्र
744. श्री राजेश मधुकर सावंत, हवलदार, महाराष्ट्र
745. श्री संजय सदाशिव जाधव, हवलदार, महाराष्ट्र
746. श्रीमती विद्या भारत डेम्बरे, कारागार सिपाही, महाराष्ट्र
747. श्री सुरेन्द्रकुमार सिंह नगांगबाम, वार्डर, मणिपुर
748. श्री मोहम्मद हमिजुद्दिन, हेड वार्डर, मणिपुर

749. श्री सुधीर कुमार जेना, सहायक जेलर, ओडिशा
 750. श्री सरोज कुमार पांडी, मुख्य वार्डर, ओडिशा
 751. श्री योगेश कुमार तेजी, उप अधीक्षक, राजस्थान
 752. श्री सुगर सिंह गुर्जर, उप जेलर, राजस्थान
 753. श्री लोकोज्ज्वल सिंह, उप जेलर, राजस्थान
 754. श्री षण्मुगा सुंदरम गणेशन, उप जेल महानिरीक्षक, तमिलनाडु
 755. श्री वेलुसामी आरुमुगा पेरुमाल, सहायक जेलर, तमिलनाडु
 756. श्री जोसेफ तलियत बेंजामिन जोसेफ पांडियन, ग्रेड I वार्डर, तमिलनाडु
 757. श्री राजू चक्रला, उप जेलर, तेलंगाना
 758. श्री मुमताज अहमद खान, अनुभाग अधिकारी, जम्मू और कश्मीर

2. सराहनीय सेवा के लिए पदक (एमएसएम), राष्ट्रपति सचिवालय के अधिसूचना संख्या 87-प्रेस/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 तथा गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है।

एस. एम. समी
 अवर सचिव

सं. 85--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, असम पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	गुरव अभिजीत दिलीप, भापुसे	पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	हेमन्त कुमार बोरो	अनुमण्डल पुलिस अधिकारी	वीरता पदक
3.	अखिल रंजन दास	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 8 फरवरी, 2023 को, एक विश्वसनीय सूचना के आधार पर कि उल्फा (आई) के उग्रवादियों के एक समूह ने विध्वंसकारी गतिविधियों को अंजाम देने के इरादे से मार्गेरिटा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत मालू गांव हिल्स, लेडो में शरण ले रखी है; पुलिस महानिरीक्षक, एनईआर के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक तिनसुकिया गुरव अभिजीत दिलीप, भापुसे, अनुमण्डल पुलिस अधिकारी मार्गेरिटा, हेमन्त कुमार बोरो, सिपाही अखिल रंजन दास और पुलिस टीम के साथ एक ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस टीम रात को लगभग 9:00 बजे उपर्युक्त क्षेत्र की ओर रवाना हुई और मध्यरात्रि में पहाड़ियों पर पहुंच गई। कवर पार्टी को रणनीतिक स्थानों पर तैनात करने के बाद, जब पुलिस टीम इलाके की टोह लेने के लिए पहाड़ियों पर चढ़ रही थी, तो ऊंचाई पर ठिकाना बनाए हुए एक उग्रवादी दल ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, हालांकि, टीम बिना किसी क्षति के पहाड़ी क्षेत्र में छिपने में कामयाब रही। इसके बाद, पुलिस टीम सहयोगी टीम के साथ समन्वय से भारी गोलीबारी के बावजूद उग्रवादियों की तरफ आगे बढ़ी। जब उग्रवादियों की सही स्थिति का पता चल गया, तो पुलिस टीम ने सहयोगी टीम की आक्रामक सहायता से जवाबी गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप एक-दूसरे पर भीषण गोलीबारी शुरू हो गई, जो 15-20 मिनट तक चली। हालांकि, गोलीबारी बंद हो गई थी, फिर भी पुलिस टीम कुछ समय के लिए जमीन पर लेटी स्थिति में रही। परन्तु जब किसी व्यक्ति के कराहने की आवाज सुनाई दी, तो पुलिस टीम रेंगते हुए उस स्थान पर पहुंची और उन्होंने एके राइफल से लैस एक घायल उग्रवादी को लेते हुए देखा। घायल उग्रवादी को उठाकर इलाज के लिए मार्गेरिटा एफआरयू, अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में, ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उसे मृत लाया गया घोषित कर दिया। बाद में मृतक की पहचान यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडीपेन्डेंट) के ऑपरेशन कमांडर उदाय एक्सोम उर्फ उद्धव लाहोन के रूप में हुई। बाकी उग्रवादी भागने में सफल रहे। उजाला होने पर उपर्युक्त क्षेत्र की गहन तलाशी ली तथा वहां से हथियार, गोलाबारूद और अन्य सामग्रियां बरामद हुईं।

यह उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन के दौरान पूरी तरह से अंधेरा था, बारिश हो रही थी और क्षेत्र में चलना कठिन था, सभी बाधाओं के बावजूद, पुलिस अधीक्षक गुरव अभिजीत दिलीप, भापुसे, अनुमण्डल पुलिस अधिकारी हेमन्त कुमार बोरो और सिपाही अखिल रंजन दास द्वारा कुशल योजना, सामरिक दृष्टिकोण, साहस और नेतृत्व के प्रदर्शन के कारण ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा हुआ।

इस ऑपरेशन में, असम पुलिस के सर्व/श्री गुरव अभिजीत दिलीप, भापुसे, पुलिस अधीक्षक, हेमन्त कुमार बोरो, अनुमण्डल पुलिस अधिकारी और अखिल रंजन दास, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 09.02.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/69/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 86--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, बिहार पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	बाबू राम, भापुसे	पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	साकेत सौरभ	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	रामराज सिंह	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	तारबाबू यादव	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
5.	संजय कुमार चौधरी	सिपाही	वीरता पदक
6.	सुरेन्द्र पासवान	सिपाही	वीरता पदक
7.	विकास कुमार	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 16.07.2016 को, श्री बाबू राम, भापुसे, पुलिस अधीक्षक औरंगाबाद को माओवादियों के कमांडर बीजेएसएसी सदस्य संदीप जी और अन्य के नेतृत्व में माओवादियों के एक सशस्त्र समूह के मदनपुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत छकरबंधा जंगल में स्थित लंगुराही गांव के निकटवर्ती क्षेत्रों में डेरा डालने की सूचना प्राप्त हुई, जिनका इरादा किसी विस्फोटक योजना को अंजाम देना था।

छकरबंधा जंगल, माओवादियों का सबसे कुख्यात अड्डा है, जो बिहार के औरंगाबाद और गया जिलों में फैला हुआ है। सभी कच्चे रास्तों पर इन रास्तों के दोनों ओर ऊंचाई के साथ-साथ बने सामरिक ठिकानों पर आईईडी लगाई जाने की संभावना होती है। ये ऊंचाइयां माओवादियों को सुरक्षा बलों पर गोलीबारी करने के लिए सुरक्षित कवर प्रदान करती हैं, जबकि सुरक्षा बलों के पास माओवादियों से निपटने के लिए लक्षित स्थानों तक पहुंचने के लिए इन जोखिम भरे क्षेत्रों से गुजरने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता है।

ऑपरेशन की योजना बनाने के लिए पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक श्री बाबू राम, जिन्होंने स्वयं ऑपरेशन में भाग लेने का फैसला किया था, के नेतृत्व में दिनांक 17.07.2016 की रात में संयुक्त ऑपरेशन शुरू करने का निर्णय लिया गया। माओवादियों को पकड़ने और उनकी नापाक योजना को विफल करने के लिए पुलिस अधीक्षक बाबू राम के समग्र नेतृत्व में तुरंत ही जिला पुलिस बल औरंगाबाद और संबंधित कमांडरों के साथ 205 कोबरा की चार टीमों को मिलाकर एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। दो कोबरा टीमों नंबर 11 और 12 उसी दिन रात को लगभग 10:30 बजे मदनपुर से रवाना हुई और बारिश की अंधेरी रात में घने जंगलों, खतरनाक खाइयों और बाढ़ वाली नदियों को पैदल पार करते हुए प्रातः लगभग 06:30 बजे गंतव्य पर पहुंचीं। अन्य दो टीमों नंबर 14 और 18 भी अपनी-अपनी पोजीशन में पहुंच गईं। एक लंबे समय तक लगातार घात लगाने और तलाशी के बावजूद, माओवादियों की कोई गतिविधि या सुराग नहीं मिला। फिर सभी टीमों एक-एक करके डुमरी नाले की ओर पूर्व दिशा में आगे बढ़ीं। दिनांक 18.07.2016 को प्रातः लगभग 11:15 बजे जब पुलिस अधीक्षक श्री बाबू राम ने अपनी दो टीमों के साथ डुमरी नाले को पार किया तो अन्य दो टीमों अचानक बारूदी सुरंगों के विस्फोटों और उसके बाद भारी गोलीबारी से घिर गईं। इस विस्फोट में कुछ जवान बुरी तरह घायल हो गए। उसी समय, माओवादियों ने पुलिस अधीक्षक बाबू राम के नेतृत्व वाली टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने तुरंत दूसरे टीम लीडर को निर्देश दिया कि वे अपनी टीम को ले जाकर नाले में फंसी टीमों को निकालने में मदद करें और पुलिस अधीक्षक बाबू राम के नेतृत्व वाली टीम ने दुश्मन को काबू करने के लिए भारी जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी।

लगातार और अंधाधुंध गोलीबारी में घिरे होने के बावजूद, पुलिस अधीक्षक बाबू राम ने अपनी टीम के साथ तुरंत सामरिक पोजीशन ले ली और अपने जवानों को पूरी क्षमता से दुश्मन पर जवाबी कार्रवाई करने के लिए प्रेरित किया। एक रणनीतिक निर्णय के तहत, पुलिस अधीक्षक ने दुश्मन की गोलियों और अपनी जान की परवाह किए बिना और अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन करते हुए चालाकी से हमले के बाईं ओर जगह ले ली और टीम के सदस्यों को दाईं ओर से हमला करने को कहा। माओवादियों ने यह महसूस करते हुए कि उनकी घेराबंदी की जा रही है, उन्होंने

अपनी गोलीबारी की पूरी ताकत झौंक दी। सिपाही रवि कुमार गोलीबारी के बीच रेंगते हुए आगे बढ़े और उन्होंने बहादुरी से दुश्मन पर गोलीबारी की जिसमें वे गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक ने टीम के सदस्यों को घायल जवान की देखभाल करने का निदेश दिया और वे अपने जिला बल के कमांडो के साथ स्वयं चट्टानों की सामरिक आड़ लेते हुए दुश्मन के नजदीक पहुंचे और दुश्मन पर नजदीक से गोलीबारी शुरू कर दी। इस वीरतापूर्ण कार्रवाई के फलस्वरूप माओवादियों की घात टूट गई। सिपाही सुरेन्द्र पासवान, सिपाही विकास कुमार और सिपाही संजय कुमार चौधरी ने अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन का प्रदर्शन किया। उन्होंने दुश्मन के खतरे और गोलीबारी की परवाह किए बिना दुश्मन की ओर बढ़ना जारी रखा और साथ ही दुश्मन पर गोलीबारी की। घायल होने के बावजूद सिपाही सुरेन्द्र पासवान पुलिस अधीक्षक के साथ भारी गोलीबारी के बीच आगे बढ़े। दुश्मन मजबूत स्थिति में था और लगातार गोलीबारी कर रहा था। हमारे जवान नीचे की ओर होने के कारण पहाड़ी की चोटी पर निशाना नहीं लगा सकते थे। दुश्मन द्वारा पेश की जा रही सभी बाधाओं और चुनौतियों के बावजूद, पुलिस अधीक्षक ने स्वयं घायल होने के बावजूद अपने जवानों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें दुश्मन की नजरों में आए बिना पहाड़ी की चोटी पर कब्जा करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक के सामरिक नेतृत्व में, उक्त टीम कवर गोलीबारी की प्रभावकारी सहायता से लक्ष्य के निकट अर्थात् पहाड़ी की चोटी की ओर पहुंचने में सफल रही। लक्ष्य के पास पहुंचकर टीमों ने अपनी पोजीशन ले ली और पुलिस अधीक्षक बाबू राम के नेतृत्व में माओवादी समूह पर भारी गोलीबारी की। अत्यंत साहस और दृढ़ संकल्प के साथ की गई इस जवाबी कार्रवाई ने माओवादियों को पीछे धकेल दिया और वे अपने घायल और मृत सदस्यों के साथ आईईडी विस्फोटों की आड़ लेकर भाग गए तथा अपने साथियों के तीन शव, भारी मात्रा में गोला-बारूद, आईईडी, विस्फोटक और अन्य सामग्रियां पीछे छोड़ गए।

दूसरी ओर, नाले में फंसी टीमों ने भी अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया। घायल होने के बावजूद, उप-निरीक्षक तारबाबू यादव और उप-निरीक्षक रामराज सिंह ने कोबरा टीमों के साथ समन्वय से दुश्मन की गोलाबारी को रोकने के लिए बहादुरी और दृढ़ संकल्प के साथ जवाबी कार्रवाई की और अपनी जान की परवाह किए बिना घायल जवानों को बाहर निकाला। पुलिस टीम के इस साहसी जवाबी हमले ने माओवादियों द्वारा लगाई गई घात को तोड़ दिया और उन्हें भागने पर विवश कर दिया। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, उप-निरीक्षक साकेत सौरभ ने माओवादियों द्वारा किए गए हमले के बावजूद घायल जवानों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लिया।

डुमरी नाले के किनारे बना मार्ग, जो कि बच निकलने का एकमात्र रास्ता था, पर माओवादियों द्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंगों की आशंका और पहाड़ी की चोटी की ओर के रास्ते में माओवादियों के सशस्त्र समूहों की उपस्थिति की संभावना के मद्देनजर, पुलिस अधीक्षक औरंगाबाद ने अदम्य साहस और उत्कृष्ट नेतृत्व के साथ उल्लेखनीय पेशेवर कौशल का प्रदर्शन करते हुए, क्रॉस कंट्री गतिविधि करते हुए सात घायल जवानों को घात स्थल से सुरक्षित बाहर निकाला।

इस ऑपरेशन में, बिहार पुलिस के सर्वोच्च/श्री बाबू राम, भापुसे, पुलिस अधीक्षक, साकेत सौरभ, उप-निरीक्षक, रामराज सिंह, उप-निरीक्षक, तारबाबू यादव, उप-निरीक्षक, संजय कुमार चौधरी, सिपाही, सुरेन्द्र पासवान, सिपाही और विकास कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 18.07.2016 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/168/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 87--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सुनील शर्मा, भापुसे	पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	संदीप कुमार माडिले	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	मड़कम पाण्डू	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

सुकमा जिले का भेज्जी क्षेत्र सीपीआई (माओवादियों) का गढ़ माना जाता है। घने जंगलों, पहाड़ियों की व्यापक शृंखलाओं और कई छोटी धाराओं की मौजूदगी वाली अपनी भौगोलिक विशेषताओं के कारण, यह माओवादियों के लिए छिपने का क्षेत्र बन गया है। इस इलाके में पुलिस स्टेशन भेज्जी के दंतेशपुरम क्षेत्र में 35-40 नक्सलियों की मौजूदगी के बारे में नियमित रूप से सूचना प्राप्त होती है।

विश्वसनीय स्रोतों से विशिष्ट जानकारी प्राप्त होने पर दिनांक 07.05.2023 को लगभग 18:10 बजे श्री सुनील शर्मा, भापुसे, पुलिस अधीक्षक, सुकमा के नेतृत्व में एर्राबोर पुलिस स्टेशन से एक नक्सल-रोधी ऑपरेशन शुरू किया गया। उपर्युक्त योजना का उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए, श्री सुनील शर्मा, पुलिस अधीक्षक, सुकमा ने स्वयं ऑपरेशन दल को आसूचना और योजना के उचित कार्यान्वयन के बारे में जानकारी प्रदान की। उपर्युक्त जानकारी प्राप्त होने के बाद, यह टीम अपेक्षित हथियारों और गोलाबारूद तथा संचार उपकरणों के साथ पंटाभेज्जी, मैलासुर और दंतेशपुरम की ओर रवाना हुई।

इस बीच, टीम कमांडर श्री सुनील शर्मा ने योजना के अनुसार सहायक सैन्य दलों को रवाना किया। 202 कोबरा बटालियन की पहली टीम ने कोलाईगुडा से गञ्जनपल्ली गांव की ओर कूच किया। सीआरपीएफ की 50वीं बटालियन के दूसरे पुलिस दल ने एलारमाडगु से मैलासुर-भोदराजपदर गांव और सीआरपीएफ की 219वीं बटालियन से गठित तीसरे दल ने कोट्टाचेरु से भंडारपदर गांव की ओर कूच किया।

ऑपरेशन का मार्ग पंटाभेज्जी, मैलासुर और दंतेशपुरम गांवों से होकर जाता था। लक्षित क्षेत्र में पहुंचने और स्थिति का जायजा लेने के बाद, श्री सुनील शर्मा ने टीम को आगे के निर्देश दिए और दल को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। सुबह लगभग 05:30 बजे, उचित कवर लेते हुए दल ने क्रॉस-कंट्री मार्ग से वापस लौटना शुरू किया तो प्रतिबंधित पीएलजीए बटालियन की काली वर्दी और बिना वर्दी वाली ड्रेस पहने हुए लगभग 35-40 नक्सली कैडरों ने पुलिस कार्मिकों पर अचानक अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। दुश्मन दल के पास अत्याधुनिक स्वचालित हथियार और उपकरण थे। इस हमले का उद्देश्य पुलिस कार्मिकों को मारना और उनके हथियार और गोला-बारूद लूटना था। सुरक्षा कार्मिकों ने पोजीशन ले ली और नक्सलियों को गोलीबारी बंद करने की चेतावनी दी तथा उनसे आत्मसमर्पण करने का आग्रह किया। तथापि, आत्मसमर्पण करने की अपील के जवाब में नक्सलियों ने और भी जोरदार हमला करना शुरू कर दिया। परिणामस्वरूप, पुलिस दल के पास आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। इस हमले के दौरान, टीम लीडर श्री सुनील शर्मा ने रणनीतिक रूप से आगे बढ़ते हुए टीम के एक सदस्य को दाईं ओर से घेराबंदी करने का निदेश दिया और डीआरजी कमांडर उप-निरीक्षक संदीप कुमार माडिले को बाईं ओर से घेराबंदी करने का निदेश दिया। श्री सुनील शर्मा अपनी टीम के साथ नक्सलियों की ओर बढ़े और उन्हें पीछे धकेलने की कोशिश की। सभी दल आगे बढ़े, गोलीबारी की और अनुकरणीय साहस के साथ आगे से नेतृत्व करते हुए माओवादियों को घेरना शुरू कर दिया। वे पुलिस कार्मिकों को माओवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए प्रोत्साहित करते रहे। इसी बीच, नक्सलियों ने स्वचालित हथियारों से हमला जारी रखा।

पुलिस दल के अचानक आक्रमण को भांपकर माओवादी घने जंगल और आस-पास की पहाड़ियों का लाभ उठाकर पीछे हट गए। लगभग 35-40 मिनट तक चली बंदूक की भीषण लड़ाई के बाद पूरे इलाके की गहन तलाशी ली गई और टीमों ने एक वर्दीधारी पुरुष का शव और एक बिना वर्दी वाली महिला का शव, एक 303 राइफल, जिसकी मैगजीन में एक जिंदा गोली थी तथा दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद कीं। पुलिस दल ने नक्सलवादियों द्वारा निर्मित 01 बीजीएल सेल, 18 जिंदा कारतूस से भरी 01 एसएलआर मैगजीन भी बरामद की। हमले वाले क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान, सुरक्षा कार्मिकों ने एके-47 राइफल के 10 खाली कारतूस, 303 राइफल के 02 खाली कारतूस, एसएलआर राइफल के 05 खाली कारतूस, इंसास राइफल के 03 खाली कारतूस बरामद किए और पुलिस दल के हमला स्थल से एके-47 राइफल के 21 खाली कारतूस और एसएलआर राइफल के 06 खाली कारतूस बरामद किए।

पुलिस और नक्सलवादियों की मुठभेड़ के दौरान, नक्सलियों ने सुरक्षा कार्मिकों पर लगभग 200-300 राउंड दागे, जबकि सुरक्षा कार्मिकों ने एके-47 से 357 राउंड, एसएलआर से 118 राउंड, इंसास से 23 राउंड और 05 यूबीजीएल दागे।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्व/श्री सुनील शर्मा, भापुसे, पुलिस अधीक्षक, संदीप कुमार माडिले, उप-निरीक्षक और मड़कम पाण्डू, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 07.05.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/158/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 88--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मड़कम हड़मा	सिपाही	वीरता पदक
2.	मड़कम देवा	सिपाही	वीरता पदक
3.	बारसे हुंगा	सिपाही	वीरता पदक
4.	रोशन गुप्ता	सहायक सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11.08.2020 को लगभग 21:15 बजे उप-निरीक्षक मुकेश पटेल के नेतृत्व में जगरगुंडा पुलिस स्टेशन से एक नक्सल-रोधी ऑपरेशन शुरू किया गया। जगरगुंडा से रवाना हुआ दल दो समूहों अर्थात् डीआरजी और सीआरपीएफ में विभाजित थी। इस ऑपरेशन का मार्ग चिमली, नीलगोड़, मेकलगुंडा और पुलमपाड़ गांवों से होकर जाता था। पूरे क्षेत्र की अच्छी तरह से तलाशी लेने के बाद दल रणनीतिक रूप से लक्ष्य की ओर आगे बढ़ा। दिनांक 12.08.2020 को लगभग 06:30 बजे जब दल पुलमपाड़ और मेकलगुंडा के जंगल के बीच मार्च कर रही थी, तभी, प्रतिबंधित पीएलजीए बटालियन की काली वर्दी और बिना वर्दी वाली ड्रेस पहने हुए और अत्याधुनिक स्वचालित हथियारों तथा गोला-बारूद से लैस लगभग 40-50 नक्सली कैडरों ने डीआरजी और डीईएफ पुलिस कार्मिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस हमले का उद्देश्य पुलिस कार्मिकों को मारना और उनके हथियार और गोला-बारूद लूटना था। सुरक्षा कार्मिकों ने पोजीशन ले ली और नक्सलवादियों को गोलीबारी बंद करने की चेतावनी दी तथा उनसे आत्मसमर्पण करने का आग्रह किया। तथापि, आत्मसमर्पण की अपील के जवाब में, नक्सलियों ने और भी जोरदार हमला शुरू कर दिया। परिणामस्वरूप, पुलिस दल के पास आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। इस हमले के दौरान, टीम लीडर उप-निरीक्षक मुकेश पटेल ने रणनीतिक रूप से आगे बढ़ते हुए, डीआरजी कमांडर नंदा मरकाम से संपर्क किया और उन्हें दाईं ओर से घेराबंदी करने का निदेश दिया और दूसरे डीआरजी कमांडर उमेश मरकाम को बाईं ओर से घेराबंदी करने का निदेश दिया। उप-निरीक्षक मुकेश पटेल अपनी टीम के साथ नक्सलियों की ओर आगे बढ़े और उन्हें पीछे धकेलने की कोशिश की। सभी पुलिस दल आगे बढ़े और उन्होंने रणनीतिक ढंग से नक्सली हमले के विरुद्ध जवाबी कार्रवाई की। इस बीच, नक्सलियों ने स्वचालित हथियारों से हमला जारी रखा और सुरक्षा कार्मिकों पर बीबीएल से भी हमला किया।

सुरक्षा कार्मिकों ने लगभग 1.5 से 2.0 किमी. तक नक्सलियों का पीछा किया। सुरक्षा कार्मिकों के आक्रामक रुख को देखकर नक्सली जंगल में भाग गए। इसके बाद जब सुरक्षा कार्मिकों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया, तो नक्सलियों ने उन पर अचानक हमला कर दिया। जवाब में, सुरक्षा बलों ने पोजीशन ले ली और जवाबी कार्रवाई की। उप-निरीक्षक मुकेश पटेल, सिपाही मड़कम हड़मा, सिपाही मड़कम देवा, सिपाही बारसे हुंगा और सहायक सिपाही रोशन गुप्ता की त्वरित जवाबी कार्रवाई के कारण नक्सली घात तोड़ने योजना में विफल हो गए। पुलिस दल की आक्रामकता को भांपते हुए, माओवादी घने जंगल की आड़ और पास की पहाड़ियों का लाभ उठाकर पीछे हट गए।

लगभग 02 घंटे तक चली बंदूक की भीषण लड़ाई के बाद, पूरे क्षेत्र की गहन तलाशी ली गई और पुलिस टीम ने 02 वर्दीधारी पुरुषों के शव और 02 बिना वर्दी वाले पुरुषों के शवों के साथ-साथ एक 303 राइफल (04 जिंदा गोलियां), 03 भरमार राइफल, 01 देसी बम और दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद कीं। हमले वाले क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान, सुरक्षा कार्मिकों ने एके-47 के 05 खाली कारतूस, एसएलआर राइफल के 04 खाली कारतूस, इंसास राइफल के 03 खाली कारतूस और 303 राइफल के 06 खाली कारतूस बरामद किए।

पुलिस और नक्सलियों की मुठभेड़ के दौरान, नक्सलियों ने सुरक्षा कार्मिकों पर लगभग 450-500 राउंड दागे, जबकि सुरक्षा कार्मिकों ने 01 एचई बम और 03 यूबीजीएल सहित 918 राउंड दागे।

बाद में मृत नक्सलियों की पहचान भोगाम भीमा पुत्र भोगाम आयता, 30 वर्ष (प्लाटून संख्या 10 का सदस्य), मड़कम भीमा पुत्र स्वर्गीय मड़कम आयता, 28 वर्ष (मिलिशिया कंपनी सदस्य), ओयम जोगा पुत्र ओयम नंदा, 25 वर्ष (मिलिशिया कंपनी सदस्य) और नुप्पो देवा पुत्र नुप्पो भीमा, 28 वर्ष (मिलिशिया कंपनी सदस्य) के रूप में हुई।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्वश्री मड़कम हड़मा, सिपाही, मड़कम देवा, सिपाही, बारसे हुंगा, सिपाही और रोशन गुप्ता, सहायक सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 12.08.2020 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/154/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 89-प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम), मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. रामू राम नाग	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक (मरणोपरांत)

2.	स्व. कुंजाम जोगा	सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)
3.	स्व. वंजाम भीमा	सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24.02.2023 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अनुसरण में, जगरगुंडा से एक ऑपरेशन शुरू किया गया। आवश्यक हथियारों, गोला-बारूद और संचार उपकरणों के साथ टीम ऑपरेशन के लिए रवाना हुई।

उक्त ऑपरेशन का मार्ग कामापारा, सिंगाराम, चिमलीपेंटा गांवों से होकर गुजरता था, पूरे क्षेत्र की गहन तलाशी लेने के बाद, पुलिस दल रणनीतिक तरीके से लक्ष्य की ओर आगे बढ़ा। लगभग 08:35 बजे, जब दल सिंगाराम की ओर जगरगुंडा आश्रम पारा की ओर बढ़ रहा था, तिराहे के पास, अत्याधुनिक स्वचालित हथियारों और उपकरणों से लैस प्रतिबंधित पीएलजीए बटालियन के लगभग 300-400 नक्सली कैडरों द्वारा अग्रिम दल अर्थात् डीआरजी चिंतागुफा 2 और डीआरजी बुरकापाल 2 पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी गई। इस हमले का उद्देश्य पुलिस कार्मिकों को मारना और उनके हथियार और गोला-बारूद लूटना था। नक्सलियों ने पुलिस दल पर सभी दिशाओं से हमला किया और मोटर से गोले भी दागे। सुरक्षा कार्मिकों ने पोजीशन ले ली और नक्सलियों को गोलीबारी बंद करने की चेतावनी दी तथा उनसे आत्मसमर्पण करने का आग्रह किया। तथापि, आत्मसमर्पण की अपील के जवाब में नक्सलियों ने और भी जोरदार हमला करना शुरू कर दिया। परिणामस्वरूप, पुलिस दल के पास आत्मरक्षा में गोली चलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। इस हमले के दौरान, डीआरजी बुरकापाल 2 के कमांडर और डीआरजी चिंतागुफा के कमांडर ने अपनी टीम के साथ-साथ पीछे से आ रहे अन्य दलों को गोलीबारी के बारे में सूचना दी। दूसरी टीम दाईं ओर से क्षेत्र को घेरते हुए एक दूसरे पर गोलीबारी (ईओएफ) वाले क्षेत्र की ओर बढ़ी और उसी समय टीआई शंकर लाल ध्रुव के साथ सहायक उप-निरीक्षक नंदा मङ्कम की टीम ने बाईं दिशा से घेराबंदी कर ली। दोनों दल नक्सलियों पर गोलीबारी करते हुए रणनीतिक ढंग से आगे बढ़े। डीआरजी बुरकापाल 2 और चिंतागुफा 2 पर नक्सलियों द्वारा तीन अलग-अलग दिशाओं से गोलीबारी की जा रही थी। सभी दल नक्सली हमले के विरुद्ध जवाबी कार्रवाई कर रहे थे। इसी बीच नक्सलियों ने सुरक्षा कार्मिकों पर स्वचालित हथियारों से हमला करना जारी रखा और बीजीएल का भी प्रयोग किया।

गोलीबारी के दौरान, उपरोक्त टीमों के सभी सदस्यों और अधिकारियों ने भीषण नक्सली हमले और भारी बाधाओं और संख्यात्मक श्रेष्ठता का सामना करते हुए समन्वय और बहादुरी से अपनी पोजीशन का बचाव किया। घात को विफल करने के लिए, डीआरजी चिंतागुफा 2 और डीआरजी बुरकापाल 2 ने बहादुरी से हमला किया और इस दौरान कमांडर सहायक उप-निरीक्षक रामूराम नाग, सिपाही कुंजाम जोगा और सिपाही वंजाम भीमा गोली और छर्रे लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल कार्मिकों ने चोट के दौरान अपने जोश को बनाए रखा और उनकी वीरतापूर्ण कार्रवाई के कारण अन्य जवान बच गए और घात का मुकाबला करने में सक्षम हो गए। हमले के दौरान, सुरक्षा कार्मिक आगे बढ़ते रहे, जिसने नक्सलियों को पीछे हटने पर विवश कर दिया। इस एक दूसरे पर गोलीबारी के दौरान, लगभग 7-8 नक्सली घायल हो गए नजर आए, जिन्हें नक्सली अपने साथ ले गए। मातृभूमि की खातिर भीषण गोलीबारी का सामना करते हुए घायल हुए पुलिस कार्मिक अंततः शहीद हो गए। एक दूसरे पर गोलीबारी लगभग 40-45 मिनट तक चली और नक्सलियों ने लगभग 1000-1200 राउंड दागे तथा 205-300 बीजीएल दागे। सुरक्षा कार्मिकों ने आत्मरक्षा में 1363 राउंड, 35 गोले, 12 एचआई बम और 5 यूबीजीएल दागे। गोलीबारी के दौरान, नक्सलियों ने दो शहीद जवानों के हथियार और गोला-बारूद लूट लिए। टीमों की त्वरित कार्रवाई के चलते, नक्सली एक शहीद जवान के हथियार और गोला-बारूद लूटने में विफल हो गए।

शहीद पुलिस कार्मिकों ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा और सलामती की बिल्कुल भी परवाह नहीं की, जबकि उनके पास ऊंची जगहों पर जाने का विकल्प था। शहीदों ने अपनी जान न्योछावर कर दी और दुश्मन की संख्या अधिक होने और मौत से सामना होने के बावजूद गोलीबारी करना जारी रखा। कई जगहों पर खून के धब्बे और शवों को घसीटने के निशान भी पाए गए। उक्त हमले के दौरान, पुलिस दल में मौजूद आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने हमले में शामिल कुछ नक्सली नेताओं की पहचान हिडमा- बटालियन कमांडर, सोनू- पीएलजीए कंपनी नंबर 1 कमांडर, नागेश- पीएलजीए कंपनी नंबर 2 कमांडर, जयमन माडवी, सच्चू, मङ्कम रघु, संवती, अनिल, दुला, रतन, राजेश, मासा (सभी पीएलजीए प्लाटून कमांडर) के रूप में की।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्वोच्च स्व. रामू राम नाग, सहायक उप-निरीक्षक, स्व. कुंजाम जोगा, सिपाही और स्व. वंजाम भीमा, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 25.02.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/157/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 90--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सूरज कुमार मरकाम	सिपाही	वीरता पदक
2.	माडवी सन्नू	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19.04.2021 को, पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा को अरनपुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत नीलावाया मल्लापारा के जंगल में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) की मौजूदगी के बारे में सटीक मानवीय आसूचना प्राप्त हुई, जिसमें 08-10 पुरुष और महिला माओवादी, माओवादी मलांगिर एरिया कमेटी के सदस्य संतोष कोसा गोंचे और लखमा कोराम जैसे खूंखार माओवादी शामिल थे। नीलावाया मल्लापारा अत्यधिक संवेदनशील नक्सल प्रभावित गांवों में से एक है और प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) गतिविधियों का एक प्रमुख क्षेत्र है।

तदनुसार, एक विस्तृत ऑपरेशनल योजना तैयार की गई और बलों की कुल 41 की नफरी वाला डीआरजी दल, निरीक्षक संतोष हर्निया के नेतृत्व में रात 21:55 बजे रवाना हुआ। जैसे ही पुलिस दल नीलावाया मल्लापारा के वन क्षेत्र में पहुंचा, घात लगाए नक्सलियों ने पुलिस बलों पर अचानक अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। निरीक्षक संतोष हर्निया की कमान में डीआरजी सैनिकों ने दृढ़ता के साथ जवाबी कार्रवाई की। कुछ देर बाद, गोलीबारी बंद हो गई और एक दूसरे पर गोलीबारी वाले क्षेत्र में एक व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया।

तलाशी अभियान के दौरान, एक पुरुष माओवादी का शव बरामद किया गया और बाद में उसकी पहचान मलांगिर एरिया कमेटी के सदस्य/एमआई इंचार्ज कोसा उर्फ गोंचे पुत्र हांडा, निवासी नीलावाया मल्लापारा, पुलिस स्टेशन अरनपुर, जिला दंतेवाड़ा के रूप में हुई तथा एक दूसरे पर गोलीबारी के स्थल से एक मैगजीन के साथ 01 पिस्तौल, 01 जिंदा कारतूस, 01 खाली कारतूस, 01 भरमार बंदूक, 01 टिफिन बम, 01 काली वर्दी, 09 बैम्बू स्पाइक और 10 टाइगर बम बरामद किए गए।

सुरक्षा बलों की सफलता में सिपाही सूरज कुमार मरकाम और सिपाही माडवी सन्नू की भूमिका महत्वपूर्ण रही। माओवादियों के गढ़ में इस ऑपरेशनल सफलता ने उन्हें पीछे धकेल दिया और पुलिस को उस इलाके में अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद मिली।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्व/श्री सूरज कुमार मरकाम, सिपाही और माडवी सन्नू, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 20.04.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/155/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 91--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	करोड़ सिंह	कम्पनी कमाण्डर	वीरता पदक
2.	पुरुषोत्तम देवांगन	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 13.01.2021 को, पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा को कटेकल्याण पुलिस स्टेशन के अंतर्गत चिकपाल, मारजूम, भीमापारा, हुरापारा के वन क्षेत्र में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) की कटेकल्याण एरिया कमेटी के एलजीएस कमाण्डर बुधरा सोढी, एरिया कमेटी के सदस्य महंगू, हिडमा मुचाकी, बुधराम मरकाम, मड्डा और मुया सहित 7-8 खतरनाक माओवादियों की मौजूदगी के संबंध में सटीक मानवीय आसूचना प्राप्त हुई। यह क्षेत्र अत्यधिक संवेदनशील नक्सल प्रभावित गांवों में से एक है और प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) गतिविधियों का मुख्य क्षेत्र है। एक विस्तृत ऑपरेशनल योजना बनाई गई और 03:00 बजे कम्पनी कमाण्डर करोड़ सिंह, 17वीं बटालियन, सीएएफ कैंप चिकपाल के नेतृत्व में सीएएफ और डीआरजी दल (कुल बल संख्या 46) आगे बढ़ा।

जैसे ही पुलिस दल चिकपाल तथा मारजूम के बीच भीमापारा और हुरापारा के वन क्षेत्र में पहुंचा, घात लगाए नक्सलियों ने अचानक पुलिस बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। कम्पनी कमाण्डर श्री करोड़ सिंह के नेतृत्व में डीआरजी के सैनिकों ने जोरदार जवाबी कार्रवाई की। कुछ देर बाद गोलीबारी बंद हो गई और एक दूसरे पर गोलीबारी वाले क्षेत्र में एक व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें एक पुरुष माओवादी का शव बरामद किया गया, बाद में जिसकी पहचान कटेकल्याण एरिया कमेटी सदस्य और जनता सरकार रक्षा शाखा सचिव (संपूर्ण कटेकल्याण एरिया कमेटी) हिडमा मुचाकी, पुत्र सन्नू मुचाकी, ग्राम चिकपाल, पुलिस स्टेशन कटेकल्याण जिला दंतेवाड़ा के रूप में हुई। साथ ही घटनास्थल से एक मैगजीन के साथ 01 पिस्तौल, 01 टिफिन बम, 05 मीटर बिजली का तार, 02 बम डेटोनेटर, नक्सली वर्दी और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गईं।

सुरक्षा बलों की इस सफलता में कम्पनी कमाण्डर श्री करोड़ सिंह और डीआरजी सिपाही पुरुषोत्तम देवांगन की भूमिका महत्वपूर्ण रही। माओवादियों के गढ़ में इस ऑपरेशनल सफलता ने उन्हें पीछे धकेल दिया और पुलिस को इलाके में अपनी पकड़ मजबूत करने में मदद मिली।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्वश्री करोड़ सिंह, कम्पनी कमाण्डर और पुरुषोत्तम देवांगन, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 13.01.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/156/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 92--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	नजीर अहमद वानी	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
2.	निसार मकबूल	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	मोहम्मद इकबाल मीर	सिपाही	वीरता पदक
4.	दाऊद अहमद मीर	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन "जैश-ए-मोहम्मद" के एक समूह ने शाहिद उर्फ शहजाद निवासी पाकिस्तान की कमान और नियंत्रण में उजैर अहमद भट पुत्र मोहम्मद मकबूल भट निवासी मिरहामा और मोहम्मद शफी डार पुत्र जीएच. हसन डार निवासी वागड़ त्राल के साथ मिलकर जिला कुलगाम के भीतर पुलिस/सुरक्षा बलों पर फिदायीन हमला करने और अल्पसंख्यकों, प्रवासी मजदूरों को निशाना बनाने की योजना बनाई थी। हालांकि, कुलगाम पुलिस द्वारा उनके नापाक मंसूबों को पहले ही नाकाम करने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे जिला कुलगाम के भीतर किसी भी आतंकी अपराध को अंजाम न दे सकें और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर मार गिराने के लिए मानव एवं तकनीकी संसाधनों का कुशल उपयोग किया।

दिनांक 29.12.2021 को, कुलगाम पुलिस को मिरहामा गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, भापुसे, अपनी क्यूआरटी, 9 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं, 46वीं, 163वीं बटालियनों तथा रेंज क्यूएटी सीआरपीएफ अनंतनाग के सैनिकों के साथ तुरंत संदिग्ध गांव पहुंचे और पूरे गांव की घेराबंदी कर दी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि फंसे हुए आतंकवादियों को मौके से भागने का कोई अवसर न मिल सके।

चूंकि गांव को युद्ध स्तर पर घेर लिया गया था, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने नागरिकों की जान बचाने के लिए उन्हें घेराबंदी वाले क्षेत्र से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने को विशेष प्राथमिकता दी। नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम के नेतृत्व में एक तलाशी दल संदिग्ध घर की ओर आगे बढ़ा। छिपे हुए आतंकवादियों ने तलाशी दल को मारने और वहां से भागने के इरादे से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस पर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने अपनी टीम के साथ जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादियों के साथ भीषण युद्ध हुआ, जिससे मुठभेड़ शुरू हो गई। बंदूक की लड़ाई के दौरान, बहादुर अधिकारी ने अपनी क्यूआरटी तथा 9 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं, 46वीं, 163वीं बटालियनों, रेंज क्यूएटी सीआरपीएफ अनंतनाग के सैनिकों के साथ बिना किसी अतिरिक्त

क्षति के तथा राष्ट्र की सुरक्षा और राष्ट्रीय अखंडता के हित में अपनी जान जोखिम में डालकर तीन कट्टर वर्गीकृत आतंकवादियों को मौके पर ही मार गिराया।

पुलिस दल द्वारा अपनी जान की परवाह किए बिना दिखाई गई दृढ़ता ने तीन खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने में एक अनुकरणीय भूमिका निभाई। मारे गए आतंकवादियों की पहचान जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादी संगठन के शाहिद उर्फ शहजाद निवासी पाकिस्तान, हिजबुल मुजाहिदीन आतंकवादी संगठन के उजैर अहमद भट पुत्र मोहम्मद मकबूल बलियाल निवासी मिरहामा, कुलगाम और जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादी संगठन के मोहम्मद शफी डार पुत्र जीएच. हसन डार निवासी वागड त्राल के रूप में हुई है। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए कुलगाम पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16, 20 और 38 के तहत मामलागत एफआईआर दर्ज की गई है।

इन आतंकवादियों की मौत प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन "जैश-ए-मोहम्मद" की संरचनात्मक और कार्यात्मक इकाई के लिए एक बड़ा झटका थी। ये आतंकवादी युवाओं को आतंकवादी समूहों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने में भी शामिल थे। उनका उद्देश्य शांति भंग करना और लोकतंत्र समर्थकों के बीच अराजकता फैलाना था, जिससे लोकतंत्र के मूल आधार को चोट पहुंच सके।

हेड कांस्टेबल नजीर अहमद वानी, हेड कांस्टेबल निसार मकबूल, सिपाही मोहम्मद इकबाल मीर और सिपाही दाऊद अहमद मीर ने अत्यधिक वीरता का परिचय दिया तथा आतंकवादियों द्वारा की गई गोलियों की बौद्धिक सामना किया और वे चमत्कारिक ढंग से आतंकवादियों द्वारा उन पर की गई गोलीबारी और हेंड ग्रेनेड से बच निकले।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री नजीर अहमद वानी, हेड कांस्टेबल, निसार मकबूल, हेड कांस्टेबल, मोहम्मद इकबाल मीर, सिपाही और दाऊद अहमद मीर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 29.12.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/71/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 93--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मोहम्मद सदीक	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	माजिद अफजल वानी	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19.06.2022 को, कुलगाम पुलिस को धनीपोरा गुज्जरपोरा गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। तुरंत ही, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, भापुसे अपनी क्यूआरटी, 9 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के साथ संदिग्ध गांव की ओर बढ़े, ताकि पूरे गांव की घेराबंदी की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि फंसे हुए आतंकवादियों को मौके से भागने का कोई अवसर न मिले। प्रारंभिक घेराबंदी करने और इस तथ्य की पुष्टि करने पर कि आतंकवादी घने सेब के बागों में छिपे हुए हैं, लक्षित क्षेत्र की पहचान करना बहुत मुश्किल था क्योंकि यह बड़ी संख्या में सेब के पेड़ों के बागों से घिरा हुआ था। लक्षित क्षेत्र के चारों ओर घेराबंदी को और मजबूत किया गया और तलाशी शुरू की गई। तलाशी के दौरान, सही स्थान का पता लगाया गया और आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, लेकिन छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों/पुलिस को मारने और भागने के इरादे से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की।

जैसे ही मुठभेड़ शुरू हुई, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने नागरिकों की सुरक्षा और संख्या सुनिश्चित करने के लिए उन्हें घेराबंदी वाले क्षेत्र से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर उनकी जान बचाने को विशेष प्राथमिकता दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने ऑपरेशन को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों की संबंधित क्यूआरटी के साथ अलग-अलग टीमों का गठन किया। पहली टीम का नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने किया और उनके साथ 09 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन की टुकड़ियां थीं जिन्होंने उत्तरी और पश्चिमी तरफ से लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी की, जबकि दूसरी टीम का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक शब्बीर अहमद, सहायक उप-निरीक्षक

मोहम्मद सदीक कर रहे थे और उनकी टीम में 09 आरआर/सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के सैनिक शामिल थे, जिन्होंने दक्षिणी और पूर्वी तरफ से लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी की। स्थिति का विश्लेषण करने के बाद, ऑपरेशनल योजना के अनुसार टीमों सभी तरफ से लक्षित स्थान की ओर बढ़ीं। दोनों टीमों आतंकवादियों की गतिविधियों पर पैनी नजर रख रही थीं और वे यथासंभव कम समय में उनकी गतिविधियों का पता लगाकर आतंकवादियों से भीषण झुठभेड़ में गईं। चल रही बंदूक की लड़ाई के दौरान, पहली टीम ने एक आतंकवादी को मौके पर ही मार गिराया।

हालांकि, दूसरा आतंकवादी लगातार सुरक्षा बलों पर हथगोले और भारी मात्रा में गोलीबारी करके अपनी पोजीशन बदल रहा था और घेराबंदी वाले क्षेत्र से भागने के लिए घेराबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहा था। तथापि, दूसरी टीम ने सूझबूझ और सतर्कता दिखाते हुए आतंकवादी को खुले में चुनौती दी और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के उसे मार गिराया। परिस्थितियों तथा आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच भारी गोलीबारी को देखते हुए सहायक उप-निरीक्षक मोहम्मद सदीक और हेड कांस्टेबल माजिद अफजल वानी की ओर से दिखाई गई बहादुरी अत्यधिक सराहनीय थी। इन परिस्थितियों में जिला पुलिस कुलगाम, 9 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के सैनिकों द्वारा दिखाई गई तालमेलपूर्ण पेशेवरता आतंकवाद को खत्म करने और ऐसे दुश्मनों से हमारे देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपरिहार्य है, जो स्थानीय युवाओं को आतंकवादी रैंकों में भर्ती करने के लिए आमादा हैं, जिससे शांतिपूर्ण माहौल बिगड़ता है और अल्पसंख्यकों, पीआरआई, गैर-स्थानीय मजदूरों के साथ-साथ राजनीतिक कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जाता है।

अपनी जान की परवाह किए बिना दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने में उपरोक्त पुलिस दल द्वारा दिखाई गई दृढ़ता सराहनीय थी। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में हारिस शरीफ राथर पुत्र शरीफ दीन राथर निवासी जाफरान कॉलोनी, इछनमबल पंथा चौक, श्रीनगर और जाकिर अहमद पट्टर पुत्र गुलाम अहमद पट्टर निवासी मिरहामा, कुलगाम के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए डी.एच. पोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19, 20, 38 और 39 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 54/2022 दर्ज की गई है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री मोहम्मद सदीक, सहायक उप-निरीक्षक और माजिद अफजल वानी, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 19.06.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/74/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 94--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	शब्बीर अहमद खान	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
2.	मंजूर अहमद मलिक	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11.06.2022 को, आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने के बाद, कुलगाम पुलिस ने सेना की 9 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के साथ मिलकर कुलगाम के खांडीपोरा गांव में एक संयुक्त अभियान शुरू किया। प्रारंभिक घेराबंदी करने और लक्षित घर में आतंकवादियों के छिपे होने की पुष्टि होने पर, घेराबंदी को और मजबूत किया गया और तलाशी शुरू की गई। तलाशी के दौरान, लक्षित घर को निर्धारित किया गया और आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, लेकिन छिपे हुए आतंकवादियों ने प्रारंभिक तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद झुठभेड़ शुरू हो गई।

जैसे ही झुठभेड़ शुरू हुई, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जी.वी. संदीप चक्रवर्ती ने नागरिकों की कीमती जान बचाने के लिए उन्हें घेराबंदी वाले इलाके से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने को विशेष प्राथमिकता दी ताकि उनकी सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित की जा सके, क्योंकि इलाका बहुत भीड़भाड़ वाला था। फंसे हुए नागरिकों को निकालने के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने बिना किसी अतिरिक्त क्षति के ऑपरेशन चलाने और जमीन पर ऑपरेशनल एसओपी के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए दो टीमों का गठन किया। पहली टीम का नेतृत्व

पुलिस उपाधीक्षक जीएच. मोहम्मद भट कर रहे थे और लक्षित घर के पीछे की तरफ से दूसरी टीम पुलिस उपाधीक्षक शब्बीर अहमद खान के नेतृत्व में थी। ऑपरेशनल योजना के अनुसार टीमों सभी तरफ से लक्षित स्थान की ओर बढ़ीं और आतंकवादियों के साथ भीषण झुठभेड़ शुरू हो गई। चल रही बंदूक की लड़ाई के दौरान, दोनों ऑपरेशनल दलों ने बिना किसी अतिरिक्त क्षति के एक आतंकवादी को मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में, हिजबुल मुजाहिदीन संगठन के सदस्य रसिक अहमद गनी पुत्र मोहम्मद अमीन गनी, निवासी सौच, कुलगाम के रूप में हुई। परिस्थितियों और आतंकवादियों तथा सुरक्षा बलों के बीच भारी गोलीबारी को देखते हुए, पुलिस उपाधीक्षक शब्बीर अहमद खान और हेड कांस्टेबल मंजूर अहमद मलिक का यह साहसिक कार्य, अत्यंत सराहनीय था। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। आगे की जाँच के लिए कुलगाम पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 18, 20 और 38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 67/2022 दर्ज की गई है।

कुलगाम पुलिस, सेना की 9 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के सैनिकों और उनकी संबंधित टीमों के अधिकारियों/कर्मिकों ने इस सफल ऑपरेशन के दौरान नागरिकों के जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की। अधिकारियों की पेशेवर सूझबूझ के परिणामस्वरूप यह ऑपरेशन शीघ्र और सुचारू रूप से संपन्न हुआ। इस शीघ्र और सुचारू ऑपरेशन ने राष्ट्र-विरोधी तत्वों तथा उनके दुष्प्रचार तंत्र को मनोवैज्ञानिक झटका दिया और साथ ही क्षेत्र में आतंकवाद से लड़ने में लगे सुरक्षा बलों को प्रेरणा भी प्रदान की।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री शब्बीर अहमद खान, पुलिस उपाधीक्षक और मंजूर अहमद मलिक, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 11.06.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/76/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 95--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कर्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	बिलाल अहमद	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
2.	करण सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	समि-उलह शाह	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 07.06.2022 को लगभग 15:00 बजे, शोपियां पुलिस को अलूरा गांव, शोपियां के बागीचे वाले इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में खुफिया जानकारी प्राप्त हुई। इस पर, शोपियां पुलिस ने 34 आरआर, सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के साथ मिलकर एक ऑपरेशन शुरू किया। प्रारंभिक घेराबंदी करते समय, यह निर्णय लिया गया कि गांव के अंदर मौजूद नागरिकों को बिना घबराए, या स्थिति बिगड़े बिना, आंतरिक घेरे से सुरक्षित बाहर निकाला जाए।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री की समग्र निगरानी में पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरीफ, हेड कांस्टेबल जावेद अहमद, हेड कांस्टेबल गौर उल हक, हेड कांस्टेबल बिलाल अहमद, हेड कांस्टेबल करण सिंह, एस.जी.सीटी इशियाक अहमद, सिपाही समि-उलह शाह, एसपीओ सद्दाम हुसैन, एसपीओ बशीर अहमद, एसपीओ उमर मुश्ताक और 34वीं आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की टीम का गठन किया गया, ताकि लक्षित क्षेत्र की तलाशी शुरू की जा सके। 178वीं बटालियन की एक टीम को डीके-पोरा-अलूरा गांव में और शोपियां पुलिस को सहपोरा/डेरपोरा-अलूरा गांव में तैनात किया गया। उक्त गांव के बाग क्षेत्र में आतंकवादियों के छिपे होने की पुष्टि होने के बाद अधिकांश बाग क्षेत्र की तुरंत घेराबंदी कर ली गई।

शुरुआत में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां की निगरानी में प्रारंभिक संयुक्त घेराबंदी टीम द्वारा चतुराई से कुछ घरों और लक्षित क्षेत्र से सटे थोड़े से क्षेत्र को घेरे में लिया गया। एक टीम ने दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर से बाग की तलाशी शुरू की और पुलिस उपाधीक्षक रईज अहमद की दूसरी टीम जिसमें हेड कांस्टेबल बिलाल अहमद, हेड कांस्टेबल रवि कुमार, एस.जी.सीटी मुश्ताक अहमद, सिपाही समि-उलह शाह, सिपाही मोहम्मद हुसैन, सिपाही विकी खजूरिया शामिल थे, क्रमशः उत्तर और दक्षिण-पूर्व की ओर से बाग की तलाशी ले रहे थे। तलाशी के दौरान

03-04 अजनबियों को देखा गया और उनसे उनकी पहचान बताने को कहा गया, लेकिन उन्होंने तलाशी दल को आगे बढ़ने से रोकने के साथ-साथ घेराबंदी तोड़ने और वहां से भागने के प्रयास में तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस जानबूझकर की गई गोलीबारी के बाद, आतंकवादी भाग गए और पास के नाले में कूद गए। हालांकि, पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरीफ, हेड कांस्टेबल जावेद अहमद, हेड कांस्टेबल गौर उल हक, हेड कांस्टेबल जतिन्दर सिंह, हेड कांस्टेबल करण सिंह, एस.जी.सीटी इशियाक अहमद, एसपीओ सद्दाम हुसैन, एसपीओ बशीर अहमद और एसपीओ उमर मुश्ताक ने जवाबी कार्रवाई में कुछ राउंड दागे, जिसके बाद अन्य संयुक्त टीमों ने भी जवाबी कार्रवाई की।

इस बीच, पुलिस उपाधीक्षक रईज अहमद के साथ हेड कांस्टेबल बिलाल अहमद, हेड कांस्टेबल रवि कुमार, एस.जी.सीटी मुश्ताक अहमद, सिपाही समि-उलह शाह, सिपाही मोहम्मद हुसैन, सिपाही विकी खजूरिया के तलाशी दल द्वारा फिर से तलाशी शुरू की गई। तलाशी अभियान के दौरान, तलाशी दलों द्वारा लक्षित क्षेत्र को चिह्नित/निर्धारित कर दिया गया। जब सैनिक आगे बढ़ रहे थे, तो बाग क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों ने ऑपरेशनल दलों की गतिविधि को भांपते हुए तलाशी दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तलाशी दलों ने तुरंत कवर लिया और साहस के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिससे आतंकवादियों और तलाशी दलों के बीच बंदूक की भीषण लड़ाई शुरू हो गई। पुलिस उपाधीक्षक रईज अहमद के नेतृत्व में पुलिस दल जिसमें हेड कांस्टेबल बिलाल अहमद, हेड कांस्टेबल रवि कुमार, एस.जी.सीटी मुश्ताक अहमद, सिपाही समि-उलह, सिपाही मोहम्मद हुसैन, सिपाही विकी खजूरिया शामिल थे, अपनी जान अत्यंत जोखिम में डालकर अत्यंत सावधानी के साथ गोलीबारी करते हुए आगे बढ़े। आगे बढ़ने के दौरान उन्होंने देखा कि एक आतंकवादी नाले के अंदर किनारे की आड़ में छिपा हुआ था और पुलिस/सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहा था। हालांकि, संयुक्त घेराबंदी दल ने चतुराई से आतंकवादी को घेर लिया और उसे गोलीबारी बंद करके आत्मसमर्पण करने को कहा। लेकिन आत्मसमर्पण करने के बजाय उसने पुलिस/सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम पर गोलीबारी जारी रखी। संयुक्त बलों की टीम ने गोलीबारी का जवाब दिया जिसके परिणामस्वरूप छिपा हुआ आतंकवादी घायल हो गया। सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास में वह खड़ा हुआ और उसने आंतरिक घेराबंदी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जैसे ही आतंकवादी सामने आया, पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरीफ, हेड कांस्टेबल जावेद अहमद, हेड कांस्टेबल गौर उल हक, हेड कांस्टेबल जतिन्दर सिंह, हेड कांस्टेबल करण सिंह, एस.जी.सीटी इशियाक अहमद, एसपीओ सद्दाम हुसैन, एसपीओ बशीर अहमद और एसपीओ उमर मुश्ताक ने अपनी एके राइफल की बैरल से भारी मात्रा में गोलीबारी की। लंबी चली बंदूक की लड़ाई के बाद, गहन तलाशी ली गई, जिसमें नाले में एक मारे गए आतंकवादी का शव और उसका हथियार बरामद हुआ, जिसकी पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी संगठन के राजा नदीम राथर पुत्र अब्दुल रहमान राथर निवासी अश्मुजी, जिला कुलगाम के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। इस संबंध में इमामसाहिब पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 17/22 दर्ज की गई है।

हेड कांस्टेबल बिलाल अहमद, हेड कांस्टेबल करण सिंह और सिपाही समि-उलह शाह ने जिस पेशेवरता और अदम्य साहस का परिचय दिया और अपनी जान की परवाह किए बिना कुशलतापूर्वक/बुद्धिमत्तापूर्वक आतंकवादियों से मुकाबला किया और अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। हालांकि, आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी करके सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें वे बाल-बाल बचे।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री बिलाल अहमद, हेड कांस्टेबल, करण सिंह, हेड कांस्टेबल और समि-उलह शाह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 07.06.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/77/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 96--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	शेख आबिद	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	इशफाक अहमद वानी	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 28.05.2022 को, विश्वसनीय स्रोतों से शीतीपोरा बिजबेहरा गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक सामान्य जानकारी प्राप्त हुई। जानकारी को और पुष्ट किया गया तथा अब्दुल रशीद भट पुत्र असादुल्ला भट, निवासी शीतीपोरा के घर में आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई। सूचना पर कार्रवाई करते हुए, अनंतनाग पुलिस द्वारा 3 आरआर और सीआरपीएफ की 40वीं/90वीं बटालियनों के सहयोग से एक संयुक्त रणनीति तैयार की गई। तदनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनंतनाग की कमान में 3 आरआर और सीआरपीएफ की 40वीं/90वीं बटालियनों के सैनिकों की सक्रिय सहायता से एसओजी अनंतनाग की भारी तैनाती की गई और पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) अनंतनाग तथा मौके पर मौजूद जिला अनंतनाग के अन्य पुलिस अधिकारियों की प्रभावी निगरानी के तहत एक आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया गया, ताकि संवेदनशील ऑपरेशन को नियंत्रित और समन्वित किया जा सके। छिपे हुए आतंकवादियों को घेरने के लिए उक्त क्षेत्र की घेराबंदी करने का निर्णय लिया गया, जिसके लिए उचित रणनीति तैयार की गई, ताकि आतंकवादियों को घेराबंदी तोड़ने का कोई मौका न मिले, क्योंकि उक्त आतंकवादी पहले भी कई बार पुलिस/सुरक्षा बलों को हताहत करने के बाद सफलतापूर्वक घेराबंदी तोड़ने में कामयाब रहे थे। सबसे पहले, संदिग्ध क्षेत्र के चारों ओर घेराबंदी को कड़ा/मजबूत किया गया और किसी भी नागरिक के हताहत होने से बचने के लिए नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर घर/घेराबंदी वाले क्षेत्र से बाहर निकाला गया। घेरे गए पूरे क्षेत्र को सील कर दिया गया और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनंतनाग की समग्र कमान के तहत सफल ऑपरेशन के लिए उचित सुरक्षा व्यवस्था की गई। छिपे हुए आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए रणनीतिक स्थानों पर समुचित तैनाती की गई और चिन्हित घर की तलाशी शुरू की गई। तलाशी अभियान के दौरान उक्त घर में आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई।

स्थिति का विश्लेषण करने के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनंतनाग ने सैनिकों को आत्मविश्वास बनाए रखने और घेराबंदी को मजबूत करने के लिए सतर्क किया। ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए दो टीमों गठित की गईं, पहली टीम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनंतनाग की कमान में और दूसरी टीम पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) अनंतनाग की कमान में जिसमें उप-निरीक्षक शेख आबिद और हेड कांस्टेबल इशफाक अहमद वानी और 3 आरआर/सीआरपीएफ की क्यूआरटी के सैनिक शामिल थे। अंतिम हमला शुरू करने से पहले, छिपे हुए आतंकवादियों को हथियार डालने के लिए कहा गया, लेकिन आतंकवादियों की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। तदनुसार, एक तलाशी दल घर में प्रवेश करने के लिए घर की ओर बढ़ा, लेकिन अत्यधिक प्रशिक्षित आतंकवादियों ने दल पर गोलियों की बौछार कर दी, जिसमें वे बाल-बाल बचे। पुलिस दल ने आतंकवादियों की गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप दो आतंकवादी मारे गए, जिनकी पहचान बाद में यावर अयूब डार पुत्र मोहम्मद अयूब डार निवासी डोगरीपोरा अवंतीपोरा (हिजबुल मुजाहिदीन आतंकवादी संगठन का श्रेणी "सी") और इशफाक अहमद गनी पुत्र फारूक अहमद गनी, निवासी शालगाम श्रीगुफवारा (हिजबुल मुजाहिदीन आतंकवादी संगठन का श्रेणी "बी") के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए बिजबेहरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/25, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 19 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 82/2022 दर्ज की गई है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री शेख आबिद, उप-निरीक्षक और इशफाक अहमद वानी, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 28.05.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/78/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 97--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार (मरणोपरांत) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. हिमायूं मुज्जममिल	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार (मरणोपरांत)
2.	स्वर्ण सिंह	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.05.2022 को, पुलिस स्टेशन सौरा, श्रीनगर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सौरा श्रीनगर के इलाही बाग (शाह फैसल लेन) क्षेत्र में अवैध हथियारों/गोला-बारूद से लैस अज्ञात आतंकवादियों की मौजूदगी/गतिविधि के संबंध में विश्वसनीय स्रोतों से एक विशिष्ट जानकारी प्राप्त हुई। यह भी पता चला कि आतंकवादियों की क्षेत्र में आतंकी गतिविधि को अंजाम देने की भी योजना है। गुप्त सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए, तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर की समग्र निगरानी में पीसी श्रीनगर और श्रीनगर पुलिस के संयुक्त पुलिस दलों, जिसमें हजरतबल जोन के नफरी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर के एस्कॉर्ट/कॉलम नफरी शामिल थे, द्वारा क्षेत्र की घेराबंदी की गई, जिन्होंने उचित पहचान और सटीक स्थान जानने के बाद छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए तलाशी ली, ताकि बिना किसी अतिरिक्त क्षति के अपेक्षित कार्रवाई की जा सके। जब तलाशी ली जा रही थी, इलाके में एक निर्माणाधीन घर में छिपे आतंकवादियों ने तलाशी दलों को मारने और इलाके से भागने के इरादे से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि होने के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश बलवाल, भापुसे और पुलिस अधीक्षक इफ्तखार तालिब ने तुरंत संयुक्त रूप से एक ऑपरेशनल योजना तैयार की। तदनुसार, दो विशेष टीमों गठित की गईं, जिनमें से पहली टीम में पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल, पुलिस उपाधीक्षक हिमायूं मुज्जममिल, निरीक्षक सैयद इकबाल राशिद, पीएसआई शफकत हुसैन, एस.जी.सीटी राकेश कुमार, एस.जी.सीटी मोहम्मद मुबारक, सिपाही वरुण सिंह, हेड कांस्टेबल मोहम्मद अशरफ वागे, एस.जी.सीटी फैयाज अहमद और अन्य शामिल थे तथा उन्हें लक्षित स्थान के सामने की तरफ से आगे बढ़कर आतंकवादियों का खात्मा करने और साथ ही, किसी भी तरह की अतिरिक्त क्षति से बचने के लिए हर संभव सावधानी बरतने और अगर इलाके में कोई नागरिक मौजूद है, तो उसे पास के सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का कार्य सौंपा गया।

इसी प्रकार, पुलिस उपाधीक्षक सुमित शर्मा, हेड कांस्टेबल बशारत रसूल, एस.जी.सीटी अयाज अहमद, एस.जी.सीटी स्वर्ण सिंह, एस.जी.सीटी मोहम्मद इकबाल खान और सिपाही तारिक अहमद और अन्य की दूसरी टीम को पीछे की ओर लक्षित स्थान पर पहुंचने और हमला करने का कार्य सौंपा गया।

सभी नफरी ऊपर बताई गई योजना के अनुसार, निर्धारित लक्षित स्थान (निर्माणाधीन घर) को घेरकर तैनात हो गए। कार्रवाई दल ने सभी सावधानियां बरतते हुए, घर की तरफ बढ़ना शुरू किया; हालांकि, जैसे ही कार्रवाई दल लक्षित ढांचे के पास पहुंचा, निर्माणाधीन घर के अंदर मोर्चा संभाले आतंकवादियों ने उस पर गोलीबारी शुरू कर दी। छिपे हुए आतंकवादियों ने आगे बढ़ते दल पर ग्रेनेड फेंके और गोलीबारी की, जिससे कार्रवाई दल चमत्कारिक रूप से बच निकला, जिस पर अग्रिम दलों ने छिपे हुए आतंकवादियों को मार गिराने के लिए अंतिम हमला किया। अग्रिम दल सभी तरफ से लक्षित स्थान के पास पहुंचा और ऑपरेशनल दलों और आतंकवादियों के बीच बंदूक की लड़ाई के दौरान, 2 आतंकवादी मारे गए।

बाद में, मुठभेड़ स्थल से मारे गए आतंकवादियों के शव बरामद किए गए और उनकी पहचान स्थानीय आतंकवादियों के रूप में हुई, जिनके नाम आफरीन अल्लाफ मलिक उर्फ अफरीदी अल्लाफ मलिक पुत्र मोहम्मद अल्लाफ मलिक, निवासी बाबा खरदार त्रेज इमामसाहब, जिला शोपियां और शाकिर अहमद वाजा पुत्र गुलजार अहमद वाजा, निवासी त्रेज इमामसाहब, जिला शोपियां थे, ये दोनों ही लश्कर-ए-तैयबा के सी-श्रेणी के आतंकवादी थे। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। आगे की जाँच के लिए सौरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 20 और 38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 51/2022 दर्ज की गई है।

ऑपरेशन बिना किसी अतिरिक्त क्षति के संपन्न हुआ और आतंकवादियों का सफाया दक्षिण/मध्य कश्मीर रेंज में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका था। ऑपरेशनल दलों की भूमिका और नेतृत्व अनुकरणीय रहा। उन्होंने ऑपरेशन की शुरुआत से लेकर अंत तक पुलिस के दलों के बीच समन्वय में भी असाधारण भूमिका निभाई। उन्होंने ऑपरेशनल रणनीति जैसे आस-पास के नागरिकों को निकालने, सर्वोत्तम संभव ऑपरेशनल योजना तैयार करने, ऑपरेशनल दलों की जान को प्राथमिकता देने में और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के आतंकवादियों पर हमला करके उक्त ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री स्व. हिमायूं मुज्जममिल, पुलिस उपाधीक्षक और स्वर्ण सिंह, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 27.05.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/79/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 98--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अब्दुल माजिद वार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
2.	दीपक कुमार	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 31.03.2022 को लगभग 20:35 बजे, शोपियां पुलिस को तुर्कवांगाम शोपियां गांव में प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा संगठन के आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विशिष्ट जानकारी मिली, जो इलाके में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। इस जानकारी के आधार पर, शोपियां पुलिस ने सेना की 44 आरआर/सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की सहायता से इलाके की घेराबंदी की और छिपे हुए आतंकवादियों को पकड़ने/खत्म करने के लिए उचित रणनीतिक योजना के तहत तलाशी अभियान शुरू किया। घने बागों और नालों की वजह से लक्षित क्षेत्र का पता लगाना मुश्किल था। तब, ऑपरेशनल कमांडर अपर पुलिस अधीक्षक इफरोज अहमद ने और अधिक इलाके को घेरे में लेने का फैसला किया और भागने के सभी रास्तों को अच्छी तरह से बंद कर दिया गया। छिपे हुए आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए, आरआर, सीआरपीएफ और स्थानीय पुलिस के दो संयुक्त हमला समूहों का गठन किया गया। पहला दल पुलिस उपाधीक्षक रियाज अहमद के नेतृत्व में और दूसरा दल पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरीफ के नेतृत्व में था तथा 44 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन इसमें सहयोग कर रहे थे।

जल्द ही हमला दलों ने लक्षित क्षेत्र को चिह्नित करने के लिए आस-पास के बागों की तलाशी शुरू कर दी तथा छिपे हुए आतंकवादियों ने ऑपरेशनल दलों की गतिविधि को देखकर उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें हमला दल बाल-बाल बचे। हालांकि, ऑपरेशनल दलों ने तुरंत पोजीशन ले ली और आतंकवादियों की गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया। आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और इसके बजाय उन्होंने ग्रेनेड फेंका। हालांकि, ऑपरेशनल दलों ने धैर्य का परिचय दिया और गोलीबारी का जवाब नहीं दिया, क्योंकि कुछ नागरिक घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए थे। फंसे हुए नागरिकों को निकालने के लिए, एक सुनियोजित रणनीति तैयार की गई और पुलिस उपाधीक्षक रियाज अहमद के नेतृत्व वाली टीम ने पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरीफ के नेतृत्व वाली दूसरी टीम द्वारा दी गई कवर सहायता से कई प्रयासों में घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे सभी नागरिकों को निकालने में सफलता प्राप्त की।

निकासी प्रक्रिया के बाद, पुलिस उपाधीक्षक रियाज अहमद और पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरीफ के नेतृत्व में टीमों अभियान को उसके सही अंजाम तक ले जाने के लिए लक्ष्य की ओर बढ़ीं। हालांकि, छिपे हुए आतंकवादी लगातार संकरी गलियों के विशाल नेटवर्क के साथ सघन निर्माण वाले क्षेत्र का फायदा उठाकर लगातार अपनी पोजीशन बदल रहे थे और सभी कोनों से गोलीबारी कर रहे थे। यद्यपि, आतंकवादियों के सटीक स्थान को निर्धारित करना मुश्किल था, तथापि, पुलिस उपाधीक्षक रियाज अहमद के नेतृत्व में अग्रिम दल ने आतंकवादियों को घेर लिया और दूसरी ओर 44 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के सैनिक भी प्राकृतिक कवर वाले सघन निर्माण वाले क्षेत्र में पोजीशन लेने के लिए तेजी से आगे बढ़े। इन घटनाक्रमों के दौरान छिपे हुए आतंकवादियों की तत्काल गतिविधि को देखते हुए, पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरीफ और उनकी टीम ने असाधारण बहादुरी का परिचय दिया और आतंकवादियों की गतिविधि को कम करने के लिए लक्ष्य की ओर रेंगते हुए आगे बढ़े। अधिकारियों की गतिविधि को देख आतंकवादियों ने उनकी ओर एक ग्रेनेड फेंका, लेकिन हमला दलों ने धैर्य बनाए रखा और अपनी पोजीशन बनाए रखने में कामयाब रहे और वे लगातार एक स्थान पर आतंकवादियों को उलझाए रहे और उन्होंने समीप से हुई बंदूक की लड़ाई में गोलियों की भारी बौछार करके आतंकवादियों को गोली चलाने या ग्रेनेड फेंकने का कोई और मौका नहीं दिया, जिसके परिणामस्वरूप एक कट्टर आतंकवादी मारा गया, जिसकी बाद में पहचान लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी संगठन के मुनीब अहमद शेख उर्फ मुनि पुत्र शाह मोहम्मद शेख, निवासी टाक-मोहल्ला शोपियां के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए जैनापोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 20, 38 और 39 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 26/2022 दर्ज की गई है।

प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा संगठन के इस कट्टर आतंकवादी का खात्मा जम्मू और कश्मीर पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि है तथा वहीं दूसरी ओर यह लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी संगठन के लिए एक बड़ा झटका है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आतंकवादी के खात्मे के साथ समग्र स्थिति में उल्लेखनीय सुधार की उम्मीद है। हेड कांस्टेबल अब्दुल माजिद और एस.जी.सीटी दीपक कुमार, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना कुशलतापूर्वक और बुद्धिमानी से आतंकवादियों का मुकाबला किया, द्वारा प्रदर्शित पेशेवर कौशल और अदम्य साहस उल्लेखनीय था, क्योंकि अत्यंत प्रतिकूल परिस्थिति में लक्ष्य तक पहुँचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला और उनकी सूझबूझ तथा कुशल पुलिस व्यवस्था से नागरिक हताहत होने से बच गए।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री अब्दुल माजिद वार, हेड कांस्टेबल और दीपक कुमार, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 31.03.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/81/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 99--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मनोज कुमार	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	मुश्ताक अहमद ठीकरी	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22.01.2022 को लगभग 09:15 बजे, शोपियां पुलिस को शोपियां जिले के किलबल गांव में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विश्वसनीय जानकारी प्राप्त हुई। जानकारी के अनुसार, आतंकवादी आम जनता को धमकाने के लिए क्षेत्र में बड़ी आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी में थे। उक्त गांव जो अपनी स्थलाकृति, घने बागों और आतंकवादियों के समर्थन आधार के कारण आतंकवाद के दृष्टिकोण से बहुत संवेदनशील था और ऐसे क्षेत्र में ऑपरेशन चलाना पुलिस/सुरक्षा बलों के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। इस पर, शोपियां पुलिस ने 34 आरआर, सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के सहयोग से जिला पुलिस गांदरबल के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया और प्रारंभिक घेरा स्थापित करते समय, यह निर्णय लिया गया कि गांव के अंदर मौजूद नागरिकों को बिना घबराए या स्थिति बिगड़े बिना आंतरिक घेरे से सुरक्षित तरीके से बाहर निकाला जाना चाहिए।

इसी अभ्यास के साथ, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमृतपाल सिंह, भापुसे के नेतृत्व में सेना की 34 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के सहयोग से शोपियां/गांदरबल पुलिस की टीम गठित की गई, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक निखिल बोरकर, भापुसे, अपर पुलिस अधीक्षक इफरोज अहमद मीर, पुलिस उपाधीक्षक मनोज कुमार, निरीक्षक खुशींद अहमद, एस.जी.सीटी मंजूर अहमद, एस.जी.सीटी दिलावर अहमद, एस.जी.सीटी बरकत अली, एस.जी.सीटी ऐजाज अहमद, सिपाही एबी राशिद, सिपाही इरशाद अहमद, सिपाही मुश्ताक अहमद ठीकरी, सिपाही रफीक अहमद, एसपीओ परवेज अहमद, एसपीओ सज्जाद अहमद, एसपीओ मोहम्मद अल्ताफ, एसपीओ मुदासिर अहमद और एसपीओ यश पॉल सहित सेना की 34 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन शामिल थी, ताकि लक्षित क्षेत्र की तलाशी शुरू की जा सके। पेशेवर कौशल और अभ्यास का उपयोग करते हुए, किलबल शोपियां गांव के निवासियों से उनके घरों में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में पूछा गया।

हालांकि, लक्षित घरों के सभी निवासियों ने शुरू में अपने घरों में आतंकवादियों की मौजूदगी से इनकार किया। लेकिन मौके पर पूछताछ के दौरान एक निवासी ने मकान संख्या 17, जो एक दो मंजिला इमारत थी, में दो संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि की और लक्षित मकान संख्या 17 में आतंकवादियों के छिपे होने की पुष्टि होने के बाद और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए, लक्षित घर को विभिन्न दिशाओं से कवर किया गया। शुरुआत में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमृतपाल सिंह की समग्र निगरानी में प्रारंभिक संयुक्त घेराबंदी टीम द्वारा कुछ घरों और लक्षित क्षेत्र से सटे थोड़े से इलाके को चतुराई से घेर लिया गया। लक्षित क्षेत्र की तलाशी शुरू करने के लिए एक टीम का गठन किया गया। तलाशी अभियान के दौरान, तलाशी दलों द्वारा लक्षित क्षेत्र को चिन्हित/निर्धारित किया गया।

इस बीच, घर में छिपे आतंकवादियों ने ऑपरेशनल दलों की गतिविधि को भांपकर, उन्हें जान से मारने के इरादे से, अवैध स्वचालित हथियारों से, तलाशी दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तलाशी दलों ने तुरंत कवर लिया और साहसपूर्वक जवाबी कार्रवाई की, जिससे आतंकवादियों और तलाशी दलों के बीच बंदूक की भीषण लड़ाई शुरू हो गई। हालांकि, यह देखा गया कि वे इलाके में फंस गए हैं और उन्हें निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है।

इसके बाद, छिपे हुए आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए अंतिम हमले के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक निखिल बोरकर, भापुसे के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन किया गया। गोलीबारी पर अत्यधिक नियंत्रण के साथ, जब भी आतंकवादियों की गतिविधि देखी गई, तो घेराबंदी दल उनसे भिड़ते रहे। गोलीबारी के दौरान, लक्षित घर में आग लग गई और छिपे हुए आतंकवादियों ने मकान संख्या 17 से भागने की कोशिश की, जो मकान संख्या 22 से स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। यह देखकर, अपर पुलिस अधीक्षक फिरोज अहमद और उनकी टीम ने आतंकवादियों पर गोलीबारी की जिसमें आतंकवादी घायल हो गए और गौशाला के अंदर छिप गए तथा उसमें भी आग लग गई। इस हालत में, आतंकवादियों ने पुलिस और सुरक्षा बलों की घेराबंदी को तोड़ने के लिए चारों ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। कुछ समय बाद, चूंकि फायर बेस (मकान संख्या 22) से लक्षित गौशाला की ओर भारी गोलीबारी चल रही थी, एके हथियार से लैस एक आतंकवादी ने पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरीफ की टीम को निशाना बनाना शुरू कर दिया। इस पर, अपर पुलिस अधीक्षक फिरोज अहमद ने जल्दी से अपनी टीम को रेंगते हुए आगे बढ़ने तथा बाएं दरवाजे की ओर पोजीशन लेने को कहा, जो कि 20-25 मीटर दूर था।

मकान संख्या 22 की खिड़कियां काफी बड़ी थीं और आतंकवादियों की एके राइफल की गोलियां सीधे दीवारों पर समानांतर लग रही थीं। आतंकवादियों के इस घातक हमले के बावजूद, अपर पुलिस अधीक्षक फिरोज अहमद ने अपनी टीम को आतंकवादियों की पोजीशन पर एक साथ गोलीबारी करने का आदेश दिया और उसी समय, सभी ने भारी मात्रा में गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे छिपे हुए आतंकवादी गौशाला से बाहर आने को मजबूर हो गए। चूंकि यह गोलीबारी बहुत भारी थी, आतंकवादी अपनी आखिरी लड़ाई में हताशा में खड़े हो गए और जैसे ही उन्होंने मकान संख्या 22 के सामने अपनी पोजीशन का खुलासा किया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक निखिल बोरकर, अपर पुलिस अधीक्षक फिरोज अहमद सहित पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरीफ, निरीक्षक खुर्शीद अहमद, उप-निरीक्षक मोहम्मद रफीक, सहायक उप-निरीक्षक अब्दुल हमीद, सिपाही हिलाल अहमद, सिपाही फरीद अहमद, एसपीओ मनोज कुमार, एसपीओ गुलाम मुस्तफा और एसपीओ इफ्तिखार अहमद ने साहस से आतंकवादियों पर तीन तरफ से गोलियां बरसाईं और गोलीबारी में दोनों आतंकवादी ढेर हो गए। एक लंबी चली बंदूक की लड़ाई के बाद, हालांकि लक्षित घर से कोई गोलीबारी नहीं हुई और अंतिम तलाशी का आदेश दिया गया, फिर भी अंतिम क्षण में किसी भी नुकसान से बचने के लिए सभी सावधानियां बरती गईं। लक्षित घर में लगी आग बुझा दी गई और तापमान कम होने के बाद, गहन तलाशी ली गई, जिसमें दो मारे गए आतंकवादियों के शव उनके हथियारों के साथ बरामद किए गए। बाद में मारे गए आतंकवादियों की पहचान लश्कर-ए-तैयबा संगठन के रईस अहमद मीर पुत्र मोहम्मद अशरफ मीर, निवासी तकिया चिनारबाग पुलवामा और समीर अहमद शाह पुत्र नजीर अहमद शाह, निवासी डांगम शोपियां के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। आगे की जाँच के लिए शोपियां पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 06/2022 दर्ज की गई है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मनोज कुमार, पुलिस उपाधीक्षक और मुश्ताक अहमद ठीकरी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 22.01.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/82/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 100--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मोहन लाल	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
2.	नरिंदर सिंह	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	रौफ अहमद मीर	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19.12.2021 को 02:35 बजे, पीसी श्रीनगर को मुखबिर से एक विशिष्ट जानकारी प्राप्त हुई कि अवैध हथियारों/गोला-बारूद के साथ कुछ अज्ञात आतंकवादी श्रीनगर जिले के दरबाग हरवान क्षेत्र में मौजूद हैं और श्रीनगर शहर में पुलिस/सुरक्षा बलों पर हमले करने की योजना बना रहे हैं। आतंकवादियों का सटीक स्थान/पहचान करने के बाद उनका पता लगाने के लिए, जिला श्रीनगर/पुलिस घटक श्रीनगर पुलिस के साथ-साथ सीआरपीएफ की (54वीं बटालियन) वैली क्यूआरटी और सेना (24 आरआर) की नफरी की टीमों का गठन किया गया, ताकि आतंकवादियों की पहचान की जा सके और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के उन्हें मार गिराया जा सके। इस प्रकार, गठित टीमों ने संदिग्ध क्षेत्र में तलाशी शुरू की, जिसके दौरान वे उस स्थान का पता लगाने में सफल रहे जहां आतंकवादियों के छिपे होने का संदेह था और घेराबंदी दलों द्वारा लक्षित स्थान को घेर लिया गया। घेराबंदी और तलाशी अभियान के शुरूआती दौर में, आतंकवादियों ने पुलिस दलों की उपस्थिति की भनक लगते ही सुरक्षित रास्ता बनाने तथा मौके से भागने के लिए उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और ग्रेनेड फेंके, लेकिन पुलिस/सुरक्षा बलों के दल सभी तरफ से लक्षित स्थान की ओर बढ़े और सभी गलियों को बंद कर दिया।

तुरंत ही, ऑपरेशनल मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुसार एक ऑपरेशनल योजना तैयार की गई और लक्षित स्थान की ओर जाने वाली सभी गलियों और निकास स्थलों को सील कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक (पीजी) श्रीनगर की देखरेख में आस-पास के घरों को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू की गई। सभी नफरियों ने ऊपर बताई गई योजना के अनुसार अपनी पोजीशन ली और ऑपरेशनल दल ने बहुत ही

चतुराई और बहादुरी से आस-पास के इलाके में रहने वाले निवासियों को बाहर निकाला और किसी भी तरह की अतिरिक्त क्षति से बचने के लिए उन्हें पास के सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। ऑपरेशनल दल ने सभी सावधानियां बरतते हुए आगे बढ़ने की प्रक्रिया शुरू की और आगे बढ़ने के दौरान, छिपे हुए आतंकवादी ने फिर से आगे बढ़ रहे दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की, लेकिन ऑपरेशनल दल की रणनीतिक सोच के कारण उन्हें इससे कोई नुकसान नहीं हुआ और वे चमत्कारिक रूप से बच निकले।

इस चरण में, ऑपरेशनल दलों का प्रभारी होने के नाते, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश बलवाल, भापुसे ने किसी अतिरिक्त क्षति के बिना आतंकवादी का खात्मा करने के लिए छोटी टीम का गठन किया, जिसमें पुलिस अधीक्षक तनुश्री, भापुसे, पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल, पुलिस उपाधीक्षक सुरिंदर सिंह, सहायक उप-निरीक्षक नरिंदर सिंह, सहायक उप-निरीक्षक बशीर अहमद, हेड कांस्टेबल सुनील कुमार कौल, एस.जी.सीटी बिलाल अहमद गनी, एस.जी.सीटी रौफ अहमद मीर, एस.जी.सीटी जावेद अहमद लोन, एस.जी.सीटी यश पॉल, पीसी श्रीनगर के एस.जी.सीटी ऐजाज अहमद, एस.जी.सीटी शबीर अहमद लोन और एस.जी.सीटी फैयाज अहमद मापनू, जिला श्रीनगर के साथ-साथ सीआरपीएफ की 54वीं बटालियन की क्यूआरटी के पर्याप्त नफरी, वैली ओएटी सीआरपीएफ और सेना (24 आरआर) के कार्मिक शामिल थे।

इस प्रकार गठित टीम ने आगे बढ़ने की प्रक्रिया शुरू की और लक्ष्य के निकट पहुंचते ही छोटी-छोटी टीमों द्वारा चारों ओर से प्रभावी घेराबंदी कर दी गई। लक्षित स्थान बहुत चुनौतीपूर्ण था क्योंकि वहां एक निर्माण वाला क्षेत्र था, जहां अधिकांश घरों के परिसर ऊंची कंक्रीट की चारदीवारी और ऊंची जीसी शीटों की वजह से एक-दूसरे से अलग थे। टीमों को छिपे हुए आतंकवादी की नजर में आए बिना इन सभी बाधाओं को पार करना पड़ा। टीमों लक्षित स्थान की ओर बढ़ती रहीं और साथ ही इलाके में नागरिकों को बाहर निकालने का काम भी करती रहीं। छिपे हुए आतंकवादी को सुरक्षा बलों की गतिविधियों का संदेह हुआ और उसने ऑपरेशनल दल पर ग्रेनेड फेंके, जिससे वे बच निकले।

इस बीच, नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के बाद, पुलिस अधीक्षक तनुश्री, भापुसे और पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल के नेतृत्व में उनके साथियों सहित एक छोटी सी टीम को लक्षित स्थान के पीछे तैनात किया गया, जो एक खुला मैदान था और जहां कोई आड़ नहीं थी और जहां से छिपा हुआ आतंकवादी भाग सकता था। हालांकि, आतंकवादी ने दल की गतिविधियों को देखकर उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। लेकिन दोनों अधिकारी आगे बढ़ते रहे और उन्होंने भारी गोलीबारी के बीच आतंकवादी का सामना किया और आतंकवादी को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान, दोनों अधिकारियों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपनी पोजीशन बनाए रखी और इस प्रकार सर्वोच्च स्तर की अनुकरणीय और असाधारण वीरता का परिचय दिया।

पुलिस उपाधीक्षक सुरिंदर सिंह के नेतृत्व में एक और दल, जिसमें सहायक उप-निरीक्षक नरिंदर सिंह भी शामिल थे, आतंकवादी की ओर रेंगते हुए आगे बढ़ता रहा। इस दौरान, छिपे हुए आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने के लिए भी कहा गया, लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और अंधाधुंध गोलीबारी के बीच एक के बाद एक ग्रेनेड फेंके।

इस बीच, पुलिस अधीक्षक तनुश्री, भापुसे और पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल के नेतृत्व में अनेक साथियों सहित पहली टीम ने छिपे हुए आतंकवादी की ओर बढ़ना शुरू कर दिया और दोनों पक्षों अर्थात् आगे बढ़ने वाले दलों और आतंकवादी के बीच एक-दूसरे पर हुई भारी गोलीबारी में छिपे हुए कट्टर आतंकवादी को मार गिराया गया। पुलिस अधीक्षक तनुश्री, भापुसे और पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल तथा पुलिस उपाधीक्षक सुरिंदर सिंह के नेतृत्व में दोनों टीमों ने छिपे हुए आतंकवादी की गोलीबारी के सामने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना अदम्य साहस के साथ जवाबी कार्रवाई की फौलादी हिम्मत तथा उच्चतम स्तर की वीरता का प्रदर्शन करते हुए, आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई में खूंखार पाकिस्तानी आतंकवादी को मार गिराया। बाद में, मारे गए आतंकवादी का शव मुठभेड़ स्थल से बरामद किया गया, जिसकी पहचान लश्कर-ए-तैयबा संगठन से संबद्ध "सैफुल्लाह" निवासी पाकिस्तान के रूप में हुई। आगे की जांच के लिए शोपियां पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16 और 18 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 95/2021 दर्ज की गई है।

ऑपरेशन बिना किसी अतिरिक्त क्षति के पूरा हुआ और उक्त आतंकवादी का सफाया दक्षिण/मध्य कश्मीर रेंज में लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका था। मारा गया आतंकवादी सैफुल्लाह निवासी पाकिस्तान था, जो लश्कर-ए-तैयबा संगठन का "ए++" श्रेणी का आतंकवादी था और कई आतंकवादी हमलों में भी शामिल था।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री मोहन लाल, पुलिस उपाधीक्षक, नरिंदर सिंह, सहायक उप-निरीक्षक और रौफ अहमद मीर, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 19.12.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/135/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 101--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का द्वितीय बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	इफ्तखार तालिब	पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक का द्वितीय बार
2.	मोहन लाल	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक का द्वितीय बार
3.	अब्दुल राउफ वानी	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
4.	शौकत अहमद डार	सिपाही	वीरता पदक
5.	तवीर अहमद डार	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 03.01.2022 को, जकूरा पुलिस स्टेशन, श्रीनगर के क्षेत्राधिकार में आने वाले जकूरा श्रीनगर के वानिहामा क्षेत्र में अवैध हथियारों/गोला-बारूद सहित कुछ अज्ञात आतंकवादियों की मौजूदगी/छिपे होने के संबंध में विश्वसनीय स्रोतों से एक विशिष्ट जानकारी प्राप्त हुई। जानकारी पर तुरंत कार्रवाई करते हुए और उचित पहचान के बाद छिपे हुए आतंकवादियों को ट्रैक करने के लिए, पुलिस घटक श्रीनगर, वैली क्यूएटी सीआरपीएफ, सीआरपीएफ की 115वीं बटालियन और सेना की 24 आरआर की टीमों को गठित किया गया, ताकि आतंकवादियों के सटीक स्थान की पहचान की जा सके और किसी अतिरिक्त क्षति के बिना उचित कार्रवाई की जा सके। गठित टीमों ने उक्त क्षेत्र में गहन तलाशी के दौरान, उस लक्षित स्थान को खाली करने में सफलता प्राप्त की जहां आतंकवादी छिपे हुए थे। क्षेत्र में बलों की उपस्थिति को देखते हुए, आतंकवादियों ने इलाके से भागने में कामयाब होने और बलों मारने के इरादे से अचानक उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की।

तुरंत ही, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश बलवाल, भापुसे, जो ऑपरेशनल दलों के प्रभारी थे, ने एक ऑपरेशनल योजना तैयार की। योजना के अनुसार, नफरी को विभिन्न दलों में विभाजित किया गया, एक दल को वैली क्यूएटी सीआरपीएफ और सेना की 24 आरआर की पर्याप्त नफरी के साथ लक्षित क्षेत्र की बाहरी घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया और दूसरे दल को जिसमें पीसी श्रीनगर, श्रीनगर पुलिस के कार्मिक तथा वैली क्यूएटी सीआरपीएफ/सीआरपीएफ की 115वीं बटालियन के पर्याप्त नफरी शामिल थे, को लक्षित स्थान की आंतरिक घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया।

उपरोक्त के अलावा, एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें पुलिस अधीक्षक इफ्तखार तालिब, पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल, पुलिस उपाधीक्षक रोहित कुमार, सहायक उप-निरीक्षक अमित रैना, पुलिस उप-निरीक्षक शिवम नारंग, हेड कांस्टेबल सलीम सादिक, हेड कांस्टेबल जावेद अहमद, हेड कांस्टेबल रिकू कौल, एस.जी.सीटी बिलाल अहमद, एस.जी.सीटी शब्बीर अहमद, एस.जी.सीटी अब्दुल राउफ वानी, सिपाही शौकत अहमद डार, सिपाही मंजूर अहमद, सिपाही रमीज रजाक, सिपाही बिलाल अहमद, सिपाही मोहम्मद रफीक, सिपाही जावेद शफी और सिपाही तवीर अहमद डार तथा वैली क्यूएटी सीआरपीएफ/सीआरपीएफ की 115वीं बटालियन के पर्याप्त नफरी शामिल थे। अधिकारियों/कार्मिकों की विशेष टीम को उचित कार्रवाई के लिए और यदि आवश्यक हो तो छिपे हुए आतंकवादी पर अंतिम हमला करने के लिए सभी तरफ से लक्षित स्थान तक पहुंचने/की तरफ बढ़ने का कार्य सौंपा गया। इस प्रकार गठित विशेष टीम ने अन्य ऑपरेशनल दलों/बलों के साथ अत्यंत समन्वय से सभी सावधानियां बरतते हुए लक्षित स्थान को घेर लिया और ऑपरेशन के दौरान किसी अतिरिक्त क्षति से बचना सुनिश्चित करने के लिए आसपास के घरों में रहने वाले निवासियों को बाहर निकालकर पास के सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू की।

ऑपरेशनल योजना के अनुसार, विशेष टीम दो दलों में विभाजित हो गई; एक दल में पुलिस अधीक्षक इफ्तखार तालिब, सहायक उप-निरीक्षक अमित रैना, पुलिस उप-निरीक्षक शिवम नारंग, हेड कांस्टेबल जावेद अहमद वागे, सिपाही तवीर अहमद डार और सिपाही रमीज रजाक तथा अन्य शामिल थे और दूसरे दल में पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल, पुलिस उपाधीक्षक रोहित कुमार, हेड कांस्टेबल सलीम सादिक हजम, हेड कांस्टेबल रिकू कौल, एस.जी.सीटी अब्दुल राउफ वानी और सिपाही शौकत अहमद डार तथा अन्य शामिल थे।

पहले तो छिपे हुए आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और लक्ष्य की ओर बढ़ रही विशेष टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी ताकि वह घेराबंदी को तोड़ने में सफल हो सके। इस पर पुलिस अधीक्षक इफ्तखार तालिब और उनके साथियों वाले एक दल ने लक्षित घर के सामने की ओर पोजीशन ले ली और रेंगते हुए लक्षित घर के पास पहुंचा, जहां से आतंकवादी ने ऑपरेशनल दल पर गोलीबारी की थी और ऑपरेशनल दल ने अपनी जान की परवाह किए बिना बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की। आतंकवादी का सामना करते हुए उन्होंने अदम्य साहस का परिचय दिया और आतंकवादी को दूसरी दिशा में भागने पर मजबूर कर दिया, जिससे संभवतः उसे चोटें आईं, तथापि, आतंकवादी ने टीम के साथ बंदूक की लड़ाई जारी रखी।

इस बीच, दूसरा दल, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक मोहन लाल, पुलिस उपाधीक्षक रोहित कुमार, हेड कांस्टेबल सलीम सादिक हजम, हेड कांस्टेबल रिकू कौल, एस.जी.सीटी अब्दुल राउफ वानी और सिपाही शौकत अहमद डार तथा अन्य शामिल थे और जिन्होंने पहले से ही लक्षित घर के पीछे की तरफ पोजीशन ले ली हुई थी, जो एक खुला क्षेत्र था, ने प्रभावी ढंग से और बहादुरी से गोलीबारी का जवाब दिया और इस तरह

आतंकवादी का सामना करते हुए विशिष्ट साहस का प्रदर्शन किया। इस दौरान, विशेष टीम के दोनों दलों ने आतंकवादी का खत्मा करने का फैसला किया और इस उद्देश्य के लिए, घर में घुसने का निर्णय लिया गया। एक-दूसरे पर भीषण गोलीबारी के बीच, अपनी जान की परवाह किए बिना विशेष टीम आतंकवादी की गोलीबारी के सामने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की चिंता किए बिना अदम्य साहस के साथ अपनी पोजीशन को बनाए रखते हुए लक्षित घर की ओर बढ़ी और टीम ने फौलादी ताकत तथा उच्चतम स्तर की बहादुरी का प्रदर्शन किया तथा बिना किसी अतिरिक्त क्षति के आमने-सामने की गोलीबारी में आतंकवादी को मार गिराया।

बाद में, मारे गए आतंकवादी का शव बरामद किया गया और उसकी पहचान लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी संगठन के "ए" श्रेणी के हाफिज उर्फ हमजा उर्फ अबू उकाशा निवासी पाकिस्तान के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादी के पास से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गए। आगे की जांच के लिए जकूरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16 और 18 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 02/2022 दर्ज की गई है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री इफ्तखार तालिब, पुलिस अधीक्षक, मोहन लाल, पुलिस उपाधीक्षक, अब्दुल राउफ वानी, एस.जी.सीटी, शौकत अहमद डार, सिपाही और तवीर अहमद डार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 03.01.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/84/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 102--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	नसीर अहमद मलिक	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	गुलाम मोहम्मद	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	रेआज़ हुसैन शाह	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 06.08.2023 को पुलिस को अपने ही स्रोत से जम्मू और कश्मीर के कुपवाड़ा के करनाह पुलिस स्टेशन क्षेत्र के दखन अमरूही टीटवाल गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विश्वसनीय जानकारी प्राप्त हुई। बिना किसी देरी के यह जानकारी सेना के अधिकारियों के साथ साझा की गई और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा के नेतृत्व में सेना की 6 जेएके राइफल्स के साथ संयुक्त अभियान शुरू करने की योजना बनाई गई।

योजना बनाने के बाद, संदिग्ध क्षेत्र की घेराबंदी कर ली गई; पुलिस और सेना को कई टुकड़ियों में बांट दिया गया और तदनुसार बनाए गए दलों ने धीरे-धीरे लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़ना और उसे घेरना शुरू कर दिया। जब निरीक्षक शफात अहमद वानी के नेतृत्व में, निरीक्षक, नसीर अहमद मलिक, सहायक उप-निरीक्षक गुलाम मोहम्मद और एस.जी.सीटी रेआज़ हुसैन शाह की सहायता से, दल संदिग्ध लक्ष्य की ओर बढ़ रहा था, जंगल में झाड़ियों के पीछे छिपे आतंकवादियों ने दल पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। अपनी पोजीशन को संभालते हुए, निरीक्षक, शफात अहमद वानी के नेतृत्व में दल ने शौर्य का प्रदर्शन करते हुए, छिपे हुए आतंकवादियों पर धावा बोल दिया तथा बाकी तलाशी दलों की सहायता से एक आतंकवादी को बहुत करीब से मार गिराया, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना अत्यंत वीरतापूर्ण साहस का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादियों को तब तक कोई फायदा नहीं उठाने दिया जब तक कि एक आतंकवादी को मार नहीं गिराया गया और साथ ही भारी गोलीबारी के बाद एक अन्य आतंकवादी को भी मार गिराया गया। निरीक्षक नसीर अहमद मलिक, सहायक उप-निरीक्षक गुलाम मोहम्मद और एस.जी.सीटी रेआज़ हुसैन शाह के अनुकरणीय नेतृत्व, अदम्य साहस और सच्ची सेवा भावना के कारण ही एक विदेशी आतंकवादी को मार गिराया गया। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार/गोला-बारूद और अन्य सामान बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए करनाह पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16, 20 और 23 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 64/2023 दर्ज की गई है।

पूरे ऑपरेशन में, निरीक्षक नसीर अहमद मलिक, सहायक उप-निरीक्षक गुलाम मोहम्मद और एस.जी.सीटी रेआज़ हुसैन शाह ने अदम्य साहस और सेवा की सच्ची भावना के साथ-साथ अत्यधिक पेशेवरता का परिचय दिया, जिन्होंने अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अपनी जान की परवाह किए बिना बहादुरी से लड़ाई लड़ी। हालांकि, आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी करके सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें पुलिस दल बाल-बाल बचा, तथापि उन्होंने अपनी एकाग्रता खोए बिना तथा अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना बहादुरी से उसका मुकाबला किया, जिसके परिणामस्वरूप एक खूंखार आतंकवादी को मार गिराया गया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री नसीर अहमद मलिक, निरीक्षक, गुलाम मोहम्मद, सहायक उप-निरीक्षक और रेआज़ हुसैन शाह, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 05.08.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/87/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 103--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	छबील सिंह	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	आज़ा सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.09.2023 को सुबह 07:48 बजे, रियासी पुलिस को एक विश्वसनीय स्रोत से साब गली, उपर तुली तहसील चस्साना, जिला रियासी स्थित एसपीओ अब्दुल लतीफ के घर में आतंकवादी की मौजूदगी के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई। तदनुसार, सूचना का विश्लेषण/पुष्टि की गई और इसे तुरंत सेना की 33 आरआर के साथ साझा किया गया और एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया।

बनाई गई रणनीति के अनुसार, रियासी पुलिस और सेना की 33 आरआर की संयुक्त टीम सामान्य से अलग तथा जोखिम भरे रास्तों को अपनाते हुए संदिग्ध क्षेत्र तक पहुंची और तब तक उच्च स्तर के औचक को बनाए रखा गया, जब तक कि मजबूत घेराबंदी नहीं हो गई। घेराबंदी करने और उसे मजबूत करने के बाद, पुलिस उपाधीक्षक छबील सिंह, एसडीपीओ माहौर के नेतृत्व में, रियासी पुलिस की संयुक्त टीम ने सेना की 33 आरआर की समकक्षी टुकड़ियों की सहायता से, संदिग्ध क्षेत्र में आतंकवादियों की तलाश शुरू कर दी।

परिणामस्वरूप, दो टीमों गठित की गईं, जिनमें से एक का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक छबील सिंह ने किया, जिसमें हेड कांस्टेबल, आज़ा सिंह और 14 अन्य पुलिस कार्मिक शामिल थे, जो कि सेना की 33 आरआर के समकक्षों के साथ, संदिग्ध क्षेत्र के उत्तर-पूर्वी हिस्से में तैनात थे और दूसरी टीम निरीक्षक सुमन सिंह, एसएचओ चस्साना पुलिस स्टेशन के नेतृत्व में थी, जिसमें 23 पुलिस कार्मिक शामिल थे और वे सेना की 33 आरआर के समकक्षों के साथ दक्षिण-पश्चिमी हिस्से पर तैनात थे। संपूर्ण संदिग्ध क्षेत्र को पूरी तरह से घेर लिया गया और संयुक्त टीम ने लक्षित घर की ओर बढ़ना शुरू कर दिया, जिस पर आतंकवादी ने अवैध हथियारों/गोला-बारूद के साथ उन्हें मारने के इरादे से पुलिस/सेना पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और पास के जंगलों में वनस्पति वाले क्षेत्र की ओर भागने की कोशिश की। जिला पुलिस रियासी और सेना की 33 आरआर के संयुक्त हमला दल, जिसका नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक छबील सिंह कर रहे थे और एक अन्य दल, जिसका नेतृत्व निरीक्षक, सुमन सिंह कर रहे थे, ने कवर लिया और अपनी जान की परवाह किए बिना, सामने से बहादुरी से लड़ते हुए आतंकवादी को मार गिराया, जिसकी पहचान बाद में अबरार-उल-हक उर्फ शेरा निवासी गांव पंजाब, पाकिस्तान के रूप में हुई। वह एक "सी" श्रेणी का आतंकवादी था और अत्यधिक प्रशिक्षित था तथा देश/जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए उसने हथियारों/गोला-बारूद के साथ घुसपैठ की थी।

मुठभेड़ के दौरान, हेड कांस्टेबल आज़ा सिंह और सेना के एक अन्य कार्मिक राइफलमैन रोहन गौतम घायल हो गए और उन्हें मुठभेड़ स्थल से सुरक्षित निकाल लिया गया। मुठभेड़ स्थल से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए चस्साना पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307/120-बी, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/25/27 विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 15, 16, 18, 23, 38 और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3/4 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 66/2023 दर्ज की गई है।

उपरोक्त ऑपरेशन में पुलिस/सेना की संयुक्त टीम ने असाधारण पेशेवरता, प्रभावी कमान और नियंत्रण, उच्चतम स्तर के संयम, चूक रहित योजना और वीरता का परिचय दिया तथा बिना किसी अतिरिक्त क्षति के एक बहुत ही सटीक सर्जिकल ऑपरेशन को अंजाम दिया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री छबील सिंह, पुलिस उपाधीक्षक और आज्ञा सिंह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 04.09.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/88/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 104--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	साहिल सरंगल, भापुसे	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	ज़हूर अहमद खान	पुलिस उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	राउफ अहमद डूम	पुलिस उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	मोहम्मद रफीक	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 04.10.2023 को, कुलगाम पुलिस को कुजार गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विश्वसनीय जानकारी प्राप्त हुई। तुरंत ही, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक साहिल सरंगल, भापुसे, अपनी क्यूआरटी तथा 1 आरआर, सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन और सीआरपीएफ (स्प्लिंटर) की डी/214 कंपनी के सैनिकों के साथ संदिग्ध गांव की ओर रवाना हुए, ताकि पूरे गांव की घेराबंदी की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकवादियों को मौके से भागने का कोई अवसर न मिले। सभी प्रवेश/निकास स्थानों, रास्तों और भागने के संभावित रास्तों को कंसर्टीना तार बिछाकर और सुरक्षा बलों को तैनात करके पूरी तरह से बंद कर दिया गया।

चूंकि गांव की युद्धस्तर पर घेराबंदी की गई थी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक साहिल सरंगल ने नागरिकों की जान बचाने को विशेष प्राथमिकता दी और उन्हें घेराबंदी वाले इलाके से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया, क्योंकि संदिग्ध इलाका घनी आबादी वाला था। इस बीच, उप महानिरीक्षक रईस मोहम्मद भट्ट, भापुसे अपनी क्यूआरटी के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने व्यक्तिगत रूप से ऑपरेशन की निगरानी की, ताकि बिना किसी अतिरिक्त क्षति के ऑपरेशन को पूरा किया जा सके। स्थिति का विश्लेषण करने के बाद, एसओजी/कुलगाम पुलिस/1आरआर/सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन और सीआरपीएफ (स्प्लिंटर कंपनी) की डी/214 कंपनी के सैनिकों को सतर्क किया गया और रणनीतिक स्थानों पर तैनात किया गया। ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए, फंसे हुए आतंकवादियों को मार गिराने के लिए दो हमला दलों का गठन किया गया।

पहला दल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक साहिल सरंगल, भापुसे के नेतृत्व में था, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक आरिफ हुसैन, पुलिस उप-निरीक्षक राउफ अहमद डूम, एस.जी.सीटी निसार अहमद, एस.जी.सीटी सुबजार अहमद, एसपीओ हिलाल अहमद, एसपीओ रूफ अहमद, एसपीओ मोहम्मद रमजान, एसपीओ शाहीन अहमद शामिल थे और दूसरा दल पुलिस उपाधीक्षक अब्दुल गफूर के नेतृत्व में था, जिसमें पुलिस उप-निरीक्षक ज़हूर अहमद खान, हेड कांस्टेबल मोहम्मद रफीक, एस.जी.सीटी आशिक हुसैन, एस.जी.सीटी मीर नसरुल्लाह, एस.जी.सीटी निर्मल सिंह, सिपाही जावेद अहमद, सिपाही रफीक अहमद, एसपीओ मोहम्मद ओवैस, एसपीओ इश्फाक अहमद, एसपीओ हिलाल अहमद और एसपीओ मोहम्मद रईस शामिल थे, जो आंतरिक घेराबंदी का हिस्सा थे; लक्षित स्थान के करीब पहुंचे और उन्होंने छिपे हुए आतंकवादियों के साथ भीषण लड़ाई शुरू कर दी।

एक-दूसरे पर भारी गोलीबारी के बावजूद, पुलिस दल अपनी-अपनी पोजीशन पर डटे रहे और पेशेवरता, ऑपरेशनल रणनीति और जोश का परिचय देते हुए बिना किसी अतिरिक्त क्षति के दो कट्टर आतंकवादियों को मौके पर ही मार गिराया। पुलिस दल ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना आतंकवादियों से बहादुरी से मुकाबला किया और यह दर्शाया कि वे राष्ट्रीय अखंडता और एकता की रक्षा के साथ-साथ आतंकवाद के खतरे को मिटाने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने को तैयार हैं। पुलिस दल, 1 आरआर, सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन और सीआरपीएफ (स्प्लिंटर कंपनी) की डी/214 कंपनी के सैनिकों द्वारा प्रदर्शित सर्वोच्च साहस अत्यधिक सराहनीय था और आतंकवाद के खतरे के उन्मूलन के लिए अत्यावश्यक था।

उपरोक्त पुलिस दल ने अपनी जान की परवाह किए बिना, सूझबूझ और रणनीतिक कौशल का कारगर ढंग से उपयोग करके 02 खूंखार आतंकवादियों का खात्मा करने में एक अनुकरणीय भूमिका निभाई और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के आतंकवादियों को मौके पर ही मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों की बाद में पहचान बासित अहमद भट्ट (हिजबुल मुजाहिदीन संगठन का "ए" श्रेणी का आतंकवादी) पुत्र मोहम्मद अमीन भट्ट (हिजबुल मुजाहिदीन संगठन का "बी" श्रेणी का आतंकवादी), निवासी पालपोरा फ़िसल और साकिब अहमद लोन पुत्र मोहम्मद रजब लोन निवासी हव्वा कइमोह के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए यारीपोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16 18 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 79/2023 दर्ज की गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक साहिल सरंगल, भापुसे, पुलिस उप-निरीक्षक ज़हूर अहमद खान, पुलिस उप-निरीक्षक राउफ अहमद डूम और हेड कांस्टेबल मोहम्मद रफीक द्वारा प्रदर्शित पेशेवर कौशल और अदम्य साहस वास्तव में वीरतापूर्ण था। हालांकि, आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें वे बाल-बाल बचे। तथापि, उन्होंने बिना एकाग्रता खोए, सूझबूझ का परिचय दिया और बहादुरी से लड़ते हुए आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री साहिल सरंगल, भापुसे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, ज़हूर अहमद खान, पुलिस उप-निरीक्षक, राउफ अहमद डूम, पुलिस उप-निरीक्षक और मोहम्मद रफीक, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 04.10.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/89/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 105--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मुकेश कुमार	सिपाही	वीरता पदक
2.	जावेद आबास मट्टू	सिपाही	वीरता पदक
3.	अब्दुल रशीद डार	फॉलोअर	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 15.06.2022 को, शोपियां पुलिस को शोपियां के कंजीउल्लार में हिलाल अहमद मैगरे पुत्र मोहम्मद यूसुफ मैगरे के घर में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों की मौजूदगी की विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई, जो इलाके में आतंकी हमले की योजना बना रहे थे। तदनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री ने सेना की 34 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के साथ मिलकर सावधानीपूर्वक ऑपरेशन की योजना बनाई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां की देखरेख में शोपियां पुलिस की एक टीम ने 34 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की सहायता से शोपियां के कंजीउल्लार गांव की घेराबंदी कर दी।

ऑपरेशनल दलों ने अपनी सामरिक कुशलता से उजागर हुए बिना किसी को पता लगे लक्षित क्षेत्र तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की। संदिग्ध घर की घेराबंदी करने के लिए सेना/पुलिस और सीआरपीएफ के दो संयुक्त दस्ते गठित किए गए, जिनमें से एक का नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री और दूसरे का नेतृत्व अपर पुलिस अधीक्षक इफरोज अहमद कर रहे थे। दोनों दलों ने तलाशी शुरू की और तलाशी के दौरान, आतंकवादियों की मौजूदगी का पता चला और यह पता चला कि आतंकवादी एक रिहायशी घर में छिपे हुए हैं, जिसके बाद लक्षित घर की घेराबंदी और कड़ी कर दी गई और तलाशी शुरू कर दी गई। आतंकवादियों ने लक्षित घर के आसपास ऑपरेशनल कार्मिकों की उपस्थिति को भांपते हुए, उन्हें नुकसान पहुंचाने और घेराबंदी तोड़ने के इरादे से अपने अवैध हथियारों/गोला-बारूद से ऑपरेशनल कार्मिकों पर भारी गोलीबारी की, जिससे घेराबंदी वाले क्षेत्र में और आसपास रहने वाले नागरिकों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, आत्मरक्षा में गोलीबारी का सावधानीपूर्वक और प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया।

आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने कहा गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया और वे घेराबंदी दल पर लगातार गोलीबारी करते रहे। घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे नागरिकों को बाहर निकालने का निर्णय लिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री और अपर पुलिस अधीक्षक इफरोज अहमद के नेतृत्व में संयुक्त टीमों में हेड कांस्टेबल रेयाज अहमद, सिपाही मोहम्मद सलीम डार, सिपाही मुकेश कुमार, सिपाही जावेद आबास मट्टू, सिपाही शक्ति सिंह, फॉलोवर अब्दुल रशीद डार, एसपीओ बशीर अहमद, एसपीओ वसीम अहमद शामिल थे और उन्होंने स्वेच्छा घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की जिम्मेदारी ली। जोखिम के बावजूद, उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए, नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

छिपे हुए आतंकवादियों को बिना किसी अतिरिक्त क्षति के मार गिराने के लिए, पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरिफ और पुलिस उपाधीक्षक इमाम साहिब के नेतृत्व में टीमों, जिनमें हेड कांस्टेबल रेयाज अहमद, सिपाही मोहम्मद सलीम, सिपाही मुकेश कुमार, सिपाही जावेद आबास मट्टू, सिपाही शक्ति सिंह, फॉलोवर अब्दुल रशीद डार, एसपीओ बशीर अहमद, एसपीओ वसीम अहमद शामिल थे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री की कड़ी निगरानी में, विभिन्न दिशाओं से छिपे हुए आतंकवादियों की ओर बढ़ने के लिए स्वयं आगे आए तथा उन्होंने घेराबंदी और कड़ा कर दिया और आतंकवादी हमले का तुरंत जवाब दिया। चूंकि आतंकवादी भारी मात्रा में हथियारों से लैस थे, उन्होंने टीमों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और कई ग्रेनेड फेंके, जिससे हमला टीमों के लिए आगे बढ़ना मुश्किल हो गया।

तथापि, हमला टीम ने अपनी जान की परवाह किए बिना, दृढ़ निश्चय दिखाते हुए, जवाबी कार्रवाई करते हुए लक्ष्य की ओर कूच किया और छिपे हुए आतंकवादियों के बहुत करीब पहुंच गई। पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरिफ के नेतृत्व में हमला दल, जिसमें हेड कांस्टेबल रेयाज अहमद, सिपाही मोहम्मद सलीम डार, सिपाही मुकेश कुमार, सिपाही जावेद आबास मट्टू, सिपाही शक्ति सिंह, फॉलोवर अब्दुल रशीद डार, एसपीओ बशीर अहमद, एसपीओ वसीम अहमद शामिल थे, उन्होंने एक तरफ से आतंकवादियों का मुकाबला किया। छिपे हुए आतंकवादियों ने अपनी गर्दन के चारों ओर फंदा महसूस किया, और वे गोलियों की बौछार करते हुए छिपने की जगह (आवासीय घर) से बाहर आ गए। अपर पुलिस अधीक्षक इफरोज अहमद के नेतृत्व में हमला दल ने बिना एकाग्रता खोए प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की और आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई में दोनों आतंकवादियों को मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा संगठन के तुफैल नजीर गनी पुत्र नजीर अहमद गनी निवासी रामनगरी शोपियां और जान मोहम्मद लोन पुत्र अबुल रशीद लोन निवासी बरारीपोरा शोपियां के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए शोपियां पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 19 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 111/2022 दर्ज की गई है।

सिपाही मुकेश कुमार, सिपाही जावेद आबास मट्टू और फॉलोवर अब्दुल रशीद डार, जिन्होंने कुशलतापूर्वक और बुद्धिमानी से खुद को अत्यंत जोखिम में डालकर आतंकवादियों का मुकाबला किया, द्वारा प्रदर्शित पेशेवर और अदम्य साहस उल्लेखनीय था और अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे लोगों को बाहर निकालने में साहस का परिचय दिया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री मुकेश कुमार, सिपाही, जावेद आबास मट्टू, सिपाही और अब्दुल रशीद डार, फॉलोवर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 15.06.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/90/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 106--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	खलील अहमद	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
2.	गुलाम मोहम्मद गनई	सिपाही	वीरता पदक
3.	आबिद नजीर	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02.10.2022 को एक विश्वसनीय सूचना के आधार पर, शोपियां पुलिस ने 44 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की सहायता से बसकुचन गांव में एक घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। प्रारंभिक घेराबंदी करते समय, यह निर्णय लिया गया कि गांव के अंदर मौजूद नागरिकों को बिना घबराए या स्थिति बिगड़े बिना, आंतरिक घेरे से सुरक्षित बाहर निकाला जाए।

तदनुसार, लक्षित क्षेत्र की तलाशी के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री, भापुसे की समग्र निगरानी में 44 आरआर, सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के सहयोग से शोपियां पुलिस की एक टीम का गठन किया गया, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक राजा मजीद, निरीक्षक अटल शर्मा, सहायक उप-निरीक्षक पृथ्वी राज, हेड कांस्टेबल गयोऊर-उल-हक, हेड कांस्टेबल जावेद अहमद, सिपाही गुलाम मोहम्मद गनई, सिपाही राहुल कुमार, सिपाही आबिद नजीर, एसपीओ मोहम्मद शफी और एसपीओ अहसान उल हक शामिल थे। पुलिस/सुरक्षा बलों ने पुलिस/सुरक्षा बलों की सभी टीमों की सामरिक तैनाती सुनिश्चित की, साथ ही सभी रास्तों और भागने के संभावित रास्तों पर बुलेटप्रूफ वाहन तैनात कर दिए।

योजना के अनुसार, बसकुचन गांव के उत्तर-पश्चिम दिशा के अंतिम छोर पर स्थित मकान संख्या 72 और उसके आस-पास के घरों को तुरंत घेर लिया गया। हालांकि, कुछ संदिग्ध घरों को पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरफ की संयुक्त टीमों ने तुरंत घेर लिया, जिसमें उप-निरीक्षक मोहम्मद रफी, हेड कांस्टेबल अब्दुल गनी, हेड कांस्टेबल खलील अहमद, एस.जी.सीटी बरकत अली, एस.जी.सीटी इलियास खटाना, सिपाही जावेद अहमद और एसपीओ रियाज अहमद के साथ 44 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की टीम शामिल थी। सभी रास्तों को बंद करने के बाद, पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरफ के नेतृत्व वाली टीम ने मुठभेड़ स्थल में फंसे नागरिकों को चतुराई और रणनीतिक तरीके से बाहर निकाला। तलाशी शुरू की गई और तलाशी के दौरान कुख्यात आतंकवादी नसीर अहमद भट्ट निवासी नौपोरा बसकुचन, मकान संख्या 72 में फंस गया। सुरक्षा बलों की रणनीतिक तैनाती के बाद, लक्षित घर के मालिक से उसके घर में मौजूद आतंकवादियों की वास्तविक संख्या के बारे में पूछताछ की गई और उसने पुष्टि की कि उसके घर में केवल एक आतंकवादी, नसीर अहमद भट्ट, एके जैसे हथियार के साथ छिपा है। इसके अलावा, कुछ स्थानीय लोगों ने यह भी बताया कि भोर से पहले, राइफलों से लैस दो अज्ञात संदिग्ध व्यक्ति गांव में घूमते हुए पाए गए थे, लेकिन संदिग्ध व्यक्तियों के ठिकाने की पुष्टि नहीं है।

फायरबेस पर हमला टीमों की रणनीतिक तैनाती के बाद, फंसे हुए आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उसने इनकार कर दिया। कुछ देर बाद जब आतंकवादी की गतिविधि बंद हो गई, तो उसकी स्थिति का पता लगाने के लिए ड्रोन उड़ाए गए, लेकिन उसका पता नहीं चला। जब एक ड्रोन बाथरूम की तरफ भेजा गया, तो ड्रोन फीड में बाथरूम में छिपे हुए आतंकवादी की तस्वीर आ गई। ड्रोन फीड के सैपशॉट के अनुसार, आतंकवादी ने बाथरूम में चतुराई से पोजीशन ली हुई थी, लेकिन वहां से भागने का कोई रास्ता नहीं था। स्थिति को भांपते हुए, छिपे हुए आतंकवादी ने हमला टीमों की स्थिति पर एक-एक करके निशाना साधते हुए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरफ की टीम ने लक्षित घर के चारों ओर फायरबेस बनाने का फैसला किया और इलाके को सील कर दिया। तदनुसार, लक्षित घर से सटे चार घरों को फायरबेस बनाया गया और पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरफ की हमला टीम बाल-बाल बची, क्योंकि कुछ गोलियां सीधे मकान संख्या 71 की दीवारों में लग रही थीं, लेकिन वे किसी तरह खुद को बचाने में कामयाब रहे। कुछ देर बाद, जब गोलीबारी पूरी तरह से बंद कर दी गई, तो इलाके में किसी अन्य आतंकवादी के छिपे होने की पुष्टि होने के कारण पूरी सावधानी के साथ तलाशी ली गई, साथ ही पूरे इलाके/आस-पास के इलाकों की गहन तलाशी ली गई, लेकिन घेराबंदी वाले क्षेत्र में कोई अन्य आतंकवादी नहीं मिला। मारे गए एक आतंकवादी का शव बरामद किया गया और बाद में उसकी पहचान हिजबुल मुजाहिदीन आतंकवादी संगठन के नसीर अहमद भट्ट पुत्र मोहम्मद यूसुफ भट्ट निवासी नौपोरा बसकुचन, जिला शोपियां के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादी के पास से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए इमामसाहिब पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 45/2022 दर्ज की गई है।

हेड कांस्टेबल खलील अहमद, सिपाही गुलाम मोहम्मद गनई और सिपाही आबिद नजीर, जिन्होंने कुशलतापूर्वक और बुद्धिमानी से खुद को जोखिम में डालकर आतंकवादियों का मुकाबला किया, द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता और अदम्य साहस उल्लेखनीय और अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे लोगों को निकालने में साहस दिखाया और इस प्रकार सूझबूझ तथा कुशल पुलिस व्यवस्था के चलते नागरिक हताहत होने से बच गए।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री खलील अहमद, हेड कांस्टेबल, गुलाम मोहम्मद गनई, सिपाही और आबिद नजीर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 02.10.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/91/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 107--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सज्जाद अहमद शाह	पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	आरिफ़ अहमद शेख	निरीक्षक	वीरता पदक
3.	शेख वकील अहमद	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	आजाद अहमद नायक	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
5.	नसीर अहमद भट्ट	एस.जी.सीटी	वीरता पदक का प्रथम बार
6.	शब्बीर अहमद मलिक	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24.11.2021 को, ईएसयू दक्षिण श्रीनगर की टीम को श्रीनगर के डाउन टाउन क्षेत्र में 2-3 आतंकवादियों की गतिविधि के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई। आतंकवादियों के सटीक स्थान का पता लगाने के लिए इस सूचना को और पुष्ट किया गया और तदनुसार, दक्षिण श्रीनगर के पुलिस अधीक्षक श्री सज्जाद अहमद शाह द्वारा एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस प्रकार गठित विशेष टीम ने डाउन टाउन के उस विशिष्ट क्षेत्र का जायजा लिया जहां आतंकवादी छिपे/आश्रय लिए हुए थे। इन आतंकवादियों की स्थिति के संबंध में तकनीकी विश्लेषण से पता चला कि आतंकवादी अपना स्थान बदल रहे थे और इस दौरान वे श्रीनगर के अपटाउन क्षेत्र की ओर चले गए थे। बाद में यह जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साझा की गई।

तदनुसार, पुलिस अधीक्षक सज्जाद अहमद शाह के नेतृत्व में रामबाग श्रीनगर में एक विशेष नाका लगाया गया, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक मंशा बेग, निरीक्षक आरिफ़ अहमद शेख, उप-निरीक्षक शेख वकील अहमद, उप-निरीक्षक अजाज अहमद 2606/एस, सहायक उप-निरीक्षक मोहम्मद अमीन, सहायक उप-निरीक्षक आजाद अहमद नायक, हेड कांस्टेबल जहूर अहमद, हेड कांस्टेबल तारिक अहमद, हेड कांस्टेबल आजाद अहमद डार, एस.जी.सीटी मुश्ताक अहमद तांत्रे, एस.जी.सीटी रियाज अहमद शेख, एस.जी.सीटी शब्बीर अहमद मलिक, एस.जी.सीटी मोहम्मद अल्ताफ, एस.जी.सीटी मुदासिर बशीर, एस.जी.सीटी फिरोज मुश्ताक, एस.जी.सीटी मुदासिर इस्माइल, एस.जी.सीटी नसीर अहमद भट्ट, एस.जी.सीटी शौकत अहमद, एस.जी.सीटी इरफान यासेन, सिपाही हमीदुल-इस्लाम बुखारी और सिपाही ओवैस शफीक तथा अन्य के साथ एसपीओ जुबैर अहमद, एसपीओ जहूर अहमद, एसपीओ ऐजाज अहमद और अन्य शामिल थे। लगभग 16:00 बजे, यह देखा गया कि आतंकवादी नाका लगाने वाले दल की ओर बढ़ रहे हैं, जिन्हें नाके पर मौजूद पुलिस दल ने चेतावनी दी, लेकिन आतंकवादियों ने पुलिस के नाका दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, ताकि वे उन्हें मारकर मौके से भाग सकें। हालांकि, पुलिस दल सतर्क था, उसने अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की और दोनों पक्षों के बीच एक-दूसरे पर गोलीबारी के दौरान, 03 आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनकी पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा/टीआरएफ संगठन के आतंकवादी मेहरान यासीन शल्ला उर्फ अबू जर्जर उर्फ अकील ("ए"-श्रेणी) पुत्र मोहम्मद यासीन शल्ला निवासी जमलता, काका साहब अस्तान के पास, कनीमाजार श्रीनगर, लश्कर संगठन के आतंकवादी अरफात अहमद शेख ("बी"-श्रेणी) पुत्र स्व. मोहम्मद मकबूल शेख निवासी निक्तूरा पुलवामा और हिजबुल मुजाहिदीन संगठन के आतंकवादी मंजूर अहमद मीर ("सी"-श्रेणी) पुत्र स्व. सोनाउल्लाह मीर निवासी बाबर पुलवामा के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए सदर पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 20 और 23 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 196/2021 दर्ज की गई है।

इन आतंकवादियों का सफाया जम्मू और कश्मीर पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और लश्कर-ए-तैयबा/टीआरएफ/हिजबुल मुजाहिदीन संगठनों के नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका है। ये आतंकी संगठन एक नेटवर्क बना रहे थे और श्रीनगर में बड़े हमले करने की योजना बना रहे थे। वे वर्ष 2021 की शुरुआत से दक्षिण/मध्य कश्मीर के इलाकों में, खासकर श्रीनगर शहर में, आतंकवादी घटनाओं में शामिल थे और आम नागरिकों, खासकर अल्पसंख्यक समुदायों और सुरक्षा बलों के जवानों की हत्या समेत कई आतंकवादी गतिविधियों के लिए जिम्मेदार थे।

इस तत्काल आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन में, उपरोक्त पुलिस दल और अन्य ऑपरेशनल दलों द्वारा प्रदर्शित भूमिका और नेतृत्व, ऑपरेशन की शुरुआत से लेकर अंत तक अनुकरणीय रहा। ऑपरेशनल रणनीति यथा; सर्वोत्तम संभव ऑपरेशनल योजना तैयार और क्रियान्वित करने, नागरिकों तथा ऑपरेशनल दलों के जीवन को प्राथमिकता देने और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के आतंकवादियों पर हमला करने में, उक्त अधिकारियों/कार्मिकों ने ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री सज्जाद अहमद शाह, पुलिस अधीक्षक, आरिफ़ अहमद शेख, निरीक्षक, शेख वकील अहमद, उप-निरीक्षक, आजाद अहमद नायक, सहायक उप-निरीक्षक, नसीर अहमद भट्ट, एस.जी.सीटी और शब्बीर अहमद मलिक, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 24.11.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/94/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 108--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	गयोऊर-उल-हक	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
2.	मसरूर अली ठकरू	सिपाही	वीरता पदक
3.	जुलफ़कार अली	सिपाही	वीरता पदक
4.	जसवीर सिंह	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 30.08.2022 को लगभग 17:10 बजे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री को हुशंगपोरा-नागबल, शोपियां स्थित एक रिहायशी घर में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के एक समूह की मौजूदगी के संबंध में एक विश्वसनीय जानकारी प्राप्त हुई, जो इलाके में किसी बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। तदनुसार, सेना की 44 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के सहयोग से उक्त गांव में एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया।

इस ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां और अपर पुलिस अधीक्षक शोपियां की देखरेख में दो पुलिस/सुरक्षाबल टीमों का गठन किया गया, ताकि बिना किसी अतिरिक्त क्षति के छिपे हुए आतंकवादियों को मार गिराने के लिए लक्षित स्थान का पता लगाया जा सके। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री के नेतृत्व में शोपियां पुलिस और 44 आरआर तथा सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की क्यूआरटी वाले पहले दल ने उत्तर पूर्व/दक्षिण पूर्व दिशाओं से लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी की तथा अपर पुलिस अधीक्षक इफरोज अहमद और पुलिस उपाधीक्षक राजा मजीद की कमान के तहत पुलिस दल, 44 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के दूसरे दल को उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम दिशा से घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया।

घेराबंदी को मजबूत करने के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में निरीक्षक अटल शर्मा, हेड कांस्टेबल जाविद अहमद मीर, हेड कांस्टेबल गयोऊर-उल-हक, एस.जी.सीटी रऊफ अहमद, एस.जी.सीटी मुर्तजा मुगल, एस.जी.सीटी आसिफ रशीद, एस.जी.सीटी अमीर मुमताज, सिपाही इनायत हुसैन गडू, सिपाही मसरूर अली ठकरू, सिपाही जसवीर सिंह और सिपाही जुलफ़कार अली सहित एसओजी शोपियां की एक टीम ने संदिग्ध घर में छिपे आतंकवादियों की तलाशी के लिए सुरक्षा बलों के साथ मोर्चा संभाला, जिस पर आतंकवादियों ने तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री और पुलिस दल बाल-बाल बचे। जब निकासी प्रक्रिया चल रही थी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां, अपर पुलिस अधीक्षक शोपियां की देखरेख में हमला दल भारी गोलीबारी की चपेट में आ गए, हालांकि, उन्होंने बिना एकाग्रता खोए तथा अपनी जान की परवाह किए बिना निकासी प्रक्रिया जारी रखी और इसे सफलतापूर्वक पूरा किया।

ऑपरेशनल कमांडर (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां) अपनी क्यूआरटी, जिसने लक्षित घर के उत्तर पूर्व और दक्षिण पूर्वी हिस्से पर मोर्चा संभाला था, के साथ तुरंत हरकत में आई और अपनी जान की परवाह किए बिना सामने से बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की और दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया। हालांकि, तीसरा आतंकवादी लगातार अपनी पोजीशन बदल रहा था और अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भागने के इरादे से सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी करके बार-बार घेराबंदी तोड़ने का प्रयास कर रहा था। इसके बाद, आतंकवादी ने कुछ क्षण के लिए गोलीबारी बंद कर दी, इसका फायदा उठाकर सैनिकों ने घेराबंदी को कड़ा कर दिया, सभी गलियों/उप-गलियों को अच्छी तरह से बंद कर दिया और अपने साथियों को अपने-अपने ठिकानों पर सतर्क रहने के लिए कहा। देर शाम को, उक्त आतंकवादी ने फिर से सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और मौके से भागने का एक और प्रयास किया, लेकिन सतर्क सैनिकों ने उसके हर प्रयास को विफल कर दिया।

अंत में, जब उक्त आतंकवादी के कब्जे वाले घर में उसकी अंतिम पोजीशन (कमरे) का पता चला, तो वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में पुलिस/सुरक्षा बल के दल ने बिना एकाग्रता खोए बहादुरी से मुकाबला किया और तीसरे आतंकवादी को भी मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में दानिश अहमद भट्ट पुत्र खुर्शीद अहमद भट्ट निवासी लाडी जैनपोरा, शोपियां, हिजबुल मुजाहिदीन संगठन के

तनवीर अहमद वानी पुत्र बशीर अहमद वानी निवासी अमरबुग, इमामसाहिब शोपियां और तौसीफ अहमद भट्ट पुत्र जीएच. नबी भट्ट निवासी चारमार्ग शोपियां के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए जैनपोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 19 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 104/2022 दर्ज की गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री, पुलिस उपाधीक्षक राजा मजीद बट्ट, निरीक्षक अटल शर्मा, हेड कांस्टेबल जाविद अहमद मीर, हेड कांस्टेबल गयोऊर-उल-हक, एस.जी.सीटी रुऊफ अहमद, एस.जी.सीटी आसिफ रशीद भट्ट, एस.जी.सीटी मुर्तजा मुगल, एस.जी.सीटी आमिर मुमताज, सिपाही इनायत हुसैन गड्डू, सिपाही मसरूर अली ठकूरू, सिपाही जसवीर सिंह, सिपाही जुल्फकार अली, सिपाही गौहर अहमद और सिपाही फारूक अहमद डार, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना कुशलता और बुद्धिमानी के साथ आतंकवादियों का मुकाबला किया, ने पेशेवरता और अदम्य साहस का परिचय दिया और बेहद प्रतिकूल परिस्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वाकई वीरतापूर्ण था। हालांकि, आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें पुलिस टीम बाल-बाल बची।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री गयोऊर-उल-हक, हेड कांस्टेबल, मसरूर अली ठकूरू, सिपाही, जुल्फकार अली, सिपाही और जसवीर सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 30.08.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/98/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 109-प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री रईज़ अहमद	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 05.10.2022 को, शोपियां पुलिस को शोपियां के मूल गांव में प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा संगठन के आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक तकनीकी जानकारी प्राप्त हुई। सहयोगी एजेंसियों, जैसे 44 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन से इस जानकारी की पुष्टि की गई। गहन विचार-विमर्श के बाद, यह निर्णय लिया गया कि पुलिस घटक, आरआर और सीआरपीएफ की क्यूआरटी टीम लक्षित क्षेत्र में जाएंगी और तलाशी लेंगी।

योजना के अनुसार पुलिस उपाधीक्षक रईज़ अहमद की कमान में संयुक्त तलाशी दल निर्धारित स्थान पर पहुंच गया और उक्त गांव के कुछ घरों की घेराबंदी करके तलाशी शुरू की गई। संयुक्त बलों ने कुछ निवासियों से आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में पूछताछ की। इसी बीच, गांव के पास के बाग में छिपे आतंकवादी ने ऑपरेशनल कार्मिकों की बातचीत सुनी और वह बाग की बाड़ फांदकर बाहर निकला और घेराबंदी तोड़ने तथा वहां से भागने के लिए उसने तलाशी दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। हालांकि, पुलिस उपाधीक्षक रईज़ अहमद के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने तुरंत पोजीशन ली और प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की, जिससे आतंकवादी को घटनास्थल से भागने का कोई मौका नहीं मिला।

तुरंत ही, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री, भापुसे की कड़ी निगरानी में दो संयुक्त तलाशी दल गठित किए गए, जिसमें से एक पुलिस उपाधीक्षक रईज़ अहमद के नेतृत्व में था और दूसरा पुलिस उपाधीक्षक राजा मजीद के नेतृत्व में था। तदनुसार, उक्त मोहल्ले के घरों के समूह की घेराबंदी को और कड़ा कर दिया गया और तलाशी अभियान शुरू किया गया, जिसके दौरान संयुक्त तलाशी दलों को संदिग्ध गतिविधियां दिखाई दीं और आतंकवादी ने यह सोचकर कि उसे पूरी तरह से घेर लिया गया है, ऑपरेशनल दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की और फिर से घेराबंदी तोड़कर एक बाग के रास्ते भागने की कोशिश की। आतंकवादी द्वारा की गई गोलीबारी से स्थानीय नागरिकों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस उपाधीक्षक रईज़ अहमद और सहायक उप-निरीक्षक रियाज अहमद शेरू, एस.जी.सीटी रुऊफ अहमद, एस.जी.सीटी मुश्ताक अहमद, एस.जी.सीटी ताहिर यूसुफ, सिपाही परमप्रीत सिंह, सिपाही मोहम्मद यासीन, एसपीओ तारिक अहमद और एसपीओ रुमिसा जान ने किसी भी तरह की अतिरिक्त क्षति से बचने के लिए स्थानीय निवासियों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की जिम्मेदारी ली। जोखिम के बावजूद, उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता प्राप्त की। निकासी प्रक्रिया पूरी होने के बाद, आतंकवादी से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उसने इनकार कर दिया और इसके बजाय उसने ऑपरेशनल दलों पर अंधाधुंध

गोलीबारी करना जारी रखा। ऑपरेशन को सफल बनाने और आतंकवादी को मार गिराने के लिए, संयुक्त तलाशी दलों ने जवाबी कार्रवाई में आतंकवादी पर गोलीबारी की। इस बीच, पुलिस उपाधीक्षक रईज अहमद ने सहायक उप-निरीक्षक रियाज अहमद शेरू, एस.जी.सीटी रऊफ अहमद, एस.जी.सीटी मुश्ताक अहमद, एस.जी.सीटी ताहिर यूसुफ, सिपाही परमप्रीत सिंह, सिपाही मोहम्मद यासीन, एसपीओ तारिक अहमद और एल/एसपीओ रुमिसा जान की सहायता से, बाग को पार किया और पेड़ों की आड़ में रेंगते हुए आतंकवादी के करीब पहुंच गए।

आतंकवादी ने देखा कि संयुक्त अभियान दल उसे ऊंची सतह से घेर रहे हैं और सावधानीपूर्वक उसकी ओर बढ़ रहे हैं, तो उसने अपनी पोजीशन बदलने और एक रास्ते से भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस उपाधीक्षक रियाज अहमद के नेतृत्व वाला दल अपनी जान की परवाह किए बिना उसके बेहद करीब पहुंच गया, और सावधानीपूर्वक आगे बढ़ा तथा आतंकवादी पर गोलीबारी कर उसे ढेर कर दिया। गोलीबारी बंद होने के बाद, घेराबंदी बरकरार रखते हुए तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान मुठभेड़ स्थल से आतंकवादी का शव बरामद किया गया। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी संगठन के आरिफ रशीद वानी पुत्र अब्दुल रशीद वानी निवासी शिरमल जैनपोरा शोपियां के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए जैनपोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 206/2022 दर्ज की गई है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के श्री रईज अहमद, पुलिस उपाधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 05.10.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/103/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 110--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अली मोहम्मद सोफी	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
2.	कोशल शर्मा	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11.11.2022 को लगभग 06:30 बजे, शोपियां पुलिस को कपरान गांव में कुछ खूंखार आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विशिष्ट खुफिया जानकारी प्राप्त हुई, जो क्षेत्र में बड़ी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। उक्त गांव अपनी स्थलाकृति, घने बागों और आतंकवादियों के समर्थन आधार के कारण आतंकवाद के दृष्टिकोण से बहुत संवेदनशील रहा है और ऐसे क्षेत्र में ऑपरेशन चलाना पुलिस/सुरक्षा बलों के लिए एक कठिन कार्य था। यह विश्वसनीय जानकारी प्राप्त होने पर, शोपियां पुलिस ने 34 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के सहयोग से जिला पुलिस कुलगाम के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया और प्रारंभिक घेरा स्थापित करते समय, यह निर्णय लिया गया कि गांव के अंदर मौजूद नागरिकों को बिना घबराए या स्थिति बिगड़े बिना, आंतरिक घेरे से सुरक्षित रूप से बाहर निकाला जाए।

इसी अभ्यास के साथ, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री की समग्र निगरानी के तहत 34 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के सहयोग से शोपियां/कुलगाम पुलिस की टीम, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, पुलिस उपाधीक्षक राजा मजीद, उप निरीक्षक मोहम्मद रफी, सहायक उप-निरीक्षक मंजूर हुसैन, हेड कांस्टेबल कोशल शर्मा, हेड कांस्टेबल हिलाल अहमद, हेड कांस्टेबल अली मोहम्मद सोफी, हेड कांस्टेबल मोहम्मद अब्बास, हेड कांस्टेबल निसार अहमद, एस.जी.सीटी अयाज अहमद, एस.जी.सीटी करनैल सिंह, एस.जी.सीटी इफ्तिखार अली, सिपाही मुकेश शर्मा, सिपाही मोहम्मद रफीक, सिपाही मोहम्मद शफी, सिपाही बिलाल अहमद, सिपाही फरीद अहमद, एसपीओ शौकत अहमद, एसपीओ ऐजाज अहमद, एसपीओ शौकत मुश्ताक, एसपीओ मुदासिर अहमद और एसपीओ इस्तिआज अहमद के साथ 34 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की टीम को लक्षित क्षेत्र की तलाशी शुरू करने के लिए गठित किया गया। पुलिस/सुरक्षा बलों ने पुलिस/सुरक्षा बलों की सभी टीमों की सामरिक तैनाती सुनिश्चित की, साथ ही सभी निकासों और संभावित भागने के रास्तों पर बुलेटप्रूफ वाहनों की तैनाती भी सुनिश्चित की।

जैसे ही यह सूचना समस्त पुलिस/सुरक्षा बलों के साथ साझा की गई, पूरे इलाके में पुलिस/सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने तुरंत घेराबंदी को मजबूत कर दिया और छिपे हुए आतंकवादी की तलाश शुरू कर दी। चूंकि केवल नासिर अहमद मीर ने आतंकवादी को देखा था, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम मकान संख्या 143 की तलाशी के लिए उन्हें अपनी टीम के साथ ले गए और उक्त घर की पूरी तलाशी के बाद, नासिर अहमद मीर ने फिर खुलासा किया कि उसने आतंकवादी को मदरसे और मस्जिद के बीच छोड़ दिया था। इसलिए, आतंकवादी इन दो भवनों में छिपा हो सकता है। अन्य भवनों/घरों की तलाशी पूरी होने वाली थी और सुरक्षा बल अगले क्षेत्र की तलाशी के लिए वहां से आगे बढ़ने वाले थे, तभी पुलिस/सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम की गतिविधि को भांपते हुए, छिपे हुए आतंकवादी ने तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तुरंत ही, पुलिस उपाधीक्षक राजा मजीद और उनकी टीम ने बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की, लेकिन आतंकवादी आसानी से खुद को बचाने में सफल रहा, क्योंकि वह मस्जिद के अंदर छिपा हुआ था। पुलिस/सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम द्वारा चारों ओर से घिरा हुआ महसूस करते हुए, छिपे हुए आतंकवादी ने सुरक्षा बलों की पोजीशन को निशाना बनाकर हर तरफ से जोरदार हमला शुरू कर दिया। मस्जिद के चारों ओर तैनात सभी टीमों ने आतंकवादी को रोकने के लिए जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। छिपा हुआ आतंकवादी मस्जिद के अंदर फंस गया था और गली में घरों की ओर जाने वाला कोई भागने का रास्ता नहीं था। जैसे ही छिपे हुए आतंकवादी ने भागने के लिए गली में छलांग लगाई, पुलिस उपाधीक्षक राजा मजीद और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां की समग्र निगरानी में उनकी हमला टीम ने उसे कूदते देखा और गोलियों की बौछार के साथ एक बस्ट शॉट लिया और गली में आतंकवादी को मार गिराया। इस आतंकवादी के मारे जाने होने के बावजूद, क्षेत्र में एक और आतंकवादी के छिपे होने की संभावना के कारण पूरे इलाके की अच्छी तरह से तलाशी ली गई, लेकिन घेराबंदी वाले क्षेत्र में कोई अन्य आतंकवादी नहीं मिला। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादी संगठन से संबद्ध अनीस उर्फ कामरान भाई निवासी पाकिस्तान के रूप में हुई। आगे की जांच के लिए शोपियां पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 234/2022 दर्ज की गई है।

हेड कांस्टेबल अली मोहम्मद सोफी और हेड कांस्टेबल कोशल शर्मा, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना, कुशलतापूर्वक और बुद्धिमानी से आतंकवादियों का मुकाबला किया द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता और अदम्य साहस, उल्लेखनीय था और अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला और उनकी सूझबूझ तथा कुशल पुलिस व्यवस्था से नागरिक हताहत होने से बच गए।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री अली मोहम्मद सोफी, हेड कांस्टेबल और कोशल शर्मा, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 11.11.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/105/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 111--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री नासर अहमद शाह	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 15/16.02.2023 को, करनाह पुलिस स्टेशन के इलाके में सुधपोरा-ताड़ गांव में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में पुलिस को अपने विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त हुई पुख्ता जानकारी के आधार पर, सेना 3/8 जीआर की मदद और सहायता से पुलिस उपाधीक्षक अदनान-उल-हक की देखरेख में जिला पुलिस कुपवाड़ा द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया।

लक्षित क्षेत्रों की घेराबंदी करने के बाद, पुलिस की संयुक्त टीम ने सेना की 3/8 जीआर की सहायता से घने जंगलों में आतंकवादियों की तलाश शुरू की। चूंकि हाल ही में भारतीय सीमा में घुसपैठ करके आए आतंकवादी घने जंगलों में छिपे हुए थे, इसलिए पुलिस और सेना के लिए उन्हें ढूंढना बेहद चुनौतीपूर्ण था। इसलिए, पुलिस और सेना को साथ मिलाकर कई तलाशी दल बनाकर लक्षित क्षेत्र की सावधानीपूर्वक तलाशी लेने और जंगल में छिपे आतंकवादियों का पता लगाने के लिए लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़ने की रणनीति बनाई गई।

तलाशी दलों में से एक का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक अदनान-उल-हक कर रहे थे, जिसमें सिपाही परवेज अहमद डार और सिपाही नासर अहमद शाह सहित सेना के कार्मिक और पुलिस अधिकारी शामिल थे। अन्य तलाशी दलों के साथ तालमेल और संपर्क के साथ उक्त तलाशी दल ने

धीरे-धीरे लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़ना शुरू कर दिया और आतंकवादियों ने जल्द ही तलाशी दल की गतिविधि को भांप लिया और तलाशी दल पर भारी और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका अत्यंत बहादुरी, उच्चतम श्रेणी के पेशेवरता और सावधानीपूर्वक और किए गए अभ्यास के साथ प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया। पुलिस उपाधीक्षक अदनान-उल-हक की कमान में तलाशी दल, जिसमें सिपाही परवेज अहमद डार और सिपाही नासर अहमद शाह शामिल थे, ने छिपे हुए आतंकवादियों पर हमला करने में अपने बहुमूल्य जीवन की परवाह किए बिना एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें अन्य तलाशी दलों ने सहयोग देते हुए अन्य दिशाओं से दल को तब तक सहायता प्रदान की, जब तक कि एक अत्यंत प्रशिक्षित और खूबार आतंकवादी का मार नहीं गिराया गया। आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया।

ऑपरेशन बिना किसी अतिरिक्त नुकसान के बड़ी सफलता के साथ पूरा हुआ। एक खूबार और अत्यंत प्रशिक्षित आतंकवादी का मारा जाना, दुश्मन के लिए एक बड़ा झटका था, जो हाल ही में नियंत्रण रेखा पार करके घुसपैठ करते हुए हमारे इलाके में विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए आया था। प्रारंभिक जांच के दौरान, मारे गए आतंकवादी की पहचान आसिफ (एफटी) निवासी गासला लीपा, पीओके के रूप में हुई, जो प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से संबद्ध था। आतंकवादी नियंत्रण रेखा पर तैनात हमारे बलों के खिलाफ कार्रवाई करने की फिराक में था और इस तरह एक बड़ी त्रासदी टल गई। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए करनाह पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 13/2023 दर्ज की गई है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के श्री नासर अहमद शाह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 15.02.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/106/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 112--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मंजूर अहमद रेशी	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
2.	सज्जाद मोहिउद्दीन	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
3.	रेशव कुमार	सिपाही	वीरता पदक
4.	अजीत कुमार	सिपाही	वीरता पदक
5.	अर्शीद अहमद शेख	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20.12.2022 को, शोपियां पुलिस को ईएसयू शोपियां के माध्यम से शोपियां जिले के जैनपोरा के मुजमर्ग गांव के बागों में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक तकनीकी जानकारी प्राप्त हुई। जानकारी का सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया गया और 1 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के साथ मिलकर उक्त गांव में एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया और साथ ही तलाशी अभियान शुरू किया गया। छिपे हुए आतंकवादी, सैनिकों की मौजूदगी को देखते ही, अचानक बाहर आ गए और उन्होंने घेराबंदी को तोड़ने और वहां से भागने के लिए सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उसके बाद ग्रेनेड भी फेंके। हालांकि, पुलिस उपाधीक्षक रईज अहमद, निरीक्षक गुलाम हसन, निरीक्षक अटल शर्मा, एस.जी.सीटी मोहम्मद इकबाल, सिपाही शक्ति सिंह, सिपाही शांति सरूप, एसपीओ आकिफ मोहम्मद वानी, एसपीओ शाहिद शफी, एसपीओ मोहम्मद अमीन ने अदम्य साहस का परिचय दिया और पूरी ताकत से जवाबी कार्रवाई की जिससे आतंकवादियों को पीछे हटना पड़ा। आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने को कहा गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया और इसके बजाय तैनात सैनिकों पर गोलीबारी करना जारी रखा।

ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए दो हमला दलों का गठन किया गया, पहला दल हेड कांस्टेबल गयूर-उल-हक के नेतृत्व में था, जिसमें हेड कांस्टेबल जाविद अहमद, एस.जी.सीटी जहूर अहमद, एस.जी.सीटी मंज़ूर अहमद रेशी, एस.जी.सीटी सज्जाद मोहिउद्दीन, सिपाही अर्शीद अहमद शेख, सिपाही अजीत कुमार, सिपाही रेशव कुमार और अन्य तथा आरआर और सीआरपीएफ की क्यूआरटी शामिल थीं और दूसरा दल पुलिस उपाधीक्षक रईज अहमद के नेतृत्व में था, जिसमें निरीक्षक गुलाम हसन, निरीक्षक अटल शर्मा, एस.जी.सीटी मोहम्मद इकबाल, सिपाही शक्ति सिंह, सिपाही शांति सरूप, एसपीओ आकिफ मोहम्मद वानी, एसपीओ शाहिद शफी, एसपीओ मोहम्मद अमीन और आरआर/सीआरपीएफ की क्यूआरटी शामिल थीं।

दोनों ऑपरेशनल दलों ने लक्ष्य की ओर बढ़ना शुरू कर दिया और आतंकवादियों द्वारा दागी जा रही गोलियों के बावजूद उनका आगे बढ़ना असाधारण रूप से साहसी प्रयास था। हेड कांस्टेबल गयूर-उल-हक के नेतृत्व वाले ऑपरेशनल दल ने पुलिस उपाधीक्षक रईज अहमद के नेतृत्व वाली टीम द्वारा प्रदान की गई सुरक्षा कवर के तहत सबसे पहले फंसे हुए नागरिकों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना सुनिश्चित किया, ताकि किसी भी तरह की अतिरिक्त क्षति से बचा जा सके। हालांकि, पूरी तरह से हताश आतंकवादी फिर से छिपने के ठिकाने से बाहर आए और उन्होंने इन ऑपरेशनल दलों पर उन्हें मारने और घेराबंदी वाले इलाके से भागने के इरादे से अंधाधुंध गोलीबारी की, लेकिन हेड कांस्टेबल गयूर-उल-हक और उनकी टीम ने अपनी जान की परवाह किए बिना गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया और आतंकवादियों को घेराबंदी को तोड़ने का कोई मौका नहीं दिया। आमने-सामने की बंदूक की भीषण लड़ाई के दौरान, सभी तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा संगठन के मोहम्मद लतीफ लोन पुत्र स्वर्गीय निसार अहमद लोन निवासी चेक कचदोरा शोपियां, लश्कर-ए-तैयबा संगठन के उमर नजीर भट्ट पुत्र नजीर अहमद भट्ट निवासी बोन दैलगाम जिला अनंतनाग और लश्कर-ए-तैयबा संगठन के दानिश हुसैन काकरू पुत्र मोहम्मद हुसैन काकरू निवासी काजीहमाम जिला बारामुला के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए जैनपोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 158/2022 दर्ज की गई है।

एस.जी.सीटी मंज़ूर अहमद रेशी, एस.जी.सीटी सज्जाद मोहिउद्दीन, सिपाही अर्शीद अहमद शेख, सिपाही अजीत कुमार और सिपाही रेशव कुमार, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना कुशलतापूर्वक और बुद्धिमानी से आतंकवादियों का मुकाबला किया, द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता और अदम्य साहस उल्लेखनीय था तथा अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। हालांकि, आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें वे बाल-बाल बचे। फिर भी, उन्होंने अपनी एकाग्रता खोए बिना और सूझबूझ के साथ बहादुरी से आतंकवादियों का मुकाबला किया और उनके नापाक इरादों को नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री मंज़ूर अहमद रेशी, एस.जी.सीटी, सज्जाद मोहिउद्दीन, एस.जी.सीटी, रेशव कुमार, सिपाही, अजीत कुमार, सिपाही और अर्शीद अहमद शेख, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 20.12.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/108/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 113-प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	आसिफ रशीद भट्ट	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
2.	लियाकत अहमद खटाना	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12.09.2022 को लगभग 10:50 बजे, शोपियां पुलिस को हेड कांस्टेबल गयूर-उल-हक और उनकी टीम, जिनमें हेड कांस्टेबल जाविद अहमद, सिपाही लियाकत अहमद खटाना, एसपीओ अनिल रैना, एसपीओ जॉन मोहम्मद गनी शामिल थे, के माध्यम से ईएसयू शोपियां से शोपियां जिले के जैनपोरा में शिरमल गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक तकनीकी जानकारी प्राप्त हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आतंकवादी इस क्षेत्र में बड़ी आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की फिराक में थे। उक्त गांव के ऐसा क्षेत्र है, जो अपनी भौगोलिक स्थिति, घने बागों और आतंकवादियों के समर्थन आधार के कारण आतंकवाद की दृष्टि से अत्यधिक संवेदनशील था तथा उसमें ऑपरेशन चलाना पुलिस/सुरक्षा बलों के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। इस पर, शोपियां पुलिस ने 44 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के साथ मिलकर एक ऑपरेशन शुरू किया और प्रारंभिक घेराबंदी करते समय, यह निर्णय लिया गया कि गांव के अंदर मौजूद नागरिकों को बिना घबराए या स्थिति बिगड़े बिना, आंतरिक घेरे से सुरक्षित बाहर निकाला जाए।

इसी अभ्यास के साथ, 44 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के सहयोग से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री की समग्र निगरानी में अपर पुलिस अधीक्षक इफ़्तेख़र अहमद, उप-निरीक्षक नजीर अहमद, एसएचओ जैनपोरा पुलिस स्टेशन सहित शोपियां पुलिस की टीम और 44 आरआर तथा सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की टीम को लक्षित क्षेत्र की तलाशी शुरू करने के लिए गठित किया गया। पुलिस/सुरक्षा बलों ने पुलिस/सुरक्षा बलों की सभी टीमों की सामरिक तैनाती भी सुनिश्चित की तथा निकासी और भागने के सभी रास्तों पर बुलेट प्रूफ वाहनों की तैनाती की। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए, लक्षित क्षेत्र को विभिन्न दिशाओं से कवर किया गया। लक्षित क्षेत्र की तलाशी शुरू करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां की समग्र निगरानी में हेड कांस्टेबल गयूर-उल-हक, हेड कांस्टेबल जाविद अहमद, सिपाही लियाकत अहमद खटाना, एसपीओ अनिल रैना और एसपीओ जॉन मोहम्मद गनी तथा 44 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन टीम के साथ प्रारंभिक संयुक्त घेराबंदी दल का गठन किया गया और शुरूआत में लक्षित क्षेत्र से सटे कुछ घरों और थोड़े से क्षेत्र को चतुराई से घेराबंदी में लाया गया।

इसके बाद, घेराबंदी किए गए क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए अंतिम हमले हेतु पुलिस उपाधीक्षक रईज अहमद के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल रवि कुमार, हेड कांस्टेबल रियाज अहमद, एस.जी.सीटी आसिफ रशीद भट्ट के साथ पुलिस टीमों का गठन किया गया। अंतिम हमला शुरू करने से पहले, घिरे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया और इसके बजाय तैनात बलों पर भारी गोलीबारी और ग्रेनेड फेंकना शुरू कर दिया। इस समय, एक आतंकवादी को लक्षित क्षेत्र में एके जैसे हथियार के साथ चलते हुए देखा गया। उसकी गतिविधि को देखते हुए पुलिस उपाधीक्षक रईज अहमद और उनकी टीम ने कुछ गोलियां चलाईं, जिसका आतंकवादियों ने उग्रता के साथ तुरंत जवाब दिया। गोलीबारी पर अत्यधिक नियंत्रण के साथ, जब भी आतंकवादियों की गतिविधि देखी गई, घेराबंदी टीमों उनसे भिड़ती रहीं। लेकिन आतंकवादी एक तरफ से दूसरी तरफ अपनी पोजीशन बदल रहे थे और घेराबंदी वाले क्षेत्र से भागने की कोशिश कर रहे थे। उनकी तरफ से की जा रही गोलीबारी साबित कर रही थी कि वे घातक हथियारों और गोलाबारूद से लैस हैं। आतंकवादियों की यह अंधाधुंध गोलीबारी बहुत घातक साबित हो रही थी, विशेषकर हेड कांस्टेबल गयूर-उल-हक की टीम के लिए, जो गोलीबारी के सबसे नजदीक थी और आतंकवादियों की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गई थी। हालांकि, उन्होंने अपनी एकाग्रता नहीं खोई और अपनी जान की परवाह किए बिना आतंकवादियों पर गोलीबारी जारी रखी।

लंबी चली बंदूक की लड़ाई के बाद, जब लक्षित क्षेत्र से कोई गोलीबारी नहीं हुई, तो अंतिम तलाशी का आदेश दिया गया, लेकिन फिर भी अंतिम समय में किसी भी क्षति से बचने के लिए सभी सावधानियां बरती गईं। गहन तलाशी में एक मारे गए आतंकवादी का शव उसके हथियार सहित बरामद हुआ, जिसकी पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा संगठन के अकीब हुसैन पॉल पुत्र मोहम्मद अकरम पॉल निवासी द्रावानी इमामसाहिब, शोपियां के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादी के पास से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए जैनपोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 113/2022 दर्ज की गई है।

पुलिस दल, विशेष रूप से एस.जी.सीटी आसिफ रशीद भट्ट और सिपाही लियाकत अहमद खटाना, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना, कुशलतापूर्वक और बुद्धिमानी से आतंकवादियों का मुकाबला किया, द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता और अदम्य साहस उल्लेखनीय था तथा अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने अपनी सूझबूझ और कुशल पुलिस व्यवस्था से घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे नागरिकों को सुरक्षित निकाला और नागरिकों को हताहतों से बचाया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री आसिफ रशीद भट्ट, एस.जी.सीटी और लियाकत अहमद खटाना, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 12.09.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/111/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 114--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सुजीत कुमार, भापुसे	उप-महानिरीक्षक	वीरता पदक
2.	रकीब अहमद मलिक	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.09.2022 को, कुलगाम पुलिस को अवाटू गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विश्वसनीय जानकारी प्राप्त हुई। तुरंत ही, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, भापुसे, अपनी क्यूआरटी, 34 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के सैनिकों के साथ संदिग्ध गांव की ओर चल पड़े, ताकि पूरे गांव की घेराबंदी की जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि फंसे हुए आतंकवादियों को मौके से भागने का कोई मौका न मिले। सभी प्रवेश/निकासी स्थलों, रास्तों और भागने के संभावित रास्तों को कंसर्टिना तार लगाकर और सुरक्षा बलों की तैनाती करके पूरी तरह से बंद कर दिया गया।

पहली टीम का नेतृत्व उप-महानिरीक्षक सुजीत कुमार, भापुसे कर रहे थे, जिसमें उनके साथ उप-निरीक्षक सुख देव सिंह, एस.जी.सीटी आबिद अहमद, एस.जी.सीटी मोहम्मद अब्बास, सिपाही रफीक अहमद, एसपीओ बिस्मा जान, एसपीओ खुर्शीद अहमद, एसपीओ रवि कुमार और 34 आरआर/सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के सैनिक शामिल थे, जबकि दूसरी टीम जो लक्षित घर के पीछे की तरफ थी; उसका नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जी.वी. संदीप चक्रवर्ती कर रहे थे, जिसमें उनके साथ पुलिस उपाधीक्षक जीएच मोहम्मद भट्ट, सहायक उप-निरीक्षक मंजूर हुसैन पीर, सहायक उप-निरीक्षक मंजूर अहमद, हेड कांस्टेबल निसार अहमद, एस.जी.सीटी तारिक अहमद, सिपाही रकीब अहमद मलिक, सिपाही मोहम्मद इकबाल, एसपीओ बिलाल हसन, एसपीओ आदिल बशीर तथा 34 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के सैनिक शामिल थे।

ऑपरेशनल योजना के अनुसार टीमों सभी तरफ से लक्षित स्थान की ओर बढ़ीं। पहली टीम लक्षित घर के सामने की तरफ से आगे बढ़ रही थी और जैसे ही कार्मिक लक्षित घर के करीब पहुंचे, छिपे हुए आतंकवादियों ने उन्हें मारने और वहां से भागने के इरादे से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की, लेकिन पहली टीम आतंकवादियों की गतिविधियों पर बहुत बारीकी से नजर रख रही थी और उसने कम से कम समय में उनकी गतिविधियों का पता लगाकर आतंकवादियों से भीषण युद्ध किया। चल रही बंदूक की लड़ाई के दौरान, पहली टीम ने एक आतंकवादी को मौके पर ही मार गिराया। हालांकि, दूसरा आतंकवादी लगातार हैंड ग्रेनेड फेंककर अपनी पोजीशन बदल रहा था और सुरक्षा बलों पर भारी गोलीबारी जारी रखे हुए था, इस बीच उक्त आतंकवादी खुले में आ गया और उसने घेराबंदी वाले क्षेत्र से भागने के लिए घेरा तोड़ने की कोशिश की। लेकिन मुठभेड़ स्थल के पीछे की ओर घेराबंदी कर रही दूसरी टीम ने सूझबूझ और सतर्कता दिखाते हुए आतंकवादी को खुले में चुनौती दी और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के उसे मार गिराया।

पुलिस दल, विशेष रूप से उप-महानिरीक्षक सुजीत कुमार भापुसे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, पुलिस उपाधीक्षक जीएच. मोहम्मद भट्ट, उप-निरीक्षक सुख देव सिंह, सहायक उप-निरीक्षक मंजूर हुसैन पीर, हेड कांस्टेबल निसार अहमद, एस.जी.सीटी मोहम्मद अब्बास, एस.जी.सीटी तारिक अहमद, सिपाही रफीक अहमद, सिपाही रकीब अहमद मलिक, सिपाही मोहम्मद इकबाल, एसपीओ बिलाल हसन, एसपीओ आदिल बशीर, एसपीओ बिस्मा जान, एसपीओ खुर्शीद अहमद और एसपीओ रवि कुमार ने अपनी जान की परवाह किए बिना दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने में एक अनुकरणीय भूमिका निभाई। साथ ही, इन अधिकारियों/कार्मिकों ने सूझबूझ का परिचय दिया और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के आतंकवादियों को मौके पर ही मार गिराने में रणनीतिक कौशल का अच्छा इस्तेमाल किया।

मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में मोहम्मद आसिफ वानी उर्फ यावर पुत्र दिलावर अहमद वानी निवासी टाकिया गोपालपोरा डी.एच. पोरा कुलगाम (जैश-ए-मोहम्मद संगठन का "सी" श्रेणी) और मोहम्मद शफी गनई पुत्र जहांगीर अहमद गनई निवासी वेस बटापोरा (लश्कर-ए-तैयबा संगठन का "सी" श्रेणी) के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए कुलगाम पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16, 18, 20 और 38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 105/2022 दर्ज की गई है।

जिला पुलिस कुलगाम, 34 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के सैनिकों तथा अधिकारियों/कार्मिकों और उनकी संबंधित टीमों ने सफल ऑपरेशन के दौरान नागरिकों के जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की। अधिकारियों की पेशेवरता के परिणामस्वरूप एक त्वरित एवं सुचारू ऑपरेशन संभव हुआ। इस त्वरित एवं सुचारू ऑपरेशन ने राष्ट्र-विरोधी तत्वों और उनके दुष्प्रचार तंत्र को मनोवैज्ञानिक झटका दिया और साथ ही क्षेत्र में आतंकवाद से लड़ने में लगे सुरक्षा बलों को प्रेरणा प्रदान की। असाधारण कमान और नियंत्रण के परिणामस्वरूप प्रभावी घेराबंदी और परिणामस्वरूप सफल ऑपरेशन संभव हुआ।

यहां यह उल्लेख करना उचित होगा कि उप-महानिरीक्षक सुजीत कुमार, भापुसे और सिपाही रकीब अहमद मलिक की ओर से की गई वीरतापूर्ण कार्रवाई अनुकरणीय थी, क्योंकि उन्होंने आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी का सामना किया, लेकिन वे दागी गई गोलियों और ग्रेनेड से चमत्कारिक रूप से बच गए।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री सुजीत कुमार, भापुसे, उप-महानिरीक्षक और रकीब अहमद मलिक, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 27.09.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/112/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी

अवर सचिव

सं. 115--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	दर्विंदर कुमार	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	दाऊद अहमद	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	यशपाल सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 30.05.2022 को, अवंतीपोरा पुलिस को एक विश्वसनीय स्रोत से राजपोरा के चक स्थित एक घर/बेकरी की दुकान में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई। इस जानकारी का विश्लेषण/पुष्टि की गई और तुरंत ही इसे 42 आरआर और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन के कमान अधिकारियों के साथ साझा किया गया। जानकारी की पुष्टि होने पर, घेराबंदी और तलाशी के लिए 42 आरआर और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन के साथ समन्वय से ऑपरेशन की योजना बनाई गई।

बनाई गई रणनीति के अनुसार, अवंतीपोरा पुलिस, सेना की 42 आरआर और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन की संयुक्त टीम, सामान्य से अलग और जोखिम भरे रास्तों को अपनाते हुए शाम के समय लक्षित घर के पास पहुंची और तब तक उच्च स्तर की गोपनीयता बनाए रखी, जब तक कि कोई मजबूत घेराबंदी नहीं हो गई। घेराबंदी करने और उसे मजबूत करने के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहम्मद यूसुफ के नेतृत्व में उनके साथियों सहित अवंतीपोरा पुलिस की संयुक्त टीम ने सेना की 42 आरआर/सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन की सहायता से लक्षित घर में आतंकवादी की तलाश शुरू की।

घेराबंदी होते ही, लक्षित घर में छिपे आतंकवादियों ने तलाशी/घेराबंदी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उन पर हैंड ग्रेनेड भी फेंके, ताकि वे घेराबंदी तोड़कर घेराबंदी वाले क्षेत्र से भाग सकें और वे लक्षित घर से भाग निकले तथा जबरन बगल के घर में घुस गए। लेकिन सूझबूझ के कारण, लक्षित घर में तलाशी ले रहे तलाशी दल ने तुरंत पोजीशन संभाली और आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिससे छिपे हुए आतंकवादियों की घेराबंदी वाले इलाके से भागने की कोशिश नाकाम हो गई। इस प्रकार आतंकवादियों की मौजूदगी और उनकी सटीक पोजीशन की पुष्टि हो गई, जिसके बाद घेराबंदी बढ़ा दी गई और संयुक्त दल द्वारा जवाबी कार्रवाई की गई।

इसके बाद, लक्षित घर के समीप पोजीशन लेने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा के मार्गदर्शन में, पुलिस की दो टीमों गठित की गई, जिनमें से एक का नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा श्री मोहम्मद यूसुफ कर रहे थे, जिसमें उनके साथ सहायक उप-निरीक्षक दाऊद अहमद, हेड कांस्टेबल यशपाल सिंह और अन्य तथा सेना की 42 आरआर और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन के समकक्ष दल भी थे तथा उस टीम ने लक्षित घर के पश्चिमी तरफ पोजीशन ली। सहायक उप-निरीक्षक दर्विंदर कुमार के नेतृत्व में अन्य सैनिकों तथा सेना की 42 आरआर, सीआरपीएफ 130वीं बटालियन के दल के साथ दूसरी टीम ने उत्तरी दिशा की तरफ पोजीशन ली। चूंकि लक्षित घर निर्माण वाले क्षेत्र में स्थित था तथा कानून और व्यवस्था की समस्या के भड़कने की पूरी आशंका थी, इसलिए इस तरह के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए, श्री जावीद अहमद, पुलिस उपाधीक्षक, पीसी अवंतीपोरा की कमान में अवंतीपोरा पुलिस और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन की तैनाती लक्षित घर के आस-पास रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों पर की गई, ताकि लक्षित घर/क्षेत्र को ऐसे किसी भी तरह के बाहरी हस्तक्षेप से बचाया जा सके, जिससे आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा करने में बाधा आ सकती थी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा ने जमीनी हालात के अनुसार कार्रवाई की, रणनीति पर दोबारा विचार किया और पुलिस उपाधीक्षक जावीद अहमद को सलाह दी कि वे लक्षित घर और उसके आस-पास के घरों से नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए अपनी टीम का दो अलग-अलग दिशाओं से आगे बढ़ाएं। यह लक्षित घर में और आसपास के घरों में फंसे नागरिकों को निकालने के अभियान का एक संवेदनशील और

महत्वपूर्ण चरण था, क्योंकि घिरे हुए आतंकवादियों द्वारा हमले की पूरी आशंका थी। आतंकवादियों की ओर से लगातार हो रही गोलियों की बौछार के बीच, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा श्री मोहम्मद यूसुफ ने अपने साथियों के साथ इस साहसिक कार्य को अंजाम दिया।

अवंतीपोरा पुलिस घटक और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन द्वारा प्रदान की गई कवरींग गोलीबारी की मदद से नागरिकों को निकालना संभव हो पाया। उसके बाद, छिपे हुए आतंकवादियों को हथियार डालने और आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, जिसे उन्होंने नजरअंदाज कर दिया और इसके बजाय, उन्होंने घेराबंदी तोड़ने और वहां से भागने के लिए तलाशी/हमला दल पर गोलियों की बौछार कर दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहम्मद यूसुफ के नेतृत्व में उनके साथियों, अवंतीपोरा पुलिस, 42 आरआर/सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन के संयुक्त हमला दल ने कवर लिया और अपनी जान की परवाह किए बिना बहादुरी से सामने से लड़े और दोनों आतंकवादियों को मार गिराया। बाद में सियान आतंकवादियों की पहचान शाहिद एएच. राथर (जैश-ए-मोहम्मद संगठन) पुत्र जीएच. अहमद राथर निवासी लूरो जागीर और उमर यूसुफ सेह (लश्कर-ए-तैयबा संगठन) पुत्र एम. यूसुफ सेह निवासी टुकरू, कीगाम शोपियां के रूप में हुई। आगे की जांच के लिए कुलगाम पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307 तथा 452, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 23, 38 और 39 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 108/2022 दर्ज की गई है।

मारा गया आतंकवादी शाहिद अहमद राथर दिनांक 21.03.2021 को पुलिस स्टेशन त्राल में विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13 तहत मामलागत एफआईआर संख्या 16/2021 में शामिल था। वह स्थानीय युवाओं को आतंकवादी संगठनों में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहा था। हाल ही में भर्ती एक अन्य आतंकवादी, जो दिनांक 31.03.2022 को शोपियां जिले से आतंकवादी समूहों में शामिल हुआ था, अपने आतंकवाद के शुरुआती दौर में ही मारा गया।

टीमों, विशेष रूप से सहायक उप-निरीक्षक दर्विंदर कुमार, सहायक उप-निरीक्षक दाऊद अहमद और हेड कांस्टेबल यशपाल सिंह, जिन्होंने अपने प्राणों की परवाह किए बिना बहादुरी से लड़ाई लड़ी, द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता और अदम्य साहस उल्लेखनीय था और अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। वे आसन्न खतरे से अंजान थे, लेकिन उन्होंने बहादुरी, साहस, दुर्लभ सामरिक कौशल और अनुकरणीय टीम भावना की विशिष्ट भूमिका निभाई, जिसके कारण बिना किसी अतिरिक्त क्षति के इन आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया गया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री दर्विंदर कुमार, सहायक उप-निरीक्षक, दाऊद अहमद, सहायक उप-निरीक्षक और यशपाल सिंह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 30.05.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/116/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 116--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	ज़फ़र इक़बाल डार	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	बिलाल अहमद	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
3.	बरकत अली डार	सिपाही	वीरता पदक
4.	अब्दुल लतीफ़ गनई	फॉलोअर	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11.06.2022 को शाम के समय, पुलवामा पुलिस को पुलवामा जिले के द्रुबगाम पाईन गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विशिष्ट जानकारी प्राप्त हुई, जो सीमा पार बैठे अपने आकाओं के निर्देश पर क्षेत्र में कुछ आतंकी कार्रवाई करने की योजना बना रहे थे।

तदनुसार, सूचना को 44 आरआर और सीआरपीएफ की 183वीं बटालियन के साथ साझा किया गया और गहन चर्चा के बाद, आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए इलाके में एक ऑपरेशन शुरू करने का निर्णय लिया गया। निर्णय के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जीएच. जिलानी वानी की निगरानी में निरीक्षक ज़फ़र इक़बाल डार, एस.जी.सीटी बिलाल अहमद, सिपाही बरकत अली डार, फॉलोअर अब्दुल

लतीफ़ गनई और अन्य सहित एक पुलिस दल लक्षित स्थल पर पहुंचा और 44 आरआर और सीआरपीएफ की 183वीं बटालियन की टुकड़ियों के साथ संदिग्ध इलाके में संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया और इलाके में छिपे आतंकवादियों की तलाश शुरू की।

तलाशी अभियान के दौरान, जैसे ही तलाशी दल संदिग्ध स्थान के पास पहुंचा, वहां मौजूद आतंकवादियों ने उन्हें जान से मारने और घेराबंदी वाले इलाके से भागने के इरादे से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सैनिकों ने तुरंत कवर लिया और बड़ी बहादुरी से आतंकवादियों की गोलीबारी का जवाब दिया और एक-दूसरे पर शुरूआती गोलीबारी में ही भारी मात्रा में हथियारों से लैस एक आतंकवादी को मार गिराया, जबकि अन्य दो आतंकवादी पीछे मुड़कर एक रिहायशी घर से सटे बाथरूम में छिप गए। नागरिकों के हताहत होने से बचने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा के निर्देश पर समर्पित पुलिस दल ने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसी महिलाओं और बच्चों सहित लोगों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया।

नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकालने के बाद, छिपे हुए आतंकवादियों को सुरक्षा बलों के सामने हथियार डालने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया और सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी करना जारी रखा तथा मौके से भागने का प्रयास किया, लेकिन तलाशी दल ने, अंधेरे के कारण, अत्यधिक संयम दिखाया। अंधेरी रात में अपने सैनिकों को नुकसान से बचाने के लिए, बलों ने जवाबी गोलीबारी रोक दी, हालांकि घेराबंदी को और मजबूत कर दिया गया और भागने की किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए भागने के सभी संभावित रास्तों को अच्छी तरह से बंद कर दिया गया। अगले दिन भोर से पहले, घिरे हुए आतंकवादियों ने सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और एक बार फिर घेराबंदी वाले क्षेत्र से भागने की कोशिश की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जीएच. जिलानी वानी और पुलिस उपाधीक्षक साकिब गनई की कमान में संयुक्त दल तुरंत हरकत में आए और अपनी जान की परवाह किए बिना बड़े साहस और समर्पण के साथ सामने से आतंकवादियों की गोलीबारी का जवाब दिया और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के भारी मात्रा में हथियारों से लैस अन्य दो आतंकवादियों को मार गिराया।

पूरी रात चली लंबी बंदूक की लड़ाई के दौरान, लश्कर-ए-तैयबा के तीन खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया और मुठभेड़ स्थल से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। बाद में मृत आतंकवादियों की पहचान (लश्कर संगठन की "सी" श्रेणी) के रूप में हुई, जिनके नाम जुनैद अहमद शीरगोजरी पुत्र जीएच. कादिर शीरगोजरी निवासी गडूरा पुलवामा, फाजिल नजीर भट पुत्र नजीर अहमद भट्ट निवासी दुबगाम पुलवामा और इरफान अहमद मलिक पुत्र जीएच. रसूल मलिक निवासी अरबल निकास पुलवामा हैं। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए राजपोरा पुलिस स्टेशन में, आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/25, 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 20, 38 और 39 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 44/2022 दर्ज की गई है। इन कट्टर आतंकवादियों का मारा जाना आतंकवादी कैडरों, विशेषकर लश्कर-ए-तैयबा संगठन के लिए एक बड़ा झटका है तथा सुरक्षा एजेंसियों के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि है और आम जनता के लिए भी राहत की बात है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री ज़फ़र इक़बाल डार, निरीक्षक, बिलाल अहमद, एस.जी.सीटी, बरकत अली डार, सिपाही और अब्दुल लतीफ़ गनई, फॉलोअर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 11.06.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/119/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 117--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	तनवीर मोहम्मद भट्ट	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	अब्दुल कयूम वानी	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	शकील अहमद वानी	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
4.	खुशी राम	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
5.	अब्दुल हमीद लोन	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
6.	मुख्तार अहमद लोन	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29.01.2022 को शाम के समय, पुलवामा पुलिस, सेना की 55 आरआर और सीआरपीएफ की 182वीं/183वीं बटालियन द्वारा नैरा गांव में भारी मात्रा में हथियारों से लैस आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विशेष सूचना के आधार पर गांव के स्थान एवं स्थलाकृति को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई की योजना पर विचार करने के बाद पुलवामा पुलिस स्टेशन के तहत नैरा गांव में एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया।

सभी आंतरिक सड़कों, गलियों और रास्तों को मजबूती से बंद करने के बाद, संदिग्ध क्षेत्र में तलाशी लेने के लिए दो संयुक्त टीमों का गठन किया गया, जिसमें एक टीम का नेतृत्व निरीक्षक बशारत अली कर रहे थे, जिसमें सहायक उप-निरीक्षक तनवीर मोहम्मद भट्ट, सिपाही मुख्तार अहमद लोन, एस.जी.सीटी शकील अहमद वानी, एस.जी.सीटी खुशी राम और सिपाही फैयाज अहमद परें तथा 55 आरआर और सीआरपीएफ की 182वीं/183वीं बटालियन के सैनिक शामिल थे।

जैसे ही निरीक्षक बशारत अली के नेतृत्व वाले तलाशी दल ने नैरा पुलवामा में एक घर में प्रवेश किया, उस घर के अंदर मौजूद आतंकवादियों ने तैनात बलों को नुकसान पहुंचाने और वहां से भागने के लिए रास्ता बनाने के उद्देश्य से संयुक्त तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप 55 आरआर के सेना के दो जवान गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया गया।

तलाशी दल ने तुरंत कवर लिया और पूरे समर्पण के साथ आतंकवादी की गोलीबारी का जवाब दिया, जिसके कारण घिरे हुए आतंकवादी को घेराबंदी वाले क्षेत्र से भागने का कोई अवसर नहीं मिला। इस पर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने संयुक्त तलाशी दल को लक्षित घर से बाहर आने को कहा, जिसके लिए पुलिस अधीक्षक तनवीर अहमद दार के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल अब्दुल कयूम वानी, एस.जी.सीटी अब्दुल हमिद मलिक, एस.जी.सीटी बशारत हुसैन, एस.जी.सीटी राशिद रशीद और सिपाही उमर सिकंदर मीर के साथ आंतरिक घेरे में तैनात पुलिस/सुरक्षा बल के एक संयुक्त दल को उन्हें कवर गोलीबारी प्रदान करने का निदेश दिया गया, ताकि वे सुरक्षित रूप से लक्षित घर से बाहर आ सकें। नागरिकों के हताहत होने से बचने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा के निदेश पर एक पुलिस टीम ने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे सभी नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया।

इसके बाद, निरीक्षक बशारत अली के नेतृत्व में सहायक उप-निरीक्षक तनवीर मोहम्मद भट्ट, सिपाही मुख्तार अहमद लोन, एस.जी.सीटी शकील अहमद वानी, एस.जी.सीटी खुशी राम और सिपाही फैयाज अहमद परें और 55 आरआर तथा सीआरपीएफ की 182वीं और 183वीं बटालियन के घटकों वाले प्रारंभिक तलाशी दल को आबादी वाले इलाके की ओर जाने वाली गली में पोजीशन लेने का निदेश दिया गया तथा पुलिस अधीक्षक तनवीर अहमद दार के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल अब्दुल कयूम वानी, एस.जी.सीटी अब्दुल हमिद मलिक, एस.जी.सीटी बशारत हुसैन, एस.जी.सीटी राशिद रशीद और सिपाही उमर सिकंदर तथा 55 आरआर तथा सीआरपीएफ की 182वीं और 183वीं बटालियन के घटकों वाले दूसरे संयुक्त दल को आंतरिक घेराबंदी में लक्षित घर के पीछे की तरफ पोजीशन लेने के लिए कहा गया और उन्हें अतिरिक्त सतर्क रहने और लक्षित घर में फंसे आतंकवादियों की गतिविधि पर नजर रखने तथा वरिष्ठ अधिकारियों को घटनाक्रम/घटनाओं के बाद सूचित करने के लिए कहा गया।

इसके बाद, ऑपरेशनल कमांडर (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा) ने घिरे हुए आतंकवादियों से बार-बार आत्मसमर्पण की अपील की, लेकिन आतंकवादियों ने प्रस्ताव स्वीकार करने के बजाय, निरीक्षक बशारत अली की कमान में आबादी वाले इलाके की ओर जाने वाली एक गली में तैनात सैनिकों पर गोलीबारी की और वहां से भागने की कोशिश की, हालांकि, उक्त संयुक्त दल ने तुरंत कवर लिया, साहस के साथ सामने से जवाबी कार्रवाई की और दो आतंकवादियों को मौके पर ही मार गिराया। इस पर, बाकी आतंकवादी लक्षित घर में वापस लौट गए और उन्होंने क्षेत्र में तैनात संयुक्त दलों पर गोलीबारी करना जारी रखा। इस पर, लक्षित घर के पीछे की ओर तैनात दूसरे संयुक्त दल का नेतृत्व कर रहे पुलिस अधीक्षक तनवीर अहमद दार तुरंत हरकत में आए और उन्होंने अपने सैनिकों और अन्य तैनात सैनिकों को सतर्क किया तथा बहादुरी तथा पूर्ण समर्पण के साथ जवाबी कार्रवाई की और बचे हुए आतंकवादियों को मार गिराया।

मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में जैश-ए-मोहम्मद संगठन के जाहिद अहमद वानी उर्फ उजैर पुत्र मंजूर अहमद वानी निवासी करीमाबाद पुलवामा, कफील भाई उर्फ छोटू निवासी पाकिस्तान, मोहम्मद भट्ट के दामाद वहीद अहमद रेशी निवासी खादरमोह काकापोरा पुलवामा और इनायतुल्लाह मीर पुत्र, जीएच. कादिर मीर निवासी नैरा पुलवामा के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए पुलवामा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19, 20 और 38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 18/2022 दर्ज की गई है।

इन कट्टर आतंकवादियों का मारा जाना आतंकवादी कैडरों, खासकर जैश-ए-मोहम्मद संगठन के लिए एक बड़ा झटका था और सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है तथा आम जनता के लिए भी बड़ी राहत है क्योंकि ये आतंकवादी विभिन्न आतंकवाद संबंधी गतिविधियों में शामिल थे।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री तनवीर मोहम्मद भट्ट, सहायक उप-निरीक्षक, अब्दुल कयूम वानी, हेड कांस्टेबल, शकील अहमद वानी, एस.जी.सीटी, खुशी राम, एस.जी.सीटी, अब्दुल हमीद लोन, एस.जी.सीटी, मुख्तार अहमद लोन, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 29.01.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/122/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 118--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, भापुसे	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	रईश अहमद रेशी	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	परविंदर सिंह	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 23.04.2022 को, शोपियां जिले से आतंकवादियों के कुलगाम के मिरहामा गांव में प्रवेश करने के संबंध में एक विश्वसनीय जानकारी प्राप्त होने पर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, भापुसे 9 आरआर/सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के सैनिकों के साथ संदिग्ध स्थान पर पहुंचे। प्रारंभ में, उक्त गांव के चारों ओर घेराबंदी की गई और छिपे हुए आतंकवादियों के सटीक स्थान की पहचान करने और उनका खात्मा करने के लिए संयुक्त तलाशी दलों के माध्यम से घर-घर जाकर तलाशी ली गई। जैसे ही संयुक्त तलाशी दल संदिग्ध घर की ओर पहुंचे, फंसे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों को जान से मारने और घेराबंदी से निकालकर भागने के लिए उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की और हैंड ग्रेनेड फेंके। गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप मुठभेड़ हुई।

मुठभेड़ के दौरान फंसे हुए आतंकवादी लगातार एक जगह से दूसरी जगह जाकर पोजीशन बदल रहे थे, ताकि वे मौके से भाग सकें और ऐसी परिस्थितियों में इन आतंकवादियों को मार गिराना बहुत मुश्किल था। हालांकि, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम द्वारा तैयार की गई ऑपरेशनल योजना के अनुसार, मुठभेड़ स्थल से नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने को विशेष प्राथमिकता दी गई। नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने किसी अतिरिक्त नुकसान के बिना फंसे हुए आतंकवादियों को मार गिराने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों की संबंधित क्यूआरटी के साथ अलग-अलग टीमों का गठन किया। पहली टीम का नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम कर रहे थे, जिसमें उनके साथ हेड कांस्टेबल रईश अहमद रेशी, एस.जी.सीटी इचपाल सिंह, एस.जी.सीटी मोहम्मद शैद, एसपीओ मुबाशिर अहमद, एसपीओ इश्फाक अहमद, एसपीओ माजिद हुसैन और 09 आरआर/सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के सैनिक शामिल थे तथा दूसरी टीम, जो कि लक्षित घर के पीछे तैनात थी, उसका नेतृत्व निरीक्षक अब्दुल अहमद कर रहे थे, जिसमें उनके साथ एस.जी.सीटी लियाकत अली, एस.जी.सीटी तारूक अहमद, एस.जी.सीटी मसूद अहमद, एसपीओ सरताज अहमद, एसपीओ परवीज अहमद, एसपीओ मुश्ताक अहमद, एसपीओ रईश अहमद और 09 आरआर/सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के सैनिक शामिल थे।

ऑपरेशनल योजना के अनुसार टीमों लक्षित घर की ओर बढ़ीं, लेकिन आतंकवादियों ने उन पर हैंड ग्रेनेड फेंके तथा ऑपरेशनल टीमों पर भारी मात्रा में गोलीबारी शुरू कर दी और मौके से भागने में सफल रहे। हालांकि, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने 09 आरआर/सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के सैनिकों के साथ मिलकर अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना इन आतंकवादियों का खुले में पीछा किया। इसके अलावा, भागने के सभी रास्तों को कम से कम समय में बंद कर दिया गया और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम की कड़ी निगरानी में ऑपरेशनल टीमों ने आतंकवादियों को तुरंत ढूंढ लिया और उनके साथ भीषण लड़ाई लड़ी। बंदूक की लड़ाई के दौरान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने ऑपरेशनल टीमों के साथ मिलकर बिना किसी अतिरिक्त क्षति के इन आतंकवादियों को मार गिराया। इन आतंकवादियों को मार गिराने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम द्वारा दिखाई गई बहादुरी, पेशेवरता और ऑपरेशनल रणनीति का कृत्य अत्यधिक सराहनीय था।

पुलिस दल, विशेष रूप से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, भापुसे, हेड कांस्टेबल रईश अहमद रेशी और एस.जी.सीटी परविंदर सिंह द्वारा दिखाई गई दृढ़ता ने अपनी जान की परवाह किए बिना दो खूंखार विदेशी आतंकवादियों को मार गिराने में एक अनुकरणीय भूमिका निभाई। इसके अलावा, उन्होंने सूझबूझ का परिचय देते हुए बिना किसी अतिरिक्त क्षति के मौके पर ही आतंकवादियों को ढेर करने में

रणनीतिक कौशल का अच्छा उपयोग किया। आतंकवाद के खतरे को खत्म करने और हमारे देश के शांतिप्रिय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे सटीक ऑपरेशन समय की मांग हैं। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में जैश-ए-मोहम्मद संगठन के “ए”-श्रेणी के सुल्तानत पठान और जबीउल्लाह के रूप में हुई, जो दोनों पाकिस्तान के रहने वाले थे। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए कुलगाम पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16, 19, 20 और 38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 51/2022 दर्ज की गई है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, भापुसे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रईश अहमद रेशी, हेड कांस्टेबल और परविंदर सिंह, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 23.04.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/126/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 119-प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	शुक्त रफीक वानी	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	इशितयाक लतीफ़ कुरैशी	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	मोहिंदर कुमार	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.04.2022 को, पुलवामा पुलिस स्टेशन के मित्रीगाम गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी की विशिष्ट जानकारी प्राप्त होने पर, 44 आरआर, पुलवामा पुलिस और सीआरपीएफ की 182वीं/183वीं बटालियन द्वारा उक्त गांव के संदिग्ध इलाके में एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएसओ) शुरू किया गया। इसके बाद, लक्षित क्षेत्र में तलाशी के लिए पुलिस/सुरक्षा बल की एक समर्पित संयुक्त टीम गठित की गई। जब तलाशी दल एक सेब के बाग में स्थित एक गौशाला की ओर बढ़ रहा था, तो छिपे हुए आतंकवादियों ने अपने अवैध स्वचालित हथियारों से तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें 44 आरआर के सेना के एक जवान एनके जतिंद्र सिंह गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत वहां से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

नागरिकों के हताहत होने से बचने के लिए, घेराबंदी वाले इलाके में फंसी महिलाओं और बच्चों सहित लोगों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और उसके बाद, छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और सैनिकों पर गोलीबारी करना जारी रखा। इस पर, मौके पर मौजूद पुलिस/सेना के अधिकारियों ने सैनिकों को सतर्क किया और उन्हें सभी गलियों, उप-गलियों तथा भीतरी रास्तों को पूरी तरह से बंद करने के निर्देश दिए।

फंसे हुए आतंकवादी को मारने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने 44 आरआर, सीआरपीएफ की 182वीं/183वीं बटालियन और पुलवामा पुलिस के घटकों वाले प्रारंभिक तलाशी दल, जिसमें को उप-निरीक्षक इशितयाक लतीफ़ कुरैशी, एस.जी.सीटी मोहिंदर कुमार और फॉलोअर इरशाद अहमद शामिल थे तथा जिसका नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक शुक्त रफीक वानी कर रहे थे, को खतरे के क्षेत्र से बाहर आने और बाग की तरफ से पोजीशन लेने के लिए कहा। 44 आरआर, सीआरपीएफ की 182वीं/183वीं बटालियन और पुलिस की क्यूआरटी के दूसरी संयुक्त दल का गठन सहायक उप-निरीक्षक नजीर अहमद के नेतृत्व में किया गया, जिसमें हेड कांस्टेबल मशूक अहमद और एस.जी.सीटी मेहराज-उद-दीन शामिल थे और उन्हें लक्षित स्थान के सामने की तरफ पोजीशन लेने का निर्देश दिया गया है जहां से एक नाला गुजर रहा था। इस बीच, घिरे हुए आतंकवादियों ने सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और बाग क्षेत्र से भागने की कोशिश की, हालांकि पुलिस उपाधीक्षक शुक्त रफीक वानी के नेतृत्व में समर्पित संयुक्त दल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया। इस पर, दूसरा आतंकवादी वापस लौटा और असमंजस की स्थिति में पहले गौशाला में घुस गया और फिर उसने नाले के रास्ते भागने का प्रयास किया, हालांकि, सहायक उप-निरीक्षक नजीर अहमद के नेतृत्व में दूसरा संयुक्त दल तुरंत हरकत में आया तथा समर्पण/साहस के साथ जवाबी कार्रवाई की और उक्त आतंकवादी को भी मार गिराया। तलाशी के दौरान दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए और बाद में उनकी पहचान अल-बद्र संगठन के एजाज अहमद हाफिज पुत्र फारूक अहमद हाफिज निवासी दलीपोरा पुलवामा और शाहिद अयूब शेख पुत्र मोहम्मद अयूब शेख निवासी डीरी मुर्रन के रूप में हुई। मारे गए

आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए पुलवामा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19, 20 और 38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 111/2022 दर्ज की गई है।

मारे गए कट्टर आतंकवादी गैर-स्थानीय श्रमिकों, पंचायती राज संस्थाओं पर हमले और अन्य विध्वंसक गतिविधियों सहित विभिन्न आतंकवादी हमलों में शामिल थे; इसलिए उनका सफाया पुलिस/सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी सफलता है और शांतिप्रिय नागरिकों के लिए राहत की बात है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री शुकत रफीक वानी, पुलिस उपाधीक्षक, इशियाक लतीफ कुरैशी, उप-निरीक्षक, मोहिंदर कुमार, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 27.04.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/127/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 120--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्रीमती फरहा निशात	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	श्री मोहम्मद यूनिस् राथर	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 23.08.2021 को लगभग 19:05 बजे, सोपोर के पेठ-सीर गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी की विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, सोपोर पुलिस, सेना की 52-आरआर और सीआरपीएफ की 177वीं बटालियन द्वारा क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया। तदनुसार, बनाई गई रणनीति के अनुसार, श्री मोहम्मद अमीन भट्ट के नेतृत्व में, पुलिस/ सेना/सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम का गठन एक अग्रिम टीम के रूप में किया गया, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक फरहा निशात, एस.जी.सीटी मोहम्मद यूनिस् राथर और अन्य शामिल थे तथा इस अग्रिम टीम को दूसरे संयुक्त दल की बैकअप/कवरिंग गोलीबारी के तहत फंसे हुए नागरिकों को निकालने का कार्य सौंपा गया।

तदनुसार, पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अमीन भट्ट ने अपनी टीम का नेतृत्व किया और बैकअप दल की बैकअप गोलीबारी के तहत लक्षित घर की ओर बढ़ना शुरू कर दिया। जैसे ही अग्रिम टीम लक्षित घर के पास पहुंचने वाली थी, आतंकवादियों को यह आभास हो गया कि सुरक्षा बल लक्षित घर के पास पहुंचने वाले हैं तथा तीन आतंकवादी अचानक गोलियों की बौछार करते हुए घर से बाहर कूद गए और उन्होंने मौके से भागने की कोशिश की लेकिन आतंकवादियों के मौके से भागने से पहले ही, अग्रिम टीम विशेष रूप से पुलिस उपाधीक्षक फरहा निशात, एस.जी.सीटी. मोहम्मद यूनिस् राथर चट्टान की तरह दृढ़ रहे और गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया तथा इसके बाद हुई आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई में प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) आतंकवादी संगठन के तीन खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में फैसल फैयाज पुत्र फैयाज अहमद थोकर निवासी कपरान जिला शोपियां, रमीज अहमद गनई पुत्र अब्दुल मजीद गनई निवासी जिपोरा-धरमती जिला शोपियां और गुलाम मुस्तफा शेख पुत्र अब्दुल अहद शेख निवासी टिक्रीपोरा लोलाब जिला कुपवाड़ा के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए तारजू पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307 और भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 99/2021 दर्ज की गई है।

ऑपरेशन का क्षेत्र घनी आबादी वाला था तथा ऑपरेशन शाम के समय पूरा हुआ और ऐसी अस्थिर स्थिति में, सुरक्षा बलों के लिए इतना सफल, सटीक आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन शुरू करना एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन यह विशेष रूप से पुलिस उपाधीक्षक फरहा निशात और एस.जी.सीटी मोहम्मद यूनिस् राथर द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस, नेतृत्व क्षमता, पेशेवरता और अतुलनीय दृढ़ता का ही परिणाम था कि बिना किसी अतिरिक्त क्षति के लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी संगठन के तीन स्थानीय आतंकवादियों के खात्मे के साथ ऑपरेशन पूरा हुआ। आतंकवादियों से लड़ते हुए, उन्होंने भारत की सुरक्षा/संप्रभुता और अखंडता को बनाए रखने के लिए इस तत्काल ऑपरेशन में अपनी जान जोखिम में डाल दी।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस की श्रीमती फरहा निशात, पुलिस उपाधीक्षक और श्री मोहम्मद युनिस राथर, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 23.08.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/128/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 121--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	नरेश सिंह	पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	सुनील सिंह जसरोटिया	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
3.	नितीश खजूरिया	पुलिस उप-निरीक्षक	वीरता पदक
4.	सुभाष चंदर	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
5.	कश्मीर सिंह	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
6.	संदीप कुमार	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
7.	शब्बीर अहमद	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 28.12.2022 को तड़के, एसओजी चेक प्वाइंट (नाका), कुंजवानी में पंजीकरण संख्या जेके18-1226 (उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट के बिना) वाले एक संदिग्ध ट्रक की आवाजाही देखी गई, जिसे रुकने का संकेत दिया गया लेकिन चालक ने गति बढ़ा दी और मौके से एनएचडब्ल्यू पर कश्मीर की ओर भाग गया। इसके बाद, ट्रक कश्मीर की ओर बढ़ गया और उसने रास्ते में बाग-ए-बाहु पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले ब्रावो-03 नाका के बैरिकेड्स तोड़ दिए। हालांकि, पुलिस दल 07:15 बजे सिधरा ब्रिज चेक-पॉइंट पर ट्रक को रोकने में कामयाब रहा और इस बीच, पुलिस अधीक्षक पीसी जम्मू भी मौके पर पहुंच गए। उसी समय, ट्रक के अंदर विशेष रूप से डिजाइन किए गए छेद में छिपे आतंकवादियों ने पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन जम्मू द्वारा जवाब दिया गया तथा इसमें वे और उनकी टीम निशाना बनने से बाल-बाल बचे। उसी समय मेजर उमेश लांबा के नेतृत्व में प्रथम पैरा की एक टीम भी पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन जम्मू की सहायता के लिए पहुंच गई। इस पर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जम्मू और क्यूआरटी के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस दल मौके पर पहुंच गए और ट्रक में छिपे आतंकवादियों को घेर लिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जम्मू और पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) जम्मू ने तुरंत मौके पर ऑपरेशन की योजना बनाई और ऑपरेशन टीमों को दो हमला टीमों में बांट दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंदन कोहली की कमान में एक दल ने ट्रक को घेर लिया और वे उक्त वाहन के किनारे पर रहे और पुलिस अधीक्षक नरेश सिंह की कमान में एक अन्य दल जिसमें उनकी सहायता पुलिस उपाधीक्षक सुनील सिंह जसरोटिया, पुलिस उपाधीक्षक जावेद अहमद, निरीक्षक आजाद अहमद, निरीक्षक अर्जुन मगोत्रा, सहायक उप-निरीक्षक कश्मीर सिंह कर रहे थे, को उक्त वाहन के तुरंत पीछे की तरफ रखा गया तथा एसओजी की अन्य क्यूआरटी भी रणनीतिक और सामरिक स्थानों पर तैनात की गई। प्रथम पैरा की टीम की सहायता से दोनों टीमों ट्रक के बहुत करीब तैनात थीं और आतंकवादियों की गोलीबारी की रेंज में थीं, लेकिन इसके बावजूद अधिकारियों/कार्मिकों ने अपनी पोজीशन पर बने रहने में अत्यधिक साहस और बहादुरी का प्रदर्शन किया और आतंकवादियों की गोलीबारी का जवाब दिया। छिपे हुए आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों, यूबीजीएल ग्रेनेडों से दोनों हमला दलों पर गोलीबारी की। आतंकवादी हताश थे और उन्होंने मुठभेड़ स्थल से भागने के लिए घेरा तोड़ने की कोशिश की, लेकिन दोनों हमला दलों ने पेशेवर तरीके से जवाबी कार्रवाई की तथा बहुत बहादुरी और चतुराई से लड़े। एक-दूसरे पर शुरुआती गोलीबारी के दौरान एसओजी टीम ने एक आतंकवादी को मार गिराया।

आतंकवादी वाहन के अंदर से पुलिस दल पर बार-बार गोलीबारी करते रहे, लेकिन पुलिस दल ने उन्हें भागने नहीं दिया और उन्हें वाहन के अंदर ही रोके रखा। आतंकवादी ने तुरंत यूबीजीएल से गोलीबारी शुरू कर दी और पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन जम्मू श्री नरेश सिंह के वाहन पर हथगोले भी फेंके, जिसमें अधिकारी बाल-बाल बचे, लेकिन उनके एक निजी सुरक्षा अधिकारी रामपाल घायल हो गए और उन्हें एसओजी कार्मिकों

ने तुरंत बाहर निकाल लिया, लेकिन आतंकवादियों की ओर से भारी गोलीबारी जारी रही। पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन जम्मू और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जम्मू के नेतृत्व में दोनों हमला दलों ने पूरी ताकत से जवाबी कार्रवाई की और हमला दलों द्वारा की गई गोलीबारी में एक और आतंकवादी मारा गया, लेकिन अन्य दो आतंकवादी ट्रक के अंदर छिपे रहे और सुरक्षा बलों पर गोलीबारी करते रहे क्योंकि उन्होंने ट्रक के अंदर ही छिपने का उचित स्थान बना लिया था।

अपर पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह, उप महानिदेशक विवेक गुप्ता मुठभेड़ स्थल पर ऑपरेशन की निगरानी कर रहे थे और बिना किसी अतिरिक्त क्षति के वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए सामने से सैनिकों का समन्वय/नेतृत्व कर रहे थे। अपर पुलिस महानिदेशक जम्मू ने बचे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का पर्याप्त अवसर दिया, लेकिन कट्टर और उच्च प्रशिक्षित आतंकवादी, जो विशिष्ट उद्देश्यों के साथ भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ कर आए थे, ने आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया और ऑपरेशनल दल पर गोलीबारी जारी रखी। इसके बाद, जैसे-जैसे मुठभेड़ आगे बढ़ी, पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) जम्मू के नेतृत्व में प्रथम पैरा सुरक्षा बल और एसओजी टीमों के सैनिकों ने सामरिक सटीकता के साथ, सटीक जवाबी गोलीबारी में शेष दो आतंकवादियों को मार गिराया। ऑपरेशनल टीमों की त्वरित और सामरिक कुशलता की मदद से तीन घंटे से अधिक समय तक चली बंदूक की भीषण लड़ाई के दौरान सभी चार आतंकवादियों को मार गिराया गया।

मुठभेड़ स्थल की प्रभावी हवाई निगरानी और आतंकवादियों का सफाया सुनिश्चित करने के लिए, एसओजी जम्मू के ड्रोन को भी लक्षित क्षेत्र के ऊपर उड़ाया गया। ऑपरेशन बिना किसी अतिरिक्त नुकसान के 4 खूंखार विदेशी आतंकवादियों के खात्मे के साथ समाप्त हुआ और भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इसके तुरंत बाद, मुठभेड़ स्थल से चारों आतंकवादियों (सभी विदेशी आतंकवादी थे और जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े थे) के शव भारी मात्रा में हथियारों/गोला-बारूद/विस्फोटक और अन्य आपत्तिजनक सामग्री के साथ बरामद किए गए और उन्हें कब्जे में ले लिया गया। आगे की जांच के लिए नगरोटा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307/120-बी/121/122/123, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/25/26/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 और 18 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 435/2022 दर्ज की गई है।

केवल ऑपरेशन टीम द्वारा उत्कृष्ट कमान और नियंत्रण के साथ-साथ उनके द्वारा प्रदर्शित विशिष्ट बहादुरी और कर्तव्य के प्रति अत्यंत समर्पण के कारण ही संपूर्ण ऑपरेशन बिना किसी अतिरिक्त नुकसान के पूरा किया जा सका। सामान्य रूप से ऑपरेशनल टीमों के सदस्यों और विशेष रूप से पुलिस अधीक्षक नरेश सिंह, पुलिस उपाधीक्षक सुनील सिंह जसरोटिया, पुलिस उपाधीक्षक नितीश खजूरिया, सहायक उप-निरीक्षक सुभाष चंदर, सहायक उप-निरीक्षक कश्मीर सिंह, एस.जी.सीटी संदीप कुमार और एस.जी.सीटी शब्बीर अहमद ने जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र को आतंकवादी हमले के बड़े खतरे से बचाया और अदम्य वीरता, साहस, बहादुरी और उत्कृष्ट समर्पण का प्रदर्शन किया तथा सभी 04 विदेशी आतंकवादियों (एफटी) को खत्म करने के ऑपरेशन में असाधारण प्रदर्शन किया। ये सभी आतंकवादी फिदायीन ("ए++" श्रेणी), अत्यधिक कट्टर तथा प्रशिक्षित थे और अपने साथ युद्ध जैसी सामग्री ले जा रहे थे और इनका मकसद महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर हमला करना तथा जम्मू में आगामी वीवीआईपी यात्रा को बाधित करना था और वे लंबी अवधि के लिए बड़ी लड़ाई के लिए प्रतिबद्ध थे।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वोच्च/नरेश सिंह, पुलिस अधीक्षक, सुनील सिंह जसरोटिया, पुलिस उपाधीक्षक, नितीश खजूरिया, पुलिस उप-निरीक्षक, सुभाष चंदर, सहायक उप-निरीक्षक, कश्मीर सिंह, सहायक उप-निरीक्षक, संदीप कुमार, एस.जी.सीटी और शब्बीर अहमद, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 28.12.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/129/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 122--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री मनीष कुमार	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29.08.2021 को पुंछ पुलिस स्टेशन के क्षेत्राधिकार में देगवार सेक्टर में बांदी-कठुआ नाला में 3/4 आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। यह सूचना मिलने पर, एसओजी पुंछ और सेना के एक दल ने लगभग 20:00 बजे बांदी-कठुआ नाला देगवार क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया। दिनांक 30.08.2021 को लगभग 07:30 बजे, घात लगाकर निगरानी करने वाले दल ने 3/4

आतंकवादियों की गतिविधि देखी। ऑपरेशन दल द्वारा चुनौती दिए जाने पर, आतंकवादियों ने एके तथा यूबीजीएल से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सटीक जवाब दिया गया। इसके बाद हुई गोलीबारी में, एक आतंकवादी को मार गिराया गया और तीन आतंकवादी गंभीर रूप से घायल हो गए। हथियार/गोला-बारूद के साथ एक अज्ञात आतंकवादी का शव बरामद किया गया। डॉ. विनोद कुमार, भापुसे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ, सीओ 5 राजपूत दुर्गा बटालियन और पुलिस उपाधीक्षक मनीष कुमार (पीसी) पुंछ की समग्र देखरेख में यह पूरा ऑपरेशन रणनीतिक ढंग से चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप देगवार सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर एक खूंखार विदेशी आतंकवादी को मार गिराया गया। यह ऑपरेशन दिनांक 30.08.2021 को 13:00 बजे तक जारी रहा। आगे की जांच के लिए पुंछ पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307/120-बी/121/122, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/25/26/27, ईएंडआईएमसीओ अधिनियम की धारा 2/3 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 215/2021 दर्ज की गई है।

सर्वोच्च स्तर की पेशेवरता तथा साहस और तालमेल के चलते सेना की टुकड़ी और पुलिस ने एक खूंखार आतंकवादी को मार गिराने तथा तीन अन्य आतंकवादियों को गंभीर रूप से घायल करने में सफलता प्राप्त की। इसके अलावा मारे गए आतंकवादी का शव बिना किसी अतिरिक्त नुकसान के नियंत्रण रेखा के करीब से बरामद किया गया। बाद में मारे गए आतंकवादी की पहचान मोहम्मद अकरम उर्फ अंजला भाई उर्फ अब्जला गाजी पुत्र सरदार निवासी गुजरां वाला पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के रूप में हुई। डॉ. विनोद कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुंछ द्वारा उत्कृष्ट कमान और नियंत्रण के साथ-साथ अत्यंत बहादुरी और कर्तव्य के प्रति अत्यधिक समर्पण के प्रदर्शन तथा पुलिस टीम के अन्य सदस्यों और विशेष रूप से पुलिस उपाधीक्षक मनीष कुमार की अनुकरणीय बहादुरी के चलते संपूर्ण ऑपरेशन बिना किसी अतिरिक्त नुकसान के पूरा किया गया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के श्री मनीष कुमार, पुलिस उपाधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 29.08.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/133/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 123--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम), वीरता पदक का प्रथम बार, वीरता पदक का द्वितीय बार और वीरता पदक का तृतीय बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	युगल कुमार	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
2.	फ़ारूक अहमद अवान	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक का तृतीय बार
3.	सफ़ीर लोन	सिपाही	वीरता पदक का द्वितीय बार
4.	गुलाम जिलानी गोजर (दीदाद)	फॉलोअर	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.12.2021 को, अवंतीपोरा पुलिस को कुपवाड़ा पुलिस से हरदुमिर त्राल गांव में एक आवासीय घर में प्रतिबंधित संगठन अंसार गजवत-उल-हिंद (एजीयूएच) के आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई, जो इलाके में किसी आतंकी घटना के लिए आपराधिक साजिश रच रहे थे। सूचना का विश्लेषण/पुष्टि की गई और इसे तुरंत सेना सीओ 42 आरआर के साथ साझा किया गया। सावधानीपूर्वक एक योजना तैयार करने और सभी संभावित खतरों को ध्यान में रखने के बाद, कुपवाड़ा पुलिस, अवंतीपोरा पुलिस और सेना की 42 आरआर द्वारा गांव हरदुमिर त्राल में एक संयुक्त घेराबंदी की गई। सेना की 42 आरआर, अवंतीपोरा पुलिस और कुपवाड़ा पुलिस को संयुक्त दल सामान्य से अलग खतरनाक मार्गों को अपनाते हुए लक्षित घर की ओर बढ़ा तथा मजबूत घेराबंदी स्थापित होने तक उच्च स्तर के औचक को बनाए रखा। घेराबंदी करने और उसे मजबूत करने के बाद, लक्षित घर में आतंकवादियों की तलाश के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक युगल कुमार के नेतृत्व में कुपवाड़ा पुलिस और पुलिस अधीक्षक मोहम्मद यूसुफ के नेतृत्व में अवंतीपोरा पुलिस की संयुक्त टीम ने सहायक उप-निरीक्षक परमीत सिंह, हेड कांस्टेबल फ़ारूक अहमद अवान, सिपाही सफ़ीर लोन, फॉलोअर गुलाम जिलानी गोजर (दीदाद) और सेना की 42 आरआर की सहायता से तलाशी शुरू की।

सुरक्षा बलों की गतिविधि को भांपते ही लक्षित घर में छिपे आतंकवादियों ने घेराबंदी तोड़ने और घेरे गए क्षेत्र से भागने के लिए उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। लेकिन सूझबूझ के कारण लक्षित घर में तलाशी कर रहे तलाशी दल ने तुरंत पोजीशन ले ली तथा आत्मरक्षा में

जवाबी कार्रवाई की और इस तरह छिपे हुए आतंकवादियों के घेराबंदी वाले क्षेत्र से भागने के प्रयास को विफल कर दिया। जैसे ही आतंकवादी की उपस्थिति और सटीक स्थान की पुष्टि हुई, घेराबंदी मजबूत कर दी गई और संयुक्त टीम द्वारा मजबूती से जवाबी कार्रवाई की गई। इसके अलावा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा के मार्गदर्शन पर; पुलिस की 02 टीमों – जिसमें से एक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक युगल कुमार के नेतृत्व में, जिसमें सिपाही सफ़ीर लोन, फॉलोअर गुलाम जिलानी गोजर (दीदाद) शामिल थे, वह सेना की 42 आरआर के समकक्षों के दल के साथ पश्चिमी तरफ तैनात थी तथा दूसरी टीम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहम्मद यूसुफ के नेतृत्व में, जिसमें हेड कांस्टेबल फ़ारूक अहमद अवान शामिल थे, वह सेना की 42 आरआर के समकक्षों के दल के साथ उत्तरी तरफ तैनात थी, तथा इन दोनों टीमों को लक्षित घर के करीब पोजीशन लेने के लिए गठित किया गया था। चूंकि लक्षित घर निर्माण वाले क्षेत्र में स्थित था तथा कानून और व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने की पूरी आशंका थी, इसलिए ऐसे किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए, अवंतीपोरा पुलिस और कुपवाड़ा पुलिस को रणनीतिक रूप से उस घर के आसपास के स्थानों पर तैनात किया गया, ताकि लक्षित घर/क्षेत्र को किसी भी प्रकार के बाहरी हस्तक्षेप से मुक्त रखा जा सके, जो अन्यथा आतंकवाद-रोधी अभियान को सफलतापूर्वक पूरा करने में बाधा उत्पन्न कर सकता था।

चूंकि दिन के उजाले में ऑपरेशन करना हमेशा चुनौतियों से भरा होता है, खासकर तब जब स्थानीय आतंकवादियों के छिपे होने की खबर मिलती है। इसलिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा ने जमीनी हालात के अनुसार काम किया, रणनीति पर दोबारा गौर किया और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहम्मद यूसुफ को सलाह दी कि वे अपनी टीम के साथ दो अलग-अलग दिशाओं से जाएं, ताकि लक्षित घर और लक्षित घर के आसपास के घरों से नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। यह लक्षित घर और आसपास के घरों में फंसे नागरिकों को निकालने के लिए ऑपरेशन का एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण चरण था, क्योंकि घिरे हुए आतंकवादियों के हमले की पूरी आशंका थी। आतंकवादियों की ओर से हो रही गोलीबारी के बीच वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक युगल कुमार ने हेड कांस्टेबल फ़ारूक अहमद अवान, सिपाही सफ़ीर लोन, फॉलोअर गुलाम जिलानी गोजर (दीदाद) के साथ मिलकर यह साहसिक कार्य किया। पुलिस घटक त्राल और सेना की 42 आरआर द्वारा प्रदान की गई कवर गोलीबारी की मदद से नागरिकों को बाहर निकालना संभव हो पाया। उसके बाद, छिपे हुए आतंकवादियों को इलाके के सम्मानजनक व्यक्तियों के माध्यम से हथियार डालने और आत्मसमर्पण करने का मौका दिया गया, जिसे उन्होंने नजरअंदाज कर दिया और बदले में हमला दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की। कुपवाड़ा पुलिस, अवंतीपोरा पुलिस और 42 आरआर के संयुक्त हमला दल, जिसका नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक युगल कुमार कर रहे थे और जिसमें हेड कांस्टेबल फ़ारूक अहमद अवान, सिपाही सफ़ीर लोन, फॉलोअर गुलाम जिलानी गोजर (दीदाद) शामिल थे, ने कवर लिया और वे अपनी जान की परवाह किए बिना सामने से बहादुरी से लड़े तथा घर के अंदर उक्त आतंकवादियों को मार गिराया। बाद में मारे गए आतंकवादियों की पहचान नदीम नजीर भट्ट (श्रेणी "बी") पुत्र नजीर अहमद भट्ट निवासी कोइल शिकारगाह त्राल और राही रसूल भट्ट उर्फ आदिल (श्रेणी "बी") पुत्र जीएच. रसूल भट्ट निवासी कनिपोरा दादासरा अवंतीपोरा के रूप में हुई, दोनों ही प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन एजीयूएच से जुड़े थे। आगे की जांच के लिए त्राल पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 18, 19, 38 और 39 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 155/2021 दर्ज की गई है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री युगल कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, फ़ारूक अहमद अवान, हेड कांस्टेबल, सफ़ीर लोन, सिपाही और गुलाम जिलानी गोजर (दीदाद), फॉलोअर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 25.12.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/136/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 124--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का तृतीय बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	इफ्तखार तालिब	पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक का तृतीय बार
2.	रवीस अहमद	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	जावेद इकबाल	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	शौकत अहमद गनई	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.12.2021 को लगभग 03:00 बजे, शोपियां पुलिस को शोपियां जिले के चौगाम गांव में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विशिष्ट खुफिया जानकारी प्राप्त हुई। जानकारी के अनुसार, आतंकवादी आम जनता को धमकाने के लिए क्षेत्र में बड़ी आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी में थे।

जानकारी पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, शोपियां पुलिस ने श्रीनगर पुलिस, 44 आरआर और सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन के सहयोग से उक्त गांव में एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमृतपाल सिंह के नेतृत्व में 44 आरआर और सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन के सहयोग से शोपियां/श्रीनगर पुलिस की टीम, जिसमें पुलिस अधीक्षक इफ्तखार तालिब, पुलिस उपाधीक्षक राजा माजिद बट्ट, सहायक उप-निरीक्षक प्यारे लाल, सहायक उप-निरीक्षक बशीर अहमद, हेड कांस्टेबल रवीस अहमद, हेड कांस्टेबल मनोज पंडिता, एस.जी.सीटी इश्तियाक अहमद, एस.जी.सीटी अयाज अहमद, एस.जी.सीटी शौकत अहमद गनई, सिपाही विक्की खजूरिया, सिपाही आसिफ अली, सिपाही यासिर हमीद, सिपाही सरताज हुसैन, एसपीओ निसार अहमद, एसपीओ इरशाद अहमद, एसपीओ इश्फाक अहमद, एसपीओ जावेद अहमद और एसपीओ बलराम शर्मा शामिल थे, को 44 आरआर और सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन की एक टीम के साथ लक्षित क्षेत्र की तलाशी शुरू करने के लिए गठित किया गया। हालांकि, मौके पर ही एक निवासी से पूछताछ के दौरान, जो थोड़ा घबराया हुआ था, उसने शोपियां के चौगाम स्थित एक आवासीय घर में दो संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि की।

लक्षित आवासीय घर में आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि होने के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में प्रारंभिक संयुक्त घेराबंदी दल जिसमें पुलिस उपाधीक्षक पीसी केलर, सहायक उप-निरीक्षक पृथ्वी राज, सहायक उप-निरीक्षक बशीर अहमद, हेड कांस्टेबल जावेद इकबाल, हेड कांस्टेबल फैज मोहम्मद, हेड कांस्टेबल रवीस अहमद, एस.जी.सीटी जहूर अहमद, एस.जी.सीटी अयाज अहमद, एस.जी.सीटी शौकत अहमद गनई, सिपाही विक्की खजूरिया, सिपाही आमिल फसल, सिपाही मुश्ताक अहमद, एसपीओ मुदस्सिर अहमद और 44 आरआर/सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन की टीम शामिल थी, ने लक्षित क्षेत्र से सटे एक छोटे से इलाके को चतुराई से घेर लिया। आवासीय घर में छिपे आतंकवादियों ने ऑपरेशनल दलों की गतिविधि को भांपते हुए, घेराबंदी तोड़ने और वहां से भागने के इरादे से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

तलाशी दलों ने तुरंत कवर लिया और साहस के साथ जवाबी कार्रवाई की जिससे बंदूक की भीषण लड़ाई शुरू हो गई। उसके बाद पुलिस अधीक्षक इफ्तखार तालिब के नेतृत्व में पुलिस टीमों, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरफ, उप-निरीक्षक मोहम्मद रफीक, हेड कांस्टेबल अयाज अहमद, एस.जी.सीटी चमन लाल, सहायक उप-निरीक्षक प्यारे लाल, हेड कांस्टेबल मनोज पंडिता, सिपाही आसिफ अली, सिपाही यासिर हमीद, सिपाही सरताज हुसैन, एसपीओ निसार अहमद, एसपीओ इरशाद अहमद, एसपीओ इश्फाक अहमद और एसपीओ बलराम शर्मा शामिल थे, को छिपे हुए आतंकवादियों को खत्म करने के लिए अंतिम हमले के लिए गठित किया गया। अंतिम हमला शुरू करने से पहले, छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया और बार-बार अपील के बावजूद, आतंकवादियों की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली और उन्होंने आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया। साथ ही, छिपे हुए आतंकवादियों के परिवारों को आतंकवादियों से भावनात्मक अपील करने के लिए कहा गया था, लेकिन उनकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। जब घेराबंदी टीमों को आतंकवादियों को निशाना बनाने के लिए तैनात किया जा रहा था, तो आतंकवादियों ने घेराबंदी दल पर ग्रेनेड फेंका, जिसका दल से प्रभावी ढंग से जबाब दिया। छिपे हुए आतंकवादी पक्के मकान के एक कमरे से दूसरे कमरे में अपनी जगह बदल रहे थे। इसी दौरान, एक आतंकवादी को एके-47 जैसे हथियार के साथ लक्षित क्षेत्र में घूमते देखा गया। छिपे हुए आतंकवादियों ने घेराबंदी तोड़कर भागने के लिए चारों ओर से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

आतंकवादियों की ओर से यह अंधाधुंध गोलीबारी विशेष रूप से उपरोक्त दलों के लिए बहुत घातक साबित हो रही थी, जो उनकी भारी मात्रा में गोलीबारी की चपेट में आ गए थे। तथापि, इन दलों ने अपनी एकाग्रता नहीं खोई और अपनी जान की परवाह किए बिना जवाबी कार्रवाई जारी रखी। आतंकवादियों की ओर से इस घातक अंधाधुंध गोलीबारी के बावजूद, पुलिस अधीक्षक इफ्तखार तालिब ने पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरफ और उनकी टीम के साथ अपनी जान की परवाह किए बिना सामने से आतंकवादियों की गोलीबारी का बहादुरी से जवाब दिया। तलाशी के दौरान, मारे गए दोनों आतंकवादियों के शव उनके हथियारों और गोला-बारूद के साथ बरामद किए गए, जिनकी पहचान बाद में राजा बासित याकूब नजर पुत्र मोहम्मद याकूब नजर निवासी अचन, पुलवामा (लश्कर-ए-तैयबा संगठन का श्रेणी "सी") और सज्जाद अहमद चेक पुत्र बशीर अहमद चेक निवासी बरारिपोरा, शोपियां (लश्कर-ए-तैयबा संगठन का श्रेणी "सी") के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए शोपियां पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 301/2021 दर्ज की गई है।

पुलिस अधीक्षक इफ्तखार तालिब, हेड कांस्टेबल रवीस अहमद, हेड कांस्टेबल जावेद इकबाल और एस.जी.सीटी शौकत अहमद गनई जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना, कुशलतापूर्वक और बुद्धिमानी से आतंकवादियों का मुकाबला किया, के द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता और अदम्य साहस, उल्लेखनीय था और अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने अपनी सूझबूझ और कुशल पुलिस व्यवस्था के बल पर घेरे गए क्षेत्र में फंसे नागरिकों को सुरक्षित निकाला और नागरिक हताहत होने से बच गए।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री इफ्तखार तालिब, पुलिस अधीक्षक, रवीस अहमद, हेड कांस्टेबल, जावेद इकबाल, हेड कांस्टेबल और शौकत अहमद गनई, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 25.12.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/137/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 125--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्यवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	राजा माजिद बट्ट	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	ज़हूर अहमद वानी	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	मोहम्मद शफी डार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.02.2022 को लगभग 11:00 बजे, शोपियां पुलिस को शोपियां के अमशीपोरा गांव में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई, जो आम जनता को डराने के लिए क्षेत्र में बड़ी आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे।

इस पर, शोपियां पुलिस ने 44 आरआर, सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन के सहयोग से कुलगाम पुलिस के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया और प्रारंभिक घेराबंदी करते समय, यह निर्णय लिया गया कि गांव के अंदर मौजूद नागरिकों को बिना घबराए या स्थिति बिगड़े बिना, आंतरिक घेरे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया जाए। लक्षित क्षेत्र की तलाशी शुरू करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमृतपाल सिंह के नेतृत्व में 44 आरआर और सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन के सहयोग से शोपियां/कुलगाम पुलिस की एक टीम का गठन किया गया, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक राजा माजिद बट्ट, हेड कांस्टेबल ज़हूर अहमद वानी, हेड कांस्टेबल मोहम्मद शफी डार और अन्य शामिल थे। हालांकि, उक्त गांव के सभी निवासियों ने शुरू में आतंकवादियों की मौजूदगी से इनकार कर दिया। लेकिन मौके पर ही एक निवासी से पूछताछ की गई, जो थोड़ा घबराया हुआ था, और जब उस पर थोड़ा दबाव डाला गया, तो उसने शकील अहमद खान पुत्र अब्दुल रहीम खान निवासी अमशीपोरा शोपियां की गौशाला में दो संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि की।

इसके बाद, छिपे हुए आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए अंतिम हमले के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम के नेतृत्व में पुलिस टीमों का गठन किया गया। अंतिम हमला शुरू करने से पहले, घिरे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया और इसके बजाय सुरक्षा बलों पर भारी गोलीबारी और ग्रेनेड दागे। उसी समय, एक आतंकवादी को एके जैसे हथियार के साथ लक्षित क्षेत्र में घूमते देखा गया। उसकी हरकत को देखते हुए, पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरफ और उनकी टीम ने कुछ गोलियां चलाईं, जिसका आतंकवादियों ने जवाब दिया। गोलीबारी के दौरान, आतंकवादियों ने लक्षित क्षेत्र से भागने की कोशिश की, उनके भागने की हरकत स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी और आतंकवादियों की हरकत को देखकर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम और उनकी टीम ने आत्मरक्षा में आतंकवादियों पर भारी गोलीबारी की, जिसमें आतंकवादी घायल हो गए और गौशाला से भागने में विफल रहे।

आतंकवादियों ने पुलिस/सुरक्षा बलों की घेराबंदी तोड़ने के लिए चारों ओर से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। भीषण गोलीबारी के दौरान, 44वीं आरआर के दो सैनिक, सिपाही हनमंत धारेप्पा आयत और सिपाही लक्ष्मी नारायण तथा एक नागरिक, शकील अहमद खान पुत्र अब्दुल रहीम खान निवासी अमशीपोरा शोपियां, उक्त ऑपरेशन में घायल हो गए। सभी घायलों को चिकित्सा के लिए अस्पताल ले जाया गया और बाद में, घायल नागरिक ने दम तोड़ दिया। हालांकि, तैनात बलों ने अपनी एकाग्रता नहीं खोई और अपनी जान की परवाह किए बिना आतंकवादियों की गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया। आतंकवादियों की ओर से इस घातक अंधाधुंध गोलीबारी के बावजूद, श्री मोहम्मद अशरफ, पुलिस उपाधीक्षक पीसी इमामसाहब और उनकी टीम ने अपनी जान की परवाह किए बिना बहादुरी से आतंकवादियों की गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया। चूंकि गोलीबारी बहुत ज्यादा थी, आतंकवादी अपनी आखिरी लड़ाई में हताशा में उठ खड़े हुए और जैसे ही उन्होंने गौशाला के सामने अपनी पोজیشن का खुलासा किया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम और उनकी टीम ने साहस से आतंकवादियों पर तीन तरफ से गोलियों की बौछार कर दी और गोलीबारी में दो आतंकवादी ढेर हो गए। तलाशी ली गई, जिसमें मारे गए आतंकवादियों के शव उनके हथियारों सहित बरामद किए गए और बाद में उनकी पहचान मुजम्मिल अहमद मीर उर्फ फैजान पुत्र अब्दुल हमीद मीर निवासी चत्रीपोरा शोपियां (लश्कर संगठन का श्रेणी "सी") और शरीक अयूब वागय पुत्र मोहम्मद अयूब वागय निवासी अमशीपोरा शोपियां (लश्कर संगठन का श्रेणी "सी") के रूप में हुई। मारे

गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए हीरपोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18 और 20 तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3/5 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 06/2022 दर्ज की गई है।

पुलिस उपाधीक्षक राजा माजिद बट्ट, हेड कांस्टेबल ज़हूर अहमद वानी, हेड कांस्टेबल मोहम्मद शफी डार, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना, कुशलतापूर्वक और बुद्धिमानी से आतंकवादियों का मुकाबला किया, द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता और अदम्य साहस उल्लेखनीय था और अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। उन्होंने अपनी एकाग्रता खोए बिना और सूझबूझ के साथ बहादुरी से मुकाबला किया तथा आतंकवादियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री राजा माजिद बट्ट, पुलिस उपाधीक्षक, ज़हूर अहमद वानी, हेड कांस्टेबल और मोहम्मद शफी डार, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 25.02.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/142/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 126--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	जहूर अहमद	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	शमीम अहमद कुली	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
3.	सज्जाद हुसैन मलिक	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
4.	बशीर अहमद	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11.03.2022 को शाम के समय, पुलवामा पुलिस को पुलवामा के चेवा कलां गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विशिष्ट जानकारी प्राप्त हुई, जो सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने तथा आम जनता में दहशत पैदा करने के लिए इलाके में आतंकी कार्रवाई करने की रणनीति बना रहे थे। तदनुसार, जानकारी को 50 आरआर और सीआरपीएफ की 182वीं/183वीं बटालियन के साथ साझा किया गया और उक्त गांव के इलाके के संबंध में गहन चर्चा के बाद, उक्त गांव में संदिग्ध क्षेत्र की संयुक्त घेराबंदी शुरू करने का निर्णय लिया गया। संदिग्ध क्षेत्र की मजबूती से घेराबंदी करने के बाद, ऑपरेशनल कमांडर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने सहायक उप-निरीक्षक जहूर अहमद वानी, एस.जी.सीटी शमीम अहमद कुली, एस.जी.सीटी अख्तर अली, सिपाही जुल्करनैन अली, एसपीओ शाही जॉन, एसपीओ जावीद अहमद तेली और एसपीओ शाहिद मंजूर मीर सहित एक पुलिस दल को अपर पुलिस अधीक्षक तनवीर अहमद डार की कमान में 50 आरआर और सीआरपीएफ की 182वीं/183वीं बटालियन की क्यूआरटी के साथ लक्षित क्षेत्र में तलाशी लेने के लिए भेजा। तलाशी प्रक्रिया के दौरान, संयुक्त पुलिस/सुरक्षा बल टीम ने स्थानीय दरसगाह (दारुल-उलूम) में आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि की।

इस पर, तैनात बलों को सतर्क रहने के लिए जानकारी दी गई; हालांकि, उन्हें आतंकवादियों से लड़ते समय धार्मिक संस्थान (दरसगाह) का समुचित ध्यान रखने के लिए भी कहा गया। उक्त दरसगाह के चारों ओर घेराबंदी को मजबूत करते समय, इसमें छिपे हुए आतंकवादियों ने सैनिकों पर, उन्हें मारने के इरादे से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और मौके से भागने की कोशिश की, जिसके परिणामस्वरूप एक नागरिक घायल हो गया, जिसे तुरंत मुठभेड़ स्थल से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। चूंकि ऑपरेशन रात के समय शुरू किया गया था और जनहानि की पूरी आशंका थी, इसलिए नागरिकों को सुरक्षा होल्डअप क्षेत्र से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का निर्णय लिया गया। इसके बाद, पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की दो समर्पित संयुक्त टीमों का गठन किया गया तथा उन्हें आतंकवादियों से समर्पित रूप से लड़ने और उनका खात्मा करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया गया।

सहायक उप-निरीक्षक जहूर अहमद, एस.जी.सीटी शमीम अहमद कुली, एस.जी.सीटी सज्जाद हुसैन मलिक, एस.जी.सीटी बशीर अहमद, एस.जी.सीटी अख्तर अली, सिपाही जुल्करनैन अली, एसपीओ शाही जॉन, एसपीओ जावीद अहमद तेली, एसपीओ शाहिद मंजूर मीर तथा 50

आरआर और सीआरपीएफ की 182वीं/183वीं बटालियन की क्यूआरटी की सहायता से अपर पुलिस अधीक्षक तनवीर अहमद डार के नेतृत्व में एक दल को लक्ष्य स्थान के पीछे की ओर पोजीशन लेने का निदेश दिया गया और पुलिस उपाधीक्षक साकिब गनी के नेतृत्व में दूसरे दल को आतंकवादियों से लड़ने के लिए सामने की तरफ (आंतरिक घेराबंदी की) तैनात किया गया।

नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकालने और भागने के सभी संभावित रास्तों तथा अंदरूनी रास्तों को बंद करने के बाद, छिपे हुए आतंकवादियों से सुरक्षा बलों के सामने हथियार डालने को कहा गया, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया तथा सैनिकों को मारने के इरादे से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और पीछे की ओर से भागने की कोशिश की, हालांकि अपर पुलिस अधीक्षक तनवीर अहमद डार के नेतृत्व में क्षेत्र में तैनात संयुक्त दल तुरंत हरकत में आया और आतंकवादियों की गोलीबारी का समर्पण के साथ जवाब दिया तथा एक आतंकवादी को मार गिराया। इस पर, एक अन्य आतंकवादी पीछे मुड़ा और उसने लक्षित घर के सामने की ओर से भागने की कोशिश की, हालांकि, पुलिस उपाधीक्षक साकिब गनी की कमान में दूसरे संयुक्त दल ने क्षेत्र में मोर्चा संभालते हुए बहादुरी से मुकाबला किया और उक्त आतंकवादी को भी मार गिराया।

तलाशी के दौरान मुठभेड़ स्थल से दो आतंकवादियों के शव और कुछ हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में कमाल भाई (विदेशी आतंकवादी, “ए”-श्रेणी) निवासी पाकिस्तान और अकीब मुश्ताक भट्ट उर्फ जुलकरनैन उर्फ तोइब (“बी”-श्रेणी) पुत्र मुश्ताक अहमद भट्ट निवासी करीमाबाद पुलवामा के रूप में हुई तथा ये दोनों जैश-ए-मोहम्मद संगठन से जुड़े थे। मारे गए आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए पुलवामा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19, 20 और 38 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 50/2022 दर्ज की गई है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री जहूर अहमद, सहायक उप-निरीक्षक, शमीम अहमद कुली, एस.जी.सीटी, सज्जाद हुसैन मलिक, एस.जी.सीटी और बशीर अहमद, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 11.03.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/143/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 127--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	रईस अहमद गनई	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
2.	उमर माजिद मीर	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02.02.2022 को, शोपियां पुलिस को नादिगाम-नौपोरा, शोपियां के बाग वाले इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। नादिगाम गांव, अपनी स्थलाकृति, घने बागों और आतंकवादियों के समर्थन आधार के कारण आतंकवाद की दृष्टि से बहुत संवेदनशील रहा है, और ऐसे में इस क्षेत्र में ऑपरेशन चलाना पुलिस/सुरक्षा बलों के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। सूचना को तुरंत सीओ 34 आरआर और कमांडेंट सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के साथ साझा किया गया और गहन विचार-विमर्श के बाद, छिपे हुए आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए लक्षित क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया गया।

तदनुसार, निर्धारित योजना के अनुसार, सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन, 34 आरआर और शोपियां पुलिस की संयुक्त टीमों ने श्री अमृतपाल सिंह, भापुसे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां की समग्र कमान में तुरंत घेराबंदी कर दी। चूंकि बाग का इलाका काफी बड़ा था और भारी बर्फबारी से ढका हुआ था, इसलिए छिपने के संदिग्ध ठिकाने का पता लगाने के लिए नादिगाम-नौपोरा गांव के बाग क्षेत्र के बीच ड्रोन उड़ाने का फैसला किया गया। ड्रोन निगरानी के दौरान, बाग के इलाके में छिपने का एक संदिग्ध ठिकाना नजर आया। ठिकाने का छेद खुला था तथा ठिकाने के ऊपर एक लोहे का दरवाजा दिखाई दिया। तुरंत ही, सभी संयुक्त टीमों को सतर्क कर दिया गया और भीतरी घेराबंदी को कड़ा करने के लिए इलाके को सील कर दिया गया। एस.जी.सीटी रईस अहमद गनई, सिपाही उमर माजिद मीर तथा अन्य, सेना की 34 आरआर और

सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन सहित शोपियां पुलिस के संयुक्त सैनिकों को सभी दिशाओं से बाग के इलाके में घुसने और निर्धारित योजना के अनुसार आगे बढ़ने का आदेश दिया गया।

जब संयुक्त बल, छिपने के संदिग्ध ठिकाने की ओर बढ़ रहे थे, आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों की गतिविधि को भांपते हुए प्रारंभिक संयुक्त घेराबंदी दल पर काफी दूरी से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और निकटवर्ती गांव नादिगाम की ओर भाग गए। इस पर, आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की गई, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया और गोलीबारी तेज कर दी। चूंकि बाग सेब के पेड़ों से भरा हुआ था और भारी बर्फ से ढका हुआ था, इसलिए संयुक्त घेराबंदी दल तेजी से संदिग्ध ठिकाने की ओर सामरिक रूप से आगे बढ़े। भागते हुए आतंकवादी ने संयुक्त बलों पर गोलीबारी जारी रखी। दल को बहुत करीब आते देख, संदिग्ध आतंकवादी ने उक्त संयुक्त दल पर भारी गोलीबारी की, जो उसके करीब आने की कोशिश कर रहा था। इस समय, संयुक्त टीम संदिग्ध आतंकवादी की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गई। इस हमले के बावजूद, संयुक्त टीम ने अपनी एकाग्रता बनाए रखी और आगे बढ़ती रही। आतंकवादी द्वारा किया गया यह घातक हमला दर्शाता है कि वह बर्फीली जमीन और प्रतिकूल परिस्थितियों में दौड़ते हुए हथियार चलाने में अत्यधिक प्रशिक्षित था। चूंकि आतंकवादी अत्याधुनिक हथियार के साथ दिखाई दे रहा था और संयुक्त अभियान दल पर गोलीबारी कर रहा था, जवाबी कार्रवाई में और परिचालन कौशल का उपयोग करते हुए, शोपियां पुलिस, 34 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के संयुक्त ऑपरेशन दल ने आत्मरक्षा में गोलीबारी की। लोहे की ढाल के साथ आगे बढ़ना असंभव था, क्योंकि जमीन भारी बर्फ से ढकी हुई थी। पुलिस उपाधीक्षक राजा माजिद बट्ट, पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरीफ, हेड कांस्टेबल अयाज अहमद, एस.जी.सीटी शाहबाज अहमद, एस.जी.सीटी रईस अहमद गनई, सिपाही मोहम्मद यासीन, एसपीओ इश्फाक मजीद और एसपीओ मोहम्मद शफी की संयुक्त ऑपरेशनल टीम ने भागते हुए आतंकवादी पर एक साथ गोलियां बरसाईं और जवाबी गोलीबारी में उसे मार गिराया।

हालांकि, इस गोलीबारी के बाद दोनों तरफ से कोई गोलीबारी नहीं हुई लेकिन घेरे हुए इलाके में एक लापता संदिग्ध आतंकवादी होने की संभावना थी। तदनुसार, घेरे में छिपे अन्य आतंकवादी को खोजने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा एक संयुक्त तलाशी शुरू की गई। संयुक्त सैनिकों द्वारा व्यापक तलाशी ली गई लेकिन घेरे हुए इलाके की तलाशी लेने के बावजूद कुछ नहीं मिला। फिर मुठभेड़ स्थल से मारे गए आतंकवादी का शव बरामद किया गया और उसकी पहचान उमर इश्फाक मलिक पुत्र अबुल अहद मलिक निवासी बंगम, शोपियां के रूप में हुई। मारा गया आतंकवादी हिजबुल मुजाहिदीन आतंकवादी संगठन के जिला कमांडर के रूप में कार्य कर रहा था और विभिन्न आतंकवादी घटनाओं में शामिल था। उसके खात्मे से सामान्य तौर पर दक्षिण कश्मीर और विशेष रूप से शोपियां जिले में आतंकवादी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए इमामसाहिब पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 01/2022 दर्ज की गई है।

एस.जी.सीटी रईस अहमद गनई और सिपाही उमर माजिद मीर ने अपनी जान की परवाह किए बिना आतंकवादियों से लड़ते हुए जिस पेशेवरता और अदम्य साहस का परिचय दिया, वह अद्भुत था और अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। हालांकि, आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी करके सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें वे बाल-बाल बचे। फिर भी, उन्होंने अपनी एकाग्रता खोए बिना, बहादुरी से मुकाबला किया और उसके नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री रईस अहमद गनई, एस.जी.सीटी और उमर माजिद मीर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 02.02.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/144/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 128--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मोहम्मद अमीन भट्ट	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	ज़िया-उर-रहमान	निरीक्षक	वीरता पदक
3.	गुलाम हसन मीर	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 09.03.2021 को, श्री मोहम्मद अमीन भट्ट, पुलिस उपाधीक्षक, सोपोर को मुखबिर के माध्यम से कनिपोरा तुज्जेर में एक आवासीय घर में अल-बद्र संगठन के आतंकवादी कमांडर की मौजूदगी के संबंध में विशिष्ट जानकारी प्राप्त हुई। तदनुसार, पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अमीन भट्ट ने अपने एस्कॉर्ट कार्मिकों के साथ एक सिविल वाहन में लक्षित घर और उसके आस-पास के क्षेत्र और लक्षित घर तक पहुंचने वाले मार्गों की पहचान करने के लिए क्षेत्र की रेकी की। लक्षित घर की पहचान के बाद, निरीक्षक ज़िया-उर-रहमान और निरीक्षक इश्फाक अहमद के नेतृत्व में पुलिस घटक सोपोर की दो क्यूआरटी बनाई गई। निरीक्षक परवीन कुमार के नेतृत्व में पीसी बडूरा की पहली क्यूआरटी और निरीक्षक इम्तियाज अहमद एसएचओ पुलिस स्टेशन बोमई के नेतृत्व में बोमई पुलिस स्टेशन की दूसरी क्यूआरटी को तुरंत बोमई पुलिस स्टेशन बुलाया गया, जहां ऑपरेशन को अंजाम देने की पूरी योजना बनाई गई तथा उसके अनुसार तुरंत संदिग्ध क्षेत्र और लक्षित घर की घेराबंदी कर दी गई।

मुखबिर की जानकारी के अनुसार, आतंकवादी को आवासीय घर में केवल आधे घंटे तक रहना था। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आतंकवादी मौके से भाग न सके, सभी प्रवेश और निकास मार्गों को बंद कर दिया गया। घेराबंदी की प्रक्रिया के दौरान, पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) सोपोर के नेतृत्व वाली क्यूआरटी द्वारा पहले से ही पहचाने गए लक्षित घर में संदिग्ध गतिविधि देखी गई और तदनुसार तुरंत सूचना ऑपरेशन में शामिल सभी अन्य क्यूआरटी को दे दी गई। कुछ समय बाद, छिपा हुआ आतंकवादी आवासीय घर से बाहर आया और उसने पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) सोपोर के नेतृत्व वाली क्यूआरटी पर अंधाधुंध गोलीबारी की और एक-दूसरे पर शुरुआती गोलीबारी में वह घायल हो गया, हालांकि घायल होने के बावजूद वह भाग गया और पास के एक अन्य परिसर में घुसने में कामयाब रहा।

चूंकि लगभग 10-12 घर घेरे के अंदर थे और इन घरों में रहने वाले अपने-अपने घरों में फंसे हुए थे और अगर इसी समय मुठभेड़ में आखिरी हमला किया जाता तो नागरिकों के हताहत होने की आशंका थी। इसलिए, नागरिकों के हताहत होने से बचने के लिए, सबसे पहले नागरिकों को बाहर निकालने के लिए क्यूआरटी को कार्य पर लगाया गया और इस प्रयास में, कम से कम 10-12 घरों में फंसे सभी नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। फंसे हुए नागरिकों को पूरी तरह से बाहर निकालने के बाद, सभी प्रवेश और निकास मार्गों को फिर से सील करके घेराबंदी और कड़ा कर दिया गया तथा छिपे हुए आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने को कहा गया, लेकिन उसने तुरंत अनुरोध को ठुकरा दिया और तलाशी दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसका तुरंत और प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप एक संक्षिप्त मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में अल-बद्र संगठन का एक आतंकवादी मारा गया, जिसकी पहचान बाद में मुख्य कमांडर अब्दुल गनी ख्वाजा उर्फ स्किंडर उर्फ कारी जलील पुत्र मोहम्मद मुख्तार ख्वाजा निवासी कालगुंड, हंदवाड़ा के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में बोमई पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307 और भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 11/2021 दर्ज की गई है। मारा गया आतंकवादी एक कट्टर आतंकवादी था और उसने लंबे समय से पुलिस जिला सोपोर तथा हंदवाड़ा के क्षेत्राधिकार में निर्दोष नागरिकों की हत्या करके आम लोगों, खासकर राजनीतिक कार्यकर्ताओं, के बीच आतंक का राज कायम कर रखा था और वह सुरक्षा बलों तथा पुलिस पर कई आतंकी हमलों में शामिल था।

इस तत्काल ऑपरेशन में पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अमीन भट्ट, निरीक्षक ज़िया-उर-रहमान और सिपाही गुलाम हसन मीर ने अदम्य साहस, पेशेवरता और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया और उनका योगदान हर तरह से प्रशंसनीय और वीरतापूर्ण है। उनके अतुलनीय योगदान के कारण ही एक कट्टर आतंकवादी कमांडर बिना किसी अतिरिक्त क्षति के मारा गया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री मोहम्मद अमीन भट्ट, पुलिस उपाधीक्षक, ज़िया-उर-रहमान, निरीक्षक और गुलाम हसन मीर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 09.03.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/170/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 129--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सुश्री ममता शर्मा	पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	अर्जुन मगोत्रा	निरीक्षक	वीरता पदक

3.	महेश चंदर	एस.जी.सीटी	वीरता पदक
4.	सुखदेव सिंह	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 21/22.04.2022 की मध्यरात्रि को, जम्मू क्षेत्र के सुंजवान में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) आतंकवादी संगठन के दो/तीन फिदायीन पाकिस्तानी आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विश्वसनीय सूचना के आधार पर, पुलिस अधीक्षक पीसी जम्मू और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जम्मू ने ऑपरेशन की योजना बनाई और लक्षित क्षेत्र को चिह्नित किया तथा संदिग्ध मोहल्ला अर्थात्, ग्रीन वैली, गाजियाबाद, सुंजवान और उसके आसपास के क्षेत्र की घेराबंदी करने की योजना बनाई। सूचना से पता चला कि इन आतंकवादियों को विशिष्ट रूप से महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर हमला करने और जम्मू में आगामी वीवीआईपी यात्रा को बाधित करने का काम सौंपा गया है।

अच्छी तरह से घेराबंदी करने के बाद, यह सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया गया कि नागरिक सुरक्षित रहें और आतंकवादी घेरा तोड़कर भाग न सकें। लगभग 03:35 बजे तलाशी के दौरान, आतंकवादियों को संदेह हुआ कि वे सुरक्षा बलों द्वारा घेर लिए गए हैं और सुरक्षा अधिकारियों को मारकर आतंक पैदा करने के इरादे से अपनी उपस्थिति दिखाने के लिए, उन्होंने एसओजी जम्मू के बीपी बंकर और पुलिस की एक जिप्सी पर ग्रेनेड से हमला किया तथा जमीन पर तैनात सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। एक-दूसरे पर गोलीबारी के दौरान, सीआईएसएफ के एक अधिकारी मौके पर ही शहीद हो गए और हेड कांस्टेबल बलराज सिंह और एसपीओ साहिल कुमार शर्मा घायल हो गए। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए, निरीक्षक नायत अली ने पुलिस उप-निरीक्षक मोहम्मद यूनिस् खांडे की सहायता से अपनी जान की परवाह किए बिना गोलियों का सामना किया और वे शहीद सहायक उप-निरीक्षक के पास पहुंचे और उनके पार्थिव शरीर को वहां से बाहर निकाला। घायल जवान हेड कांस्टेबल बलराज सिंह और एसपीओ साहिल कुमार शर्मा, जो मुठभेड़ स्थल पर खून से लथपथ पड़े थे, को निरीक्षक सुधीर शर्मा और निरीक्षक जय पॉल शर्मा द्वारा बहुत कठिन प्रयासों के बाद बाहर निकाला गया। बचाव दल ने गोलियों का सामना करते हुए घायल जवानों को बचाने में अदम्य साहस और बहादुरी का परिचय दिया। बचाव अधिकारियों द्वारा समय पर की गई बहादुरीपूर्ण कार्रवाई घायल जवानों के बहुमूल्य जीवन को बचाने में सहायक रही।

घायलों को निकालने के तुरंत बाद, हमला दल गठित किए गए। एक हमला दल का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक पीसी जम्मू नरेश सिंह ने किया, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन जावेद अहमद, पुलिस उपाधीक्षक ऑपरेशन वसीम महमूद, निरीक्षक पवन सिंह, निरीक्षक अर्जुन मगोत्रा और एसओजी जम्मू के अन्य कार्मिक शामिल थे। दूसरे हमला दल का नेतृत्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जम्मू चंदन कोहली ने किया, जिसमें पुलिस अधीक्षक ममता शर्मा, निरीक्षक समीर जेलानी, सहायक उप-निरीक्षक बलबीर सिंह, जिला पुलिस के अन्य कार्मिक और सीआरपीएफ तथा 9 पैरा विशेष बल के कार्मिक भी शामिल थे।

आतंकवादियों की गोलीबारी का जवाब देते हुए, हमला टीमों ने भी आतंकवादियों पर जवाबी गोलीबारी की और मुठभेड़ शुरू हो गई और दोनों ओर से कुछ देर तक गोलीबारी जारी रही। आतंकवादी अच्छी तरह से प्रशिक्षित थे और उनके पास भारी मात्रा में हथियार तथा गोला-बारूद था, जिसमें आईईडी और ग्रेनेड भी शामिल थे। जब हमला टीमों में से एक ने ऊंचे इलाके से आतंकवादियों पर गोलीबारी की, तो वे अंधेरे का फायदा उठाकर एक खाली घर की ओर भागे और उसमें छिप गए। दूसरी हमला टीम ने सुरक्षा बलों को अधिकतम नुकसान पहुंचाने की आतंकवादियों की योजना को विफल करने के लिए उस घर को चारों ओर से घेर लिया।

दोनों हमला टीमों उस घर के बहुत करीब तैनात थीं जहां आतंकवादी छिपे हुए थे और वे आतंकवादियों की फायरिंग रेंज में थीं, लेकिन इसके बावजूद, अधिकारियों/कार्मिकों ने अपनी पोजीशन बनाए रखने में अत्यंत साहस और बहादुरी का परिचय दिया तथा आतंकवादियों की गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया। छिपे हुए आतंकवादियों ने दोनों हमला टीमों पर स्वचालित हथियारों, यूबीजीएल ग्रेनेडों से भारी गोलीबारी की क्योंकि वे हताश थे और घेरा तोड़कर मुठभेड़ स्थल से भागने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन दोनों हमला टीमों ने पेशेवर तरीके से जवाबी कार्रवाई की और बहुत बहादुरी तथा चतुराई से मुकाबला किया।

अपर पुलिस महानिदेशक जम्मू, मुकेश सिंह, भापुसे और पुलिस उपमहानिदेशक जम्मू कटुआ सांबा रेंज, विवेक गुप्ता, भापुसे मुठभेड़ स्थल पर ऑपरेशन की निगरानी कर रहे थे और बिना किसी अतिरिक्त नुकसान के वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए सैनिकों का समन्वय/नेतृत्व कर रहे थे और उन्होंने आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का पर्याप्त अवसर दिया तथा बार-बार घोषणाएं कीं, लेकिन आतंकवादी फिदायीन, कट्टर और उच्च प्रशिक्षित विदेशी आतंकवादी थे। इस समय तक, यह स्पष्ट हो गया था कि ये आतंकवादी पूरी तरह से कट्टरपंथी हो चुके थे और उन्हें फिदायीन हमला करने का काम सौंपा गया था। हमला टीमों ने रात भर आतंकवादियों की गोलीबारी का जवाब दिया और सुबह पहली किरण तक अपनी पोजीशन बनाए रखी तथा यह सुनिश्चित किया कि आतंकवादी सुरक्षा बल की घेराबंदी को तोड़ न सकें।

अंततः, नरेश सिंह, पुलिस अधीक्षक पीसी जम्मू, चंदन कोहली भापुसे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जम्मू के नेतृत्व में हमला टीमों ने सीआरपीएफ और 9 पैरा की सहायता से आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए ऑपरेशन को अंजाम दिया। आतंकवादी एक छोटे बाथरूम के अंदर छिपे हुए थे जो मुख्य घर से अलग था। आतंकवादी बाथरूम के अंदर से पुलिस दल पर बार-बार गोलीबारी कर रहे थे, लेकिन पुलिस दल ने उन्हें भागने नहीं दिया और उन्हें बाथरूम के अंदर ही रोके रखा। आतंकवादियों ने तुरंत यूबीजीएल से गोलीबारी शुरू कर दी और पुलिस अधीक्षक पीसी जम्मू नरेश सिंह के वाहन पर ग्रेनेड भी फेंके, जिसमें पुलिस अधिकारी बाल-बाल बचे। कुछ आर्मर-पियर्सिंग (एपी) गोलियां भी बीपी जिप्सी

के आर-पार निकल गई, जो पुलिस अधीक्षक पीसी जम्मू के वाहन के ठीक पीछे थी, लेकिन दोनों हमलावर दलों, जिसमें एक का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक पीसी जम्मू और दूसरे का वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जम्मू कर रहे थे, ने पूरी ताकत से जवाबी कार्रवाई की और बाद में वे दो आतंकवादियों को मार गिराने में सफल रहे।

ऑपरेशन सात घंटे तक चला और उक्त ऑपरेशन में सभी छिपे हुए आतंकवादियों को मार गिराया गया। तलाशी के दौरान, कमरे से दो अज्ञात आतंकवादियों के शव और भारी मात्रा में हथियार व गोला-बारूद बरामद किया गया। तदनुसार, आगे की जांच के लिए बाहु फोर्ट पुलिस स्टेशन, जम्मू में आईपीसी की धारा 302, 307, 332, 120-बी, 121-ए, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1957 की धारा 16, 18 और 20 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 715/2022 दर्ज की गई है।

ऑपरेशनल टीमों द्वारा उत्कृष्ट कमान और नियंत्रण के साथ-साथ उनके द्वारा प्रदर्शित असाधारण वीरता और कर्तव्य के प्रति अत्यधिक समर्पण के कारण ही पूरा ऑपरेशन बिना किसी अतिरिक्त नुकसान के सफल रहा। ऑपरेशनल टीमों के सदस्यों, विशेष रूप से सुश्री ममता शर्मा, पुलिस अधीक्षक दक्षिण जम्मू, निरीक्षक अर्जुन मगोत्रा, एस.जी.सीटी महेश चंदर और सिपाही सुखदेव सिंह ने जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र को आतंकवादी हमले के गंभीर खतरे से बचाया क्योंकि मारे गए आतंकवादी फिदायीन ("ए++" श्रेणी) थे।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस की सुश्री ममता शर्मा, पुलिस अधीक्षक, सर्व/श्री अर्जुन मगोत्रा, निरीक्षक, महेश चंदर, एस.जी.सीटी और सुखदेव सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 22.04.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/24/2023 - पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 130--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	राजा माजिद बट्ट	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
2.	खुर्शीद अहमद	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	शाबाज़ अहमद गनई	एस.जी.सीटी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10.10.2023 को, शोपियां पुलिस को जैनापोरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अलीशिपोरा गांव में प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा संगठन के आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशिष्ट खुफिया सूचना मिली। प्राप्त सूचना के अनुसार, ये आतंकवादी आम जनता को डराने के लिए इस क्षेत्र में बड़ी आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की फिराक में थे। इस पर, शोपियां पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तनुश्री, भापुसे की समग्र निगरानी में 44 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के सहयोग से एक अभियान शुरू किया। इस अभियान में 44 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की क्यूआरटी के साथ पुलिस उपाधीक्षक राजा माजिद बट्ट और उनकी टीम अर्थात् हेड कांस्टेबल खुर्शीद अहमद, एस.जी.सीटी शाबाज़ अहमद गनई और अन्य शामिल थे जो लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़े तथा उन्होंने प्रारंभिक घेराबंदी की।

मौके पर कुछ निवासियों से हुई पूछताछ के दौरान, एक व्यक्ति थोड़ा घबराया हुआ दिखा, जिसने अलीशिपोरा के आवासीय मकान सं. 12-बी में दो संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि की। छिपे हुए आतंकवादियों की सटीक स्थिति (पोजीशन) का पता लगाने के लिए ड्रोन का उपयोग किया गया और मकान सं. 12-बी के दरवाजे पर दो छिपे हुए आतंकवादी देखे गए। लक्षित घर में आतंकवादियों के छिपे होने की पुष्टि होने के बाद और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए, लक्षित घर को विभिन्न दिशाओं से कवर कर लिया गया। प्रारंभ में, उपरोक्त पुलिस कार्मिकों और 44 आरआर तथा सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के क्यूआरटी वाली टीमों का गठन लक्षित क्षेत्र की तलाशी शुरू करने के लिए किया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकवादी भाग न सकें। तलाशी अभियान के दौरान, तलाशी दलों द्वारा लक्षित क्षेत्र को चिन्हित किया गया/घेर लिया गया।

इसी बीच, घर में छिपे आतंकवादियों ने ऑपरेशनल दलों की गतिविधियों को भांपकर मकान सं. 12-बी से तलाशी दलों पर जान से मारने के इरादे से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तलाशी दलों ने तुरंत कवर लिया और वीरता के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिससे आतंकवादियों

और तलाशी दलों के बीच बंदूक की भीषण लड़ाई शुरू हो गई। हालांकि, यह देखा गया कि घेराबंदी वाले क्षेत्र के भीतर कुछ नागरिक फंसे हुए हैं। किसी भी तरह की अतिरिक्त क्षति से बचने के लिए उन्हें निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का निर्णय लिया गया। पुलिस उपाधीक्षक राजा माजिद बट्ट के तलाशी दल ने फंसे हुए नागरिकों को निकालने की जिम्मेदारी ली और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

इसके बाद, छिपे हुए आतंकवादियों को खत्म करने के उद्देश्य से अंतिम हमला करने हेतु पुलिस उपाधीक्षक जावीद अहमद के नेतृत्व में पुलिस टीमें गठित की गईं। अंतिम हमला शुरू करने से पहले, घिरे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने को कहा गया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया और इसके बजाय पुलिस/सुरक्षा बलों पर भारी गोलीबारी की तथा ग्रेनेड फेंके।

इसी समय, आतंकवादियों ने लक्षित घर से निकलकर घने जंगल की ओर भागने की कोशिश की, लेकिन उनके पास बच निकलने का कोई रास्ता नहीं था। हताश आतंकवादियों ने पुलिस/सुरक्षा बलों द्वारा चारों ओर से घिरे होने के कारण कोई विकल्प न पाकर, टीम को चुनौती देने का फैसला किया। उनमें से एक आतंकवादी एके सीरीज राइफल से अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए लक्षित घर से बेतरतीब ढंग से दक्षिण पूर्व की ओर भाग गया। आतंकवादी अत्याधुनिक हथियार से पुलिस/सुरक्षा बलों की टीमों पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए दिखाई दिया। पुलिस उपाधीक्षक जावीद अहमद ने अपनी टीम को एक साथ गोलीबारी करने का आदेश दिया और आतंकवादी पर गोलियों की बौछार कर दी गई, जिसके परिणामस्वरूप उसे मार गिराया गया। एक अन्य आतंकवादी को गोली लगी और वह छिप गया तथा उसने रंगते हुए फिर से घेराबंदी से भागने की कोशिश की, लेकिन जैसे ही आतंकवादी की पोजीशन का पता चला, वह दरसगाह (फायरबेस) में तैनात पुलिस/सुरक्षा बलों की गोलीबारी के बीच में फंस गया और 44 आरआर तथा सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की क्यूआरटी के साथ पुलिस उपाधीक्षक राजा माजिद बट्ट के नेतृत्व वाली टीम और उनकी अपनी टीम ने आतंकवादी पर भारी गोलीबारी की, जिसमें उसे लक्षित घर से 30-40 मीटर दूर मार गिराया गया।

इसके बाद, संयुक्त टीमों ने छिपे हुए किसी अन्य आतंकवादी का पता लगाने के लिए पूरी सावधानी बरतते हुए गहन तलाशी ली। हालांकि, केवल दो आतंकवादियों के शव और अत्याधुनिक हथियार ही बरामद हुए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में मारिफत मकबूल मुगलू पुत्र मोहम्मद मकबूल मुगलू निवासी चिएगुंड कीगाम, शोपियां और जाजिम फारूक उर्फ अबरार पुत्र फारूक अहमद वानी निवासी शिरमल जैनपोरा शोपियां (दोनों लश्कर-ए-तैयबा संगठन की "बी" श्रेणी के) के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए जैनपोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 83/2023 दर्ज की गई है।

पुलिस उपाधीक्षक राजा माजिद बट्ट, हेड कांस्टेबल खुर्शीद अहमद और एस.जी.सीटी शाबाज़ अहमद गनई ने पेशेवर कौशल और अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपनी जान की परवाह किए बिना, कुशलतापूर्वक और बुद्धिमानी से आतंकवादियों का मुकाबला किया, और अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में लक्षित तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। हालांकि, आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके वहां तैनात सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें वे बाल-बाल बचे। तथापि, उन्होंने अपनी एकाग्रता खोए बिना और सजगता के साथ बहादुरी से मुकाबला किया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री राजा माजिद बट्ट, पुलिस उपाधीक्षक, खुर्शीद अहमद, हेड कांस्टेबल और शाबाज़ अहमद गनई, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 10.10.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/114/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 131--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सरफराज बशीर गनई	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक का प्रथम बार
2.	फ़याज़ अहमद	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	बशारत अहमद गनई	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 19.07.2023 को, पुलिस के अपने सूत्रों से, कुपवाड़ा पुलिस स्टेशन के खाकी पैच माछिल गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। यह जानकारी सेना के अधिकारियों के साथ अविलम्ब साझा की गई और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा

की निगरानी में सेना की 14 डोगरा रेजिमेंट और बीएसएफ की 140वीं बटालियन के साथ मिलकर संयुक्त अभियान शुरू करने की योजना बनाई गई।

एक योजना तैयार करने के बाद, संदिग्ध क्षेत्र की घेराबंदी की गई और पुलिस तथा सेना/बीएसएफ को कई टुकड़ियों में विभाजित करके तदनुसार बनाए गए दलों ने खुद को तैनात किया और धीरे-धीरे लक्षित क्षेत्र को घेरना शुरू किया। अपर पुलिस अधीक्षक फरहत जिलानी के नेतृत्व में पुलिस उपाधीक्षक सरफराज बशीर गनई तथा हेड कांस्टेबल फ़याज़ अहमद की सहायता से बनाए गए पुलिस दल के संदिग्ध क्षेत्र की ओर बढ़ते ही, जंगल में झाड़ियों के पीछे छिपे आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी शुरू कर दी। अपनी पोजीशन पर बने रहते हुए, अपर पुलिस अधीक्षक फरहत जिलानी के नेतृत्व वाला यह दल, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक सरफराज बशीर गनई और हेड कांस्टेबल फ़याज़ अहमद सहायता कर रहे थे, आतंकवादियों की ओर बढ़ा और अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए, अन्य तलाशी दलों की सहायता से एक आतंकवादी को बहुत करीब से गोली मारकर उसका खात्मा कर दिया गया, जिसे उक्त दलों ने तब तक कोई फायदा नहीं उठाने दिया, जब तक कि उसे मार नहीं दिया गया।

इसी बीच, पुलिस उपाधीक्षक पीसी-कुपवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक अजाज अहमद के नेतृत्व में दूसरे दल ने सिपाही बशारत अहमद गनई और सिपाही शब्बीर अहमद डार की सहायता से एक और आतंकवादी का पता लगाने में सफलता प्राप्त की और अपनी जान की परवाह किए बिना, अत्यंत वीरतापूर्ण कार्यवाई करते हुए, भारी गोलीबारी के बाद दूसरे आतंकवादी को मार गिराया। उल्लिखित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के अनुकरणीय नेतृत्व, अदम्य साहस और सेवा की सच्ची भावना के कारण ही दो अज्ञात विदेशी आतंकवादियों का सफाया हो सका। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए कुपवाड़ा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16 और 23 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 178/2023 दर्ज की गई है।

पूरे ऑपरेशन में, पुलिस उपाधीक्षक सरफराज बशीर गनई, हेड कांस्टेबल फ़याज़ अहमद और सिपाही बशारत अहमद गनई ने अदम्य साहस और सेवा की सच्ची भावना के साथ-साथ अत्यंत पेशेवरता का परिचय दिया और बहुत ही प्रतिकूल परिस्थितियों में लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अपनी जान की परवाह किए बिना बहादुरी से लड़े। हालांकि आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी करके सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें वे बाल-बाल बचे, फिर भी उन्होंने अपनी एकाग्रता खोए बिना तथा अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना बहादुरी से मुकाबला किया, जिसके परिणामस्वरूप इन दो खूंखार विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया गया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री सरफराज बशीर गनई, पुलिस उपाधीक्षक, फ़याज़ अहमद, हेड कांस्टेबल और बशारत अहमद गनई, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 19.07.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/99/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 132--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	हिलाल खालिक भट्ट	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	जावेद अहमद शाह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	रेयाज़ अहमद वानी	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27/28.02.2023 की मध्य रात्रि में, अवंतीपोरा पुलिस को अवंतीपोरा के पदगामपोरा गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी/गतिविधि के बारे में विशिष्ट सूचना मिली, जो इलाके में आतंकी वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। प्राप्त सूचना की पुष्टि होने पर, घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाने के लिए 55 आरआर और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन के साथ समन्वय करके एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई। यह जानकारी उप महानिरीक्षक एसकेआर अनंतनाग के साथ भी साझा की गई।

इस ऑपरेशन के लिए बनाई गई रणनीति के अनुसार, अवन्तीपोरा पुलिस, सेना की 55 आरआर और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन का संयुक्त दल सामान्य से अलग और जोखिम भरे रास्तों को अपनाते हुए लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़ा और एक मजबूत घेराबंदी किए जाने तक दुश्मनों को इसकी भनक तक भी लगने नहीं दी। घेराबंदी किए जाने तथा उसे और मजबूत करने के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजाज अहमद के नेतृत्व में अवन्तीपोरा पुलिस की संयुक्त टीम, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक हिलाल खालिक भट्ट, हेड कांस्टेबल जावेद अहमद शाह, सिपाही रेयाज़ अहमद वानी और अन्य तथा सेना की 55 आरआर और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन के अन्य जवान शामिल थे, ने लक्षित क्षेत्र में आतंकवादियों की तलाश शुरू की।

जब एक तलाशी दल जामिया मस्जिद में दाखिल हुआ, तो उन पर जामिया मस्जिद की पहली मंजिल से भारी गोलीबारी शुरू हो गई। तलाशी दल ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की। एक-दूसरे पर भारी गोलीबारी में एक आतंकवादी गोली लगने से घायल होकर गिर पड़ा, जबकि दूसरा पास के एक आवासीय मकान की ओर भागने में सफल रहा।

इसके बाद हुई बंदूक की लड़ाई के दौरान, 55 आरआर के दो जवान गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत 92 बेस हॉस्पिटल, श्रीनगर ले जाया गया। इनमें से सेना के एक जवान, नायक पवन कुमार ने चोटों की वजह से दम तोड़ दिया और वे शहीद हो गए, जबकि सेना के दूसरे जवान हेम राज का इलाज चल रहा था और बाद में उनकी हालत स्थिर हुई।

अंधेरे और कड़ाके की ठंड के कारण, सुरक्षा बलों के लिए हर किसी की सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद मुश्किल था और चल रही गोलीबारी के बीच घायल सैनिकों को निकालना एक बड़ी चुनौती थी। पुलिस, सेना की 55 आरआर और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन ने जामिया मस्जिद की गहन तलाशी ली, जिसमें एक आतंकवादी, अकीब मुश्ताक अहमद भट्ट, निवासी मलंगपोरा पुलवामा, का शव बरामद हुआ। वह हिजबुल मुजाहिदीन/टीआरएफ संगठन का "ए" श्रेणी का आतंकवादी था।

चूंकि आतंकवादी जामिया मस्जिद में छिपे हुए थे, इसलिए कानून और व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने की पूरी आशंका थी और ऐसे किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए, पुलिस उपाधीक्षक मुमताज अली और सीआरपीएफ के उनके समकक्ष की कमान में सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन के प्रमुख भाग के साथ अवन्तीपोरा पुलिस को रणनीतिक रूप से मुठभेड़ स्थल के पास पदगामपोरा-मलंगपोरा की ओर तैनात किया गया, जबकि निरीक्षक यूनिस् खान को सीआरपीएफ की टुकड़ी के साथ मस्जिद/मोहल्ले के पीछे की तरफ कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात किया गया, ताकि लक्षित क्षेत्र को किसी भी प्रकार के बाहरी हस्तक्षेप से मुक्त रखा जा सके, जो आतंकवाद-रोधी अभियान को सफलतापूर्वक पूरा करने में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न कर सकता था।

तथापि, दूसरे आतंकवादी ने अंधेरे और मारे गए आतंकवादी द्वारा पहले की गई कवर गोलीबारी की आड़ में पास के एक आवासीय मकान में शरण ले ली। आतंकवादी की ओर से की जा रही भारी गोलीबारी के बीच उप महानिरीक्षक एसकेआर अनंतनाग के नेतृत्व में अवन्तीपोरा पुलिस, सेना की 55 आरआर और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन की संयुक्त टीम द्वारा साहसिक कार्रवाई की गई। पुलिस घटक, अवन्तीपोरा और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन द्वारा प्रदान की गई कवर गोलीबारी की मदद से पुलिस उपाधीक्षक हिलाल खालिक भट्ट के नेतृत्व में पुलिस घटक अवन्तीपोरा के दल द्वारा मुठभेड़ स्थल से नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालना सुनिश्चित किया गया। थोड़ी देर की शांति के बाद, आतंकवादी की स्थिति जानने के लिए सेना की 55 आरआर द्वारा एक क्वाड-कॉप्टर (ड्रोन) की सेवा ली गई। क्वाड-कॉप्टर द्वारा ली गई तस्वीरों से पता चला कि आतंकवादी को संभवतः मार गिराया गया था। छिपे हुए आतंकवादी के साथ दिनांक 28.02.2023 की दोपहर तक गोलीबारी जारी रही। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में एजाज अहमद भट्ट पुत्र जीएच मोहम्मद भट्ट, निवासी तेली मोहल्ला सैदाबाद अरिपाल ताल के रूप में हुई। वह जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादी संगठन (श्रेणी "सी") से संबद्ध था। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया गया। आगे की जांच के लिए जैनपोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, 302, 326, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16, 18, 19, 23, 38 और 39 के तहत मामलागत एफआईआर संख्या 28/2023 दर्ज की गई है।

पूरे ऑपरेशन में, पुलिस उपाधीक्षक हिलाल खालिक भट्ट, हेड कांस्टेबल जावेद अहमद शाह और सिपाही रेयाज़ अहमद वानी आसन्न खतरे से बेपरवाह लग रहे थे, लेकिन उन्होंने बहादुरी, साहस, दुर्लभ सामरिक कौशल और अनुकरणीय टीम भावना, अदम्य साहस और कर्तव्य के प्रति निस्वार्थ समर्पण की एक विशिष्ट उदाहरण पेश किया, जिसके कारण दो खूंखार आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया गया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री हिलाल खालिक भट्ट, पुलिस उपाधीक्षक, जावेद अहमद शाह, हेड कांस्टेबल और रेयाज़ अहमद वानी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 27.02.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/100/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 133--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	विनय कुमार	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	प्रमोद कुमार राय	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	वेद प्रकाश महतो	सिपाही	वीरता पदक
4.	रामचन्द्र कुमार महतो	सिपाही	वीरता पदक
5.	कृष्णा मुर्मू	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

जेजेएमपी एक प्रतिबंधित उग्रवादी समूह है जो झारखंड राज्य के कई जिलों में सक्रिय है। वे आतंक का माहौल बनाने और विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करने के लिए कुख्यात हैं। पुलिस स्टेशन छिपादोहर के अंतर्गत जोबे, कटिया और अंबाटीकर के जंगल में जेजेएमपी के सशस्त्र कैडर की मौजूदगी के बारे में सूचना मिलने पर एक ऑपरेशन "जोबे" की योजना बनाई गई, जिसमें तीन टीमें शामिल थीं, जिन्हें कार्रवाई हेतु तीन अलग-अलग लक्षित क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी गई। उप-निरीक्षक विनय कुमार, पुलिस स्टेशन ओसी छिपादोहर की कमान के तहत टीम-1 को हरातु-जोबे का क्षेत्र सौंपा गया। सामान्य तौर पर, यह एक पहाड़ी क्षेत्र है और घने जंगल से ढका हुआ है, जो गोलीबारी के दौरान बहुत अच्छा कवर प्रदान करता है और यह चरमपंथियों को उनके खिलाफ की जाने वाली किसी भी कार्रवाई का मुकाबला करने के लिए रणनीतिक रूप से मददगार है तथा उचित सड़क नेटवर्क नहीं होने के कारण सुरक्षा बलों के लिए उस क्षेत्र में कार्रवाई करना बेहद मुश्किल है, क्योंकि यहां किसी भी आपात स्थिति में सहायता पहुंचा पाना अत्यंत कठिन कार्य होता है।

दिनांक 04.06.2018 को, उपरोक्त टीम लक्षित क्षेत्र "जोबे" के लिए रवाना हुई, जो चारों ओर से पहाड़ी से घिरा हुआ है। तलाशी के दौरान, जब पुलिस टीम पश्चिमी पहाड़ी जंगल की ओर से लक्षित क्षेत्र के पास पहुंची, तो चरमपंथी समूह द्वारा उन पर भारी गोलीबारी की गई। लगभग 40-45 की संख्या में और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पोजीशन लिए हुए ये चरमपंथी आगे बढ़ रहे बल के जवानों पर अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे। उप-निरीक्षक विनय कुमार के कुशल नेतृत्व में अदम्य सैनिकों ने जवाबी हमला शुरू किया और एक खूंखार हार्डकोर जेजेएमपी कैडर को मार गिराया, जिसका नाम गिरवर परहिया पुत्र चुल्लराय परहिया, गांव: तेवरही, पुलिस स्टेशन: मनिका था। उसके पास से 01 मैगजीन के साथ रेगुलर राइफल, गोला-बारूद-270, 14 मिसफायर राउंड, 02 टीवीएस बाइक, 05 मोबाइल, 01 टॉर्च बरामद की गई। एक छोटी टीम को मारे गए चरमपंथी के शव की निगरानी का कार्य सौंपा गया था, जिस पर उस शव को हथियार समेत ले भागने के इरादे से, अन्य चरमपंथियों द्वारा गोलीबारी की गई। चूंकि यह टीम खुले में थी और गोलीबारी से बचने के लिए कोई प्राकृतिक सुरक्षा कवर नहीं होने के कारण गंभीर खतरे में थी, इसलिए उप-निरीक्षक विनय कुमार ने उच्च स्तरीय पेशेवर कौशल, नेतृत्व क्षमता, अदम्य साहस और साहसिक युद्ध भावना का परिचय देते हुए अपने जवानों का सामने से नेतृत्व किया। उन्होंने हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार राय, सिपाही वेद प्रकाश महतो, सिपाही रामचन्द्र कुमार महतो और सिपाही कृष्ण मुर्मू के साथ मिलकर एक छोटी टीम बनाई और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना निडरता से गोलीबारी की दिशा में आगे बढ़ते तथा नक्सलियों के हमले का जोरदार जवाब दिया और उन्हें भागने पर मजबूर कर दिया।

मुठभेड़ के दौरान हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार राय, सिपाही वेद प्रकाश महतो, सिपाही रामचन्द्र कुमार महतो और सिपाही कृष्ण मुर्मू ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपने कमांडर के आदेशों का पालन किया और अपने जीवन की परवाह किए बिना अत्यधिक साहस और जोश के साथ चरमपंथियों से मुकाबला किया तथा अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना बड़े दृढ़ संकल्प और समर्पण के साथ गोलीबारी की दिशा में आगे बढ़ते रहे।

उप-निरीक्षक विनय कुमार, हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार राय, सिपाही वेद प्रकाश महतो, सिपाही रामचन्द्र कुमार महतो और सिपाही कृष्ण मुर्मू की वीरतापूर्ण कार्रवाई, युद्ध की भावना और अपने कर्तव्य के प्रति निर्भीक समर्पण के परिणामस्वरूप न केवल एक चरमपंथी मारा गया, बल्कि जेजेएमपी चरमपंथी समूह से होने वाली जान-माल की हानि से भी बचाव हुआ।

इस ऑपरेशन में, झारखंड पुलिस के सर्व/श्री विनय कुमार, उप-निरीक्षक, प्रमोद कुमार राय, हेड कांस्टेबल, वेद प्रकाश महतो, सिपाही, रामचन्द्र कुमार महतो, सिपाही और कृष्ण मुर्मू, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 04.06.2018 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/66/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 134--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक (मरणोपरांत) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	नेताजी सुखदेव बंडगर	सहायक पुलिस निरीक्षक	वीरता पदक
2.	मनोहर कोतला महाका	सहायक पुलिस उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	मनोहर लचमा पेंदाम	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	प्रकाश ईश्वर कन्नके	पुलिस सिपाही	वीरता पदक
5.	अतुल सत्यनारायण येगोलपवार	पुलिस सिपाही	वीरता पदक
6.	हिदायत सद्दुला खान	पुलिस सिपाही	वीरता पदक
7.	स्व. सुरेश लिंगाजी तेलामी	पुलिस सिपाही	वीरता पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 03.05.2017 को ईश्वर गोटा दल (सी-60 कमांडो); एओपी कोठी के कार्मिक और सीआरपीएफ के कार्मिकों की कोपरशी के जंगल में नक्सलियों से मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में उल्लिखित दल के 3 कार्मिक घायल हो गए और उन्हें तुरंत चिकित्सा के लिए कोठी से भामरागढ़ वापस लाने की जरूरत थी। सहायक पुलिस निरीक्षक नेताजी सुखदेव बंडगर को उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने पीएसआई भंडवलकर और मनोहर महाका जी-60 दल के कार्मिकों के साथ 2 एमपीवी लेने और जरूरी कार्रवाई करने का आदेश दिया। उपरोक्त 3 घायल कार्मिकों को एयरलिफ्ट किया गया था, इसलिए सहायक पुलिस निरीक्षक नेताजी सुखदेव बंडगर ने ईश्वर गोटा दल के सदस्यों को साथ लिया और वे पीएसआई भंडवलकर तथा महाका सी-60 दल के सदस्यों के साथ 2 एमपीवी में कोठी से भामरागढ़ की ओर वापस चले। वापसी की यात्रा में करमपल्ली से 2 किमी. पहले नक्सलियों द्वारा लगाई गई एक शक्तिशाली बारूदी सुरंग के विस्फोट से दूसरी एमपीवी को उड़ा दिया गया। विस्फोट की भीषणता का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि एमपीवी हवा में उछल गई और पलटकर बगल के नाले में जा गिरी। विस्फोट में एमपीवी में बैठे सैनिक फंस गए और सहायक पुलिस उप-निरीक्षक मनोहर कोतला महाका, पुलिस सिपाही सुरेश लिंगाजी तेलामी, हेड कांस्टेबल मनोहर लचमा पेंदाम, पुलिस सिपाही प्रकाश ईश्वर कन्नके, पुलिस सिपाही अतुल सत्यनारायण येगोलपवार और पुलिस सिपाही हिदायत सद्दुला खान गंभीर रूप से घायल हो गए। घात लगाए बैठे नक्सलियों ने तुरंत ही दोनों एमपीवी पर अंधाधुंध और भारी गोलीबारी शुरू कर दी। सहायक पुलिस निरीक्षक नेताजी सुखदेव बंडगर, पुलिस उप-निरीक्षक दराडे और ईश्वर गोटा दल के कार्मिक पहली एमपीवी से उतरे और उन्होंने रक्षात्मक पोजीशन ले ली तथा नक्सलियों को गोलीबारी बंद करने, हथियार डालने और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। नक्सली एक-दूसरे को नाम लेकर पुकार रहे थे, आदेश दे रहे थे और पुलिसवालों को मारने और उनके हथियार तथा गोला-बारूद छीनने के लिए एक-दूसरे को उकसा रहे थे। इससे यह स्पष्ट हो गया कि वे प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के सदस्य थे, जिनमें भामरागढ़ एलओएस कमांडर दिनेश, सदस्य शिल्पा, जीवन, प्रभाकर, साईनाथ का एलओएस परमिल, नागेश, माधुरी, जयशीला और अन्य 25-30 नक्सली शामिल थे।

इसके बाद, सहायक पुलिस निरीक्षक नेताजी सुखदेव बंडगर, पुलिस उप-निरीक्षक दराडे और ईश्वर गोटा दल के सदस्यों ने सटीक और नियंत्रित गोलीबारी की और न केवल अपने एमपीवी के सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि बारूदी सुरंग से उड़ाई गई एमपीवी में घायल और फंसे हुए कार्मिकों की भी सुरक्षा सुनिश्चित की। सटीक और नियंत्रित गोलीबारी और अंडर बैरल ग्रेनेड के प्रभावी इस्तेमाल ने नक्सलियों का हौसला तोड़ दिया और उन्हें घने जंगल में भागने पर मजबूर कर दिया। यह मुठभेड़ 35-40 मिनट तक चली। बाद में चलाए गए तलाशी अभियान में, पुलिस दल को नक्सलियों से संबंधित कोई भी सामान, हथियार और गोला-बारूद नहीं मिला।

यह बताना जरूरी है कि यह सुरक्षा बलों के कार्मिकों को ले जा रहे वाहनों को उड़ाने की नृशंस नक्सली रणनीति का एक प्राण घातक उदाहरण था। इस रणनीति से नक्सलियों को दोहरा लाभ मिलता है। पहला, उनके पास जगह चुनने, तैयारी करने और घात लगाने के लिए पर्याप्त समय होता है और दूसरा, घायल और अचंचित पुलिस दल आसानी से निशाना बन सकता है। लेकिन सहायक पुलिस निरीक्षक नेताजी सुखदेव बंडगर, सहायक पुलिस उप-निरीक्षक मनोहर कोतला महाका, पुलिस सिपाही सुरेश लिंगाजी तेलामी, हेड कांस्टेबल मनोहर लचमा पेंदाम, पुलिस सिपाही प्रकाश ईश्वर कन्नके, पुलिस सिपाही अतुल सत्यनारायण येगोलपवार ने न केवल नक्सलियों की अंधाधुंध और भारी गोलीबारी से खुद को बचाया, बल्कि मुंहतोड़ जवाब भी दिया तथा इस सुनियोजित और अंजाम दी गई नक्सली साजिश को नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन में, महाराष्ट्र पुलिस के सर्व/श्री नेताजी सुखदेव बंडगर, सहायक पुलिस निरीक्षक, मनोहर कोतला महाका, सहायक पुलिस उप-निरीक्षक, मनोहर लचमा पेंदाम, हेड कांस्टेबल, प्रकाश ईश्वर कन्नके, पुलिस सिपाही, अतुल सत्यनारायण येगोलपवार, पुलिस सिपाही, हिदायत सद्दुला खान, पुलिस सिपाही और स्व. सुरेश लिंगाजी तेलामी, पुलिस सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 03.05.2017 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/209/2023 - पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 135--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अमरेश चंद्र नरेन्द्र	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	जीतेंद्र कुमार नायक	सिपाही	वीरता पदक
3.	अर्जुन मलिक	ओएपीएफ	वीरता पदक
4.	युधिष्ठिर मलिक	ओएपीएफ	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 03.02.2024 को, पुलिस अधीक्षक कंधमाल को बालीगुडा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत कांकेरकुप्पा (कामेरकिया) गांव के पास पोखरीबांध आरएफ में सीपीआई (माओवादी) के सशस्त्र कैडरों की गतिविधि के बारे में एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। चूंकि, सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला करना माओवादियों की परंपरागत कार्यशैली है, उप-निरीक्षक अमरेश चंद्र नरेन्द्र और छह डीवीएफ कमांडो वाले एक अग्रिम दल को टोह लेने के लिए भेजा गया। नीचे उतरने के बाद, कमांडो लक्षित क्षेत्र की ओर पैदल चल पड़े। लगभग 07:40 बजे, कांकेरकुप्पा (कामेरकिया) गांव के दक्षिण छोर से 100 मीटर की दूरी पर, नक्सलियों ने बिना किसी उकसावे के अपने स्वचालित हथियारों से भारी गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस टीम ने नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। सिपाही जीतेंद्र कुमार नायक बाएं हाथ में गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्होंने आत्मरक्षा में अपने दाएं हाथ से गोलीबारी जारी रखी। उप-निरीक्षक अमरेश चंद्र नरेन्द्र ने सिपाही जीतेंद्र कुमार नायक को बचाने के लिए दल को दो दल तरफ बांटा। उप-निरीक्षक अमरेश चंद्र नरेन्द्र ने बाईं ओर से पोजीशन लिए हुए ओएपीएफ युधिष्ठिर मलिक के साथ मिलकर दुश्मनों पर भारी जवाबी कार्रवाई की और आगे बढ़े, जबकि ओएपीएफ अर्जुन मलिक ने दाहिनी ओर से गोलीबारी कर सहायता दी। बहादुर कमांडो ने एक साहसिक नजदीकी लड़ाई में माओवादियों को परास्त कर दिया। गोली लगने से घायल होने के बावजूद, उनकी बहादुरी ने संख्या में अधिक और सामरिक रूप से बेहतर स्थिति वाले नक्सलियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इस सफल ऑपरेशन में सीपीआई (माओवादी) की केकेबीएन डिवीजन के एक डीवीसीएम/डीसीएम कैडर दसरू उर्फ लकमा मंडावी को मार गिराया गया, जिस पर ओडिशा सरकार ने पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था।

इस ऑपरेशन में, ओडिशा पुलिस के सर्व/श्री अमरेश चंद्र नरेन्द्र, उप-निरीक्षक, जीतेंद्र कुमार नायक, सिपाही, अर्जुन मलिक, ओएपीएफ और युधिष्ठिर मलिक, ओएपीएफ ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 03.02.2024 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/11/2025-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 136--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, ओडिशा पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अश्विनी कुमार बाघ	हवलदार	वीरता पदक
2.	डंबरूधर भोई	कमाण्डो	वीरता पदक

3.	नवीन कुमार साहू	कमाण्डो	वीरता पदक
4.	प्रदीप श्रेष्ठ	कमाण्डो	वीरता पदक
5.	अभिमन्यु माझी	कमाण्डो	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 08.05.2024 को, विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर, पुलिस अधीक्षक नबरंगपुर ने एसओजी एटी संख्या-08 के उप-निरीक्षक (सशस्त्र) पार्थ सारथी परिदा के नेतृत्व में नबरंगपुर जिले के रायगढ़ पुलिस स्टेशन के अंतर्गत हाटीगांव वन क्षेत्र में एक तलाशी अभियान शुरू किया। इस अभियान में एटी संख्या-21 के 22 एसओजी कमाण्डो सहित 46 पुलिस कार्मिक शामिल थे। यह टीम दिनांक 09.05.2024 को सुबह लगभग 5:15 बजे हाटीगांव आरएफ पर पहुंची और माओवादी शिविर से 75-80 मीटर की दूरी पर थी। ऐसा अनुमान था कि उस शिविर में महिला कैडरों सहित 10-12 सदस्य थे।

आदेश के अनुसार, एसओजी की कुल संख्या को क्रमशः 12, 12, 11, 11 कमाण्डो वाले चार समूहों में विभाजित किया गया। समूह 2, 3 और 4 में क्रमशः 12, 11 और 11 कमाण्डो थे; इन्हें उप-निरीक्षक (सशस्त्र) राजेंद्र चौधरी के नेतृत्व में कट-ऑफ दलों के रूप में कार्य करने के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया गया। पार्थ सारथी परिदा सहित शेष 12 कमाण्डो हमला दल के रूप में थे। इसके बाद, माओवादियों को ऊंची आवाज में आत्मसमर्पण करने को कहा गया, लेकिन यह प्रयास व्यर्थ रहा। माओवादियों के आत्मसमर्पण करने से इनकार करने और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू करने से स्थिति गंभीर हो गई।

हवलदार अश्विनी कुमार बाघ के नेतृत्व में कमाण्डो डंबरूधर भोई, नवीन कुमार साहू, प्रदीप श्रेष्ठ और अभिमन्यु माझी के साथ एक मुख्य हमला दल ने गंभीर चोट तथा यहां तक कि मौत के जोखिम के बावजूद रेंगते हुए अपनी पोजीशन ली। उन्होंने कवर लिए हुए पोजीशन से जवाबी गोलीबारी करने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें भारी प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। कमाण्डो डंबरूधर भोई, नवीन कुमार साहू ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए, अपनी टीम के साथ, छर्रे लगने से घायल होने और ग्रेनेड हमलों का सामना करने के बावजूद, एक माओवादी को घातक रूप से घायल करने के उद्देश्य से कुछ समय के लिए खुद को जोखिम में डाला।

कमाण्डो कमलकांत हरिचंदन, जो मुख्य हमला दल का हिस्सा नहीं थे, लेकिन मुठभेड़ के दौरान अन्य घायल कार्मिकों के साथ घायल हो गए थे, का इस ऑपरेशन के समाप्त होने के बाद इलाज कराया गया। जवाबी हमले में, हवलदार अश्विनी कुमार बाघ के नेतृत्व में कमाण्डो डंबरूधर भोई, नवीन कुमार साहू, प्रदीप श्रेष्ठ और अभिमन्यु माझी ने एक माओवादी कैडर को बहुत कम समय में मार गिराया, जिससे बचे हुए माओवादी भाग गए। यह ऑपरेशन लगभग 30 मिनट तक चला, जिसके परिणामस्वरूप एक माओवादी का शव और हथियार बरामद हुए।

मृतक माओवादी की पहचान आकाश उर्फ जग्गू उर्फ सोडी मुडा, आयु: 35 वर्ष पुत्र सोडी भीमा, गांव-एल्मागुंडा, पुलिस स्टेशन-चिंतागुफा, जिला-सुकमा, छत्तीसगढ़ के रूप में हुई, जो धमतरी-गरियाबंद-नुपाड़ा डिवीजन के तहत उदंडी/इंदागांव एरिया कमेटी का एसीएम रैंक का कैडर था, जिसका काफी गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड था और उसके ऊपर 04 लाख रुपये का इनाम था। यह सफल ऑपरेशन नबरंगपुर के पुलिस बल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे क्षेत्र में माओवादी उग्रवाद को बड़ा झटका लगा और इस माओवाद प्रभावित जिले में सुरक्षा में संभावित रूप से सुधार हुआ है।

इस ऑपरेशन में, ओडिशा पुलिस के सर्वश्री अश्विनी कुमार बाघ, हवलदार, डंबरूधर भोई, कमाण्डो, नवीन कुमार साहू, कमाण्डो, प्रदीप श्रेष्ठ, कमाण्डो और अभिमन्यु माझी, कमाण्डो ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 09.05.2024 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/13/2025-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 137--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, तेलंगाना पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री कन्नवत राजु नायक	पुलिस सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री कन्नवत राजु नायक, पुलिस सिपाही, जो वर्ष 2006 में पुलिस सिपाही के रूप में भर्ती हुए थे, ने अपने पूरे कार्यकाल में अटूट समर्पण और साहस का परिचय दिया है। दिनांक 05.01.2023 को प्रातः 03:15 बजे, नरसिंगी पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत मंचिरेवुला में ओआरआर

सर्विस रोड पर एक जघन्य हत्याकांड हुआ। हमलावरों ने 26 वर्षीय सीलम किशोर कुमार रेड्डी पर तलवार से हमला किया, जिससे उनको कई चोटें आईं और उनकी तत्काल मृत्यु हो गई। उनके सहयोगी, पथलोथ शिवराज भी हमले में घायल हो गए।

इससे पहले उसी रात 2:20 बजे, पुलिस सिपाही श्री पीवी ज्योतिराम और ड्राइवर एचजी अंजिलैया का ओआरआर सर्विस रोड पर गश्त लगाते समय, मंचिरेवुला के पास किन्नरों के एक समूह से सामना हुआ। निहारिका नाम की एक किन्नर ने बताया कि दो लोगों ने उन्हें चाकू की नोक पर यौन शोषण करने की धमकी दी थी। पुलिस की गाड़ी देखते ही संदिग्ध मंचिरेवुला की ओर भाग गए। पुलिस ने पूरे इलाके की तलाशी ली, लेकिन संदिग्धों का पता नहीं चल सका। हालांकि, किन्नरों ने एक लॉक की हुई पल्सर मोटरसाइकिल की पहचान की, जो शायद आरोपियों का थी।

निहारिका के शुभचिंतक, सीलम किशोर कुमार रेड्डी और पथलोथ शिवराज, मदद के लिए पहुंचे। पुलिस ने उन्हें शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी और उन्हें उनके स्कूटर से वापस भेज दिया। जब पुलिस गश्त लगा रही थी, तो उन्हें सुबह 3:26 बजे डायल 100 पर एक कॉल आई जिसमें मंचिरेवुला सर्विस रोड पर झगड़े की सूचना दी गई। मौके पर पहुंचने पर, उन्होंने किशोर रेड्डी को खून से लथपथ और शिवराज को घायल पाया। शिवराज ने बताया कि जिस संदिग्ध से उनका सामना हुआ, उसने उन पर तलवार से हमला किया, जिससे किशोर की मौत हो गई और वह घायल हो गए, जिसके बाद वह स्कूटर पर बैठकर भाग गया।

एसओटी माधापुर पुलिस, पुलिस सिपाही कन्नवत राजु नायक और पुलिस सिपाही विजय कुमार ने जगदगिरिगुट्टा में उपरोक्त आरोपी सरदार चमकोथी उर्फ करण सिंह को ढूंढ निकाला। गिरफ्तार करने के प्रयास के दौरान, आरोपी ने तलवार से पुलिस सिपाही कन्नवत राजु नायक की छाती पर वार करके क्रूर हमला किया। गिरने के बावजूद, पुलिस सिपाही कन्नवत राजु नायक अद्भुत वीरता का परिचय देते हुए, अपने पैरों पर खड़े हुए और हमलावर को काबू में कर लिया। जब पुलिस सिपाही विजय कुमार ने मदद करने की कोशिश की, तब आरोपी करण सिंह ने उनके सिर पर वार कर घायल कर दिया। फिर भी, पुलिस सिपाही कन्नवत राजु नायक ने आरोपी को निहत्था करने, उसे काबू में करने और पकड़ने में सफलता प्राप्त की।

पुलिस सिपाही कन्नवत राजु नायक को राम देव अस्पताल ले जाया गया और बाद में मेडिकल अस्पताल में स्थानांतरित किया गया, जहां 18 दिनों तक गहन उपचार के बाद उनकी हालत में सुधार हुआ। उनके साहसिक प्रयासों से कुख्यात अपराधी करण सिंह को पकड़ा गया और अपराध में इस्तेमाल की गई तलवार और खून से सनी पगड़ी बरामद की गई।

करण सिंह के खिलाफ जगदगिरिगुट्टा पुलिस स्टेशन में पुलिस सिपाही कन्नवत राजु नायक और उनके सहयोगी की हत्या के प्रयास के आरोप में, आईपीसी की धारा 307, 333 और आयुध अधिनियम, 1959 की धारा 25(आईबी)(ख) के तहत मामलागत सीआर. संख्या 16/2023 दर्ज की गई है। पुलिस सिपाही कन्नवत राजु नायक ने गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, खतरनाक अपराधी को पकड़ने में बहादुरी दिखाई। उनके इस वीरतापूर्ण कार्य ने न केवल पीड़ित के लिए न्याय सुनिश्चित किया, बल्कि वे अपने साथियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत भी बने।

इस ऑपरेशन में, तेलंगाना के श्री कन्नवत राजु नायक, पुलिस सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 05.01.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/181/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 138--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) और वीरता पदक का प्रथम बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मुनीष प्रताप सिंह चौहान	निरीक्षक	वीरता पदक
2.	अक्षय परवीर कुमार त्यागी	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	राजन कुमार	सिपाही	वीरता पदक का प्रथम बार
4.	मुकेश सिंह	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 07.07.2021 को उप-निरीक्षक अक्षय परवीर कुमार त्यागी को कार्यालय जाते समय पता चला कि पुलिस स्टेशन नौहल्ली, मथुरा के डकैती के मामलों में वांछित, अजय उर्फ कालिया निवासी रेवाड़ी हरियाणा किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए ग्रेटर नोएडा जा रहा है। इस सूचना के आधार पर, उप-निरीक्षक अक्षय परवीर कुमार त्यागी ने बिना समय गंवाए, वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करते हुए, सिपाही राजन कुमार, मुकेश सिंह आदि की अपनी टीम को सरकारी वाहन के साथ बुलाया। पुलिस स्टेशन सेक्टर 20 नोएडा के एसएचओ से फोन पर चर्चा करने के बाद, वे रवाना हुए और सेक्टर 14ए के फ्लाईओवर के नीचे पहुंचे, जहां पुलिस स्टेशन सेक्टर 20 नोएडा के एसएचओ मुनीष प्रताप सिंह चौहान मौजूद थे। योजना संबंध में आवश्यक रणनीति बनाने के बाद, पुलिस बल ने जांच शुरू की। दोपहर के लगभग 12:10 बजे, चिल्ला बॉर्डर की ओर से एक नीले रंग की अपाचे मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आते दिखाई दिए। मुखबिरों ने उनके उपरोक्त अपराधी होने की पुष्टि की। पुलिस की जांच को देखकर, मोटरसाइकिल सवार गोलचक्र की ओर बाएं मुड़े और मोटरसाइकिल की गति बढ़ा दी। पुलिस टीम ने भागते हुए अपराधियों का पीछा किया। पुलिस को पास आता देख अपराधी मुख्य सड़क छोड़कर भागने की कोशिश करने लगे और अपनी बाइक गंदे नाले की उत्तरी पटरी पर मोड़ दी। पटरी पर पेड़ एक पेड़ गिरा होने के कारण सड़क पर भीड़ हो गई और अपराधियों को मोटरसाइकिल की गति धीमी करनी पड़ी। इसी बीच, पुलिस टीम अपराधियों के पास पहुंच गई। अपराधियों ने गिरे हुए पेड़ से कुछ दूरी पर अपनी मोटरसाइकिल गिरा दी और पुलिस कार्मिकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। एक अपराधी पटरी के नीचे गड्ढे से गोलीबारी कर रहा था, जबकि दूसरा गोलीबारी करते हुए भाग रहा था। उप-निरीक्षक अक्षय परवीर कुमार त्यागी और निरीक्षक मुनीष प्रताप सिंह चौहान ने अपराधियों को आत्मसमर्पण करने के लिए ललकारा। जवाब में अपराधी और उग्र हो गए और उन्होंने गोलीबारी जारी रखी। अपराधियों द्वारा चलाई गई गोलियां पुलिस स्टेशन सेक्टर 20 नोएडा के एसएचओ के वाहन में लगीं। अपराधियों द्वारा चलाई गई गोलियां एसएचओ मुनीष प्रताप सिंह चौहान, सिपाही मुकेश सिंह और सिपाही राजन कुमार को भी लगीं। एक गोली उप-निरीक्षक अक्षय परवीर कुमार त्यागी के बाएं कान के पास से निकल गई और वे चतुराई से बाल-बाल बचे। निरीक्षक मुनीष प्रताप सिंह चौहान, उप-निरीक्षक अक्षय परवीर कुमार त्यागी, सिपाही मुकेश सिंह और सिपाही राजन कुमार ने अपनी जान की परवाह न करके, कर्तव्य को सर्वोपरि मानते हुए, अदम्य साहस और बहादुरी का परिचय दिया और आत्मरक्षा में नियंत्रित तरीके से गोली चलाई, जिससे एक अपराधी लगभग 12:20 बजे घायल होकर गिर पड़ा। बाद में जिसकी पहचान खूंखार अपराधी अजय उर्फ कालिया के रूप में हुई। उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

अपर पुलिस महानिदेशक, आगरा जोन द्वारा 1,00,000/- रुपये, पुलिस उपमहानिरीक्षक अलीगढ़ रेंज तथा हरियाणा पुलिस द्वारा 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

अपराधियों के पास से .315 बोर की एक देशी छोटी बैरल बंदूक (पोनिया), .315 बोर के 18 जिंदा और 07 खाली कारतूस, 12 बोर की एक देशी छोटी बैरल बंदूक (पोनिया), 19 जिंदा और 02 खाली कारतूस, अपाचे मोटरसाइकिल संख्या UP16BJ-6957, 01 हथौड़ा, 02 एक्सल, लोहे की 14 नुकीली छोटी रॉड, अजय के नाम से आधार कार्ड की फोटोकॉपी बरामद की गई।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के सर्व/श्री मुनीष प्रताप सिंह चौहान, निरीक्षक, अक्षय परवीर कुमार त्यागी, उप-निरीक्षक, राजन कुमार, सिपाही और मुकेश सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 07.07.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/26/2025-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 139-प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	दीपक कुमार सिंह	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	हेमन्त भूषण सिंह	निरीक्षक	वीरता पदक
3.	विनोद कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

गोरखपुर जिले का कुख्यात अपराधी और आतंक का पर्याय विनोद कुमार उपाध्याय अपनी आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए अपना गिरोह चलाता था। वह रंगदारी न देने वालों की हत्या करने से भी नहीं हिचकिचाता था। उसके खिलाफ गोरखपुर, संत कबीर नगर,

बस्ती और लखनऊ जिलों में हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी आदि के लगभग चार दर्जन मुकदमे दर्ज थे। उसे गिरफ्तार करने के लिए गोरखपुर जेल के अपर पुलिस महानिदेशक द्वारा 1,00,000/- रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में एसटीएफ की एक टीम इस अपराधी के खिलाफ खुफिया जानकारी एकत्र कर रही थी। दिनांक 04.01.2024 को एक सूचना मिली थी कि विनोद कुमार उपाध्याय कोई अपराध करने के लिए जिला सुल्तानपुर जाने वाला है। प्राप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार सिंह ने अपनी टीम, जिसमें निरीक्षक हेमन्त भूषण सिंह, हेड कांस्टेबल विनोद कुमार और अन्य शामिल थे, के द्वारा उसे रोकने की योजना बनाई। इस सूचना को एसएचओ कोतवाली देहात, सुल्तानपुर के साथ साझा किया गया। पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार सिंह, निरीक्षक हेमन्त भूषण सिंह और एसएचओ श्याम सुंदर के नेतृत्व में तीन टीमों का गठन किया गया। टीम 'ए' को लखनऊ जाने वाले राजमार्ग के दाईं ओर तैनात किया गया, जबकि टीम 'बी' को बाईं ओर और टीम 'सी' को हनुमान गंज की ओर जाने वाली सड़क की ढलान की ओर तैनात किया गया। सभी टीमों ने अपनी पोजीशन ली और इंतजार करती रहीं। सुबह के लगभग 03:20 बजे, एक स्लेटी स्विफ्ट डिजायर कार लखनऊ की ओर से आती दिखाई दी, जिसकी पुष्टि मुखबिर द्वारा विनोद उपाध्याय की कार के रूप में की गई। पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार सिंह ने कार को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक तेज गति से कार को अर्धनिर्मित बाईपास रोड की ओर मोड़कर भाग गया। एसटीएफ की टीम ने अपराधी की भागती हुई कार का पीछा किया।

लगभग 2-3 किमी तक पीछा करने के बाद कार नियंत्रण खोकर सर्विस लेन पर अर्ध-निर्मित सीमेंट के बोल्टर से टकरा गई। चालक ने जल्दी से दरवाजा खोला और भागने की कोशिश की तथा पास में पड़े मिट्टी के टीलों की आड़ लेकर पुलिस को धमकाने लगा। पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार सिंह टीम के साथ अपने वाहन से उतरे और उन्होंने सड़क पर पोजीशन ले ली। निरीक्षक हेमन्त भूषण सिंह की टीम ने भी पोजीशन ली। अपराधी विनोद ने एसटीएफ टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार सिंह, निरीक्षक हेमन्त भूषण सिंह और हेड कांस्टेबल विनोद कुमार बाल-बाल बचे। घने कोहरे और अंधेरे का फायदा उठाकर विनोद उपाध्याय ने मिट्टी के टीले की आड़ से रुक-रुक कर गोलियां चलाईं। उसे बार-बार आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी गई, लेकिन वह सभी चेतावनियों को नजरअंदाज करते हुए पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार सिंह और निरीक्षक हेमन्त भूषण सिंह के नेतृत्व वाली टीमों को निशाना बनाकर गोलीबारी करता रहा। नजदीक से गुजरती गोलियों से उत्पन्न खतरे के बावजूद, पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार सिंह, निरीक्षक हेमन्त भूषण सिंह और हेड कांस्टेबल विनोद कुमार ने अनुकरणीय साहस और वीरता का प्रदर्शन करके तथा युद्ध कौशल का उपयोग करके खतरनाक तरीके से पास आ रहे अपराधी को दूर रखने की कोशिश की। लगातार हो रही गोलीबारी और अपराधी को गिरफ्तार करने का कोई विकल्प न देख, पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार सिंह और निरीक्षक हेमन्त भूषण सिंह ने अदम्य साहस और बहादुरी का परिचय देते हुए कठिन परिस्थिति में जवाबी गोलीबारी की। जवाबी गोलीबारी में अपराधी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसने गोलीबारी बंद कर दी। इसके बाद उसकी जान बचाने के लिए उसे सावधानीपूर्वक अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मृत्यु हो गई।

मुठभेड़ स्थल से मैगजीन और 3 जिंदा और 13 खाली कारतूस सहित एक 7.62 मिमी पिस्तौल, मैगजीन सहित एक 9 मिमी स्टेनगन, 4 जिंदा और 2 खाली कारतूस और एक बिना नंबर की स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की गई।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के सर्वश्री दीपक कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, हेमन्त भूषण सिंह, निरीक्षक और विनोद कुमार, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 05.01.2024 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/27/2025-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 140--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री प्रमोद कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

एसटीएफ की टीम आपराधिक प्रवृत्ति वाले आदिवासी और खानाबदोश गिरोहों के विरुद्ध चलाए गए अभियान के तहत, खुफिया जानकारी एकत्र कर रही थी। दिनांक 02.07.2020 को एक सूचना मिली कि खानाबदोश जाति का बावरिया गिरोह नोएडा-आगरा एक्सप्रेसवे पर जेवर टोल टैक्स पार करने के बाद, 45 से 55 किलोमीटर के बीच पुलिया पर कीलें ठोककर और टायर पंचकर करके रात में किसी सनसनीखेज डकैती को अंजाम देने वाला है।

उप-निरीक्षक ब्रह्म प्रकाश के नेतृत्व में एसटीएफ की टीम, जिसमें हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार और अन्य शामिल थे, आवश्यक उपकरणों से लैस होकर मौके पर पहुंची। इस टीम ने एसएचओ तप्पल आशीष कुमार सिंह से संपर्क किया, जो पहले से ही एक्सप्रेसवे पर गश्त लगा रहे थे। एसटीएफ की टीम सर्विस रोड पर 50 किलोमीटर पर पहुंच गई। दो टीमों गठित की गईं, जिनमें से एक एसटीएफ के बल में से थी और दूसरी तप्पल पुलिस स्टेशन के बल में से थी। तप्पल पुलिस स्टेशन की टीम को एक्सप्रेसवे पर गश्त के लिए भेजा गया। एसटीएफ की टीम ने सुरक्षा उपकरण पहने और सर्विस रोड पर गश्त शुरू कर दी।

लगभग 03 किलोमीटर आगे जाने पर रात्रि के लगभग 11:25 बजे, दो संदिग्ध व्यक्ति दो मोटरसाइकिलों के साथ किलोमीटर संख्या 53 के पास अंडरपास में वाहनों की रोशनी में खड़े दिखाई दिए। पूछताछ करने पर, उन्होंने अपने हाथों में पकड़े हथियारों से पूर्व दिशा में स्थिति झाड़ियों से एसटीएफ की टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी। अपराधियों द्वारा चलाई गई गोलियां हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार के कान के पास से सनसनाती हुई निकल गईं, जिससे वे बाल-बाल बचे। हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार ने अपनी जान जोखिम में डालकर और अनुकरणीय साहस का परिचय देते हुए, अपराधियों का बहादुरी से मुकाबला किया। एसटीएफ की टीम ने अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए उनके पास जाने का प्रयास किया। अपराधियों ने बार-बार दी गई चेतावनियों को नजरअंदाज करते हुए गोलीबारी जारी रखी। कोई विकल्प न पाकर, कर्तव्य को सर्वोच्च मानते हुए, अनुकरणीय साहस और बहादुरी का परिचय देते हुए और अपने जीवन की परवाह किए बिना, हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार अपराधियों को पकड़ने के लिए युद्ध कौशल और रणनीति का उपयोग करते हुए अपराधियों की गोलीबारी की रेंज में घुस गए और उन्होंने जवाबी गोलीबारी की तथा उन्हें कराहने की आवाज सुनाई दी और एक अपराधी घायल होकर गिर गया।

इसी बीच, एसएचओ तप्पल की टीम एक्सप्रेसवे से घटनास्थल आ गई। अचानक वहां छिपे दो अपराधियों ने एसएचओ तप्पल पर गोलीबारी शुरू कर दी, जो ईश्वर की कृपा से बच गए। जवाबी कार्रवाई करने पर अपराधी भागने लगे, जिनका पीछा किया गया लेकिन अंधेरे, झाड़ियों और ऊंची फसलों का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। गोलीबारी बंद होने के बाद, घटनास्थल पर व्यापक तलाशी ली गई, जहां एक अपराधी घायल अवस्था में पड़ा मिला, जिसकी पहचान बाद में बबलू उर्फ गंजा के रूप में हुई, जो उत्तर प्रदेश से 50,000/- रुपये और हरियाणा से 50,000 रुपये का इनामी था। उसकी जान बचाने के लिए उसे अस्पताल भेजा गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। मौके पर से 03 खाली और 02 जिंदा कारतूस के साथ .315 बोर की एक पोनिया सीएमपी, 04 खाली और 23 जिंदा कारतूस के साथ 12 बोर की एक पोनिया सीएमपी, 02 मोटरसाइकिल, 02 साइकिल एक्सल, 10 कील और सीबीआई मामले से संबंधित फाइल बरामद की गई।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के श्री प्रमोद कुमार, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 02.07.2020 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/28/2025-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 141--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मुकेश कुमार	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	अरुण कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	टिकल	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02.06.2023 को, उप-निरीक्षक मुकेश कुमार, स्टेशन ऑफिसर, मुरादनगर पुलिस स्टेशन, पुलिस आयुक्तालय गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश पुलिस टीम के साथ पुलिस वाहन में पुलिस स्टेशन क्षेत्र में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए गश्त लगा रहे थे तथा रेलवे रोड तिराहे पर मौजूद थे। उन्हें अपने विश्वसनीय स्रोत से खूंखार हत्यारे अपराधी विशाल उर्फ मोनू के बारे में सूचना मिली, जो कोई जघन्य अपराध करने के लिए अपने साथी के साथ चितौड़ा से मुरादनगर तक गंग नहर-ट्रैक पर आ रहा था। पुलिस टीम जल्दी ही नहर के पुल पर पहुंच गई।

प्रभारी उप-निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस उपायुक्त-ग्रामीण की एसओजी टीम पहले से ही वहां तैनात थी और इसी बीच प्रभारी उप-निरीक्षक ओपी रेलवे रोड भी वहां पहुंच गए। उप-निरीक्षक मुकेश कुमार, स्टेशन ऑफिसर ने, कुछ ही समय में, अपराधियों को पकड़ने की रणनीति पर चर्चा की और ऑर्डनेंस फैक्ट्री के गेट के पास एक स्टॉपर पार्टी तैनात की तथा खुद पुलिस टीम का नेतृत्व करते हुए, तेजी से नहर ट्रैक पर रेलवे

पुल के नीचे चले गए, जो चितौड़ा की ओर जाता था तथा पुलिस वाहन को नहर रोड पर आड़ा-तिरछा खड़ा कर दिया गया। अपराधियों को रोकने के लिए वे नहर ट्रैक तिराहे के पास गए और श्री मुकेश कुमार, स्टेशन ऑफिसर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पोजीशन ले ली तथा वे अपराधियों के आने और उन्हें घेरने की प्रतीक्षा सतर्कता से करने लगे। लगभग 15:27 बजे, चितौड़ा की ओर से तेजी से आ रहे मोटरसाइकिल सवार 02 व्यक्तियों को देखा गया और मुखबिर द्वारा यह इशारा करने पर कि अपराधी विशाल उर्फ मोनू गाड़ी चला रहा है, वहां मुस्तैद उप-निरीक्षक मुकेश कुमार दोनों अपराधियों को रोकने के लिए निर्भीक होकर भागे बढे। पुलिस को सामने देखकर वे अचंभित हो गए और उन्होंने झुंझलाकर नहर ट्रैक पर तेजी से यू-टर्न लिया, लेकिन उनकी मोटरसाइकिल फिसल गई और चालाक अपराधी-जोड़ी ने अचानक पुलिस टीम पर जान से मारने के इरादे से उनकी ओर गोलियां चला दीं। उनमें से एक नहर में कूद गया तथा तैरकर नहर पार कर भाग निकला, लेकिन दूसरे ने एक पेड़ के पीछे पोजीशन ले ली और लगातार गोलीबारी जारी रखी। उप-निरीक्षक मुकेश कुमार ने हेड कांस्टेबल अरुण कुमार, हेड कांस्टेबल टिकल, हमला टीम और कवर-टीम के साथ मिलकर पुलिस अधिकारियों को अपराधी को भागने से रोकने के लिए कड़ी घेराबंदी करने तथा नाकाबंदी करने का निदेश दिया तथा वे सतर्कता से और रणनीतिक तरीके से उसकी तेज गोलीबारी से बचते हुए साहसपूर्वक आगे बढ़े और अपराधी को गोलीबारी बंद करने तथा आत्मसमर्पण करने के लिए जोर से ललकारा, लेकिन, उग्र और खूंखार अपराधी ने जोरदार गोलीबारी जारी रखी। क्रूर अपराधी द्वारा लगातार की जा रही घातक गोलीबारी के दौरान उप-निरीक्षक मुकेश कुमार ने पुलिस को खतरे में डालते हुए सामने से लड़ाई लड़ी। उन्होंने सर्वोच्च स्तर की नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करते हुए, पुलिस टीम को प्रेरित करके, उन्हें गोलीबारी करने से रोकने को कहा और अपराधी को जीवित गिरफ्तार करने का दृढ़ निश्चय किया तथा वे नहर की ओट लेते हुए पुलिस टीम के साथ साहसपूर्वक आगे बढ़े तथा अपराधी को फिर से चुनौती दी, लेकिन अपराधी द्वारा की गई जोरदार गोलीबारी के कारण उप-निरीक्षक श्री मुकेश कुमार, एसओ को सामने से गोली लगी और एसओजी के हेड कांस्टेबल अरुण कुमार और हेड कांस्टेबल टिकल भी घायल हो गए। फिर भी, उन्होंने गोली लगने और घायल होने के बावजूद, आत्मरक्षा में पुलिस कौशल और अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए जवाबी कार्रवाई की, जिससे अपराधी घायल होकर गिर पड़ा। उसकी पहचान कुख्यात हत्यारे विशाल उर्फ मोनू के रूप में हुई, जो 50000/- का इनामी फरार सशस्त्र अपराधी था, जिसकी बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई और उसके पास से अवैध आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद सफलतापूर्वक बरामद किया गया।

इस आमने-सामने की और दिन-दहाड़े हुए भीषण पुलिस मुठभेड़ में, उप-निरीक्षक श्री मुकेश कुमार और हेड कांस्टेबल अरुण कुमार और हेड कांस्टेबल टिकल ने खूंखार अपराधियों द्वारा की गई गोलीबारी से घायल होने के बावजूद, अदम्य साहस, वीरता और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण की भावना का परिचय दिया।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के सर्वश्री मुकेश कुमार, उप-निरीक्षक, अरुण कुमार, हेड कांस्टेबल और टिकल, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 02.06.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/29/2025-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 142--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अजय कुमार साहनी, भापुसे	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता पदक
2.	दिनेश चन्द्र	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
3.	मनोज कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

मेरठ के ट्रांसपोर्ट नगर के स्टेशन ऑफिसर श्री दिनेश चन्द्र से मोटरसाइकिल सवार 02 हथियारबंद लुटेरों द्वारा एक के बाद एक दुस्साहसिक मोटरसाइकिल लूट की घटनाओं को अंजाम देने की सूचना मिलने पर, श्री अजय कुमार साहनी, भापुसे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला मेरठ, उत्तर प्रदेश ने गणतंत्र दिवस की रात दिनांक 25/26.01.2020 को क्षेत्र में कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिले में गहन गश्त के लिए पुलिस तैनात की। पुलिस द्वारा रोके जाने पर, हथियारबंद लुटेरों ने पुलिस टीम पर जान से मारने के इरादे से गोलीबारी की और मेरठ-दिल्ली बाईपास-राष्ट्रीय राजमार्ग 58 की ओर भाग गए। तुरंत, पुलिस टीम हरकत में आई और अपराधियों की घेराबंदी करने के लिए मेरठ-दिल्ली बाईपास की ओर रवाना हुई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अजय कुमार साहनी पुलिस टीम के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर बंडर सिटी के पास पहुंचे और मोटरसाइकिल सवार दो अपराधियों को हाईवे पर भागते देखा। श्री दिनेश चन्द्र और पुलिस टीम ने उनका पीछा किया। पुलिस बल को देखकर, झुंझलाए अपराधियों ने हाईवे से बंडर सिटी नाला पटरी रोड की ओर अचानक गाड़ी मोड़ दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अजय कुमार साहनी पुलिस टीम के साथ अपराधियों के करीब पहुंचे और नाकाबंदी करने के निदेश दिया तथा स्वयं भी हथियारबंद आतंकियों का पीछा करते रहे। आगे कंटीली तारें देखने पर अपराधियों ने अपनी मोटरसाइकिल वहीं छोड़ दी और पुलिस टीम को जान से मारने के इरादे से अपने हाथों में लिए हथियारों से उनकी तरफ अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

पुलिस बल की कमान संभाल रहे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अजय कुमार साहनी अपने वाहन से सतर्कतापूर्वक उतरे और शांति अपराधियों को आत्मसमर्पण करने के लिए ललकारा, जिसे अपराधियों ने अनसुना कर दिया। अपनी जान की परवाह किए बिना, अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए, पुलिस टीमों ने रणनीतिक बनाकर उन्हें गिरफ्तार करने का दृढ़ निश्चय किया और खूंखार अपराधियों द्वारा की जा रही गोलीबारी के बावजूद निडरता से आगे बढ़ते रहे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के सीने में गोली लगी, जो बाल-बाल बचे, लेकिन हेड कांस्टेबल मनोज कुमार और स्टेशन ऑफिसर श्री दिनेश कुमार के पेट में गोली लगी और वे घायल हो गए।

क़ूर अपराधियों की जोड़ी की इस लगातार और हिंसक गोलीबारी के बीच 'करो या मरो' की स्थिति के दौरान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री अजय कुमार साहनी अविचलित रहे और उन्हें जीवित गिरफ्तार करने के लिए अड़िग रहे। उन्होंने सर्वोच्च स्तर के नेतृत्व के साथ और पुलिस टीम को प्रेरित करते हुए, निडरता से हमले की अगुवाई की और उनके साथ श्री दिनेश कुमार, स्टेशन ऑफिसर और हेड कांस्टेबल मनोज कुमार ने घायल होने के बावजूद अदम्य साहस के साथ मुकाबला किया तथा आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की। परिणामस्वरूप एक अपराधी घायल हो गया, जिसे पकड़ लिया गया। हालाँकि, बाद में उसकी मृत्यु हो गई और उसकी पहचान एक फरार सशस्त्र अपराधी चांद उर्फ काले पुत्र सत्तार के रूप में हुई, जिस पर 1,00,000/- का इनाम था और उसके पास से अवैध-हथियार तथा गोला-बारूद और हाल ही में लूटी गई मोटरसाइकिल आदि सफलतापूर्वक बरामद की गई।

इस भीषण आमने-सामने की मुठभेड़ में श्री अजय कुमार साहनी भापुसे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, श्री दिनेश कुमार, उप-निरीक्षक और हेड कांस्टेबल मनोज कुमार ने गोली लगने के बावजूद अदम्य साहस, वीरता और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण की भावना का परिचय दिया।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के सर्व/श्री अजय कुमार साहनी, भापुसे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, दिनेश चन्द्र, उप-निरीक्षक और मनोज कुमार, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 26.01.2020 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/30/2025-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 143--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	धर्मेश कुमार शाही	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता पदक
2.	यशवन्त सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	नीरज कुमार पाण्डेय	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

लगभग तीन दर्जन जघन्य आपराधिक मामलों के आपराधिक इतिहास वाला बलिया जिले का खूंखार अपराधी हरीश पासवान, उत्तर प्रदेश के बलिया, गोरखपुर, मऊ और बिहार तथा छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती जिलों में डेढ़ दशक से अधिक समय से आतंक का पर्याय बना हुआ था। दिनांक 07.07.2021 को उसने बलिया जिले में बैरिया पुलिस स्टेशन के अंतर्गत क्षेत्र में दिनदहाड़े जलेश्वर सिंह की नृशंस हत्या की कर दी। इसके बाद, वह इस मामले के गवाहों को धमका रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए, अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन, वाराणसी द्वारा 1,00,000/- रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

पुलिस उपाधीक्षक धर्मेश कुमार शाही के नेतृत्व में एसटीएफ की एक टीम ने हरीश पासवान के खिलाफ खुफिया जानकारी एकत्र करने के लिए, बलिया, मऊ, गाजीपुर, नोएडा, गाजियाबाद और बिहार के कुछ हिस्सों का दौरा किया। उन्हें यह पता चला कि हरीश पासवान जलेश्वर सिंह हत्याकांड के गवाहों की हत्या की योजना बना रहा है। दिनांक 03.09.2021 को मऊ रोडवेज बस स्टैंड पर अपनी टीम के साथ सूचना जुटाते

समय, सुबह के लगभग 10:30 बजे, पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही को पता चला कि हरीश पासवान हत्या की वारदात को अंजाम देने के लिए रसड़ा से कासिमाबाद होते हुए गाजीपुर की ओर जा रहा है। इस पर, पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही अपनी टीम के साथ चन्द्रशेखर आजाद चौराहा रसड़ा पहुंचे और उन्होंने तीन टीमों का गठन किया। दूसरी और तीसरी टीम का नेतृत्व क्रमशः उप-निरीक्षक सत्येंद्र विक्रम सिंह और निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह कर रहे थे।

पहली (हमला टीम) टीम ने कासिमाबाद होते हुए गाजीपुर जाने वाले मुख्य मार्ग पर नीबू कबीरपुर के पास पोजीशन ले ली, जबकि दूसरी टीम ने रसड़ा की ओर पहली टीम से 100 मीटर पहले पोजीशन ली और तीसरी टीम ने कासिमाबाद की ओर पहली टीम से 100 मीटर दूर पोजीशन ली और टीमों इंतजार करने लगीं। लगभग 11:30 बजे, एक नीले रंग की अपाचे मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति रसड़ा की तरफ से आते दिखाई दिए। पीछे बैठे व्यक्ति की पहचान हरीश पासवान के रूप में हुई। पहली टीम ने अन्य टीमों को सूचित करते हुए उन्हें रोकने की कोशिश की। पुलिस को देखकर अपराधियों ने अचानक रसड़ा की तरफ भागने के लिए यू-टर्न लिया, लेकिन दूसरी टीम को उन्हें रोकते देख वे बनौली रोड पर मुड़ गए। बार-बार आत्मसमर्पण करने की चेतावनी देने के बावजूद, पीछे की सीट पर बैठे अपराधी ने गालियां दीं, अपनी कमर में खोंसे हथियार को बाहर निकालर दोनों हाथों से पकड़कर पुलिस बल की ओर गोलियां चलाई, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही बाल-बाल बचे।

इस बीच, दूसरी और तीसरी टीमों भी नीबू कबीरपुर पहुंच गईं। पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही, हेड कांस्टेबल यशवन्त सिंह और हेड कांस्टेबल नीरज कुमार पाण्डेय और अन्य वाहन से उतरे और अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए दौड़े, जिन्होंने बनौली रोड पर मुड़ने से पहले अपनी मोटरसाइकिल रोककर पुलिस पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस दल ने युद्ध कौशल का उपयोग करके खुद को बचाया। पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही ने अपराधियों को आत्मसमर्पण करने के लिए फिर से चुनौती दी और उनके बनौली गांव की ओर भागते समय उनका पीछा किया। पीछे की सीट पर बैठे अपराधी ने दोनों हाथों से हथियार पकड़कर पुलिस पर गोलीबारी जारी रखी। पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही, हेड कांस्टेबल यशवन्त सिंह और हेड कांस्टेबल नीरज कुमार पाण्डेय इस हमले में बाल-बाल बचे। बनौली रोड पर थोड़ी दूरी तय करने के बाद अपराधियों की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पलट गई और वे गिर गए। पिछली सीट पर बैठे अपराधी ने गोलीबारी करना जारी रखा, जबकि मोटरसाइकिल चालक अपने सहयोगी द्वारा की गई गोलीबारी के कवर की मदद से मोटरसाइकिल सहित दूर निकलने में सफल रहा। पुलिस द्वारा दी गई सभी चेतावनियां व्यर्थ गईं और अपराधी और ज्यादा हताश तथा क्रोधित हो गए। पुलिस कार्मिकों की जान खतरे में देखकर और गोलीबारी कर रहे अपराधी पर काबू पाने का कोई विकल्प न पाकर, पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही, हेड कांस्टेबल यशवन्त सिंह और हेड कांस्टेबल नीरज कुमार पाण्डेय अदम्य साहस, बहादुरी और कर्तव्य के प्रति लगन का परिचय देते हुए अपनी जान जोखिम में डालकर कवर से बाहर निकले तथा सड़क की ढलान की आड़ में आगे बढ़े और नियंत्रित तरीके से गोलीबारी की। जब दूसरी तरफ से गोलीबारी बंद हो गई, तो एसटीएफ की टीम अपराधी के पास पहुँची और उसे बेहोश पड़ा पाया। उसकी पहचान एक लाख रुपये के इनामी और खूंखार अपराधी हरीश पासवान के रूप में हुई। उसे इलाज लिए अस्पताल भेजा गया, लेकिन उसकी मौत हो गई।

घटनास्थल से, एक फैक्ट्री निर्मित .32 बोर की रिवाल्वर, .32 बोर की एक देशी निर्मित पिस्तौल, .32 बोर (रिवाल्वर) के 04 खाली और 02 जिंदा कारतूस, .32 बोर पिस्तौल के 04 खाली और एक जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के सर्वश्री धर्मे श कुमार शाही, पुलिस उपाधीक्षक, यशवन्त सिंह, हेड कांस्टेबल और नीरज कुमार पाण्डेय, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 03.09.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/37/2025-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 144--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	रविन्द्र राठौड़	उप कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	देवी लाल	निरीक्षक	वीरता पदक
3.	साहिब सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
4.	कंवराज सिंह	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ कर्मियों पर हमला करने या उनका अपहरण के लक्ष्य के साथ पाकिस्तानी रेंजरों की घुसपैठ की मिली विश्वसनीय इनपुट के बाद, पश्चिमी मोर्चे की सीमा पर, विशेष रूप से राजस्थान और गुजरात सीमाओं में, बीएसएफ टीमों को पूरे पश्चिमी थिएटर में सक्रिय किया गया। पाकिस्तानी रेंजरों के किसी भी दुस्साहसिक प्रयास का मुकाबला करने के लिए सेक्टर मुख्यालय, श्रीगंगानगर में रवींद्र राठौर के नेतृत्व में एक टीम भी तैनात की गई।

रवींद्र राठौर और उनकी टीम ने जीरो लाइन के पास ऑपरेशन 'ईगल-क्लॉ' लॉन्च किया। उनकी टीम ने 72 घंटे से अधिक समय तक लगातार जीरो लाइन के पास किसानों के रूप में छद्मवेश धारण किया और लगातार निगरानी करते रहे। 3 मई, 2025 को, टीम को पता चला कि एक पाकिस्तानी रेंजर की टीम गुप्त रूप से जंगली झाड़ियों का कवर लेकर जीरो लाइन की ओर सम्भवतः बीएसएफ पार्टी पर हमला करने की मंशा से आगे बढ़ रही थी। जब पाकिस्तानी रेंजर की टीम ने भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किया तब रवींद्र राठौर के नेतृत्व में बीएसएफ टीम ने एक पाकिस्तानी रेंजर पर धावा बोल दिया और उसे पकड़ लिया। जब पाकिस्तानी रेंजरों ने अपनी राइफलों से गोली चलाने की कोशिश की तब बीएसएफ टीम को पाकिस्तानी रेंजर की टीम के सदस्यों के साथ हाथापाई करनी पड़ी।

ऑपरेशन के दौरान, रवींद्र राठौर और उनकी टीम ने असाधारण साहस, परिचालन प्रतिभा और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण का प्रदर्शन किया, जिसने पाकिस्तान को भारत की शर्तों पर बातचीत करने के लिए मजबूर किया और एक बीएसएफकर्मि पूर्णम कुमार शॉ को रिहा करवाया गया, जिसे फिरोजपुर से 24 अप्रैल, 2025 को पाकिस्तानी रेंजरों द्वारा बंदी बना लिया गया था और उसका जीवन संकट में था।

इस ऑपरेशन में, सीमा सुरक्षा बल के सर्वश्री रविन्द्र राठौड़, उप कमाण्डेंट, देवी लाल, निरीक्षक, साहिब सिंह, हेड कांस्टेबल और कंवराज सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 03.05.2025 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/31/2025-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 145--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री आलोक नेगी	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22.04.2025 को पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के जवाब में, भारत ने 07-08 मई, 2025 की रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में नौ आतंकवादी रसद/प्रशिक्षण ठिकानों को निशाना बनाकर सटीक हमले किए गए। जिसके जवाब में, पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर 16 अग्रिम सुरक्षा चौकियों (एफडीएल) में तैनात बीएसएफ की 53वीं बटालियन पर भारी गोलीबारी की। 07 से 10 मई, 2025 तक ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा पर अग्रिम सुरक्षा चौकियों (एफडीएल) मुखियारी और आसपास की चौकियों को निशाना बनाते हुए तीव्र और अकारण गोलीबारी कर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया तथा तोपों और मोर्टारों (120 मिमी/82 मिमी) से लगातार गोले दागे तथा मध्यम मशीन गन से गोलीबारी की। सीमा सुरक्षा बल की 53वीं बटालियन के सहायक कमाण्डेंट श्री आलोक नेगी, कंपनी कमांडर 'जी' कंपनी, कंदर्पा चौधरी और बाघमारे भवन देवराम को अग्रिम सुरक्षा चौकियों (एफडीएल), मुखियारी में तैनात किया गया था।

जैसे-जैसे स्थिति बिगड़ती गई, सहायक कमाण्डेंट आलोक नेगी ने दुश्मन की भीषण गोलाबारी के बीच अग्रिम चौकियों के बीच घूमकर, रक्षात्मक कार्रवाइयों के निदेश देकर कार्मिकों की सुरक्षित तैनाती सुनिश्चित करके और दुश्मन की बमबारी के बीच मोर्टार के स्थानांतरण का व्यक्तिगत रूप से नेतृत्व करके युद्ध क्षेत्र में अनुकरणीय नेतृत्व कौशल का परिचय दिया। उनकी कमान में, प्रभावी ढंग से जवाबी गोलाबारी की गई और कोपरा रिज, एनजी पोस्ट, डीसी पोस्ट, स्नाइपर पोस्ट और जेटी-1 सहित दुश्मन के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमला किया गया, जिससे दुश्मन की आक्रामकता धीमी पड़ गई तथा इस क्षेत्र पर नियंत्रण बना रहा। उनके आदेशों का अदम्य साहस के साथ पालन करते हुए, मोर्टार डिटेचमेंट-1 के कमांडर, सिपाही कंदर्पा चौधरी ने कोपरा रिज, एनसी पोस्ट, डीसी पोस्ट, स्नाइपर पोस्ट और जेटी-1 जैसे दुश्मन के प्रमुख ठिकानों पर असाधारण सटीकता के साथ हमला किया। जब दुश्मन की जवाबी कार्रवाई तेज हुई, तब उन्होंने सहायक कमाण्डेंट आलोक नेगी के

आदेश पर मोर्टार सेटअप की पोजीशन तुरंत बदली और लगातार गोलाबारी जारी रखी। उन्होंने बिना किसी आराम के 48 घंटे से ज्यादा समय तक मोर्टार टीम को लगातार अपना कुशल नेतृत्व प्रदान किया, जिससे निर्बाध और प्रभावी गोलाबारी सुनिश्चित की जा सकी। साथ ही, मोर्टार डिटेक्शन-2 के कमांडर, सिपाही वाघमारे भवन देवराम ने समन्वित मोर्टार गोलाबारी को कार्यान्वित करने में अहम भूमिका निभाई। कंपनी कमांडर के निर्देशों का पालन करते हुए, उन्होंने अपनी टीम को गोलाबारी के बीच तैनात किया और भारी मात्रा में सटीक जवाबी गोलाबारी की। उनकी एकाग्रता और तकनीकी कौशल ने दुश्मन को गोलाबारी कम करने को विवश कर दिया। वे 48 घंटे से ज्यादा समय तक कार्रवाई करते रहे और ऑपरेशनल मूमेंट बनाए रखने के साथ-साथ सैनिकों का मनोबल भी बनाए रखा।

सहायक कमाण्डेंट आलोक नेगी के अनुकरणीय नेतृत्व और सिपाही कंदर्पा चौधरी तथा कांस्टेबल वाघमारे भवन देवराम के द्वारा मोर्टार के इस्तेमाल के लिए समन्वित प्रयासों ने दुश्मन के जोरदार जवाबी हमले को विफल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके निर्बाध समन्वय, गोलीबारी के बीच निडरता से कार्य करने और कर्तव्यनिष्ठा ने सुनिश्चित किया कि हमारे सैनिकों में कोई हताहत न हो और दुश्मन की मोर्चाबंदी को भारी नुकसान पहुंचाया।

इस ऑपरेशन में, सीमा सुरक्षा बल के श्री आलोक नेगी, सहायक कमाण्डेंट ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 07.05.2025 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/41/2025-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 146--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री उदय वीर सिंह	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22.04.2025 को पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के जवाब में, भारत ने 07-08 मई, 2025 की रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों के नौ रसद और प्रशिक्षण स्थलों को निशाना बनाकर सटीक हमले किए गए।

इसके जवाब में, पाकिस्तान ने जम्मू क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की चौकियों पर भारी गोलीबारी, तोप तथा ड्रोन से हमले किए। दिनांक 10.05.2025 को सुबह लगभग 05:25 बजे, "ऑपरेशन सिंदूर" का बदला लेने के उद्देश्य से एक पूर्व नियोजित और बिना उकसावे के किए गए हमले में पाकिस्तानी रेंजर्स ने अपने नियमित सैनिकों के साथ मिलकर जम्मू सेक्टर में बीएसएफ की 120वीं बटालियन के कई अग्रिम ड्यूटी प्वाइंटों (एफडीपी) और सीमा चौकियों (बीओपी) पर तीव्र और भारी हमला किया। बीएसएफ की 120वीं बटालियन के एओआर को इस हमले में भारी नुकसान हुआ, जो पाकिस्तान की ओर से निशाना बनाकर की गई गोलाबारी की चपेट में आ गया था। बीएसएफ की 120वीं बटालियन के एओआर के मोर्चों पर तैनात बीएसएफ के सैनिकों ने अपने पास उपलब्ध सभी हथियारों से दुश्मन की चौकियों पर लगातार गोलीबारी की।

बाद में, शाम को लगभग 17:00 बजे, पाकिस्तानी रेंजर्स ने एक बार फिर भारी गोलाबारी शुरू कर दी, जिसमें 82 मिमी मोर्टार के गोलों और फ्लैट ट्रेजेक्टरी हथियारों से भारतीय सीमा चौकियों और सीमावर्ती गांवों को निशाना बनाया गया। दिनांक 10.05.2025 को, सहायक उप-निरीक्षक उदय वीर सिंह को सीमा चौकी जबोवाल, एफडीपी संख्या 06 पर तैनात किया गया था, जहां एक एमएमजी को भी पोजीशन किया गया था और उन्हें पाकिस्तानी पोस्ट जुमात पर लगे थर्मल इमेज वाले नाइट विजन निगरानी कैमरे को नष्ट करने का मिशन सौंपा गया था, ताकि दुश्मन हमारी सीमा चौकी और सैनिकों की गतिविधियों पर वास्तविक समय में नजर न रख सके।

सुबह के लगभग 05:25 बजे, पाकिस्तान ने उच्च और फ्लैट ट्रेजेक्टरी हथियारों से भारी गोलाबारी करते हुए हमारी सीमा चौकियों और अग्रिम ड्यूटी प्वाइंटों पर एक साथ हमला किया। इस खतरनाक लड़ाई के बीच, उन्होंने बहादुरी से अपने मिशन को अंजाम दिया और दुश्मन के निगरानी कैमरे को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। इस हमले से क्रोधित होकर, दुश्मन ने सीधी गोलीबारी के इरादे से एचएमजी को तैनात करते हुए एफडीपी संख्या 6 पर हवी-कैलिबर की गोलाबारी शुरू कर दी। भारी गोलाबारी के दौरान, सहायक उप-निरीक्षक उदय वीर सिंह के ऊपरी

होंठ पर एचएमजी के छर्रे लगे और उनका काफी खून बहने लगा। वहां से सुरक्षित बाहर निकलने के अनुरोध को नकारते हुए, उन्होंने अपने अग्रिम झूटी प्वाइंट पर नियंत्रण बनाए रखा और दुश्मन की उस पोजीशन को लगातार निशाना बनाया, जहां से एचएमजी की गोलाबारी हो रही थी। उनकी एमएमजी की सटीक गोलीबारी ने दुश्मन के एचएमजी-नेस्ट को नष्ट करके शांत कर दिया और हमारी ओर से निर्बाध हमला जारी रहा।

सहायक उप-निरीक्षक उदय वीर सिंह को ऊपरी होंठ पर छर्रे लगने के कारण गंभीर चोट लगी और अत्यधिक रक्तस्राव हुआ। अपनी गंभीर चोट के बावजूद, वे होश में रहे, खुद को स्थिर रखा और अपने एफडीपी पर नियंत्रण बनाए रखने पर जोर दिया तथा दुश्मन की उस पोजीशन पर हमला जारी रखा, जहां से एचएमजी से गोलाबारी हो रही थी। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, सहायक उप-निरीक्षक उदय वीर सिंह ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने साथी सैनिकों का हौसला बढ़ाया। गोलाबारी के दौरान, उनके असाधारण पराक्रम ने एफडीपी से लगातार जवाबी कार्रवाई को संभव बनाया और दुश्मन को खदेड़ने तथा चौकी की आक्रामक और रक्षात्मक क्षमता को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। बाद में, सहायक उप-निरीक्षक उदय वीर सिंह का जम्मू के सैन्य अस्पताल में अपने ऊपरी होंठ की चोट का इलाज हुआ, लेकिन उनकी देशभक्ति और मातृभूमि के प्रति प्रतिबद्धता कम नहीं हुई। सैन्य अस्पताल में भर्ती होने के बाद भी, उनका साहस कम नहीं हुआ। उन्होंने आगंतुकों का गर्मजोशी से स्वागत किया और वीरता, मानसिक शक्ति और बल तथा राष्ट्र के प्रति निष्ठा को दर्शाते हुए कर्तव्य पथ पर लौटने की दृढ़ इच्छा व्यक्त की।

इस ऑपरेशन में, सीमा सुरक्षा बल के उदय वीर सिंह, सहायक उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 10.05.2025 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/42/2025-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 147--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	व्यास देव	उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	सुदी राभा	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22.04.2025 को पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के जवाब में, भारत ने 07-08 मई, 2025 की रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों के नौ रसद/प्रशिक्षण शिविरों को निशाना बनाकर सटीक हमले किए गए। इसके जवाब में, पाकिस्तान ने जम्मू क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की चौकियों पर भारी गोलीबारी, तोप तथा ड्रोन से हमले किए।

दिनांक 09/10.05.2025 की मध्यरात्रि को, "ऑपरेशन सिंदूर" का बदला लेने के उद्देश्य से एक पूर्व नियोजित और बिना उकसावे के किए गए हमले में, पाकिस्तानी रेंजर्स ने नियमित सैनिकों के साथ मिलकर जम्मू सेक्टर में बीएसएफ की 7वीं बटालियन के कई अग्रिम झूटी प्वाइंटों (एफडीपी) और सीमा चौकियों (बीओपी) पर तीव्र और भारी हमला किया। बीओपी सुशील को इस हमले का सबसे अधिक नुकसान हुआ, जिसे निशाना बनाकर पाकिस्तानी चौकियों, नामतः पुतवाल मोर्चा, पुतवाल और चपरार से भारी गोलाबारी की गई थी। इस चौकी पर 82 मिमी मोर्टार के गोलों और भारी मशीन गन से जोरदार हमला किया गया था, जिससे उसे सुरक्षित रखना मुश्किल हो गया। बीओपी सुशील के मोर्चे पर तैनात बीएसएफ के सैनिकों ने, पूरी रात, अपने पास उपलब्ध सभी हथियारों से दुश्मन की चौकियों पर लगातार गोलाबारी की।

सुबह के लगभग 05:00 बजे, कुछ देर के युद्ध विराम के दौरान, कंपनी कमांडर ने उप-निरीक्षक व्यास देव और सिपाही सुदी राभा को मोर्चे पर तैनात अग्रिम पंक्ति के सैनिकों के लिए गोला-बारूद पहुंचाने का कार्य सौंपा ताकि दुश्मन के किसी भी नए हमले के लिए तैयारी सुनिश्चित की जा सके। इसमें बहुत खतरा होने के साथ-साथ दुश्मन की ओर से अचानक होने वाली गोलाबारी का जोखिम भी शामिल था। इसके बावजूद, उप-निरीक्षक व्यास देव और सिपाही सुदी राभा की जोड़ी ने इस कठिन कार्य को दृढ़ता के साथ संपन्न किया।

दोनों ने सुशील सीमा चौकी में कंपनी के आयुध भंडार से गोला-बारूद निकाला और जरूरतमंद सैनिकों को वितरित करने के लिए मोर्चे की ओर बढ़ना शुरू किया। जब वे इस जोखिम भरे मिशन पर थे, तभी दुश्मन की ओर से अचानक गोलाबारी शुरू हो गई। तथापि, उप-निरीक्षक

व्यास देव और सिपाही सुदी राभा ने अपने कार्य के महत्व को समझते हुए, जान पर मंडराते गंभीर खतरे के बावजूद बहादुरी से अपना काम जारी रखा।

उन्होंने एडी गन, एमएमजी मोर्चे में गोला-बारूद की पूर्ति की और खराब एजीएस को भी ठीक किया। महिला बैरक के पीछे के एक मोर्चे की ओर जाते समय, दुश्मन का 82 मिमी मोर्टार बम अचानक उनके पास फटा, जिससे दोनों को छर्रे की गंभीर चोटें आईं।

उप-निरीक्षक व्यास देव को कई छर्रे लगने के कारण गंभीर और जानलेवा जख्म हुए तथा अत्यधिक रक्तस्राव हुआ। फिर भी, अपने जख्मों की गंभीरता के बावजूद, वे होश में रहे, खुद को स्थिर किया और इस बात पर जोर दिया कि गोला-बारूद के अग्रिम मोर्चे पर पहुंचने के बाद ही वे वहां से निकलेंगे। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, उप-निरीक्षक व्यास देव ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने साथी सैनिकों को प्रेरित किया। गोलाबारी के बीच उनके असाधारण पराक्रम ने चौकी से लगातार जवाबी कार्रवाई को संभव बनाया और दुश्मन को खदेड़ने तथा चौकी की आक्रामक और रक्षात्मक क्षमता को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। बाद में, उप-निरीक्षक व्यास देव को जम्मू के सैन्य अस्पताल में अपने बाएं पैर के दर्दनाक अंग-विच्छेद से गुजरना पड़ा, लेकिन देशभक्ति और मातृभूमि के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की भावना कम नहीं हुई। सैन्य अस्पताल में भर्ती होने के बाद भी, उनका साहस कम नहीं हुआ। उन्होंने आगंतुकों का गर्मजोशी से स्वागत किया और वीरता, मानसिक शक्ति और बल तथा राष्ट्र के प्रति निष्ठा को दर्शाते हुए कर्तव्य पथ पर लौटने की दृढ़ इच्छा व्यक्त की।

सिपाही सुदी राभा भी समान रूप से दृढ़ और साहसी थे तथा वे गोला-बारूद की पूर्ति के महत्वपूर्ण अभियान के दौरान अपने कमांडर उप-निरीक्षक व्यास देव के साथ कंधे से कंधा मिलाकर डटे रहे। विस्फोट के कारण उन्हें गंभीर आघात हुआ, पेरिनियल भाग में गहरे घाव हुए तथा उनकी दोनों जांघें, बायां पैर और दायां टखना जख्मी हो गया। अत्यधिक दर्द और जानलेवा जख्मों के बावजूद, सिपाही सुदी राभा ने हार नहीं मानी। अपने घायल साथी के साथ, उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि आवश्यक गोला-बारूद अग्रिम मोर्चे तक पहुंच जाए, जिससे दुश्मन की चौकियों से की जा रही गोलीबारी को बेअसर करने में महत्वपूर्ण योगदान मिला। दबाव में उनके शांत व्यवहार और कर्तव्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से चौकी पर तैनात सभी सैनिकों को प्रेरणा मिली।

इस ऑपरेशन में, सीमा सुरक्षा बल के सर्व/श्री व्यास देव, उप-निरीक्षक और सुदी राभा, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 10.05.2025 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/43/2025-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 148--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अभिषेक श्रीवास्तव	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक
2.	ब्रज मोहन सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	दीपेश्वर बर्मन	सिपाही	वीरता पदक
4.	भूपेन्द्र वाजपेयी	सिपाही	वीरता पदक
5.	राजन कुमार	सिपाही	वीरता पदक
6.	बासावाराज शिवाप्पा सुंकदा	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22.04.2025 को पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के जवाब में, भारत ने 07-08 मई, 2025 की रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों के नौ रसद/प्रशिक्षण शिविरों को निशाना बनाकर सटीक हमले किए गए। इसके जवाब में, पाकिस्तान ने जम्मू क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की चौकियों पर भारी गोलीबारी, तोप तथा ड्रोन से हमले किए।

दिनांक 09.05.2025 को लगभग 21:15 बजे, पाकिस्तानी पोस्ट अफजल शहीद में तैनात पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू जिले में स्थित बीएसएफ की सीमा चौकी (बीओपी) एएमके पर बिना किसी उकसावे के मशीन गन से भारी गोलीबारी शुरू कर दी। सीमा चौकी एएमके के कंपनी कमांडर ने तुरंत बीओपी सुशील में तैनात 07वीं बटालियन के कमाण्डेंट को सूचित किया, जिन्होंने मुंहतोड़ जवाब देने का आदेश दिया और सभी कंपनी कमांडरों को जवाबी कार्रवाई हेतु तैयार रहने के लिए सतर्क कर दिया। इसके तुरंत बाद, निकटवर्ती पाकिस्तानी चौकियां छोटा चक और न्यू चुम्बियन भी हमले में शामिल हो गईं, जिसके जवाब में बीएसएफ की सीमा चौकियों नामतः ओम्मन, मकवाल फॉरवर्ड और खारकोला ने भी जवाबी कार्रवाई की।

बीएसएफ की बीओपी खारकोला की कमान उप-निरीक्षक मोहम्मद इस्मियाज के हाथों में थी। उनके अतिरिक्त, 09-10 मई, 2025 की मध्य रात्रि को अन्य कार्मिकों के साथ-साथ, बीएसएफ की 07वीं बटालियन के हेड कांस्टेबल ब्रज मोहन सिंह, सिपाही दीपक चिंगाखम, सिपाही दीपेश्वर बर्मन, सिपाही भूपेन्द्र वाजपेयी, सिपाही राजन कुमार और सिपाही बासावाराज शिवाप्पा सुंकदा तथा प्रशिक्षु सहायक कमाण्डेंट अभिषेक श्रीवास्तव भी बीओपी खारकोला में तैनात थे।

अंतर्राष्ट्रीय सीमा से बसुशिकल 200 मीटर की दूरी पर स्थित बीओपी खारकोला पर, दिनांक 09/10.05.2025 की मध्य रात्रि के दौरान, पाकिस्तानी चौकियों द्वारा मोर्टार से और स्वचालित हथियारों से फ्लैट ट्रेजेक्टरी की भारी गोलीबारी की गई। पोस्ट कमांडर उप-निरीक्षक मोहम्मद इस्मियाज की कुशल कमान में बीएसएफ के सैनिकों ने बीओपी खारकोला और उसकी अग्रिम चौकियों से मुंहतोड़ जवाब दिया।

इस शत्रुतापूर्ण मुठभेड़ के बीच, दुश्मन के कई ड्रोन सीमा चौकी खारकोला के ऊपर घुसपैठ करते देखे गए, जिनके बारे में संदेह था कि वे हवा से जमीनी स्थिति की जासूसी कर रहे थे और विस्फोटक गिराने या मोर्टार से गोला दागने में मदद कर रहे थे, जिससे सीमा चौकी और उससे संबंधित शिविरों में तैनात सैनिकों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया था। दिनांक 10.05.2025 को सुबह के लगभग 05:00 बजे, सीमा चौकी मंगराल के कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर में तैनात कार्यवाहक कंपनी कमांडर, निरीक्षक राजवीर सिंह जाट ने दुश्मन के इस ड्रोन की संदिग्ध गतिविधि को देखा और सीमा चौकी खारकोला के पोस्ट कमांडर, उप-निरीक्षक मोहम्मद इस्मियाज को सतर्क रहने के निर्देश दिए।

अपनी सीमा चौकी के ऊपर ड्रोन की भिनभिनाहट सुनकर और इस हवाई खतरे से अपने जवानों की जान को होने वाले खतरे का आभास पाकर, उप-निरीक्षक मोहम्मद इस्मियाज अपने कमांड बंकर से चतुराईपूर्वक बाहर निकले तथा उन्होंने देखा कि सीमा चौकी के ऊपर दो पाकिस्तानी ड्रोन मंडरा रहे थे। उन्होंने ड्रोन को तुरंत मार गिराने के लिए "ड्रोन ड्रोन, एलएमजी जल्दी लाओ" चिल्लाते हुए एक लाइट मशीन गन (एलएमजी) मंगवाई और तुरंत कार्रवाई करते हुए, हेड कांस्टेबल ब्रज मोहन सिंह, सिपाही दीपक चिंगाखम और सिपाही दीपेश्वर बर्मन हथियारों के साथ दौड़ पड़े।

सीमा चौकी (बीओपी) में स्वचालित ग्रेनेड लॉन्चिंग सिस्टम (एजीएलएस) मोर्चे में तैनात सिपाही भूपेन्द्र वाजपेयी, सिपाही राजन कुमार और सिपाही बासावाराज शिवाप्पा सुंकदा ने भी ड्रोन देखे। उप-निरीक्षक मोहम्मद इस्मियाज ने सिपाही दीपक से एलएमजी ली और गोलीबारी की, जिससे एक ड्रोन को सफलतापूर्वक मार गिराया गया, जबकि दूसरा वापस लौट गया। जल्द ही, दुश्मन का एक और ड्रोन दिखाई दिया। सिपाही दीपक ने एलएमजी वापस ली और गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें उप-निरीक्षक मोहम्मद इस्मियाज, हेड कांस्टेबल ब्रज मोहन सिंह और सिपाही दीपेश्वर बर्मन भी शामिल हो गए।

हालांकि, कुछ ही देर में दुश्मन का एक 82 मिमी मोर्टार गोला, जो संभवतः ड्रोन द्वारा गिराया गया था, एजीएलएस मोर्चे के ठीक बाहर फटा, जिसके छर्रे लगने से उप-निरीक्षक मोहम्मद इस्मियाज, हेड कांस्टेबल ब्रज मोहन सिंह, सिपाही दीपक चिंगाखम और सिपाही दीपेश्वर बर्मन को गंभीर चोटें आईं।

हेड कांस्टेबल ब्रज मोहन सिंह, जिन्होंने पहले भी असाधारण सतर्कता और युद्ध कौशल के साथ ड्रोन के खतरे से निपटने में जवाबी कार्रवाई की थी, दुश्मन के ड्रोन को मार गिराने का प्रयास करते समय गंभीर रूप से घायल हो गए। विस्फोट की वजह से कई छर्रे लगने और मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा के कारण वे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें मेंडिबल और मैक्सिला का लगभग पूरा फ्रैक्चर भी शामिल था। चलने में अक्षम और अशक्त होने के बावजूद, हेड कांस्टेबल ब्रज मोहन सिंह ने अदम्य साहस का परिचय दिया तथा गहरी पीड़ा को झेलते हुए, गंभीर रूप से घायल अवस्था में वे बिना घबराए लेटे रहे और अपने साथी सैनिकों के मनोबल को गिरने नहीं दिया। लगभग दो सप्ताह तक आईसीयू में रहने के दौरान, हड्डी के 12 सेमी हिस्सा टूटने के कारण बोलने में असमर्थ होने के बावजूद, उन्होंने मानसिक दृढ़ता का परिचय दिया, अपने बिस्तर से ही अधिकारियों और साथियों का अभिवादन किया, दृढ़ अनुशासन तथा युद्धक्षेत्र की मर्यादा का पूरी तरह पालन किया।

दुश्मन के ड्रोन को मार गिराने के प्रयास के दौरान सिपाही दीपेश्वर बर्मन को विस्फोट से गंभीर चोटें आईं, जिनमें पेरिनियल ट्रॉमा और गर्दन तथा शरीर के निचले अंगों पर कई छर्रे के जख्म शामिल थे। असहनीय पीड़ा और जान को खतरा होने के बावजूद, सिपाही दीपेश्वर बर्मन ने अपने साथियों को प्रेरित करते हुए अपनी एलएमजी से जवाबी गोलाबारी जारी रखी और हवाई हमलों को नाकाम किया। गोलाबारी के बीच अदम्य साहस का परिचय देते हुए, उन्होंने गंभीर रूप से घायल कार्मिकों को निकालने में मदद की और दुश्मन के भीषण हमले के दौरान रक्षात्मक अभियानों को जारी रखना सुनिश्चित किया।

सीमा चौकी (बीओपी) खारकोला के ऊपर उड़ रहे दुश्मन के ड्रोन को मार गिराने का प्रयास करते समय मोर्टार के गोले के विस्फोट के बाद छर्रे लगने से सिपाही भूपेन्द्र वाजपेयी घायल हो गए। खुद घायल होने के बावजूद, उन्होंने श्री अभिषेक श्रीवास्तव, सहायक कमाण्डेंट द्वारा जवानों को सुरक्षित बाहर निकालने की पुकार सुनकर बिना किसी हिचकिचाहट के कार्रवाई की। उन्होंने असाधारण साहस का परिचय देते हुए,

दुश्मन की भारी गोलाबारी के बीच अपने घायल साथियों को बाहर निकालने में मदद की और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी।

सिपाही राजन कुमार ने छर्रे लगने से घायल होने के बावजूद, इस भीषण युद्ध में उल्लेखनीय बहादुरी का परिचय दिया। कॉल मिलने के बाद वे तुरंत बचाव कार्य में शामिल हो गए, दुश्मन की गोलाबारी के बीच खुद को जोखिम में डालते हुए और अपने घायल साथी सैनिकों को खुले मैदान से छत वाली सीमा चौकी में संरक्षित मोर्चे में सुरक्षित पहुंचाने में मदद की।

उसी समय, सिपाही बासावाराज शिवाप्पा सुंकदा भी विस्फोट में घायल हो गए। उन्होंने विस्फोट के कारण हुए अपने जख्मों की परवाह किए बिना अटूट दृढ़ संकल्प और निस्वार्थता का परिचय देते हुए लगातार हो रही गोलाबारी के बीच घायल साथियों को सुरक्षित बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके कार्यों ने युद्ध क्षेत्र में असाधारण वीरता और सौहार्दपूर्ण भावना का परिचय दिया।

श्री अभिषेक श्रीवास्तव, सहायक कमाण्डेंट, बीओपी खारकोला में अपनी ऑन-जॉब ट्रेनिंग के दौरान तैनात थे। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान वे पोस्ट कमांडर उप-निरीक्षक मोहम्मद इम्तियाज के साथ कमांड बंकर में मौजूद थे, जहां उन्होंने बड़ी बारीकी से युद्ध कौशल की गूढ़ता को समझा। जब उप-निरीक्षक मोहम्मद इम्तियाज दुश्मन के ड्रोन को मार गिराने के लिए बंकर से बाहर निकले, तब कुछ ही क्षणों बाद इस युवा अधिकारी ने एक तेज धमाका सुना। अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, वे बुरी तरह घायल उप-निरीक्षक मोहम्मद इम्तियाज और अन्य घायल कार्मिकों के पास पहुंचे। उन कठिन परिस्थितियों में, सहायक कमाण्डेंट अभिषेक श्रीवास्तव ने सभी घायलों को बाहर निकालने की व्यवस्था की और अपने साथियों की जान बचाई। उन्होंने अदम्य साहस, कुशल नेतृत्व क्षमता और सूझबूझ का परिचय दिया।

इस ऑपरेशन में, सीमा सुरक्षा बल के सर्वश्री अभिषेक श्रीवास्तव, सहायक कमाण्डेंट, ब्रज मोहन सिंह, हेड कांस्टेबल, दीपेश्वर वर्मन, सिपाही, भूपेन्द्र वाजपेयी, सिपाही, राजन कुमार, सिपाही और बासावाराज शिवाप्पा सुंकदा, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 10.05.2025 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/44/2025-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 149--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	राजप्पा बी टी	सहायक उप-निरीक्षक	वीरता पदक
2.	मनोहर खलको	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22.04.2025 को पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के जवाब में, भारत ने 07-08 मई, 2025 की रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में स्थित आतंकवादियों के नौ रसद/प्रशिक्षण शिविरों, पर सटीक हमले किए गए। इसके जवाब में, पाकिस्तान ने जम्मू क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की चौकियों पर भारी गोलीबारी, तोप तथा ड्रोन से हमले किए।

दिनांक 09/10.05.2025 की मध्य रात्रि में, "ऑपरेशन सिंदूर" का बदला लेने के उद्देश्य से एक पूर्व नियोजित और बिना उकसावे के किए गए हमले में पाकिस्तान रेंजर्स ने नियमित सैनिकों के साथ मिलकर जम्मू सेक्टर में बीएसएफ की 165वीं बटालियन के कई अग्रिम ड्यूटी प्वाइंटों (एफडीपी) और सीमा चौकियों (बीओपी) पर तीव्र और भारी हमला किया। सीमा चौकियों (बीओपी) करोटाना खुर्द, करोटाना फॉरवर्ड और सुचेतगढ़ को इस हमले का सबसे अधिक नुकसान हुआ, जिन पर पाकिस्तानी चौकियों नामतः जमशेद, मलाने और कसीरा द्वारा निशाना बनाकर गोलाबारी की गई थी। चौकियों पर निरंतर 82 मिमी मोर्टार के गोले दागे गए और मशीन गन से गोलियों की भारी बौछार की गई, जिससे इनको सुरक्षित रख पाना मुश्किल हो गया। बीओपी करोटाना खुर्द, करोटाना फॉरवर्ड और सुचेतगढ़ के मोर्चों में तैनात बीएसएफ के सैनिकों ने अपने पास उपलब्ध सभी हथियारों से दुश्मन की चौकियों पर पूरी रात लगातार गोलीबारी की।

दिनांक 10.05.2025 की सुबह, पाकिस्तान ने फिर से मोर्टार और फ्लैट ट्रेजेक्टरी हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी। अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगभग 500 मीटर की दूरी पर स्थित बीएसएफ की 165वीं बटालियन की बीओपी करोटाना खुर्द में तैनात बीएसएफ के सहायक उप-निरीक्षक

राजप्पा बी टी और सिपाही मनोहर खलको द्वारा जोरदार जवाब दिया जा रहा था। लगभग 07:40 बजे, बीओपी मोर्चों से पोस्ट कमांडर को सूचित किया गया कि उनके पास स्वचालित ग्रेनेड लॉन्चिंग सिस्टम का गोला-बारूद समाप्त होने वाला है और जवाबी कार्रवाई के लिए गोला-बारूद की पूर्ति आवश्यक है। कंपनी कमांडर ने मोर्चों को कंपनी के कोट भंडार से गोला-बारूद उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सहायक उप-निरीक्षक राजप्पा बी टी और सिपाही मनोहर खलको को दी।

अपने सहयोगियों की जान बचाने के लिए और अपने निजी जीवन और सुरक्षा की परवाह किए बिना, कोट कमांडर सहायक उप-निरीक्षक राजप्पा बी टी और सिपाही मनोहर खलको उस आयुध भंडार की ओर बढ़े जहां गोला-बारूद रखा गया था। उन्होंने दुश्मन की गोलीबारी के दौरान चौकी और वहां तैनात सैनिकों की रक्षा के लिए गोला-बारूद को अपनी एजीएस और अन्य मोर्चों तक पहुंचाया ताकि दुश्मन द्वारा की जा रही गोलाबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके। हालांकि, लगभग 07:50 बजे; जब वे अतिरिक्त गोला-बारूद पहुंचाने के लिए चतुराई से आगे बढ़ रहे थे, तब पाकिस्तान द्वारा दागा गया एक 82 मिमी मोर्टार बम आयुध भंडार के पास फटा, जिससे सहायक उप-निरीक्षक राजप्पा बी टी के शरीर के दाहिने हिस्से में कई छर्रे लगने से गंभीर जखम हुए और सिपाही मनोहर खलको को भी दाहिने हाथ के अंगूठे और अनामिका में छर्रे लगे। घायल होने के बावजूद दोनों ने अतुलनीय वीरता का प्रदर्शन करते हुए मृत्यु के सामने भी सौंपे गए उत्तरदायित्व का निर्वहन किया। बाद में, उन्हें बाहर निकालकर सेना अस्पताल, जम्मू ले जाया गया।

सहायक उप-निरीक्षक राजप्पा बी टी ने गोलीबारी के दौरान अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना अपने साथी सैनिकों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की, जिसके दौरान उन्हें छर्रे लगने के कारण गंभीर चोटें आईं और उन्होंने चौकी में तैनात उन सैनिकों की जान बचाई, जिससे दुश्मन की गोलीबारी का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर सके। उन्होंने अपने जखमों के बावजूद यह भी सुनिश्चित किया कि गोला-बारूद के बक्सों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सके और इस प्रकार एक बड़े नुकसान को टाला जा सका। अनुकरणीय बहादुरी, नेतृत्व क्षमता और सूझबूझ का परिचय देते हुए, दुश्मनों के खिलाफ की गई उनकी कार्रवाई ने दुश्मन को पीछे धकेलने में मदद की।

सिपाही मनोहर खलको, अपनी जान की परवाह किए बिना लड़ाई के दौरान दुश्मन की गोलीबारी का सामना करते हुए छर्रे लगने के कारण घायल हुए। छर्रे लगने के कारण घायल होने के बावजूद उन्होंने गोला-बारूद की आपूर्ति करने में अपने कमांडर की बहादुरी से सहायता की। दुश्मन की गोलीबारी का मुकाबला करने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी।

इस ऑपरेशन में, सीमा सुरक्षा बल के सर्व/श्री राजप्पा बी टी, सहायक उप-निरीक्षक और मनोहर खलको, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 10.05.2025 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/45/2025-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 150--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	संतोष कुमार पाल	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता पदक
2.	अभिन कुमार माझी	सिपाही	वीरता पदक
3.	लेखराज छेत्री	सिपाही	वीरता पदक
4.	विवेक कुमार	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 28.12.2022 को, पुलिस अधीक्षक लोहरदगा से झारखंड के लोहरदगा जिले के बागरू पुलिस स्टेशन क्षेत्र के कोरगो गांव के पास आरसीएम रवींद्र गंझू के सीपीआई माओवादी दस्ते की मौजूदगी के बारे में एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। तुरंत ही, श्री संतोष कुमार पाल, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 158वीं बटालियन के सैनिकों और श्री दीपक कुमार पांडे, वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक (ऑपरेशन) के नेतृत्व में झारखंड पुलिस/एसएटी के सैनिकों के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई गई। संयुक्त सैनिक, दिनांक 29.12.2022 को लगभग 01:30 बजे, मोटरसाइकिल से रवाना हुए।

प्रेमश आधारीत आईईडी के संभावित खतरे के कारण, सैनिकों ने गुमियाटोली गांव के पास के ड्रापिंग पाइंट पर पहुंचने के बाद, एक क्रॉस-कंट्री टैक्टिकल मूवमेंट शुरू किया। जैसे ही वे लक्षित क्षेत्र के पास पहुंचे, एसएटी-191 द्वारा बाहरी घेराबंदी की गई। शेष दल ने प्राकृतिक बाधाओं को पार करते हुए लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़ना जारी रखा। संदिग्ध क्षेत्र के निकट पहुंचने और वहां प्रभावी ढंग से घेराबंदी करने के लिए, सैनिकों को दो टीमों में विभाजित किया गया। टीम-1 ने एसएटी-3 और 158वीं बटालियन की एफ कंपनी के साथ मिलकर, दाहिनी ओर से कवर किया और श्री संतोष कुमार पाल, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में टीम-2, 158वीं बटालियन की क्यूएटी और डीएपी के साथ बाईं ओर से आगे बढ़ी ताकि संभावित दुश्मन क्षेत्र की गहन तलाशी ली जा सके।

सुबह सवेरे, जब टीम-1 का एक छोटा हमला दल रणनीतिक तरीके से आगे बढ़ रहा था, तब एक नक्सली संतरी ने उनकी गतिविधि को भांप लिया और उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। सैनिकों ने सशस्त्र नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन नक्सलियों ने अपनी गोलीबारी तेज कर दी। सैनिकों ने रणनीतिक रूप से जवाबी कार्रवाई की, जिससे नक्सली समूह को अपनी पोजीशन बदलनी पड़ी। घनी झाड़ियों का लाभ उठाते हुए, नक्सली दूसरी तरफ चले गए, जहां टीम-2 ने पहले ही अपनी पोजीशन संभाल ली थी। दुश्मन को पीछे धकेलने के लिए, द्वितीय कमान अधिकारी श्री संतोष कुमार पाल ने तेजी दिखाते हुए रणनीतिक रूप से, अपनी टीम की पोजीशन को बदला और खुद को 158वीं बटालियन की क्यूएटी के हमला दल के सामने तैनात किया। यह एक महत्वपूर्ण क्षण था जब नक्सली दस्ते के दो नक्सली दाईं ओर से घुसे, जिन्हें घेरे के भीतर तैनात क्यूएटी कार्मिकों ने तुरंत चुनौती दी। इसके जवाब में, नक्सलियों ने इस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी और दो अलग-अलग दिशाओं की ओर बढ़ने की कोशिश की।

सिपाही लेखराज छेत्री ने एक नक्सली का पीछा किया, जबकि अन्य कार्मिकों ने अपने स्थान से दूसरे नक्सली की गतिविधियों के बारे में कमांडर को सचेत किया। स्थिति पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, श्री संतोष कुमार पाल, द्वितीय कमान अधिकारी ने अपनी टीम को गोलीबारी नहीं करने का आदेश दिया क्योंकि क्यूएटी के सदस्य नक्सलियों के पीछे तैनात थे। शेष दल के लिए औचक बनाए रखने के उद्देश्य से यह रणनीतिक निर्णय महत्वपूर्ण था। नक्सलियों की गतिविधि की दिशा को पहचानते हुए, श्री संतोष कुमार पाल, द्वितीय कमान अधिकारी ने अपने सहयोगी सिपाही विवेक कुमार को एक नक्सली का पीछा कर रहे सिपाही लेखराज छेत्री की सहायता करने के लिए बायीं ओर से आगे बढ़ने का निदेश दिया। इसके साथ ही, उन्होंने दाहिनी ओर से सहयोगी सिपाही अभिन कुमार माझी को बेहतर सामरिक कवर लेने के लिए पास की झोपड़ी की दीवार के पास तक रेंगने और पोजीशन लेने का निदेश दिया।

इस भीषण मुठभेड़ के दौरान, झोपड़ी की ओर बढ़ रहे एक नक्सली ने द्वितीय कमान अधिकारी श्री संतोष कुमार पाल को देख लिया और उनकी ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सौभाग्य से, वे बाल-बाल बचे और उन्होंने नक्सलियों द्वारा की गई भारी गोलीबारी से विचलित हुए बिना, बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की, जिससे नक्सली घायल हो गया और उसे झोपड़ी के पास छिपने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसी बीच, सिपाही अभिन कुमार माझी झोपड़ी के पास पहुंचे और कवर लेने के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण एक स्थान पर पहुंचकर उन्होंने गोलीबारी शुरू की, जिससे नक्सली घेरा नहीं तोड़ सका और गंभीर रूप से घायल होकर झोपड़ी के पास गिर पड़ा।

दूसरी ओर, सिपाही विवेक कुमार और सिपाही लेखराज छेत्री बायीं और दायीं तरफ से फायर और मूव रणनीति अपनाते हुए दूसरे नक्सली की ओर बढ़ते रहे। कई दिशाओं से एक साथ हो रही एक-दूसरे पर गोलीबारी के बीच फंसकर नक्सली घबरा गया। अचानक उसने अपनी दिशा बदली और ऊपर की ओर चढ़ने का प्रयास किया। हालांकि, अपने भारी बैग के वजन के कारण, वह ऊपर नहीं चढ़ सका। जैसे ही नक्सली ने ऊपर चढ़ने के उद्देश्य से अपने हाथों का उपयोग करने के लिए, क्षण भर के लिए, गोलीबारी बंद की, उसका हथियार उसके हाथ से फिसल गया। अवसर देखते हुए, दोनों सिपाही अपनी-अपनी दिशाओं से तेजी से नक्सली के पास पहुंचे। जैसे ही नक्सली अपना हथियार वापस लेने के लिए पीछे हटा, सिपाही विवेक कुमार ने उसे हाथ ऊपर करने के लिए कहा। एक पल में और कमांडर के निदेश से, सिपाही लेखराज छेत्री ने भाग रहे नक्सली को वीरतापूर्वक पीछे से पकड़ लिया। परिणामस्वरूप, एक नक्सली को जीवित पकड़ लिया गया।

पकड़े गए दोनों नक्सलियों की पहचान चंद्रभान पाहन (एसजेडसी) और गोविंद विराजिया (एसजेडसी) के रूप में हुई है, जिन पर 5-5 लाख का इनाम घोषित था। घायल नक्सली चंद्रभान पाहन को मौके पर ही प्रारंभिक चिकित्सा सहायता प्रदान करने के बाद, तुरंत लोहरदगा के सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

दोनों टीम कमांडरों द्वारा मौके पर की गई पूछताछ के दौरान, पकड़े गए नक्सली गोविंद विराजिया ने भाग रहे अन्य नक्सलियों के नाम बताए, जो घनी झाड़ियों में छिपे हुए थे। उसने कोरगो वन क्षेत्र में हथियारों और गोला-बारूद के भंडार और गुनी वन क्षेत्र में आईईडी के भंडार की मौजूदगी का भी खुलासा किया। इस बहुमूल्य जानकारी के आधार पर, 200 आईईडी बरामद करने के लिए श्री संतोष कुमार पाल, द्वितीय कमान अधिकारी की कमान में 158वीं बटालियन की क्यूएटी और श्री दीपक कुमार पांडे की कमान में एसएटी-191 तेजी से गांव गुनी, पुलिस स्टेशन सारेंदाग की ओर बढ़े तथा हथियार और गोला-बारूद के भंडार वाले क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए श्री आशिक अली की कमान में एफ-158 और एसएटी-3 कोरगो में ही रहे।

200 आईईडी और 150 मीटर कॉर्डेक्स तार को सफलतापूर्वक नष्ट करने के बाद, सभी सैनिक कोरगो लौट गए और अगले दिन, हथियारों और गोला-बारूद के भंडार की बरामदगी तक ऑपरेशन जारी रहा। इस ऑपरेशन के महत्वपूर्ण परिणाम सामने आए और 1 एसएलआर, 1 इंसास, दो 303 राइफल, एक 306 सेमी-ऑटोमैटिक राइफल और विभिन्न कैलिबर के 597 राउंड गोला-बारूद/कारतूस बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री संतोष कुमार पाल, द्वितीय कमान अधिकारी, अभिन कुमार माझी, सिपाही, लेखराज छेत्री, सिपाही और विवेक कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 29.12.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/152/2023-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 151--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अशोक कुमार	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता पदक
2.	शिबिन कृष्णन् के	हेड कांस्टेबल	वीरता पदक
3.	ब्रजेन्द्र सिंह	सिपाही	वीरता पदक
4.	रमेश कुमार पुनेम	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 16.10.2022 को लगभग 19:35 बजे, 210 कोबरा के द्वितीय कमान अधिकारी श्री अशोक कुमार को तर्मेस बेस कैंप पर माओवादी हमले की सूचना प्राप्त हुई। हमले के दौरान, पुलिस उप-निरीक्षक राकेश सूर्यवंशी गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, श्री अशोक कुमार ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) बीजापुर रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (ऑपरेशन) और बीजापुर जिले के पुलिस अधीक्षक के साथ समन्वय स्थापित कर प्रभावित लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का अभियान शुरू किया।

19:50 बजे तक, 210 कोबरा की छह टीमों, जिनमें सारकेगुडा और पेगरापल्ली कैंपों के कार्मिक शामिल थे, बासागुडा और पेगरापल्ली के बीच के मार्ग को सुरक्षित करने के लिए तैनात की गई। घात लगाकर हमला किए जाने की आशंका के बावजूद, श्री अशोक कुमार के नेतृत्व में कोबरा के सैनिकों ने, गंभीर खतरों के बावजूद, घायल पुलिस अधिकारी को बचाने का बीड़ा उठाया।

अपने रणनीतिक कौशल का उपयोग करते हुए, श्री अशोक कुमार ने सारकेगुडा से दो टीमों को सड़क के दोनों ओर तैनात करके सुरक्षा का दायित्व सौंपा, जबकि पेगरापल्ली से तीन टीमों ने सारकेगुडा तक पहुंचने का मार्ग सुरक्षित किया। जैसे ही टीम संख्या 11 और 12 ने पेगरापल्ली की ओर चतुराई से आगे बढ़ना शुरू किया, उन्हें भाकपा (माओवादियों) की भारी गोलीबारी और रणनीतिक रूप से लगाए गई घात का सामना करना पड़ा। इस घात में स्वचालित हथियारों और आईईडी आधारित विस्फोटकों का इस्तेमाल किया गया था, जिसका उद्देश्य सुरक्षा बलों को अधिकतम क्षति पहुंचाना था।

श्री अशोक कुमार और उनका स्काउट दल एक शक्तिशाली आईईडी विस्फोट से बाल-बाल बचा। उन्होंने संयमित होकर तुरंत अपने दल को पुनर्गठित किया और माओवादियों पर जवाबी हमला किया तथा साथी सैनिकों को भी लड़ाई में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने हमलावरों को पीछे धकेलने के लिए कवर गोलीबारी के तहत, "फायर एंड मूव" की रणनीति अपनाई।

काफी देर तक गोलीबारी जारी रहने के कारण, घायल उप-निरीक्षक की हालत बिगड़ने लगी। सिपाही ब्रजेन्द्र सिंह ने चलते संघर्ष के बीच से गुजरते हुए एक नागरिक वाहन से उन्हें बाहर निकालने का फैसला किया। माओवादियों ने वाहन को एक और आईईडी से निशाना बनाया, जिससे सड़क पर एक बड़ा गड्ढा बन गया, लेकिन सौभाग्य से वाहन को मामूली नुकसान ही हुआ। श्री अशोक कुमार ने अपनी टीम को कवर गोलीबारी करने का निर्देश दिया, जिससे सिपाही ब्रजेन्द्र सिंह घायल अधिकारी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा सके।

210 कोबरा सैनिकों की समन्वित और प्रभावी जवाबी कार्रवाई ने अंततः माओवादियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। अगली सुबह, मुठभेड़ स्थल पर चलाए गए तलाशी अभियान में, माओवादियों से संबंधित विविध आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। सैनिकों की अदम्य वीरता और उत्कृष्ट रणनीतिक कौशल के परिणामस्वरूप, गंभीर रूप से घायल उप-निरीक्षक को सफलतापूर्वक सुरक्षित बाहर निकाला जा सका।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री अशोक कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, शिबिन कृष्णन् के, हेड कांस्टेबल, ब्रजेन्द्र सिंह, सिपाही और रमेश कुमार पुनेम, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 16.10.2022 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/147/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 152--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम), वीरता पदक का प्रथम बार और वीरता पदक का तृतीय बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	कुमार नवीन	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता पदक
2.	तेजा राम चौधरी	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक का तृतीय बार
3.	रफीक अहमद लोन	सिपाही	वीरता पदक
4.	गणेश चन्द जाट	सिपाही	वीरता पदक का प्रथम बार
5.	जीत तांती	सिपाही	वीरता पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 07/08.12.2021 की रात को, शोपियां के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जम्मू और कश्मीर के शोपियां स्थित चेक चोलन गांव में 2-3 सशस्त्र आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी साझा की। इस विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी श्री कुमार नवीन ने 34 आरआर और जम्मू और कश्मीर पुलिस/स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के साथ मिलकर बताए गए क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान की योजना बनाई। योजना के अनुसार, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 178वीं बटालियन, 34 आरआर और जम्मू और कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीमों लगभग 01:00 बजे लक्षित क्षेत्र में पहुंच गईं।

श्री कुमार नवीन, द्वितीय कमान अधिकारी ने लक्षित मकान संख्या 62, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे, के चारों ओर एक मजबूत आंतरिक घेरा बनाने के लिए टीमों को कुशलतापूर्वक तैनात किया। उन्होंने सटे हुए घरों को सुरक्षित करके आसपास के क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित की और रणनीतिक रूप से, लक्षित घर के ठीक सामने मकान संख्या 61 में एक फायर बेस स्थापित किया, जिससे एक समन्वित और सुव्यवस्थित ऑपरेशन चलाया जा सका।

सुबह होते ही, आतंकवादियों से आत्मसमर्पण की अपील की गई। आतंकवादियों ने अपील मानने के बजाय, सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध और आक्रामक हमला कर दिया। संयुक्त टीमों ने संयम और सटीकता से, आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस मुठभेड़ के दौरान, एक आतंकवादी ने पास के एक नाले की ओर भागने का प्रयास किया। असाधारण कौशल और समन्वय का प्रदर्शन करते हुए, सहायक कमाण्डेंट श्री तेजा राम चौधरी ने, सिपाही गणेश चन्द जाट और सिपाही जीत तांती के साथ मिलकर, घेराबंदी को मजबूत बनाए रखते हुए, भाग रहे आतंकवादी को मार गिराया।

एक आतंकवादी के मारे जाने के बावजूद, लक्षित घर से अंधाधुंध गोलीबारी जारी रही। बिगड़ती स्थिति को काबू में करने के लिए, घर की चारदीवारी को गिराने के उद्देश्य से बीपी बैकहो लोडर मशीन का इस्तेमाल किया गया, जिससे अंदर देख पाना आसान हुआ और आतंकवादियों की पोजीशन कमजोर हुई। तथापि, आतंकवादियों ने मकान संख्या 61 में तैनात सुरक्षा बलों पर भारी गोलीबारी जारी रखी।

भीषण गोलीबारी के बीच, द्वितीय कमान अधिकारी श्री कुमार नवीन और सिपाही रफीक अहमद लोन ने बड़ी निडरता से हमलावरों का सामना किया और घर के भीतर मौजूद दूसरे आतंकवादी को मार गिराया। उनकी एकाग्रता और सटीक जवाबी कार्रवाई ने संयुक्त बलों को मजबूत स्थिति में बनाए रखने में मदद की। परिणामस्वरूप, सीआरपीएफ की टीमों द्वारा समन्वित हमले के बाद शेष आतंकवादी को भी मार गिराया गया।

ऑपरेशन के बाद, लक्षित घर और आसपास के क्षेत्रों की गहन तलाशी ली गई जिसमें तीन आतंकवादियों के शव बरामद हुए, जिनकी पहचान हुसैन यूसुफ डार, रईस अहमद मीर और अमीर मंजूर गनई के रूप में हुई है। ये सभी लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) आतंकवादी संगठन के सदस्य थे। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया और उनके नापाक मंसूबों पर पानी फिर गया।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री कुमार नवीन, द्वितीय कमान अधिकारी, तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट, रफीक अहमद लोन, सिपाही, गणेश चन्द जाट, सिपाही और जीत तांती, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 07.12.2021 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/195/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 153--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम), वीरता पदक का द्वितीय बार और वीरता पदक का चतुर्थ बार सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	तेजा राम चौधरी	सहायक कमाण्डेंट	वीरता पदक का चतुर्थ बार
2.	गणेश चन्द जाट	सिपाही	वीरता पदक का द्वितीय बार
3.	शैजू टि.डी	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 09/10 अक्टूबर, 2023 की मध्यरात्रि को, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां द्वारा क्षेत्र में 2-3 भारी मात्रा में हथियारों से लैस आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त एक विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, अलीशाहपोरा, पुलिस स्टेशन-जैनपोरा, जिला शोपियां (जम्मू और कश्मीर) में एक संयुक्त आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन शुरू किया गया।

ऑपरेशनल योजना के अनुसार, त्वरित और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए, संयुक्त टीमों को दो घरों और एक धार्मिक संरचना (दरसगाह) की घेराबंदी करने के लिए तैनात किया गया, जिन पर आतंकवादियों को पनाह देने का संदेह था। आसपास के क्षेत्र के नागरिकों को, चतुराईपूर्वक निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया, हालांकि किसी ने भी आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि नहीं की। सुरक्षा बलों की घेराबंदी से होने वाले खतरे को भांपते हुए, आतंकवादियों ने आमने-सामने की लड़ाई के लिए तैयार हो गए।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 178वीं बटालियन के सहायक कमाण्डेंट श्री तेजा राम चौधरी के नेतृत्व में संयुक्त टीमों ने लक्षित घर की ओर बढ़ना शुरू किया। गांव के कोने पर एक मंजिला मकान था, जिसके पास में एक बाग था तथा यह आतंकवादियों के भागने के संभावित प्रयासों में मददगार हो सकता था। जैसे ही टीमों पास पहुंचीं, आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और सुरक्षा बलों को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया। असाधारण रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए, टीमों ने हताहत होने से बचते हुए, रक्षात्मक रूप से महत्वपूर्ण पोजीशन ली और प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की।

आतंकवादियों की सटीक स्थिति का पता लगाने के लिए, एक ड्रोन की मदद ली गई, जिससे लक्षित घर के दरवाजे पर दो सशस्त्र आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि हुई। उन्हें घने बाग या पास के जंगल में भाग निकलने से रोकने के लिए, घेरे को और मजबूत किया गया, फायरबेस को भी मजबूत किया गया और संयुक्त बलों ने सामरिक महत्व को देखते हुए आस-पास के कई मकानों को अपने कब्जे में लिया। जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा आत्मसमर्पण के लिए बार-बार कहने के बावजूद, आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी की, जिससे बंदूक की भीषण लड़ाई शुरू हो गई।

मुठभेड़ के दौरान, एक आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी करके घेराबंदी के दक्षिण-पूर्व की ओर भागने का प्रयास किया। संयम और असाधारण नेतृत्व कौशल का परिचय देते हुए, श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट और उनकी टीम ने सटीक जवाबी गोलीबारी से आतंकवादी को तुरंत मार गिराया। इसी बीच, जंगल की ओर रेंगकर भागने वाला दूसरा घायल आतंकवादी शुरू में तो छिपने में सफल रहा, लेकिन सुबह होते ही उसने फिर से भागने की कोशिश की जिससे उसकी पोजीशन का पता चल गया। बाद में, लक्षित घर से लगभग 30-40 मीटर की दूरी पर, पास के फायरबेस पर तैनात सिपाही गणेश चन्द जाट और सिपाही शैजू टि.डी. ने उसे मार गिराया।

पूरे क्षेत्र की घेराबंदी के बाद, अंतिम तलाशी में दोनों आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि हुई। उनके शवों की पहचान लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी जाजिम फारूक वानी और मारिफत मकबूल मंगलू के रूप में हुई।

इस ऑपरेशन को सुनियोजित तरीके से और कुशलतापूर्वक अंजाम दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप बिना किसी अतिरिक्त क्षति के दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। इस ऑपरेशन की सफलता सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन की टीम, विशेष रूप से कमाण्डर श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट, सिपाही गणेश चन्द जाट और सिपाही शैजू टि.डी के अदम्य साहस और प्रशंसनीय टीम वर्क को साबित करती है।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री तेजा राम चौधरी, सहायक कमाण्डेंट, गणेश चन्द जाट, सिपाही और शैजु टि.डी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 10.10.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/192/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 154--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सतीश कुमार मलिक	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता पदक
2.	अरुण कुमार	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता पदक
3.	बाबू लाल	निरीक्षक	वीरता पदक
4.	भगवान सहाय गुर्जर	सिपाही	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.02.2023 को लगभग 19:00 बजे, गांव पदगामपोरा, पुलिस स्टेशन अवन्तीपोरा, जिला पुलवामा, जम्मू और कश्मीर में 02 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पीडी अवन्तीपोरा से प्राप्त विशिष्ट सूचना के आधार पर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 130वीं बटालियन, 55 आरआर और जम्मू और कश्मीर पुलिस के एसओजी द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएसओ) शुरू किया गया। श्री अरुण कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी की कमान में सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन की क्यूएटी, श्री अखंड प्रताप सिंह, सहायक कमाण्डेंट की कमान में सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन की सीटीटी की संयुक्त टीमों, 55 आरआर और अवन्तीपोरा, जम्मू और कश्मीर पुलिस की एसओजी के साथ लक्षित स्थान पर पहुंची और 35 संदिग्ध घरों (जामिया मस्जिद सहित) के चारों ओर एक प्रारंभिक घेराबंदी की तथा भागने के सभी संभावित रास्तों को बंद किया।

ऑपरेशन के लिए बनाई गई योजना के अनुसार, श्री अखंड प्रताप सिंह, सहायक कमाण्डेंट की कमान में सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन की सीटीटी को लक्षित क्षेत्र के दक्षिण-पश्चिम दिशा में तैनात किया गया, श्री अरुण कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी को उनके सुरक्षा दल के साथ और सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन के क्यूएटी को झेलम नदी के पास उत्तर-पूर्व दिशा में तैनात किया गया तथा जम्मू और कश्मीर पुलिस के एसओजी और 55 आरआर के सैनिकों को लक्षित क्षेत्र के शेष अन्य दिशाओं में तैनात किया गया। श्री सतीश कुमार मलिक, द्वितीय कमान अधिकारी भी अपने सुरक्षा दल के साथ लक्षित स्थान पर पहुंचे और लक्षित क्षेत्र की उत्तर दिशा में तैनात हो गए। कानून और व्यवस्था की किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए, सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन की 'सी' और 'एफ' कंपनी की एक-एक प्लाटून, सीआरपीएफ की 130वीं बटालियन की 'डी' कंपनी के एक दस्ते और सीआरपीएफ की 185वीं बटालियन की 'ई' तथा 'जी' कंपनी को बाहरी घेरे में तैनात किया गया था।

भागने के सभी रास्तों को बंद करने के बाद, संयुक्त सैनिकों ने तलाशी अभियान शुरू किया। लगभग 00:40 बजे, जैसे ही टीम जामिया मस्जिद के पास पहुंची, मस्जिद के भीतर छिपे आतंकवादियों ने तलाशी दल को निशाना बनाते हुए भारी और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। संयुक्त सैनिकों ने जवाबी गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी को गोली लगी और वह मौके पर ही ढेर हो गया, जबकि दूसरा आतंकवादी पास के एक घर में भागने में सफल रहा। गोलीबारी के दौरान, 55 आरआर के दो कार्मिक हो गए घायल हो गए और उन्हें तुरंत श्रीनगर के 92 बेस हॉस्पिटल ले जाया गया। दुर्भाग्य से, उनमें से एक ने गंभीर रूप से घायल होने के कारण दम तोड़ दिया और शहीद हो गए। इसके अलावा, एक आतंकवादी मुठभेड़ की शुरुआत में ही अपनी पोजीशन बदलने में सफल रहा और पास के एक घर में छिप गया। सुरक्षा और रणनीतिक कारणों से, ऑपरेशन को सुबह होने तक के लिए अस्थायी रूप से रोक दिया गया।

दिनांक 28.02.2023 की सुबह यह ऑपरेशन फिर से शुरू हुआ और संयुक्त सैनिकों ने जामिया मस्जिद की तलाशी शुरू की और आतंकवादी आकिब मुश्ताक भट्ट का शव बरामद किया। दूसरे आतंकवादी के जामिया मस्जिद के पास मकान संख्या 88 में छिपे होने का संदेह था। लक्षित घर के दक्षिणी हिस्से की निगरानी कर रहे सैनिकों ने जामिया मस्जिद की पहली मंजिल पर एक फायरबेस स्थापित किया। जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा बार-बार की गई घोषणाओं के बाद, आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और उन्हें दूसरी जगह पर ले जाया गया। इसके बाद, बाँड़ी कैमरा से लैस एक नागरिक को लक्षित घर में भेजा गया और फुटेज के आधार पर एक आतंकवादी के घर के बाथरूम में छिपे होने की पुष्टि हुई।

छिपे हुए आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ, उसने सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। भीतरी घेरे में फायरबेस में तैनात सैनिकों ने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। गोलीबारी के दौरान, लक्षित घर के बाथरूम के दरवाजे और खिड़कियों पर एमजीएल और एलएमजी से गोलीबारी की गई। स्थिति का सावधानीपूर्वक आकलन करने और विस्तृत विचार-विमर्श करने के बाद, सीआरपीएफ की दो टीमें बनाई गईं। श्री सतीश कुमार मलिक, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में टीम संख्या 1 में गैस गन और अन्य उपकरणों के साथ सिपाही भगवान सहाय गुर्जर शामिल थे। श्री अरुण कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी की कमान में टीम संख्या 2 में गैस गन और अन्य उपकरणों के साथ निरीक्षक बाबू लाल शामिल थे।

दोनों टीमों को स्थिति के बारे में जानकारी दी गई, लेकिन आगे बढ़ना दोनों टीमों के लिए एक बड़ी चुनौती थी। तथापि, निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना, दोनों टीमों आतंकवादी की लगातार गोलीबारी के बीच लक्ष्य की ओर बढ़ीं। श्री सतीश कुमार मलिक, द्वितीय कमान अधिकारी ने टीम संख्या 1 के साथ फायरबेस के दक्षिण की ओर की खिड़कियों के बाईं ओर पोजीशन ले ली। आतंकवादी की ओर से रूक-रूक कर हो रही गोलीबारी के बावजूद, श्री सतीश कुमार मलिक, द्वितीय कमान अधिकारी ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए, कवर से आगे बढ़कर लक्षित घर के बाथरूम में छिपे आतंकवादी पर गोलीबारी शुरू की, जो लगभग 50 मीटर की दूरी पर था। इसके साथ ही, श्री अरुण कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी ने टीम संख्या 2 के साथ बहादुरी और कुशल रणनीति का प्रदर्शन करते हुए खिड़कियों के दाहिने छोर पर मोर्चा संभाला। इस बीच, 55 आरआर के सैनिकों ने लक्षित घर के बाथरूम पर एलएमजी और एमजीएल के कई राउंड दागे, जिससे इसके दरवाजे और खिड़कियों को भारी नुकसान हुआ। तथापि, आतंकवादी बाथरूम में कंक्रीट की दीवार के पीछे छिपकर संयुक्त सैनिकों की भारी गोलीबारी से सुरक्षित रहा।

अन्य आवासीय मकानों के लक्षित घर के काफी निकट होने के कारण, किसी अतिरिक्त नुकसान से बचने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतना आवश्यक था। दोनों द्वितीय कमान अधिकारियों, श्री सतीश कुमार मलिक और श्री अरुण कुमार ने अद्भुत साहस का परिचय दिया। अपनी टीमों को कवर प्रदान करने के लिए उन्होंने रणनीतिक रूप से खुद को कवर से बाहर किया, जिससे लक्षित घर में बाथरूम के टूटे हुए दरवाजे और खिड़कियों पर आंसू गैस के गोले दागे जा सके।

बाईं ओर से सिपाही भगवान सहाय गुर्जर और दाईं ओर से निरीक्षक बाबू लाल ने अपनी निजी की परवाह किए बिना, उस बाथरूम की दीवार पर हुए छेद से ताबड़तोड़ आंसू गैस के कई गोले दागे जहां आतंकवादी छिपा हुआ था। फायरबेस के दोनों छोर से आ रही आंसू गैस से दम घुटने के कारण आतंकवादी अपनी जगह छोड़ने को मजबूर हो गया। इसके साथ ही, खिड़कियों के दोनों छोर पर तैनात द्वितीय कमान अधिकारी श्री सतीश कुमार मलिक और द्वितीय कमान अधिकारी श्री अरुण कुमार ने मौके का फायदा उठाया और बहादुरी से आगे बढ़कर आतंकवादी पर प्रभावी ढंग से गोलीबारी की। फायरबेस पर तैनात संयुक्त सैनिकों द्वारा की गई प्रभावी गोलीबारी के दौरान दूसरा आतंकवादी भी ढेर हो गया। मुठभेड़ के बाद की तलाशी में एक और आतंकवादी का शव बरामद किया गया।

एक सफल संयुक्त अभियान के परिणामस्वरूप, दो आतंकवादी मारे गए। बाद में, उनकी पहचान हिजबुल मुजाहिदीन संगठन के श्रेणी "ए" के अकीब मुश्ताक भट्ट और जैश-ए-मोहम्मद संगठन के श्रेणी "सी" के एजाज अहमद भट्ट के रूप में हुई। इसके अलावा, 01 एके 47 राइफल, 01 एके 74 राइफल, एके सीरीज मैगजीन ओपी, 103 एके जिंदा कारतूस, 01 पिस्तौल, पिस्तौल की 02 मैगजीन, पिस्तौल के 20 कारतूस, 03 हैंड ग्रेनेड आदि भी बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सर्व/श्री सतीश कुमार मलिक, द्वितीय कमान अधिकारी, अरुण कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, बाबू लाल, निरीक्षक और भगवान सहाय गुर्जर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 27.02.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/12/2025-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 155--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, दिल्ली अग्निशमन सेवा के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	भूपेंद्र प्रकाश	सहायक मण्डल अधिकारी	वीरता पदक
2.	राजेश कुमार	उप-अधिकारी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22.10.2023 को लगभग 07:40 बजे, विभिन्न फायर स्टेशनों-रूप नगर, जे.आर. रोड, एस.पी. मार्ग और वजीरपुर के वॉच रूम में एक वायरलेस संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें मकान संख्या 16/5126, हरफूल सिंह बिल्डिंग, पीएनबी, सब्जी मंडी, घंटा घर के पास आग लगने की सूचना दी गई। भूतल के साथ तीन ऊपरी मंजिलों वाली यह इमारत आग की लपटों में घिर गई थी। अलर्ट मिलने पर, चार अग्निशमन सेवा यूनिटों को तुरंत भेजा गया। घटनास्थल पर अग्निशमन दल के पहुंचने के बाद भी कॉल फायर कंट्रोल रूम में कई फोन कॉल आईं, जिसमें बताया गया कि बिल्डिंग के भीतर कई लोग अंदर फंसे हुए हैं और उनकी जान को खतरा है। सहायक मण्डल अधिकारी (एडीओ) भूपेंद्र प्रकाश को तुरंत घटनास्थल पर तैनात किया गया। वहां पहुंचने पर, यह स्पष्ट था कि दूसरी और तीसरी मंजिल पर फैली आग बड़ी भीषण थी तथा आग की लपटें और धुआं दूर से ही दिख रहा था। ऊपरी तलों तक जाने वाली एकमात्र सीढ़ियां पूरी तरह आग से घिर गई थीं, जिससे उनके माध्यम से प्रवेश असंभव था।

स्थिति बेहद खतरनाक थी क्योंकि फंसे हुए लोग मदद के लिए चीख रहे थे तथा तेज गर्मी और धुएं के कारण सांस लेना मुश्किल हो रहा था। सहायक मण्डल अधिकारी भूपेंद्र प्रकाश ने, तुरंत घटनास्थल का आकलन किया और चार टीमों बनाई: दो बचाव के लिए और दो अग्निशमन के लिए। अग्निशमन और बचाव कार्य शुरू करने के लिए इमारत के पिछले हिस्से से दूसरी मंजिल तक एक एक्सटेंशन सीढ़ी लगाई गई। साथ ही, सहायक मण्डल अधिकारी भूपेंद्र प्रकाश के साथ दूसरी बचाव टीम बगल की एक इमारत के रास्ते जलती हुई इमारत की छत पर पहुंची। उन्होंने टेरेस की सीढ़ियों से प्रभावित मंजिलों तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन घने धुएं और भीषण गर्मी के कारण वे आगे नहीं बढ़ पाए।

वहां फंसे हुए लोगों को बचाने के लिए दृढ़ संकल्पित, सहायक मण्डल अधिकारी भूपेंद्र प्रकाश ने एक साहसिक निर्णय लिया। उन्होंने टेरेस से तीसरी मंजिल की बालकनी में छलांग लगा दी, जिससे एक बेहद जोखिम भरा बचाव अभियान शुरू हुआ। बालकनी से, उन्होंने वहां फंसे हुए लोगों को टेरेस की ओर निकालना शुरू किया, जहां उप-अधिकारी राजेश कुमार और उनकी टीम मदद के लिए तैयार थी। यह जोखिम भरा काम बचावकर्मियों और फंसे हुए लोगों के लिए शारीरिक रूप से कठिन होने के साथ-साथ खतरनाक भी था। इसी बीच, अग्निशमन टीमों ने आग को ऊपर की ओर और अगल-बगल फैलने से रोकने के लिए दो डिलीवरी होज लाइनें बिछाई—एक आगे से और दूसरी पीछे से।

ऑपरेशन के दौरान, चार एलपीजी सिलेंडर मिले, जिसमें से एक सिलेंडर में विस्फोट होने के कारण आग के फैलने का खतरा और बढ़ गया। इसके बावजूद, टीमों ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपने प्रयास जारी रखे। बचाव और अग्निशमन के समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप 16 व्यक्तियों को सफलतापूर्वक बाहर निकाला गया, जिनमें तीन पुरुष, सात महिलाएं और छह बच्चे शामिल थे। बचाए गए तीन व्यक्तियों को चोटें आईं और उन्हें उपचार के लिए हिंदू राव अस्पताल ले जाया गया।

सहायक मण्डल अधिकारी भूपेंद्र प्रकाश और उप-अधिकारी राजेश कुमार द्वारा प्रदर्शित बहादुरी और नेतृत्व क्षमता ने ऑपरेशन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सहायक मण्डल अधिकारी भूपेंद्र प्रकाश के नेतृत्व में अग्निशमन टीम के वीरतापूर्ण कृत्य ने असाधारण साहस, टीम वर्क और सूझबूझ का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। अत्यधिक दबाव में भी पल भर में निर्णय लेने की उनकी कुशलता ने फंसे हुए लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की, जो नेतृत्व और अटूट दृढ़ संकल्प के एक असाधारण मिश्रण को दर्शाता है। बालकनी से टेरेस तक जाकर बचाव कार्य करने की उनकी अद्भुत रणनीति ने सार्वजनिक सुरक्षा के लिए उल्लेखनीय कौशल और समर्पण का प्रदर्शन किया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने उनकी वीरता की सराहना की, और अगले दिन, उनके वीरतापूर्ण प्रयासों को प्रमुख समाचार पत्रों में छापा गया।

इस ऑपरेशन में, दिल्ली अग्निशमन सेवा के सर्वश्री भूपेंद्र प्रकाश, सहायक मण्डल अधिकारी और राजेश कुमार, उप-अधिकारी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 22.10.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/188/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 156-प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर अग्निशमन सेवा के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री नूर आलम जटला	उप-अधिकारी	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02.07.2023 को ठीक 14:47 बजे, मोमिनाबाद बटमालू, श्रीनगर में एक गंभीर और खतरनाक आग की घटना हुई। इस घटना में एक तीन मंजिला 'यू' आकार का शॉपिंग कॉम्प्लेक्स प्रभावित हुआ, जिसका उपयोग मुख्य रूप से हार्डवेयर/पेंट/पीवीसी सामग्रियों के भंडारण के लिए किया जाता था, जो दुर्भाग्य से आग की लपटों में घिर गया। कॉम्प्लेक्स के भीतर कई सिलेंडरों के विस्फोट से स्थिति गंभीर हो गई और उससे सटे हुए कई कॉम्प्लेक्सों और आवासीय मकानों के भी आग की चपेट में आने से स्थिति और गंभीर हो गई। इस भयावह आपात स्थिति का सामना करने में, उप-अधिकारी नूर आलम जटला ने वीरता और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए फर्स्ट रिस्पोंडर की भूमिका बखूबी निभाई। एक पल की भी हिचकिचाहट के बिना, उन्होंने एक वीरतापूर्ण बचाव अभियान शुरू किया और अफरा-तफरी के बीच तीन मंजिला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में फंसे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उन्हें तेजी से बाहर निकाला। इसी बीच, उल्लेखनीय पेशेवरता, अटूट दृढ़ संकल्प और कर्तव्य के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए, उप-अधिकारी नूर आलम जटला ने कार्मिकों और अग्निशमन उपकरणों की तैनाती सुनिश्चित की। अद्वितीय समर्पण के इस कृत्य में, उन्होंने एक चार्ज किए हुए फायर होज से लैस होकर बिल्डिंग के सबसे दूर के कोने में धक्कती आग में प्रवेश किया। उन्होंने बेजोड़ सटीकता और साहस के साथ आग पर सफलतापूर्वक काबू पाने और उसे बुझाने में मदद की, जिससे आस-पास के आवासीय मकानों और परिसरों में आग के भयावह रूप से फैलने को टाला जा सका। यह बड़ी प्रशंसा और सम्मान की बात है कि अपने वीरतापूर्ण कार्यों के दौरान, उप-अधिकारी नूर आलम जटला ने इमारत की पहली मंजिल से खतरनाक तरीके से गिरने के बाद भी अपना कार्य जारी रखा। लगभग 80% अग्निशमन अभियान पूरा होने के बाद, उप-अधिकारी नूर आलम जटला को गंभीर मेडिकल और आग की लपटों को बुझाने के उनके भरसक प्रयासों के कारण दम घुटने के दुष्प्रभाव की स्थिति में पाया गया। यह उल्लेखनीय है कि, उप-अधिकारी नूर आलम जटला को मेडिकल सुविधा तक ले जाने में कुछ मिनटों की, थोड़ी सी भी देरी उनकी जान के लिए खतरा बन सकती थी। अग्निशमन अधिकारी को श्रीनगर के जेवीसी एसकेआईएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें चार दिनों तक चिकित्सा उपचार और देखभाल मिली। इस अधिकारी द्वारा प्रदर्शित निस्वार्थ वीरता और अटूट समर्पण प्रेरणादायी है। अत्यधिक खतरे का सामना करते हुए किए गए उनके कार्यों ने निस्संदेह एक बड़ी आपदा को टाल दिया। अत्यधिक व्यक्तिगत जोखिम उठाकर भी, लोगों के जीवन और संपत्ति की रक्षा करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, पेशेवरता के उच्चतम मानकों को दर्शाती है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर अग्निशमन सेवा के श्री नूर आलम जटला, उप-अधिकारी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 02.07.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/125/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 157--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	संतोष रावसाहेब इंगोले	वरिष्ठ स्टेशन अधिकारी	वीरता पदक
2.	योगेश हणमंत कोंडावार	फायरमैन	वीरता पदक
3.	सुनील सुरेश देसले	फायरमैन	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22.09.2023 को लगभग 15:02 बजे प्राप्त हुए एक सीआर संदेश के आधार पर एडीएफओ एस.जी. जयभाये, गोरेगांव फायर स्टेशन से वरिष्ठ स्टेशन अधिकारी संतोष रावसाहेब इंगोले के नेतृत्व में एमपी-45 एल/एफएम कू और जेटी-23, डिंडोशी फायर स्टेशन से एमपी-36 एस.ओ. एम.एच. सोनवणे और एल/एफएम कू, अंधेरी फायर स्टेशन से एमपी-30 एसओ आर.एस. पवाडे एल/एफएम कू, बीएवी-3 तथा जेटी-5, मलाड फायर स्टेशन से एडब्ल्यूटीटी-6 और बांद्रा फायर स्टेशन से टीटीएल-5 घटनास्थल पर पहुंचे।

मेगा मॉल रोड जंक्शन के पास न्यू लिंक रोड से घटनास्थल की ओर आते समय सबसे पहले पहुंचने वाले वरिष्ठ स्टेशन अधिकारी संतोष रावसाहेब इंगोले ने बहुत घना काला धुआं देखा और उन्होंने तुरंत एक सी.आर. संदेश प्रेषित (ट्रांसमिट) किया। वरिष्ठ स्टेशन अधिकारी संतोष रावसाहेब इंगोले और अग्निशमन दल के घटनास्थल पर पहुंचने पर देखा गया कि, मॉल की इमारत के प्रवेश द्वार पर बड़ी संख्या में लोग जमा थे

और पूरी तरह से घने काले धुएं से भरी हुई मॉल की इमारत के अंदर फंसे हुए अपने साथियों/माता-पिता को बचाने हेतु मदद के लिए चिल्ला रहे थे। स्थिति की गंभीरता और धुएं से भरी मॉल की इमारत के अंदर फंसे लोगों को भांपते हुए, वरिष्ठ स्टेशन अधिकारी संतोष रावसाहेब इंगोले ने तुरंत एल-2 फायर कॉल संदेश प्रेषित किया और तत्काल बचाव अभियान के लिए 8 दमकल गाड़ियों, पानी के टैंकरों तथा अधिक से अधिक टीटीएल, एएलपी भेजे जाने हेतु मदद मांगी।

सबसे पहले पहुंचने वाले अधिकारी, वरिष्ठ स्टेशन अधिकारी संतोष रावसाहेब इंगोले के बयान के अनुसार, पूरा मॉल पूरी तरह से घने काले धुएं से भरा हुआ था, यहां तक कि प्रवेश द्वार से एक फीट की दूरी से भी मॉल के अंदर कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। जब पहले पहुंचने वाले अधिकारी, वरिष्ठ स्टेशन अधिकारी संतोष रावसाहेब इंगोले ने सुरक्षा कार्मिकों से मॉल की इमारत में पहुंचने के लिए किसी अन्य प्रवेश द्वार के बारे में पूछा तो पता चला कि मॉल के पीछे की तरफ अर्थात् गेट नंबर 2 (पूर्व की ओर) और गेट नंबर 3 (पश्चिम की ओर) दो और सीढ़ियां हैं। जब वह इसे सुनिश्चित करने के लिए मॉल के पीछे की ओर अर्थात् दक्षिण की ओर दौड़े, तब उन्होंने देखा कि घने काले धुएं के साथ आग की बड़ी लपटें मॉल की इमारत की दूसरी मंजिल से निकल रही थीं। उन्होंने तुरंत पूरे एमपी-45 दल को मॉल के पीछे की ओर अर्थात् दक्षिण की ओर चलने का निर्देश दिया, जहां उन्होंने तुरंत एक छोटी होज लाइन और एक हाई प्रेशर फर्स्ट एड होज लाइन बिछाई और दो कार्मिकों ने बीए सेट पहनकर आग बुझाने का कार्य प्रारंभ किया।

सीढ़ियों के माध्यम से दूसरी मंजिल के पास जाते समय उन्हें पता चला कि इमारत की पहली मंजिल के रास्ते में लगभग 3 से 4 लोग घने काले धुएं में फंसे हुए थे और बचाने हेतु मदद के लिए चिल्ला रहे थे। वरिष्ठ स्टेशन अधिकारी संतोष रावसाहेब इंगोले ने तुरंत अपने दो फायरमैन (जो पहले से ही बीए सेट पहने हुए थे) को लिया और भीषण गर्मी तथा घने काले धुएं में फंसे 3 लोगों को बचाया तथा उन्हें सीढ़ियों (गेट नंबर 2) के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला। उस बचाव अभियान के दौरान एक व्यक्ति, जिसका नाम श्री राज इसरानी, उम्र लगभग 69 वर्ष थी, धुएं के कारण दम घुटने से उनके सामने गिर पड़ा। उस समय वरिष्ठ स्टेशन अधिकारी संतोष रावसाहेब इंगोले के निर्देशानुसार, उनकी टीम के सदस्य अर्थात् फायरमैन योगेश हणमंत कोंडावार और फायरमैन सुनील सुरेश देसले ने अपने बीए सेट के फेस मास्क को एक-एक करके उस व्यक्ति के चेहरे पर लगाया और बीए सेट सिलेंडर से ताजी हवा/ऑक्सीजन देकर और उन्हें (श्री राज इसरानी को) होश में ले आए तथा सीढ़ियों के रास्ते उन्हें मॉल की इमारत से बाहर ले आए। इसके बाद उन्हें पुलिस वैन में कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल ले जाया गया तथा आगे के उपचार के लिए वहां भर्ती कराया गया।

एडीएफओ एस.जी. जयभाये के आगमन पर, वरिष्ठ स्टेशन अधिकारी संतोष रावसाहेब इंगोले ने उन्हें स्थिति से अवगत कराया और उनके मार्गदर्शन तथा निगरानी में आगे का बचाव और अग्निशमन अभियान चलाया गया। इसके अलावा, फायरमैन योगेश हणमंत कोंडावार धुएं में दम घुटने के कारण बेहोश हो गए जिन्हें 108 एंबुलेंस से बालासाहेब ठाकरे ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। अंधेरी के एलएफएम कू एस.ओ. आरएस पवाडे और डिंडोशी के एलएफएस कू एस.ओ. एम.एच. सोनवणे को वांकी-टॉकी के माध्यम मॉल के पिछले भाग की ओर पहुंचने और प्रभावी अग्निशमन कार्य के लिए होज लाइन (गेट संख्या 2 से) बिछाने हेतु सूचित किया गया, क्योंकि यह आग मॉल की बिल्डिंग के पीछे के भाग से फैली थी। इसके अलावा, आग के दूसरी मंजिल से तीसरी मंजिल तक फैलने तथा ऊपरी मंजिलों, अर्थात् व्यायामशाला, अस्पताल और टेरेस पर फंसे लोगों के बारे में सूचना मिलने पर, एडीएफओ एस.जी. जयभाये द्वारा सी.आर. को एल-3 अग्निशमन कॉल संदेश प्रेषित किया गया, जिसमें आगे के बचाव कार्य के लिए कुल 12 दमकल गाड़ियों तथा और अधिक टीटीएल की मांग की गई।

वरिष्ठ स्टेशन अधिकारी संतोष रावसाहेब इंगोले एक बार फिर भीषण गर्मी और धुएं के बीच चलाए जा रहे अग्निशमन अभियान में अपने दल के साथ शामिल हुए। काले घने धुएं और भीषण गर्मी में आग बुझाते समय, एलएफएम संदीप मारुति पाटिल और एफएम राजू उत्तम शिंगणकर का धुएं में सांस लेने के कारण दम घुटने लगा और उन्हें 108 एंबुलेंस से कूपर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉ. सुनील कदम ने उन्हें आगे के इलाज के लिए आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया। मलाड फायर स्टेशन से एमपी-47 दल के पहुंचने पर, एडीएफओ एस.जी. जयभाये और वरिष्ठ स्टेशन अधिकारी संतोष रावसाहेब इंगोले ने उन्हें मॉल के पश्चिम की ओर से एंगस सीढ़ी लगाने और मॉल की तीसरी मंजिल पर स्थित व्यायामशाला में फंसे लोगों को बाहर निकालने का निर्देश दिया। तदनुसार, धुएं की मात्रा कम होने के बाद एंगस सीढ़ी के माध्यम से 3 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

उप सीएफओ ए.वी. बांगर और डीएफओ पी.जी. दुधाल के वहां पहुंचने पर, उन्हें स्थिति से अवगत कराया गया और उनके मार्गदर्शन तथा निगरानी में आगे का बचाव और अग्निशमन अभियान चलाया गया। इसके अलावा, बांद्रा अग्निशमन केंद्र से आए टीटीएल-5 को मॉल की इमारत के सामने (उत्तर) की ओर तैनात किया गया और वहां से इमारत के टेरेस से 8 पुरुषों और 1 महिला को सुरक्षित बचाया गया। धुएं की मात्रा के कम होने के बाद, टेरेस पर फंसे 5 लोगों को गेट नंबर 2 की सीढ़ियों के माध्यम से सुरक्षित बाहर निकाला गया। अग्निशमन अभियान में 12 दमकल गाड़ियों की कुल 8 होज लाइनें (6 छोटी, 1 हाई प्रेशर लाइन, 1 टीटीएल) लगाई गईं।

इसके अलावा, प्रभारी सीएफओ, आर.एन. अम्बुलगेकर और उप सीएफओ ए.वी. परब घटनास्थल पर पहुंचे और उन्हें स्थिति से अवगत कराया गया तथा उनके मार्गदर्शन और निगरानी में आगे का बचाव और अग्निशमन अभियान चलाया गया। पुलिस की मौजूदगी में, मॉल में लोगों के फंसे होने की संभावना को देखते हुए पूरे मॉल की गहन तलाशी ली गई। इस प्रकार, घने धुएं से भरी मॉल की इमारत में फंसे लगभग 20 लोगों (19 पुरुष और 1 महिला) को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके अलावा, यह देखा गया कि आग उक्त वाणिज्यिक मॉल की इमारत की पहली, दूसरी और तीसरी मंजिल पर लगभग 5000 वर्ग फीट क्षेत्र में कई दुकानों, कार्यालयों में लगी थी और बिजली की तारों, बिजली की केबलों, बिजली की डक्ट, एसी डक्ट, बिजली के बोर्ड, फिक्सचर, कार्यालय के विभिन्न फर्नीचर, कार्यालय के विभिन्न रिकॉर्ड, मूल्यवान दस्तावेज, व्यक्तिगत

सामान, कार्यालय के कागजात, बिजली के गैजेट, पर्सनल कंप्यूटर और इसके सहायक उपकरण, प्रिंटर, लैपटॉप और हार्डवेयर उपकरण, स्प्लिट एसी की इनडोर और आउटडोर यूनिट, स्टूडियो उपकरण, मूवी फिल्म डिस्क/ट्रैक, महत्वपूर्ण फिल्म लाइसेंस और अनुबंध पत्र, आयकर दस्तावेज, टेलीविजन सेट, कैमरे, विभिन्न सजावटी सामग्री, व्यायामशाला के उपकरण, सीसीटीवी और इसके सहायक उपकरण, सर्वर रूम में यूपीएस सेट, फ्रेम के साथ लकड़ी के मुख्य दरवाजे, कांच के दरवाजे, कांच के पार्टिशन, फॉल्स सीलिंग, पेंट और प्लास्टर वर्क, पॉली कार्बोनेट रूफ शीट्स इस आग में जल गए थे।

इस ऑपरेशन में, महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा के सर्व/श्री संतोष रावसाहेब इंगोले, वरिष्ठ स्टेशन अधिकारी, योगेश हणमंत कोंडावार, फायरमैन और सुनील सुरेश देसले, फायरमैन ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 22.09.2023 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/31/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

सं. 158--प्रेज/2025—भारत की राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा सेवा के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता पदक (जीएम) सहर्ष प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1.	श्री अमरनाथ मिश्रा	चीफ वार्डन	वीरता पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री अमरनाथ मिश्रा, सिविल डिफेंस, लखनऊ के चीफ वार्डन हैं। उन्होंने जिला स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर आपदाओं से संबंधित कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया और उनका आयोजन किया है। दिनांक 08.09.2024 को लखनऊ के याहियागंज बाजार में शॉर्ट सर्किट के कारण एक इमारत की चौथी मंजिल पर स्थित एक घर में आग लगने से एक भयावह स्थिति पैदा हो गई। मकान के मालिक सुधाकर बाजपेयी, उनके भाई दिवाकर बाजपेयी और परिवार के अन्य सदस्य आग को देखकर घबराने लगे थे। याहियागंज बाजार भीड़भाड़ वाला क्षेत्र था और इस क्षेत्र में बचाव के लिए मौजूद सड़कें बहुत संकरी थीं। श्री अमरनाथ मिश्रा तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने इलाके को खाली कराना शुरू किया। इसके बाद, कुछ स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से उन्होंने प्रभावित क्षेत्र की घेराबंदी की। फिर, वे तुरंत उस इमारत की चौथी मंजिल की ओर दौड़े, जहां आग लगी थी। उन्होंने मुख्य लाइन से इमारत की बिजली की आपूर्ति काटी और मकान मालिक श्री सुधाकर के परिवार के सभी सदस्यों को घटनास्थल से सकुशल निकालकर इमारत के बाहर एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। जिस कमरे से आग फैली थी वहां जहरीला धुआं भरा हुआ था। उन्होंने अपनी नाक पर एक रूमाल रखकर उस घर में प्रवेश किया। उन्होंने देखा कि रसोई में आग लगी है, जहां दो एलपीजी गैस सिलेंडर रखे हुए थे। अगर सिलेंडरों में आग लग जाती, तो स्थिति और भी भयावह हो सकती थी। उन्होंने तुरंत दोनों सिलेंडरों को घर से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर रखा और आग पर बाल्टी से पानी डालना शुरू किया। कुछ ही देर में, घर में लगी आग बुझा दी गई। श्री अमरनाथ मिश्रा की सजगता और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता के कारण, आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया और कोई हताहत नहीं हुआ।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश गृह रक्षक एवं नागरिक सुरक्षा सेवा के श्री अमरनाथ मिश्रा, चीफ वार्डन ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

वीरता पदक (जीएम), राष्ट्रपति सचिवालय की अधिसूचना संख्या 85-प्रेज/2023 दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 और गृह मंत्रालय के पत्र संख्या 11024/06/2023-पीएमए दिनांक 16 अक्टूबर, 2023 के तहत प्रदान किया जाता है। फलस्वरूप, इस पुरस्कार में शामिल स्वीकार्य वित्तीय भत्ता दिनांक 08.09.2024 से दिया जाएगा।

(फाइल संख्या-11020/196/2024-पीएमए)

एस. एम. सामी
अवर सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 15th August 2025

No. 83-Pres/2025—The President of India is pleased to award the President's Medal for Distinguished Service (PSM) on the occasion of the Independence Day, 2025 to the under mentioned Personnel of States/UTs/CAPFs/CPOs & Other Concerned Organizations for Police, Fire, Correctional and Home Guard & Civil Defence Services:—

POLICE SERVICE

1. SHRI BHADRAIAH CHENNUPATI, SUPERINTENDENT OF POLICE, ANDHRA PRADESH
2. SHRI RAJEEV KUMAR GOPU, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ANDHRA PRADESH
3. SHRI TAKE RINGU, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, ARUNACHAL PRADESH
4. SHRI PARTHA SARATHI MAHANTA, COMMISSIONER OF POLICE, ASSAM
5. SHRI NILESH KUMAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, BIHAR
6. SHRI SANJAY KUMAR SINGH, SUPERINTENDENT OF POLICE, BIHAR
7. SHRI HIMANSHU GUPTA, DIRECTOR, CHHATTISGARH
8. MS. GARIMA BHATNAGAR, SPECIAL COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
9. SHRI SAGAR PREET HOODA, SPECIAL COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
10. SHRI SATENDER YADAV, SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
11. SHRI ZUBEAR ABDUL RAZAK MOMIN, HEAD CONSTABLE, GOA
12. SHRI PIYUSH PURUSOTTAMDAS PATEL, DIRECTOR, GUJARAT
13. SHRI MUKESH JAGDISHCHANDRA SOLANKI, SUPERINTENDENT OF POLICE, GUJARAT
14. SHRI SIBASH KABIRAJ, COMMISSIONER OF POLICE, HARYANA
15. SHRI KULDEEP SINGH, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, HARYANA
16. SHRI KAILASH KUMAR SHRESTHA, HAVILDAR, JHARKHAND
17. SHRI S BADRINATH, SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA
18. SHRI AJITH VIJAYAN, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL OF POLICE, KERALA
19. SHRI YOGESH DESHMUKH, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL, MADHYA PRADESH
20. SHRI RAKESH GUPTA, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL, MADHYA PRADESH
21. SHRI DEVENDRA KUMAR KAUSHAL, CONSTABLE, MADHYA PRADESH
22. SHRI WALTER HENRY EKKA, HEAD CONSTABLE, MADHYA PRADESH
23. SHRI ANIL DASHRATHRAO KUMBHARE, JOINT COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
24. SHRI NAVINCHANDRA DATTA REDDY, COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
25. SHRI RAJENDRASINGH PRABHUSINGH GOUR, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
26. SHRI LALRINGDIKA, COMMANDANT, MIZORAM
27. SHRI RABINDRA KUMAR PANDA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, ODISHA
28. SHRI NARESH KUMAR PATEL, COMMANDANT, ODISHA
29. SHRI MOHAMMAD FIAYAZ FAROOQUI, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, PUNJAB
30. SHRI SURESH KUMAR, INSPECTOR, PUNJAB
31. SHRI BHANWAR SINGH, COMPANY COMMANDER, RAJASTHAN
32. SHRI NARENDRA SINGH, SUB INSPECTOR, RAJASTHAN
33. SMT. B BALANAGADEVI, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, TAMIL NADU
34. SHRI G KARTHIKEYAN, ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE / INSPECTOR GENERAL OF POLICE, TAMIL NADU
35. SMT. S LAKSHMI, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, TAMIL NADU

36. SHRI MYATHARI SIDDAIAH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, TELANGANA
37. SHRI NIDAMANURI HUSSAIN, HEAD CONSTABLE, TELANGANA
38. SHRI KILLADA SATYA NARAYANA, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL, UTTAR PRADESH
39. DR. SANJEEV GUPTA, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL, UTTAR PRADESH
40. SHRI KULDEEP NARAIN, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, UTTAR PRADESH
41. SHRI RAJESH KUMAR SINGH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, UTTAR PRADESH
42. SHRI AWADH NARAYAN, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
43. SHRI TARA CHANDRA, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
44. SHRI NARAYAN SINGH NAPALCHYAL, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, UTTARAKHAND
45. SHRI TRIPURARI ATHARV, DIRECTOR, WEST BENGAL
46. SHRI HARGOBINDER SINGH DHALIWAL, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS
47. DR. AJIT KUMAR SINGLA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, PUDUCHERRY
48. SHRI SHEIKH JUNAID MAHMOOD, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, JAMMU & KASHMIR
49. SMT. RASHMI WAZIR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, JAMMU & KASHMIR
50. SHRI VINOD KUMAR CHITTLAKKAT, SUBEDAR MAJOR, ASSAM RIFLES
51. SHRI ASHOK YADAV, INSPECTOR GENERAL, BSF
52. SHRI DINESH KUMAR BOORA, INSPECTOR GENERAL, BSF
53. SHRI HARBAX SINGH DHILLON, INSPECTOR GENERAL, BSF
54. SHRI AVTAR SINGH SHAHI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, BSF
55. SHRI SATISH KUMAR SASTRI, COMMANDANT, BSF
56. SMT. NILIMA RANI SINGH, INSPECTOR GENERAL, CISF
57. SHRI SANJAY MEHTA, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
58. SMT. SIPRA ACHARJEE, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
59. DR. VIPUL KUMAR, INSPECTOR GENERAL, CRPF
60. SHRI VIJAY KUMAR, INSPECTOR GENERAL, CRPF
61. SHRI SURESH S, COMMANDANT, CRPF
62. SHRI VISHAN SWAROOP SHARMA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, CRPF
63. SHRI ARVIND KUMAR SINGH, SECOND-IN-COMMAND, CRPF
64. SHRI SHARAD PRATAP SINGH, INSPECTOR GENERAL, ITBP
65. SHRI AWANISH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, ITBP
66. SHRI SONKI RAM, ASSISTANT COMMANDANT, ITBP
67. MOHD JAMAL KHAN, GROUP COMMANDER, NSG
68. SHRI SOMIT JOSHI, INSPECTOR GENERAL, SSB
69. SHRI JAGDISH RAM, DEPUTY COMMANDANT, SSB
70. SHRI DEEPAK JHA, JOINT DEPUTY DIRECTOR/EXE, MHA
71. SHRI CHETAN ANAND, JOINT DEPUTY DIRECTOR/EXE, MHA
72. SHRI MANOHAR LAL PANWAR, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MHA
73. SHRI SANDIPAN TARAFDAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, MHA
74. SHRI Y PAUL JAYAKUMAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/TECH, MHA
75. SHRI BABU LAL MEENA, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/TECH, MHA

76. SHRI PRADEEP KANDARI, SECTION OFFICER, MHA
77. SHRI SATISH CHANDRA, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, MHA
78. SHRI VIVEK PRIYADARSHI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CBI
79. SHRI MACHHINDRA RAMCHANDRA KADOLE, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CBI
80. SHRI VISHAL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
81. SHRI VENKATA NARENDRA DEVE CHILUKURI, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
82. SHRI BANDI PEDDI RAJU, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
83. SHRI ABHIJIT SEN, HEAD CONSTABLE, CBI
84. SHRI VIMUKT RANJAN, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SPG
85. SHRI SHAIK ABDUL SAMAD, SUB INSPECTOR, SVPNPA
86. SHRI KULEESH ANAND, DEPUTY COMMANDANT, NDRF
87. SHRI VIPIN KUMAR, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, NIA
88. SHRI GOLLAMUDI MADHUSUDANA RAO, DIVISIONAL SECURITY COMMISSIONER, RPF
89. SHRI KUKKALA RAJAGOPALA REDDY, ASSISTANT SECURITY COMMISSIONER, RPF
FIRE SERVICE
90. SHRI SUSHIL KUMAR, FIRE STATION OFFICER, UTTAR PRADESH
91. SHRI VANSH BAHADUR YADAV, CHIEF FIRE OFFICER, UTTARAKHAND
92. SHRI RAMESH SINGH, DEPUTY COMMANDANT/FIRE, CISF
93. SHRI SURENDER SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR/FIRE, CISF
94. SHRI PRASANTA KUMAR ROUT, ASSISTANT SUB INSPECTOR/FIRE, CISF
HOME GUARD & CIVIL DEFENCE
95. SHRI DOLAGOBINDA MOHAPATRA, HOMEGUARD PLATOON COMMANDER, ODISHA
96. SHRI NARENDRA SINGH MALIK, DEPUTY CHIEF WARDEN, UTTAR PRADESH
97. SHRI SAMPURNA NAND MISHRA, SR. CIVIL DEFENCE INSTRUCTOR, RAILWAY BOARD
CORRECTIONAL SERVICE
98. SHRI KAMAKHI PRASAD PATI, JAILOR, ODISHA
99. SHRI RAMAKANT SHARMA, JAILOR, RAJASTHAN

2. The President's Medal for Distinguished Service (PSM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 86-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023.

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 84-Pres/2025. The President of India is pleased to award the Medal for Meritorious Service (MSM) on the occasion of the Independence Day, 2025 to the under mentioned Personnel of States/UTs/CAPFs/CPOs & Other Concerned Organizations for Police, Fire, Correctional and Home Guard & Civil Defence Services:—

POLICE SERVICE

1. SHRI RAVI KRISHNA AKE, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, ANDHRA PRADESH
2. SHRI SRINIVASA RAO VALLURI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ANDHRA PRADESH
3. SHRI VEERA VENKATA PRATAP KUMAR THOTA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ANDHRA PRADESH
4. SHRI KODANDASRI RAMACHANDRARAJU DENDUKURI, ASSISTANT COMMANDANT, ANDHRA PRADESH

5. SHRI GOVINDA RAO MAMIDI, RESERVE INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
6. SHRI RAMA KRISHNA GANDEM, INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
7. SHRI SRINIVASARAO BODDU, HEAD CONSTABLE, ANDHRA PRADESH
8. SHRI SITA RAMU KARIMIKONDA, SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
9. SHRI CHANDRASEKHAR PEDIREDDY, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
10. SHRI NAGA MALLESWARA RAO VISSARAPU, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
11. SHRI VENKATA RAMA SARMA BURRA, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
12. SHRI USMAN GANI KHAN NAYEB, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
13. SHRI GOPAL KARUVA, SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
14. SHRI KOTESH KOTTAKOTA, SUB INSPECTOR, ANDHRA PRADESH
15. SHRI NAGESWARA RAO DOMMETI, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
16. SHRI SEETHARAMANJANEYULU PAMARTHI, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
17. SHRI NAGA BABU KOPPISETTY, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ANDHRA PRADESH
18. SHRI GOPALA KRISHNA GUBBALA, HEAD CONSTABLE, ANDHRA PRADESH
19. SHRI SURESH KUMAR MURUGESAN, HEAD CONSTABLE, ANDHRA PRADESH
20. SHRI DANAM GADDA, HEAD CONSTABLE, ANDHRA PRADESH
21. SHRI KHIKSI YANGFO, POLICE INSPECTOR, ARUNACHAL PRADESH
22. SMT. SANJUKTA PARASOR, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, ASSAM
23. SHRI VIVEK RAJ SINGH, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, ASSAM
24. SMT. JAYSHREE KHERSA, COMMANDANT, ASSAM
25. SHRI HRIDAYJIT BARMAN, SUPERINTENDENT OF POLICE, ASSAM
26. SHRI NUMAL MAHATTA, SUPERINTENDENT OF POLICE, ASSAM
27. SHRI DEBASISH BORAH, COMMANDANT, ASSAM
28. SHRI TABU RAM PEGU, COMMANDANT, ASSAM
29. SHRI NIRMAL CHANDRA BISWAS, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ASSAM
30. SHRI LALIT SAIKIA, INSPECTOR, ASSAM
31. SHRI AKHIL KUMAR DAS, SUB INSPECTOR, ASSAM
32. SHRI DHRUBA SARKI, INSPECTOR, ASSAM
33. SHRI NABIN CHANDRA SHARMA, ASSISTANT COMMANDANT, ASSAM
34. SHRI RABINDRA SINGHA, ABSI, ASSAM
35. SMT. GARIMA MALIK, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, BIHAR
36. SMT. SMITA SUMAN, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL OF POLICE, BIHAR
37. SHRI RAJESH RANJAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BIHAR
38. SHRI BIMAL CHHETRY, HAVALDAR, BIHAR
39. SHRI ASHISH RANJAN SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BIHAR
40. SHRI SARVESH KUMAR, CONSTABLE, BIHAR
41. SHRI DHRUV GUPTA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CHHATTISGARH
42. SHRI PRASHANT KUMAR THAKUR, SUPERINTENDENT OF POLICE, CHHATTISGARH

43. SMT. SHWETA RAJMANI, COMMANDANT, CHHATTISGARH
44. SHRI RAVI KUMAR KURRE, SUPERINTENDENT OF POLICE, CHHATTISGARH
45. SMT. KAUSHILYA BHATT, INSPECTOR, CHHATTISGARH
46. SHRI ROHIT KUMAR JHA, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, CHHATTISGARH
47. SHRI KAMLESH KUMAR MISHRA, INSPECTOR, CHHATTISGARH
48. SHRI DAL SINGH NAMDEV, PLATOON COMMANDER, CHHATTISGARH
49. SHRI DILEEP KUMAR SINHA, COMPANY COMMANDER, CHHATTISGARH
50. SHRI SUSHIL KUMAR BARUA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CHHATTISGARH
51. SHRI ANYESH ROY, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
52. SHRI VIRENDER SINGH SAJWAN, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
53. SHRI SURAJ BHAN, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
54. SHRI VIJAY KUMAR VATS, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
55. MS. SAPNA GEDAM, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
56. SHRI GURKIRAT SINGH KOHLI, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, NCT OF DELHI
57. SHRI PAVITAR SINGH, INSPECTOR (MIN), NCT OF DELHI
58. MS. SUNITA, INSPECTOR, NCT OF DELHI
59. SHRI RAGHUNATH PAVOOR, SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
60. SHRI KRISHNA KUMAR, SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
61. MS. SUMELA RAWAT, SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
62. SHRI ASIPAL SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
63. MS. SANTOSH DEVI, SUB INSPECTOR, NCT OF DELHI
64. SHRI ANIL KUMAR, INSPECTOR, NCT OF DELHI
65. MS. BHAWNA AGGARWAL, HEAD CONSTABLE, NCT OF DELHI
66. SHRI GURUDAS NARAYAN GAWADE, SUPERINTENDENT OF POLICE, GOA
67. SHRI GURUDAS ANAND KADAM, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, GOA
68. SHRI SHARAD JITENDRAPRAKASH SINGHAL, JOINT COMMISSIONER OF POLICE, GUJARAT
69. SHRI KHUMANSINH NANABHAI DAMOR, JOINT COMMISSIONER OF POLICE, GUJARAT
70. SHRI RAKESH PRAVINKUMAR BAROT, ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE, GUJARAT
71. SHRI BABUBHAI LILABHAI DESAI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, GUJARAT
72. SHRI MAHAVIRSINH HITENDRASINH VAGHELA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, GUJARAT
73. SHRI BHUPENDRAKUMAR NATVARLAL DAVE, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, GUJARAT
74. SHRI KAMLESH ARUN PATIL, UNARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR, GUJARAT
75. SHRI MILIND BALKRUSHANA SURVE, ARMED POLICE INSPECTOR, GUJARAT
76. SHRI ANILKUMAR VINJIBHAI GAMIT, UNARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR, GUJARAT
77. SHRI PARESHKUMAR DHIRAJLAL PATEL, UNARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR, GUJARAT
78. SHRI LALITKUMAR PUNAMCHAND JOSHI, POLICE WIRELESS SUB INSPECTOR, GUJARAT
79. SHRI RAKESHSINH RAMVIRSINH BHADORIYA, UNARMED HEAD CONSTABLE, GUJARAT
80. SHRI RAJENDRASINH MANSINH SOLANKI, UNARMED POLICE SUB INSPECTOR, GUJARAT
81. SHRI SAHADEVBHAI VARVABHAI DESAI, UNARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR, GUJARAT
82. SHRI VINODKUMAR NAMDEV VADLE, UNARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR, GUJARAT

83. SHRI VIKRAMSINH NATUBHA JADEJA, ARMED HEAD CONSTABLE, GUJARAT
84. SHRI VISHNUSINH KALYANSINH RATHOD, UNARMED POLICE SUB INSPECTOR, GUJARAT
85. SHRI PANKAJSINH KUBERSINH RANA, INTELLIGENCE OFFICER, GUJARAT
86. SHRI VIRENDRASINH PARBATSINH CHAVDA, ASSISTANT INTELLIGENCE OFFICER, GUJARAT
87. SHRI RAMESHKUMAR HIRDAYRAM TRIPATHI, UNARMED POLICE CONSTABLE, GUJARAT
88. SHRI BAKULKUMAR HARJIVANBHAI PARMAR, UNARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR, GUJARAT
89. SHRI RISHI PAL, INSPECTOR, HARYANA
90. SHRI RAJESH KUMAR, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, HARYANA
91. SHRI SURESH KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, HARYANA
92. SHRI DHARMENDER, INSPECTOR, HARYANA
93. SHRI ASHOK KUMAR, SUB INSPECTOR, HARYANA
94. SHRI RAJESH KUMAR, INSPECTOR, HARYANA
95. SHRI YASHPAL SINGH, SUB INSPECTOR, HARYANA
96. SHRI HARKESH KUMAR, INSPECTOR, HARYANA
97. SHRI MAHABIR SINGH, INSPECTOR, HARYANA
98. SHRI JOGINDER SINGH, INSPECTOR, HARYANA
99. SHRI SOHAN LAL, SUB INSPECTOR, HARYANA
100. SHRI ANURANJAN KISPOTTA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, JHARKHAND
101. SHRI ASIT KUMAR MODI, INSPECTOR OF POLICE, JHARKHAND
102. SHRI MANOJ KUMAR ROY, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, JHARKHAND
103. SHRI VIJAY THAPA, HAVILDAR, JHARKHAND
104. SHRI VIDESHI MANJHI, CONSTABLE, JHARKHAND
105. SHRI AJAY KUMAR DUBEY, CONSTABLE, JHARKHAND
106. SMT. RANJEETA KUJUR, HAVILDAR, JHARKHAND
107. SHRI DEEPAK PUNJ, ASSISTANT SUB INSPECTOR, JHARKHAND
108. SHRI MAHENDRA MAHTO, ASSISTANT SUB INSPECTOR, JHARKHAND
109. SMT. PUSHPA OREYA, CONSTABLE, JHARKHAND
110. SHRI DEEPAK KUMAR SINGH, CONSTABLE, JHARKHAND
111. DR. CHANDRAGUPTA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, KARNATAKA
112. DR. RAMAKRISHNA MUDDEPAL, COMMANDANT, KARNATAKA
113. SHRI KALLIMANE MAHADEVAPPA SHANTHARAJU, SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA
114. MS. KALA KRISHNASWAMY, SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA
115. SHRI PRAVEEN BABU GURUSIDDAIAH, POLICE INSPECTOR, KARNATAKA
116. SHRI PRAKASH RATHOD, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, KARNATAKA
117. SHRI EDWIN PRADEEP SAMSON, POLICE INSPECTOR, KARNATAKA
118. SHRI SATHISH SADASHIVA BETTAHALLI, POLICE INSPECTOR, KARNATAKA
119. SHRI SHANTHARAMA, POLICE INSPECTOR, KARNATAKA
120. SHRI SUJANA SHETTY, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, KARNATAKA
121. SMT. JHANSI RANI J, POLICE SUB INSPECTOR, KARNATAKA

122. SHRI GURURAJ MAHADEVAPPA BUDIHAL, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR, KARNATAKA
123. SHRI RAKESH M J, SPL. RESERVE HEAD CONSTABLE, KARNATAKA
124. SHRI SHAMSHUDDIN, CIVIL HEAD CONSTABLE, KARNATAKA
125. SHRI SHANKAR Y, CIVIL HEAD CONSTABLE, KARNATAKA
126. SHRI ALANKAR RAKESH REVANASIDDAPPA ALANAKAR, CIVIL HEAD CONSTABLE, KARNATAKA
127. SHRI RAVI L, CIVIL HEAD CONSTABLE, KARNATAKA
128. SHRI VENKATESHA NARAYANAPPA, SUPERINTENDENT OF POLICE, KARNATAKA
129. SHRI SYAMKUMAR VASUDEVAN PILLAI, SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
130. SHRI RAMESH KUMAR PARAMESWARA KURUP NARAYANAKURUP, SUPERINTENDENT OF POLICE & PRINCIPAL, KERALA
131. SHRI PERAYIL BALAKRISHNAN NAIR, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, KERALA
132. SHRI PRAVI E V, ASSISTANT COMMANDANT, KERALA
133. SHRI PREMAN U, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE-III, KERALA
134. SHRI MOHANAKUMAR RAMAKRISHNA PANICKER, SUB INSPECTOR, KERALA
135. SHRI SURESH BABU VASUDEVAN, DEPUTY COMMANDANT, KERALA
136. SHRI RAMADAS ELAYADATH PUTHENVEETIL, INSPECTOR OF POLICE, KERALA
137. SMT. SAJISHA K P, ASSISTANT SUB INSPECTOR, KERALA
138. SMT. SHINILAL S S, ASSISTANT SUB INSPECTOR, KERALA
139. SMT. SEEMA ALAWA, ADDITIONAL DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, MADHYA PRADESH
140. SHRI DHARMENDRA SINGH BHADAURIA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MADHYA PRADESH
141. SHRI VIJAY KUMAR KHATRI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MADHYA PRADESH
142. SHRI ASHISH KHARE, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL OF POLICE, MADHYA PRADESH
143. SHRI NEERAJ PANDEY, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH
144. SHRI RUPESH KUMAR DWIVEDI, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH
145. SHRI RAJESH SAHAY, SUPERINTENDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH
146. SHRI DINESH KUMAR SINGH, DEPUTY SUPERINTEDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH
147. SHRI PRAVEEN PAWAR, INSPECTOR, MADHYA PRADESH
148. SHRI KUNJESH SHRIVASTAVA, INSPECTOR, MADHYA PRADESH
149. SHRI VIRENDRA SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH
150. SHRI MANOJ KUMAR DUBEY, INSPECTOR, MADHYA PRADESH
151. SMT. MANEETA RAI, INSPECTOR, MADHYA PRADESH
152. SHRI ALRIJ VINSENT SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MADHYA PRADESH
153. SHRI RAJENDRA KUMAR DUBEY, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MADHYA PRADESH
154. SHRI KALYAN SINGH, HEAD CONSTABLE, MADHYA PRADESH
155. SHRI ASHOK RAO SAWANT, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MADHYA PRADESH
156. SHRI PRAMODKUMAR PARASHARAM SHEWALE, ADDITIONAL COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
157. SHRI DATTATRAYA SHANKAR DHOLE, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA

158. SHRI SANJAY SUBHASH CHANDKHEDE, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MAHARASHTRA
159. SHRI SHAILENDRA RAGHUNATH DHIWAR, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
160. SMT. JYOTI ARVIND DESAI, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
161. SHRI RAJAN ABAJI MANE, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
162. SHRI KAILAS MANOHAR PUNDKAR, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
163. SHRI NARENDRA KRUSHNARAO HIWARE, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, MAHARASHTRA
164. SHRI DEEPAKKUMAR CHUDAMAN WAGHMARE, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
165. SHRI RAVINDRA AMBUJI WANI, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
166. SHRI SANDEEP SHANTARAM SHINDE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
167. SHRI SANDEEP YASHWANT MORE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
168. SHRI KASHINATH DATTA RAUL, ASSISTANT SUB POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
169. SHRI JOSEPH MARYAN D'SILVA, SENIOR INTELLIGENCE OFFICER, MAHARASHTRA
170. SHRI SUNIL BHAURAO CHAUDHARI, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
171. SHRI SATYAWAN ANAND MASHALKAR, RESERVE POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
172. SHRI ASHOK SONU JAGTAP, GRADE SUB POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
173. SHRI DEEPAK SUGANSING PARDESHI, GRADE SUB POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
174. SHRI BALASAHEB YASHVANT BHALCHIM, SUB DIVISIONAL POLICE OFFICER, MAHARASHTRA
175. SHRI ANANDRAO MARUTI PAWAR, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
176. SHRI SURESH DIGAMBAR KARALE, ASSISTANT COMMANDANT, MAHARASHTRA
177. SHRI RAMESH BABAN VETHEKAR, ASSISTANT COMMANDANT, MAHARASHTRA
178. SHRI ANIL KRUSHNARAO BRAHMANKAR, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
179. SHRI RAMESH NATTHUJI TAJANE, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
180. SHRI OHARSING DWARKA PATLE, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
181. SHRI SUBHASH MADHUKAR HANDGE, POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
182. SHRI VISHWAS ROHIDAS PATIL, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
183. SHRI AVINASH RAMBHAU NAWARE, GRADE SUB POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
184. SHRI ANANT VISHNUPANT VYAWAHARE, ASSISTANT SUB POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
185. SHRI SATISH BHAGWAN JADHAV, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
186. SHRI DHONDIBA MADHAVRAO BHUTTE, ASSISTANT POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
187. SHRI HARSHAKANT KASHINATH PAWAR, GRADE POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
188. SHRI PRAMOD KARBHARI PAWAR, ASSISTANT POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
189. SHRI RAJENDRA GOPALRAO MORE, ASSISTANT POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
190. SHRI JITENDRA JAGANNATH KONDE, ASSISTANT POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
191. SHRI SANJAY DAMODAR SHIRSAT, ASSISTANT POLICE SUB INSPECTOR, MAHARASHTRA
192. SHRI SANJEEVKUMAR KASHI MATHUR, POLICE HEAD CONSTABLE, MAHARASHTRA
193. SHRI RAMESH KHUSHALRAO KUMBHALKAR, POLICE HEAD CONSTABLE, MAHARASHTRA
194. SHRI ANCHAL ISHWARPRASAD MUDGAL, POLICE INSPECTOR, MAHARASHTRA
195. SHRI DEVENDRA SINGH HIJAM, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE (Ops), MANIPUR

196. SHRI SL THANGJAPAO VAIPHEI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, MANIPUR
197. SHRI YANGAMBAM NILBIR SINGH, JEMADAR, MANIPUR
198. SHRI IRENGBAM DORENDRO MEETEI, HAVILDAR, MANIPUR
199. SHRI SEIKHOHAO KHONGSAI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MANIPUR
200. SHRI MANGTE JACKY KOM, RIFLEMAN, MANIPUR
201. SHRI BILLYGRAHAM R MARAK, COMMANDANT, MEGHALAYA
202. SHRI ALLAN EDDIE MARBANIANG, ASSISTANT SUB INSPECTOR, MEGHALAYA
203. SHRI STEPHEN LALRINAWMA, SUPERINTENDENT OF POLICE, MIZORAM
204. SHRI ZOTHANSANGA TC, INSPECTOR, MIZORAM
205. SHRI KEVITHUTO SOPHIE, COMMISSIONER OF POLICE, NAGALAND
206. SMT. ABOLI METHA, COMMANDANT, NAGALAND
207. SHRI MAHESWAR SETHY, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, ODISHA
208. SHRI PRADEEP KUMAR PRADHAN, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, ODISHA
209. SHRI DEBENDRA NARAYAN DASH, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, ODISHA
210. SHRI ASHISH KUMAR ROUT, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ODISHA
211. SHRI A SRINIBAS DORA, INSPECTOR OF POLICE, ODISHA
212. SMT. HEMAMALINI NAYAK, INSPECTOR OF POLICE, ODISHA
213. SHRI SURYANARAYAN MALLICK, COMMANDANT, ODISHA
214. SHRI SANTOSH KUMAR MIRDHA, INSPECTOR OF POLICE, ODISHA
215. SHRI ARUN KUMAR SAMANTA, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ODISHA
216. SHRI ARABINDA DAS, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, ODISHA
217. SMT. CHINMAYEE ROUT, CONSTABLE, ODISHA
218. SHRI GURDIAL SINGH, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, PUNJAB
219. SHRI GURPREET SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, PUNJAB
220. SHRI JAGDEEP SINGH, INSPECTOR, PUNJAB
221. SHRI TEJINDERPAL SINGH, INSPECTOR, PUNJAB
222. SHRI AMRIK SINGH, SUB INSPECTOR, PUNJAB
223. SHRI AMRITPAL SINGH, SUB INSPECTOR, PUNJAB
224. SHRI ANIL KUMAR, SUB INSPECTOR, PUNJAB
225. SHRI DEEPAK KUMAR, INSPECTOR, PUNJAB
226. SHRI SATINDER KUMAR, INSPECTOR, PUNJAB
227. SHRI SANJIV KUMAR, SUB INSPECTOR, PUNJAB
228. SHRI BHUPINDER SINGH, SUB INSPECTOR, PUNJAB
229. SHRI JASWINDERJIT SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PUNJAB
230. SHRI KULDEEP SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PUNJAB
231. SHRI KRISHAN KUMAR, SUB INSPECTOR, PUNJAB
232. SHRI MANISH AGARWAL II, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, RAJASTHAN
233. SHRI DHARMENDRA SINGH SAGAR, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, RAJASTHAN
234. SHRI AVANISH KUMAR SHARMA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, RAJASTHAN
235. SHRI CHAIN SINGH, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, RAJASTHAN
236. SHRI KAILASH CHAND KHATIK, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, RAJASTHAN

237. SHRI SAHI RAM, PLATOON COMMANDER, RAJASTHAN
238. SHRI JASWANT RAM, SUB INSPECTOR, RAJASTHAN
239. SHRI SURENDRA SINGH, CONSTABLE, RAJASTHAN
240. SHRI KANARAM JAKHAR, HEAD CONSTABLE, RAJASTHAN
241. SHRI SAWAI SINGH, POLICE INSPECTOR, RAJASTHAN
242. SHRI DEVKARAN, HEAD CONSTABLE, RAJASTHAN
243. SHRI DEVI SINGH, SUB INSPECTOR, RAJASTHAN
244. SHRI GIRDHARI LAL, HEAD CONSTABLE, RAJASTHAN
245. SHRI TALSA RAM, HEAD CONSTABLE, RAJASTHAN
246. SHRI BHOJRAJ SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RAJASTHAN
247. SHRI TEJA RAM, CONSTABLE, RAJASTHAN
248. SHRI RINZING CHODA BHUTIA, HEAD CONSTABLE, SIKKIM
249. SMT. A JAYALAKSHMI, SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
250. SHRI R SAKTHIVEL, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, TAMIL NADU
251. SMT. S VIMALA, SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
252. SHRI P DURAI PANDIAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
253. SHRI P GOPALACHANDRAN, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
254. SHRI K SUTHAKAR DEVASAHAYAM, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
255. SHRI C CHANDRASEKAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
256. SHRI S CHRISTIN JAYASIL, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, TAMIL NADU
257. SHRI S MURUGARAJ, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, TAMIL NADU
258. SHRI P PONRAJ, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
259. SHRI M VELMURUGAN, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, TAMIL NADU
260. SHRI J ATHISAYARAJ, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
261. SHRI M RAJANIKANTH, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
262. SHRI B RAJINIKANTH, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
263. SMT. S SREEVIDYA, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
264. SHRI C ANANTHAN, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
265. SHRI P KANNUSAMY, SUB INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
266. SHRI S PARTHIBAN, SPECIAL SUB INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
267. SHRI P RAMAKRISHNAN, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
268. SHRI N GANESAN, SUB INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
269. SHRI R NANTHAKUMAR, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU
270. SHRI NALLAMALA RAVI, ADDITIONAL DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, TELANGANA
271. SHRI T KARUNAKAR, ADDITIONAL DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, TELANGANA
272. SHRI J SK SHAMEER, ADDITIONAL DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, TELANGANA
273. SHRI PUTTA DEVIDAS, COMMANDANT, TELANGANA
274. SHRI MEKALA ABRAHAM, ARMED RESERVE SUB INSPECTOR, TELANGANA
275. SHRI SHINDE PRAKASH, ARMED RESERVE SUB INSPECTOR, TELANGANA
276. SHRI M DASHARATH, ARMED RESERVE SUB INSPECTOR, TELANGANA
277. SHRI RAMDULAR SINGH, ARMED RESERVE SUB INSPECTOR, TELANGANA

278. SHRI MOHD MOIZUDDIN, ASSISTANT SUB INSPECTOR, TELANGANA
279. SHRI RAJESHUNI SRINIVAS, ASSISTANT SUB INSPECTOR, TELANGANA
280. SHRI RUDRA KRISHNA KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, TELANGANA
281. SHRI RATIRANJAN DEBNATH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, TRIPURA
282. SHRI DILIP KUMAR SINGHA, HAVILDAR, TRIPURA
283. SHRI PASHU RAM DEBBARMA, SUBEDAR, TRIPURA
284. SHRI DHRUBA KAPALI, CONSTABLE, TRIPURA
285. SHRI UTTAM DEBNATH, CONSTABLE, TRIPURA
286. SHRI HEMENDRA CHANDRA NATH, CONSTABLE, TRIPURA
287. DR. BRIJESH KUMAR SINGH, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
288. SHRI LAXMI NIWAS MISHRA, SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
289. SHRI ANIL KUMAR, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
290. SHRI ANIL KUMAR JHA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
291. SHRI AZIZUL HAQUE, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
292. SHRI NARENDRA PRATAP SINGH, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
293. SHRI SHAILENDRA KUMAR SINGH, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
294. SHRI ASHOK KUMAR, DEPUTY COMMANDANT, UTTAR PRADESH
295. SHRI ADARSH KUMAR DIXIT, RADIO SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
296. SHRI INAMUL HAQ, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
297. SHRI SHOBH NATH YADAV, ASSISTANT COMMANDANT, UTTAR PRADESH
298. SHRI PRADEEP KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
299. SHRI OM PRAKASH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
300. SHRI ABHAY KUMAR MAURYA, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
301. MOHOMAD ARIF, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
302. SHRI BRIJESH KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
303. SHRI RAJENDRA SINGH, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
304. SHRI RAJENDRA SINGH, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
305. SHRI RAM ADHAR, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
306. SHRI RAMESHWAR RAI, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
307. SHRI RAM PRAKASH SINGH YADAV, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
308. SHRI RAM PRAKASH YADAV, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
309. SHRI RAM VILAS PANDEY, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
310. SHRI RAM CHANDRA SAINI, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
311. SHRI RAMESH CHANDRA, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
312. SHRI OMKAR SINGH, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
313. SHRI AJIT SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
314. SHRI AVLEENDRA KUMAR YADAV, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
315. SHRI DHIRENDRA BAHADUR SINGH, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
316. SHRI DINESH CHANDRA, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
317. SHRI KABIR AHMAD, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH

318. SHRI KARAN SINGH YADAV, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
319. SHRI KRISHNA KUMAR YADAV, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
320. SHRI NARENDRA SINGH YADAV, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
321. SHRI ALOK CHANDRA SEN, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
322. SHRI MANMOHAN LAL, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
323. SHRI UDAY NARAYAN TIWARI, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
324. SHRI UMAPATI MISHRA, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
325. SHRI DURGA SHANKAR BAJPAI, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
326. SHRI SHIVRAJ SINGH YADAV, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
327. SHRI VINOD KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
328. SHRI KAMLA KANT TIWARI, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
329. SHRI MAHESH PRASAD SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
330. SHRI RAVINDRA KUMAR, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
331. SHRI ROOP KRISHNA TRIPATHI, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
332. SHRI VINAY KUMAR, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
333. SHRI PANKAJ SRIVASTAV, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
334. SHRI RADHE KRISHNA, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
335. SHRI SHIV KUMAR, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
336. SHRI SHRIKANT PANDEY, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
337. SHRI RAMVEER SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
338. SHRI AJAY KUMAR RAI, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
339. SHRI ANIL KUMAR, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
340. SHRI ARUN KUMAR, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
341. SHRI BHUWAN CHANDRA BHATT, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
342. SHRI NETRAPAL SINGH, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
343. SHRI SARVJIT SINGH YADAV, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
344. SHRI SHRIPAL SINGH, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
345. SHRI SHYAM SINGH, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
346. SHRI PREMCHAND YADAV, PLATOON COMMANDER, UTTAR PRADESH
347. SHRI FAKHRE AALAM ALVI, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
348. SHRI RAKESH KUMAR SINGH, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
349. SHRI SHAILENDRA SINGH YADAV, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
350. SHRI RAM PRASAD, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
351. SHRI VIJAY SHANKAR, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
352. SMT. URMILA SOLANKI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTAR PRADESH
353. SHRI PRASHANT KUMAR PANDEY, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
354. SHRI CHHEDI YADAV, HEAD CONSTABLE, UTTAR PRADESH
355. SHRI MUKANDI SINGH, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
356. SHRI AVDHESH KUMAR UPADHYAY, SUB INSPECTOR, UTTAR PRADESH
357. SHRI CHHOTE SINGH, INSPECTOR, UTTAR PRADESH
358. SHRI ARUN KUMAR SRIVASTAVA, INSPECTOR, UTTAR PRADESH

359. SHRI JAGDISH CHANDRA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTARAKHAND
360. SMT. PRATIMA BHATT, DEPUTY COMMANDANT, UTTARAKHAND
361. SHRI SAUHA KAR SINGH, SUB INSPECTOR INTELLIGENCE, UTTARAKHAND
362. SHRI NAVIN CHANDRA SEMWAL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, UTTARAKHAND
363. SHRI MUJIBUL HASAN, CONSTABLE, UTTARAKHAND
364. SHRI PRAVEEN KUMAR TRIPATHI, COMMISSIONER OF POLICE, WEST BENGAL
365. SHRI AMIT P JAVALGI, COMMISSIONER OF POLICE, WEST BENGAL
366. SHRI PRIYABRATA BAKSI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, WEST BENGAL
367. SHRI DEBANSHU DASGUPTA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, WEST BENGAL
368. SHRI SAUMYAJIT ROY, INSPECTOR, WEST BENGAL
369. SHRI KOHINUR ROY, INSPECTOR, WEST BENGAL
370. SHRI SWAPAN KUMAR RAY, SUB INSPECTOR, WEST BENGAL
371. SHRI SUBRATA SEN, SUB INSPECTOR, WEST BENGAL
372. SHRI SUBHAMAY MITRA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, WEST BENGAL
373. SHRI ANANDA MONDAL, SUB INSPECTOR, WEST BENGAL
374. SHRI SWARUP KR BASAK, CONSTABLE, WEST BENGAL
375. SMT. ASHMANARA BEGUM, ASSISTANT SUB INSPECTOR, WEST BENGAL
376. SHRI MANIK BARUA, CONSTABLE, WEST BENGAL
377. MD AFTAR HOSSAIN, ASSISTANT SUB INSPECTOR, WEST BENGAL
378. SHRI RAJIB DAS, ASSISTANT SUB INSPECTOR, WEST BENGAL
379. SMT. V SATYAWATI, SUB INSPECTOR, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS
380. SHRI MAHALI URONG, ASSISTANT SUB INSPECTOR, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS
381. SHRI RAJENDER KUMAR, SUB INSPECTOR, CHANDIGARH
382. SHRI VIKRAM, HEAD CONSTABLE, CHANDIGARH
383. SHRI TASHI WANGAIL, SUB INSPECTOR, LADAKH
384. SHRI MOHD ISMAIL, ASSISTANT SUB INSPECTOR, LADAKH
385. SHRI SKALZANG DORJEY, HEAD CONSTABLE, LADAKH
386. SHRI G SARAVANANE, SUPERINTENDENT OF POLICE, PUDUCHERRY
387. SHRI R KARTHIKEYAN, INSPECTOR OF POLICE, PUDUCHERRY
388. SHRI ASHOK KUMAR SHARMA, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, JAMMU & KASHMIR
389. SHRI KOSHAL KUMAR SHARMA, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, JAMMU & KASHMIR
390. SHRI SANJAY KUMAR KOTWAL, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, JAMMU & KASHMIR
391. SHRI ARUN GUPTA, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, JAMMU & KASHMIR
392. SMT. MAMTA SHARMA, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, JAMMU & KASHMIR
393. SHRI ASHWANI KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, JAMMU & KASHMIR
394. SHRI VIMAL KUMAR KOUL, INSPECTOR, JAMMU & KASHMIR
395. SMT. BAYNAZIR IQBAL, INSPECTOR, JAMMU & KASHMIR
396. SHRI KRISHAN CHAND, HEAD CONSTABLE, JAMMU & KASHMIR
397. SMT. NEELAM SHARMA, INSPECTOR, JAMMU & KASHMIR
398. SHRI BHARAT JI RAINA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, JAMMU & KASHMIR
399. SHRI KHURSHID AHMAD MAGRAY, HEAD CONSTABLE, JAMMU & KASHMIR

400. SHRI KHURSHID AHMAD QAZI, FOLLOWER, JAMMU & KASHMIR
401. SHRI SODAGAR MAL, FOLLOWER, JAMMU & KASHMIR
402. SHRI GOPAKUMAR KUARUNAKARN, COMMANDANT, ASSAM RIFLES
403. SHRI SANJAI KUMAR MANI, COMMANDANT, ASSAM RIFLES
404. SHRI SUNIL KUMAR, SECOND-IN-COMMAND, ASSAM RIFLES
405. SHRI DHARAM SINGH, SUBEDAR MAJOR, ASSAM RIFLES
406. SHRI ARUN KUMAR CHAUDHARY, WARRANT OFFICER, ASSAM RIFLES
407. SHRI RANJEET SINGH, NAIB SUBEDAR, ASSAM RIFLES
408. SHRI CHUNDI GOPALA KRISHNA, NAIB SUBEDAR, ASSAM RIFLES
409. SHRI JALALUDDIN KHAN, NAIB SUBEDAR, ASSAM RIFLES
410. SHRI SUBIR KUMAR DAS, HAVILDAR, ASSAM RIFLES
411. SHRI SURAJIT SHARMA, SUBEDAR, ASSAM RIFLES
412. SHRI BABU RAM VERMA, SUBEDAR, ASSAM RIFLES
413. SHRI SHAJI LAL S, NAIB SUBEDAR, ASSAM RIFLES
414. SHRI BHAGWATI PRASAD, SUBEDAR, ASSAM RIFLES
415. SHRI MANOJ KUMAR, SECOND-IN-COMMAND, BSF
416. DR. RAJEEV KUMAR KOTNALA, INSPECTOR GENERAL, BSF
417. SHRI DINESH MURMU, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, BSF
418. SHRI JASWINDER KUMAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, BSF
419. SHRI ASHOK KUMAR YADAV, COMMANDANT, BSF
420. SHRI ASHUTOSH KUMAR SINGH, COMMANDANT, BSF
421. SHRI DEVINDER SINGH, COMMANDANT, BSF
422. SHRI MOHINDER LAL, COMMANDANT, BSF
423. SHRI PRAMOD PRASAD NAUTIYAL, COMMANDANT, BSF
424. SHRI RAMAN KUMAR SRIVASTAVA, COMMANDANT, BSF
425. SHRI DEEPAK TEWARI, COMMANDANT, BSF
426. SHRI SUNIL KUMAR, COMMANDANT, BSF
427. DR. ANGEL BENNET, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, BSF
428. SHRI RAJEEV KUMAR, LAW OFFICER GRADE-I/COMMANDANT, BSF
429. DR. AMBESH CH SHAHI, CMO, BSF
430. SHRI JITENDRA KUMAR SINGH, SECOND-IN-COMMAND, BSF
431. SHRI VIPIN SHEKHAWAT, DEPUTY COMMANDANT, BSF
432. SHRI ANAND SINGH BISHT, DEPUTY COMMANDANT, BSF
433. SHRI DIGENDRA SINGH PANWAR, DEPUTY COMMANDANT, BSF
434. SHRI DINESH SINGH, ASSISTANT COMMANDANT, BSF
435. SHRI GIRJESH KUMAR SINGH, ASSISTANT COMMANDANT, BSF
436. SHRI SURENDRA SINGH SAJWAN, ASSISTANT COMMANDANT, BSF
437. SHRI BIRENDRA THAKUR, INSPECTOR, BSF
438. SHRI RAJEEVAN KAVINISSERY, ASSISTANT COMMANDANT, BSF
439. SHRI SUKHDEV RAJ, CONSTABLE, BSF
440. SHRI K MUTHURAJ, SUB INSPECTOR, BSF

441. SHRI UTTAM SINGH, SUB INSPECTOR, BSF
442. SHRI DHARAMPAL, SUB INSPECTOR, BSF
443. SHRI HOUSILA PRASAD TIWARI, SUB INSPECTOR, BSF
444. SHRI HANS RAJ, SUB INSPECTOR, BSF
445. SHRI RAJBIR SINGH, DEPUTY COMMANDANT, BSF
446. SHRI ATUL KUMAR MISHRA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
447. SHRI PRAMOD KUMAR SHARMA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
448. SHRI NAND KISHOR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
449. SHRI BIRBAL RAM, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
450. SHRI SURESH KUMAR SHARMA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
451. SHRI PRASAD DAS, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
452. SHRI PARAMJIT SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
453. SHRI VIRENDRA SINGH PANWAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
454. SHRI VENU KUMAR V, ASSISTANT SUB INSPECTOR, BSF
455. SHRI BAJRANG SINGH RATHORE, SUBEDAR MAJOR, BSF
456. SHRI DULAL CHAND ROY, CONSTABLE, BSF
457. SHRI DHARAM PAL, CONSTABLE, BSF
458. SHRI RAJESH KUMAR, HEAD CONSTABLE, BSF
459. SHRI SACHINDRA KUMAR TRIPURA, CONSTABLE, BSF
460. SHRI GAIKWAD ANANTA SHRI RAM, HEAD CONSTABLE, BSF
461. SHRI CHANDANSHIVE AMOL CHARANDAS, SENIOR COMMANDANT, CISF
462. SHRI SUNIT SHARMA, SENIOR COMMANDANT, CISF
463. SHRI RAJESH, SENIOR COMMANDANT, CISF
464. SHRI KHURSHED PARVEZ SIDDIQUI, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
465. SHRI SUBHASH SEN, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
466. SHRI SAJJAN SINGH KHARINTA, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
467. SHRI SOLLU ANJANEYA RAJU, DEPUTY COMMANDANT, CISF
468. SHRI SUDESH CHANDAR, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
469. SHRI ANIL KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
470. SHRI PURAN SINGH KAIRA, INSPECTOR, CISF
471. SMT. SUJA M, SUB INSPECTOR, CISF
472. SHRI VIVEKANANDA MAHATA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
473. SHRI MAKAN SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
474. SHRI RAM DARASH YADAV, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
475. SHRI D VENKATADRI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
476. SHRI MANHARAN PRASAD SHARMA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
477. SHRI NEERAJ PRASAD SHUKLA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
478. SHRI D SELVAM, ASSISTANT COMMANDANT, CISF
479. SHRI AZAD SINGH, DEPUTY COMMANDANT, CISF
480. SHRI DIPAK BAWRI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CISF
481. SHRI KISHAN RAM, HEAD CONSTABLE, CISF

482. SHRI SAJI S, SUB INSPECTOR, CISF
483. SHRI TULSI GOGOI, INSPECTOR, CISF
484. DR. GANESH CHANDRA PADHI, INSPECTOR GENERAL, CRPF
485. SHRI ERICK GILBERT JOSE, COMMANDANT, CRPF
486. DR. PAPIA SENGUPTA, CHIEF MEDICAL OFFICER/COMMANDANT, CRPF
487. DR. DEEPAK KUMAR, CHIEF MEDICAL OFFICER /COMMANDANT, CRPF
488. SHRI RADHE SHYAM SINGH, COMMANDANT, CRPF
489. SHRI KARUNA NIDHAN, COMMANDANT, CRPF
490. SHRI NITIN KUMAR, COMMANDANT, CRPF
491. SHRI JITENDRA KUMAR, COMMANDANT, CRPF
492. SMT. SYALU S MAHARANA, COMMANDANT, CRPF
493. SHRI DHARMENDRA KUMAR JHA, COMMANDANT, CRPF
494. SHRI JITENDRA KUMAR OJHA, COMMANDANT, CRPF
495. SHRI SUSHANTA KUMAR PRADHAN, COMMANDANT, CRPF
496. SMT. M RAMALAKSHMI, ASSTT. MATRON, CRPF
497. SHRI SAMEER KUMAR RAO, SECOND IN COMMAND, CRPF
498. SHRI NEERAJ SINGH RATHORE, SECOND IN COMMAND, CRPF
499. SHRI ASHOK KUMAR SINGH, SECOND IN COMMAND, CRPF
500. SHRI DEEPAK MANI TRIPATHI, SECOND IN COMMAND, CRPF
501. SHRI AJITH C BABU, DEPUTY COMMANDANT, CRPF
502. SHRI RAMENDRA KUMAR, DEPUTY COMMANDANT, CRPF
503. SHRI RAJKUMAR CHOUDHARY, ASSISTANT COMMANDANT, CRPF
504. SHRI JAGIR SINGH, ASSISTANT COMMANDANT (MIN), CRPF
505. SHRI HIMKANT DIXIT, DEPUTY COMMANDANT, CRPF
506. SHRI SURINDER SINGH, SECOND-IN-COMMAND, CRPF
507. SHRI RAMNARESH TIWARI, INSPECTOR, CRPF
508. SHRI TRILOK CHAND NIRALA, INSPECTOR, CRPF
509. SHRI DEVENDRA KUMAR SINGH, INSPECTOR, CRPF
510. SHRI DHARAM SINGH, INSPECTOR, CRPF
511. SHRI ROSHAN SINGH RAWAT, INSPECTOR, CRPF
512. SHRI S A MATHIYALAGAN, INSPECTOR, CRPF
513. SHRI SURENDRAN NAIR J, INSPECTOR, CRPF
514. SHRI ASHOK KUMAR, INSPECTOR, CRPF
515. SMT. REKHA MATURA, INSPECTOR, CRPF
516. SHRI HOT CHAND, SUB INSPECTOR, CRPF
517. SHRI BUNGA RAJU, INSPECTOR, CRPF
518. SHRI VIRENDRA SINGH NEGI, HEAD CONSTABLE, CRPF
519. SHRI BHOLA SHANKER SINGH YADAV, HEAD CONSTABLE, CRPF
520. SHRI SHAMSHER LAL, INSPECTOR, CRPF
521. SHRI SURENDRA KUMAR MANJHI, INSPECTOR, CRPF
522. SHRI P RAVI KUMAR, SUB INSPECTOR, CRPF

523. SHRI LAXMAN SINGH, HEAD CONSTABLE, CRPF
524. SHRI GHANI SHYAM, SUB INSPECTOR, CRPF
525. SHRI JAI KARAN SINGH, SUB INSPECTOR, CRPF
526. SHRI SURYA PRASAD, SUB INSPECTOR, CRPF
527. SHRI REVANASHIDDAPPA KUMBAR, SUB INSPECTOR, CRPF
528. SHRI SORAJ SINGH MEENA, INSPECTOR, CRPF
529. SHRI PURAN SINGH, SUB INSPECTOR, CRPF
530. SHRI JAI PARKASH, SUB INSPECTOR, CRPF
531. SHRI KRISHNA KUMAR M, SUB INSPECTOR, CRPF
532. SHRI L CHUDALAI MUTHU, INSPECTOR, CRPF
533. SHRI YOGENDRA NISHAD, SUB INSPECTOR, CRPF
534. SHRI LAXMAN RAM, HEAD CONSTABLE, CRPF
535. SHRI AMAR KUMAR JHA, SUB INSPECTOR, CRPF
536. SHRI PRABHAKAR MANIKRAO NITINWARE, CONSTABLE, CRPF
537. SHRI JINAH ANTH, CONSTABLE, CRPF
538. SHRI BAJRANG LAL, INSPECTOR, CRPF
539. SHRI GYAN PRAKASH PANDEY, HEAD CONSTABLE, CRPF
540. SHRI UTTAM KUMAR DHRUWE, HEAD CONSTABLE, CRPF
541. SHRI SATYENDRA KUMAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, ITBP
542. SHRI SAMAR BAHADUR SINGH, COMMANDANT, ITBP
543. SHRI BINDESHWAR KUMAR, SECOND-IN-COMMAND, ITBP
544. SHRI RAJ NATH SINGH, INSPECTOR, ITBP
545. SHRI BIKRAM SINGH RAWAT, ASSISTANT COMMANDANT, ITBP
546. SHRI MATWAR SINGH THAKUR, INSPECTOR, ITBP
547. SHRI GANESH PRASAD, ASSISTANT SUB INSPECTOR, ITBP
548. SHRI BALBENDER KUMAR, HEAD CONSTABLE, ITBP
549. SHRI HEM SINGH, INSPECTOR, ITBP
550. SHRI PAWAN SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, ITBP
551. SMT. PRINCEE RANI, INSPECTOR GENERAL, NSG
552. SHRI HOSIYAR SINGH, GROUP COMMANDER, NSG
553. SHRI JITENDER SINGH RAWAT, ASSISTANT COMMANDER-I, NSG
554. SHRI RAMAWATAR YADAV, ASSISTANT COMMANDER-I, NSG
555. SMT. PARUL KUSH JAIN, INSPECTOR GENERAL, SSB
556. SHRI MANORANJAN KUMAR PANDEY, COMMANDANT, SSB
557. SHRI BALBIR SINGH, EXECUTIVE ENGINEER, SSB
558. SHRI TH BINOD KUMAR SINGH, DEPUTY COMMANDANT, SSB
559. SHRI DURGA SINGH RAUTELA, SUB INSPECTOR, SSB
560. SHRI DINA NATH, INSPECTOR, SSB
561. SHRI SHAM SINGH, INSPECTOR, SSB
562. SHRI YOGINDER SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SSB
563. SHRI DHIRAJ BISWAKARMA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, SSB

564. SHRI ZAKIESATUO ANGAMI, LANCE NAIK, SSB
565. SHRI RAJENDER KUMAR, CONSTABLE, SSB
566. SHRI P MADHAVAN UNNI, ADDITIONAL DEPUTY DIRECTOR/EXE, MHA
567. SHRI RAVISH KUMAR SHARMA, SECTION OFFICER, MHA
568. MS. NAVNEET PRASAD, SECTION OFFICER, MHA
569. MS. SARITA YADAV, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MHA
570. MD. JAWAID IQUBAL, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MHA
571. SHRI VINOD T C, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MHA
572. SHRI LALSANGLIANA, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, MHA
573. SHRI HEIRANGKHONGJAM OPENDRO SINGH, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/ EXE, MHA
574. SHRI MANGBOI CHONGLOI, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/ EXE, MHA
575. MS. P SIREESHA, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/ EXE, MHA
576. SHRI PREM PRAKASH PANDEY, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/ EXE, MHA
577. SHRI MADHU BABU BADANA, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, MHA
578. SHRI MUTHU KUMAR R, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, MHA
579. SHRI ADHIKARI VIVEK KUMAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, MHA
580. SHRI RAVINDRA WASUDEORAO DHANDAR, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, MHA
581. SHRI SHAM LAL, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, MHA
582. SHRI AKHIL KUMAR KULSHRESTHA, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, MHA
583. SHRI SKARMA THARCHIN, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, MHA
584. SHRI AMAL DAS, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, MHA
585. SHRI SATYA VIR SINGH, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, MHA
586. SHRI DIPAK KUMAR BORAH, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, MHA
587. SHRI LALIT MOHAN SINGH, JUNIOR INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, MHA
588. SHRI ANIL KUMAR, SENIOR SECRETARIAT ASSISTANT, MHA
589. SHRI ANOOP T MATHEW, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, CBI
590. SHRI BALKARAN SINGH, DEPUTY LEGAL ADVISOR, CBI
591. SHRI SUBHASH CHANDRA SHARMA, DEPUTY LEGAL ADVISOR, CBI
592. SHRI SUNIL DUTT, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
593. SHRI ASHOK KUMAR, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
594. SMT. K VIJAYA VAISHNAVI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
595. SHRI AJAY SINGH GAHLAUT, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CBI
596. SHRI DILBAGH SINGH JASROTIA, CRIME ASSISTANT, CBI
597. SHRI MOHAN SINGH JADAUN, HEAD CONSTABLE, CBI
598. SHRI ARABINDA GARAI, HEAD CONSTABLE, CBI
599. SHRI CHITIMIREDDY SURYANARAYAN REDDY, HEAD CONSTABLE, CBI
600. SHRI SATISH KUMAR, CONSTABLE, CBI
601. SHRI RAMBABU YEDIDA, CONSTABLE, CBI
602. SHRI NAVAL KUMAR DIXIT, CONSTABLE, CBI

603. SHRI PAWAN KUMAR BHARDWAJ, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CBI
604. SHRI VINOD KUMAR YADAV, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, SPG
605. SHRI SATYENDRA KUMAR JHA, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, SPG
606. SHRI SUBASH KUMAR SHARMA, SECURITY OFFICER-I, SPG
607. SHRI KALYAN RAMTEL, SECURITY OFFICER-II, SPG
608. SHRI DILIP KRISHNAN G, CONSTABLE, SVP NPA
609. SHRI VISHWANATH PARASHAR, SECOND-IN-COMMAND, NDRF
610. SHRI PANKAJ KUMAR, COMMANDANT, NDRF
611. SHRI ARVIND KUMAR SHARMA, SUB INSPECTOR, NDRF
612. SHRI BABUL MAZUMDAR, HEAD CONSTABLE, NEPA
613. SHRI NILOTPAL MRINAL, ADDITIONAL DIRECTOR, NCB
614. SHRI JAGJIT SINGH, HEAD CONSTABLE, NCRB
615. SHRI GOPAL DATT JOSHI, ASSISTANT, NSCS
616. SHRI SUNIL KUMAR AWASTHI, SENIOR AVIATION SECURITY OFFICER, M/O CIVIL AVIATION
617. SHRI SUBODH SHARMA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, NIA
618. SHRI VAKIL KHAN, HEAD CONSTABLE, NIA
619. SHRI DESHRAJ, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NIA
620. SHRI BHUPENDER SINGH, DEPUTY COMMANDANT, NDMA
621. SHRI RAJEEV KUMAR YADAV, PRINCIPAL CHIEF SECURITY COMMISSIONER, RPF
622. SHRI SHASHI KUMAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, RPF
623. SHRI ANIL KUMAR PANDEY, ASSISTANT SECURITY COMMISSIONER, RPF
624. SHRI VIJAY SHANKAR SINGH, ASSISTANT COMMANDANT, RPF
625. SHRI ANIL KUMAR, SUB INSPECTOR, RPF
626. SHRI SHYAMALENDU BHUSHAN CHANDA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RPF
627. SHRI KRISHAN KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RPF
628. SHRI RAMRAJ SINGH, HEAD CONSTABLE, RPF
629. SHRI L RAMANA, SUB INSPECTOR, RPF
630. SHRI RISHI KUMAR SHUKLA, SUB INSPECTOR, RPF
631. SHRI SUBHASH CHAND, INSPECTOR, RPF
632. SHRI M K CHNADRA MOHAN, SUB INSPECTOR, RPF
633. SHRI AMIT KUMAR MALICK, HEAD CONSTABLE, RPF
634. SHRI RAJEEV KUMAR VASHISHTHA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RPF
635. SHRI MAHENDER KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RPF
- FIRE SERVICE
636. SHRI ASHOK DAS, SUB OFFICER, ASSAM
637. SHRI KHAGEN CHANDRA KALITA, LEADING FIREMAN, ASSAM
638. SHRI TARAK CHANDRA TALUKDAR, SUB OFFICER, ASSAM
639. SHRI CHIDANAND PARWATAYYA HIREMATH, LEADING FIREMAN, KARNATAKA
640. SHRI MALLIKARJUN HANAMANTH GOLL, LEADING FIREMAN, KARNATAKA
641. SHRI MADHUSUDHANA THENKANAHALLI MOLLAVENKATA BHOVI, LEADING FIREMAN, KARNATAKA

642. SHRI VISI VISWANATH, DISTRICT FIRE OFFICER, KERALA
643. SHRI SIDHAKUMAR V, REGIONAL FIRE OFFICER, KERALA
644. SHRI BIJUMON S K, DISTRICT FIRE OFFICER, KERALA
645. SHRI SUBRAMANNIAN P N, ASSISTANT STATION OFFICER (GRADE STATION OFFICER), KERALA
646. SHRI SURENDRAN NAIR M, SENIOR FIRE AND RESCUE OFFICER, KERALA
647. SHRI MADANA MOHANAN T K, SENIOR FIRE AND RESCUE OFFICER, KERALA
648. SHRI BHAGWAT SHRIRAM SONONE, FIRE OFFICER, MAHARASHTRA
649. SHRI SUBHASH PRABHAKAR JADHAV, STATION DUTY OFFICER, MAHARASHTRA
650. SHRI CHHAGAN TARACHAND MORE, DEPUTY CHIEF FIRE OFFICER, MAHARASHTRA
651. SHRI BHAGWANT BABAN SHINGADE, LEADING FIREMAN, MAHARASHTRA
652. SHRI RAMCHANDRA TUKARAM GOSAVI, FIRE ENGINE DRIVER, MAHARASHTRA
653. SHRI ROKESH WARJRI, LEADING FIREMAN, MEGHALAYA
654. SHRI LALDANZIRA, FIRE FIGHTER, MIZORAM
655. SHRI LALHMANGAIHA COLNEY, FIRE FIGHTER, MIZORAM
656. SHRI SUDHAKAR PANIGRAHI, LEADING FIRE FIGHTER, ODISHA
657. SHRI DILLIP KUMAR NANDA, LEADING FIRE FIGHTER, ODISHA
658. SHRI BHIM BAHADUR SILAL, ASFO, SIKKIM
659. SHRI MANICKAM MAHALINGAMOORTHY, DISTRICT OFFICER, TAMIL NADU
660. SHRI BALAKRISHNAN SARAVANABABU, DEPUTY DIRECTOR, TAMIL NADU
661. SHRI KHAN WAHEEDULLAH MOHAMMED, LEADING FIREMAN, TELANGANA
662. SHRI TALLA NAGESH, LEADING FIREMAN, TELANGANA
663. SHRI SADIQ MOHD, LEADING FIREMAN, TELANGANA
664. SHRI BEEREDDI GOPAL REDDY, LEADING FIREMAN, TELANGANA
665. SHRI RAM KUMAR, FIRE STATION OFFICER, UTTAR PRADESH
666. SHRI SHIVRAJ SINGH, LEADING FIREMAN, UTTAR PRADESH
667. SHRI MANVEER SINGH, FIREMAN, UTTAR PRADESH
668. SHRI MANBHADUR SINGH, FIREMAN, UTTAR PRADESH
669. SHRI PAWAN KUMAR, FIRE SERVICE DRIVER, UTTARAKHAND
670. SHRI TARUN KUMAR DUTTA, DIVISIONAL FIRE OFFICER, WEST BENGAL
671. SHRI SHYAM CHANDRA MONDAL, DEPUTY DIRECTOR, WEST BENGAL
672. SHRI BHASKAR NAG, STATION OFFICER, WEST BENGAL
673. SHRI DEWAN LEPCHA, DIVISIONAL FIRE OFFICER, WEST BENGAL
674. SHRI GOBINDA ROY, STATION OFFICER, WEST BENGAL
675. SHRI ARUP KUMAR ROY, LEADER, WEST BENGAL
676. SHRI DHAN BAHADUR SUBBA, FIRE OPERATOR, WEST BENGAL
677. SHRI MANU PRADHAN, FIRE OPERATOR, WEST BENGAL
678. SHRI SUMIT DAS, LEADER, WEST BENGAL
679. SHRI TAPAN KUMAR ROY, FIRE ENGINE OPERATOR CUM DRIVER, WEST BENGAL
680. SHRI SK MUJIBAR RAHAMAN, FIRE ENGINE OPERATOR CUM DRIVER, WEST BENGAL
681. SHRI DHARMENDER SINGH, LEADING FIRE MAN, CHANDIGARH

682. SHRI DUSHIANT SINGH, LEADING FIREMAN, JAMMU & KASHMIR
683. SHRI MOHD JAFFAR, STATION OFFICER, JAMMU & KASHMIR
684. SHRI SANJEEV KUMAR SADDI, DEPUTY COMMANDANT/FIRE, CISF
685. SHRI SANKARAN UNNI NAIR, ASSISTANT COMMANDANT/FIRE, CISF
686. SHRI BHADRA KUJUR, ASSISTANT SUB INSPECTOR/FIRE, CISF
HOME GUARD & CIVIL DEFENCE
687. DR. SANTANU ROY CHOWDHURY, POST WARDEN, ASSAM
688. SHRI RAMCHANDRA YESHWANT TULASKAR, HOME GUARD VOLUNTEER, GOA
689. SHRI DILIPSINH JASHUJI CHAVDA, PLATOON COMMANDER, GUJARAT
690. SHRI NITIN CHANDRASHANKAR TRIVEDI, DEPUTY CHIEF WARDEN, GUJARAT
691. SMT. RANJITAKAUR KEVALSINGH SARDAR, DEPUTY CHIEF WARDEN, GUJARAT
692. SHRI GHANSHYAMBHAI VALJIBHAI NASIT, DIVISIONAL WARDEN, GUJARAT
693. SHRI RAJNEESH KATOCH, PLATOON COMMANDER, HIMACHAL PRADESH
694. MS. ASHA KUMARI, SECTION LEADER, HIMACHAL PRADESH
695. SHRI VENUGOPAL C, HOME GUARD, KERALA
696. SHRI SANTOSH KUMAR SHUKLA, LANCE NAIK, MADHYA PRADESH
697. SHRI SUNIL KUMAR JAIN, CQM VOLUNTEER, MADHYA PRADESH
698. SMT. HEMLATA SHRIRAM KAMBLE, COMPANY COMMANDER, MAHARASHTRA
699. SHRI RAJU GANPAT SAMBAR, COMPANY COMMANDER, MAHARASHTRA
700. SHRI ANIL GANPAT GAVIT, ASSISTANT DEPUTY CONTROLLER, MAHARASHTRA
701. SHRI RAJENDRA PUNDALIK SHELKE, PLATOON COMMANDER, MAHARASHTRA
702. SMT. UMA CHANDRKANT KOLAVALE, PLATOON COMMANDER, MAHARASHTRA
703. SMT. BADALYNE KHARKONGOR, DIVISIONAL COMMANDANT HOME GUARDS, MEGHALAYA
704. SHRI PARSING CH MARAK, NAIK, MEGHALAYA
705. SHRI R PACHHUNGA, COMPANY SERGEANT MAJOR, MIZORAM
706. SHRI LALDENG J, COMPANY SERGEANT MAJOR, MIZORAM
707. SHRI ASWINI KUMAR DAS, HOME GUARD, ODISHA
708. SHRI JITENDRA LENKA, HOME GUARD PLATOON COMMANDER, ODISHA
709. SHRI BISWO RANJAN KUARNR, CIVIL DEFENCE VOLUNTEER, ODISHA
710. SHRI A RAVI, COMPANY COMMANDER, TAMIL NADU
711. SHRI MUTHU KRISHNAN, DIVISIONAL COMMANDER, TAMIL NADU
712. SHRI JONNADA RAJU, HOME GUARD, TELANGANA
713. SHRI PISARI SANGAM, HOME GUARD, TELANGANA
714. SHRI SANJAY KUMAR SHARMA, DISTRICT COMMANDANT HOME GUARDS, UTTAR PRADESH
715. SHRI DHEERENDRA NATH SINGH, DISTRICT COMMANDANT, UTTAR PRADESH
716. SHRI SUJIT KUMAR PRASAD, DIVISIONAL WARDEN, UTTAR PRADESH
717. SHRI SURESH KUMAR GUPTA, STAFF OFFICER TO CHIEF WARDEN (FIRE), UTTAR PRADESH
718. SHRI DHYAN PRAKASH TIWARI, DEPUTY DIVISIONAL WARDEN, UTTAR PRADESH
719. SHRI PEETAM SINGH, BLOCK ORGANISER DISTRICT HOME GUARDS OFFICE, UTTAR PRADESH
720. SHRI RAVINDRA PRASAD, PAID INSPECTOR, UTTARAKHAND
721. MRS. REKHA PANDEY, SENIOR ADMINISTRATIVE OFFICER, UTTARAKHAND

722. SHRI SHIV KUMAR, UNPAID PLATOON COMMANDER, UTTARAKHAND
723. SHRI B C NASKAR, HOME GUARD REGULAR, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS
724. SHRI RAJESH KUMAR, SUB INSPECTOR, JAMMU & KASHMIR
725. SHRI VIDYA SAGAR PANDEY, CIVIL DEFENCE INSTRUCTOR, MINISTRY OF RAILWAYS
726. SHRI SANTOSH KUMAR, STAFF OFFICER, MINISTRY OF RAILWAYS
727. SHRI NAGARAJU CHITTIMALA, SENIOR CIVIL DEFENCE INSPECTOR, MINISTRY OF RAILWAYS
CORRECTIONAL SERVICE
728. DR. VARAPRASAD MAMILLAPALLI, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF PRISONS, ANDHRA
PRADESH
729. SHRI RAVI KUMAR KARANAM, CHIEF HEAD WARDER, ANDHRA PRADESH
730. SHRI VEERA VENKATA SATYANARAYANA RAO TALAPARTHI, HEAD WARDER, ANDHRA
PRADESH
731. SHRI YOONUZ M B, DEPUTY SUPERINTENDENT, KERALA
732. SHRI BIJU K B, ASSISTANT SUPERINTENDENT GR. I, KERALA
733. SHRI ABDUL MAJEED K K, ASSISTANT SUPERINTENDENT GR. I, KERALA
734. SHRI AREEF K M, ASSISTANT SUPERINTENDENT GR. I, KERALA
735. SHRI ANIL BOSE T, ASSISTANT SUPERINTENDENT GR.I, KERALA
736. SHRI PRABHAKARAN T A, ASSISTANT SUPERINTENDENT GR.I, KERALA
737. SMT. RAMLA BEEVI A, SUPERINTENDENT, KERALA
738. SMT. SREEKALA G R, DEPUTY SUPERINTENDENT, KERALA
739. SMT. RANI RAJARAM BHOSALE, SUPERINTENDENT, MAHARASHTRA
740. SHRI RAJARAM RAOSAHEB BHOSALE, ADDITIONAL SUPERINTENDENT, MAHARASHTRA
741. SHRI GAJANAN KASHINATH SARODE, DEPUTY SUPERINTENDENT, MAHARASHTRA
742. SHRI SANJAY GANGARAM SHIVGAN, SUBHEDAR, MAHARASHTRA
743. SHRI SUDHAKAR ONKAR CHAVAN, HAVILDAR, MAHARASHTRA
744. SHRI RAJESH MADHUKAR SAWANT, HAVILDAR, MAHARASHTRA
745. SHRI SANJAY SADASHIV JADHAV, HAVILDAR, MAHARASHTRA
746. SMT. VIDYA BHARAT DHEMBARE, PRISON SEPOY, MAHARASHTRA
747. SHRI SURENDRAKUMAR SINGH NGANGBAM, WARDER, MANIPUR
748. SHRI MUHAMAD HAMIJUDDIN, HEAD WARDER, MANIPUR
749. SHRI SUDHIR KUMAR JENA, ASSISTANT JAILOR, ODISHA
750. SHRI SAROJ KUMAR PADHY, CHIEF WARDER, ODISHA
751. SHRI YOGESH KUMAR TEJI, DEPUTY SUPERINTENDENT, RAJASTHAN
752. SHRI SUGAR SINGH GURJAR, DEPUTY JAILOR, RAJASTHAN
753. SHRI LOKOJJAWAL SINGH, DEPUTY JAILOR, RAJASTHAN
754. SHRI SHANMUGA SUNDARAM GANESAN, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF PRISONS,
TAMIL NADU
755. SHRI VELUCHAMY ARUMUGA PERUMAL, ASSISTANT JAILER, TAMIL NADU
756. SHRI JOSEPH TALİYATH BENJAMIN JOSEPH PANDIAN, GRADE I WARDER, TAMIL NADU
757. SHRI RAJU CHAKRALA, DEPUTY JAILOR, TELANGANA
758. SHRI MUMTAZ AHMAD KHAN, SECTION OFFICER, JAMMU & KASHMIR

2. The Medal for Meritorious Service (MSM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 87-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023.

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 85—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Assam Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Gurav Abhijit Dilip, IPS	Superintendent of Police	GM
2.	Hemanta Kumar Boro	Sub Divisional Police Officer	GM
3.	Akhil Ranjan Das	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 8th February 2023, based on a reliable input about one group of ULFA (I) extremist taking shelter at Malu Gaon Hills, Ledo under Margherita Police station with an intention to cause sabotage activities; an operation was launched led by IGP, NER along with SP Tinsukia Gurav Abhijit Dilip, IPS, SDPO Margherita Hemanta Kumar Boro, Constable Akhil Ranjan Das along with Police team. The police team proceeded to the area at around 9.00 PM and reached to the hills at midnight. After detailing cover party in strategic locations, the police team while climbing up the hills to recce the area, an extremist group camping on the upper elevation, started indiscriminate fire upon them, however the team managed to duck in the hilly terrain without hurt. Thereafter, the police team coordinated accompanying team and approached closer to the extremists in spite of heavy fire. When the exact position of the extremists was ascertained, the police team retaliated the fire with aggressive support of accompanying team, thereby a fierce exchange of fire ensued and which was lasted for 15-20 minutes. Though the exchange of fire was stopped yet the police team remained in lying position for sometimes. But when sound of groaning of a person was heard, the police team crawled up to the place and saw an injured extremist, armed with AK rifle in lying position. The injured extremist was lifted and rushed to Margherita FRU, Hospital for treatment. In the hospital, doctor on duty declared him brought dead. The deceased was later identified as Uday Axom @ Uddhab Lahon, an Operation Commander of United Liberation Front of Assam (Independent). Rest of the extremists managed to flee. A thorough search of the area was conducted in the first light where arms, ammunitions and materials were recovered.

It is to be mentioned that during the operation it was completely dark, rainy and the terrain was difficult to navigate, despite of all the odds, the operation resulted in success cheerily for meticulous planning, tactical approach, courage and leadership displayed by SP Gurav Abhijit Dilip, IPS, SDPO Hemanta Kumar Boro and Constable Akhil Ranjan Das.

In this operation, S/Shri Gurav Abhijit Dilip, IPS, Superintendent of Police, Hemanta Kumar Boro, Sub Divisional Police Officer and Akhil Ranjan Das, Constable of Assam Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 09/02/2023.

(File No. 11020/69/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 86—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Bihar Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Babu Ram, IPS	Superintendent of Police	GM
2.	Saket Saurabh	Sub-Inspector	GM
3.	Ram Raj Singh	Sub-Inspector	GM
4.	Tarbabu Yadav	Sub-Inspector	GM

5.	Sanjay Kumar Choudhary	Constable	GM
6.	Surendra Paswan	Constable	GM
7.	Vikas Kumar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 16-07-2016, Shri Babu Ram, IPS, SP Aurangabad got indulgence about camping of an armed group of Maoists led by their Commander BJSAC Member Sandeep jee and others in nearby areas of Langurahi yillage situated in Chhakarbandha forest under Madanpur PS, with intention to execute some explosive plan.

Chbakrbandha forest the most infamous den of Maoists, is sprawled in Aurangabad and Gaya districts of Bihar. All kachcha tracks are prone to IEDs placed on tactical locations along the heights of both sides of these tracks. These heights provide safe cover to Maoists to fire on security forces, whereas security forces have no choice but to pass through these risky zones to reach targeted locations to engage Maoists.

To plan the operation, a joint meeting was held in the office of the SP. It was decided to launch the joint ops in the night of 17.07.2016 under leadership of the SP Shrl Babu Ram who had decided to participate in the ops himself. A joint team consisting of District Police Force Aurangabad and four teams of cobra 205 battalion with their respective Commanders was constituted immediately under overall leadership of SP Babu Ram in order to apprehend the Maoists and to defy their nefarious plan. Two cobra teams No. 11 and 12 started from Madanpur at about 10:30 PM same day and after crossing thick forests, treacherous trenches and flooded rivers on foot in rainy dark night reached the destination at about 06:30 AM. The other two teams 14 & 18 also reached at their positions. Despite a long and constant ambush and search, no movement or trace of Maoists was found. Then all the teams moved one by one in east direction towards Dumri Nala. At about 11:15 AM on 18-07-2016 when Shri Babu Ram with his two teams crossed the Dumri Nala, and the other two teams met a sudden series of Landmines blasts followed by a heavy gunshot fire. Some jawans had been Injured badly in the blast. At the same time, Maoists started firing on the team led by SP Babu Ram. He Immediately directed other team leader to take his team to help the teams stranded in Nala to evacuate and team led by SP Babu Ram retaliated to the enemy with a heavy fire to dominate them.

Though engulfed in Incessant and iindiscriminate fire, SP Babu Ram along with his team, took tactical position immediately and motivated his Jawans to retaliate the enemy with full capacity. Under a strategic decision, the SP without caring for bullets of enemy and for his life and showing exemplary courage, maneuvered to the left side of the attack and told team member to attack the right flank. The Maoists, sensing that they were being cornered, accelerated their firings to the full extent. CT Ravi Kumar crawled ahead, amidst the firing and fired upon enemy bravely when he got a bullet injury. The SP directed team member to take care of the injured Jawan and he himself along with his district force commandos advanced close to the enemy taking tactical cover of boulders and began to fire on the enemy from close distance. This gallant act resulted in breakage of Maoist ambush. CT Surendra Paswan, CT Vikas Kumar and CT Sanjay Kumar Choudhary exhibited exemplary courage. They without caring of the danger and firing from the enemy, kept advancing towards the enemy and fired on the enemy simultaneously. CT Surender Paswan despite being injured, advanced with the SP amid heavy firing. The enemy was in a dominating position and firing continuously. Our jawans being at lower position could not take aim at the top of the hill. Despite all odds and challenges the enemy was posing, the SP despite himself being injured, enthusing the morale of his Jawans, motivated them to capture the hill top without exposing themselves to the enemy's eye sight. Under the tactical leadership of the SP, the team taking covers of boulders succeeded in approaching the target, i.e. top of the hill under effective support of cover fire. The teams having approached the target, positioned themselves and discharged heavy fire on Maoists group under the command of SP Babu Ram. This befitting reply with utmost courage and absolute determination pushed the Maoists back and they fled away with their injured and killed members under the cover of IED blasts leaving three dead bodies of their accomplices, ammunicions in huge quantity, IEDs, explosives and other belongings.

On other side, teams stranded in Nala also showed exemplary courage. Despite being injured SI Tarbabu Yadav and SI Ram Raj Singh in coordination with Cobra teams retaliated the enemy bravely and with strong determination in order to suppress their fire power, and evacuated the injured jawans regardless of the risk to their lives. This courageous counter attack by the police team broke the ambush laid by the Maoists and forced them to fled away. Uncaring for his personal safety, SI Saket Saurabh actively participated in the process of removal of injured Jawans to a safe place despite the attack made by the Maoists.

In the face of prevailing apprehension of landmines laid by the Maoists on track along Dumri Nala, the only exit route and probability of presence of their armed groups on hilltop in way, the SP Aurangabad displaying remarkable professional skill with indomitable spirit and outstanding leadership evacuated seven injured jawans safely from the ambush site making cross country movement.

In this operation, S/Shri Babu Ram, IPS, Superintendent of Police, Saket Saurabh, Sub-Inspector, Ram Raj Singh, Sub-Inspector, Tarbabu Yadav, Sub-Inspector, Sanjay Kumar Choudhary, Constable, Surendra Paswan, Constable and Vikas Kumar, Constable of Bihar Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 18/07/2016.

(File No. 11020/168/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 87—Pres/2025- The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Chhattisgarh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Sunil Sharma, IPS	Superintendent of Police	GM
2.	Sandeep Kumar Madile	Sub-Inspector	GM
3.	Madkam Pandu	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Bhejji Area of Sukma District is considered to be the stronghold of CPI (Maoists). Due to its geographical features with the presence of heavy dense forests, wide ranges of hills and a number of small streams, it turns to be the hiding zone for the Maoists. Inputs regarding the presence of 35-40 naxals in the Danteshpuram area of PS Bhejji is regularly received with this background.

On receiving specific inputs from reliable sources, an anti-naxal operation was launched at around 18.10 hrs. on 07.05.2023 from PS Errabore under the leadership of Shri Sunil Sharma, IPS, SP, Sukma. In order to ensure the proper execution of the plan Shri Sunil Sharma, SP Sukma himself briefed the operation party regarding the intelligence inputs and the proper execution of the plan. This team after proper briefing, along with requisite arms and ammunitions and communication equipment, headed towards villages of Pantabhejji, Mailasur and Danteshpuram.

Meanwhile, the team commander Shri Sunil Sharma, as per the plan, launched the supporting parties. The first team of 202 CoBRA Bn marched from Kolaiguda to Village Gachchanpalli. The second party of 50th Bn of CRPF marched from Elarmadgu to village Mailasur-Bhodrajpadar and the third party being of 219th Bn of CRPF marched from Kottacheru to village Bhandarpadar.

The operation route was through the villages of Pantabhejji, Mailasur and Danteshpuram. After reaching the target area and accessing the scenario, Shri Sunil Sharma gave further instruction to the team and encouraged the party to move forward. At around 05:30 hrs. in the morning, the party taking proper cover started returning along cross-country route, suddenly an indiscriminate firing was opened upon the police personnel by around 35-40 naxal cadres, wearing black uniform and ununiformed dress of banned PLGA Battalion. The enemy party had sophisticated automatic weapons and equipments. The aim of this attack was to kill police personnel and to loot their weapons and ammunitions. The Security personnel took position and warned the naxals to stop the firing and urged them to surrender. However, in response to the pleas to surrender; the naxals started attacking even more vigorously. Consequently, the police party had no other option but to reciprocate in self defence. During the course of this attack, the team leader Shri Sunil Sharma, marching tactically forward, directed one team member to cordon from the right direction and directed DRG Commander SI Sandeep Kumar Madile to cordon from the left direction. Shri Sunil Sharma with his team headed towards the naxals and tried to push back. All the parties moved forward, fire and started encircling the Maoists with exemplary courage and leading from the front. They kept on encouraging the police personnel to give fitting reply to the Maoists. Meanwhile naxals continued the attack with automatic weapons.

Realizing the sudden aggression by the police party, the Maoists retreated taking the advantage of thick forest cover and nearby hillocks. After the fierce gun battle which lasted for around 35-40 minutes, the whole area was thoroughly searched and teams recovered 01 uniformed male body and 01 ununiformed female body along with one 303 rifle with magazing having one live bullet along with daily use items. The party also recovered 01 No. naxal made BGL Cell, 01 SLR magazine loaded with 18 live rounds. During the search operation in attack area, the security personnel recovered 10 blank rounds of AK-47 rifle, 02 blank rounds of 303 rifle, 05 blank rounds of SLR rifle, 03 blank rounds of INSAS rifle and from the attacking spot of police party recovered blank rounds-21 of AK-47 rifle and 06 blank rounds of SLR rifle.

During police naxal encounter, naxals fired around 200-300 rounds upon security personnel whereas security personnel fired 357 rounds from AK-47, 118 rounds from SLR, 23 rounds from INSAS and along with 05 nos. of UBGL.

In this operation, S/Shri Sunil Sharma, IPS, Superintendent of Police, Sandeep Kumar Madile, Sub-Inspector and Madkam Pandu, Constable of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 07/05/2023.

(File No. 11020/158/2024 -PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 88—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Chhattisgarh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Madkam Hadma	Constable	GM
2.	Madkam Deva	Constable	GM
3.	Barse Hunga	Constable	GM
4.	Roshan Gupta	Auxiliary Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

An anti-naxal operation was launched on 11.08.2020 at around 21.15 hrs from Jagargunda PS under the leadership of SI Mukesh Patel. The Party launched from Jagargunda divided into two groups i.e DRG and CRPF. The operation route was through the villages Chimli, Nilgod, Mekalguda and Pulampad. After thoroughly searching the whole area, the party moved tactically towards the task. On 12.08.2020 at around 06.30 hrs while the party was marching in between the forest of Pulampad and Mekalguda, an indiscriminate firing was opened upon the DRG and DEF Police personnel by around 40-50 naxal cadres, wearing black uniforms and ununiformed dress of banned PLGA Battalion bearing sophisticated automatic weapons and equipment. This attack aimed to kill police personnel and loot their weapons and ammunition. The Security personnel took position and warned the naxals to stop the firing and urged them to surrender. However in response to pleas to surrender, the naxals started attacking even more vigorously. Consequently, the police party had no other option but to reciprocate in self-defense. During this attack, the team leader SI Mukesh Patel marching tactically forward, communicated with DRG Commander Nanda Markam and directed him to cordon from the right direction and directed another DRG Commander Umesh Markam to cordon from the left direction. SI Mukesh Patel along with his team headed towards the naxals and tried to push them back. All the parties moved forward and retaliated tactically to the naxal attack. Meanwhile, naxals continued the attack with automatic weapons and used BGL upon the Security personnel.

The Security personnel followed the naxals for about 1.5 km to 2.0 km. Seeing the aggressive approach of security personnel, the naxals ran away into the jungle. Aftermath when the security personnel launched the Cordan and search operation, the naxals executed a surprise attack upon them. In response, the security forces took position and retaliated. Due to the quick response by SI Mukesh Patel, Constable Madkam Hadma, Constable Madkam Deva, Constable Barse Hunga and Auxiliary Constable Roshan Gupta, naxals failed in the plan to break the ambush. Realizing the aggression by the police party, the Maoists retreated taking advantage of thick forest cover and nearby hillocks.

After the fierce gun battle which lasted for around 02 hours, the whole area was thoroughly searched and police team recovered 02 uniformed male bodies and 02 ununiformed male bodies along with 01 No. 303 rifles (04 nos. live bullets), 03 nos. Bharmar rifle, 01 desi bomb along with daily used items. During the search operation in the attack area, the security personnel recovered 05 blank rounds of AK-47, 04 blank rounds of SLR rifle, 03 blank rounds of Insas rifle and 06 blank rounds of 303 rifle.

During the Police naxal encounter, naxals fired around 450-500 rounds upon security personnel whereas security personnel fired 918 rounds along with 01 HE bomb and 03 Nos. of UBGL.

Later the dead naxal were identified as Bhogam Bhima S/o Bhogam Ayta, 30 years old (member of platoon no 10), Madkam Bhima S/o Late Madkam Ayta, 28 years old (Militia coy member), Oyam Joga S/o Oyam Nanda, 25 years old (Militia coy member) and Nuppo Deva S/o Nuppo Bhima, 28 years old (Militia coy member).

In this operation, S/Shri Madkam Hadma, Constable, Madkam Deva, Constable, Barse Hunga, Constable and Roshan Gupta, Auxiliary Constable of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 12/08/2020.

(File No. 11020/154/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 89—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), posthumously to the under mentioned personnel of Chhattisgarh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Late Ramuram Nag	Assistant Sub-Inspector	GM (Posthumous)
2.	Late Kunjam Joga	Constable	GM (Posthumous)
3.	Late Vanjam Bhima	Constable	GM (Posthumous)

Statement of service for which the decoration has been awarded

In pursuance of SP office Dated 24-02-2023, an operation was launched from Jagargunda. The team along with requisite arms and ammunitions and communication equipment let off the operation.

The operation route was through the villages Kamapara, Singaram, chimlipenta after thoroughly searching the whole area, party moved tactically towards the task. At around 0835 hrs, while party was marching towards Jagargunda Ashram para towards Singaram, near T Point, an indiscriminate firing was opened upon the front party ie DRG Chintagufa 2 and DRG Burkapal 2 by around 300-400 naxal cadres of banned PLGA Battalion bearing sophisticated automatic weapons and equipments. The aim of this attack was to kill police personnel and to loot their weapons and ammunitions. The naxal attacked from all directions and also fired from motar shells upon the police party. The security personnel took position and warned the naxals to stop the firing and urge them to surrender. However in response to pleas to surrender, the naxals started attacking even more vigorously. Consequently, the police party had no other option but to fire in self defence. During the course of this attack, Commander of DRG Burkapal 2 and Commander of DRG Chintagufa along with their team communicated with other back parties about the firing. The other team forwarded towards the EOF area by encircling the area from right direction and at the same time team of ASI Nanda Madkam with TI Shankar Lal Dhruw encircled from left direction. Both the parties tactically moved forward while firing the naxals. DRG Burkapal 2 and Chintagufa 2 was being fired upon by naxal from three different directions. All the parties were retaliating to the naxal attack. Meanwhile naxals continued the attack with automatic weapons and used BGL upon the Security personnel.

During the firing, all members and officers of the aforesaid teams coordinated and bravely defended their positions in the face of heavy naxal attack and overwhelming odds and numerical superiority. In order to beat the ambush, DRG Chintagufa 2 and DRG Burkapal 2 bravely attacked and during this Commander ASI Ramuram Nag, Constable Kunjam Joga and Constable Vanjam Bhima were seriously injured by bullet and splinters. The injured personnel, during the injury kept their momentum high and due to their gallant action the other jawans were saved and able to counter the ambush. During the attack, members from Security personnel kept moving ahead which forced the naxal to retreat. During this EOF, near about 7-8 naxals were seen injured who were taken naxalites with them. The injured police personnel facing the intense firing situation for the sake of motherland, at last martyred. The EOF lasted for around 40-45 min. and naxals fired about 1000- 1200 rounds and 205-300 BGL. The Security personnel on defence fired 1363 rounds and 35 Shells, 12 No HE Bomb, 05 nos. UBGL. During the course of firing, naxal looted the arms and ammunition of two martyrs. Due to the quick response by teams, naxals fail to loot the arms and ammunitions of one martyr.

The martyred Police Personnel showed utter disregard to personnel safety and wellbeing while they had the option to retreat to higher ground. The martyrs laid down their lives and kept firing despite the numerical superiority of the enemy and in face of death. Blood spots and tail signs of bodies being dragged were also found on various locations. During the aforesaid attack, surrendered naxal cadres present in the police party identified some naxal leaders in the attack as Hidma- battalion commander, Sonu- PLGA company no. 1 commander, Nagesh- PLGA company no. 2 commander, Jaiman madvi, Sannu, Madkam raghu, Sanvati, Anil, Dula, Ratan, Rajesh, Masa (all PLGA platoon commanders).

In this operation, S/Shri Late Ramuram Nag, Assistant Sub-Inspector, Late Kunjam Joga, Constable and Late Vanjam Bhima, Constable of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 25/02/2023.

(File No. 11020/157/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 90—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Chhattisgarh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Suraj Kumar Markam	Constable	GM

2.	Madvi Sannu	Constable	GM
----	-------------	-----------	----

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the 19th April 2021, SP Dantewada received precise human intelligence regarding the presence of banned CPI (Maoists) including the dreaded presence of 08-10 men and women Maoists, Maoist Malangir Area Committee members Santosh Kosa Gonche and Lakhma Korram in the forest of Nilavaya Mailapara under the Aranpur Police Station. Nilawaya Mallapara is one of the highly sensitive Naxal-affected villages and a core area of banned CPI (Maoists) activities.

Accordingly, a detailed operational plan was formulated and the DRG party total strength 41 forces, advanced at 21:55 pm under the command of Inspector Santosh Hernia. As the Police party reached the forest area of Nilawaya Mailapara, Naxalites who had laid an ambush suddenly started firing indiscriminately on the police forces. The DRG troop, under the command of Inspector Santosh Hernia, retaliated strongly. After some time, the firing stopped and a detailed search operation was conducted in the exchange of fire area.

During the search operation, the body of a male Maoist was recovered and later identified as Kosa alias Gonche, the Malangir Area Committee Member/MI Incharge, son of Handa resident of Nilavaya Mallapara, PS Aranpur, District Dantewada and 01 pistol with a magazine, 01 live round, 01 blank cartridge, 01 Bharmar gun, 01 tiffin bomb, 01 black uniform, 09 bamboo spikes and 10 tiger bombs were recovered from the exchange of fire site.

The role Constable Suraj Kumar Markam and Constable Madvi Sannu was crucial in the success of the security forces. This operational success in the den of Maoists pushed them back and helped the police to gain a strong foothold in the area.

In this operation, S/Shri Suraj Kumar Markam, Constable and Madvi Sannu, Constable of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 20/04/2021.

(File No. 11020/155/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 91—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Chhattisgarh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Karod Singh	Company Commander	GM
2.	Purushottam Dewangan	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 13th January 2021, precise human intelligence was received by SP Dantewada regarding the presence of banned CPI (Maoists) which included the dreaded presence of 07-08 Maoists along with Katekalyan Area Committee's LGS Commander Budhra Sodhi, Area Committee, members Mahngu, Hidma Muchaki, Budhram Markam, Madda and Muya in the forest area of Chikpal, Marjum, Bhimapara, Hurrapara under the Katekalyan Police Station is one of the highly sensitive Naxal-affected villages and a core area of banned CPI (Maoists) activities. A detailed operational plan was made and the CAF and DRG party (Total strength 46 forces) advanced at 03:00 under the command of CC Karod Singh, 17 BN, CAF Camp Chikpal.

As the police party reached the forest area of Bhimapara and Hurrapara between Chikpal and Marjum, Naxalites who had laid down an ambush suddenly started firing indiscriminately on the police forces. The DRG troop under the command of Company Commander Shri Karod Singh retaliated strongly. After some time, the firing stopped and a detailed search operation was conducted in the exchange of fire area. In which the body of a male Maoist was recovered by later identified as Katekalyan Area Committee Member and Jantana Sarkar Raksha Sakha sachiv (Entire Katekalyan Area Committee) Hidma Muchaki, son of Sannu Muchaki, Village Chikpal, PS Katekalyan Distt. Dantewada. Also 01 Pistol with a magazine, 01 tiffin bomb, electrical wire 05 meters, 02 Nos. bomb detonator, Naxalite uniform and other useful daily items were recovered from the incident site.

The role of Company Commander Shri Karod Singh and DRG Constable Purushottam Dewangan were crucial in the success of the security forces success. This operational success in the den of Maoists pushed them back and helped the police to gain a strong foothold in the area.

In this operation, S/Shri Karod Singh, Company Commander and Purushottam Dewangan, Constable of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 13/01/2021.

(File No. 11020/156/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 92—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Nazir Ahmad Wani	Head Constable	GM
2.	Nisar Maqbool	Head Constable	GM
3.	Mohammad Iqbal Mir	Constable	GM
4.	Dawood Ahmad Mir	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

A group of proscribed terror outfit of "JeM" planned to carry out fidayeen attack on Police/Security forces and to target minorities, migrant laboureres withing the JD of District Kulgam under the command and control of Shahid @ Shahzad R/o Pakistan in association with Uzair Ahmad Bhat S/o Mohd Maqbool Bhat R/o Mirhama and Mohd Shafi Dar S/o Gh. Hassan Dar R/o Wagad Tral. However, Kulgam Police made efficient use of human as well as technical resources to foil their nefarious designs in advance and to ensure that they will not get any chance to carry out any terror crime within District Kulgam and to neutralize them on priority.

On 29.12.2021, Kulgam Police generated a credible input regarding presence of terrorists in village Mirhama Kulgam. Instantly SSP G.V. Sundeeep Chakravarthy, IPS rushed to the suspected village alongwith his QRTs, 9 RR & troops of CRPF 18th, 46th, 163rd Bns and Range QAT CRPF Anantnag to cordon off the whole village to ensure that the trapped terrorists did not get any chance to flee from the spot.

As the village was cordoned off on war fooling basis, SSP Kulgam gave special priority to save the lives of civilians by evacuating them from the cordoned area towards safer places. After ensuring safety and security of civilians, a search party headed by SSP Kulgam leads towards the suspected house. The hiding terrorists indiscriminately fired upon the search party with the intention to kill them and run away. On this, SSP Kulgam alongwith his team retaliated & engaged in fierce combat with terrorists leading to an encounter. During gun battle, brave officer with his QRTs alongwith 9 RR & troops of GRPF 18, 46, 163 Battalions, Range QATCRPP Anantnag neutralized three hardcore categorized terrorists on spot without any collateral damage and putting their lives and limbs in risk in the interest of security of state and national integrity.

The coherence shown by Police party played an exemplary role in elimination of three dreaded terrorists without caring about safety of their personal lives. The eliminated terrorists were identified as Shahid @ Shahzad R/o Pakistan of JeM terror outfit, Uzair Ahmed Bhat S/o Mohd Maqbool Blial R/o Mirhama Kulgam of HM terror outfit and Mohd Shafi Dar S/o Gh. Hassan Dar R/o Wagad Tral of JeM terror outfit. Arms & ammunition was also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 13, 16, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Kulgam for further investigation.

Death of these terrorist was a big jolt to structural and functional unit of banned terrorist organization "JeM". These terrorists were also involved in motivating youth to join terrorist ranks. Their objective was to vitiate peace and create a fueling of chaos among the pro-democratic people, thus injuring and hurting the basic sentinel of democracy.

The striking gallant act on the part of HC Nazir Ahmad Wani, HC Nisar Maqbool, Ct Mohammad Iqbal Mir and Ct Dawood Ahmad Mir faced a volley of burst fire by terrorists and miraculously escaped from the bullets and grenades lobbed on them.

In this operation, S/Shri Nazir Ahmad Wani, Head Constable, Nisar Maqbool, Head Constable, Mohammad Iqbal Mir, Constable and Dawood Ahmad Mir, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 29/12/2021.

(File No. 11020/71/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 93—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to GM to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Mohd Sadeeq	Assistant Sub Inspector	GM
2.	Maajid Afzal Wani	Head Constable	1st Bar to GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19.06.2022, Kulgam Police generated a credible input regarding the presence of terrorists in village Dhanipora Gujjarpora. Instantly, SSP G. V. Sundeep Ghakravarthy, IPS rushed towards the suspected village alongwith his QRTs, 9 RR & CRPF 18th Bn. to cordon off the whole village and to ensure that the trapped terrorists may not get any chance to flee from the spot. On laying initial cordon and confirming the fact that terrorists are hiding in dense apple orchard, it was very difficult to identify the target area as it was surrounded by densely populated apple tree orchards. The cordon was further strengthened around the target area and search was started. During search, the area was zeroed in and the terrorists were given opportunity to surrender but the hiding terrorists fired indiscriminately upon the SFs/Police with the intention to kill them and make their escape good.

As the encounter started, SSP Kulgam gave special priority to save the lives of civilians by evacuating them from the cordoned area towards safer places to ensure their safety and security. SSP Kulgam constituted different teams alongwith respective QRTs of Police & SFs to conduct the operation successfully. The first team headed by SSP Kulgam & team alongwith 09 RR .and contingents of CRPF 18dl Bn who cordoned off the target area from Northern and Western side while the 2nd team headed by DySP Shabir Ahmad, ASI Mohd Sadeeq and team alongwith troops of 09 RR/CRPF 18th Bn who cordoned off the target area from Southern and Eastern side. After analyzing the situation, the teams as per operational plan moved towards target location from all sides. Both the teams were monitoring the movements of the terrorists very keenly & traced their movement within shortest possible time & engaged in fierce combat with the terrorists. During ongoing gun battle, the 1st party gunned down 01 terrorist on spot.

However, the 2nd terrorist was continuously changing his position by lobbing hand grenades and heavy volume of firing towards security forces and tried to break the cordon to manage flee from the cordoned area. However, the 2nd party which showed presence of mind & alertness; challenged the terrorist in open & gunned down him without any collateral damage. The brave act on part of ASI Mohd Sadeeq and HC Maajid Afzal Wani was highly commendable keeping in view the circumstances as well as heavy exchange of firing between terrorists and security forces. The synergetic professionalism shown by District Police Kulgam, troops Of 9 RR & CRPF 18th Bn under these circumstances is indispensable to mark end to terrorism & to ensure safety and security of our country from enemies who are hell bent to recruit the local youth into terrorist ranks thereby disturbing the peaceful environment and to target the minorities, PRIs, non-local labourers as well as political activists.

The coherence shown by the aforesaid Police party in elimination of 02 dreaded terrorists without caring for their personal lives was commendable. The eliminated terrorists were later on identified as Haris Sharief Rather S/o Sharief Din Rather R/o Zafran Colony Ichnambal Pantha chowk Srinagar and Zakir Ahmad Padder S/o Ghulam Ahmad Padder R/O Mirhama Kulgam. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 54/2022 U/S 307 IPC, 7/2 I.A.Act, 16, 18, 19, 20, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S D.H.Pora for further investigation.

In this operation, S/Shri Mohd Sadeeq, Assistant Sub Inspector and Maajid Afzal Wani, Head Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 19/06/2022.

(File No. 11020/74/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 94—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to GM to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shabir Ahmad Khan	Deputy Superintendent of Police	1st Bar to GM
2.	Manzoor Ahmad Malik	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11.06.2022, following a credible input about the presence of terrorists, Police Kulgam in assistance with Army 9 RR & 18th Bn. CRPF; launched a joint operation in village Khandipora, Kulgam. On laying initial cordon and confirming the fact that terrorists are hiding in the target house, the cordon was further strengthened and search was started. During search, the target house was zeroed in and terrorists were given opportunity to surrender but the hiding terrorists fired indiscriminately upon the initial searching party ensuing an encounter.

As the encounter started, SSP G.V. Sundeep Chakravarthy gave special priority to save the precious lives of civilians by evacuating them from the cordoned area towards safer places to ensure their safety and security as the area was very congested. After evacuation of trapped civilians, SSP Kulgam constituted two teams to conduct the operation without any collateral damage and to ensure implementation of operational SOPs on ground. The 1st team headed by DySP Gh. Mohd Bhat and the 2nd team was from the back side of the target house headed by DySP Shabir Ahmad Khan. The teams as per operational plan moved towards target location from all sides and got engaged in fierce combat with terrorists. During on-going gun battle, both the operational parties gunned down one terrorist without any collateral damage. The eliminated terrorist was later-on identified as Rasiq Ahmad Ganie S/o Mohd Amin Ganie R/o Souch Kulgam of HM outfit. The brave act on part of DySP Shabir Ahmad Khan and HC Manzoor Ahmad Malik was highly commendable keeping in view the circumstances as well as heavy exchange of fire between terrorists and security forces. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 67/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 13, 18, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Kulgam for further investigation.

The officers/officials of Kulgam Police, Army 9 RR and troops of CRPF 18th Bn and their respective teams ensured safety of lives and properties of civilians during this successful operation. The professional acumen of the officers resulted in a swift and clean operation. Such a swift and clean operation gave psychological blow to anti-national elements, their propaganda machinery and at the same time provided motivation to security forces engaged in fighting terrorism in the area.

In this operation, S/Shri Shabir Ahmad Khan, Deputy Superintendent of Police and Manzoor Ahmad Malik, Head Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 11/06/2022.

(File No. 11020/76/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 95—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Bilal Ahmad	Head Constable	GM
2.	Karan Singh	Head Constable	GM
3.	Sami- Ullah Shah	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 07.06.2022, at about 1500 hrs, Shopian Police received an intelligence input about the presence of terrorists in orchard area of village Aloora, Shopian. On this, Police Shopian launched an operation in collaboration with 34 RR, 178th BN CRPF. While establishing initial cordon, it was decided that civilians who were inside the village should be safely taken out from the inner cordon without getting panic or situation gets worsened.

The team under the overall supervision of SSP Tanushree alongwith DySP Mohd Ashrif, HC Javid Ahmad, HC Gayour Ul Haq, HC Bilal Ahmad, HC Karan Singh, SgCt Ishtiaq Ahmad, Const. Sami-Ullah Shah, SPO Sadam Hussain, SPO Bashir Ahmad, SPO Umer Mushtaq and team of 34 RR & 178th BN CRPF were formed to start the search of target area. A team of 178th BN CRPF was deputed at village DK-Pora-Aloora and Shopian Police was deputed at village Sehpora/Dairpora-Aloora. Maximum orchard area was cordon off quickly and after getting confirmation of hiding terrorists in the orchard area of the said village.

Initially some houses and a bit area adjoining to the target area were brought under the cordon tactfully by initial joint cordon team under the overall supervision of SSP Shopian. The one team started to combing the orchard from South-West and other team of DySP Raiz Ahmed including HC Bilal Ahmad, HC Ravi Kumar, SgCt. Mushtaq Ahmad, Const. Sami-Ullah Shah, Const. Mohmad Hussain, Const. Vicky Khajuria were combing the orchard from North & South-East sides respectively.

During search 03-04 strangers were spotted and challenged them to ask their identity but they opened firing indiscriminately on search party to stop their advance as well as in an attempt to break the cordon and make their escape good. After this deliberate fire, terrorists ran and jumped into nearby Nala. However, DySP Mohd Ashrif, HC Javid Ahmad, HC Gayour Ul Haq, HC Jatinder Singh, HC Karan Singh, SgCt. Ishtiaq Ahmad, SPO Saddam Hussain, SPO Bashir Ahmad and SPO Umer Mushtaq fired a few rounds in retaliation which were followed by the other joint teams.

In the meantime, search was re-initiated by the searching party DySP Raiz Ahmed alongwith HC Bilal Ahmad, HC Ravi Kumar, SgCt. Mustaq Ahmad, Const. Sami-Ullah Shah, Const. Mohmad Hussain, Const. Vicky Khajuria. During the search operation, target area was pinpointed/zeroed by the search teams. When the troops were advancing, terrorists hiding in orchard area sensing the movement of operational parties opened indiscriminate fire upon the search parties. The search parties immediately took cover and retaliated with courage triggering a fierce gunfight between the terrorists and search parties. Police teams headed by DySP Raiz Ahmed including HC Bilal Ahmad, HC Ravi Kumar, SgCt. Mushtaq Ahmad, Ct. Sami-Ullah, Ct. Mohmad Hussain, Ct. Vicky Khajuria, putting their lives at a great risk and advanced while firing with utmost precautions. During their advancement, they saw that a terrorist was hiding inside the Nala with the cover of edge and firing indiscriminately on Police/SFs. However, joint cordoned team tactfully encircled the terrorist and challenged him to stop his firing and asked for surrender. But instead of surrender, he kept firing on the joint team of Police/SFs. Team of joint forces retaliated in the exchange of fire due to which hiding terrorist got injured. In a bid to inflict damage to the security forces, he stood up and opened fire indiscriminately on inner cordon team. As the terrorist was exposed, DySP Mohd Ashrif, HC Javid Ahmad, HC Gayour Ul Haq, HC Jatinder Singh, HC Karan Singh, SgCt Ishtiaq Ahmad, SPO Saddam Hussain, SPO Bashir Ahmad and SPO Umer Mushtaq opened the barrel of their AK Rifle in a heavy volume. After a prolonged gun battle, a thorough search was done in which dead body of one killed terrorist along with his weapon was recovered in the Nalla and was later on identified as Raja Nadeem Rather S/o Abdul Rehman Rather R/O Ashmuji, District Kulgam of LeT terror outfit. Arms/ammunition recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 17/22 U/S 307 IPC, 7/27 IAAct, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Imamsahib.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by HC Bilal Ahmad, HC Karan Singh and Ct. Sami-ullah Shah who fought with terrorist efficiently/intelligently without caring for their lives remarkable as the endeavour to reach the target in extremely hostile situation was truly gallant. Although, the terrorist tried his best to cause damage to forces by resorting to indiscriminate firing in which they had a very narrow escape.

In this operation, S/Shri Bilal Ahmad, Head Constable, Karan Singh, Head Constable and Sami- Ullah Shah, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 07/06/2022.

(File No. 11020/77/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 96—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Sheikh Abid	Sub Inspector	GM
2.	Ishfaq Ahmad Wani	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 28.05.2022, a general input about the presence of terrorists in village Sheetipora Bijbehara was received from reliable sources. The input was further developed and presence of terrorists was confirmed in the house of one Abdul Rashid Bhat S/o Assadullah Bhat R/o Sheetipora. Acting on the information, a joint strategy was chalked out by Police Anantnag in collaboration with 3rd RR and CRPF 40/90 Bns. Accordingly heavy deployment of SOG Anantnag with active assistance from the troops of 3 RR, and 40/90 Bn CRPF was launched for a counter insurgency operation under the command of SSP Anantnag and effective supervision of SP (Ops) Anantnag and other Police Officers of District Anantnag present on the ground to control and coordinate the sensitive operation. It was decided to cordon the said area for which proper strategy was chalked out to encircle the hiding terrorists thereby not giving them any chance to break the cordon as the said terrorists had earlier managed to break the cordon, successfully even after inflicting casualties on Police/SFs many times in the past. At the first instance, cordon around the suspected area was tightened /strengthened and the civilians were evacuated on priority out of the house/ cordoned area to avoid any civilian causality. The whole cordoned area was sealed & proper security arrangements were made for successful operation under the overall command of SSP Anantnag. Proper deployment was made at strategic points to

prevent escape of the hiding terrorists and search of the identified was house was launched. During search operation presence of terrorists was confirmed in the said house.

After analyzing the, situation, SSP Anantnag alerted the troops to keep the confidence & hold the cordon strongly, in order to make the operation successful two teams, 1st under the command of SSP Anantnag and 2nd under the command of SP(Ops) Anantnag including SI Sheikh Abid & HC Ishfaq Ahmad Wani and personnel of 3rd RR/QRTs of CRPF were constituted. Before launching final assault, the hiding terrorists were asked to lay down their arms but there was no response from terrorists' side. Accordingly, a search party advanced towards the house to get entry but terrorists who were highly trained; showered volley of bullets towards the party in which they had a narrow escape. The terrorists' fire was effectively retaliated by the Police party which ended into elimination of two terrorists who were later on identified as Yawar Ayoub Dar S/o Mohammad Ayoub Dar R/o Dogripora Awantipora (Category "C" of HM outfit) and Ishfaq Ahmad Ganie S/o Farooq Ahmad Ganie R/o Shalgam Srigufwara (Category "B" of HM outfit). Arms/Ammunition was recovered from the possession of eliminated terrorists. Case FIR No. 82/2022 U/S 307 IPG 7/25 I A Act 16,19,20, ULAP Act stands registered in Police Station Bijbehara for further investigation.

In this operation, S/Shri Sheikh Abid, Sub Inspector and Ishfaq Ahmad Wani, Head Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 28/05/2022.

(File No. 11020/78/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 97—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to GM (posthumously) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Late Himayun Muzzamil	Deputy Superintendent of Police	1st Bar to GM (Posthumous)
2.	Swarn Singh	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27.05.2022, a specific input was received from reliable sources regarding presence/ movement of unknown terrorist(s) carrying illegal arms/ ammunition in Ellahi Bagh (Shah Faisal Lane) area of Soura Srinagar, falling within jurisdiction of P/S Soura, Srinagar. It was also learnt that the terrorist(s) have also plans to carry-out terror activity in the area. Immediately acting on the tip-off, the area was cordoned-off by the joint police parties of PC Srinagar and Police Srinagar consisting of nafri of Hazratbal Zone and Escort/Column nafri of SSP Srinagar for searches under the overall supervision of then SSP Srinagar to track-down the hiding terrorist(s) after proper identification and exact location so that appropriate action, as warranted is taken without any collateral damage. While the searches were being conducted, terrorist(s) hiding in the locality in an under-construction house, opened indiscriminate fire upon the searching parties with the intention to kill them and manage their escape from the locality.

After having confirmation regarding presence of terrorist(s) in the locality, immediately an operational plan was jointly chalked out by SSP Rakesh Balwal, IPS and SP Iftkhar Talib. Accordingly, 02 special teams comprising of DySP Mohan Lal, DySP Himayun Muzzammil, Inspr. Syed Iqbal Rashid, PSI Shafqat Hussain, SgCt. Rakesh Kumar, SgCt. Mohd Mubarak and Const. Varun Singh and HC Mohd Ashraf Wagay, SgCt. Fayaz Ahmad and others was tasked/assigned to eliminate terrorists by advancing from the front side of the target location and taking every precaution to avoid any collateral damage and evacuation of civilians, if any in the area to nearby safer places.

Likewise, 2nd team comprising of DySP Sumit Sharma, HC Basharat Rasool, SgCt. Ayaz Ahmad, SgCt. Swarn Singh, SgCt. Mohd Iqbal Khan and Const. Tariq Ahmad and others was tasked/assigned to approach and attack the target location on rear side.

All the nafri positioned themselves according to the plan, as enumerated above, encircling the identified target location (under-construction house). The intervention party having taken all precautions started approaching; however, as the intervention party reached near the target structure, it came under fire from the terrorists who had taken position inside the under-construction house. The holed-up terrorists lobbed grenades and fired towards the advancing party and the intervention party had a miraculous escape prompting the advance parties for final assault to neutralize the hiding terrorists. The advance parties approached the target location from all sides and during the gun fight between the operational parties, 02 terrorists were neutralized.

Later on, the dead bodies of the killed terrorists were recovered from the scene of encounter and their identity were ascertained as local terrorists namely Afreen Altaf Malik @ Afridi Altaf Malik S/o Mohammad Altaf Malik R/o Baba khardar Trenz Imamsahab District Shopian and Shakir Ahmad Waza S/o Gulzar Ahmad Waza R/o Trenz Imamsahab District Shopian, both C-category of LeT outfit. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 51/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 18, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Soura for further investigation.

The operation was concluded without any collateral damage and elimination of the terrorists is a big jolt to the LeT terrorist network in South/ Central Kashmir Ranges. The role and the leadership shown by the operational parties remained exemplary. They also played an exceptional role in the coordination between the parties of Police from the beginning till the culmination of operation. They remained instrumental in the said operation by way of operational tactics viz evacuation of nearby civilians, chalking out best possible operational plan, priority on the lives of operational parties and assaulting on terrorists without any collateral damage.

In this operation, S/Shri Late Himayun Muzzamil, Deputy Superintendent of Police and Swarn Singh, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 27/05/2022.

(File No. 11020/79/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 98—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Ab. Majid War	Head Constable	GM
2.	Deepak Kumar	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 31.03.2022 at about 2035 hours, Shopian Police received specific information regarding presence of terrorists of proscribed LeT outfit in village Turkawangam Shopian who were planning to carryout terror activities in the area. On this input, Shopian Police assisted with Army 44 RR/CRPF 178 Bn. cordoned off the area and started search operation under proper strategic plan to nab/eliminate the hiding terrorists. It was difficult to locate the target area in view of dense orchards and Nallas. Then, it was decided by the operational commander Addl. SP Ifroz Ahmad to take more area under cordon and all routes of escape were plugged off properly. In order to flush out the hiding terrorists, two joint assault groups of RR, CRPF & local Police were constituted 1st party led by DySP Riaz Ahmed and the 2nd party led by DySP Mohd Ashrif in association with 44 RR & 178 BN CRPF.

Soon the assault parties started combing the adjacent orchards to pinpoint the target area, the hiding terrorists on seeing the movement of operational parties started indiscriminate firing on them in which the assault parties had a very narrow escape. However, the operational parties took position quickly and retaliated the fire of terrorists effectively. Terrorists were asked to surrender, which they declined and instead resorted to grenade lobbing. However, operational men showed patience and did not retaliate the fire, owing to the fact that some civilians were trapped in the cordoned area. For evacuation of the trapped civilians, a well-planned strategy was chalked out and the team headed by DySP Riaz Ahmed under the covering support given by the other team led by DySP Mohd Ashrif in several attempts succeeded in evacuation of all the civilians trapped in the cordoned area.

After evacuation process, the teams headed by DySP Riaz Ahmed and DySP Mohd Ashrif moved towards target to take the operation to its logical conclusion. However, holed-up terrorists were constantly changing their position taking advantage of the densely build-up with huge network of narrow lanes and were firing from all corners. Since, it was difficult to pinpoint exact location of terrorists, however advance party led by DySP Riaz Ahmed engaged terrorists and other hand troops of 44 RR & CRPF 178th Bn also moved swiftly to take positions at the natural cover dense build-up. During these developments on noticing instant activity of holed-up terrorists, DySP Mohd Ashrif and his team exhibited extraordinary bravery and crawled towards the target in order to diminish the movement of terrorists. The terrorists observing movement of officers, hurled a hand grenade towards them, but the assault parties kept their nerves cool and managed to maintain their position and incessantly engaged terrorists at one place and did not provide them further chance to fire or lob grenade by showering bullets heavily in a close-range gunfight which resulted in elimination of hardcore terrorist, later on identified as Muneeb Ahmad Shiekh @ Muni S/o Shah Mohammad Sheikh R/o Tak-Mohalla Shopian affiliated with LeT terror outfit.

Arms/ ammunition was also recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 26/2022 U/S 307 IPC, 7/27 IAAct 16, 18, 20, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Zainapora for further investigation.

The elimination of this hardcore terrorist of proscribed LeT outfit is a great achievement for J&K Police and on the other hand a big jolt for the LeT terrorist outfit. It is assessed that with the elimination of the terrorist there is considerable improvement in overall situation expected. The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by HC Ab. Majid & SgCt. Deepak Kumar who fought with terrorist efficiently and intelligently without caring for their precious lives, was remarkable as the endeavour to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant. They evacuated the civilian trapped in the cordoned area thus evading civil casualties by presence of mind and good policing.

In this operation, S/Shri Ab. Majid War, Head Constable and Deepak Kumar, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 31/03/2022.

(File No. 11020/81/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 99—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Manoj Kumar	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Mushtaq Ahmad Theekri	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 22.01.2022 at about 0915 hours, Shopian Police received a credible input about presence of some terrorists in village Kilbal of District Shopian. As per input, terrorists were in process to carry out major terror activities in the area to threaten the general public. The said village which had been very vulnerable from terrorism point of view due to its topography, dense orchards and support base to terrorists and conducting an operation in such an area was a daunting task for the Police/Security forces. On this, Police Shopian launched a joint operation with District Police Ganderbal in collaboration with 34 RR, 178th BN CRPF and while establishing initial cordon, it was decided that civilians who were inside the village should be safely taken out from the inner cordon without getting panic or situation gets worsen.

With the same drill, team of Shopian/Ganderbal Police in collaboration with Army 34 RR & CRPF 178th Bn. under the overall supervision of SSP Amritpal Singh, IPS including SSP Nikhil Borkar, IPS, Addl. SP Ifroz Ahmad Mir, DySP Manoj Kumar, Insp. Khurshid Ahmad, SgCt. Manzoor Ahmad, SgCt. Dilawar Ahmad, SgCt. Barkat Ali, SgCt. Aijaz Ahmad, Const. Ab. Rashid, Const. Irshad Ahmad, Const. Mushtaq Ahmad Theekri, Const. Rafiq Ahmad., SPO Parvez Ahmad, SPO Sajjad Ahmad, SPO Mohd Altaf, SPO Mudasir Ahmad and SPO Yash Paul alongwith Army 34 RR & CRPF 178th Bn. were formed to start the search of target area. While using professional skills and drills, the occupants of village Kilbal Shopian were asked about the presence of terrorists in their houses.

However, all the occupants of the targeted houses initially denied the presence of terrorists in their houses. But during the spot interrogation of one occupant confirmed about the presence of two suspected terrorists in House No. 17 which was a double storey building and after getting confirmation of hiding terrorists in the targeted House No. 17 and to avoid any untoward incident, targeted house was covered from different directions. Initially some houses and a bit area adjoining to the target area were brought under the cordon tactfully by initial joint cordon team under the overall supervision of SSP Amritpal Singh. One team was formed to start the search of target area. During the search operation, target area was pinpointed/zeroed by the searching teams.

In the meantime, terrorists hiding in the house sensing the movement of operational parties opened indiscriminate fire upon the search parties with their illegal automatic weapons with intention to kill them. The search parties immediately took cover and retaliated with courage triggering a fierce gunfight between the terrorists and search parties. However, it has been noticed that have got trapped in the cordoned area and they have been evacuated to safer place.

Afterwards police teams headed by SSP Nikhil Borkar, IPS were formed for final assault to eliminate holed-up terrorists. With upmost control over firing, cordon teams kept on engaging the terrorists whenever their movement was noticed. During firing, the target house caught fire and holed-up terrorists tried to flee from House No. 17 which was clearly visible from house no. 22. Seeing this, Addl. SP Feroz Ahmad and his team fired on the terrorists in which terrorists got injured and

hid inside the cowshed which also caught fire. In this condition, terrorists started indiscriminate firing all around to break the cordon of Police and Security forces. After some time, since the heavy firing was going on from the fire base (house no. 22) to the target cowshed, one terrorist who was equipped with AK weapon started targeting the team of DySP Mohd Ashrif. On this, Addl. SP Feroz Ahmad quickly ordered his team to go through crawling and take position from left door which was approx. 20-25.

The widows of house No. 22 were quite big and bullets of AK Rifle from terrorists were directly piercing parallel on the walls. Despite this deadly attack of terrorists; Addl. SP Feroz Ahmad ordered his team to fire together on the terrorists position and at the same time, all started firing in heavy volume compelling the hiding terrorists to come-out from the cowshed. As this firing was very heavy, terrorists in their last fight stood up in desperation and as soon as they disclosed their position in front of House No. 22; daredevil of SSP Nikhil Borkar, Addl. SP Feroz Ahmad including DySP Mohd Ashrif, Insp. Khurshid Ahmad, SI Mohd Rafiq, ASI Abdul Hamid, Const. Hilal Ahmad, Const. Fareed Ahmad, SPO Manoj Kumar, SPO Ghulam Mustafa and SPO Ifikaar Ahmad rained the bullets from three sides on the terrorists and in the firing, both terrorists were neutralized. After a prolonged gun battle, though there was no firing from the target house and final search was ordered, still all precautions were made to avoid any last moment loss. Fire in the target house was extinguished and after cooling down of the temperature, a thorough search was done in which dead bodies of two killed terrorists along with their weapons were recovered. Later-on identification of eliminated terrorists was established as Rayees Ahmad Mir S/o Mohammad Ashraf Mir R/O Takiya Chinarbagh Pulwama and Sameer Ahmad Shah S/o Nazir Ahmad Shah R/o Dangam Shopian of LeT outfit. Arms/ammunition was also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 06/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 18, 19 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Shopian for further investigation.

In this operation, S/Shri Manoj Kumar, Deputy Superintendent of Police and Mushtaq Ahmad Theekri, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 22/01/2022.

(File No. 11020/82/2024- PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 100—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to GM to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Mohan Lal	Deputy Superintendent of Police	1st Bar to GM
2.	Narinder Singh	Assistant Sub Inspector	GM
3.	Rouf Ahmad Mir	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19.12.2021 at 0235 hours, a specific input was received from the human asset to PC Srinagar that some unknown terrorists in possession of illegal arms/ammunition are present in Darbagh Harwan area of District Srinagar and have plans to carry-out attacks on Police/ SFs in city Srinagar. In order to track down the terrorists after getting their exact location/ identification, Police teams of District Srinagar/ Police Component Srinagar alongwith CRPF (54 Bn) Valley QRT and nafri of Army (24 RR) were constituted to identify and neutralize terrorists without any collateral damage. The so-constituted teams subsequently started searches in the suspected area during which they succeeded in zeroing location where the terrorists were suspected to be hiding and the target location was encircled by the cordoned parties. During the initial course of Cordon and Search Operation, terrorists smelling the presence of Police parties opened indiscriminate firing and hurled grenades in order to make safe passage and fled away from the spot, but the Police/ SFs parties approached towards the target location from all sides besides plugging all the lanes.

Immediately, an operational plan was chalked-out as per the operational SOPs and all the lanes and exit points approaching target location were sealed. The evacuation process of nearby houses was undertaken under the supervision of SP(PG) Srinagar. All the nafri positioned themselves according to the plan as enumerated above and the operational party very tactfully and bravely evacuated the inmates of the adjoining area and shifted them to a nearby safer place to avoid any collateral damage. The operational party having taken all precautions, started the process of advancing and during advancing, the hiding terrorist again fired indiscriminately towards the advancing party but the same didn't cause any damage owing to the tactical approach of the operational team thus had a miraculous escape.

At this stage, SSP Rakesh Balwal, IPS being In charge of the operational parties constituted small team including of SP Tanushree, IPS, DySP Mohan Lal, DySP Surinder Singh, ASI Narinder Singh, ASI Bashir Ahmad, HG Sunil Kumar Koul, SgCt. Bilal Ahmad Ganie, SgCt. Rouf Ahmad Mir, SgCt. Javeed Ahmad Lone, SgCt. Yash Paul, SgCt. Aijaz Ahmad of PC Srinagar and SgCt. Shabir Ahmad Lone, SgCt. Fayaz Ahmad Mapnoo of District Srinagar alongwith adequate Nafri of QRT of 54 Bn CRPF, Valley OAT CRPF and personnel of Army (24 RR) to neutralize the terrorist without any collateral damage.

The team so-constituted started the process of advancing and after reaching near the target while the effective cordon was placed by respective small teams from all sides. The targeted location was very challenging being built up area where compounds of most of the houses were separated from each other with high GC-sheets besides concrete boundary walls. The teams had to cross all these obstacles without getting noticed by the hiding terrorist. The teams kept on advancing towards the target location besides taking in hand the evacuation of civilians in the locality. The hiding terrorist suspected movement of forces, lobbed grenades towards the operational teams in which they had a harrow escape.

Meanwhile, a small team led by SP Tanushree, IPS and DySP Mohan Lal alongwith their buddies after shifting civilians to next safer location was deployed in the backside of the target location which was an open field without any cover wherefrom the hiding terrorist could have managed their escape. However, the terrorist while noticing the movement of the party opened indiscriminate firing towards them. But both the officers kept on advancing thereby exposing themselves to heavy fire from the terrorist and forced the terrorist to push back. During the course, both the officers displayed indomitable courage to hold onto their positions thus exhibited exemplary and exceptional gallant of highest order.

Another party headed by DySP Surinder Singh alongwith his team including ASI Narinder Singh kept crawling towards the terrorist. During the course, the Hiding terrorist was also offered to surrender to which he didn't respond and instead hurled grenades in successions amid indiscriminate firing.

Meanwhile, the 1st team led by SP Tanushree, IPS and DySP Mohan Lal alongwith their buddies started advancing towards the hiding terrorist and in the exchange of heavy fire between the two sides involving the advancing parties and terrorist, the hiding hard-core terrorist was neutralized. Both the teams led by SP Tanushree, IPS and DySP Mohan Lal and DySP Surinder Singh retaliated the fire amid indomitable courage with utter disregard to personal safety in the line of fire from hiding terrorist, exhibiting nerves of steel and bravery of highest order eliminated the dreaded Pakistani terrorist in the face-to-face gunfight. Later on, dead body of killed terrorist was retrieved from the encounter site whose identification was ascertained as "Saifullah" R/o Pak affiliated with LeT outfit. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 95/2021 U/S 307 IPG, 7/27 I.A.Act, 13, 16 & 18 ULA(P) Act stands registered in P/S Harwan for further investigation.

The operation was concluded without any collateral damage and the elimination of said terrorist was a big jolt to the LeT terrorist network in South/ Central Kashmir Range. The killed terrorist namely Saifullah R/o Pakistan, A++ category terrorist of LeT outfit was also involved in a number of terror attacks.

In this operation, S/Shri Mohan Lal, Deputy Superintendent of Police, Narinder Singh, Assistant Sub Inspector and Rouf Ahmad Mir, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 19/12/2021.

(File No. 11020/135/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 101—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 2nd Bar to GM to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Iftkhar Talib	Superintendent of Police	2nd Bar to GM
2.	Mohan Lal	Deputy Superintendent of Police	2nd Bar to GM
3.	Abdul Rouf Wani	SgCT	GM
4.	Showkat Ahmad Dar	Constable	GM
5.	Taveer Ahmad Dar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 03.01.2022, a specific input was received from reliable sources regarding presence/hiding of some unknown terrorists possessing illegal arms/ammunition in Wanihama area of Zakoora Srinagar falling in the jurisdiction of P/S Zakoora, Srinagar. Swiftly acting on the tip-off and to track-down the hiding terrorists after proper identification, teams of Police Component Srinagar, Valley QAT CRPF, CRPF 115th Bn and Army 24 RR were constituted to identify the exact location of the terrorists so that the appropriate action is taken without any collateral damage. The teams so-constituted while conducting intensified searches in the said area, succeeded in zeroing the target location where the terrorists were hiding. Suddenly, noticing the presence of forces in the area; the terrorists resorted to indiscriminate firing upon the forces with the intention to kill and manage their escape from the locality.

Immediately, an operational plan was chalked out by SSP Rakesh Balwal, IPS, being In charge of the operational parties. As per the plan, the nafri was divided into different parties, one of the parties alongwith the adequate nafri of Valley QAT CRPF and Army 24 RR was assigned for outer cordon of the target area and another party consisting personnel of PC Srinagar, Srinagar Police alongwith sufficient nafri of Valley QAT CRPF/115 Battalion CRPF was assigned to lay inner cordon of the target location.

In addition to above, a special team comprising of SP Iftkhar Talib, DySP Mohan Lal, DySP Rohit Kumar, ASI Amit Raina, PSI Shivam Narang, HC Saleem Sadiq, HC Javaid Ahmad, HC Rinku Koul, SgCt. Bilal Ahmad, SgCt. Shabir Ahmad, SgCt. Abdul Rouf Wani, Const. Showkat Ahmad Dar, Const. Manzoor Ahmad, Const. Rameez Razaq, Const. Bilal Ahmad, Const. Mohd Rafiq, Const. Javaid Shafi and Const. Taveer Ahmed Dar alongwith adequate nafri of Valley QAT CRPF/CRPF 115th was constituted. The special team of the officers/ officials was tasked to approach/advance the target location from all the sides for appropriate action and for final assault on the hiding terrorist, if required. The special team so constituted having taken all precautions while being in close coordination with other operational parties/ forces encircled the target location besides initiated the process of evacuation of inmates of adjoining houses to nearby safer place to ensure no collateral damage during the operation.

As per the operational plan, the special team split into two groups; one group consisting of SP Iftkhar Talib, ASI Amit Raina, PSI Shivam Narang, HC Javid Ahmad Wagay, Const. Taveer Ahmed Dar and Const. Rameez Razaq & others while as another group consisting of DySP Mohan Lal, DySP Rohit Kumar, HC Saleem Sadiq Hajam, HC Rinku Koul, SgCt. Abdul Rouf Wani and Const. Showkat Ahmad Dar & others.

In the first instance, the holed-up terrorist was offered to surrender which he didn't respond and instead opened fire on the advancing special team with an attempt to break the cordon which was approaching the target. Upon which one of the advancing groups consisting of SP Iftkhar Talib alongwith his buddies positioned on front side of the target house and crawled nearer the target house wherefrom the terrorists resorted to fire on the operational party and retaliated the fire bravely without caring for their personal lives, displayed conspicuous courage while facing the terrorist and prompted the terrorist to run in another direction probably inflicting injuries to him during the course who, however, continued to engage the team in the gunfight.

In the meantime, the 2nd group consisting of DySP Mohan Lal, DySP Rohit Kumar, HC Saleem Sadiq Hajam, HC Rinku Koul, SgCt Abdul Rouf Wani and Const. Showkat Ahmad Dar & others who had already taken position on the rear side of the target house which was an open area, retaliated the fire effectively and bravely thereby displaying conspicuous courage while facing the terrorist. During the course, both groups of the special team decided to eliminate the terrorist and for the purpose, intervention of the house was decided. Amid fierce exchange of fire, special team without caring for their lives advanced towards the target house amid indomitable courage with utter disregard to personal safety in the line of fire from the terrorist to hold onto their position, exhibiting nerves of steel & bravery of highest order and eliminated the terrorist in the face-to-face gunfight without any collateral damage.

Later on, dead body of the killed terrorist was recovered and identified as Hafiz @ Hamza @ Abu Ukasha R/o Pak "A" Category of LeT terror outfit. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 02/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 13, 16 & 18 ULA(P) Act stands registered in P/S Zakoora for further investigation.

In this operation, S/Shri Iftkhar Talib, Superintendent of Police, Mohan Lal, Deputy Superintendent of Police, Abdul Rouf Wani, SgCT, Showkat Ahmad Dar, Constable and Taveer Ahmad Dar, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 03/01/2022.

(File No. 11020/84/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 102—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Naseer Ahmad Malik	Inspector	GM
2.	Ghulam Mohd	Assistant Sub Inspector	GM
3.	Reyaz Hussain Shah	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 06.08.2023 a credible information was received from own source regarding the presence of terrorists in village Dakhan Amroohi Teetwal area of P/S Karnah Kupwara J&K. The information without delay was shared with army authorities and plan was devised with Army 6 JAK RIFLES to launch joint operation under the supervision of SSP Kupwara.

After devising a plan, suspected area was taken into cordon; divided the police and army in multiple columns and the parties so made positioned themselves accordingly and slowly started zeroing towards the targeted area. As the party led by Inspr. Shafat Ahmad Wani assisted by Inspr. Naseer Ahmad Malik, ASI Ghulam Mohd and SgCt. Reyaz Hussain Shah was approaching towards the suspected target, it came under heavy volume of fire from terrorists hiding behind the bushes in the forests. While holding the position, the column led by Inspr. Shafat Ahmad Wani charged towards hiding terrorists, displaying raw coverage, neutralized one terrorist at very close range with the assistance from other search parties who did not allow the terrorists to take any advantage till they neutralized one terrorist without caring for their lives, exhibiting utmost gallant action, killed another terrorist after a heavy fire fight. It was due to display of exemplary leadership, raw courage and true spirit of service of Inspr. Naseer Ahmad Malik, ASI Ghulam Mohd and SgCt. Reyaz Hussain Shah that one foreign terrorist was neutralized. Arms/ammunition and other items were recovered from the possession of the deceased terrorists. Case FIR No. 64/2023 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 13, 16, 20, 23 UA(P) Act stands registered in P/S Karnah for further investigation.

In the entire operation, Inspr. Naseer Ahmad Malik, ASI Ghulam Mohd and SgCt. Reyaz Hussain Shah exhibited extreme professionalism coupled with raw courage and true spirit of service, who fought bravely without caring for their lives to reach to the target in extremely hostile conditions. Although the terrorist tried his best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which police party had a very narrow escape, however, they without losing their concentration and unmindful of their safety; fought bravely which led to neutralization of 01 dreaded terrorist.

In this operation, S/Shri Naseer Ahmad Malik, Inspector, Ghulam Mohd, Assistant Sub Inspector and Reyaz Hussain Shah, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 05/08/2023.

(File No. 11020/87/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 103—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Chhabil Singh	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Agya Singh	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04.09.2023 at 0748 hours, Reasi Police received an information through a credible source regarding presence of terrorist in the house of SPO Abdul Latief at Saab Gali, upper Tuli Tehsil Chassana District Reasi. Accordingly, the input was analyzed/corroborated and immediately shared with Army 33 RR and a joint operation was launched.

As per evolved strategy, the joint party of Reasi Police and Army 33 RR approached the suspected area by adopting the unconventional treacherous routes maintaining high level of surprise till gap free cordon get established. After laying & strengthening the cordon, the steps for search of terrorist in the suspected area was started by the joint teams of Police Reasi led by DySP Chhabil Singh, SDPO Mahore alongwith his parties with the assistance of counter part of Army 33 RR.

Consequently, two teams were constituted one led by DySP Chhabil Singh alongwith HC Agya Singh and 14 other Police personnel. On North-Eastern side of suspected area along with counterpart of Army 33 RR and another party led by Inspector Suman Singh, SHO P/S Chassana alongwith 23 Police personnel and counterpart of Army 33 RR on South-Western side. The whole suspected area was fully cordoned off and joint team started approaching towards the target house upon which the terrorist opened indiscriminate fire upon the Police/Army with the intention to kill them with the illegally acquired arms/ammunition and tried to flee towards vegetation area in the nearby forests. The composite assault party of District Police Reasi and Army 33 RR headed by DySP Chhabil Singh and another party headed By Inspector Suman Singh took cover and fought bravely from the front without caring for their lives and neutralized the terrorist, who was later on identified as Abrar-ul-Haq @ Shera resident of village Punjab, Pakistan. He was a “C” category terrorist & highly trained and had infiltrated with arms/ammunition to wage war against the country/UT-J&K.

During the encounter, HC Agya Singh and 01 Army personnel Rifleman Rohan Goutam were injured and evacuated from the encounter. Arms / ammunition were recovered from the site of encounter. A case FIR No.66/2023 U/S 307/120-B IPC 7/25/27 A. Act and 13,15,16,18,23,38 UAPA Act and 3/4 Exp. Subs. Act stands registered in P/S Chassana for further investigation.

In the above operation, joint team of Police/Army displayed extra ordinary degree of professionalism, effective command and control, highest order of restrains, flawless planning and valour without any collateral damage and carried out a very clean surgical operation.

In this operation, S/Shri Chhabil Singh, Deputy Superintendent of Police and Agya Singh, Head Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President’s Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs’ communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 04/09/2023.

(File No. 11020/88/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 104—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Sahil Sarangal, IPS	Senior Superintendent of Police	GM
2.	Zahoor Ahmed Khan	Police Sub Inspector	GM
3.	Rouf Ahmad Doom	Police Sub Inspector	GM
4.	Mohd Rafiq	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 04.10.2023, Kulgam Police generated a credible input regarding the presence of terrorists in village Kujar. Instantly, SSP Sahil Sarangal, IPS rushed towards the suspected village alongwith his QRTs & troops of 1st RR, CRPF 18th BN & D/214 Coy CRPF (Splinter) to cordon off the whole village and to ensure that terrorists may not get any chance to flee from the spot. All the entry/exit points, pathways and possible escaping routes were plugged off properly by laying concertina wire and physical deployments of SFs.

As the village was cordoned off on war footing basis, SSP Sahil Sarangal gave special priority to save the lives of civilians by evacuating them from the cordoned area towards safer places as the suspicious location was highly populated. In the meanwhile, DIG Rayees Mohammad Bhat, IPS alongwith his QRTs reached on the spot to supervise the operation personally so as to conclude the operation without any collateral damage. After analyzing the situation, SOG/ Police Kulgam/troops of 1st RR/CRPF 18th Bn. & D/214 Coy CRPF (Splinter Coy) were alerted and put at strategic locations. In order to make the operation successful, two assault groups were constituted to neutralize the trapped terrorists.

The 1st group headed by SSP Sahil Sarangal, IPS alongwith DySP Arif Hussain, PSI Rouf Ahmad Doom, SgCt. Nisar Ahmad, SgCt. Subzar Ahmad, SPO Hilal Ahmad, SPO Roof Ahmad, SPO Mohd Ramzan, SPO Shaheen Ahmad and 2nd group headed by DySP Abdul Ghafoor alongwith PSI Zahoor Ahmed Khan, HC Mohd Rafiq, SgCt. Ashiq Hussain, SgCt. Mir Nasrullah, SgCt. Nirmal Singh, Const. Javaid Ahmad, Const. Rafiq Ahmad, SPO Mohd Owais, SPO Ishfaq Ahmad, SPO Hilal Ahmad and SPO Mohd Rayees which were part of inner cordon; moved close to the target location & engaged in fierce combat with the hiding terrorists.

Despite heavy exchange of fire, the party remained stiff at their respective positions & showed professionalism, operational tactics as well as enthusiasm and gunned down two hardcore terrorists on spot without any collateral damage. The Police party fought bravely with the terrorists without caring about their personal safety/security and showed that they are ready to sacrifice their lives for the protection of national integrity and unity as well as to eradicate the menace of terrorism. The highest level of courage displayed by the Police party, troops of 1st RR, CRPF 18th Bn & D/214 Coy CRPF (Splinter Coy) was highly commendable and indispensable for eradication of menace of terrorism.

The aforesaid Police party have played an exemplary role in elimination of 02 dreaded terrorists without caring for their personal lives, presence of mind and make efficient use of strategic tactics in neutralizing the terrorists on spot without any collateral damage. The eliminated terrorists were later-on identified as Basit Ahmad Bhat (“A” category terrorist of HM outfit) S/o Mohammad Amin Bhat (“B” category terrorist of HM outfit) R/o Palpora Frisal and Saqib Ahmad Lone S/o Mohamad Rajab Lone R/o Hawoora Qaimoh. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 79/2023 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act 13, 16, 18 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Yaripora for further investigation.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by SSP Sahil Sarangal, IPS, PSI Zahoor Ahmed Khan, PSI Rouf Ahmad Doom and HC Mohd Rafiq was truly gallant. Although, the terrorists tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which they had a narrow escape. However, they without losing their concentration, showed presence of mind and fought bravely, thus foiled their nefarious designs.

In this operation, S/Shri Sahil Sarangal, IPS, Senior Superintendent of Police, Zahoor Ahmed Khan, Police Sub Inspector, Rouf Ahmad Doom, Police Sub Inspector and Mohd Rafiq, Head Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President’s Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs’ communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 04/10/2023.

(File No. 11020/89/2024- PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 105—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Mukesh Kumar	Constable	GM
2.	Javaid Abass Mattoo	Constable	GM
3.	Ab. Rashid Dar	Follower	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 15.06.2022, Shopian Police received specific information regarding presence of LeT terrorists in the house of one Hilal Ahmad Magray S/o Mohd Yousuf Magray at Kanjiullar Shopian and are planning to carryout terror strike in the area. Accordingly, the operation was meticulously planned by SSP Tanushree with Army 34 RR & CRPF 178th Bn. A team of Shopian Police under the supervision of SSP Shopian with the assistance of 34 RR, 178th Bn. CRPF, laid a cordon of whole hamlet of Kanjiullar, Shopian.

The operational parties under their tactical acumen to reach to the target area without getting exposed. Two composite joint squads of Army/Police & CRPF were constituted, one headed by SSP Tanushree and another headed by Addl. SP Ifroz Ahmad for laying cordon of the suspected house. Both the parties started search and during search, the presence of terrorists was established and it has been ascertained that terrorist are hiding in a residential house and cordon around the target house was further tightened and started the searches. The terrorists sensing the presence of the operational personnel around the target house, fired heavily upon the operational men with their illegal arms/ammunition with intention to cause damage to them and to break the cordon which created a chaos among the civilians residing in cordoned area and around. However, the fire was cautiously & effectively retaliated in self-defense.

The terrorists were offered to surrender which they refused and continuously fired upon the cordon party. It was decided to evacuate the civilians trapped in the cordoned area. The Joint teams headed by SSP Tanushree and Addl. SP Ifroz Ahmad including HC Reyaz Ahmad, Const. Mohmad Saleem Dar, Const. Mukesh Kumar, Const. Javaid Abass Mattoo, Const. Shakti Singh, Follower Ab. Rashid Dar, SPO Bashir Ahmad, SPO Waseem Ahmad volunteered to take the responsibility of evacuation of the civilian trapped in the cordoned area to the safer place. Despite the risk involved, they showed utter disregard to their personal safety, evacuated the civilians to safer places.

In order to eliminate the hiding terrorists without any collateral damage, assault teams headed by DySP Mohd Ashrif, DySP Imamsahib including HC Reyaz Ahmad, Const. Mohmad Saleem, Const. Mukesh Kumar, Const. Javaid Abass Mattoo, Const. Shakti Singh, Follower Ab. Rashid Dar, SPO Bashir Ahmad, SPO Waseem Ahmad, under the close supervision of SSP Tanushree volunteered themselves for the task to march towards holed-up terrorists in various directions thus tightened cordon further and swiftly retaliated the terrorist attack. As the terrorists were heavily armed, they started indiscriminate firing on the teams and lobbed several grenades thus making the task more difficult for assault teams to move forward.

However, the assault team without caring for their lives showing nerve of steel, marched towards target in a fire retaliatory action and reached in close proximity of the hiding terrorists. The assault party headed by DySP Mohd Ashrif including HC Reyaz Ahmad, Const. Mohmad Saleem Dar, Const. Mukesh Kumar, Const. Javaid Abass Mattoo, Const. Shakti Singh, Follower Ab. Rashid Dar, SPO Bashir Ahmad, SPO Waseem Ahmad engaged the terrorists from one side. The holed-up terrorists sensing noose around their neck, came out from the hide (residential house) showering bullets. The assault teams led by Addl. SP Ifroz Ahmad retaliated the fire effectively without losing their concentration and eliminated both the terrorists in a face-to-face gunfight. The slain terrorists were later-on identified as Tufail Nazir Ganie S/o Nazir Ahmad Ganie R/o Ramnagri Shopian of LeT outfit and Jan Mohammad Lone S/o Ab Rashid Lone R/o Braripora Shopian of LeT. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 111/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 19 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Shopian for further investigation.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by Const. Mukesh Kumar, Const. Javaid Abass Mattoo and Follower Ab. Rashid Dar, who fought terrorists efficiently and intelligently put themselves in great risk; was remarkable as the endeavor to reach the target in extremely hostile situation was truly gallant. They showed courage in evacuating the people trapped in cordoned area

In this operation, S/Shri Mukesh Kumar, Constable, Javaid Abass Mattoo, Constable and Ab. Rashid Dar, Follower of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 15/06/2022.

(File No. 11020/90/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 106—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Khalil Ahmed	Head Constable	GM
2.	Ghulam Mohammad Ganaie	Constable	GM
3.	Abid Nazir	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Following a credible input on 02.10.2022, Police Shopian in assistance with 44 RR and 178th BN CRPF; launched a cordon and search operation in village Baskuchan. While establishing initial cordon, it was decided that civilians who were inside the village should be safely taken out from the inner cordon without getting panic or situation gets worsened.

Accordingly, a team of Police Shopian in collaboration with 44 RR, 178th BN CRPF under the overall supervision of SSP Tanushree, IPS including DySP Raja Majid, Inspr. Atal Sharma, ASI Prithvi Raj, HC Gayoor-ul-Haq, HC Javed Ahmad, Const. Ghulam Mohammad Ganaie, Const. Rahul Kumar, Const. Abid Nazir, SPO Mohammad Shafi and SPO Ahsan ul Haq, were formed to start the search of target area. Police/SFs also ensured tactical deployment of all teams of Police/ SFs, besides placement of Bullet proof vehicles at all the vents and possible escape routes.

As per plan, House No. 72 and its adjoining houses situated in the last part from North- West direction of village Baskuchan, were swiftly brought under the cordon. However, some suspicious houses were quickly cordoned off by the joint teams of DySP Mohd Ashrif including SI Mohd Rafi, HC Ab Gani, HC Khalil Ahmed, SgCt. Barkat Ali, SgCt. Elyas Khatana, Const. Javaid Ahmad & SPO Riyaz Ahmad alongwith his team 44 RR & 178th BN CRPF. After plugging off all the vents, the civilians trapped into the encounter site were tactfully & strategically evacuated with the team headed by DySP Mohd Ashrif. The search was initiated and during search notorious terrorist namely Naseer Ahmad Bhat R/o Nowpora Baskuchan got trapped in the house No.72. After tactical placement of SFs, the house owner of target house was questioned regarding presence of actual number of terrorists in his house and he confirmed that only one terrorist namely Naseer Ahmad Bhat is hiding in his

house with AK like weapon. Further, some locals also informed that during pre-dawn, two unknown suspected persons equipped with Rifles were found roaming in the village but the whereabouts of the suspected persons is not confirmed.

After tactical placement of assault teams at the firebases, the trapped terrorist was asked to surrender but he refused. After sometime when the movement of terrorist disappear, drones were flown to locate his position but could not locate. When one drone was sent near the bathroom side, the hiding terrorist was snapped in the drone feed at bathroom. As per the snap shot of the drone feed, the terrorist was positioned tactfully in the bathroom and there was no escaping route to flee. Sensing the situation, hiding terrorist started indiscriminate fire with targeting one by one upon the assault teams' position in which team of DySP Mohd Ashrif decided to form the firebases around the target house and sealed the area. Accordingly, four houses adjoining to the target house were formed into the fire base with assault team of DySP Mohd had a very narrow escape as some of the bullets were directly hitting and piercing into the walls of House No.71 but they managed to save themselves. After sometimes when firing was completely stopped, and searches with all precautions were conducted due to confirm possibility of another hiding terrorist in the area, the whole area/nearby areas were searched thoroughly but no other terrorist could be found in the cordon area. The dead body of one neutralized terrorist was recovered & later on identified as Naseer Ahmad Bhat S/o Mohd Yousuf Bhat R/o Nowpora Baskuchan District Shopian of HM terror outfit. Arms/ammunition was also recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 45/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16 & 20 ULA(P) Act has been registered in P/S Imamsahib for further investigation.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by HC Khalil Ahmed, Ct Ghulam Mohammad Ganaie and Ct Abid Nazir, who fought terrorists efficiently and intelligently put themselves in great risk; was remarkable as the endeavor to reach the target in extremely hostile situation was truly gallant. They showed courage in evacuating the people trapped in cordoned area thus evading civil casualties by presence of mind and good policing.

In this operation, S/Shri Khalil Ahmed, Head Constable, Ghulam Mohammad Ganaie, Constable and Abid Nazir, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 02/10/2022.

(File No. 11020/91/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 107—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to GM to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Sajjad Ahmad Shah	Superintendent of Police	GM
2.	Arif Ahmad Sheikh	Inspector	GM
3.	Sheikh Wakeel Ahmad	Sub Inspector	GM
4.	Azad Ahmad Naik	Assistant Sub Inspector	GM
5.	Naseer Ahmad Bhat	SgCT	1st Bar to GM
6.	Shabir Ahmad Malik	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 24.11.2021, an input was developed by team ESU South Srinagar about the movement of 2-3 terrorists in Down Town area of Srinagar. The input was further developed in order to get the specific location of terrorists and accordingly a special team was constituted by Shri Sajjad Ahmad Shah, SP South Srinagar. The special team so constituted conducted the reconnaissance of the specific area in Down Town where the terrorists had been hiding/taken shelter. As per the technical analysis regarding location of these terrorists, it was revealed that the terrorists had been changing their location and during the course they moved towards uptown area of Srinagar. This information was subsequently shared with the senior officers.

Accordingly, a special naka comprising of DySP Mansha Beg, Inspr. Arif Ahmad Sheikh, SI Sheikh Wakeel Ahmad, SI Ajaz Ahmad 2606/S, ASI Mohammad Amin, ASI Azad Ahmad Naik, HC Zahoor Ahmad, HC Tariq Ahmad, HC Azad Ahmad Dar, SgCt. Mushtaq Ahmad Tantray, SgCt. Riyaz Ahmad Sheikh, SgCt. Shabir Ahmad Malik, SgCt. Mohd Altaf, SgCt. Mudasir Bashir, SgCt. Feroz Mushtaq, SgCt. Mudasir Ismail, SgCt. Naseer Ahmad Bhat, SgCt. Showkat Ahmad, SgCt. Irfan Yasen, Const. Hamidul-Islam Bukhari and Const. Owais Shafeeq & others besides SPO Zubair Ahmad, SPO Zahoor Ahmad, SPO Aijaz Ahmad & others, was established at Rambagh Srinagar under the supervision of SP Sajjad Ahmad Shah. At about 1600 hours, it was noticed that the terrorists were approaching to naka party who were challenged by the police party present

at the naka, but the terrorists opened indiscriminate firing upon the police naka party with the intention to kill them and manage their escape from the spot. However, police party was alert, retaliated the fire effectively exhibiting conspicuous bravery/courage and during the exchange of fire between two sides, 03 terrorists were eliminated, who later on identified as Mehraan Yaseen Shalla @ Abu Zaraqar @ Akeel (A-Category) terrorist of LeT/TRF outfit S/o Mohd Yaseen Shalla R/o Jamalata near Kaka Sahab Astan, Kanimazar Srinagar, Arfat Ahmad Sheikh (B-Category) terrorist of LeT outfit S/o Late Mohammed Maqbool Sheikh R/o Nikloora Pulwama and Manzoor Ahmad Mir (C-Category) terrorist of HM outfit S/o Late Sonaullah Mir R/o Babbar Pulwama. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 196/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 20 & 23 ULA(P) Act stands registered in P/S Sadder for further investigation.

The elimination of these terrorists has been a big achievement for JK Police and a severe jolt to the networks of LeT/TRF/HM outfits. These terror outfits were forming a network and planning to carryout major attacks in Srinagar. They were involved in terrorist related incidents in South/Centre Kashmir areas from the beginning of 2021 particularly in Srinagar city and were responsible for several terrorist related activities which include killing of civilians, mostly of minority communities and SFs personnel.

In the instant anti-terrorist operation, the role and the leadership exhibited by the above police party and other operational party remained exemplary right from beginning till the culmination of the operation. The role of the officers/officials remained instrumental in the said operation by way of operational tactics viz; chalking out of and implementation of the best possible operational plan, prioritizing the lives of civilians & operational parties and assault on terrorists without any collateral damage.

In this operation, S/Shri Sajjad Ahmad Shah, Superintendent of Police, Arif Ahmad Sheikh, Inspector, Sheikh Wakeel Ahmad, Sub Inspector, Azad Ahmad Naik, Assistant Sub Inspector, Naseer Ahmad Bhat, SgCT and Shabir Ahmad Malik, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 24/11/2021.

(File No. 11020/94/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 108—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Gayour-ul-Haq	Head Constable	GM
2.	Masroor Ali Thakroo	Constable	GM
3.	Zulfqar Ali	Constable	GM
4.	Jasvir Singh	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30.08.2022 at about 1710 hours SSP Tanushree developed a credible input about the presence of a group of terrorists of LeT outfit in the residential house at Hushangpora-Nagbal, Shopian who were planning to carryout major terror act in the area. Accordingly, a joint operation in assistance with Army 44 RR and 178th Bn CRPF was launched in the said village.

In order to make the operation successful, two Police/SF teams under the supervision of SSP Shopian and ASP Shopian were constituted for zeroing the target location to neutralize the hiding terrorists without any collateral damage. The first party comprised of Police Shopian and QRTs of 44 RR and 178th Bn CRPF headed by SSP Tanushree laid cordon of the target area from North East/South Eastern sides, 2nd Police party, QRTs of 44 RR and 178th Bn CRPF under the command of Addl. SP Ifroz Ahmad and DySP Raja Majid was tasked to lay the cordon from North-West and South Western side.

After strengthening the cordon, a team of SOG Shopian including Inspr. Atal Sharma, HC Javid Ahmad Mir, HC Gayour-ul-Haq, SgCt. Rouf Ahmad, SgCt. Murtaza Mughal, SgCt. Asif Rashid, SgCt. Amir Mumtaz, Const. Innayat Hussain Gadoo, Const. Masroor Ali Thakroo, Const. Jasvir Singh and Const. Zulfqar Ali headed by SSP Shopian took lead with SFs to search the terrorists hiding in the suspected house who fired upon the search party indiscriminately in which SSP Tanushree and Police party had a narrow escape. While evacuation process was taking place, the assault groups supervised by SSP Shopian, Addl. SP Shopian came under heavy fire, however, they did not lose their concentration and continued the evacuation process without caring for their lives and completed it successfully.

The operational commander (SSP Shopian) with her QRT who has taken front on North East and South Eastern side of target house immediately came into action and retaliated bravely from the front without caring for their lives and gunned down two dreaded terrorists. However, the third terrorist was continuously changing his location and also made repeated attempts to break the cordon by firing indiscriminately upon the troops with the intention to escape from the spot taking the advantage of darkness. Thereafter, the terrorist stop firing for some moment, taking advantage of this, the troops tightened the cordon, plugged off all lanes/by-lanes tightly and briefed their men to be alert at their respective positions. In the late evening hours, said terrorist again started indiscriminate firing upon the forces and made another attempt to escape from the spot but the alerted troops foiled his every attempt.

Finally, when the last position (room) of the house occupied by the said terrorist was pinpointed, Police/SF party led by SSP Shopian without losing their concentration fought bravely & neutralized the third terrorist also. The eliminated terrorists were later-on identified as Danish Ahmad Bhat S/o Khursheed Ahmad Bhat R/o Ladi Zainpora, Shopian, Tanveer Ahmad Wani S/o Bashir Ahmad Wani R/o Amarbug, Imamsahib Shopian of HM outfit and Tawseef Ahmad Bhat S/o Gh Nabi Bhat R/o Charmarg Shopian. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 104/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 19 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Zainapora.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by SSP Tanushree, DySP Raja Majid Batt, Insp. Atal Sharma, HC Javid Ahmad Mir, HC Gayour-ul-Haq, SgCt. Rouf Ahmad, SgCt. Asif Rashid Bhat, SgCt. Murtaza Mughal, SgCt. Aamir Mumtaz, Const. Innayat Hussain Gadoo, Const. Masroor Ali Thakroo, Const. Jasvir Singh, Const. Zulfqar Ali, Const. Gowhar Ahmad and Const. Farooq Ahmad Dar who fought with terrorists efficiently and intelligently without caring for their lives was remarkable as the endeavour to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant. Although, the terrorists tried their best to cause damage to forces by resorting to indiscriminate firing in which the police team had a very narrow escape.

In this operation, S/Shri Gayour-ul-Haq, Head Constable, Masroor Ali Thakroo, Constable, Zulfqar Ali, Constable and Jasvir Singh, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 30/08/2022.

(File No. 11020/98/2024-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 109—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Raiz Ahmed	Deputy Superintendent of Police	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 05.10.2022, Shopian Police generated a technical input regarding the presence of terrorists of proscribed LeT outfit in village Moolu-Shopian. The input was confirmed with sister agencies viz 44 RR and 178th BN CRPF. After thorough deliberation, it was decided that a Police component, RR & CRPF QRTs will move to the target area and conduct search.

The joint search parties under the command of DySP Raiz Ahmed reached the specific place as per the plan and a cluster of houses of said village were cordoned off and searches started. The joint troops casually enquired from some residents about the presence of terrorists. In the meantime, terrorist hiding in the nearby orchard of village heard conversation of the operational personnel jumped over fence of orchard and fired indiscriminately upon search parties in order to break the cordon and make his escape good. However, joint team led by DySP Raiz Ahmed immediately took position and retaliated the fire effectively thereby didn't provide any chance to terrorist to flee from the site.

Immediately, two joint search parties were constituted one under the command of DySP Raiz Ahmed and another DySP Raja Majid under close supervision of SSP Tanusree, IPS. Accordingly, cordon of cluster of houses of the said Mohalla was further tightened and search operation started during which suspicious movement were noticed by the joint search parties and the terrorist, in the notion that he has been cordoned off completely, fired indiscriminately towards the operational parties and again tried to break the cordon and escape from the cordon through an orchard. The fire opened by terrorists created a chaos among the resident civilians. DySP Raiz Ahmed assisted by ASI Riyaz Ahmad Sheroo, SgCt. Rouff Ahmad, SgCt. Mushtaq Ahmad, SgCt. Tahir Yousuf, Const. Parampreet Singh, Const. Mohd Yaseen, SPO Tariq Ahmad and SPO Rumysa Jan volunteered to take the responsibility of evacuating civil population to safer places to avoid any collateral damage. Despite the risk involved, they showed utter disregard to their personal safety and succeeded in evacuation of civilians. After completion

of evacuation process, terrorist was asked to surrender, which he refused and instead continued indiscriminate firing upon the operational parties. In order to make the operation successful and to eliminate the terrorist, the joint search parties fired towards the terrorist in retaliation. Meanwhile, DySP Raiz Ahmed assisted by ASI Riyaz Ahmad Sheroo, SgCt Rouff Ahmad, SgCt. Mushtaq Ahmad, SgCt. Tahir Yousuf, Const. Parampreet Singh, Const. Mohd Yaseen, SPO Tariq Ahmad and L/SPO Rumysa Jan also crossed the orchard and reached close to terrorist in the cover of trees by crawling.

The terrorist noticed that the joint operational parties are covering him on elevated surface and moving meticulously towards him, he tried to change his position and made an effort to escape through a pathway, but the party headed by DySP Riaz Ahmed reached extremely nearer without caring their lives, moved meticulously and fired upon the terrorist and eliminated him. After the firing stopped, a search was carried out while keeping the cordon intact. During the search dead body of terrorist was recovered from the encounter site. The eliminated terrorist was later-on identified as Arif Rashid Wani S/o Abdul Rashid Wani R/o Shirmal Zainpora Shopian of LeT terror outfit. Arms/ammunition was also recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 206/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Shopian for further investigation.

In this operation, Shri Raiz Ahmed, Deputy Superintendent of Police of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 05/10/2022.

(File No. 11020/103/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 110—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Ali Mohd Sofi	Head Constable	GM
2.	Koshal Sharma	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11.11.2022 at about 0630 Hrs, Shopian Police received a specific intelligence input about the presence of some dreaded terrorists in village Kapran planning to carry out major terrorist activities in the area. The said village which has been very vulnerable from terrorism point of view due to its topography, dense orchards and support base to terrorists and conducting of operation in such an area was a daunting task for the Police/Security forces. On getting this credible input, Police Shopian launched a joint operation with District Police Kulgam in collaboration with 34 RR, CRPF 178th Bn. and while establishing initial cordon, it was decided that civilians who were inside the village should be safely taken out from the inner cordon without getting panic or situation gets worsened.

With the same drill, team of Shopian/Kulgam Police in collaboration with 34 RR, CRPF 178th Bn. under the overall supervision of SSP Tanushree alongwith SSP G.V. Sundeep Chakravarthy, DySP Raja Majid, SI Mohd Rafi, ASI Manzoor Hussain, HC Koshal Sharma, HC Hilal Ahmad, HC Ali Mohd Sofi, HC Mohd Abass, HC Nisar Ahmad, SgCt. Ayaz Ahmad, SgCt. Karnail Singh, SgCt. Ifthikar Ali, Const. Mukesh Sharma, Const. Mohd Rafiq, Const. Mohd Shafi, Const. Bilal Ahmad, Const. Fareed Ahmad, SPO Showkat Ahmad, SPO Aijaz Ahmad, SPO Showkat Mushtaq, SPO Mudasir Ahmad & SPO Imtiyaz Ahmad alongwith team of 34 RR & CRPF 178th Bn were formed to start the search of target area. Police/SFs also ensured tactical deployment of all teams of Police/SFs, besides placement of bullet proof vehicles at all the vents and possible escape routes.

As soon as this information was shared with all Police/SFs, whole area was immediately strengthened by the joint team of Police/SFs and intensive search was initiated to find the hiding terrorist. As only Nasir Ahmad Mir saw the terrorist, SSP Kulgam took him with his team to search house No.143 and after complete search of the said house, Nasir Ahmad Mir again revealed that he left the terrorist between Madarsa and Mosque. Hence, the terrorist might be hiding into these two structures. The search of other structures / houses was about to complete and the security forces were about to move forward from there to search the next area, sensing the movement of joint team of Police/SFs, the hiding terrorist started indiscriminate firing upon the search party. Immediately, DySP Raja Majid and his team retaliated valiantly but terrorist was easily able to save himself because he was hiding inside the Mosque. Sensing surrounded from all around by the joint team of Police/SFs, the hiding terrorist started a vigorous attack all around by aiming the positions of SFs. All the teams which were deployed all around the Masjid started retaliation to pin down the terrorist. The hiding terrorist was stuck inside the Masjid and there was

no escaping route on the street which leads into the cluster of houses. As soon as the hiding terrorist jumped into the street to escape, DySP Raja Majid and his assault team under the overall supervision of SSP Shopian, saw him jumping and took a burst shot with barrage of bullets and killed the terrorist in the street. Despite neutralization of this terrorist, due to possibility of another hiding terrorist in the area the whole area was searched thoroughly but no other terrorist was found in the cordon area. The eliminated terrorist was later on identified as Anis @ Kamran Bhai R/o Pakistan affiliated with JeM terror outfit. The terrorist was operating between Kulgam & Shopian districts with the help of local terrorists/OGWs. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 234/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I. A. Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Shopian for further investigation.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by HC Ali Mohd Sofi and HC Koshal Sharma who fought with terrorists efficiently and intelligently without caring for their lives; was remarkable as the endeavour to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant. They evacuated the civilian trapped in the cordoned area thus evading civil casualties by presence of mind and good policing.

In this operation, S/Shri Ali Mohd Sofi, Head Constable and Koshal Sharma, Head Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 11/11/2022.

(File No. 11020/105/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 111—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Nassar Ahmad Shah	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 15/16.02.2023, based on a reliable information provided by own credible sources regarding presence of some terrorists in village Sudhpura-Taad area of PS Karnah, a joint operation was launched by District Police Kupwara under the supervision of DySP Adnan-ul-Haq with the help and assistance of Army 3/8 GR.

After laying the cordon of the target areas, search for the terrorists in dense forests was started by the joint team of Police with the assistance of Army 3/8 GR. Since the terrorist(s) who were recently infiltrated in own side were hiding in the dense forests and it was highly challenging for the police and Army to locate them. Thus, a strategy was devised to search the target meticulously by making multiple search parties mix with Police and Army and approach towards the target area to locate the hiding terrorists in the jungle.

One among the search parties was headed by Dy.SP Adnan-ul-Haq consisting of Army personnel and Police officials including Const. Parvaiz Ahmad Dar and Const. Nassar Ahmad Shah. The said search party with the close liaison of synergy with other search parties have started to move towards the target area bit by bit and the terrorists soon sensed the movement of the search party and opened heavy and indiscriminate fire upon the search party which was retaliated effectively by with utmost bravery, highest class of professionalism with meticulous and learned drill. The search party under the command of DySP Adnan-ul-Haq, Const. Parvaiz Ahmad Dar and Const. Nassar Ahmad Shah have played a very pivotal role without caring for their valuable lives charged upon the hiding terrorists with the cooperation of other search parties who re-enforced the party from other sides till a highly trained and dreaded terrorists got neutralized from whose possession a large number of arms/ammunitions was recovered.

The operation ended up with the great success without any collateral damage to own party. The killing of a dreaded and highly trained terrorist who had infiltrated recently into own area across the LoC to carry out the subversive activities in our territory, was a big jolt. During preliminary investigation, the killed terrorist was identified as Asif (FT) R/o Gaasla Leepa PoK affiliated with proscribed terror outfit LeT. The terrorist was on way to carry action against own force deployed on LoC and thus major tragedy was thwarted. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 13/2023 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 13, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Karnah.

In this operation, Shri Nassar Ahmad Shah, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 15/02/2023.

(File No. 11020/106/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 112—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Manzoor Ahmad Reshi	SgCT	GM
2.	Sajad Mohiuddin	SgCT	GM
3.	Reshav Kumar	Constable	GM
4.	Ajit Kumar	Constable	GM
5.	Arshid Ahmad Sheikh	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20.12.2022, Shopian Police generated a technical input through ESU Shopian regarding the presence of terrorists in the orchards of village Mujmarg Zainapora District Shopian. The input was followed meticulously and a joint operation in assistance with 1st RR and 178th BN CRPF was launched in the said village and search operation started. The hiding terrorists, on noticing the presence of troops, came out all of a sudden and started indiscriminate firing followed by grenade lobbing in order to break the cordon and make their escape good. However, DySP Raiz Ahmed, Inspr. Ghulam Hassan, Inspr. Atal Sharma, SgCt. Mohd Iqbal, Const. Shakti Singh, Const. Shanti Saroop, SPO Aakif Mohammad Wani, SPO Shahid Shafi, SPO Mohd Amin exhibited extra ordinary courage and retaliated in full volume which forced terrorists to retreat. The terrorists were asked to surrender, which they declined and instead continued firing on the deployed troops.

In order to make the operation successful, two assault parties were constituted first one led by HC Gayour-ul-Haq alongwith HC Javid Ahmad, SgCt. Zahoor Ahmad, SgCt. Manzoor Ahmad Reshi, SgCt. Sajad Mohiuddin, Const. Arshid Ahmad Sheikh, Const. Ajit Kumar, Const. Reshav Kumar, & others with QRTs of RR & CRPF and other party led by DySP Raiz Ahmed alongwith Inspr. Ghulam Hassan, Inspr. Atal Sharma, SgCt Mohd Iqbal, Const. Shakti Singh, Const. Shanti Saroop, SPO Aakif Mohammad Wani, SPO Shahid Shafi, SPO Mohd Amin and QRTs of RR/ CRPF.

Both the operational parties started advancing towards the target and it was exceptionally brave effort from them to advance despite bullets which were being fired by terrorists. The operational team led by HC Gayour-ul-Haq firstly ensured evacuation of trapped civilians from the cordoned area to the safer places under the safety cover provided by the team led by DySP Raiz Ahmed to avoid any collateral damage. However, terrorists in utter frustration again came out of the hideout and fired indiscriminately on these operational parties with the intention to kill them and escape from the cordoned area but HC Gayour-ul-Haq and his team without caring for their lives retaliated the fire effectively and did not provide any chance to terrorists to break the cordon. During the fierce face to face gunfight, all three terrorists were neutralized. The eliminated terrorists were later on identified as Mohd Lateef Lone S/o Late Nisar Ahmad Lone R/o Check Kachdora Shopian of LeT outfit, Umar Nazir Bhat S/o Nazir Ahmad Bhat R/o Bon Dailgam District Anantnag of LeT outfit and Danish Hussain Kakroo S/o Mohd Hussain Kakroo R/o Kazihmam District Baramulla of LeT outfit. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 158/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Zainapora for further investigation.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by SgCt. Manzoor Ahmad Reshi, SgCt. Sajad Mohiuddin, Const. Arshid Ahmad Sheikh, Const. Ajit Kumar and Const. Reshav Kumar, who fought with terrorists efficiently and intelligently without caring for their lives was remarkable as the endeavour to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant. Although, the terrorists tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which they had a narrow escape. However, they without losing their concentration and in good application of mind fought bravely and foiled their nefarious designs.

In this operation, S/Shri Manzoor Ahmad Reshi, SgCT, Sajad Mohiuddin, SgCT, Reshav Kumar, Constable, Ajit Kumar, Constable and Arshid Ahmad Sheikh, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 20/12/2022.

(File No. 11020/108/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 113—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Asif Rashid Bhat	SgCT	GM
2.	Liyakat Ahmad Khatana	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12.09.2022 at about 1050 hours, Shopian Police generated a technical input from ESU Shopian through HC Gayour-ul-Haq assisted by his team HC Javid Ahmad, Const. Liyakat Ahmad Khatana, SPO Anil Raina, SPO John Mohmad Ganie regarding the presence of terrorists in village Shirmal, Zainapora of District Shopian.

As per input, terrorists were in process to carry out major terror activities in the area. The conducting of an operation in such an area of said village which had been very vulnerable from terrorism's point of view due to its topography, dense orchards and support base to terrorists; was a daunting task for the Police/Security forces. On this, Police Shopian launched an operation in collaboration with 44 RR, 178th BN CRPF and while establishing initial cordon, it was decided that civilians who were inside the village should be safely taken out from the inner cordon without getting panic or situation gets worsened.

With the same drill, team of Police Shopian in collaboration with 44 RR & 178th BN CRPF under the overall supervision of SSP Tanushree alongwith Addl. SP Ifroz Ahmad, SI Nazeer Ahmad, SHO P/S Zainpura and team of 44/RR & 178th BN CRPF were formed to start the search of target area. Police/SFs also ensured tactical deployment of all teams of Police/Security forces, besides placement of Bullet proof vehicles at all the vents and possible escape routes. To avoid any untoward incident, targeted area was covered from different directions. Initially some houses and a bit area adjoining to the target area was brought under the cordon tactfully by initial joint cordon party under the overall supervision of SSP Shopian alongwith HC Gayour-ul-Haq, HC Javid Ahmad, Const. Liyakat Ahmad Khatana, SPO Anil Raina and SPO John Mohmad Ganie together with team of 44 RR and 178th BN CRPF were formed to start the search of target area.

Afterwards Police teams headed by DySP Raiz Ahmad alongwith HC Ravi Kumar, HC Reyaz Ahmad, SgCt Asif Rashid Bhat were formed for final assault to eliminate the holed-up terrorists in the cordoned area. Before launching final assault, besieged terrorists were asked to surrender, which they declined and instead resorted to heavy firing and grenade lobbing towards the deployed forces. At this moment, one terrorist was noticed moving alongwith AK like weapon in the targeted area. Seeing his movement few probing shots were given by DySP Raiz Ahmad and his team which was retaliated fiercely by terrorists. With utmost control over firing, cordon teams kept on engaging the terrorists whenever their movement was noticed. But terrorists were manoeuvring their positions from one side to another side and tried to escape from the cordoned area. Their firing was proving that they have equipped with deadly weapons and ammunitions. This indiscriminate firing of terrorists was proving to be very fatal specially team of HC Gayour ul Haq which was nearest to firebase and came under heavy volume of terrorists firing. However, they did not lose their concentration and continued firing on terrorists without caring for their precious lives.

After a prolonged gun battle when there was no firing from the target area, final search was ordered and still all precautions were made to avoid any last moment loss. Thorough search was done in which dead body of one killed terrorist alongwith his weapon was recovered who was later on identified as Aqib Hussain Paul S/o Mohammad Akram Paul R/o Drawani Imamsahib, Shopian of LeT outfit. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 113/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Zainapora for further investigation.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by police party specially SgCt. Asif Rashid Bhat and Const. Liyakat Ahmad Khatana who fought with terrorists efficiently and intelligently without caring for their precious lives; was remarkable as the endeavour to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant. They evacuated the civilian trapped in the cordoned area thus evading civil casualties by presence of mind and good policing.

In this operation, S/Shri Asif Rashid Bhat, SgCT and Liyakat Ahmad Khatana, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 12/09/2022.

(File No. 11020/111/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 114—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Sujit Kumar, IPS	Deputy Inspector General	GM
2.	Rakeeb Ahmad Malik	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27.09.2022, Kulgam Police generated a credible input regarding the presence of terrorists in village Awhatoo. Instantly, SSP G.V.Sundeeep Chakravarthy, IPS rushed towards the suspected village alongwith his QRTs, 34 RR & troops of CRPF 18th Bn. to cordon off the whole village to ensure that the trapped terrorists will not get any chance to flee from the spot. All the entry/exit points, pathways and possible escaping routes were plugged off properly by placing concertina wire and physical deployments of SFs.

The 1st team was headed by DIG Sujit Kumar, IPS alongwith SI Sukh Dev Singh, SgCt. Abid Ahmad, SgCt. Mohd Abass, Const. Rafiq Ahmad, SPO Bisma Jan, SPO Khurshid Ahmad, SPO Ravi Kumar and troops of 34 RR/ CRPF 18th Bn, whereas 2nd team which was from the back side of the target house; was headed by SSP G.V.Sundeeep Chakravarthy along with DySP Gh. Mohd Bhat, ASI Manzoor Hussain Peer, ASI Manzoor Ahmad, HC Nisar Ahmad, SgCt. Tariq Ahmad, Const. Rakeeb Ahmad Malik, Const. Mohd Iqbal, SPO Bilal Hassan, SPO Aadil Bashir, troops of 34 RR and CRPF 18th Bn.

The teams as per operational plan moved towards target location from all sides. The 1st team was from the front side of the target house & as they moved close to the target house the hiding terrorists fired indiscriminately upon them with the intention to kill them and make their escape good but 1st party was monitoring the movements of the terrorists very keenly and traced their movement within shortest possible time and got engaged with fierce combat with the terrorists. During on-going gun battle, the 1st party gunned down one terrorist on the spot. However, 2nd terrorist was continuously changing his position by lobbing hand gradates and continued heavy volume of firing towards security forces, meanwhile the said terrorist came out in open and tried to break the cordon to manage his escape from the cordoned area. But the 2nd party which was cordoning the back side of encounter site showed presence of mind and alertness challenged the terrorist in open & gunned down him without any collateral damage.

The coherence showed by the Police party especially DIG Sujit Kumar IPS, SSP G.V. Sundeeep Chakravarthy, DySP Gh. Mohd Bhat, SI Sukh Dev Singh, ASI Manzoor Hussain Peer, HC Nisar Ahmad, SgCt. Mohd Abass, SgCt. Tariq Ahmad, Const. Rafiq Ahmad, Const. Rakeeb Ahmad Malik, Const. Mohd Iqbal, SPO Bilal Hassan, SPO Aadil Bashir, SPO Bisma Jan, SPO Khurshid Ahmad and SPO Ravi Kumar, have played an exemplary role in elimination of 02 dreaded terrorists without caring about their lives. Also, these officers/officials showed presence of mind and make efficient use of strategic tactics in neutralizing the terrorists on spot without any collateral damage.

The eliminated terrorists were later-on identified as Mohammad Asif Wani @ Yawar S/o Dilawar Ahmad Wani R/o Takia Gopalpora D.H Pora Kulgam (Category "C" of JeM outfit) and Mohammad Shafi Ganaie S/o Jahangir Ahmad Ganaie R/o Ves Batapora (Category "C" of LeT outfit). Arms/ ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 105/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 13, 16, 18, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Kulgam for further investigation.

The officers/officials of District Police Kulgam, 34 RR & troops of CRPF 18th Bn. and their respective teams ensured safety of lives and properties of civilians during the successful operation. The professional acumen of the officers resulted in a swift and clean operation. Such a swift and clean operation gave psychological blow to anti-national elements and their propaganda machinery and at the same time provided motivation to security forces engaged in fighting terrorism in the area. The exceptional command and control resulted in effective cordon and resultant successful operation.

It is pertinent to mention here that the gallant act on the part of DIG Sujit Kumar, IPS and Const. Rakeeb Ahmad Malik was exemplary as they faced a volley of burst fire by terrorists, but miraculously escaped from the bullets and grenades lobbed on them.

In this operation, S/Shri Sujit Kumar, IPS, Deputy Inspector General and Rakeeb Ahmad Malik, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 27/09/2022.

(File No. 11020/112/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 115—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Davinder Kumar	Assistant Sub Inspector	GM
2.	Dawood Ahmad	Assistant Sub Inspector	GM
3.	Yashpaul Singh	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30.05.2022, Awantipora Police received information through a credible source regarding the presence of terrorists in the house/bakery shop at Chak, Rajpora. The input was analyzed/corroborated and immediately shared with CD 42 RR and CO 130 Bn CRPF. Upon confirmation of input, the operation was planned and coordinated with 42 RR & 130 Bn CRPF for cordon and search.

As per evolved strategy, the composite party of Police Awantipora, Army 42 RR and CRPF 130 Bn approached the target house in evening hours and by adopting the unconventional treacherous routes, maintained high level of surprise till gap free cordon get established. After laying and strengthening the cordon; the steps for search of terrorist in target house was started by joint team of Police Awantipora led by SSP Mohd Yousif alongwith his buddies with the assistance of Army 42 RR/CRRF 130 Bn.

No sooner the cordon was being established, the terrorists hiding in the target house started indiscriminate firing upon search/cordon party and also hurled hand grenades upon them so as to break the cordon and get escaped from the cordoned area but they ran away from target house and forcibly managed their entry into the adjoining house. But due to presence of mind, search party who were searching in the target house; quickly took positions and retaliated in self- defense thus foiled the attempt of hiding terrorists to escape from the cordoned area. As such the presence & exact location of the terrorists get confirmed; the cordon was intensified and retaliation was firmly executed by the joint team.

Further on the guidance of SSP Awantipora, 02 teams of Police one led by Shri Mohd Yousif, SSP Awantipora himself alongwith ASI Dawood Ahmad, HC Yashpaul Singh & others with party of counterparts of Army 42 RR & CRPF 130 Bn at Western side. Another team led by ASI Davinder Kumar & others with party of Army 42 RR, CRPF 130 Bn on Northern side, were constituted to occupy the positions close to the target house. As the target house was located in the built up area and there was every apprehension of eruption of law & order problem and in order to thwart any such attempt, the deployment of Police Awantipora & CRPF 130 Bn under the command of Shri Javid Ahmad, DySP, PC Awantipora was strategically made at the points in its surroundings so as to sterile the target house/area from any kind of extrinsic interference which might otherwise could have disrupted to carry out the anti-terrorist operation successfully.

SSP Awantipora acted as per the situation on ground, revisited the strategy and advised DySP Javid Ahmad to follow his team from two different directions for safe evacuation of civilians from the target house & from the houses falling in close proximity of the target house. This was sensitive and vital stage of the operation to evacuate the civilians who were trapped in the target house and the adjoining houses, as there was every apprehension of the attack from the besieged terrorists. The dare devil task was conducted by Shri Mohd Yousif, SSP Awantipora alongwith his buddies amid the shower of fire from the terrorists.

The evacuation of civilians was made possible with the help of covering fire provided by Police component Awantipora & CRPF 130 Bn. After that, hiding terrorists were given an opportunity to lay their arms and surrender which they ignored and in turn, opened volley of fire upon the search/assault party to break the cordon and get escaped. The composite assault party of Police Awantipora, 42 RR/CRPF 130 Bn spearheaded by SSP Mohd Yousif alongwith his buddies took cover and fought bravely from the front without caring for their lives and neutralized both the terrorists. The slain terrorists were later on identified as Shahid Ah. Rather (JeM outfit) S/o Gh. Ahmad Rather R/o Lurow Jagir and Umar Yousuf Seh (LeT outfit) S/o M. Yousuf Seh R/o Tukroo, Keegam Shopian. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 108/2022 U/S 307, 452 IPG, 7/27 I.A.Act, 16, 18, 23, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Awantipora for further investigation.

The slain terrorist Shahid Ahmad Rather was involved in case FIR No. 16/2021 U/S 13 ULA(P) Act stands registered in P/S Tral on 21.03.2021. He was motivating local youth to join terrorist ranks. Another terrorist a newly recruited joined terrorist folds on 31.03.2022 from district Shopian and got killed in infancy period of his terrorism.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by the teams especially by ASI Davinder Kumar, ASI Dawood Ahmad and HC Yashpaul Singh who fought bravely without caring for their precious lives was remarkable as the endeavour to reach to the target in extremely hostile situation was truly gallant. They were oblivious to imminent danger but had played a conspicuous role of bravery, courage, rare, tactical acumen & exemplary jointmanship which led to successful neutralization of these terrorists without suffering any collateral damage.

In this operation, S/Shri Davinder Kumar, Assistant Sub Inspector, Dawood Ahmad, Assistant Sub Inspector and Yashpaul Singh, Head Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 30/05/2022.

(File No. 11020/116/2024- PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 116—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Zaffar Iqbal Dar	Inspector	GM
2.	Bilal Ahmad	SgCT	GM
3.	Barkat Ali Dar	Constable	GM
4.	Ab. Latif Ganai	Follower	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11.06.2022 at evening hours, Pulwama Police has generated specific information about presence of terrorists in village Drubgam Payeen of district Pulwama who on the directions of their handlers sitting across, were planning to carry out some terror action in the area.

Accordingly, the information was shared with 44 RR, CRPF 183 Bn and after threadbare discussion; it was decided to launch an operation in the area to neutralize the terrorists. As per the decision, a Police party including Insp. Zaffar Iqbal Dar, SgCt. Bilal Ahmad, Const. Barkat Ali Dar, Follower Ab. Latif Ganai & others under the close supervision of SSP Gh. Jeelani Wani, rushed to the spot and launched CASO of the suspected area along with contingents of 44 RR and 183 Bn CRPF and started searches for the terrorists hiding in the area.

During search operation, as soon as the search party approached the suspected spot; the terrorists present there started indiscriminate firing upon them with the intention to kill them and to flee from the cordoned area. The troops immediately took cover and retaliated the terrorist fire with great courage and gunned down one heavily armed terrorist in the initial exchange of fire, whereas the other two terrorists turned back and took shelter in a bathroom, adjacent to a residential house. In order to avoid civilian casualties, dedicated Police team on the directions of SSP Pulwama have evacuated the people including women and children trapped in the cordoned area to safer places.

After successful evacuation of civilians, the hiding terrorists were asked to lay down their arms before the forces but they denied and continued indiscriminate firing upon the troops and attempted to flee from the spot but the search party, in turn, showed maximum restraint due to darkness. In order to avoid damages to own troops in dark night, the forces withheld the retaliated fire power, however the cordon has been further strengthened and all possible escaping routes were plugged off tightly to foil any escaping bid. During the pre-dawn hours of the next day, the besieged terrorists open indiscriminate firing upon the troops and once again tried to flee from the cordoned area. The joint parties commanded by SSP Gh. Jeelani Wani and DySP Saqib Ghani immediately came into action and retaliated the terrorist fire with great courage and dedication from the front without caring for their precious lives and gunned down the other two heavily armed terrorists without any collateral damage.

During the pro-long gunfight which continued for whole night, three dreaded terrorists of LeT were neutralized and arms/ ammunition recovered from the encounter site. The deceased terrorists were later on identified as (C-category of LeT outfit) namely Junaid Ahmad Sheergojri S/o Gh. Qadir Sheergojri R/o Gadoora Pulwama, Fazil Nazir Bhat S/o Nazir Ahmad

Bhat R/o Drubgam Pulwama and Irfan Ahmad Malik S/o Gh Rasool Malik R/o Arabal Nikas Pulwama. Good quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 44/2022 U/S 307 IPC, 7/25, 7/27 I.A.Act, 16, 18, 20, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Rajpora. As such neutralization of above-named hardcore terrorists is a huge setback to terrorist cadres especially LeT outfit and is a great achievement for security agencies and also have a sigh of relief for general public.

In this operation, S/Shri Zaffar Iqbal Dar, Inspector, Bilal Ahmad, SgCT, Barkat Ali Dar, Constable and Ab. Latif Ganai, Follower of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 11/06/2022.

(File No. 11020/119/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 117—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Tanveer Mohd Bhat	Assistant Sub Inspector	GM
2.	Ab. Qayoom Wani	Head Constable	GM
3.	Shakeel Ahmad Wani	SgCT	GM
4.	Khushi Ram	SgCT	GM
5.	Ab. Hamid Malik	SgCT	GM
6.	Mukhtar Ahmad Lone	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29.01.2022 in the evening hours, Police Pulwama, Army 55 RR and 182/183 Bn CRPF have launched a joint CASO at Village Naira P/S Pulwama on a specific input about presence of heavily armed terrorists in the said Village after discussing plan of execution and taking into consideration the location and topography of the Village.

After plugging all the interior roads, lanes and pathways strongly, two joint teams, 01 team headed by Inspr. Basharat Ali assisted by ASI Tanveer Mohd Bhat, Const. Mukhtar Ahmad Lone, SgCt. Shakeel Ahmad Wani, SgCt. Khushi Ram and Ct. Fayaz Ahmad Parray alongwith components of 55 RR and CRPF 182/183 Bns. were formed for conducting searches in the suspected area.

As soon as the search party led by Inspr. Basharat Ali entered in a house at Naira Pulwama, the terrorists present inside the said house started indiscriminate firing upon the joint search party with the aim to cause damage to the deployed forces and to make way for escaping which has resulted bullet injuries to two Army Jawans of 55 RR who were immediately shifted and hospitalized.

The search party immediately took cover and retaliated the terrorist fire with dedication due to which the besieged terrorist could not find any opportunity to escape from the cordoned area. Upon this, SSP Pulwama asked the joint search party to come out of the target house for which a joint Police/SF party headed by SP Tanveer Ahmad Dar with HC Ab. Qayoom Wani, SgCt. Ab. Hamid Malik, SgCt. Basharat Hussain, SgCt. Rashid Rasheed and Ct. Umer Sikander Mir deployed in the inner cordon, has been directed to give them cover fire so that they can come out from the target house safely. In order to avoid human casualties, a Police team on the direction of SSP Pulwama; has evacuated all the civilians trapped in the cordoned area to safer places successfully.

Thereafter, the initial search party headed by Inspr. Basharat Ali along with ASI Tanveer Mohd Bhat, Const. Mukhtar Ahmad Lone, SgCt. Shakeel Ahmad Wani, SgCt. Khushi Ram & Ct. Fayaz Ahmad Parray and components of 55 RR and CRPF 182 and 183 has been directed to take position in the lane leading towards inhabited area and the 2nd joint party headed by SP Tanveer Ahmad Dar along with HC Ab. Qayoom Wani, SgCt. Ab. Hamid Malik, SgCt. Basharat Hussain, SgCt. Rashid Rasheed & Ct. Umer Sikander and components of 55 RR and CRPF 182 and 183 has been asked to take position on rear side of target house in the inner cordon and were briefed to remain extra alert & monitor the movement of terrorists trapped in the target house and keep the senior officers informed after the developments/ happenings.

Thereafter, the operational commander (SSP Pulwama) offer surrender appeal to the besieged terrorists repeatedly, but the terrorists instead of accepting the offer, fired upon the troops positioned in a lane leading to inhabited area under the

command of Inspr. Basharat Ali and tried to escape, however, the said joint party immediately took cover, retaliated with courage from the front and gunned down two terrorists on spot. Upon this, the other terrorists returned to the target house and kept on firing upon the joint parties deployed in the area. Upon this, 2nd joint party SP Tanveer Ahmad Dar positioned in the rear side of the target house immediately came into action, alert his men and other deployments and retaliated bravely & dedicatedly and neutralized the left-out terrorists.

The neutralized terrorists of JeM outfit were later on identified as Zahid Ahmad Wani @ Uzair S/o Manzoor Ahmad Wani R/o Karimabad Pulwama, Kafeel Bhai @ Chhotu R/o Pakistan, Waheed Ahmad Reshi, Son-in-law of Gh Mohd Bhat R/o Khadernoh Kakapora Pulwama and Inayatullah Mir S/o Gh Qadir Mir R/o Naira Pulwama. Arms/ammunition was also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 18/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A. Act, 16, 18, 19, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Pulwama.

Neutralization of these hardcore terrorists is a huge setback to terrorist cadres especially JeM outfit and is a great achievement for security agencies and also great relief for general public as these terrorists were involved in various terrorist related activities.

In this operation, S/Shri Tanveer Mohd Bhat, Assistant Sub Inspector, Ab. Qayoom Wani, Head Constable, Shakeel Ahmad Wani, SgCT, Khushi Ram, SgCT, Ab. Hamid Malik, SgCT and Mukhtar Ahmad Lone, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 29/01/2022.

(File No. 11020/122/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 118—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	G.V. Sundeep Chakravarthy, IPS	Senior Superintendent of Police	GM
2.	Rayeesh Ahmad Reshi	Head Constable	GM
3.	Pervinder Singh	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 23.04.2022, following a credible input regarding entering of terrorists from District Shopian into village Mirhama Kulgam, SSP G.V. Sundeep Chakravarthy, IPS rushed to the suspected spot alongwith the troops of 9 RR/CRPF 18th Bn. Initially, cordon was laid around the said village and door to door searches were carried out through joint search parties in order to pin point the location of hiding terrorists and their subsequent neutralization. As the joint searching parties approached towards the suspected house, the trapped terrorists fired indiscriminately and lobbed hand grenades upon the security forces with the intention to kill them so as to manage their escape from the cordon. The fire was effectively retaliated, which resulted into an encounter.

During the encounter, the trapped terrorists were changing their positions continuously from one place to another so as to flee from the spot and it was very difficult to neutralize these terrorists under such circumstances. However, as per operational plan chalked out by SSP Kulgam, special priority was given to evacuate the civilians from the encounter site towards safer places. After ensuring safety and security of civilians SSP Kulgam constituted different teams along with respective QRTs of Police & SFs to neutralize the trapped terrorists without any collateral damage. The first team headed by SSP Kulgam along with HC Rayeesh Ahmad Reshi, SgCt. Ichpal Singh, SgCt. Mohd Shaid, SPO Mubashir Ahmad, SPO Ishfaq Ahmad, SPO Majid Hussain and troops of 09 RR/18th Bn CRPF and 2nd team which was from the back side of the target house headed by Inspr. Ab. Ahad alongwith Sgct Liyaqat Ali, SgCt. Taroq Ahmad, SgCt. Masood Ahmed, SPO Sartaj Ahmad, SPO Parveez Ahmad, SPO Mushtaq Ahmad, SPO Rayees Ahmad and troops of 09 RR/18th Bn CRPF.

The teams as per operational plan moved close towards the target house, but the terrorists lobbed hand grenades and started heavy volume of fire upon the operational teams and managed to flee from the spot. However, SSP Kulgam alongwith troops of 09 RR/CRPF 18th Bn. Chased these terrorists in open without caring about their personal safety and security. Besides, all escape routes were plugged off within shortest possible time and the operational teams under close supervision of SSP Kulgam traced them promptly and engaged in fierce combat with terrorists. During the gun battle, SSP Kulgam alongwith operational teams gunned down these terrorists without any collateral damage. The act of bravery, professionalism and operational tactics shown by SSP Kulgam to neutralize these terrorists was highly commendable.

The coherence showed by the Police party especially SSP G.V. Sundeeep Chakravarthy, IPS, HC Rayeesh Ahmad Reshi and SgCt. Pervinder Singh have played an exemplary role in elimination of 02 dreaded foreign terrorist without caring about safety of their personal lives. Besides, they showed presence of mind and made efficient use of strategic tactics in neutralizing the terrorist on spot without any collateral damage. Such clean operations are need of hour to eradicate the menace of terrorism and to ensure safety and security of peace-loving people of our country. The slain terrorists of A-Category JeM outfit were later on identified as Sultanat Pathan and Zabiullah, both R/Os of Pakistan. Arms/ammunition was also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 51/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 13, 16, 19, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Kulgam and investigation taken up.

In this operation, S/Shri G.V. Sundeeep Chakravarthy, IPS, Senior Superintendent of Police, Rayeesh Ahmad Reshi, Head Constable and Pervinder Singh, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 23/04/2022.

(File No. 11020/126/2024- PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 119—Pres/2025 The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shukat Rafiq Wani	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Ishtiyak Latif Qureshi	Sub Inspector	GM
3.	Mohinder Kumar	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27.04.2022, on receipt of specific information about presence of terrorists in village Mitrigam of PS Pulwama, a joint CASO was launched by 44 RR, Police Pulwama and 182/183 Bn CRPF of the suspected area of the said Village. Thereafter a dedicated joint team of Police/SFs has been constituted for conducting searches in the target area. The search party while heading towards a cowshed located in an apple orchard, the hiding terrorists opened fire indiscriminately upon the search party with their illegal automatic weapons which has resulted bullet injuries to an army Jawan of 44 RR namely NK Jatindra Singh who was immediately evacuated and hospitalized.

To avoid civil casualties, the people including women and children trapped in the cordoned area were evacuated to safer places and thereafter, the holed-up terrorists were given an opportunity to surrender, however they turned down the offer and continued firing upon the troops. Upon this, the Police/Army officers on spot alerted the troops and briefed them to plug all lanes, by-lanes and interior path ways strongly.

In order to neutralize the holdup terrorist, SSP Pulwama has asked the initial search party comprising of components of 44 RR, 182/183 Bn CRPF and Police Pulwama including SI Ishtiyak Latif Qureshi, SgCt. Mohinder Kumar and Foll. Irshad Ahmad headed by DySP Shukat Rafiq Wani to come out of the danger zone and take position from Orchard side. Another Joint party comprising of QRTs of 44 RR, 182/183 Bn CRPF and Police has been constituted under the charge of ASI Nazir Ahmad, assisted by HC Mashooq Ahmad and SgCt. Mehraj-Ud-Din and directed to take position on front side of the target location through which a Nallah is passing. In the meantime, the besieged terrorists opened indiscriminate fire upon the troops and tried to escape through Orchard area, however the dedicated joint party headed by DySP Shukat Rafiq Wani, immediately came into action and gunned down one terrorist. Upon this, the 2nd terrorist returned and in state of confusion, first enters in the cowshed and then attempted to escape through Nallah, however, the 2nd joint party headed by ASI Nazir Ahmad promptly came into action and retaliated with dedication/courage and eliminated the said terrorist too. During searches two dead bodies of the terrorists were recovered and later- on identified as Aijaz Ahmad Hafiz S/o Farooq Ahmad Hafiz R/o Dalipora Pulwama and Shahid Ayoub Sheikh S/o Mohd Ayoub Sheikh R/o Deeri Murrar of Al-Badr outfit. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 111/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 18, 19, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Pulwama for further investigation.

The killed hard-core terrorists were involved in various terror attacks including attacks on non—local workers, PRIs and other subversive activities; as such their elimination is a great success for Police/SFs and sigh of relief for peace loving citizens.

In this operation, S/Shri Shukat Rafiq Wani, Deputy Superintendent of Police, Ishtiyak Latif Qureshi, Sub Inspector and Mohinder Kumar, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 27/04/2022.

(File No. 11020/127/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 120—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Smt. Farha Nishat	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Shri Mohd Younis Rather	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 23.08.2021 at about 19:05 hours, based upon specific intelligence regarding presence of terrorists in village Peth-Seer, Sopore; a joint cordon and search operation was launched in the area by Sopore Police, Army 52-RR and 177 Bn. CRPF. Accordingly, as per planned strategy; a joint team of Police/ Army/ CRPF including DySP Farha Nishat, SgCt Mohd Younis Rather & others headed by Shri Mohd Ameen Bhat, was constituted as an advance team to evacuate the trapped civilians first under the backup/covering firing of 2nd joint party.

Accordingly, DySP Mohd Ameen Bhat led his team and started approaching towards the target house under the backup fire of back up party. As soon as the advance team was about to reach the target house, the terrorists after sensing that the security forces are about to reach the target house, the terrorists three in number, suddenly jumped out from the house while showering volume of bullets and tried to escape from the spot but before the terrorists escape from the spot, the advance team especially DySP Farha Nishat, SgCt. Mohd Younis Rather remained determined like a rock and retaliated the fire effectively and in the ensuing face to face gunfight three dreaded terrorists belonging to proscribed Lashker-i- Toiba (LeT) terror outfit were neutralized. The identity of the slain terrorists was later on ascertained as Faisal Fayaz S/o Fayaz Ahmad Thokar R/o Kapran District Shopian, Rameez Ahmad Ganai S/o Abdul Majeed Ganai R/o Zipora-Dharamati District Shopian and Ghulam Mustafa Sheikh S/o Abdul Ahad Shiekh R/o Tikkipora Lolab District Kupwara. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 99/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act stands registered in P/S Tarzoo for further investigation.

The area of operation was densely populated and the operation was concluded in evening hours and in such a volatile situation, it was a big challenge for the security forces to launch such a successful clean anti-terrorist operation, but it was conspicuous bravery, leadership qualities, professionalism and matchless resilience exhibited especially by DySP Farha Nishat, SgCt. Mohd Younis Rather, that the operation was concluded with the elimination of three local terrorists of Lashker-i-Toiba terror outfit without any collateral damage. While fighting with the terrorists, they put their lives at a great risk in the instant operation to uphold the security/ sovereignty and integrity of the India.

In this operation, Smt. Farha Nishat, Deputy Superintendent of Police and Shri Mohd Younis Rather, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 23/08/2021.

(File No. 11020/128/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 121—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Naresh Singh	Superintendent of Police	GM
2.	Sunil Singh Jasrotia	Deputy Superintendent of Police	GM

3.	Nitish Khajuria	Police Sub Inspector	GM
4.	Subash Chander	Assistant Sub Inspector	GM
5.	Kashmir Singh	Assistant Sub Inspector	GM
6.	Sandeep Kumar	SgCT	GM
7.	Shabir Ahmed	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 28.12.2022 in the wee hours, movement of a suspicious truck bearing Registration No. JK18-1226 (without High Security Registration Plate) was noticed at SOG Check Point (Naka), Kunjwani which was signaled to stop but the driver accelerated and fled away from the spot on NHW towards Kashmir. Subsequently, the truck headed towards Kashmir and on the way, broke the barricades of Bravo-03 Naka falling under the jurisdiction of P/S Bagh-e- Bahu. However, Police party managed to stop the truck at Sidhra Bridge Check-point at 0715 hours and in the meantime, SP PC Jammu also reached on spot. At the same instance, terrorists hiding in the specially designed cavity inside the truck opened volley of fire on the police party which was firstly retaliated by SP ops Jammu, he and his team had a narrow escape from being targeted, at the same time, one team of 1st Para led by Major Umesh Lamba also joined the SP Ops Jammu. On this, additional Police teams led by SSP Jammu and QRT have reached the spot and took positions and zeroed in the terrorists hiding in the truck.

SSP Jammu and SP(Ops) Jammu immediately planned the operation on the spot and divided the operation teams into two striking teams. A party under the command of SSP Chandan Kohli cordoned the truck and kept on the sideways of the said vehicle and another party under the command of SP Naresh Singh assisted by DySP Sunil Singh Jasrotia, DySP Javed Ahmed, Inspr. Azad Ahmad, Inspr. Arjun Magotra, ASI Kashmir Singh were placed immediately on the backside of the said vehicle with other QRT's of SOG also deployed at strategic and tactical locations. Both the teams with the assistance of team of 1st Para were located very close to the truck and were in the firing range of terrorists but despite this the officers/officials displayed utmost courage and bravery in holding their positions and retaliated the fire of the terrorists. Both the striking teams were fired upon by the hiding terrorists with automatic weapons, UBGL Grenades as the terrorists were desperate and tried to break the cordon to escape from the encounter site but both the striking party retaliated professionally and fought very bravely and tactfully. During the initial exchange of fire one terrorist was eliminated by the SOG team.

The terrorists kept on repeatedly firing from inside the vehicle on the police party but the Police party did not let them escape and kept them contained and engaged inside the vehicle only. The terrorist immediately started firing with UBGL and also threw hand grenades on the vehicle of SP Ops Jammu Sh. Naresh Singh in which the officer had a narrow escape but one of his PSO Rampal got injured and he was immediately evacuated by the SOG personnel but heavy firing from the terrorists continued. Both the striking parties led by SP OPS Jammu and SSP Jammu retaliated with full force and in the exchange of fire by the striking parties, resulted in the elimination of one more terrorist but other two terrorists remained holed up inside the truck and kept on firing upon the Security Forces as they had made proper hideout inside the truck.

ADGP Mukesh Singh, DIG Vivek Gupta were supervising the operation at the encounter site and coordinating/ leading the troops from the front for achieving the desired results without any collateral damage. ADGP Jammu gave sufficient opportunity to the remaining terrorists to surrender but the terrorists being hardcore and highly trained who had infiltrated into the Indian Territory with specific targets refused to surrender and kept on firing on the operational party. Subsequently, as the encounter progressed, the troops of 1st Para SF and SOG teams led by SP(Ops) Jammu with tactical precision, neutralized the remaining two terrorists with precise retaliatory fire. The prompt and tactical maneuvers of the operational teams helped in elimination of all the four terrorists during the fierce gun fight which lasted for more than three hours.

To ensure effective aerial surveillance of the encounter site and ensure elimination of terrorists, the drone of SOG Jammu was also flown over the target area. The operation ended with the elimination of 04 dreaded foreign terrorists without collateral damage and huge quantity of arms/ammunition were recovered. Soon after that the bodies of all four terrorists (All FTs and Unidentified affiliated with JeM Outfit) were recovered from encounter site along with huge cache of Arms/Ammunition/explosives and other incriminating material and taken into custody. A case FIR No. 435/2022 u/s 307/120-B/121/122/123 IPC, 7/25/26/27 Arms Act, 16/18 ULA(P) Act was registered at P/S Nagrota for further investigation.

The whole operation was conducted without an iota of collateral damage only because of the outstanding command and control exercised by Ops. team conjugated with the display of the rare bravery and extreme devotion to the duty by them. The members of the operational teams generally and especially SP Naresh Singh, DySP Sunil Singh Jasrotia, PSI Nitish Khajuria, ASI Subash Chander, ASI Kashmir Singh, SgCt. Sandeep Kumar and SgCt. Shabir Ahmed saved JK UT from extreme danger of terror attack and had displayed conspicuous gallantry, courage, bravery and devotion of the highest order and performed exceptionally in the operation to eliminate all 04 foreign terrorists (FTs) who were fideyeens (A++ category), highly radicalized, trained and were carrying war like stores with them with the motive to strike the high value targets and disrupt the upcoming VVIP visit in Jammu and subsequently committed to give big fight for longer duration.

In this operation, S/Shri Naresh Singh, Superintendent of Police, Sunil Singh Jasrotia, Deputy Superintendent of Police, Nitish Khajuria, Police Sub Inspector, Subash Chander, Assistant Sub Inspector, Kashmir Singh, Assistant Sub

Inspector, Sandeep Kumar, SgCT and Shabir Ahmed, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 28/12/2022.

(File No. 11020/129/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 122—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Manish Kumar	Deputy Superintendent of Police	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29.08.2021, a specific input was generated regarding presence of 3/4 terrorists in Bandi-KathuaNala at Degwar Sector in the jurisdiction of Police Station Poonch. On generating this information, a party of SOG Poonch and Army launched a search operation in the area at Bandi-Kathua Nala Degwar at about 2000 hours. On 30.08.2021 at around 0730 hours, movement of 3/4 terrorists was spotted by ambush cum surveillance party. On being challenged by the operation party, terrorists opened indiscriminate fire with AK alongwith UBGL that was retaliated with precision fire. In the ensuing fire fight, one terrorist was neutralized and three terrorists sustained grievous injuries. One body of unidentified terrorist was recovered alongwith arms/ammunition. The whole operation was launched strategically under the overall supervision of Dr. Vinod Kumar, IPS SSP Poonch, CO 5 Rajput Durga Battalion and DySP Manish Kumar (PC) Poonch resulting neutralization one dreaded foreign terrorist on LoC in Degwar Sector. The operation continued till 1300 hours on 30.08.2021. Case FIR No. 215/2021 U /S 307 /120-B/121/122 IPC 7/25/26/27 I.A.Act, 2/3 E&IMCO Act was registered at P/S Poonch for further investigation.

It was the highest degree of professionalism and courage and synergic exercise that Army column and police succeeded in elimination of one dreaded terrorist and grievously injuring three other terrorists, besides the dead body of the slain terrorist was retrieved from the close proximity of LoC without any collateral damage. Later killed terrorist was identified as Mohd Akram @ Anzla Bhai @ Abzla Ghazi S/o Sardar R/o Gujran Wala PaK. The whole operation was conducted without collateral damage only because of outstanding command and control exercised by Dr. Vinod Kumar, SSP Poonch, conjugated with the display of the rarest of the rare bravery and extreme devotion to duty as well as exemplary bravery by other members of Police team generally and especially DySP Manish Kumar.

In this operation, Shri Manish Kumar, Deputy Superintendent of Police of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 29/08/2021.

(File No. 11020/133/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 123—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), 1st Bar to GM, 2nd Bar to GM and 3rd bar to GM to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Yougal Kumar	Senior Superintendent of Police	1st Bar to GM
2.	Farooq Ahmad Awan	Head Constable	3rd Bar to GM
3.	Safeer Lone	Constable	2nd Bar to GM
4.	Ghulam Jeelani Gojar (Deedad)	Follower	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25.12.2021, a credible input was received by Police Awantipora from Police Kupwara regarding the presence of terrorists of proscribed outfit Ansar Gazwat-ul-Hind (AGuH) in village Hardumir Tral in the residential house who were hatching criminal conspiracy for some terror act in the area. The input was analyzed/corroborated and immediately shared with Army CO 42 RR. After meticulously chalking out a plan and taking into consideration all possible hostilities, a joint cordon was laid by Police Kupwara, Police Awantipora and Army 42 RR at village Hardumir Tral. The composite party of Army 42 RR, Police Awantipora and Police Kupwara approached the target house by adopting the unconventional treacherous routes maintaining high level of surprise till gap free cordon get established. After laying & strengthening the cordon, the steps for search of terrorists in the target house was started by the joint team of Police Kupwara led by SSP Yougal Kumar & Police Awantipora led by SP Mohd Yousif alongwith ASI Parmeet Singh, HC Farooq Ahmad Awan, Ct. Safeer Lone, Follower Ghulam Jeelani Gojar (Deedad) & others with the assistance of Army 42 RR.

On sensing the movement of forces, the terrorists hiding in the target house started indiscriminate firing upon them so as to break the cordon and get escaped from the cordoned area. But due to the presence of mind, search party who were searching in the target house, quickly took positions and retaliated in self-defense, thus foiled the attempt of hiding terrorists to escape from the cordoned area. As such the presence & exact location of the terrorist was confirmed, the cordon was intensified and retaliation was firmly executed by the joint team. Further, on the guidance of SSP Kupwara; 02 teams of Police one led by SSP Yougal Kumar along with Ct. Safeer Lone, Follower Ghulam Jeelani Gojar (Deedad) & party of counterparts of Army 42 RR at Western side, another led by SSP Mohammad Yousif alongwith HC Farooq Ahmad Awan and party of counterparts of Army 42 RR on Northern side were constituted to occupy the positions close to the target house. As the target house was located in the built-up area and there was every apprehension of eruption of law & order problem and in order to thwart any such attempt, the deployment of Police Awantipora and Police Kupwara was strategically made at the points in its surroundings so as to sterile the target house/area from any kind of extrinsic interference which might otherwise could have disrupted to carry out the anti-terrorist operation successfully.

Since conducting the operation in broad day light is always full of challenges that too when reports of hiding of local terrorists is received. SSP Kupwara acted as per the situation on ground, revisited the strategy and advised SSP Mohammad Yousif to follow his team from two different directions for safe evacuation of civilians from the target house and from the houses falling in close proximity of the target house. This was a sensitive and vital stage of the operation to evacuate the civilians who were trapped in the target house and the adjoining houses, as there was every apprehension of attack from the besieged terrorists. The dare devil task was conducted by SSP Yougal Kumar alongwith HC Farooq Ahmad Awan, Ct. Safeer Lone, Follower Ghulam Jeelani Gojar (Deedad) amid the shower of fire from the terrorists. The evacuation of civilians was made possible with the help of covering fire provided by Police component Tral & Army 42 RR. After that, hiding terrorists were given an opportunity to lay their arms and surrender through the respectable of the area which they ignored and in turn fired indiscriminately upon the assault party. The composite assault party of Police Kupwara, Police Awantipora & 42 RR, spearheaded by SSP Yougal Kumar alongwith HC Farooq Ahmad Awan, Ct. Safeer Lone, Follower Ghulam Jeelani Gojar (Deedad) took cover and fought bravely from the front without caring for their lives and neutralized the said terrorists inside the house. The eliminated terrorists were later on identified as Nadeem Nazir Bhat (Category "B") S/o Nazir Ahmad Bhat R/o Koil Shikargah Tral and Rahi Rasool Bhat @ Adil (Category "B") S/o Gh. Rasool Bhat R/o Kanipora Dadasara Awantipora, both affiliated with proscribed terrorist outfit AGuH. Arms/ammunition was also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 155/2021 U/S 307, 7/27 I.A.Act, 18, 19, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Tral.

In this operation, S/Shri Yougal Kumar, Senior Superintendent of Police, Farooq Ahmad Awan, Head Constable, Safeer Lone, Constable and Ghulam Jeelani Gojar (Deedad), Follower of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 25/12/2021.

(File No. 11020/136/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 124—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 3rd Bar to GM to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Iftikhar Talib	Superintendent of Police	3rd Bar to GM
2.	Ravees Ahmad	Head Constable	GM

3.	Javed Iqbal	Head Constable	GM
4.	Showkat Ahmad Ganai	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25.12.2021 at about 0300 hrs, Police Shopian received a specific intelligence input about presence of some terrorists in village Chowgam District Shopian. As per input, terrorists were in a process to carryout major terror activities in the area to threaten the general public.

Following the input meticulously, Police Shopian launched a joint operation in the said village in assistance with Srinagar Police, 44 RR and 14th Bn. The team of Police Shopian/Srinagar in assistance with 44 RR & 14 Bn. CRPF headed by SSP Amritpal Singh alongwith SP Iftkhar Talib, DySP Raja Majid Batt, ASI Piyaray Lal, ASI Bashir Ahmed, HC Ravees Ahmad, HC Manoj Pandita, SgCt. Ishtiyahq Ahmad, SgCt Ayaz Ahmad, SgCt. Showkat Ahmad Ganai, Ct. Vicky Khajuria, Ct. Asif Ali, Ct. Yasir Hameed, Ct. Sartaj Hussain, SPO Nissar Ahmad, SPO Irshad Ahmad, SPO Ishfaq Ahmad, SPO Javaid Ahmad and SPO Balram Sharma alongwith team of 44 RR & 14th Bn. CRPF, were formed to start the search of target area. However, during spot interrogation of one occupant who found a bit nervous confirmed presence of two suspected terrorists in the residential house at Chowgam, Shopian.

After getting confirmed about presence of terrorists in the targeted residential house, a bit area adjoining to the target area were brought under the cordon tactfully by the initial joint cordon team headed by SSP Shopian alongwith DySP PC Keller, ASI Prithvi Raj, ASI Bashir Ahmad, HC Javed Iqbal, HC Faiz Mohd, HC Ravees Ahmad, SgCt Zahoor Ahmad, SgCt Ayaz Ahmad, SgCt. Showkat Ahmad Ganai, Ct. Vicky Khajuria, Ct. Aamil Fasal, Ct. Mushtaq Ahmad, SPO Mudasir Ahmad and team of 44 RR/14th Bn. CRPF, were formed to start the search of target area. The terrorists hiding in the residential house sensing the movement of operational parties opened indiscriminate fire upon them in order to break the cordon and make their escape good.

The searching parties immediately took cover and retaliated with courage triggering a fierce gunfight. After that Police teams headed by SP Iftkhar Talib alongwith DySP Mohd Ashrif, SI Mohd Rafiq, HC Ayaz Ahmad, SgCt Chaman Lal, ASI Piyaray Lal, HC Manoj Pandita, Ct. Asif Ali, Ct Yasir Hameed, Ct. Sartaj Hussain, SPO Nissar Ahmad, SPO Irshad Ahmad, SPO Ishfaq Ahmad and SPO Balram Sharma, were formed for final assault to eliminate the holed-up terrorists. Before launching final assault, hiding terrorists were asked to surrender and despite repeated appeals, no response was given from terrorist's side and they refused to surrender. Also, the families of hiding terrorists were asked to make emotional appeal to terrorists but there was no response from their side. When the cordon teams were being positioned to target the terrorists, they hurled a grenade on the cordon team, which was effectively retaliated. The hiding terrorists were shuffling their positions from one room to another room of the concrete house. At this moment, one terrorist was noticed moving alongwith AK like weapon in the targeted area. The hiding terrorists started indiscriminate firing from all around to break the cordon and make their escape good.

This indiscriminate firing from terrorist's side was proving very fatal especially for the aforesaid parties who came under heavy volume of their fire. However, these parties did not lose their concentration and continued retaliation without caring for their lives. Despite this deadly indiscriminate firing from terrorist's side, SP Iftkhar Talib alongwith DySP Mohd Ashrif and his team bravely retaliated the terrorists' fire from the front without caring for their lives. During minute search, bodies of both the eliminated terrorists were retrieved alongwith their weapons and ammunition, who were later-on identified as Raja Basit Yaqoob Najar S/o Mohammad Yaqoob Najar R/o Achan, Pulwama (Category "C" of LeT outfit) and Sajad Ahmad Chek S/o Bashir Ahmad Chek R/o Braripora, Shopian (Category "C" of LeT outfit). Arms/ ammunition was also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 301/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 18, 19 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Shopian.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by SP Iftkhar Talib, HC Ravees Ahmad, HC Javed Iqbal and SgCt. Showkat Ahmad Ganai, who fought with terrorists efficiently and intelligently without caring for their precious lives; was remarkable as the endeavour to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant. They evacuated the civilians trapped in the cordoned area thus evading civil casualties by presence of mind and good policing.

In this operation, S/Shri Iftkhar Talib, Superintendent of Police, Ravees Ahmad, Head Constable, Javed Iqbal, Head Constable and Showkat Ahmad Ganai, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 25/12/2021.

(File No. 11020/137/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 125—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Raja Majid Batt	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Zahoor Ahmad Wani	Head Constable	GM
3.	Mohd Shafi Dar	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25.02.2022 at about 1100 hrs, Police Shopian received a credible input about the presence of some terrorists in village Amshipora, Shopian who were in a process of carrying out major terror activities in the area to threaten the general public.

On this, Shopian Police launched a joint operation with Kulgam Police in collaboration with 44 RR, 14th Bn. CRPF and while establishing initial cordon, it was decided that civilians who were inside the village should be safely taken out from the inner cordon without getting panic or situation gets worsened. A team of Shopian/Kulgam Police in collaboration with 44 RR and 14 Bn. CRPF headed by SSP Amritpal Singh including DySP Raja Majid Batt, HC Zahoor Ahmad Wani, HC Mohd Shafi Dar & others, were formed to start the search of target area. However, all the occupants of the said village have initially denied the presence of terrorists. But during the spot interrogation of one occupant who was found a bit nervous, on little bit of coercing; he confirmed about the presence of two suspected terrorists in a cowshed belonging to Shakeel Ahmad Khan S/o Ab. Rahim Khan R/o Amshipora Shopian.

Afterwards Police teams headed by SSP Kulgam were formed for final assault to eliminate the holed-up terrorists. Before launching final assault, besieged terrorists were asked to surrender which they declined and instead opened heavy fire and grenade towards security forces. At this moment, one terrorist was noticed moving alongwith AK like weapon in the targeted area. Seeing his movement, few probing shots were fired by DySP Mohd Ashrif and his team which was retaliated by the terrorists. During firing, the terrorists tried to flee from the targeted area, their escape movement was clearly visible and seeing movement of terrorists, SSP Kulgam and his team fired heavily on the terrorists in self-defence in which terrorists got injured and failed to flee away from the cowshed.

The terrorists started indiscriminate firing from all around to break the cordon of Police/Security forces. During the fierce fire fight, two troops of 44th RR namely Sepoy Hanamant Dhareppa Ayat and Sepoy Lakashmi Narayana and one civilian namely Shakeel Ahmad Khan S/o Abdul Rahim Khan R/o Amshipora Shopian got injured in the said operation. All the injured persons were taken to hospital for medical treatment and later on, injured civilian succumbed to his injuries. However, the deployed forces did not lose their concentration retaliated the terrorist's fire without caring for their lives. Despite this deadly indiscriminate firing from terrorist's side, Shri Mohd Ashrif, DySP PC Imamsahib and his team bravely managed and retaliated to the terrorists fire from the front without caring for their lives. As the firing was very heavy, terrorists in their last fight stood up in desperation and as soon as they disclosed their position in front of cowshed, daredevil of SSP Kulgam and his team rained the bullets from three sides on the terrorists and in the firing two terrorists were neutralized. Search was done in which dead bodies of two killed terrorists alongwith their weapons were recovered and were later on identified as Muzamil Ahmad Mir @ Faizan S/o Abdul Hamid Mir R/o Chatripora Shopian (Category "C" of LeT outfit) and Sharik Ayoub Wagay S/o Mohammad Ayoub Wagay R/o Amshipora Shopian (Category "C" of LeT outfit). Arms/ammunition was also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 06/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 18 & 20 ULA (P) Act, 3/5 Exp. Subs. Act stands registered in P/S Heerpora for further investigation.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by DySP Raja Majid Batt, HC Zahoor Ahmad Wani, HC Mohd Shafi Dar who fought with terrorists efficiently and intelligently without caring for their precious lives, was remarkable as the endeavour to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant. However, they without losing their concentration and in good application of mind fought bravely and foiled their nefarious design.

In this operation, S/Shri Raja Majid Batt, Deputy Superintendent of Police, Zahoor Ahmad Wani, Head Constable and Mohd Shafi Dar, Head Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 25/02/2022.

(File No. 11020/142/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 126—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Zahoor Ahmad	Assistant Sub Inspector	GM
2.	Shamim Ahmad Kooli	SgCT	GM
3.	Sajad Hussain Malik	SgCT	GM
4.	Bashir Ahmad	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11.03.2022 during evening hours, Police Pulwama has generated specific information about the presence of terrorists in village Chewa Kalan, Pulwama who were planning strategies to carry out terror actions in the area to cause damage to forces and to develop panic among general public. Accordingly, the information was shared with 50 RR and CRPF 182/183 Bn and after threadbare discussion about the terrain of said village, it was decided to launch a joint cordon of the suspected area in the said village. After zeroing the suspected area strongly, the operational commander SSP Pulwama detailed a Police party including ASI Zahoor Ahmad Wani, SgCt. Shamim Ahmad Kooli, SgCt. Akthar Ali, Ct. Zulkarnain Ali, SPO Shahi John, SPO Javeed Ahmad Teli and SPO Shahid Manzoor Mir under the command of Addl. SP Tanweer Ahmad Dar alongwith QRT's of 50 RR and 182/183 Bns. CRPF for conducting searches in the target area. During search process, the joint Police/SF team has confirmed presence of terrorists in a local Darasgah (Darul-Uloom).

Upon this, the deployed forces were briefed to be alert; however, they were briefed to take proper care of the religious Institution (Darasgah) while fighting with terrorists. While strengthening the cordon around the said Darasgah, terrorists hiding in it open indiscriminate firing upon troops with the intention to kill them and tried to escape from the spot as a result of which one civilian got injured who was immediately evacuated from the encounter site and hospitalized. Since the operation was launched during the night hours and there was every apprehension of human casualties, as such it was decided to evacuate the civilian people from the security holdup area to safer places. Thereafter, two dedicated joint teams of Police, Army & CRPF were constituted and deployed at very key locations to fight with terrorists dedicatedly and to neutralize them.

One party headed by Addl. SP Tanweer Ahmad Dar assisted by ASI Zahoor Ahmad, SgCt. Shamim Ahmad Kooli, SgCt. Sajad Hussain Malik, SgCt. Bashir Ahmad, SgCt. Akhtar Ali, Ct. Zulkarnain Ali, SPO Shahi John, SPO Javeed Ahmad Teli, SPO Shahid Manzoor Mir and QRT's of 50 RR & 182/183 Bn CRPF; has been directed to take position in backside of the target location and the 2nd party headed by DySP Saqib Ghani has been deployed on front side (inner cordon) to fight the terrorists.

After successful evacuation of the civilians and plugging off all the possible escaping routes and interior pathways, the hiding terrorists were asked to lay down their arms before the forces but they denied and opened indiscriminate firing upon the troops with the intention to kill them and tried to escape from the backside, however the joint party headed by Addl. SP Tanweer Ahmad Dar deployed in the area immediately came into action and retaliated the terrorist fire with dedication and gunned down one terrorist. Upon this, another terrorist turned back and tried to run away from front side of the target house, however, the 2nd joint party under the command of DySP Saqib Ghani taking position in the area fought bravely from the front and neutralized the said terrorist also.

During searches two dead bodies of terrorists and some arms/ammunition has been recovered from the encounter site. The killed terrorists have been later on identified as @ Kamaal Bhai (FT, A-category) R/o Pakistan and Aqib Mushtaq Bhat @ Zulkarnain @ Toib (B-category) S/o Mushtaq Ahmad Bhat R/o Karimabad Pulwama, both JeM outfit. Good quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 50/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 18, 19, 20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Pulwama for further investigation.

In this operation, S/Shri Zahoor Ahmad, Assistant Sub Inspector, Shamim Ahmad Kooli, SgCT, Sajad Hussain Malik, SgCT and Bashir Ahmad, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 11/03/2022.

(File No. 11020/143/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 127—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Rayees Ahmad Ganie	SgCT	GM
2.	Ummar Majid Mir	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02.02.2022, Police Shopian generated a specific input about the presence of terrorists in orchard area of Nadigam-Nowpora, Shopian. The village Nadigam which has been very vulnerable from terrorism point of view owing to its topography, dense orchards, support base to terrorists, as such, conducting of operation in the area was a daunting task for the Police/Security forces. The input was promptly shared with CO 34 RR and Commandant 178 Bn CRPF and after thorough deliberation; a joint CASO was launched in the target area to flush out the hiding terrorists.

Accordingly, as per the discussed plan; joint teams of 178 Bn. CRPF, 34 RR and Police Shopian quickly laid the cordon under the overall command of Shri Amritpal Singh, IPS, SSP Shopian. As the orchard area was quite bigger and covered with heavy snowfall, it was decided to flow the drone in between orchard area of Nadigam-Nowpora village to find out the suspected hideout. During the drone monitoring, a suspected hideout was noticed in the orchard area. The hole of the hideout was open and an iron door was seen over the hideout. Immediately, all the joint teams were alerted and area was sealed to tight the inner cordon. Joint troops of Police Shopian including SgCt. Rayees Ahmad Ganie, Ct. Ummar Majid Mir & others, Army 34 RR and 178th Bn. CRPF, were ordered to enter into orchard area from all directions and advance as per the plan discussed.

As the joint forces were advancing towards the suspected hideout, terrorists sensing the movement of security forces resorted indiscriminate firing on the initial joint cordon party from good distance and run towards Nadigam adjoining village. At this juncture, an appeal was made to terrorists for surrender, but they refused and instead geared-up his speed with firing. As the orchard was congested with apple trees and covered with heavy snow, the joint cordon teams advanced tactically towards suspected hideout with speed. The fleeing terrorist kept on firing on the joint forces. Finding the distance is getting very close, the suspected terrorist heavily fired on the aforesaid joint team who were trying to approach him. At this time, the joint team came under heavy fire of suspected terrorist. Despite this attack, the joint team did not lose their concentration and continued to advance. This was the deadly attempt taken by the terrorist which showed that he was highly trained to operate the weapon during running position in snowy ground and adverse situation. As the terrorist was visual with sophisticated weapon and was firing on the joint operational party. In retaliation and using operational skills, joint party of Police Shopian, 34 RR & 178th Bn CRPF fired in self-defense. It was impossible to advance with iron shield as ground was covered with heavy snow. The joint operational team comprising of DySP Raja Majid Batt, DySP Mohd Ashrif, HC Ayaz Ahmad, SgCt. Shahbaz Ahmad, SgCt Rayees Ahmad Ganie, Ct. Mohd Yaseen, SPO Ishfaq Majeed & SPO Mohd Shafi rained the bullets together on the fleeing terrorist and neutralized him in their first thrust of retaliation.

Though, there was no fire from either side after this exchange of fire but there were possibilities of one missing suspected terrorist in the cordoned area. Accordingly, a joint search of SFs was initiated to find the other terrorist hiding in cordon. An extensive search was carried out by the joint troops but despite combing the cordoned area, nothing was found. Then the body of neutralized terrorist was retrieved from encounter site and was identified as Umar Ishfaq Malik S/o Ab Ahad Malik R/o Bungam, Shopian. The slain terrorist was functioning as District Commander of Hizbul Mujahideen Terrorist outfit and was involved in various terror related incidents. With his elimination, the terrorist network within South Kashmir in general and in District Shopian in particular has suffered a major setback. Arms/ammunition was also recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 01/2022 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Imamsahib for further investigation.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by SgCt. Rayees Ahmad Ganie and Ct. Ummar Majid Mir while fighting the terrorist without caring for their lives was remarkable as the endeavor to reach to the target in extremely hostile situation was truly Gallant. Although, the terrorist tried his best to cause damage the forces by resorting to indiscriminate firing in which all they had a very narrow escape. However, they without losing their concentration, fought bravely and foiled his nefarious design.

In this operation, S/Shri Rayees Ahmad Ganie, SgCT and Ummar Majid Mir, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 02/02/2022.

(File No. 11020/144/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 128—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Mohd Ameen Bhat	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Zia-Ur- Rehman	Inspector	GM
3.	Gh. Hassan Mir	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 09.03.2021, Shri Mohammad Ameen Bhat, DySP, Sopore received specific information through human source regarding presence of terrorist Commander of Al-badr outfit in a residential house at Kanipora Tujjer. Accordingly, DySP Mohd Ameen Bhat alongwith his escort personnel did recce of the area to identify the target house and its adjacent area and the routes approaching the target house in a Civil Vehicle. After identification of target house, two QRTs of Police Component Sopore headed by Insp. Zia-ur-Rehman and Insp. Ishfaq Ahmad respectively, one QRT of PC Wadura headed by Insp. Parveen Kumar and one QRT of P/S Bomai headed by Insp. Imtiyaz Ahmad SHO P/S Bomai; immediately called to P/S Bomai where whole planning for execution of the operation was made and accordingly the suspected area and the target house was cordoned off immediately.

As per the information of human source, the terrorist had to stay in the residential house only for half an hour. All the entry and exit routes were plugged off to ensure that the terrorist does not escape from the spot. During the process of cordon, the suspicious movement was observed in the already identified target house by the QRT headed by DySP (OPS) Sopore and accordingly the information was immediately passed to all other QRTs engaged in the operation. After sometime, the holed-up terrorist came out from the residential house and fired indiscriminately upon the QRT headed by DySP (OPS) Sopore and in the initial exchange of firing he got injured, however he despite being injured ran and managed his entry in to another complex in the vicinity.

Since some 10-12 houses were inside the cordon and the inmates of these houses were trapped in their respective houses and there were imminent chances of civil causality if the last and final assault is carried out on the very movement. So, in order to avert the civilian causality; the QRTs were put to task to evacuate the civilians first and in the endeavor; all the trapped civilians at least from 10-12 houses were evacuated to the safe places. After complete evacuation of trapped civilians, the cordon was more tightened by resealing all entry and exist routs, the holed-up terrorist was challenged to surrender but he instantly turned down the request and fired indiscriminately upon the searching parties which was retaliated immediately and effectively retaliated leading to a brief encounter. In the encounter one terrorist of Al-Badr outfit who was lateron identified as Chief Commander namely Abdul Gani Khawaja @ Skinder @ Qari Jaleel S/o Mohd Mukhtar Khawaja R/o Kralgund, Handwara got killed. Huge quantity of arms/ammunitions was recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 11/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act stands registered in P/S Bomai. The slain was a hardcore terrorist and since long had unleashed a reign of terror among the general people especially Political activists in the jurisdiction of Police District Sopore and Handwara by way of killing innocent civilians and was involved in a number of terror actions on security forces and Police.

It was conspicuous bravery, professionalism and leadership qualities exhibited by DySP Mohd Ameen Bhat, Insp. Zia-ur-Rehman and Ct. Gh. Hassan Mir, in the instant operation and their contribution is praiseworthy and gallant by all means. This is because of their matchless contribution that one hardcore terrorist commander got eliminated without any collateral damage.

In this operation, S/Shri Mohd Ameen Bhat, Deputy Superintendent of Police, Zia-Ur- Rehman, Inspector and Gh. Hassan Mir, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 09/03/2021.

(File No. 11020/170/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 129—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Ms. Mamta Sharma	Superintendent of Police	GM

2.	Arjun Magotra	Inspector	GM
3.	Maresh Chander	SgCT	GM
4.	Sukhdev Singh	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the intervening night of 21/22.04.2022, on the basis of credible input regarding presence of two/three Fidayeen Pak terrorists of Jaish-e-Mohammad (JeM) terrorist organization in Sunjwan, Jammu area; SP PC Jammu and SSP Jammu planned the operation and zeroed in the target area and planned to cordon the suspected Mohalla i.e., Green Valley, Gaziabad, Sunjwan and its adjoining area. Inputs suggested that these terrorists are specifically tasked to strike the high value targets and disrupt the upcoming VVIP visit in Jammu.

After proper lying of the cordon, search operation was launched in the area to make sure that the civilians are safe without letting the terrorists to break the cordon and flee away. During search at about 0335 hrs, the terrorists doubted that they are trapped by the security forces and to show their presence with the intent to create terror by killing the security officials, they launched grenade attack on the BP Bunker of SOG Jammu and one Gypsy of police and fired indiscriminately on the troops deployed on the ground. During the heavy exchange of fire from both side, one officer of CISF got martyred on spot and HC Balraj Singh & SPO Sahil Kumar Sharma, got injured. Sensing the gravity of the situation, Inspr Nayat Ali assisted by PSI Mohamad Younis Khanday without caring of their own safety, braved the bullets and reached to the location of martyred ASI and evacuated his body. The injured jawans HC Balraj Singh and SPO Sahil Kumar Sharma who were also lying in the pool of blood at the encounter site, were evacuated after very hectic efforts by Inspr. Sudhir Sharma and Inspr. Jai Paul Sharma. The rescue team showed great courage and bravery in rescuing the injured jawans by braving all the bullets. The timely brave action by the rescuing officers was instrumental in saving the precious life of the injured jawans.

Immediately after evacuation of injured, striking teams were formed. One was led by Naresh Singh, SP PC Jammu assisted by DySP Ops Javed Ahmed, DySP Ops Vaseem Mehmood, Inspr. Pawan Singh, Inspr. Arjun Magotra and other officials of SOG Jammu, 2nd striking Team was led by SSP Jammu Chandan Kohli assisted by SP Mamta Sharma, Inspr Sameer Jelani, ASI Balbir Singh, other officials of district police and also by officials of CRPF and 9 PARA special force.

In retaliation to the firing of the terrorists, the striking teams counter fired at the terrorists and encounter started and firing continued for some time from both the sides. The terrorists were well trained and were carrying huge number of arms & ammunitions including IEDs and Grenades. One of the striking teams when fired on the terrorists from high terrain, they took the advantage of darkness and run towards an empty house and took shelter in it. The other striking teams cordoned that particular house from all sides to foil the plan of terrorists to cause maximum damage to the security forces.

Both the striking teams were located very close to the house where the terrorists were hiding and were in the firing range of terrorists but despite this, the officers/officials displayed utmost courage and bravery in holding their positions and retaliated the fire of the terrorists. Both the striking teams were fired upon by the hiding terrorists very heavily with automatic weapons, UBGL Grenades as they were desperate and trying to break the cordon and escape from the encounter site but both the striking teams retaliated professionally and fight very bravely and tactically.

ADGP Jammu, Mukesh Singh, IPS and DIG Jammu Kathua Samba Range, Vivek Gupta, IPS were supervising the operation at the encounter site and coordinating /leading the troops for achieving the desired results without any collateral damage and had given sufficient opportunity to terrorists to surrender and made repeated announcements but the terrorists were fidayeens, hardcore and highly trained Foreign Terrorists. By this time, it was clear that these terrorists were completely radicalized and have been tasked to carry out fidayeen attack. The striking teams kept on retaliated the fire of the terrorists during the night and hold their position till first light in the morning and ensured that terrorist could not break the cordon of the security force.

Finally, the striking teams led by Naresh Singh, SP PC Jammu, Chandan Kohli IPS, SSP Jammu assisted by CRPF and 9 PARA carried out the operation to eliminate the terrorists. They were hiding inside the small bathroom which was separate from the main house. The terrorists kept on repeatedly firing from inside the bathroom on police party but the Police party did not let them escape and kept them contained and engaged inside the bathroom only. The terrorist immediately started firing with UBGL and also throw grenades on the vehicle of SP PC Jammu Naresh Singh and the officer had narrow escape. Some of the Armor-Piercing (AP) bullets also passed through the BP Gypsy which was just behind the vehicle of SP PC Jammu but both the striking parties' one led by SP PC Jammu and second by SSP Jammu retaliated with full force and subsequently they were successful in eliminating two terrorists.

The operation continued for seven hours and all the hiding terrorists were eliminated in the said operation. During search, two dead bodies of unidentified terrorists were recovered from the room alongwith huge quantity of Arms & Ammunitions. Accordingly, Case FIR No. 715/2022 UIS 302,307,332,120-8, 121- A, IPC, 7 127 I.A.Act, 16,18 & 20 The Unlawful Activities (Prevention) Act, 1957 stands registered in P/S Bahu Fort, Jammu for further investigation.

The whole operation was conducted without an iota of collateral damage only because of the outstanding command and control exercised by operational teams conjugated with the display of the rarest of the rare bravery and extreme devotion to the duty by them. The members of the operational teams generally and especially Smt. Mamta Sharma, SP South Jammu,

Insp. Arjun Magotra, SgCt Mahesh Chander and Constable Sukhdev Singh saved JK UT from extreme danger of terror attack as the eliminated terrorists were fidayeens (A++ category).

In this operation, Ms. Mamta Sharma, Superintendent of Police, S/Shri Arjun Magotra, Inspector, Mahesh Chander, SgCT and Sukhdev Singh, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 22/04/2022.

(File No. 11020/24/2023-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 130—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to GM to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Raja Majid Batt	Deputy Superintendent of Police	1st Bar to GM
2.	Khurshid Ahmed	Head Constable	GM
3.	Shabaz Ahmad Ganai	SgCT	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10.10.2023, Shopian Police received a specific intelligence input regarding the presence of terrorists of proscribed LeT outfit in village Alishipora under the jurisdiction of P/S Zainapora. As per input, terrorists were in process to carry out major terror activities in the area to threaten the general public. On this, Police Shopian launched an operation in collaboration with 44 RR & CRPF 178th Bn. under the overall supervision of SSP Tanushree, IPS including DySP Raja Majid Batt and his team consisting of HC Khurshid Ahmed, SgCt Shabaz Ahmad Ganai & others alongwith QRTs of 44 RR & CRPF 178th Bn and moved towards the target area and laid initial cordon.

During the spot interrogation of a few occupants, one was found a bit nervous; who confirmed presence of two suspected terrorists in the residential house No.12-B at Alishipora. The drone service was used to locate the exact positions of hidden terrorists and 02 hidden terrorists were seen at doorstep of house No.12-B. After getting confirmation of hiding terrorists in the targeted house and to avoid any untoward incident, targeted house was covered from different directions. Initially, teams consisting of aforesaid police personnel and QRTs of 44 RR & CRPF 178th Bn. were formed to start the search of target area to ensure that terrorists could not escape. During search operation, target area was pinpointed/ zeroed by the searching teams.

In the meantime, terrorists hiding in the house sensing the movement of operational parties opened indiscriminate fire upon the searching parties from House No. 2-B with intention to kill them. The search parties immediately took cover and retaliated with courage triggering a fierce gunfight between the terrorists and search parties. However, it was noticed that some civilians have trapped in the cordon area. It was decided to ensure their evacuation to safe place to prevent any collateral damage. The search party of DySP Raja Majid Batt took the responsibility of evacuation of trapped civilians and moved them to safer locations.

Afterwards, Police teams headed by DySP Javeed Ahmad were formed for final assault to eliminate the holed-up terrorists. Before launching final assault, besieged terrorists were asked to surrender, which they declined and instead opened heavy volume of fire and grenade lobbing towards Police/security forces.

At this moment, terrorists tried to sneak from target house towards the dense forest but they had no way to escape. The dejected terrorists find no option being surrounded by Police/SFs from all sides, decided to challenge the team. One of the terrorists haphazardly ran from target house while firing indiscriminately with AK series Rifle towards the South East. The terrorist was visual with sophisticated weapon indiscriminately firing on teams of Police/SFs. DySP Javeed Ahmad ordered his team to fire together and rained the bullets on the terrorist who was resultantly neutralized. Another terrorist got bullet injures and he hid himself and again tried to flee by crawling from cordon. But as the terrorist disclosed his position, he got trapped in the firing of Police/ SFs deployed in Darasgah (firebase) and the team lead by DySP Raja Majid Batt and his team alongwith QRTs of 44 RR & CRPF 178th Bn fired heavily upon the terrorist and neutralized him just ahead of 30-40 meters of target house.

Afterwards, the joint teams carried out thorough search with due precautions to check any other hiding terrorist. However, only the bodies of two terrorists along with sophisticated weapons were recovered. The eliminated terrorists were later on identified as Marifat Maqbool Mugloo S/o Mohd Maqbool Mugloo R/o Chiegunnd Keegam, Shopian and Jazim Farooq @ Abrar S/o Farooq Ahmad Wani R/o Shirmal Zainapora Shopian (both "B" Category of LeT outfit). Arms/ammunition was

also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 83/2023 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act and 16 UA(P) Act stands registered in P/S Zainapora for further investigation.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by DySP Raja Majid Batt, HC Khurshid Ahmed and SgCt Shabaz Ahmad Ganai who fought with terrorists efficiently and intelligently without caring for their lives was remarkable as the endeavour to reach to the target in an extremely hostile situation was truly Gallant. Although, the terrorists tried their outmost to cause damage the deployed forces by resorting to indiscriminate firing in which they had a very narrow escape. However, they without losing their concentration and in good application of mind fought bravely.

In this operation, S/Shri Raja Majid Batt, Deputy Superintendent of Police, Khurshid Ahmed, Head Constable and Shabaz Ahmad Ganai, SgCT of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 10/10/2023.

(File No. 11020/114/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 131—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to GM to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Sarfaraz Bashir Ganai	Deputy Superintendent of Police	1st Bar to GM
2.	Fayaz Ahmad	Head Constable	GM
3.	Basharat Ahmad Ganie	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19.07.2023, a credible information was received from own source regarding the presence of terrorists in village Khaki Patch Machil area of P/S Kupwara. The information without delay was shared with army authorities and plan was devised with Army 14 Dogra Regiment and BSF 140 Bn to launch joint operation under the supervision of SSP Kupwara.

After devising a plan, suspected area was taken into cordon, divided the police and army/BSF in multiple columns and the parties so made positioned themselves accordingly and slowly started zeroing towards the targeted area. As the party led by Addl. SP Farhat Jeelani assisted by DySP Sarfaraz Bashir Ganai, and HC Fayaz Ahmad was approaching towards the suspected target, it came under heavy volume of fire from terrorists hiding behind the bushes in the forests. While holding the position, the column led by Addl.SP Farhat Jeelani assisted by DySP Sarfaraz Bashir Ganai, and HC Fayaz Ahmad charged towards hiding terrorists, displaying raw coverage, neutralized one terrorist at very close range with the assistance from other search parties who did not allow the terrorists to take any advantage till the said party neutralized the terrorist.

Meanwhile, the other party led by DySP Ajaz Ahmad, DySP PC-Kupwara assisted by Const. Basharat Ahmad Ganai and Const. Shabir Ahmad Dar succeeded in locating another terrorist and without caring for their lives, exhibiting utmost gallant action, killed the 2nd terrorist after a heavy fire fight. It was due to display of exemplary leadership, raw courage and true spirit of service of the above-mentioned Police officers and officials that led to the elimination of two unidentified foreign terrorists. Arms/ ammunition was also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 178/2023 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 13, 16 & 23 ULA(P) Act stands registered in P/S Kupwara for further investigation.

In the entire operation DySP Sarfaraz Bashir Ganai, HC Fayaz Ahmad and Const. Basharat Ahmad Ganai exhibited extreme professionalism coupled with raw courage and true spirit of service, who fought bravely without caring for their lives to reach to the target in extremely hostile conditions. Although the terrorists tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which they had a very narrow escape, however, they without losing their concentration and unmindful of their safety fought bravely which led to neutralization of these 02 dreaded foreign terrorists.

In this operation, S/Shri Sarfaraz Bashir Ganai, Deputy Superintendent of Police, Fayaz Ahmad, Head Constable and Basharat Ahmad Ganie, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 19/07/2023.

(File No. 11020/99/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 132—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Hilal Khaliq Bhat	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Javid Ahmad Shah	Head Constable	GM
3.	Rayaz Ahmad Wani	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

During the intervening night of 27/28.02.2023, Police Awantipora received specific information regarding the presence/movement of terrorists in village Padgampora, Awantipora who were conspiring to commit terror act in the area. Upon confirmation of input, the operation was planned and coordinated with 55 RR & 130 Bn CRPF for cordon and search. The information was also shared with DIG SKR Anantnag.

As per evolved strategy, the composite party of Police Awantipora, Army 55 RR and CRPF 130 Bn approached the target area by adopting the unconventional treacherous routes maintaining high level of surprise till gap free cordon get established. After laying & strengthening the cordon, the steps for search of terrorists in the target area was started by the joint team of Police Awantipora led by SSP Ajaz Ahmed alongwith DySP Hilal Khaliq Bhat, HC Javid Ahmad Shah, Ct Rayaz Ahmad Wani & others with Army 55 RR & CRPF 130 Bn.

When one of the search parties entered Jamia Masjid, they came under heavy volume of fire from the first floor of Jamia Masjid. The fire was immediately retaliated by the search party. In the heavy volume of exchange of fire, one terrorist got hit and fell down whereas the other managed to escape to one of the nearby residential houses.

During ensuing gun battle, two army Jawans of 55 RR sustained grievous bullet injuries, who were immediately shifted to 92 Base Hospital Srinagar. Among them, one Army Jawan Naik Pawan Kumar succumbed to his injuries and attained martyrdom whereas other Army Jawan namely Heam Raj was under treatment and was later stable.

In view of darkness and chilling cold, it was very tough for security forces to ensure safety of every one and the evacuation of injured soldiers was a great challenge amidst the on-going firing. Police, Army 55 RR and CRPF 130 Bn carried out thorough search of the Jamia Masjid in which dead body of one terrorist namely Aqib Mushtaq Ahmad Bhat R/o Malangpora Pulwama was recovered. He was "A" category terrorist of HM/TRF outfit.

Since the terrorists were hiding in the Jamia Masjid, there was every apprehension of eruption of law & order problem and in order to thwart any such attempt, the deployment of Police Awantipora alongwith major chunk of CRPF 130 Bn under the command of DySP Mumtaz Ali and counterpart of CRPF was strategically made at the Padgampora-Malangpora axis near the encounter site, whereas Insp. Younis Khan alongwith CRPF contingent was placed in law & order mode on the rear side of the mosque/ Mohalla so as to sterile the target area from any kind of extrinsic interference which otherwise could have disrupted to carry out the anti- terrorist operation successfully.

The other terrorist, however, took shelter in a nearby residential house in the garb of darkness and earlier cover fire provided by killed terrorist. The dare devil task was conducted by joint team of Police Awantipora, Army 55 RR and CRPF 130th Bn spearheaded by DIG SKR Anantnag amid the shower of fire from the terrorist. The evacuation of civilians was ensured from the encounter side by party of Police component Awantipora led by DySP Hilal Khaliq Bhat with the help of cover fire provided by Police component Awantipora & CRPF 130th Bn. After a brief lull, a quad-copter was pressed into service by Army 55 RR to know condition of the terrorist. Images captured by the quad-copter suggested that the terrorist was presumably neutralized. This exchange of firing with hold up terrorist continued till afternoon on 28.02.2023. The neutralized terrorist was identified as Aijaz Ahmad Bhat S/o Gh. Mohammad Bhat R/o Teli Mohalla Syedabad Aripal Tral. He was affiliated with JeM terrorist outfit (Category "C"). Arms/ammunition was also recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 28/2023 U/S 307, 302, 326 IPC, 7/27 I.A.Act, 13, 16, 18, 19, 23, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Awantipora for further investigation.

In the entire operation, DySP Hilal Khaliq Bhat, HC Javid Ahmad Shah and Ct Rayaz Ahmad Wani were oblivious to imminent danger but had played a conspicuous role of bravery, courage, rare tactical acumen and exemplary joint membership, unparalleled courage and selfless devotion to duty which led to the successful neutralization of two dreaded terrorists.

In this operation, S/Shri Hilal Khaliq Bhat, Deputy Superintendent of Police, Javid Ahmad Shah, Head Constable and Rayaz Ahmad Wani, Constable of Jammu & Kashmir Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 27/02/2023.

(File No. 11020/100/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 133—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jharkhand Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Vinay Kumar	Sub Inspector	GM
2.	Pramod Kumar Rai	Head Constable	GM
3.	Ved Prakash Mahto	Constable	GM
4.	Ramchandra Kumar Mahto	Constable	GM
5.	Krishna Murmu	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

JJMP is a banned extremist group which is active in many districts of Jharkhand state. They are notorious for creating atmosphere of terror and causing hindrance in developmental works specifically in remote areas. On receiving the input about presence of armed cadre of JJMP in forest area of Jobe, Katia, and Ambatkar under PS Chhipadohar, an ops "Jobe" was planned consisting three teams which were assigned three different target areas. Team-1 under command of SI Vinay Kumar, OC Chhipadohar PS was assigned the Haratu-Jobe axis. The area in general, is hilly and covered with thick forest which provides very good cover from fire and this places extremist strategically to counter any action against them besides its extremely difficult for the security forces to operate in that area due to absence of proper road network that negates the easy availability of reinforcement in case of any emergency.

On 04.06.2108, team left for the target area "Jobe" which is surrounded by hill features from all sides. While searching, when the Police team reached near the target area from the Western hilly forest side they were fired upon heavily by the extremist group. Extremists, being on dominating position approx 40-45 in number, resorted to indiscriminate fire on advancing force personnel. Troops indomitable under vibrant leadership of SI Vinay Kumar carried out counter attack and neutralized one dreaded hard core JJMP Cadre namely Girvar Parahiya, S/o Chullrai Parahiya, Vil: Teorahi, PS: Manika. And Regular Rifle with magazine 01, Ammunition-270, Misfire round-14 TVS Bike-02, Mobile-05, Torch-01 were recovered. A small team which was detailed to monitor the body of extremist, was again fired upon by the extremists from the nearby hill feature, with the aim to take over the body and weapon. Since this team was in open and had no natural cover from fire and were in grave danger, SI Vinay Kumar exhibiting high level of professional acumen, leadership, dauntless courage and bold fighting spirit, led his men from front. He along with HC Pramod Kumar Rai, CT Ved Prakash Mahto, CT Ramchandra Kumar Mahto & CT Krishna Murmu formed a small team and moved in the line of fire fearlessly showing utter disregard to their personal safety and retaliated the naxal attack with vigour and compelled them to flee.

During the encounter HC Pramod Kumar Rai, CT Ved Prakash Mahto, CT Ramchandra Kumar Mahto & CT Krishna Miitmu followed the orders of his commander without any hesitation and fought with the extremists with extreme courage and vigor without caring for their life and kept moving in the direction of fire with great determination and dedication showing utter disregard to his personal-safety.

This highest Jeevi of gallant action, fighting spirit and fearless dedication to duty of SI Vinay Kumar HC Pramod Kumar Rai, CT Ved Prakash Mahto, CT Ramchandra Kumar Mahto & CT Krishna Murmu not only resulted into killing of one extremist but also, saved the men and material from any casualty or loss from the JJMP extremist group.

In this operation, S/Shri Vinay Kumar, Sub Inspector, Pramod Kumar Rai, Head Constable, Ved Prakash Mahto, Constable, Ramchandra Kumar Mahto, Constable and Krishna Murmu, Constable of Jharkhand Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 04/06/2018.

(File No. 11020/66/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 134—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and GM, posthumously to the under mentioned personnel of Maharashtra Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Netaji Sukhdev Bandgar	Assistant Police Inspector	GM
2.	Manohar Kotla Mahaka	Assistant Police Sub Inspector	GM
3.	Manohar Lachma Pendam	Head Constable	GM
4.	Prakash Ishwar Kannake	Police Constable	GM
5.	Atul Satyanarayan Yegolpawar	Police Constable	GM
6.	Hidayat Saddulla Khan	Police Constable	GM
7.	Late Suresh Lingaji Telami	Police Constable	GM (Posthumous)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 03/05/2017, personnel of the Ishwar Gota Party (C-60 commandos); personnel of AOP Kothi and CRPF personnel; had an encounter with the Naxals in Koparshi jungle. 3 personnel of the above-mentioned party were injured in the encounter and needed to be brought back from Kothi to Bhamragarh for medical treatment immediately. API Netaji Sukhdev Bandgar was ordered by the Superior officers to take 2 MPVs alongwith PSI Bhandvalkar and personnel of the Manohar Mahaka G-60 Party and do the needful. The aforementioned 3 injured personnel had been airlifted hence API Netaji Sukhdev Bandgar collected members of the Ishwar Gota party and he alongwith PSI Bhandvalkar and members of the Mahaka C-60 Party, started back from Kothi to Bhamragarh in the 2 MPVS. 2 KM before Karampalli on their return journey, the 2nd MPV was blown up by a powerful landmine planted by the Naxals. The severity of the blast can be ascertained from the fact that the MPV was thrown into the air and landed topsy turvy in the adjoining nallah. The blast trapped tire occupants of the MPV and grievously Injured APSI Manohar Kotla Mahaka, PC Suresh Telamai, HC Manohar Lachma Pendam, PC Prakash Ishwar Kannake, PC Atul Satyanarayan Yegolpawar and PC Hidayat Saddulla Khan. The Naxaites lying in ambush immediately opened indiscriminate and heavy gunfire on both the MPVs. API Netaji Sukhdev Bandgar, PSI Darade and personnel of Ishwar Gota Party alighted from the 1st MPV, took defensive positions and ordered the Naxals to stop firing, lay down their arms and to surrender to the police but to no avail. The Naxals were calling out to one another by names and were giving orders and instigating one another to kill the police and and snatch their arms and ammunitions. From this, It became clear that they were members of the banned CPI (Maoist) organization namely Bhamragarh LOS commander Dinesh, member Shilpa. Jivan, Praphakar, Permill LOS of Sainath, Nagesh, Madhuri, Jaishila and other 25-30 Naxalites.

API Netaji Sukhdev Bandgar, PSI Darade and member of the Ishwar Gofa Party then resorted to precise and controlled gunfire and ensured the safety of not only members of their MPV but also the safety and safe exit of the personnel who injured and trapped in the MPV which was blown up by the landmine. The combination of precise' and controlled gunfire and, effective use of under barrel grenades, broke the resolve of the Naxals and forced them to flee into the dense forest. The said encounter lasted for 35-40 minutes. In the subsequent combing operation, the police party could not find any articles, arms and ammunitions belonging to the Naxals.

It is pertinent to mentioned that this this was a deadly example of the dastardly Naxal strategy of blowing up of vehicles transporting personnel of the security forces. This strategy accords the Naxals with a dual advantage. Firstly, they have ample time to choose a spot, make preparations and lie in ambush and secondly an Injured and disoriented police party is a sitting duck as a target. But API Netaji Sukhdev Bandgar, APSI Manohar Kotla Mahaka, PC Suresh Telamai, HC Manohar Lachma Pendam, PC Prakash Ishwar Kannake, PC Atul Satyanarayan themselves from the indiscriminate and heavy naxal gunfire but also gave a befitting reply thereby quelling the perfectly planned and executed Naxal machination.

In this operation, S/Shri Netaji Sukhdev Bandgar, Assistant Police Inspector, Manohar Kotla Mahaka, Assistant Police Sub Inspector, Manohar Lachma Pendam, Head Constable, Prakash Ishwar Kannake, Police Constable, Atul Satyanarayan Yegolpawar, Police Constable, Hidayat Saddulla Khan, Police Constable and Late Suresh Lingaji Telami, Police Constable of Maharashtra Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 03/05/2017.

(File No. 11020/209/2023-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 135—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Odisha Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Amaresh Chandra Narendra	Sub Inspector	GM
2.	Jeetendra Kumar Nayak	Constable	GM
3.	Arjuna Mallick	OAPF	GM
4.	Youdhisthira Mallick	OAPF	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 03.02.2024, SP Kandhamal received a credible information regarding the movement of armed cadres of CPI (Maoist) in Pokharibandh RF near village Kakerkuppa (Kamerkia) under PS Baliguda. Since there is a Maoist practice to ambush security forces, an advance party comprising of SI Amaresh Chandra Narendra and six DVF commandos; was launched to conduct recce. After getting dropped, the commandos set on foot towards the target area. At about 07.40 PM, 100 meters from the South end of village Kakerkuppa (Kamerkia), Naxals began unprovoked heavy firing from their automatic weapons. The police team urged Naxals to surrender but without any success. Ct Jeetendra Kumar Nayak received a grievous gunshot injury on his left arm and to defend himself began firing from his right hand. SI Amaresh Chandra Narendra divided the party in two flanks to save Ct Jeetendra Kumar Nayak. SI Amaresh Chandra Narendra along with OAPF Youdhisthira Mallick in left flank retaliated heavily upon the enemies and advanced while OAPF Arjuna Mallick gave support fire from the right flank. The courageous commandos overpowered the Maoists in a daring close quarter battle. Despite gunshot injury, their bravery forced the numerically superior and tactically better placed Naxals to retreat. The successful operation led to the neutralization of one DVCM/DCM cadre Dasru@Lakma Mandavi of KKBN division of CPI (Maoist) on whom the Government of Odisha had declared a reward of rupees five lakhs.

In this operation, S/Shri Amaresh Chandra Narendra, Sub Inspector, Jeetendra Kumar Nayak, Constable, Arjuna Mallick, OAPF and Youdhisthira Mallick, OAPF of Odisha Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 03/02/2024.

(File No. 11020/11/2025-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 136—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Odisha Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Aswini Kumar Bagh	Havildar	GM
2.	Dambarudhar Bhoi	Commando	GM
3.	Nabin Kumar Sahu	Commando	GM
4.	Pradip Shrestha	Commando	GM
5.	Abhimanyu Majhi	Commando	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 08/05/2024, based on credible intelligence; SP Nabarangpur launched a search operation in the Hatigaon forest area under Raigarh police station of Nabarangpur district led by SI (Armed) Partha Sarathi Parida from SOG AT No-08. The operation involved 46 police personnel, including 22 SOG commandos from AT No-21. The team arrived at Hatigaon RF around 5:15 AM on 09/05/2024, positioning them 75-80 meters from the Maoist camp, which was estimated to have 10-12 members, including female cadres.

As per order, the total strength of SOG were divided into four groups comprising 12, 12, 11, 11 commandos respectively. Groups 2, 3, and 4 having 12, 11 and 11 commandos respectively; positioned at strategic points to act as cut-off parties under SI (Armed) Rajendra Choudhury. The remaining 12 commandos, including Parida, formed the assault team.

Thereafter the Maoists were asked in high pitch of tone to surrender but in vain. When the Maoists refused to surrender and began firing indiscriminately and the situation became critical.

A core assault group led by Hav. Aswini Kumar Bagh, along with Commandos Dambarudhar Bhoi, Nabin Kumar Sahu, Pradip Shrestha, and Abhimanyu Majhi crawled into position, despite the risk of severe injury or even death. They attempted to return fire from a covered position but faced heavy resistance. Commandos Dambarudhar Bhoi, Nabin Kumar Sahu showing exemplary fortitude followed by their team then exposed themselves briefly to inflict fatal injuries on one Maoist, despite sustaining splinter injuries and encountering grenade attacks.

Commando Kamalkant Harichandan, who was not part of the core assault team but was injured during the engagement along with other injured personnel, was treated after the operation. In the counterattack, Commandos Dambarudhar Bhoi, Nabin Kumar Sahu, Pradip Shrestha, and Abhimanyu Majhi under Hav. Aswini Kumar Bagh's leadership, managed to kill a Maoist cadre quickly, which caused the remaining Maoists to flee. The operation lasted about 30 minutes, resulting in the recovery of a Maoist body and weapons.

The deceased Maoist was identified as Akash @ Jaggu @ Sodi Muda, a 35- year-old S/o Sodi Bhima of village-Elmagunda, PS-Chintagufa, Dist.-Sukma, Chhattisgarh who was the ACM rank cadre of Udandi/Indagaon Area Committee under Dhamatari-Gariyaband-Nupada Division, with a significant criminal record and a reward of Rs. 4 Lakhs on his head. This successful operation represents a significant achievement for Nabarangpur's police force, delivering a substantial blow to the Maoist insurgency in the region and potentially improving security in this Maoist-affected district.

In this operation, S/Shri Aswini Kumar Bagh, Havildar, Dambarudhar Bhoi, Commando, Nabin Kumar Sahu, Commando, Pradip Shrestha, Commando and Abhimanyu Majhi, Commando of Odisha Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 09/05/2024.

(File No. 11020/13/2025-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 137—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Telangana Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Katravath Raju Naik	Police Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Shri Katravath Raju Naik, Police Constable, enlisted as a Police Constable in 2006, has displayed unwavering dedication and courage throughout his career. On 05.01.2023 at 03:15 hrs, a gruesome murder occurred on the ORR service road at Manchirevula, within the Narsingi Police Station limits. The assailants attacked and killed 26-year-old Seelam Kishore Kumar Reddy using a talwar, inflicting multiple injuries that caused his instant death. His associate, Pathloth Shivaraj, was also injured during the attack.

Earlier that night, at 02:20 hrs, PC Shri PV Jyothiram and driver HG Anjilaiah, while patrolling the ORR service road, encountered a group of transgenders near Manchirevula. One transgender, Niharika, revealed that two men had threatened them at knifepoint for sexual favors. When they spotted the police vehicle, the suspects fled toward Manchirevula. Although the police searched the area, they couldn't locate the suspects. However, the transgenders identified a locked Pulsar bike as belonging to the accused.

Niharika's well-wishers, Seelam Kishore Kumar Reddy and Pathloth Shivaraj, arrived to assist. The police advised them to file a complaint and sent them back on their scooter. While the police continued their patrol, they received a Dial 100 call at 03:26 hrs, reporting a quarrel on the Manchirevula service road. Upon reaching the spot, they found Kishore Reddy lying in a pool of blood and Shivaraj injured. Shivaraj explained that the suspects, whom they confronted, attacked them with a talwar, killing Kishore and injuring him before fleeing on his scooter.

The SOT Madhapur police, PC Katravath Raju Naik and PC Vijay Kumar, tracked down the accused, Sardar Chamkorthi @ Karan Singh, in Jagadgirigutta. During the arrest attempt, the accused launched a brutal attack, stabbing PC Katravath Raju Naik in the chest with the talwar. Despite collapsing, PC Katravath Raju Naik displayed remarkable bravery, got back on his feet, and overpowered the attacker. When PC Vijay Kumar tried to assist, Karan Singh inflicted a head injury on him. Still, PC Katravath Raju Naik managed to disarm the accused, pin him down, and apprehend him.

PC Katravath Raju Naik was rushed to Ram Dev Hospital and later shifted to Medicover Hospital, where he underwent intensive treatment for 18 days before recovering. His courageous efforts led to the capture of the notorious offender, Karan Singh and the recovery of the bloodstained pagidi and talwar used in the crime.

A case was registered against Karan Singh under Cr.No. 16/2023, U/s 307, 333 IPC, and Sec. 25(IB)(b) of the Arms Act, 1959, at Jagadgirigutta PS for attempting to murder PC Katravath Raju Naik and his colleague. The bravery exhibited by PC Katravath Raju Naik in subduing the dangerous criminal, despite life-threatening injuries, bravely overpowered the offender. His valorous act not only ensured justice but also serves as an inspiration to his peers.

In this operation, Shri Katravath Raju Naik, Police Constable of Telangana Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 05/01/2023.

(File No. 11020/181/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 138—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) and 1st Bar to GM to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Munish Pratap Singh Chauhan	Inspector	GM
2.	Aksaya Parveer Kumar Tyagi	Sub Inspector	GM
3.	Rajan Kumar	Constable	1st Bar to GM
4.	Mukesh Singh	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 07.07.2021, SI Aksaya Parveer Kumar Tyagi while going to office he came to know that Ajay @ Kalia resident of Rewari Haryana, wanted in dacoity cases of PS Naujheel, Mathura is going to Grater Noida to commit some criminal incident. On this tipoff, SI Aksaya Parveer Kumar Tyagi without losing any time, informing the senior officers, called his team comprising of Constables Rajan Kumar, Mukesh Singh etc. with Govt Vehicle. After discussion with SHO PS Sector 20 Noida on phone, he departed and reached under the Flyover of Sector 14 A, where SHO PS Sector 20 Munish Pratap Singh Chauhan was present. After planning the strategy, police force started checking. At about 12.10 PM, two persons were sighted coming on a blue Apache motorcycle from the Chilla Border. The informer confirmed them to be the same criminals. Seeing police checking, motorcycle riders turned to the left towards roundabout and drove motorcycle very fast. The police team chased the fleeing criminals. Seeing the police coming near, the criminals tried to escape leaving the main road and turned their bike on the northern track of the dirty drain. Due to a fallen tree on the track, the road became congested and motorcycle was slowed down. Meanwhile team reached neared the criminals. The criminals dropped their motorcycle at some distance from the fallen tree and opened firing at police personnel. One criminal was firing from a pit under the track while the other was running away firing. SI Aksaya Parveer Kumar Tyagi and Insp. Munish Pratap Singh Chauhan challenged the criminals aloud to surrender. In response, criminals became more furious and started firing. The bullets fired by the criminal's, hit vehicle of SHO PS Sector 20. The bullets fired by the criminals also hit SHO Munish Pratap Singh Chauhan, Constable Mukesh Singh and Constable Rajan Kumar. A bullet whizzed past the left ear of SI Aksaya Parveer Kumar Tyagi and he had a narrow escape and was saved tactically. Insp. Munish Pratap Singh Chauhan, SI Aksaya Parveer Kumar Tyagi, Constable Mukesh Singh and Constable Rajan Kumar without caring for their lives and taking the duty as supreme, displaying exemplary courage and bravery, fired in self-defence in controlled manner as a result of which one criminal fell down injured at about 12.20PM, who was identified as a dreaded criminal Ajay @ Kalia. He was sent to hospital for treatment where was declared as dead.

The reward of Rs. 1,00,000/- was announced by ADG of Police, Agra Zone, Rs. 50 thousand each by DIG of Police Aligarh Range and Haryana police.

One country made gun small barrel (Ponia) .315 bore, 18 live and 07. empty cartridges .315 bore, one country made gun small barrel (Ponia) 12 bore, 19 live and 02 empty cartridges, Apache motorcycle No, UP16BJ-6957,01 hammer, 02 axels, 14-pointed iron small rods, photocopy of adhar card in the name of Ajay were recovered.

In this operation, S/Shri Munish Pratap Singh Chauhan, Inspector, Aksaya Parveer Kumar Tyagi, Sub Inspector, Rajan Kumar, Constable and Mukesh Singh, Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 07/07/2021.

(File No. 11020/26/2025-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 139—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Deepak Kumar Singh	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Hemant Bhushan Singh	Inspector	GM
3.	Vinod Kumar	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Vinod Kumar Upadhyay of district Gorakhpur, a notorious criminal and synonym of terror was running his gang to carry out his criminal activities. He does not hesitate to kill those who did not pay him extortion money. About four dozen cases of murder, attempt to murder, extortion etc. were registered against him in districts Gorakhpur, Sant Kabir Nagar, Basti and Lucknow. He was carrying a bounty of Rs. 1,00,000/- announced by ADG of Police, Gorakhpur Zone for his arrest.

An STF team led by DySP Deepak Kumar Singh was collecting intelligence against this criminal. A tipoff was received on 04.01.2024 that Vinod Kumar Updhyay is about to go to district Sultanpur to commit some crime. Acting on the input, DySP Deepak with his team comprising of Inspector Hemant Bhushan Singh, HC Vinod Kumar and others chalked out plans to intercept him. The information was shared with SHO Kotwali Dehat, Sultanpur. Three teams led by DySP Deepak, Inspector Hemant and SHO Shyam Sunder were constituted. The team 'A' was positioned on right side of the high way leading to Lucknow while team 'B' on the left and team 'C' was positioned on the downhill side of the road leading to Hanuman Ganj. All the teams took their positions and waited. At around 03.20 AM, a Grey Swift Dezire car was seen coming from Lucknow side, which was confirmed as the car of Vinod Upadhyay by the informer. DySP Deepak attempted to stop the car but the driver sped away at high speed, turning towards the semi-finished by-pass road. STF team chased the criminal's fleeing car.

After a chase of about 2-3 km the car lost control and collided with the semi-finished cement boulder on the service lane. The driver quickly opened the door and tried to run away and took cover of earthen mounds lying nearby and threatened the Police. DySP Deepak with team got down from their vehicle and took position on the road. Insp. Hemant's team also took position. The criminal Vinod started indiscriminate firing at STF team from which DySP Deepak, Inspector Hemant and HC Vinod Kumar had a narrow escape. Taking advantage of the dense fog and darkness, Vinod Upadhyay fired intermittently from the cover of the earthen mound. He was repeatedly warned to surrender but he ignored all the warnings and kept on firing targeting the teams led by DySP Deepak and Inspector Hemant. In spite of the danger posed by bullets whizzing past them, DySP Deepak Kumar Singh, Insp. Hemant Bhushan Singh and HC Vinod Kumar, showing exemplary courage and bravery and using field craft, tried to outflank him, coming dangerously close. In view of the constant firing and finding no alternative to arrest the criminal, DySP Deepak Kumar Singh, Insp. Hemant Bhushan Singh showed exemplary courage and bravery and returned fire in the difficult situation. As a result of retaliatory firing the criminal was grievously wounded and stopped firing. He was thereafter cautiously approached and was sent to hospital to save his life where he succumbed.

One pistol 7.62mm with magazine and 03 live & 13 empty cartridges, one 9 mm stengun with magazine and 04 live & 02 empty cartridges and unnumbered Swift Dezire car were recovered.

In this operation, S/Shri Deepak Kumar Singh, Deputy Superintendent of Police, Hemant Bhushan Singh, Inspector and Vinod Kumar, Head Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 05/01/2024.

(File No. 11020/27/2025-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 140—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Pramod Kumar	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

In pursuit of operation launched against criminal tribe and nomadic gangs, the STF team was collecting intelligence. On 02.07.2020, an input was received that Bawaria gang of nomadic caste is going to commit sensational robbery in the night, after crossing the Jewar toll tax on Noida-Agra expressway by driving nails and puncturing tyres on the culvert between 45 to 55 Km.

STF team headed by SI Brahm Prakash rushed to the spot with team comprising HC Pramod Kumar and others equipped with necessary gadgets. The team contacted SHO Tappal Ashish Kumar Singh who was already patrolling on the expressway. STF team reached at Km 50 on the service road. The two teams - one from the force of STF and the other from the force of PS Tappal were constituted. The team of PS Tappal was sent to patrol on expressway. The STF team put on the security gadgets and started patrolling on service road.

After going about 03 Kilometers ahead at about 11.25 PM, two suspicious persons with two motorcycles were seen standing in light of vehicles at the underpass near Km No. 53. On being questioned, they started firing at STF team from the bushes in the east with the weapons held in their hands. The bullets fired by the criminals whizzed past next to the ears of Head Constable Pramod Kumar, from which he had a narrow escape. HC Pramod Kumar putting his life in danger and showing exemplary courage, combatted the criminals bravely. Team attempted to approach the criminals to arrest them. The criminals over looked the warnings and continued to fire. Finding no alternative, taking the duty as supreme, showing exemplary courage and bravery and without caring for his life, HC Pramod Kumar entered in the firing range of criminals using field craft and tactics to arrest the criminals and fired in retaliation and a sound of groaning was heard and a criminal fell down injured.

Meanwhile the team of SHO Tappal arrived from expressway. Suddenly two criminals hiding there; fired at SHO Tappal who was saved due to grace of God. On retaliation, the criminals started running away who were chased but managed to flee taking advantage of darkness, bush and grownup crops. After the firing stopped, a widespread search was carried out a criminal was found lying injured, who was identified as Bablu @ Ganja a rewardee of Rs. 50,000/- from UP and Rs. 50,000 from Haryana. He was sent to the hospital to save his life, where he succumbed. One .315 bore ponia CMP with 03 empty and 02 live cartridges, one ponia CMP 12 bore with 04 empty and 23 live cartridges 12 bore, 02 motorcycles, 02 Bicycle Axels, 10 nails and file relating to CBI case was recovered from the spot.

In this operation, Shri Pramod Kumar, Head Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 02/07/2020.

(File No. 11020/28/2025-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 141—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Mukesh Kumar	Sub Inspector	GM
2.	Arun Kumar	Head Constable	GM
3.	Tinkal	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

SI Mukesh Kumar, Station Officer, PS Muradnagar, Police Commissionerate Ghaziabad U.P., accompanying Police team in police vehicle on 02.06.2023 was patrolling for law & order duty in Police Station area and present at Railway Road Tri-junction, having received information from his reliable source about arrival of dreaded killer criminal Vishal @ Monu, along with his companion on Ganga Canal-track from Chitoda to Muradnagar to commit some heinous crime, police team quickly reached at Canal Bridge.

SOG Team of DCP-Rural headed by S.I.Incharge was found, already deployed, there and meanwhile S.I.Incharge OP Railway Road also joined. SI Mukesh Kumar Station Officer within moment, discussed strategy to arrest criminals & deployed

a stopper party near Ordnance Factory Gate and himself, heading Police Team, quickly moved under Railway Bridge on Canal Track, leading towards Chitoda and police vehicle parked jig-zag on Canal Road. To intercept then walked near Canal-Track Tiraha & Police Team under command of Shri Mukesh Kumar, Station Officer took position and vigilantly, started waiting the arrival of criminals & to besiege them. Motorcycle-ridden 02 persons, coming fast from Chitoda side, were sighted at about 15:27 Hrs. and on pointing out by informer that criminal Vishal @ Monu is driving and an alert SI Mukesh Kumar fearlessly moved ahead to intercept criminals-duo. Seeing Police in front, they were dumb-founded and irritatingly, took a fast U-turn on Canal-Track, but motorcycle slipped & crime-clever criminal-duo abruptly opened fire towards Police with intention to kill. One of them jumped in Canal, swam across & escaped, but another one took position behind a tree & continued incessant firing. SI Mukesh Kumar, accompanying Head Constables Arun Kumar & Tinkle and Striking Team, followed with Cover-Team, directed Police officials to close cordon & lay blockade to prevent criminal to escape and he, vigilantly & strategically escaping their sharp firing, boldly moved ahead & loudly challenged criminal to stop firing & surrender, but furious & dreaded criminal continued firing, vigorously. SI Mukesh Kumar during this crisis-level of continued incessant fatal firing by barbarous criminals, combated in front endangering safety of Police. He, with a leadership of highest order, inspiring Police Team, himself, determined to restrain their firing & arrest criminal alive, boldly moved ahead taking cover of Canal-weir followed with accompanying Police Team, again challenged, but firing shots of vigorous firing by criminal hit Shri Mukesh Kumar S.O., in front & Head Constables Arun Kumar of SOG & Tinkle were hit & injured, yet they being hit & injured; tactically retaliated with policing-skill & conspicuous courage in self-defence, causing criminal to fall down injured. He was identified as notorious killer Vikas & Monu, an absconding armed criminal having a reward of 50000/-, who later died during treatment in Hospital and illicit firearm & ammunition were recovered from him successfully.

In this face to face, fierce day-light police encounter, Shri Mukesh Kumar, Sub- Inspector and Head Constables Arun Kumar & Tinkle, in spite of being hit in firing by dreaded criminals, have displayed conspicuous courage, gallant and great sense of dedication towards their duty.

In this operation, S/Shri Mukesh Kumar, Sub Inspector, Arun Kumar, Head Constable and Tinkal, Head Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 02/06/2023.

(File No. 11020/29/2025-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 142—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Ajay Kumar Sahni, IPS	Senior Superintendent of Police	GM
2.	Dinesh Chandra	Sub Inspector	GM
3.	Manoj Kumar	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Having received information from Shri Dinesh Chandra, Station Officer Transport Nagar, Meerut about Motorcycle-ridden 02-Armed Robbers who have committed daring motorcycle robbery one after the another, Shri Ajay Kumar Sahni IPS, Sr. Supdt. of Police, District Meerut, U.P. during the night of Republic Day on 25/26.01.2020 deployed police for intense patrolling in District to ensure law & order in the area. On interception by Police, armed robbers opened fire to kill police team and fled towards Meerut-Delhi Bypass-NH 58. Immediately, the police team sprang into action and quickly left for Meerut-Delhi Bypass to besiege the criminals.

Shri Ajay Kumar Sahni, SSP accompanying Police Team, arrived near Wonder City on NH-58 and sighted motorcycle-ridden 02 criminals fleeing on Highway. Shri Dinesh Chandra, and Police Team closely chased them. Seeing Police Force, irritated criminals took an abrupt turn from Highway to Wonder City Nullah Patri Road. SSP Ajay Kumar Sahni, reaching in proximity with Police Teams, directed to lay blockade and he himself, continued chasing Armed Criminals. Seeing the barbed wires ahead, criminals abandoned their motorcycle and started vigorous firing from firearms holding in their hands towards Police with an intention to kill.

Shri Ajay Kumar Sahni, SSP commanding the Police Force, vigilantly deboarded from vehicles and challenged the crime-clever criminals to surrender which criminals defied. As with conspicuous courage and gallant without caring for their lives, Police teams strategically determined to arrest them and fearlessly moved ahead despite bursts of fire by cruel criminals

that hit the chest of SSP who escaped unhurt, but Head Constable Manoj Kumar and Shri Dinesh Kumar, S.O. were hurt in abdomen & injured.

During this incessant & violent firing by barbarous criminals-duo and situation of 'do or die', Shri Ajay Kumar Sahni SSP was undeterred and determined to arrest them alive. He himself with leadership of highest order & inspiring police Team, dauntlessly led the attack and with him Shri Dinesh Kumar, S.O. & Head Constable Manoj Kumar in spite of being injured, courageously fought back with indomitable courage & resorted firing in self-defence. This resulted to injured one criminal who was captured, however later he died and identified as a absconding armed criminal Chand @ Kale S/o Sattar, having a reward of 1,00,000/- and illicit fire-arms & ammunition & recently robbed Motorcycle etc. were successfully recovered.

In this fierce face to face encounter, Shri Ajay Kumar Sahni IPS, SSP, Shri Dinesh Kumar, Sub-Inspector and Head Constable Manoj Kumar, in spite of being hit, have displayed conspicuous courage, gallant and great sense of dedication towards their duty.

In this operation, S/Shri Ajay Kumar Sahni, IPS, Senior Superintendent of Police, Dinesh Chandra, Sub Inspector and Manoj Kumar, Head Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 26/01/2020.

(File No. 11020/30/2025-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 143—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Dharmesh Kumar Shahi	Deputy Superintendent of Police	GM
2.	Yashwant Singh	Head Constable	GM
3.	Neeraj Kumar Pandey	Head Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Dreaded criminal Harish Paswan of District Ballia with a criminal history of about three dozen heinous criminal cases, had been a synonym of terror for more than one and a half decades in districts Ballia, Gorakhpur, Mau of Uttar Pradesh and bordering districts of Bihar and Chhattisgarh. On 07.07.2021, he brutally murdered Jaleshwar Singh in broad daylight under PS Bairiya district Ballia. Thereafter, he was threatening the witnesses of this case. A reward of Rs. 1,00,000/- was announced by the Additional Director General of Police, Varanasi Zone, Varanasi for his arrest.

An STF team led by DySP Dharmesh Kumar Shahi, collecting intelligence against Harish Paswan, visited districts Ballia, Mau, Ghazipur, Noida, Ghaziabad and parts of Bihar. It was learnt that Harish Paswan is planning to kill witnesses of Jaleshwar Singh murder case. On 03.09.2021, DySP Dharmesh Kumar Shahi while developing the input with his team at Mau Roadways Bus stand, came to know at about 10.30 AM that Harish Paswan is going from Rasra to Ghazipur via Kasimabad to execute the murder. On this, DySP Dharmesh Kumar Shahi rushed to Chandra Shekhar Azad Crossing Rasra along with his team and constituted three teams heading the first. The second and third teams were headed by SI Satyendra Vikram Singh and Inspector Satya Prakash Singh respectively.

The first (striking team) team took position near Neebu Kabirpur on main road Ghazipur via Kasimabad, while second team took position 100 meters before the first team towards Rasra and the third one took position 100 meters away from the first team towards Kasimabad and waited. At about 11.30 AM, two persons were seen coming on a blue Apache motorcycle from Rasra side. The pillion rider was confirmed as Harish Paswan. The first team, informing the others, tried to intercept them. Seeing the police, the criminals abruptly took a U-turn to run back towards Rasra but seeing the second team cutting them off, they turned on the Banauli road. In spite of repeated warnings to surrender, the criminal sitting on rear seat hurled abuses, took out weapons tucked in his waist in his both hands and started firing at police from which DySP Dharmesh Kumar Shahi was narrowly escaped.

Meanwhile, second and third teams also reached Neebu Kabirpur. DySP Dharmesh Kumar Shahi, HC Yashwant Singh and HC Neeraj Kumar Pandey and others alighted from the vehicle and rushed to arrest the criminals who stopped their motorcycle before turn to Banauli road and started indiscriminate firing at police. Police party saved themselves by using field

craft. DySP Dharmesh Kumar Shahi again challenged the criminals to surrender and chased them as they fled towards village Banauli. The criminal sitting on the rear seat, continued to fire at police with weapons in both hands. DySP Dharmesh Kumar Shahi, HC Yashwant Singh and HC Neeraj Kumar Pandey had a close save. The criminals motorcycle went out of control after covering a short distance on Banauli road and they fell down. The criminal sitting on rear seat, continued firing while motorcycle driver managed to get away with motorcycle in the cover of fire from his mate. All the warning given by the police, went into vein and the criminal became more desperate and furious. Seeing the lives of police personnel in danger and finding no alternative to overpower the firing criminal, DySP Dharmesh Kumar Shahi, HC Yashwant Singh and HC Neeraj Kumar Pandey showing indomitable courage, bravery and passion to duty and putting their lives in danger; came out of the cover and moved forward in the cover of slope of the road and fired in a controlled manner. When the firing from the other side stopped, the STF team approached the criminal and found him lying unconscious. He was identified as Harish Paswan a dreaded criminal and rewarder of Rs. One lakh. He was sent to hospital to save his life but succumbed.

One factory made revolver .32 bore, One Country Made Pistol .32 bore, 04 empty 02 live cartridges .32 bore (revolver), 04 empty and one live cartridge .32 bore pistol were recovered from the scene.

In this operation, S/Shri Dharmesh Kumar Shahi, Deputy Superintendent of Police, Yashwant Singh, Head Constable and Neeraj Kumar Pandey, Head Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 03/09/2021.

(File No. 11020/37/2025-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 144—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Border Security Force (BSF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Ravindra Rathore	Deputy Commandant	GM
2.	Devi Lal	Inspector	GM
3.	Sahib Singh	Head Constable	GM
4.	Kanwaraj Singh	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

After receiving reliable inputs about infiltration of Pakistani Rangers with a target to make some attacks or to kidnap BSF personnel during Operation Sindoor, on border of western front especially in Rajasthan and Gujarat Frontiers, BSF teams were activated throughout the western theatre. A team under Ravindra Rathore was also deployed at SHQ Sriganganagar to counter any attempt of Pakistani Rangers.

Ravindra Rathore and his team launched operation 'Eagle-Claw' near zero line. His team camouflaged as farmers and Maid ambush near the zero line continuously for more than 72 hours. On May 3, 2025, the team detected a Pakistani Ranger's team secretly moving towards zero line by taking cover of wild growth, probably to target BSF party near the zero line. The BSF team, under Ravindra Rathore, pounced upon a Pakistani Ranger and captured him, when his team entered in the Indian territory. The BSF team had to enter into hand-to-hand scuffle with the members of Spl Ops team as they cocked their rifles and tried to fire.

During the operation, Ravindra Rathore and his team exhibited exceptional courage, operational brilliance and devotion towards their duty, which compelled Pakistan to negotiate on the terms of India, with regards to release of Puranam Kumar Saw, a BSF personnel, who was captured by Pakistani Rangers on April 24, 2025 from Ferozpur and whose life was in peril.

In this operation, S/Shri Ravindra Rathore, Deputy Commandant, Devi Lal, Inspector, Sahib Singh, Head Constable and Kanwaraj Singh, Constable of Border Security Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 03/05/2025.

(File No. 11020/31/2025-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 145—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Border Security Force (BSF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Alok Negi	Assistant Commandant	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

In response to the barbaric terrorist attack in Pahalgam on 22 April 2025, India launched 'Operation SINDOOR' on the night of 7-8 May 2025, which involved precision strikes targeting nine terrorists logistics/training sites in Pakistan and Pakistan occupied Jammu and Kashmir. In retaliation, Pakistan resorted to heavy firing, shelling on 53 Bn BSP deployed at 16 Forward Defended Localities (FDLs) across the Line Of Control. During OP SINDOOR, from 7th to 10th May 2025, the Pakistan Army launched intense and unprovoked ceasefire violations along the Line of Control targeting Forward Defended Locality (FDL) Mukhiyari and surrounding posts with sustained artillery & mortar shelling (120 mm/82 mm) and medium machine gun fire. Shri Alok Negi, Assistant Commandant, Coy Commander 'G' Coy, Kandarpa Chowdhury and Waghmare Bhawan Deoram of 53 Battalion Border Security Force were deployed at Forward Defended Locality (FDL), Mukhiyari.

As the situation escalated, Assistant Commandant Alok Negi displayed exemplary battlefield leadership by moving between forward positions under intense enemy fire, directing defensive actions, ensuring the safe repositioning of personnel and personally leading the relocation of mortar under enemy bombardment. Under his command, retaliatory fire, was effectively coordinated and delivered on strategic enemy positions including Kopra Ridge, NG Post, DC Post, Sniper Post, and JT-1 blunting the enemy's offensive momentum and maintaining control of the area. Executing his orders with unflinching courage, Constable Kandarpa Chowdhury, Commander of Mortar Detachment-1 engaged key enemy locations such as Kopra Ridge, NC Post, DC Post, Sniper Post and JT-1 with exceptional accuracy. When enemy retaliation intensified, he swiftly repositioned the mortar setup on direct orders from Assistant Commandant Alok Negi and continued sustained fire. His tireless leadership of the mortar team for over 48 continuous hours without any rest and relief, ensured uninterrupted and effective fire support. Simultaneously, Constable Waghmare Bhawan Deoram, Commander of Mortar Detachment-2; played a critical role in executing coordinated mortar shelling. Following instructions from the Coy Commander, he deployed his team under fire, delivering high-volume. Retaliatory fire with precision. His unwavering focus and technical skill significantly degrading the enemy's shelling. He also remained in action for over 48 hours, maintaining operational momentum and morale.

. The exemplary leadership of Assistant Commandant Alok Negi & synchronized efforts of Mortar led by Constable Kandarpa Chowdhury and Constable Waghmare Bhawan Deoram were instrumental in repelling a determined enemy assault. Their seamless coordination, fearless execution under fire; and devotion to duty ensured zero casualties among own troops and inflicted substantial damage on enemy fortifications.

In this operation, Shri Alok Negi, Assistant Commandant of Border Security Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 07/05/2025.

(File No. 11020/41/2025-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 146—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Border Security Force (BSF):—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Udai Vir Singh	Assistant Sub Inspector	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

In response to the barbaric terrorist attack in Pahalgam on 22nd April, 2025, India launched 'Operation Sindoor' on the night of 7-8 May, 2025 which involved precision strikes targeting nine terrorists' logistics training sites in Pakistan and Pakistan occupied Jammu and Kashmir.

In retaliation, Pakistan resorted to heavy firing, shelling and drone attacks on BSF posts across the International Border in Jammu region. During the morning of 10 May 2025 at about 0525 hrs, in a premeditated and unprovoked escalation aimed at avenging "Operation Sindoor," Pakistan Rangers alongwith regulars launched an intense and heavy assault on several Forward Duty Points (FDPs) and Border Out Posts (BOPs) of 120 Bn BSF in Jammu Sector. AOR of 120 Bn BSF bore the brunt of this onslaught, coming under concentrated fire from Pakistan side. BSF troops in morchas of AOR, 120 Bn BSF constantly fired upon enemy posts using all weapons at their disposal.

Later in the evening at around 1700 hrs, Pak- Rangers once again initiated heavy fire, combining 82 mm mortar shells and flat trajectory weapons targeting Indian BOPs and border villages. On 10 May 2025, ASI Udai Vir Singh was deployed at BOP Jabawal, at FDP No. 06, where a MMG was also positioned, he was assigned the mission to destroy a night vision surveillance camera with Thermal Image installed at the Pakistani Post Jumat, thereby denying the adversary real-time surveillance of our BOP and troops movements.

At 0525 hrs, Pakistan launched a coordinated fire assault on our BOPs and FDPs, using heavy fire of high and flat-trajectory weapons. Amidst this hostile engagement, he bravely executed his mission and successfully destroyed the enemy surveillance camera. Enraged by the strike, the enemy unleashed heavy-caliber fire on FDP No. 6 deploying HMGs in a direct fire role. During the intense barrage, ASI Udai Vir Singh, sustained shrapnel wound to his upper lip from HMG splinters and was bleeding profusely. Refusing evacuation, he maintained control of his FDP and continued engaging the enemy position from which the HMG fire was being directed. His precise MMG fire neutralized the enemy HMG nest, rendering it silent and ensuring uninterrupted domination from our side.

ASI Udai Vir Singh suffered life threatening injury and profuse bleeding due to the sustained shrapnel wound to his upper lip. Yet, despite the devastating nature of his injury, he remained conscious, stabilized himself and insisted that he maintained control of his FDP and continued engaging the enemy position from which the HMG fire was being directed. Even while being seriously wounded, ASI Udai Vir Singh motivated his fellow soldiers exhibiting tremendous courage. His exceptional valor under fire enabled the continued retaliatory response from the FDP, playing a pivotal role in repelling the enemy and preserving the post's offensive and defensive capability. Later, ASI Udai Vir Singh underwent

treatment for wound of his upper lip at Military Hospital, Jammu but his spirit of patriotism and commitment to his motherland is undiminished. Even after being evacuated to the Military Hospital, his resilience never waned. He greeted visitors with warmth and expressed a strong desire to return to the line of duty an enduring symbol of bravery, mental strength, and loyalty to the force and the nation.

In this operation, Shri Udai Vir Singh, Assistant Sub Inspector of Border Security Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 10/05/2025.

(File No. 11020/42/2025-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 147—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Border Security Force (BSF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Vyas Dev	Sub Inspector	GM
2.	Suddi Rabha	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

In response to the barbaric terrorist attack in Pahalgam on 22 April 2025, India launched 'Operation Sindoor' on the night of 7-8 May 2025, which involved precision strikes targeting nine terrorists' logistics/training, sites in Pakistan and Pakistan occupied Jammu and Kashmir. In retaliation, Pakistan resorted to heavy firing, shelling and drone attacks on BSF posts across the International Border (IB) in Jammu region.

During the intervening night of 09-10 May 2025, in a premeditated and unprovoked escalation aimed at avenging "Ops Sindoor," Pakistan Rangers along with regulars launched an intense and heavy assault on several Forward Duty Points and Border Out Posts (BOPs) of 07 Bn BSF in Jammu Sector. BOP Sushil bore the brunt of this onslaught, coming under concentrated fire from Pakistani posts Putwal Morcha, Putwal, and Chaprar. The-post was pounded with a long barrage of 82 mm mortar shells and heavy machine gun fire, threatening its very defensive integrity. BSF troops in morchas of BOP Sushil constantly fired upon enemy-posts using all weapons at their disposal all throughout that night.

Around 0500 hrs, during a brief pause, SI Vyas Dev and Ct Suddi Rabha were detailed by company commander to replenish ammunition to frontline troops in morchas to ensure readiness for any renewed enemy attack. This entailed tremendous risk and exposure to sudden enemy shelling. Notwithstanding the duo of SI Vyas Dev and Ct Suddi Rabha took up this onerous task with fortitude.

The two of them drew ammunition from the magazine of the company in BOP Sushil and started moving to the morchas in a bid to distribute it to the needy troops. As they were performing this risk prone mission, shelling suddenly began from the enemy side. However, SI Vyas Dev and Ct Suddi Rabha realising the importance of their assignment gallantly continued in the face of certain death.

They replenished ammunition in AD gun, MMG morcha and took stock of the AGS which developed malfunction. While en route to a morcha behind the mahila barrack, an enemy 82 mm mortar bomb suddenly exploded near them causing grievous-multiple splinter injuries to both.

SI Vyas Dev suffered life threatening injuries and profuse bleeding due to the multiple severe splinter wounds. Yet, despite the devastating nature of his injuries, he remained conscious, stabilized himself and insisted that the ammunition be delivered to the forward morchas before allowing himself to be evacuated. Even while being seriously wounded, SI Vyas Dev motivated his fellow soldiers exhibiting tremendous courage. His exceptional valor under fire enabled the continued retaliatory response from the post, playing a pivotal role in repelling the enemy and preserving the post's offensive and defensive capability: Later, SI Vyas Dev underwent a traumatic amputation of his left leg at Military Hospital, Jammu but his spirit of patriotism and commitment to his motherland is undiminished. Even after being evacuated to the Military Hospital, his resilience never waned. He greeted visitors with warmth and expressed a strong desire to returned the line of duty -an enduring symbol of bravery, mental strength, and loyalty to the force and the nation.

CT Suddi Rabha, equally resolute and courageous, stood shoulder to shoulder with his commander SI Vyas Dev during the critical ammunition replenishment operation. He sustained severe blast trauma-deep lacerations in the perineal region, injuries to both thighs, the left leg and right ankle. Despite the immense pain and life- threatening wounds, CT Suddi Rabha refused to yield. Alongside his injured comrade, he ensured that the ammunition reached the forward morchas, directly contributing to the destruction of enemy fire positions. His calm demeanor under pressure and commitment to duty inspired everyone present at the post.

In this operation, S/Shri Vyas Dev, Sub Inspector and Suddi Rabha, Constable of Border Security Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 10/05/2025.

(File No. 11020/43/2025-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 148—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Border Security Force (BSF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Abhishek Srivastav	Assistant Commandant	GM
2.	Brij Mohan Singh	Head Constable	GM
3.	Depeswar Barman	Constable	GM
4.	Bhupendra Bajpai	Constable	GM
5.	Rajan Kumar	Constable	GM
6.	Basavaraja Shivappa Sunkada	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

In response to the barbaric terrorist attack in Pahalgam on 22 April 2025, India launched 'Operation Sindoor' on the night of 7-8 May 2025, which involved precision strikes targeting nine terrorists' logistics/training, sites in Pakistan and Pakistan occupied Jammu and Kashmir. In retaliation, Pakistan resorted to heavy firing, shelling and drone attacks on BSF posts across the International Border in Jammu region.

On 09 May 2025 at around 2115 hrs, Pakistani Post Afzal Shaheed initiated unprovoked heavy machine gun fire on BSF's Border Out Post (BOP) AMK in Jammu district. The Company Commander of BOP AMK promptly informed the Commandant, 07 Bn at BOP Sushil, who ordered a befitting response and alerted all coy Commanders to prepare for retaliation. Shortly thereafter, adjoining Pakistani Posts Chota Chak and New Chumbian joined the attack drawing retaliation from BSF's BOPs Ommen, Makwal Forward, and Kharkola.

BSF's BOP Kharkola was being commanded by SI Mohd. Imteyaj. Apart from him, on the intervening night of 09-10 May 2025, HC Brij Mohan Singh, CT Deepak Chingakham, CT Depeswar Barman, CT Bhupendra Bajpai, CT Rajan Kumar and CT Basavaraja Shivappa Sunkada arid an AC under training Abhishek Srivastav, all of 07 Bn BSF amongst others were deployed at BOP Kharkola.

BOP Kharkola which is barely situated 200 meters from the International Border came under intense firing involving heavy mortar shelling and flat trajectory fire from automatic weapons from Pakistani posts across throughout the intervening night of 09/10 May 2025. BSF troops under the able command of Post Commander SI Mohd. Imteyaj gave a befitting reply from BOP Kharkola and its forward duty posts.

Amidst this hostile engagement, multiple enemy drones were observed intruding over BOP Kharkola, suspected to be conducting aerial reconnaissance and attempting to drop explosive payloads or guide mortar fire, posing grave threats to personnel deployed in the BOP and its installations. At around 0500 hours on 10 May 2025, Inspector Rajveer Singh Jat, Officiating Company Commander stationed at Command-and-Control Centre of BOP Mangral, observed this rogue drone activity and passed instructions to SI Mohd. Imteyaj, Post Commander BOP Kharkola to remain alert.

Upon hearing, humming sound of drone over his BOP and sensing imminent danger to the lives of his men from this aerial threat, SI Mohd. Imteyaj tactically moved out of his command bunker and spotted two Pakistani drones hovering over the BOP. He immediately summoned a Light Machine Gun (LMG) shouting "drone drone, LMG jaldi lao" to neutralize the drones. Responding swiftly, HC Brij Mohan Singh, Ct Deepak Chingakham, and Ct Depeswar Barman rushed with weapons.

CT Bhupendra Bajpai, CT Rajan Kumar and CT Basavaraja Shivappa Sunkada from their Automatic Grenade Launching System (AGLS) morcha in the BOP also saw the drones. SI Mohd. Imteyaj took the LMG from Ct Deepak and fired, successfully neutralizing one drone, while the other retreated. Soon, another rogue drone appeared. Ct Deepak took back the LMG and opened fire, joined by SI Mohd. Imteyaj, HC Brij Mohan Singh, and Ct Depeswar Barman.

However, within no time an enemy 82 mm mortar shell, perhaps dropped by the drone, exploded just outside the AGLS morcha, causing grievous splinter injuries to SI Mohd. Imteyaj, HC Brij Mohan Singh, Ct Deepak Chingakham, and Ct Depeswar Barman.

HC Brij Mohan Singh, who had earlier responded to the drone threat with exceptional alertness and battlefield initiative, got grievously injured, while attempting to engage enemy drones. The blast caused multiple splinter injuries and severe maxillofacial trauma, including a near complete fracture of the mandible and maxilla. Despite being rendered immobile and incapacitated, HC Brij Mohan Singh displayed indomitable courage, lying grievously wounded without panic defying deep pain and refusing to compromise morale of his fellow soldiers. While in the ICU for nearly two weeks, unable to speak due to 12 cm bone loss, he continued to show mental resilience, saluting officers and comrades from his bed, embodying stoic discipline and battlefield honour.

Constable Depeswar Barman during the neutralization of enemy drones, suffered grievous blast injuries, including perineal trauma and multiple splinter wounds to his neck and lower limbs. Undeterred by unbearable pain and danger to his life, Ct Depeswar Barman continued retaliatory fire with his LMG and thwarted aerial threats while inspiring his comrades. Displaying immense composure under fire, he assisted in evacuating critically injured personnel and ensuring continuity of defensive operations under severe enemy engagement.

Constable Bhupendra Bajpai sustained splinter injuries during the mortar explosion when enemy drones were being neutralized over BOP Khakola. Despite his own wounds, he responded without hesitation to the evacuation call of Shri Abhishek Srivastav, AC. Displaying exceptional courage, he helped in evacuating his injured colleagues under heavy enemy fire, risking his own life to ensure their safety.

Constable Rajan Kumar, though injured by splinters, displayed remarkable bravery in the heat of this battle. When called upon, he immediately joined the rescue effort, exposing himself to enemy fire and helping lift his fellow injured soldiers across open ground to the safety of the overhead protected morcha.

Constable Basavaraja Shivappa Sunkada was also wounded in the explosion at the same time. He exhibited unwavering determination and selflessness ignoring his own blast injuries, he played a critical role in the evacuation, physically

pulling injured teammates to safety under continuous shelling. His actions reflected extraordinary valor and deep camaraderie in combat.

Shri Abhishek Srivastav, AC was posted in BOP Kharkola as part of his on-job-training. He was present in the command bunker with post commander SI Mohd. Imteyaj in that eventful period closely learning the nitty-gritties and getting battle inoculated. When SI Mohd. Imteyaj stirred out the bunker to neutralize enemy drones, this young officer heard some loud explosion moments after. Without caring for his own safety, he rushed to a badly wounded SI Mohd. Imteyaj and the other injured personnel. Under those trying circumstances, AC Abhishek Srivastav managed to organize evacuation of all the injured thereby saving the lives of his fellow men. He demonstrated unwavering courage, initiative and presence of mind.

In this operation, S/Shri Abhishek Srivastav, Assistant Commandant, Brij Mohan Singh, Head Constable, Depeswar Barman, Constable, Bhupendra Bajpai, Constable, Rajan Kumar, Constable and Basavaraja Shivappa Sunkada, Constable Border Security Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 10/05/2025.

(File No. 11020/44/2025-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 149—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Border Security Force (BSF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Rajappa B T	Assistant Sub Inspector	GM
2.	Manohar Xalxo	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

In response to the barbaric terrorist attack in Pahalgam on 22 April 2025, India launched 'Operation Sindoor' on the night of 7-8 May 2025, which involved precision strikes targeting nine terrorists' logistics/training, sites in Pakistan and Pakistan occupied Jammu and Kashmir. In retaliation, Pakistan resorted to heavy firing, shelling and drone attacks on BSF posts across the International Border in Jammu region.

During the intervening night-of 09-10 May 2025, in a premeditated and unprovoked escalation aimed at avenging "Ops Sindoor," Pakistan Rangers along with regulars launched, an intense and heavy assault on several Forward Duty Points and Border Out Posts (BOPs) of 165 Bn BSF in Jammu Sector. BOPs Karotana Khurd, Karotana Forward and Suchetgarh bore the brunt of this onslaught, coming under concentrated fire from Pakistani posts Jamshed, Malane and Kasira. The post was pounded with a continuous barrage of 82 mm mortar shells and heavy machine gun fire, threatening its very defensive integrity. BSF troops in morchas of BOP Karotana Khurd, Karotana Forward and Suchetgarh constantly fired upon enemy posts using all weapons at their disposal all throughout that night.

In the morning hours of 10 May 2025, Pakistan again started firing with mortars and flat trajectory weapons. Forceful reply was being given by BSF's ASI Rajappa B T and CT Manohar Xalxo, deployed at BOP Karotana Khurd of 165 Bn BSF which is situated approx. 500 meters away from International Boundary. At about 0740 hrs, BOP morchas informed the Post Commander that they are likely to exhaust available ammunition of Automatic Grenade Launching System and replenishment was essential to retaliate. The company Commander detailed these two personnel namely ASI Rajappa B T and CT Manohar Xalxo for providing ammunition to the morchas from the company kote.

In order to save lives of their colleagues and without caring for their personal life and safety, Kote Commander ASI Rajappa B T and CT Manohar Xalxo moved towards the magazine where ammunition was kept. They transported the ammunition once to the AGS & other morchas for fighting and giving befitting reply to counterpart/enemy during shelling of counterpart to defend their post & men. However, at about 0750 hrs; when they moved tactically to supply additional ammunition, one 82 mm mortar bomb fired by Pakistan exploded near the magazine causing multiple grievous splinter injuries to ASI Rajappa B T on his right side of his body and CT Manohar Xalxo also suffered injuries on right hand thumb and ring finger with splinters. In spite of injuries both of them continued to carry out the assigned, task in face of certain death exhibiting unmatched gallantry. Later, they were evacuated to Military Hospital, Jammu.

ASI Rajappa B T suffered serious splinters injuries in providing critical assistance to his fellow troopers in the face of fire without caring of his personal safety and saved the life of others who could counter the enemy fire effectively. He also ensured that despite suffering from injuries, he pulled the ammunition boxes to a safe place thus preventing a major mishap. In a show of exemplary bravery, initiative and presence of mind, his action helped put the enemy on the back foot.

CT Manohar Xalxo suffered splinters injuries in combating the enemy and in the face of fire without caring of his personal safety. He bravely assisted his commander in providing ammunition supplies even after suffering from splinters injuries. His actions were vital in countering enemy fire.

In this operation, S/Shri Rajappa B T, Assistant Sub Inspector and Manohar Xalxo, Constable of Border Security Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 10/05/2025.

(File No. 11020/45/2025-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 150—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Santosh Kumar Pal	Second-In-Command	GM
2.	Abhin Kumar Majhi	Constable	GM
3.	Lekhray Chetry	Constable	GM
4.	Vivek Kumar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 28 December 2022, a specific input received from SP Lohardaga about the presence of CPI Maoist dasta of RCM Ravindra Ganjhu near vill Korgo, PS Bagru Distt Lohardaga, Jharkhand. Immediately, a joint operation was meticulously planned consisting troops of 158 CRPF under command Shri Santosh Kumar Pal, 2 IC and troops of Jharkhand Police/SAT under command of Sh Deepak Kumar Pandey, Sr DySP (Ops). Joint troops moved out at around 0130 hrs by Motorcycle on 29 December 2022.

Due to the imminent threat of pressure-triggered IEDs, the troops after reaching the dropping point near vill Gumatoli, started a cross-country tactical movement. As they approached the target area, an outer cut off was established by SAT-191. The remaining party continued their advance towards the target area, negotiating natural obstacles. Upon nearing the suspected area and to effectively cordon it off, the troops were divided into two teams. Team-1 with SAT-3 along with F coy of 158, covering the right Hank and Team-2, under command Shri Santosh Kumar Pal, 2IC, along with QAT 158 and DAP, advanced from the left flank to conduct a thorough search of the probable enemy area.

At dawn, as a small strike component of Team-1, advanced tactically, a Naxal sentry detected their movement and started firing towards them. The troops challenged the armed Naxals to surrender, but the Naxals intensified their fire. Strategically, the troops retaliated, causing the Naxal group to alter their positions. Taking advantage of the dense vegetation, the Naxals maneuvered towards the other side where Team-2 had already assumed their positions. To outflank the enemy, Shri Santosh Kumar Pal, 2 IC, swiftly and tactically repositioned his team and positioned himself in front of the assault group of QAT 158. At the critical moment when two Naxals from Dasta entered from the right side, they were promptly challenged by the nearest QAT personnel within the cordon. In response, the Naxals opened fire on this party and attempted to move in two different directions.

Ct Lekhray Chetry chased one of the Naxals, while other personnel alerted the commander about the movements of the other Naxal from his location. Reacting quickly to the situation, Shri Santosh Kumar Pal, 2 IC, ordered his team not to open fire, considering that the QAT members were positioned behind the Naxals. This strategic decision was vital to maintain the element of surprise for the remaining party. Recognizing the direction of the Naxals' movement, Shri Santosh Kumar Pal, 2 IC, directed the buddy Ct Vivek Kumar to advance from the left flank to provide support to Ct Lekhray Chetry, who was chasing one Naxal. Simultaneously, he instructed the right flank buddy Ct Abhin Kumar Majhi to crawl and position them near the wall of the hut for better tactical cover.

During this intense engagement, one of the Naxals advancing towards the hut spotted Shri Santosh Kumar Pal, 2 IC, and opened indiscriminate fire in his direction. Fortunately, he narrowly escaped and undeterred by the hail of Naxal fire, Shri Santosh Kumar Pal, 2 IC, bravely retaliated, inflicting injuries on the Naxal and compelling him to take cover near the hut. Meanwhile, Ct Abhin Kumar Majhi closed in on the hut, reached a strategic position for cover and opened fire, due to which Naxal could not breach the cordon and fell down near hut due to severe bullet injuries.

On the other side, Ct Vivek Kumar and Ct Lekhraj Chetry continued to advance towards the other Naxal, adopting fire and move tactics from the left and right sides. Amidst the exchange of gunfire from multiple directions, the Naxal got panicked. Suddenly, he changed his direction, attempting to climb uphill. However, due to the weight of his heavy backpack, his climbing attempt failed. As the Naxal momentarily ceased firing to use his hands for climbing, his weapon slipped from his grasp. Recognizing the opportunity, both Constables swiftly closed in on the Naxal from their respective directions. As the Naxal moved backward to retrieve his weapon, he was challenged by Ct Vivek Kumar to raise his hands. In a split second and under the commander's direction, Ct Lekhraj Chetry bravely apprehended the fleeing Naxal from behind. Consequently, one of the Naxals was captured alive.

The two apprehended Naxals were identified as Chandrabhan Pahan (SZC) and Govind Birajia (SZC), both of whom had a reward of 5 lakhs on their heads. After providing initial medical aid to the injured Naxal, Chandrabhan Pahan, on the spot, he was promptly evacuated to Sadar Hospital, Lohardaga but, he succumbed to his injuries.

During the on spot interrogations by both team commanders, the apprehended Naxal, Govind Birijia, disclosed the names of other fleeing Naxals who had taken cover in thick vegetation. He also revealed the presence of arms and ammunition dump in the Korgo forest area and IEDs dump in the Guni forest area. In response to this valuable information, QAT 158 under the command of Shri Santosh Kumar Pal, 2IC, and SAT-191 under the command of Shri Deepak Kumar Pandey swiftly proceeded to vill Guni, PS Sarendag, for the recovery of 200 IEDs, leaving F- 158 and SAT-3 under the command of Shri Ashiq Ali at Korgo to secure the area housing the arms and ammunition dump.

Following the successful demolition of 200 IEDs and 150 meters of Cordex wire, the troops returned to Korgo, and the operation continued until the recovery of the arms and ammunition dump the next day. This operation yielded significant results, as 1 No SLR, 1 No INSAS, 2 No 303 rifles, 1 No 306 semi-automatic rifle, and 597 rounds of ammunition of various calibers were recovered.

In this operation, S/Shri Santosh Kumar Pal, Second-In-Command, Abhin Kumar Majhi, Constable, Lekhraj Chetry, Constable and Vivek Kumar, Constable of Central Reserve Police Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 29/12/2022.

(File No. 11020/152/2023-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 151—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Ashok Kumar	Second-In-Command	GM
2.	Shibin Krishnan K	Head Constable	GM
3.	Brijender Singh	Constable	GM
4.	Ramesh Kumar Punem	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 16th October 2022 at approximately 1935 hours, Shri Ashok Kumar, 2 I/C of 210 CoBRA, was informed of a Maoist attack on the Tarrem Base Camp. During attack state, Police Sub Inspector Rakesh Suryavanshi was critically injured. Appreciating the urgency of situation, Shri Ashok Kumar coordinated with the DIGP (Ops) CRPF Bijapur Range and the SP of Bijapur District to launch an immediate evacuation operation.

By 1950 hours, six teams from 210 CoBRA. comprised of personnel from Sarkeguda and Pegrapalli camps, were deployed to secure the route between Basaguda and Pegrapalli. Despite possibility of potential ambush threats, the CoBRA troops, led by Shri Ashok Kumar, undertook the rescue of injured Police officer despite the grave dangers.

Using his tactical expertise, Shri Ashok Kumar assigned two teams from Sarkeguda to cover both Hanks of the road while three teams from Pegrapalli secured the approach to Sarkeguda. As Team No. 11 and 12 began their tactical advance towards Pegrapalli, they encountered heavy fire and a strategic ambush laid by the CPI (Maoists). The ambush involved automatic gunfire and IED blasts aimed to inflict maximum casualties on the Security Forces.

Shri Ashok Kumar and his scout party had a narrow escape from a powerful IED blast. Regaining their composure, they quickly reorganized and mounted a counterattack against the Maoists, inspiring fellow troops to join the fight. Under covering fire, they executed fire-and-move tactics to push back the attackers.

As the firefight continued, the condition of the injured SI worsened. CT Brijender Singh decided to evacuate him using a civilian vehicle, navigating through the active conflict. The Maoists targeted the vehicle with another IED, creating a large crater in the road but fortunately causing only minor damage to the vehicle. Shri Ashok Kumar instructed his team to provide cover fire, enabling CT Brijender Singh to drive the injured officer to safety.

The coordinated and impactful counter response from the 210 CoBRA troops ultimately forced the Maoists to retreat. The next morning, in a search operation, miscellaneous incriminating Maoist-related items were recovered from the encounter site. As a result of conspicuous bravery and sharp tactical maneuvering of the troops, the critically injured Sub inspector was successfully evacuated.

In this operation, S/Shri Ashok Kumar, Second-In-Command, Shibin Krishnan K, Head Constable, Brijender Singh, Constable and Ramesh Kumar Punem, Constable of Central Reserve Police Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 16/10/2022.

(File No. 11020/147/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 152—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), 1st Bar to GM and 3rd Bar to GM to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Kumar Navin	Second-In-Command	GM
2.	Teja Ram Choudhary	Assistant Commandant	3rd Bar to GM
3.	Rafiq Ahmad Lone	Constable	GM
4.	Ganesh Chand Jat	Constable	1st Bar to GM
5.	Jeet Tanti	Constable	1st Bar to GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

During the night of 07/08 December 2021, SSP Shopian shared actionable intelligence regarding the presence of 2-3 armed terrorists in Chek Cholan village, Shopian, J&K. Based on this specific intelligence input, a joint cordon & search operation was planned in a swift manner by Shri Kumar Navin, 2-IC of 178 CRPF with 34 RR and Jammu & Kashmir Police/ Special Operation Group, in the reported area. As per plan, joint teams of 178 CRPF, 34 RR and J&K Police reached target area at approximately 0100 Hrs.

Shri Kumar Navin, 2-IC, efficiently deployed the teams to establish a robust inner cordon around target House No. 62, where terrorists were hiding. He ensured safety of the surrounding area by securing adjacent houses and strategically, set up a fire base at House No. 61, directly facing the target house, enabling a coordinated and well executed operational response.

At first light, an appeal for surrender to the terrorists was issued. The terrorists, instead of acceding to the appeal, launched an indiscriminate and aggressive attack on the security forces. The joint team, exercising restraint and precision, retaliated in self-defense. During this exchange, one terrorist attempted to escape towards a nearby drain. In a display of exceptional skill and coordination, Shri Teja Ram Choudhary, Asstt. Comdt., along with CT Ganesh Chand Jat and CT Jeet Tanti, eliminated the fleeing terrorist, ensuring the intactness of the cordon.

Despite the neutralization of one terrorist, random firing from the target house continued. To counter the escalating situation, a BP Backhoe Loader Machine was utilized to demolish the boundary wall of the house, enhancing visibility and reducing the terrorists' tactical advantage. However, the terrorist retaliated fiercely, targeting the positions at House Nos. 61, where the SFs were deployed.

Amidst intense gunfire, Shri Kumar Navin, 2-IC, and CT Rafiq Ahmad Lone fearlessly engaged the attackers, neutralizing a second terrorist within the house. Their unwavering focus and precise retaliatory fire ensured maintenance of an upper hand by the joint forces. As a result, the remaining terrorist was subsequently neutralized after a coordinated assault by the CRPF teams.

Following the operation, a thorough search of the target house and surrounding area led to the recovery of the bodies of three terrorists, identified as Husaib Yousuf Dar, Rayees Ahmad Mir, and Amir Manzoor Ganaie, all members of the Lashkar-e-Taiba (LeT) terrorist outfit, alongwith their arms & ammunition thereby effectively neutralizing their nefarious plans.

In this operation, S/Shri Kumar Navin, Second-In-Command, Teja Ram Choudhary, Assistant Commandant, Rafiq Ahmad Lone, Constable, Ganesh Chand Jat, Constable and Jeet Tanti, Constable of Central Reserve Police Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 07/12/2021.

(File No. 11020/195/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 153—Pres/2025—The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM), 2nd Bar to GM and 4th Bar to GM to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Teja Ram Choudhary	Assistant Commandant	4th Bar to GM
2.	Ganesh Chand Jat	Constable	2nd Bar to GM
3.	Shaiju T.D	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

During the intervening night of 09/10 October 2023, a joint counter-terrorism operation was launched in Alishahpora, PS-Zainapora, District Shopian (J&K), based on a specific intelligence input shared by SSP Shopian about the presence of 2-3 heavily armed terrorists in the area.

As per the ops plan, ensuring swift and coordinated action; joint teams were deployed to cordon two houses and a religious structure (DARASGAH) suspected of harboring terrorists. Civilians in the vicinity were tactfully evacuated to safety, though none confirmed the presence of terrorists. Realizing the imminent challenge posed by the security forces, the terrorists readied themselves for confrontation.

The joint teams, led by Shri Teja Ram Choudhary, Assistant Commandant of 178 CRPF began advancing toward the target house. Positioned at the village corner with an orchard nearby, the single-story house posed a high risk for potential escape attempts. As the teams approached, the terrorists unleashed indiscriminate fire, attempting to disrupt the advance of the security forces. Demonstrating exceptional tactical acumen, the teams avoiding casualties, secured defensive positions, and retaliated effectively.

To pinpoint the terrorists' exact location, a drone was deployed, confirming the presence of two armed militants at the doorstep of the target house. To prevent their escape into the dense orchard or nearby forest, the cordon was tightened, firebases were reinforced and nearby structures like house were strategically occupied by joint forces. Despite repeated surrender appeals made by the J&K Police, the terrorists responded with heavy gunfire, leading to a fierce gun battle.

During the encounter, one terrorist attempted to escape by firing indiscriminately toward the southeast of the cordon. Displaying remarkable composure and exceptional operational skills, Shri Teja Ram Choudhary, AC and his team swiftly neutralized him with precise retaliatory fire. Meanwhile, the second terrorist, injured while crawling toward the forest, initially managed to conceal himself but revealed his position at first light while trying to flee again. He was subsequently neutralized by CT Ganesh Chand Jat and CT Shaiju T.D, positioned at nearby firebases, approximately 30-40 meters from the target house.

After securing the area, a final search confirmed the elimination of both the terrorists. Their bodies were identified as Jazim Farooq Wani and Marifat Maqbool Mangloo, operatives of the Lashkar-e-Taiba (LeT).

This immaculately planned and clinically executed operation, which led to the neutralization of two terrorists, that too, without any collateral damage is testament to the indomitable courage and remarkable teamwork of team 178 CRPF, especially the commander Shri Teja Ram Choudhary, AC, Ct Ganesh Chand Jat and Ct Shaiju T. D.

In this operation, S/Shri Teja Ram Choudhary, Assistant Commandant, Ganesh Chand Jat, Constable and Shaiju T.D, Constable Central Reserve Police Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 10/10/2023.

(File No. 11020/192/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 154—Pres/2025- The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Central Reserve Police Force:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Satish Kumar Malik	Second-In-Command	GM
2.	Arun Kumar	Second-In-Command	GM
3.	Babu Lal	Inspector	GM
4.	Bhagwan Sahay Gurjar	Constable	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27th February 2023, at about 1900. hrs, based on specific input received from SSP PD Awantipora about the presence of 02 terrorists in vill Padgampora, PS Awantipora, Distt Pulwama, J&K; a CASO was launched by 130 CRPF, 55 RR and SOG of JKP. The joint teams of QAT of 130 CRPF under command Shri Arun Kumar, 2 IC, 130 CRPF, GTT of 130 CRPF under command Shri Akhand Pratap Singh, AC along with 55 RR and SOG of Awantipora JKP reached the target location and laid an initial cordon around the 35 suspected houses (including Jamia Masjid) sealing off all potential escape routes.

As per the ops plan, CTT of 130 CRPF under the command of Shri Akhand Pratap Singh, AC deployed in the south-west direction of the target area, Shri Arun Kumar, 2 IC along with his protection party and QAT of 130 CRPF deployed towards north-east direction at Jhelum River and troops of SOG of JKP and 55 RR were deployed in remaining directions of the target area. Shri Satish Kumar Malik, 2 IC along with his protection party also reached the target location and placed in the north direction of the target area. One platoon each of C and-F coy of 130 CRPF and one section of D coy of 130 CRPF, E and G coy of 185 CRPF were also deployed in the outer cordon to deal with any emergent law and order situation.

After sealing all escape routes, joint troops initiated a search operation. At about 0040 hrs, as the team approached Jamia- Masjid; hidden terrorists within the mosque initiated a heavy indiscriminate firing, targeting the search team. In-response, the joint troops engaged in retaliatory fire, resulting in one terrorist being hit and incapacitated on the spot, while the other managed to flee into a nearby house. During the exchange of fire, two personnel of 55 RR sustained injuries and were promptly evacuated to 92 base hospital in Srinagar. Unfortunately, one of them succumbed to his injuries and attained martyrdom. Moreover, a terrorist had managed to change his-position and hid in a nearby house during the first encounter. The operation was temporarily suspended until daylight for safety and strategic reasons.

The operation resumed on the morning of 28th February, 2023 and joint troops commenced search of Jamia Masjid and recovered the dead body of terrorist Aqib Mushtaq Bhat. The second terrorist was suspected to be hidden in house No. 88, near Jamia Masjid. A firebase was established on the first floor of Jamia Masjid by troops overseeing the target house's southern side. After repeated announcements by the J8sK police, civilians were evacuated and relocated. Subsequently, a civilian, equipped with a body camera, was sent into the target house and footage confirmed the presence of the terrorist hidden in the bathroom of the house.

The hidden terrorist was asked to surrender but of no avail, he initiated indiscriminate firing on the troops. The troops, positioned in the inner cordon at the firebase, effectively retaliated. In the exchange of fire, rounds from MGL and LMG were directed at the bathroom door and windows of the target house. After careful assessment and detailed deliberations, two teams from the GRPF were formed. Team No. 1 led by Shri Satish Kumar Malik, 2 IC included Gt Bhagwan Sahay Gurjar with a gas gun and other. Team No. 2, under the command of Shri Arun Kumar, 2 IC consisted of Insp Babu Lal with a gas gun and other.

Both the teams were briefed about the situation, but the advance posed a significant challenge for both teams. However, undeterred by personal safety; both teams advanced towards the target amidst continuous terrorist fire. Shri Satish Kumar Malik, 2 IC with team no 1 positioned themselves on the left side of the series of windows on the south side of the firebase. Despite intermittent fire from the terrorist, Shri Satish Kumar Malik, 2 IC displaying remarkable courage, moved beyond cover and initiated fire on the terrorist hidden in the bathroom of the target house, who was at a distance of approximately 50 meters. Simultaneously, Shri Arun Kumar, 2IC with team no 2 exhibited bravery and skillful tactics, taking charge at the right end of the series of windows. Meanwhile, troops from 55 RR fired additional rounds of LMG and MGL on

the bathroom of the target house, causing substantial damage to its doors and windows. The terrorists, however, remained adequately protected by the concrete wall of the bathroom against the firing of the joint troops.

Due to the proximity of the target house to other residences, a cautious approach was essential to prevent collateral damage. Shri Satish Kumar Malik and Shri Arun Kumar, both 2 IC, demonstrated remarkable courage. They strategically exposed themselves to provide cover for their teams, facilitating the precise firing of tear gas shells at the broken door and window panes of the bathroom in the target house.

Ct/ Bhagwan Sahay Gurjar on the left flank and Insp Babu Lal on the right flank, disregarding personal safety, fired tear gas shells in quick succession at the bathroom openings where the terrorist was hiding. Suffocated by tear gas from both ends of the firebase, the terrorist was compelled to abandon his position. Simultaneously, Shri Satish Kumar Malik, 2 IC, and Shri Arun Kumar, 2 IC positioned at both ends of the windows, seized the opportunity and bravely moved forward to effectively fire on the terrorist. The second terrorist was neutralized during the exchange of effective fire by the joint troops deployed at the firebase. Post-encounter search, another dead body of a terrorist was recovered.

During the joint operation, two terrorists were neutralized. They were later identified as Aqib Mushtaq Bhat, Outfit HM, Category A and Ajaz Ahmad Bhat, Outfit JeM, Category C. Further, AK 47 Rifle 01, AK 74 Rifle 01, AK Series Magazines Op, AK live rounds 103, Pistol 01, Pistol magazines 02, Pistol rounds 20, Hand grenades 03 etc were also recovered.

In this operation, S/Shri Satish Kumar Malik, Second-In-Command, Arun Kumar, Second-In-Command, Babu Lal, Inspector and Bhagwan Sahay Gurjar, Constable of Central Reserve Police Force displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 27/02/2023.

(File No. 11020/12/2025-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 155—Pres/2025- The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Delhi Fire Service:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Bhupender Prakash	Assistant Divisional Officer	GM
2.	Rajesh Kumar	Sub-Officer	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 22nd October 2023 at around 07:40 hours, a wireless message was received at the watch room of various fire stations—Roop Nagar, J.R. Road, S.P. Marg, and Wazirpur—reporting a fire at H. No. 16/5126, Harphool Singh Building, near PNB, Subzi Mandi, Ghanta Ghar. The building, comprising a ground floor and three upper stories, was engulfed in flames. Upon receiving the alert, four fire units were dispatched immediately. As the fire crews arrived, numerous calls flooded the fire control room, informing that several individuals were trapped inside and their lives were at risk. Assistant Divisional Officer (ADO) Bhupender Prakash was immediately deployed to the scene. Upon arrival, it was evident that the fire on the second and third floors was severe, with flames and smoke visible from a distance. The single staircase providing access to the upper floors was fully engulfed, making entry through it impossible.

The situation was perilous, with trapped residents crying for help as the intense heat and smoke made breathing difficult. ADO Bhupender Prakash quickly assessed the scene and formed four teams: two for rescue and two for firefighting. An extension ladder was pitched to the second floor from the rear of the building to initiate rescue and firefighting operations. Simultaneously, ADO Bhupender Prakash and the second rescue team accessed the terrace of the burning building via an adjoining structure. They attempted to reach the affected floors through the terrace staircase but were blocked by thick smoke and extreme heat.

Determined to save the trapped individuals, ADO Bhupender Prakash made a daring decision. He jumped from the terrace to the third-floor balcony, initiating a high-risk rescue operation. From the balcony, he began pulling trapped residents up to the terrace, where Sub-Officer Rajesh Kumar and his team were ready to assist. This perilous endeavour was both physically demanding and dangerous for the rescuers and the trapped individuals. Meanwhile, firefighting teams laid two delivery hose lines—one from the front and another from the rear to prevent the fire from spreading horizontally and vertically.

During the operation, four LPG cylinders were recovered, one of which exploded, adding to the danger. Despite this, the teams continued their efforts without hesitation. The coordinated rescue and firefighting efforts resulted in the successful

evacuation of 16 individuals, including three men, seven women, and six children. Three of the rescued individuals sustained injuries and were transported to Hindu Rao Hospital for treatment.

The bravery and leadership displayed by ADO Bhupender Prakash and Sub-Officer Rajesh Kumar was instrumental in the successful outcome of the operation. The heroic actions of the firefighting team led by ADO Bhupender Prakash, exemplified exceptional courage, teamwork, and quick thinking. His adeptness in making split second decisions under intense pressure ensured the safety of entrapped, illustrating an extraordinary blend of leadership and unwavering determination. Their innovative balcony-to-terrace rescue strategy showcased remarkable skill and dedication to public safety. The public present at the scene applauded their gallantry, and the next day, their heroic efforts were featured in leading newspapers.

In this operation, S/Shri Bhupender Prakash, Assistant Divisional Officer and Rajesh Kumar, Sub-Officer of Delhi Fire Service displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 22/10/2023.

(File No. 11020/188/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 156—Pres/2025- The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Jammu & Kashmir Fire Service:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Noor Alam Jatla	Sub-Officer	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the 2nd of July 2023, at precisely 14:47 hours, a grave and perilous fire incident unfolded at Mominabad Batamaloo, Srinagar. The incident involved a three-storeyed 'U'-shaped shopping complex, primarily utilized as a Hardware/paint/PVC items storage facility, which was tragically engulfed in flames. The situation escalated with the explosion of numerous cylinders within the complex and the fire menacingly encroached upon neighboring complexes and residential properties. In the face of this dire emergency, a true exemplar of bravery and dedication emerged by Sub-Officer Noor Alam Jatla who embodied the essence of a first responder. Without a moment's hesitation, he embarked on a valiant rescue mission, swiftly evacuating the trapped individuals from the complex, ensuring their safety amid the chaos. Meanwhile, displaying remarkable professionalism, unwavering determination, and a profound commitment of duty, Sub-Officer Noor Alam Jatla orchestrated the deployment of personnel and firefighting equipment. In an act of unparalleled selflessness, he ventured into the blazing inferno at the farthest corner of the structure armed with a charged fire hose. With unmatched precision and courage, he helped in successful containment and extinguishment of fire, thus averting its catastrophic spread to adjacent residential houses and complexes. It is with great admiration and profound respect that, in the course of his heroic actions, Sub-Officer Noor Alam Jatla experienced a perilous fall from the first floor of the building. After approximately 80% of the firefighting operation had been completed, the supervising officer found himself in a critical medical condition and grappled with the adverse effects of suffocation due to his unyielding efforts in dousing the flames. It is noteworthy that any minor delay, even of just a few minutes, in promptly transporting Sub-Officer Noor Alam Jatla to a medical facility would have posed an imminent risk to his life. The officer was admitted to the JVC SKIMS Hospital in Srinagar, where he received medical treatment and care for a duration of four days. The selfless valor and unwavering dedication exhibited by this officer serve as an inspiration. His actions, undertaken in the face of extreme danger, undoubtedly prevented a calamity of untold proportions. His commitment to preserving life and property, even at great personal risk, reflects the highest standards of professionalism.

In this operation, Shri Noor Alam Jatla, Sub-Officer of Jammu & Kashmir Fire Service displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 02/07/2023.

(File No. 11020/125/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 157—Pres/2025- The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Maharashtra Fire Service:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Santosh Raosaheb Ingole	Senior Station Officer	GM
2.	Yogesh Hanumant Kondawar	Fireman	GM
3.	Sunil Suresh Desale	Fireman	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

As per CR message dated 22/09/2023 at about 1502 hrs, ADFO S. G. Jaybhaye, MP-45 L/Fm crew lead by Senior Station Officer Santosh Raosaheb Ingole & JT-23 from Goregaon Fire station, MP-36 S.O.M.H.Sonawane L/Fm crew from Dindoshi Fire Station, MP-30 SO R.S.Pawade L/Fm crew, BAV-3 & JT-5 from Andheri Fire station, AWTT-6 from Malad Fire Station, TTL-5 from Bandra Fire Station, were turned out at above said address.

While approaching to the scene of incident from New link road near mega mall road junction, huge dense black smoke was seen by first arriving officer Senior Station Officer Santosh Raosaheb Ingole, hence accordingly message transmitted by him to C.R. On arrival of Senior Station Officer Santosh Raosaheb Ingole & crew at the scene of incident, the mass of public were gathered at the entrance of the mall building and shouting for the help to rescue their inmates/parents who were stranded inside the mall building which was completely dense black smoke logged. While sensing the severity of situation and persons trapped inside smoke logged mall building, Senior Station Officer Santosh Raosaheb Ingole immediately transmitted L-2 fire call message asking for help of 8 fire engines, water tankers and more and more TTL, ALP for urgent rescue operation.

As per statement of first arriving officer Senior Station Officer Santosh Raosaheb Ingole that entire mall was completely dense black smoke logged that even from one feet distance from entry point nothing was visible inside the mall. When asked by First arriving officer Senior Station Officer Santosh Raosaheb Ingole to security personals about any other access/entry to the mall building then it was revealed that there are two more staircase at the back side of the mall i.e. gate no. 2 (Eastside) & gate no.3 (Westside). He rushed towards backside i.e. south side of the mall to ensure it when he saw huge flames with dense black smoke were shooting out from second floor of the said mall building. He immediately instructed entire MP-45 crew to rush towards backside i.e. south side of the mall where he immediately layout a small hose line and a high pressure first aid hose line & pressed into firefighting operation by two Firemen donning BA sets.

While approaching second floor through staircase, they came to know that about 3 to 4 persons are stranded in dense black smoke in the passage on first floor of the building and shouting for help to rescue them. Senior Station Officer Santosh Raosaheb Ingole, immediately took his two Firemen (who already donned with BA sets) and rescued 3 persons stranded in dense black smoke with tremendous heat and took them safely out through staircase (Gate no.2). While that rescue operation one person namely Mr. Raj Israni aged about 69 yrs was suffocated due to smoke inhalation and collapsed in front of them, that time as per instruction of Senior Station Officer Santosh Raosaheb Ingole, to his staff members i.e. Fireman Yogesh Hanumant Kondawar & Fireman Sunil Suresh Desale one by one applied their BA set's face mask to that person's face and revived him (Mr. Raj Israni) by supplying fresh air/oxygen from BA set cylinder and took him out of the mall building through staircase. Further he was Shifted to Kokilaben Dhirubhai Ambani hospital in police van and admitted for further medical treatment.

On arrival of ADFO S.G.Jaybhaye, situation was appraised to him by Senior Station Officer Santosh Raosaheb Ingole and further rescue and firefighting operation was carried out under his guidance and supervision. Further Fireman Yogesh Hanumant Kondawar suffocated due to inhalation of smoke was removed to Balasaheb Thackrey trauma hospital in 108 ambulance. S.O. R.S.Pawade Lfm crew of Andheri and S.O. MH Sonawane Lfm crew of Dindoshi were informed on walkie talkie to reach to rear side of the mall and to layout hose line (from gate no.2) for effective firefighting work as fire was originated at the rear side of the mall building. Further sensing the spread of fire from second floor to third floor and persons still trapped on upper floors i.e. in gymnasium, hospital and on terrace L-3 fire call message was transmitted to C.R. by ADFO S.G.Jaybhaye asking for total 12 fire engines and more of TTLs for further rescue operation.

Senior Station Officer Santosh Raosaheb Ingole again joined his crew for firefighting work in a tremendous heat and smoke. While fighting fire in black dense smoke & tremendous heat Lfm Sandip Maruti Patil & Fm Raju Uttam Shingankar got suffocated due to inhalation of smoke and were removed to Cooper hospital in 108 ambulances where they were admitted in ICU ward by Dr. Sunil Kadam for further medical treatment. On arrival of MP-47 crew from Malad fire station, it was instructed to them by ADFO S.G.Jaybhaye & Senior Station Officer Santosh Raosaheb Ingole to pitch Angus ladder from west side of mall and rescue persons trapped inside the gymnasium on third floor of the mall. Accordingly, 03 nos. of persons were rescued safely through Angus ladder after severity of smoke was reduced.

On arrival of DyCFO A.V. Bangar & DFO P.G. Dudhal situation was appraised to them and further rescue and firefighting operation was carried out under his guidance and supervision. Further TTL-5 from Bandra fire station was pitched at the front side (North) of the mall building and from there rescued safely 08 males and 01 female from terrace of the building. 05 nos. of persons who were trapped on terrace were rescued safely through gate no.2 staircase after severity of smoke was reduced. Total of 08 hose lines (06 small, 01 high pressure line, 01 TTL) of 12 fire engines were pressed in to firefighting operation.

Further CFO i/c R.N. Ambulgekar and DyCFO A.V. Parab arrived at the scene of incident 85 situation was appraised to them and further rescue and firefighting operation was carried out under their guidance and supervision. Thorough search was made in entire mall for any trapped persons in presence of police. In this way total about 20 nos. of persons (19 male & 01 female) were rescued safely who were trapped inside the dense smoke logged mall building. Further it was observed that fire was confined to electric wiring, electric cables, electric duct, A.C. duct, electric installation, fixtures, various office furniture, various office records, valuable documents, personal belongings, office papers, electrical gadgets, Personal computers & its accessories, printers, laptops & hardware equipments, split AC indoor & outdoor units, studio equipments, movie film discs/tracks, important film licenses & agreement papers, Income tax documents, Television sets, cameras, various decorative materials, gymnasium equipments, CCTV & its accessories, UPS sets in server room, main wooden doors with its frame, glass doors, glass partitions, false ceilings, paint & plaster work, polycarbonate roof sheets in about in an area about 5000 sq. fts. in various shops, offices, gymnasium on first, second & third floor of said commercial mall building.

In this operation, S/Shri Santosh Raosaheb Ingole, Senior Station Officer, Yogesh Hanumant Kondawar, Fireman and Sunil Suresh Desale, Fireman of Maharashtra Fire Service displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 22/09/2023.

(File No. 11020/31/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 158—Pres/2025- The President of India is pleased to award Medal for Gallantry (GM) to the under mentioned personnel of Uttar Pradesh Home Guards and Civil Defence Service:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Amarnath Misra	Chief Warden	GM

Statement of service for which the decoration has been awarded

Shri Amarnath Misra is a Chief warden of Civil Defence, Lucknow. He has participated and organized many disasters related training programs in district level and National level. A disastrous situation at Yahiyaganj Bazar, Lucknow on 08/09/2024 due to short circuit a fire incident occurred in a house situated at fourth floor of a building. The owner Sudhaker Bajpai, his brother Diwaker Bajpai and family started panicking. Yahiyaganj Bazar was over crowded area and this area has very narrow roads for escape route. Shri Amarnath Misra immediately responded to the incident place and started evacuating the area. After that with the help of some local volunteers, he cordoned off the area. Then, he immediately rushed towards the fourth floor of the building where the fire incident occurred. He cut off the electric supply of the building from the main line and evacuated all members of Sudhaker's family from incident place to safe place outside the building. The room where this fire started, was full of poisonous smoke. He put wet handkerchief on his nose and enter the house. He found fire in the kitchen area where two LPG gas cylinders was near the fire. If cylinders caught fire would be more devastating. He immediately put both cylinders out of the house in safe place and he started throwing water with the help of a bucket on the fire. Sooner he extinguished fire in the house. Due to Shri Amarnath Misra's alertness and quick decision-making ability, this fire incident was controlled very soon with not any injuries or casualties.

In this operation, Shri Amarnath Misra, Chief Warden of Uttar Pradesh Home Guards and Civil Defence Service displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

The Medal for Gallantry (GM) is conferred under President's Secretariat Notification No. 85-Pres/2023 dated 14th October, 2023 and Ministry of Home Affairs' communication No. 11024/06/2023-PMA dated 16th October, 2023. Consequently, this award carries with it the admissible monetary allowance with effect from 08/09/2024.

(File No. 11020/196/2024-PMA)

S. M. SAMI
Under Secretary